Bharatiya Bhasha Jyothi Series

भारतीय भाषा ज्योति

कन्नड

HINDI - KANNADA

भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages
(Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Government of India)
Hunsur Road, Manasagangotri
Mysuru – 570 006
website: www.ciil.org

भारतीय भाषा ज्योति

कन्नड

मैसूर के भारतीय भाषा संस्थान (भारत सरकार) तथा भाषा विभाग (उत्तर प्रदेश) के सहयोग से संचालित एक कार्यशाला में विरचित इस पुस्तक को **डॉ. काळेगौडा** ने ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान (शान्तिकुञ्ज) हरिद्वार के लिए परिष्कृत कर अंतिम रूप दिया।

भारतीय भाषा ज्योति

कन्नड

रचयिता

काळेगौडा
एस.एम. तुम्बरमट्टी

हिन्दी विशेषज्ञ

राम आधार सिंह
के.पी. पाल

रूपांकन तथा संपादन

बी. श्यामला कुमारी

भारतीय भाषा संस्थान

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार)
मानसगंगोत्री, मैसूर-570006

एवं

ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान

शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार-249411

Bharatiya Bhasha Jyothi: Kannada by
Kalegowda & S.M. Thumbaramatti

First Published: *September 2001*
Bhadra 1923

Prof. Udaya Narayana Singh
Director
Central Institute of Indian Languages
Manasagangotri, Mysore-570006
INDIA

Phone : 0091-821-515820(Direct)
0091-821-515558/Extn. 241
e-mail : bhasha@sancharnet.in
udaya@ciil.soft.net

Grams : BHARATI
Telex : 0846-268 CIIL IN
Fax : 0091/0821-515032
Website : http://www.ciil.org

Published by Prof. Udaya Narayana Singh, Director
Central Institute of Indian Languages, Mysore
&
Dr. Pranav Pandey, Director
Brahmavarchas Shodh Sansthan, Haridwar.
Printed for CIIL and BSS.
Production : K. Srinivasacharya, CIIL, Mysore
Cover Design : H. Manohar, CIIL, Mysore

प्राक्कथन

सदियों से भारत में बहुभाषिकता का प्रचलन रहा है- यह बात अब सर्वजनविदित है। वाणिज्य और अर्थ-व्यवस्था की दृष्टि से बहुत आगे बढ़ गये हैं - ऐसे देश के निवासियों के लिए भारत की बहुभाषिकता अभी भी पहेली जैसी ही है। उनके देशों में अनेक नस्ल के लोग अपने गीत-संगीत, खाना-खजाना, वेश-आभूषण तथा रहन-सहन को लेकर आते रहे हैं, पर कुछ ही समय में उनका अपनत्व विलीन हो जाता है। अतः उनके लिए भारत में एक साथ अनेक भाषाओं का इस क़दर सदियों से कथित, पठित, प्रस्फुटित रह पाना एक अजीबो-ग़रीब मिसाल जैसा है जिसकी व्याख्या दे पाना मुश्किल काम है। पर किसी भारतीय की रोज़मर्रे की ज़िन्दगी की ओर अगर हम ग़ौर करें तो यह देखेंगे कि वह एक ही साथ प्रतिदिन अलग अलग काम में पृथक् पृथक् परिस्थितियों में भिन्न भिन्न भाषा का प्रयोग करता है। अगर हम देखते हैं कि कोई चाय के बगीचे में मज़दूरों के साथ बिहारी बोलियों में, उनके संचालकों के साथ असमिया में, दफ्तर में अंग्रेज़ी में और मनोरंजन के लिए फिल्म तथा टी.वी. में हिन्दी का व्यवहार करता है और घर में अपने लोगों के साथ बंगला में बात करता है तो हमें ऐसी स्थिति में कोई अस्वाभाविकता नज़र नहीं आती है। यहाँ न केवल व्यक्ति बहुभाषी है, भाषिक स्थितियों में भी बहुभाषिकता ग्रथित है। वह तभी संभव हो सकता है जब किसी मुल्क में भाषाएँ जोड़ने का काम करती हैं, तोड़ने का नहीं। लोग अक्सर यह भूल जाते हैं कि भारत में आये, बसे और जन्मे हज़ारों क्षेत्र के लोगों के लिए उनकी भाषाएँ ही वह साधन रही हैं जो एक दूसरे को आपस में जोड़ती रही हैं।

भारतीय भाषा संस्थान इसी भाषिक संयोग को, आदान-प्रदान को बक़रार रखने में और इसमें और इज़ाफा करने के काम में अपने को समर्पित करता आया है। आधुनिक भारतीय भाषाओं के शिक्षण- प्रशिक्षण का क्षेत्र इस संस्थान के लिए सब से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। यहाँ से प्रकाशित पौने चार सौ के क़रीब किताबों में से आधी से ज़्यादा भाषा-शिक्षण के क्षेत्र में ही हो रही हैं।

जैसा कि भारतीय भाषा के अध्ययन-अध्यापन से जुड़े लोगों को पता ही है, 1969 में स्थापित होने के बाद से भारतीय भाषा संस्थान का मुख्य उद्देश्य रहा है, सभी भारतीय भाषाओं का विकास करना एवं उनमें आवश्यकतानुसार पाठ्य-सामग्री तैयार करना। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुख्य भारतीय भाषाओं के अलावा बहुत सी जन जातीय भाषाओं पर शोध हो रहा है और उनमें पाठ्य-सामग्री तैयार की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत भारतीय भाषा संस्थान के मैसूर, पूणे, भुवनेश्वर, पाटियाला, सोलन, लखनऊ एवं गुवाहाटी में स्थित क्षेत्रीय भाषा केन्द्रों के माध्यम से प्रति वर्ष जुलाई से अप्रैल तक भारत के विभिन्न राज्यों के अध्यापकों को उनकी इच्छानुसार अथवा संबंधित राज्य की भाषा प्रणाली के अन्तर्गत वांछित भाषाओं में दस मास का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के उपरांत ये अध्यापक सीखी गई भाषा को सम्बन्धित राज्यों के विद्यालयों में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अथवा ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ाते हैं।

पर अब तक द्वितीय भाषा शिक्षण की जितनी अच्छी किताबें आती रही हैं - खास तौर पर भारतीय भाषाओं के सीखने सिखाने की किताबें - वे सभी अंग्रेजी के माध्यम से ही रची-बनी छपी-छपायी गयी हैं। उनके रचयिता और प्रकाशक शायद सोचते हैं कि अंग्रेजी के माध्यम को अपनाने से द्वितीय भाषा शिक्षण (Second language learning) और विदेशी भाषा शिक्षण (Foreign language learning) दोनों के लिए उनकी किताबें प्रयोग में आ सकती हैं। सोचा होगा कि इस तरह से ऐसी किताबें बाज़ार में खरी उतरेंगी। लेकिन दक्षिण एशियाई देशों में बसे और यहाँ के किसी न किसी भाषा को मातृभाषा के रूप में बोलने वालों के लिए किसी भारतीय ज़ुबान को सीखना और इसके दायरे के बाहर के लोगों के लिए हमारी भाषाओं पर अधिकार प्राप्त करना दो बिलकुल अलग शिक्षण-प्रक्रियायें है। अतः इन दोनों लक्ष्य-गोष्ठियों के लिए दो अलग तरह की सामग्री की आवश्यकता है। एक और कदम आगे जा कर इस अपने लंबे तजुर्बे से मैं यह भी कह सकता हूँ कि अगर किसी भारतीय को एक अन्य भारतीय भाषा सीखनी-सिखानी है तो वह काम अगर एक भारतीय भाषा के ज़रिये ही की जा सकती है। उस लिहाज़ से माध्यम भाषा के रूप में हिन्दी का नाम आना स्वाभाविक है कारण इसको मातृ-भाषा तथा अन्य-भाषा के रूप में बोलने-जाननेवाले भारतीय लोगों की

प्राक्कथन

सदियों से भारत में बहुभाषिकता का प्रचलन रहा है- यह बात अब सर्वजनविदित है। वाणिज्य और अर्थ-व्यवस्था की दृष्टि से बहुत आगे बढ़ गये हैं - ऐसे देश के निवासियों के लिए भारत की बहुभाषिकता अभी भी पहेली जैसी ही है। उनके देशों में अनेक नस्ल के लोग अपने गीत-संगीत, खाना-खजाना, वेश-आभूषण तथा रहन-सहन को लेकर आते रहे हैं, पर कुछ ही समय में उनका अपनत्व विलीन हो जाता है। अतः उनके लिए भारत में एक साथ अनेक भाषाओं का इस क़दर सदियों से कथित, पठित, प्रस्फुटित रह पाना एक अजीबो-ग़रीब मिसाल जैसा है जिसकी व्याख्या दे पाना मुश्किल काम है। पर किसी भारतीय की रोज़मर्रे की ज़िन्दगी की ओर अगर हम ग़ौर करें तो यह देखेंगे कि वह एक ही साथ प्रतिदिन अलग अलग काम में पृथक् पृथक् परिस्थितियों में भिन्न भिन्न भाषा का प्रयोग करता है। अगर हम देखते हैं कि कोई चाय के बगीचे में मज़दूरों के साथ बिहारी बोलियों में, उनके संचालकों के साथ असमिया में, दफ्तर में अंग्रेज़ी में और मनोरंजन के लिए फिल्म तथा टी.वी. में हिन्दी का व्यवहार करता है और घर में अपने लोगों के साथ बंगला में बात करता है तो हमें ऐसी स्थिति में कोई अस्वाभाविकता नज़र नहीं आती है। यहाँ न केवल व्यक्ति बहुभाषी है, भाषिक स्थितियों में भी बहुभाषिकता ग्रथित है। वह तभी संभव हो सकता है जब किसी मुल्क में भाषाएँ जोड़ने का काम करती हैं, तोड़ने का नहीं। लोग अक्सर यह भूल जाते हैं कि भारत में आये, बसे और जन्मे हज़ारों क्षेत्र के लोगों के लिए उनकी भाषाएँ ही वह साधन रही हैं जो एक दूसरे को आपस में जोड़ती रही हैं।

भारतीय भाषा संस्थान इसी भाषिक संयोग को, आदान-प्रदान को बर्क़रार रखने में और इसमें और इज़ाफा करने के काम में अपने को समर्पित करता आया है। आधुनिक भारतीय भाषाओं के शिक्षण- प्रशिक्षण का क्षेत्र इस संस्थान के लिए सब से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। यहाँ से प्रकाशित पौने चार सौ के क़रीब किताबों में से आधी से ज़्यादा भाषा-शिक्षण के क्षेत्र में ही हो रही हैं।

जैसा कि भारतीय भाषा के अध्ययन-अध्यापन से जुड़े लोगों को पता ही है, 1969 में स्थापित होने के बाद से भारतीय भाषा संस्थान का मुख्य उद्देश्य रहा है, सभी भारतीय भाषाओं का विकास करना एवं उनमें आवश्यकतानुसार पाठ्य-सामग्री तैयार करना। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुख्य भारतीय भाषाओं के अलावा बहुत सी जन जातीय भाषाओं पर शोध हो रहा है और उनमें पाठ्य-सामग्री तैयार की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत भारतीय भाषा संस्थान के मैसूर, पूणे, भुवनेश्वर, पाटियाला, सोलन, लखनऊ एवं गुवाहाटी में स्थित क्षेत्रीय भाषा केन्द्रों के माध्यम से प्रति वर्ष जुलाई से अप्रैल तक भारत के विभिन्न राज्यों के अध्यापकों को उनकी इच्छानुसार अथवा संबंधित राज्य की भाषा प्रणाली के अन्तर्गत वांछित भाषाओं में दस मास का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के उपरांत ये अध्यापक सीखी गई भाषा को सम्बन्धित राज्यों के विद्यालयों में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अथवा ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ाते हैं।

पर अब तक द्वितीय भाषा शिक्षण की जितनी अच्छी किताबें आती रही हैं - खास तौर पर भारतीय भाषाओं के सीखने सिखाने की किताबें - वे सभी अंग्रेजी के माध्यम से ही रची-बनी छपी-छपायी गयी हैं। उनके रचयिता और प्रकाशक शायद सोचते हैं कि अंग्रेजी के माध्यम को अपनाने से द्वितीय भाषा शिक्षण (Second language learning) और विदेशी भाषा शिक्षण (Foreign language learning) दोनों के लिए उनकी किताबें प्रयोग में आ सकती हैं। सोचा होगा कि इस तरह से ऐसी किताबें बाज़ार में खरी उतरेंगी। लेकिन दक्षिण एशियाई देशों में बसे और यहाँ के किसी न किसी भाषा को मातृभाषा के रूप में बोलने वालों के लिए किसी भारतीय ज़ुबान को सीखना और इसके दायरे के बाहर के लोगों के लिए हमारी भाषाओं पर अधिकार प्राप्त करना दो बिलकुल अलग शिक्षण-प्रक्रियायें है। अतः इन दोनों लक्ष्य-गोष्ठियों के लिए दो अलग तरह की सामग्री की आवश्यकता है। एक और कदम आगे जा कर इस अपने लंबे तजुर्बे से मैं यह भी कह सकता हूँ कि अगर किसी भारतीय को एक अन्य भारतीय भाषा सीखनी-सिखानी है तो वह काम अगर एक भारतीय भाषा के ज़रिये ही की जा सकती है। उस लिहाज़ से माध्यम भाषा के रूप में हिन्दी का नाम आना स्वाभाविक है कारण इसको मातृ-भाषा तथा अन्य-भाषा के रूप में बोलने-जाननेवाले भारतीय लोगों की

संख्या इतनी बड़ी है कि भारतीय संदर्भ में हिन्दी के माध्यम से अन्य अंनुसूचित भाषाओं को सिखाने की वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत सामग्री अब तक क्यों नहीं आयी थी, यही एक आश्चर्य-जनक बात है। इस कमी की आपूर्ति के लिए और इन ज़रूरतों को देखते हुये भारतीय भाषा संस्थान ने **'भारतीय भाषा ज्योति'** की एक पुस्तक-श्रृंखला की संकल्पना की है।

त्रिभाषा सूत्र के अन्तर्गत हिन्दी भाषी राज्यों में अन्य भारतीय भाषाओं का तीसरी भाषा के रूप में प्रचलन तो अवश्य हुआ है परन्तु भाषा अध्यापकों एवं पुस्तकों की कमी के कारण वांछित सफलता नहीं मिल पाई। अन्य भारतीय भाषाओं एवं विशेष रूप से दक्षिण भारतीय भाषाओं के अध्ययन एवं अध्यापन हेतु उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार एवं कुछ स्वायत्त संस्थाओं ने एक अभियान कुछ वर्ष पहले प्रारंभ किया था। चयनित भाषाओं की वांछित पुस्तक एवं भाषा अध्यापकों के विशिष्ट प्रशिक्षण एवं नियुक्ति हेतु राज्य सरकार ने भारतीय भाषा संस्थान का सहयोग आवश्यक समझा। इसी सहयोग की कड़ी में उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार के अनुरोध पर भारतीय भाषा संस्थान ने राज्य के भाषा विभाग के साथ मिलकर असमी, बंगला, उड़िया, मराठी, गुजराती, सिंधी, कश्मीरी, पंजाबी, कन्नड़, मलयाळम, तमिल एवं तेलुगु भाषाओं की पाठ्यसामग्री के निर्माण हेतु कार्यशालाएँ आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से इन सभी भाषाओं की पाठ्य पुस्तकें तैयार की गई थीं। ये पुस्तकें **'भारतीय भाषा ज्योति'** पुस्तक-श्रृंखला के अंतर्गत आ रही हैं।

इस श्रृंखला के साथ एक और महत्वपूर्ण संस्था जुड़ी हुयी है और वह है हरिद्वार-स्थित शांतिकुञ्ज की स्वायत्त-संस्था, "ब्रह्म-वर्चस शोध संस्थान"। इस संस्था के सहयोग से हमारी सामग्री का परीक्षण-निरीक्षण संभव हो रहा है और इस सामग्री को उत्साही जनता तक पहुँचाने में भी, यानी इसके प्रकाशन और मुद्रण में इनका योगदान सराहनीय रहा है। तमिल तथा तेलुगु की दो दो पुस्तकें इतिमध्य छप चुकी हैं।

दोनों संस्थाओं की ओर से मैं आशा करता हूँ कि भारतीय भाषा ज्योति श्रृंखला की यह कन्नड़ पुस्तक समस्त हिन्दी भाषा-भाषियों के लिए उपयोगी होगी। इसके माध्यम से वे न केवल सम्बन्धित भाषा के अध्ययन में रुचि का परिचय देंगे, अपितु उसके प्रचार एवं प्रसार में भी अपना अमूल्य योगदान देंगे।

मैसूर
1.08.2001

(उदय नारायण सिंह)
निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान

प्रस्तावना

भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म का विराट् वाङ्मय अपने वैविध्य पूर्ण विस्तार के साथ भारत की सभी भाषाओं में बिखरा हुआ है। इसकी आधारभूत पृष्ठभूमि बनाने वाले हमारे ऋषिगणों ने संस्कृति को जीवनशैली के रूप में विकसित करके उसे अनगढ़ को सुगढ़ बनाने का विज्ञान बनाया था। उसके हर पक्ष चिन्तन कर जन-जन के मार्गदर्शन हेतु ऋषिसत्ताओं ने जीवन जीने की कला को विभिन्न कोणों से स्पर्शकर अपने विचार व्यक्त किये हैं। उत्तर, दक्षिण, पूर्व एवं पश्चिम चारों ही क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न मनीषियोंचिन्तकों ने दर्शन, अध्यात्म, संस्कृति के हर पहलू पर अपने विचार व्यक्त किये हैं। निश्चित ही यह कार्य तत्कालीन परिस्थितियों, वहाँ के परिवेश-वातावरण से भी प्रभावित रहा है। साथ ही यह वहाँ बोली जाने वाली भाषाओं में भी लिखा गया है। अपनी-अपनी मातृ भाषाओं में लिखे इस सांस्कृतिक वैभव के विस्तार को देखकर न केवल गौरव की अनुभूति होती है, तत्कालीन मनीषा की गहराई देखकर अपनी इस विरासत पर प्रसन्नता की अनुभूति भी होती है।

दक्षिण भारत की चारों भाषाओं - तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयाळम के माध्यम से हमें अपने राष्ट्र के इस वैभव पूर्ण विस्तार के सांस्कृतिक वाङ्मय का बोध होता है। इसे जब तक उस भाषा में न पढ़ा जाये, उसका वह आनन्द नहीं आता, जो हमें हिन्दी में लिखी हिन्दी की किसी कृति में आता है। आज हिन्दी व अंग्रेजी के अनुवाद विभिन्न भाषाओं में लिखे ग्रंथों में उपलब्ध हैं, परन्तु भाषा के लालित्य का सही रसास्वादन उसके मूल रूप में ही किया जा सकता है। यह एक सत्य है एवं इसे पूरी गंभीरता के साथ स्वीकार किया जाना चाहिए।

अखिल विश्व गायत्री परिवार का तेजी से विस्तार विगत बीस-पच्चीस वर्षों में सारे भारत व विश्व में हुआ है। मूलतः देव संस्कृति के विस्तार को संकल्पित युग निर्माण मिशन नाम से भी जाने वाले इस संस्थान का जन्म उत्तर भारत में हुआ व विस्तार भी उत्तर व मध्य क्षेत्र में अधिक हुआ। परम पूज्य गुरुदेव पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा लिखी गयी छोटी-बड़ी प्रायः ३२०० पुस्तकों में से कई का उड़िया व गुजराती में तथा कुछ का बंगाली, पंजाबी (गुरुमुखी) में अनुवाद होने पर उन प्रान्तों में भी युग चेतना का विस्तार हुआ है। आज सभी रचनात्मक कार्यक्रमों में उनकी भी जमकर भागीदारी हो रही है। अब यही आवश्यकता दक्षिण भारत में महाप्रज्ञा के विस्तार को देखते हुए आ पड़ी है। तेलुगु भाषा में 'युग शक्ति गायत्री' पत्रिका के मासिक प्रकाशन के बाद से तो उसी भाषा में पढ़ने-लिखने वाले तथा बोलने वालों की अधिकाधिक आवश्यकता अनुभव की जा रही है। राष्ट्र जागरण तीर्थ यात्राओं के अन्तर्गत चारों प्रान्तों (आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु, केरल एवं कर्नाटक) में प्रज्ञा आलोक का तेजी से विस्तार हुआ है। इसी दृष्टि से गायत्री परिवार के मुख्यालय से अब यह योजना हाथ में ली गयी है।

बैंगलोर संस्कार महोत्सव के दौरान मैसूर के 'भारतीय भाषा संस्थान' के निदेशकगणों से विस्तृत चर्चा हुई। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अन्तर्गत कार्य कर रहे 'मानस गंगोत्री' में स्थित इस संस्थान द्वारा भारत वर्ष की विभिन्न भाषाओं के प्रशिक्षण का अनूठा भगीरथी कार्य सम्पन्न किया जा रहा है। प्रस्तुत पुस्तिका 'भारतीय भाषा ज्योति' उसी मंथन का निष्कर्ष है। अब इस व्यवहारिक पुस्तक, के माध्यम से शान्तिकुञ्ज के देव संस्कृति विश्वविद्यालय के भाषा प्रखण्ड (शिक्षा प्रकोष्ट) द्वारा कन्नड़ एवं मलयाळम भाषाओं में कार्यकर्त्ताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। तीन माह तक चलने वाले इस प्रशिक्षण का संचालन भारतीय भाषा संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा सम्पन्न हो रहा है। प्रतिदिन छह घंटे के प्रशिक्षण पर आधारित तीन माह के पाठ्यक्रम है यह पुस्तक। १ सितम्बर २००१ से आरम्भ हो रहे प्रशिक्षण में कन्नड़ और मलयाळम में तीन माह के अन्दर निष्णात बना जा सकेगा। यही क्रम ३-३ माह के खण्डों में पर्याप्त कार्यकर्त्ताओं के प्रशिक्षण तक चलता रहेगा।

उत्तर व दक्षिण के समन्वय के इस भगीरथी कार्य में भारतीय भाषा संस्थान के निदेशक श्री उदय नारायण सिंह के अतिरिक्त श्रीमती बी. श्यामला कुमारी (रीडर, रिसर्च अधिकारी),

श्रीयुत के.जे. जोसफ़ और एस. शिवप्रसाद का भावभरा सहयोग रहा है। कोर्स के निर्माण तथा प्रशिक्षण का दायित्व मैसूर के संस्थान ने लिया है, तो प्रकाशन व मुद्रण का दायित्व ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान ने लिया है। निश्चय ही इस समन्वय की परिणति देव संस्कृति के भारत व्यापी विस्तार में होगी। दक्षिण भारतीय भाषाओं में लिखे गये वाङ्मय को वहीं की मूल भावना के साथ पढ़ने के बाद इस संस्थान व युग निर्माण मिशन के कार्यकर्त्ताओं का ज्ञान बढ़ेगा, साथ ही एक विराट् उद्देश्य को लेकर चल रहा गायत्री परिवार अपने केन्द्रीय व क्षेत्रीय कार्यकर्त्ताओं के माध्यम से पूरे दक्षिण भारत में अपनी आराध्य सत्ता के चिन्तन को पहुँचाने में समर्थ होगा।

युग आलोक के विस्तार को संकल्पित इस पावन प्रयोजन हेतु जिन-जिन का योगदान रहा है, उन सबके प्रति कृतज्ञता ज्ञापन के साथ इक्कीसवीं शताब्दी के आगमन की शुभ बेला में आरम्भ हो रहे इस पावन अभियान की सफलता हेतु मेरी भावभरी मंगलकामनाएँ।

शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार
९.८.२००१

डॉ० प्रणव पण्ड्या
निदेशक
ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान

ವಿಷಯ ಸೂಚಿ

विषयसूची

भूमिका

हिन्दी भाषा-भाषियों को ध्यान में रखते हुए, हिंन्दी माध्यम से अन्य भारतीय भाषाओं का अध्ययन और अध्यापन के लिए तैयार की गई पाठ्य सामग्रियों की शृंखला है **भारतीय भाषा ज्योति**। इस शृंखला की पुस्तकों की रचना भारत सरकार के भारतीय भाषा संस्थान (मैसूर) तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के सहयोग से संचालित कार्यशालाओं में हुई थी। प्रस्तुत पुस्तक इस की शृंखला एक कड़ी है। उत्तर प्रदेश के भाषा केंद्रों में प्रयोग करने के लिए तैयार की गई पुस्तकें अब हरिद्वार के शान्तिकुञ्ज के ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान की भाषा कक्षाओं की अवश्यकता के अनुसार परिष्कृत की गई हैं। ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान द्वारा संचालित तीन महीने की प्रशिक्षण प्रणाली में इस पुस्तक का प्रयोग किया जाएगा।

इन पाठ्य सामग्रियों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात, छात्रों से निम्नलिखित भाषिक अपेक्षाएँ की जाती हैं :

1. कन्नड भाषी द्वारा भाषा प्रयोग की विभिन्न स्थितियों में किए जानेवाले दिन-प्रतिदिन के वार्तालापों को सुन कर समझना,
2. रेडियो व टी.वी. पर प्रसारित होनेवाली उद्घोषणाओं, समाचारों, विज्ञापन और अन्य कार्यक्रमों का सार ग्रहण करना,
3. कक्षा में सहपाठियों के साथ अपनी दिनचर्या के विषय में सरल वाक्यों में बातचीत करना एवं कन्नड भाषियों से इन विषयों पर औपचारिक तथा अनौपचारिक सन्दर्भों में चर्चा करना,
4. भाषा में पुस्तकों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, सूचनापट्टों, इश्तहारों, व्यक्तिगत तथा अन्य प्रकार के पत्रों आदि से संबंधित छोटे छोटे अनुच्छेदों को पढ़ना और साथ ही शब्दकोष और संदर्भ ग्रंथों का उपयोग कर पाना,
5. ऐसे विषयों पर छोटे छोटे गद्यांश लिखना, व्यक्तिगत तथा अन्य प्रकार के पत्र लिखना, परिचित तथा सरल विषयों पर निर्देशित व स्वतंत्र लेख लिखना, जिस में अपनी रुचि हो,
6. शब्दकोष की सहायता लेते हुए कन्नड से हिन्दी में और हिन्दी से कन्नड में किसी भी गद्य सामग्री का अनुवाद करना तथा
7. कर्नाटक के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों में जानकारी प्राप्त करना

उपर्युक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इन पाठ्य पुस्तकों की रचना की गई है। भाषा के चारों कौशलों - श्रवण, भाषण, वाचन तथा लेखन पर यहाँ समान रूप से बल दिया गया

है। श्रवण और भाषण कौशलों के विकास केलिए प्रत्येक पाठ में वार्तालाप हैं और उस के बाद मौखिक अभ्यास केलिए पर्याप्त सामाग्रियाँ हैं। इसी प्रकार वाचन और लेखन कौशलों के विकास केलिए प्रत्येक पाठ में एक वाचन अनुच्छेद है और सात ही अभ्यास भी। यह पुस्तक कक्षा में अध्यापक की सहायता से भाषा सीखने के लिए बनाई गई है। इसलिए लिपि सीखने/सिखाने के लिए इस पुस्तक में अलग से कोई प्रावधान नहीं किया गया है। लेकिन इस भूमिका के बाद लिपि सीखने सिखाने केलिए उपयोगी संकेत और निर्देश विस्तार पूर्वक दिए गए हैं। उस के अनुसार अध्यापकों को कक्षाओं में लिपि सिखानी होगी।

प्रस्तुत पुस्तक में भूमिका के अतिरिक्त 24 पाठ हैं। पुस्तक के पाठों में भाषा संरचनाओं पर आधारित वार्तालाप तथा अभ्यास, वाचन-लेखन, अनुवाद अभ्यास तथा सरल व्याकरणिक व सांस्कृतिक बिन्दुओं के विषय में पर्याप्त जानकारी है।

पाठों का ढाँचा इस प्रकार है-

1. वार्तालाप
2. पाठ में आये नये शब्दों के अर्थ
3. अभ्यास
4. वाचन अनुच्छेद
5. अनुच्छेद में प्रयुक्त नये शब्दों के अर्थ
6. अनुच्छेद सम्बन्धी अभ्यास
7. अनुवाद तथा लेखन अभ्यास
8. व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियाँ।

पाठ में दिये गये वार्तालाप तथा वाचन अनुच्छेद में एक सी ही संरचनाओं का प्रयोग किया गया है। यही संरचनाएँ पाठ के शिक्षण-बिन्दु हैं। अनुवाद तथा लेखन अभ्यास भी इन्हीं शिक्षण-बिन्दुओं पर आधारित है।

पुस्तक के वार्तालापों का चयन भाषा-प्रयोग की उन सामान्य स्थितियों को लेकर किंया गया है जिनका सामना हमें अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में करना पडता है। उदाहरण के लिए किसी परिचित के घर जाना, किसी उत्सव में सम्मिलित होना, बढ़ती-महंगाई पर चर्चा करना, किराये का मकान खोजने या मकान बनवाने के कष्टों की चर्चा करना, इलाज केलिए डाक्टर के पास जाना, किसी दर्शनीय स्थल पर घूमने जाना आदि वार्तालाप के इन विभिन्न विषयों को अलग ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया गया है जिससे विद्यार्थी यह जान सके कि कन्नड भाषा में निवेदन कैसे करते हैं, आदेश कैसे देते हैं, मना कैसे करते हैं, नम्रता कैसे अभिव्यक्त की जाती है, हास-परिहास कैसे किया जाता है, साँत्वना कैसे दी जाती है आदि। पाठ के वार्तालाप और वाचन अनुच्छेद की विषय वस्तु में भी साम्य रखने का प्रयास किया गया है। वाचन अनुच्छेदों के लिए लेखन की विभिन्न शैलियों का प्रयोग किया गया है। जैसे कोई अनुच्छेद वृत्तांत रूप में है तो कोई विवरण

रूप में, कोई आत्मकथा के रूप में कहीं निबन्ध शैली को अपनाया गया है तो कहीं संस्मरण का सहारा लिया गया है, कहीं कहानी जैसा सरस माध्यम लिया गया है तो कहीं पत्र जैसा उपयोगी माध्यम।

24 पाठों में से 20 शिक्षण-पाठ हैं और 4 पुनरभ्यास पाठ। ये पाठ 4 इकाइयों में बाँटे हैं - प्रत्येक इकाई में 5-5 शिक्षण पाठ हैं और एक-एक पुनरभ्यास पाठ। इस प्रकार इस पुस्तक में पाठ 6,12,18 और 24 पुनरभ्यास पाठ हैं। शिक्षणार्थ पाठों को व्याकरणिक संरचनाओं और शब्दों की संख्या व प्रकार के आधार पर स्तरीकृत किया गया है। स्तरीकरण के आधार कुछ इस प्रकार हैं-

1. अपरिचित से परिचित की ओर
2. सरल से कठिन की ओर
3. प्रत्येक से सामान्य की ओर

भाषाई संरचनाओं पर आधारित वार्तालापों का स्तरीकरण करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि पाठ्य-सामग्री की स्वाभाविकता बनी रहे। अतः बाद के पाठों में सिखाए जानेवाले शिक्षण बिन्दुओं से संबद्ध कुछ संरचनाएँ आरम्भ के पाठों में आ गई हैं। ऐसा इसलिए हुआ कि उस पाठ की विषय-वस्तु के संदर्भ में उनका उल्लेख आवश्यक था। ऐसी संरचनाओं को उस पाठ की शब्द सूची के हिस्से के रूप में सिखाया गया है।

शिक्षण-पाठों में आई हुई संरचनाएँ

प्रत्येक पाठ में दो अथवा दो से अधिक शिक्षण बिन्दुओं का प्रयोग किया गया है। अधिकांशतः यह वाक्य सांचे के रूप में है। वाक्य सांचों को निम्न प्रकार सूची-बद्ध किया जा सकता है ।

1. सर्वनाम, संज्ञा + संज्ञा वाक्य, सर्वनाम - संज्ञा सरल वाक्य और आज्ञार्थक वाक्य
2. क्रिया-रूपवाले वाक्य, 'ಅಲಿ' (अलि), 'ಓಣ' (ओण), 'ಬಹುದು' (बहुदु) प्रत्यय जोडकर बननेवाले रूप और निषेधात्मक रूप का प्रयोग
3. कुछ क्रियाएँ, सम्प्रदान कारक के रूप तथा प्रश्नवाचक वाक्य
4. 'ಇರು' (इरु) क्रिया के रूप, 'ಅಲ್ಲಿ' (अल्लि) अधिकरण कारक प्रत्यय
5. बाध्यता सूचक और आज्ञार्थक, निषेधात्मक क्रियाँयें और 'ಏ' (ए) बलसूचक या निश्चयार्थक चिह्न
6. पुनरभ्यास पाठ
7. वर्तमान काल की अन्य क्रियाएँ, करण और अपादान कारक की 'ಇಂದ' (इन्द) प्रत्यय, विशेषण तथा तीव्रता बोधक शब्द

8. भूतकाल की क्रियायें तथा कर्मकारक प्रत्यय
9. भूतकाल की अन्य क्रियायें और भूतकाल के निषेधात्मक रूप
10. भविष्यत् काल और आभ्यासिक भविष्यत् काल की क्रियायें, भविष्यत्काल के निषेधात्मक रूप तथा 'ಇಸು' (इसु) प्रत्यय
11. अपूर्ण काल (वर्तमान, भूत और आभ्यसिक भविषत्) के रूप, इनके निषेधात्मक रूप, पूर्व कालिक कृदन्त और निषेधात्मक रूप
12. पुनरभ्यास पाठ
13. पूर्णकाल (वर्तमान, भविष्यत और भूत) और इनके निषेधात्मक रूप
14. हेतुमद्वाले वाक्य, निषेधात्मक हेतुमद् के वाक्य
15. क्रियाजन्य विशेषण या सम्बन्धवाचक कृदन्त के रूप और इनके निषेधात्मक रूप
16. कृदन्त परक संज्ञा, भूतकालेतर रूप, भूतकाल रूप, अपूर्णकाल रूप और इनके निषेधात्मक रूप
17. 'बात करते हुए', 'जाते हुए' प्रयोगों के वाक्य
18. पुनरभ्यास पाठ
19. तुलना का बोध करनेवाले वाक्य, विशेषण में अन्य पुरुष मनुष्यवाचक सर्वनाम रूप, क्रमवाचक संख्या, बल देनेवाले 'ಏ', 'ಊ', 'ಓ' प्रत्ययों का प्रयोग और शक्यता बोधक रूप
20. 'ಅಂತ' प्रत्यय-रूप, क्रियार्थक संज्ञा
21. 'ಒಷ್ಟರ' प्रत्यय का प्रयोग, विशेषण संज्ञा, भाववाचक संज्ञा और द्विरुक्ति के प्रयोगों के वाक्य
22. संयुक्त और मिश्रवाक्य
23. कर्मवाचक क्रियाओं के वाक्य
24. पुनरभ्यास पाठ

पहले ही कहा जा चुका है कि हर पाठ के वार्तालाप के बाद उस वार्तालाप में आए नये शब्दों को दिया गया है। ऐसे बहुत से शब्द हैं जो कन्नड भाषा में संस्कृत तथा अन्य भाषाओं से आए हैं। इनमें से बहुत से शब्दों का प्रयोग हिन्दी में भी होता है। इस संदर्भ में उन शब्दों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है जो रूप की दृष्टि से तो दोनों भाषाओं में समान हैं पर उनके अर्थ कन्नड और हिन्दी में बहुत भिन्न हैं। शब्दों के वे अर्थ पहले दिये गये हैं जो उस पाठ के सन्दर्भ के उपयुक्त हो। इसके पश्चात् यदि आवश्यक हुआ तो वे अर्थ भी दिये गये हैं जो सर्वाधिक प्रचलित हैं।

पाठों के अभ्यास उन में सिखाये गए पाठ्य-बिन्दुओं को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं। इन अभ्यासों का उपयोग सीखे हुए बिन्दुओं को दोहराने तथा परीक्षा के लिए भी किया जाएगा। नियम के अनुसार छात्र की परीक्षा उन्हीं बिन्दुओं के विषय में ली

जायेगी जो सिखाए जा चुके हैं। लेकिन प्रत्येक पाठ में नए वाक्य अवश्य देखने को मिल जाएँगे। सीखी हुई संरचनाओं और शब्दों की सहायता से विद्यार्थी स्वयं ऐसे वाक्य गढ़ सकता है जिनका प्रयोग सीखे गए पाठों में नहीं आया है। प्रत्येक अभ्यास में परीक्षा के लिए एक समय पर एक ही बिन्दु को रखा गया है।

अभ्यास में दिये गये प्रश्न भाषा संरचना और शब्दों से सम्बन्धित हैं। कुछ प्रमुख अभ्यास इस प्रकार हैं- शब्दों का क्रम ठीक करके लिखना, वाक्य विस्तार करना, वाक्य रूपों में परिवर्तन करना, एक ही वाक्य को विभिन्न ढंगों में कहना, वाक्यांशों को जोडकर वाक्य बनाना, उचित शब्दों का चयन करना, वाक्य पूरा करना, कर्ता या कर्म के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया में उचित प्रत्यय लगाना, प्रश्नों के उत्तर देना आदि। प्रत्येक पाठ में अभ्यास प्रश्नों की संख्या औसतन 7 से 10 के बीच में है।

वाचन अनुच्छेद का उद्देश्य छात्र के बोधन और शब्द भण्डार को विकसित करना है। इन अनुच्छेदों के विषय में दो प्रकार के प्रश्न पूछे गये हैं - वस्तुनिष्ठ एवं विस्तारनिष्ठ। इन प्रश्नों से छात्र के बोधन तथा अभिव्यक्ति दोनों की ही परीक्षा हो जाएगी।

प्रथम पाँच पाठों की सम्पूर्ण पाठ्य-सामग्री कन्नड लिपि में और परिवर्धित देवनागरी में भी है। ऐसा इसलिए किया गया है जिससे विद्यार्थी आरम्भ में भाषा सीखने पर अधिक ध्यान केन्द्रित कर सके। जब वह भाषा से थोडा बहुत परिचित हो जायेगा तो लिपि सीखने में भी उसे सहायता मिलेगी। वैसे अपेक्षा यही की जाती है कि भाषा और लिपि दोनों का शिक्षण साथ-साथ ही आरम्भ किया जाए। कन्नड लिपि सीखने के लिए 20 घंटे की निर्देश सामग्री पर्याप्त है। इसके पश्चात विद्यार्थी बिना किसी कठिनाई के कन्नड लिपि में पाठ्य सामग्री को पढ़ सकेगा। पहले पाँच पाठों में भाषा का भी कुछ ज्ञान विद्यार्थी को हो जाएगा। छठा पाठ पुनरभ्यास के लिए है। इसमें पहली पाठ्य इकाई के शिक्षण बिन्दुओं पर विद्यार्थी के अभी तक सीखे गए भाषाई बिन्दुओं की परीक्षा हो जाएगी। छठे पाठ से चौबीसवें तक के पाठों को परिवर्द्धित देवनागरी में भी देना छोड दिया गया है क्योंकि अब तक छात्र कन्नड लिपि से परिचित हो गए होंगे। व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियों में अवश्य व्याख्या के लिए सरल और साधारण भाषा का प्रयोग किया गया है। प्रयास यही रहा है कि क्लिष्ट तकनीकी शब्दावली का कम से कम प्रयोग किया जाए। छात्र को चाहिए कि वह व्याकरणिक संरचनाओं का अच्छी तरह अभ्यास कर उन्हें पूरी तरह हृदयंगम कर ले। इससे व्याकरण के नियमों को समझना सरल हो जाएगा।

इस पुस्तक को कक्षा में पढ़ानेवाले अध्याकों से दो तीन बातें कहना चाहती हूँ । किसी भी भाषा को पढ़ाने के क्षेत्रमें कोई भी एक तरीका ऐसा नहीं है जो पूरी तरह समर्थ हो या अपने आप में पूर्ण हो, विशेष रूप से द्वितीय भाषा पढाने के संदर्भ में यह बात शतशः सत्य है। द्वितीय भाषा सीखने केलिए विद्यार्थी को कक्षा के भीतर और बाहर एक-जैसा ही

प्रयास करना होगा। विद्यार्थी सीखी गई संरचनाओं और शब्दों को जितना अधिक दोहराएगा, उनका जितना अधिक प्रयोग करेगा - उतना ही उसके उच्चारण और बोधन में सुधार होगा। शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वह सिखाई गई संरचनाओं तथा कन्नड शब्दों के अभ्यास के लिए कक्षा में उचित वातावरण पैदा करें। कहने का तात्पर्य यह है कि भाषा को उसके परिवेश में रखकर ही सीखना और सिखाना चाहिए। इससे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया सरल भी होगी और स्वाभाविक भी।

सिखाई गई संरचनाओं और शब्दों का पर्याप्त अभ्यास करवा लेने के बाद शिक्षक को चाहिए कि वह पूरे पाठ को ऊँचे स्वर में पढें। शिक्षक का उच्चारण स्पष्ट होना चाहिए। अभिव्यक्ति के अनुसार उसके स्वर में उचित उतार-चढाव होना चाहिए। पाठ का पहला वाचन धीमी गति से किया जाये जिससे विद्यार्थी प्रत्येक ध्वनि, शब्द और वाक्य को स्पष्ट रूप से सुन सके। इसके पश्चात् पाठ को भाषा की स्वाभाविक गति के अनुसार पढ़ना चाहिए। फिर अपने साथ विद्यार्थियों को भी सामूहिक रूप में पाठ को दोहराने के लिए कहना चाहिए। तत्पश्चात् बोधन संबंधी प्रश्न पूछे जाएँ। यदि विद्यार्थियों को प्रश्नों के उत्तर देने में कठिनाई हो तो शिक्षक उनकी मदद करें। इतने अभ्यास के बाद विद्यार्थी स्वतः उस पाठ का वाचन कर पायेगा और समझ सकेगा। यदि छात्र के उच्चारण में कोई त्रुटि हो तो शिक्षक उस त्रुटि को दोहराए बिना सही रूप का परिचय दे। इस अभ्यास के पश्चात् भी विद्यार्थियों के मन में यदि कोई सन्देह या प्रश्न रह जाए तो शिक्षक उसका निवारण करें। हमारे विद्यार्थी वयस्क हैं अतः बार बार दोहराने में उन्हें हिचक भी हो सकती है और वे इस अभ्यास को अरुचिकर भी पा सकते हैं। ऐसी अवस्था में शिक्षक अपनी सुविधानुसार व्यक्तिगत रूप से उनकी सहायता करें। सांस्कृतिक और व्याकरणिक टिप्पणियों को कक्षा में न पढ़वा कर, घर में पढ़ने केलिए कहें। उस के बाद विद्यार्थियों के संशय निवारण कक्षा में करें।

छात्रों से वाचन अनुच्छेदों को मौन रूप से पढ़ने के लिए भी कहें। अनुच्छेद के विषय में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वतः देने का प्रयास करें। अवश्यकता पडने पर शिक्षक की मदद लें। शिक्षक छात्र को इतना समय अवश्य दें कि वह पूरे अनुच्छेद को मौन रूप से 2-3 बार पढ़ सके। इसके पश्चात् यदि समय रहे तो प्रत्येक छात्र से बारी बारी से उस अनुच्छेद को ऊँचे स्वर में पढ़ने के लिए कहें। ध्यान रहे कि कक्षा समाप्त होने से पहले अन्तिम वाचन शिक्षक द्वारा ही हो जिससे छात्र के कानों में सही उच्चारण अंकित रहे।

अनुवाद और लेखन का अभ्यास छात्र को गृहकार्य के रूप में दिया जाए। शिक्षक इसकी सावधानी पूर्वक जाँच करें और छात्र के सन्देह और समस्याओं की विस्तारपूर्वक चर्चा तथा उनका निदान करें।

कुछ पाठों में कन्नड भाषा के प्रचलित मुहावरों वा कहावतों का प्रयोग हुआ है। यदि हिन्दी में भी उसी तरह के मुहावरे हों तो शिक्षक उनका सहारा लेते हुए अर्थ स्पष्ट करें। यदि हिन्दी में ऐसे मुहावरे न हो तो शिक्षक विभिन्न वाक्यों में उनका प्रयोग करके उन के अर्थ को स्पष्ट करें।

प्रत्येक पाठ के वार्तालाप में सभी वाक्यों का हिन्दी अनुवाद दिया गया है। अनुवाद करते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि हिन्दी भाषा की स्वाभाविकता बनी रहे। पर कहीं कहीं हिन्दी में कुछ वाक्य बनावटी या अस्वाभाविक लग सकते हैं। कन्नड भाषा की कुछ विशेष संरचनाओं का परिचय देने के लिए ऐसा किया गया है। अनुवाद केवल इसलिए दिये गये हैं जिससे छात्र अर्थ समझ सकें। अनुवाद का प्रयोग कन्नड भाषा सीखने केलिए न किया जाए। भाषा केवल संरचनाओं व शब्दों के अभ्यास द्वारा ही सीखी जा सकती है। हिन्दी अनुच्छेद का, भाषा में अनुवाद करते समय छात्र प्रयास यही करे कि उसका अनुवाद कन्नड की भाषा की संरचना में हो हिन्दी की संरचना में नहीं। वाचन अनुच्छेदों के हिन्दी अनुवाद नहीं दिये गए हैं - ऐसा इसलिए किया गया है जिससे छात्र कन्नड भाषा को उसी भाषा के माध्यम से ही समझने का प्रयास करें और स्वयं उसका हिन्दी में अनुवाद करने का प्रयास करें।

भाषा शिक्षण को अधिक प्रभावशाली तथा रोचक बनाने के लिए कन्नड भाषा के परिवेश का अनुभव तथा कन्नड भाषा भाषियों से सम्पर्क महत्वपूर्ण है। ऐसा प्रयास किया जाए कि छात्रों को कन्नड भाषा-भाषियों के सम्पर्क में आने तथा संबंधित भाषा के गीत, कविताएँ, वार्तालाप, भाषण आदि सुनने का अवसर मिल सके। साथ ही छात्रों को कन्नड भाषा के महान् साहित्यकारों, नेताओं तथा अन्य विभूतियों के चित्र भी दिखाए जाएँ। यदि उपलब्ध हो सकें तो कर्नाटक राज्य के हस्तशिल्प के नमूनों से कक्षा को सजाया जाए। हो सके तो कक्षा में कर्नाटक राज्य के प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के चित्र लगाए जाएँ तथा वहाँ की विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परम्पराओं का ऑडियो-वीडियो माध्यम से भी परिचय कराया जाए।

इस पाठ्यक्रम के पश्चात् छात्रों से जो अपेक्षाएँ की गयी हैं उनका विवरण इस भूमिका में पहले ही दिया जा चुका है। वास्तव में शिक्षार्थियोंने इन पुस्तकों से कितना सीखा, वह इन पुस्तकों की कसौटी भी है और मूल्यांकन भी। यह प्रयास प्रायोगिक है। इसमें शिक्षकों एवं छात्रों की व्यावहारिक समस्याओं के आधार पर सुधार की बहुत सी संभावनाएँ हैं। इस दिशा में टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत है।

यह भूमिका अधूरी रह जाएगी यदि मैं भारतीय भाषा संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. ई. अण्णामलै तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के पूर्व भाषा-परामर्शी डॉ. गोविन्द शर्मा रजनीश के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट न करूँ क्योंकि **भारतीय भाषा ज्योति** शृंखला

की पुस्तकों का रूपांकन करने तथा कार्यशालाओं के संचालन का चुनौती पूर्ण उत्तरदायित्व इनहीं महानुभावों द्वारा मुझे सौंपा गया था। भारतीय भाषा ज्योति शृंखला की पुस्तकों का निर्माण काफ़ी समयपूर्व हो गया था पर वह बहुमूल्य सामग्री बरसों तक अंधकार के गर्त में छिपी रही। संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. ओंकार नाथ कौल तथा हरिद्वार के ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान के निदेशक डॉ. प्रणव पण्ड्या एवं उपनिदेशक डॉ. कर्मयोगी के प्रयासों से ही इन पुस्तकों को प्रकाश किरण दिखाने में सच्ची सफलता हुई है। उन से मैं बहुत आभारी हूँ।

हमारे वर्तमान निदेशक प्रो. उदय नारायण सिंह के प्रति भी मैं अपनी कृतज्ञता प्रकट करना चाहती हूँ। उन्होंने हिन्दी के माध्यम से तैयार की गई ये भारतीय भाषा ज्योति की श्रृंखला की सभी पुस्तकों के प्रकाशन में बहुत दिलचस्पी दिखाई है। इस शृंखला को उत्तरोत्तर आगे बढ़ाने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है।

पुस्तक के रचयिता डॉ. काळेगौड़ा और श्री. एस.एम.तुम्बरमट्टी तथा हिन्दी विशेषज्ञ दिवंगत डॉ. राम आधार सिंह तथा श्री के.पी.पाल के अथक परिश्रमों से ही यह कार्य संपन्न हो सका है। इन के प्रति धन्यवाद ज्ञापन केवल एक औपचारिकता ही होगी। श्री. एस.बालसुब्रमण्यम का भी मैं बहुत आभारी हूँ जिन्हों ने इस पुस्तक को आरंभ से अंत तक ध्यान से पढ़कर इस के सुधार के लिए रचनात्मक सुझाव दिए हैं। इस भूमिका का अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद करने में कुमारी रेखा शर्मा की सहायता भी मैं भूल नहीं सकती ।

मेरा धन्यवाद श्रीमती उमा नागेन्द्रा को भी है जिन्होंने इस पुस्तक के डी.टी.पी. का काम बहुत श्रद्धा से किया है। हमारे संस्थान के प्रकाशन विभाग के डॉ. के. श्रीनिवासाचार्य तथा कलाकार श्री ह. मनोहर का भी मैं यहाँ कृतज्ञता पूर्वक स्मरण करती हूँ।

उन सभी छात्रों एवं शिक्षकों के प्रति मैं अग्रिम रूप से अपना आदर अभिव्यक्त करना चाहती हूँ जो इस सामग्री का उपयोग करेंगे एवं इस के विषय में अपने विचार तथा प्रतिक्रियाऐं हम तक पहुँचाएंगे।

बी. श्यामला कुमारी

मैसूर
९/८/२००१

बी. श्यामला कुमारी
रीडर एवं अनुसंधान अधिकारी

कन्नड लिपि

कन्नड लिपि पढ़ाने के लिए नीचे दिये गये दो तरीकों में से अध्यापक किसी एक को अपना सकते हैं। वे सभी अक्षरों को वर्णमाला क्रम के अनुसार पढ़ा सकते हैं या रूप सादृश्य के आधार पर अक्षरों के वर्ग या समूह बनाकर।

जैसा कि परिशिष्ट (1) में दिया गया है कन्नड वर्णमाला में १३ स्वराक्षर तथा 34 व्यंजनाक्षर हैं। 'ಅ' (अ) को छोडकर सभी स्वराक्षरों के लिए एक से अधिक चिह्न हैं । इनका विवरण परिशिष्ट (2) में दिया गया है।

कन्नड में दो अतिरिक्त स्वर ध्वनियाँ हैं जिन के लिए 'ಎ' (ऍ) और 'ಒ' (ऑ) का प्रयोग किया जाता है। ये ध्वनियाँ हिन्दी में नहीं हैं। सामान्यतः उच्चारण में कन्नड के ह्रस्व और दीर्घ स्वर हिन्दी के ह्रस्व और दीर्घ स्वरों से किंचित दीर्घ होते हैं। हिन्दी 'अ' के उच्चारण के लिए मुँह को जितना खोलते हैं कन्नड 'ಅ' (अ) के उच्चारण के लिए उस से थोडा अधिक मुँह खोलना पडता है। जब शब्द का आरंभ 'ಇ' (इ) 'ಈ' (ई) 'ಎ' (ऍ) तथा 'ಏ' (ए) स्वरों से होता है तब उन स्वरों के उच्चारण में 'ಯ' (य) की छाया (श्रुति) आ जाती है। उसी तरह जब शब्द का आरंभ 'ಉ' (उ), 'ಊ' (ऊ) 'ಒ' (ऑ) 'ಓ' (ओ) से होता ह तब उनके उच्चारण में 'ವ' (व) की छाया (श्रुति) आ जाती है। कन्नड सीखनेवाले हिन्दी भाषी इन स्वरों के उच्चारण चाहे 'ಯ' (य) और 'ವ' (व) की छाया के बिना भी क्यों न करें, कन्नड भाषी इन को आसानी से समझ लेते हैं और उस प्रकार के उच्चारण से अर्थ में कोई अंतर नहीं पडता। परंतु 'ಎ' (ऍ), 'ಏ' (ए) और 'ಒ' (ऑ), 'ಓ' (ओ) का अंतर करना आवश्यक है और उस के लिए गहन अभ्यास की अवश्यकता होती है क्योंकि इन में एक के स्थान पर दूसरे का उच्चारण करने ('ಎ' (ऍ) की जगह 'ಏ' (ए) का और 'ಒ' (ऑ) की जगह 'ಓ' (आ) का) से अर्थ ही बदल जाता है।

उदाहरण- 'ಎಳೆ' ऍळे 'खींच' 'ಒಲೆ' ऑले 'चूल्हा'

'ಏಳೆ' एळे 'उठ' 'ಓಲೆ' ओले 'पत्र'

कन्नड में हलंत व्यंजन के लिए '್' किया जाता है।

ಶರತ್ (शरत्) शरत

ಪ್ರದೀಪ್ (प्रदीप्) प्रदीप

इसलिए कोई व्यंजन बिना '್' चिह्न के लिखा जाता है तो उसका उच्चारण अन्तनिर्हित 'अ' के साथ करना अवश्यक होता है। इस पुस्तक में जहाँ कन्नड देवनागरी लिपि में लिखी गई है वहाँ हलंत के लिए ' ' चिह्न का प्रयोग किया गया हैं । हलंत के बिना व्यंजन लिखा गया है तो उस् का उच्चारण 'अ' के साथ होना है । जब ये ऊपर लिखित ध्वनियाँ शब्द के अंत में आती है तो उनके उच्चारण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है और उनके लिए गहन अभ्यास जरूरी है। अनुस्वार युक्त शब्दों के उच्चारण में कन्नड और हिन्दी में अंतर होता है। 'सिंह' और 'हंस' जैसे शब्दों का उच्चारण कन्नड में 'म्' के साथ होता है जैसे 'सिंह-सिम्ह', 'हंस-हम्स'।

कन्नड में अकेले या पृथक आनेवाले अधिकांश व्यंजनों के लिखित और उच्चारित रूप में अधिकतर समानता होती है। अर्थात् एक चिन्ह का एक उच्चारण एक ही ध्वनि से होता है और एक ध्वनि के लिए एक ही चिह्न है।

कन्नड के विशेष ध्वनियों के चिह्न और ध्वनि के सही सम्बन्ध के पूर्ण ज्ञान और शुद्ध उच्चारण के लिए यह आवश्यक है कि उनका अभ्यास हिन्दी ध्वनियों की तरह ही नहीं करना चाहिए। इसके अतिरिक्त केवल प्रारंभ की कक्षाओं में ही उनका अभ्यास यथेष्ट नहीं होता। इसे प्रशिक्षण की पूरी अवधि तक करना चाहिए।

कन्नड में बोलचाल की भाषा में और लिखित भाषा में थोडा अन्तर होता है। शब्दों के अंतिम भाग में आनेवाला स्वर लोप होता है।

उदाहरणः ನೀನು ಮನೆಗೆ ಬರುತ್ತೀಯಾ? क्या तुम घर आते हो?

ನೀನ್ ಮನೆಗ್ ಬರ್ತೀಯಾ?

इस वाक्य के 'ನೀನು' (नीनु) शब्द का अंतिम स्वर 'ಉ' (उ) लुप्त होकर 'ನೀನ್' (नीन्) हुआ है। ಬರುತ್ತೀಯಾ (बरुत्तीया) ಬರ್ತೀಯಾ (बर्तीया) हो जाता है। इस प्रकार 'ಮನೆಗೆ' (मनेगे) शब्द का भी 'ಎ' (ए) स्वर लुप्त होकर 'ಮನೆಗ್' (मनेग्) होता है।

इसी प्रकार कभी कभी शब्द के अंतिम स्वर के पीछे आनेवाला स्वर भी लुप्त होता है।

उदाहरणः 1. ಕಮಲ ಬರುತ್ತಾಳೆ. - कमला आती है।

ಕಮ್ಲ ಬರ್ತಾಳೆ.

2. ಸ್ಕೂಲಿಗೆ ಬರುತ್ತೀಯಾ? - (क्या तुम) स्कूल आते हो?

ಸ್ಕೂಲ್ಗೆ ಬರ್ತೀಯಾ?

कन्नड अक्षर सीखने सिखाने में सहायता देने के लिए पाँच परिशिष्टाएँ दी गई हैं।

परिशिष्ट 1 - कन्नड वर्णमाला
परिशिष्ट 2 - कन्नड अक्षर लिखने के लिए हाथ चलाने की रीति
परिशिष्ट 3 - कन्नड बारहखडी
परिशिष्ट 4 - रूप साम्य के आधार पर कन्नड अक्षर
परिशिष्ट 5 - कन्नड संयुक्ताक्षर
परिशिष्ट 6 - अक्षर शिक्षण का पाठ नमूना

कन्नड अक्षरों को रूप सादृश्य के आधार पर वर्गीकृत और प्रस्तुत किया जाय तो सीखनेवालों को कम समय लगाना पडेगा, क्योंकि वे आसानी से समझ सकते हैं कि एक अक्षर से दूसरा अक्षर किस प्रकार बनाया जाता है।

रूप सादृश्य के आधार पर कन्नड के अकेले (पृथक्) अक्षरों को नौ वर्गों में, सजातीय और विजातीय संयुक्ताक्षरों को तीन वर्गों में वर्गीकृत किया जा सकता है। इन को परिशिष्ट 4 में दिया गया है।

लिपि के प्राराम्भिक पाठों में रूप सादृश्यवाले अक्षरों से बननेवाले शब्दों का मिलना कठिन है परन्तु पाठ 3 के आगे ऐसे शब्दों, पदबंधों और वाक्यों का अधिक संख्या में परिचय दिया जा सकता है। अध्यापक समय की सुविधा के अनुसार परिशिष्ट में दी गई सूची को बढा सकते हैं।

लिपि पाठों के लिए कुछ उदाहरण-अभ्यास दिये गये हैं। अध्यापक इन का प्रयोग कर सकते हैं।

1. दिये गये अक्षरों में 'ಲ' (ल) को पहचानिये।

   ಅಲ, ಲವ, ಕಲರವ, ಕಲಕಲ

2. दुहराये गये अक्षरों को पहचानिये।

   ಅಳ, ಅಲ, ಹರ, ಕರ, ಮರ

3. दिये गये शब्दों में 'ಅ' को पहचानिये।

   ಅರಸ, ಅವನ, ಅದರ, ಅವಳ, ಇದರ

4. ठीक से मिलाइए और पढिये।

ಅಗ	ರ
ದಸ	ಲ
ನಗ	ರ
ಉದ	ಸ
ಅಗ	ರ

5. उपयुक्त अक्षर चुनिये और शब्द पूरे कीजिए।
ಇ-ರ, ಅ-ಸ, ದ-ರ, ಅವ-, ಗ-ನ (ಸ, ರ, ಹ, ನ, ದ)

6. सही अक्षर का प्रयोग कीजिए और शब्द पूरे कीजिए।
ಅ-ಲ, ಅರ-, ಉದ-, ನ-ರ, ಮರ-

7. देवनागरी में दिये गये शब्दों को कन्नड में लिखिए।
अरस, दसर, अगल, अवन, इदर

8. दिये गये अक्षरों का प्रयोग कीजिए और उनसे जितने हो सके उतने शब्द बनाइए।

ಅ	ರ	ಸ
ಹ	ಗ	ಗ
ನ	ವ	ಳ
ಮ	ದ	ರ

9. दिये गये हर एक शब्द से दो या तीन शब्द बनाइये।
ಸರಕಾರದ, ಸರಿಯಾದ, ಸಾಯಂಕಾಲ, ವಿಜಯನಗರ, ನರಮಾನವ

10. दिये गये अक्षरों को आदि, मध्य, अंतिम अक्षरों के स्थान पर प्रयोग कर के शब्द बनाइए।
(ಅ,ಗ,ಸ,ಉಳ)
ದರ, ನರ, ಅರ, ದಯ, ಸರ

11. हिन्दी शब्दों के कन्नड में समानार्थ शब्द लिखिए।
गल, ठीक, भय, लग, बहन

12. अक्षरों को ठीक ढंग से व्यवस्थित कीजिये और शब्द बनाइए।
ಅಸಗ, ಅಸರ, ದರಸ, ಮಣರ, ರಳಸ

ऊपर के अभ्यासों के अतिरिक्त यह आवश्यक है कि श्रुतिलिख के नियमित अभ्यास दिये जायें। श्रुतिलिख के लिए शब्दों, वाक्यों का चयन करते समय यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि उन में वे ध्वनियाँ हों जिन केलिए एक चिह्न एक से अधिक ध्वनियों का प्रतिनिधित्व करता हो और वे भी ध्वनियाँ हों जिन के वितरण और उच्चारण में हिन्दी और कन्नड में अन्तर हो।

परिशिष्ट -1 कन्नड वर्णमाला

(और परिवर्धित देवनागरी जिसका प्रयोग इस पुस्तक में किया गया है)

ಅ	ಆ	ಇ	ಈ	ಉ
अ	आ	इ	ई	उ
ಊ	ಋ	ಎ	ಏ	ಐ
ऊ	ऋ	ऍ	ए	ऐ
ಒ	ಓ	ಔ		
ऑ	ओ	औ		
ಅಂ	ಅಃ			
अं	अः			
ಕ	ಖ	ಗ	ಘ	ಙ
क	ख	ग	घ	ङ
ಚ	ಛ	ಜ	ಝ	ಞ
च	छ	ज	झ	ञ

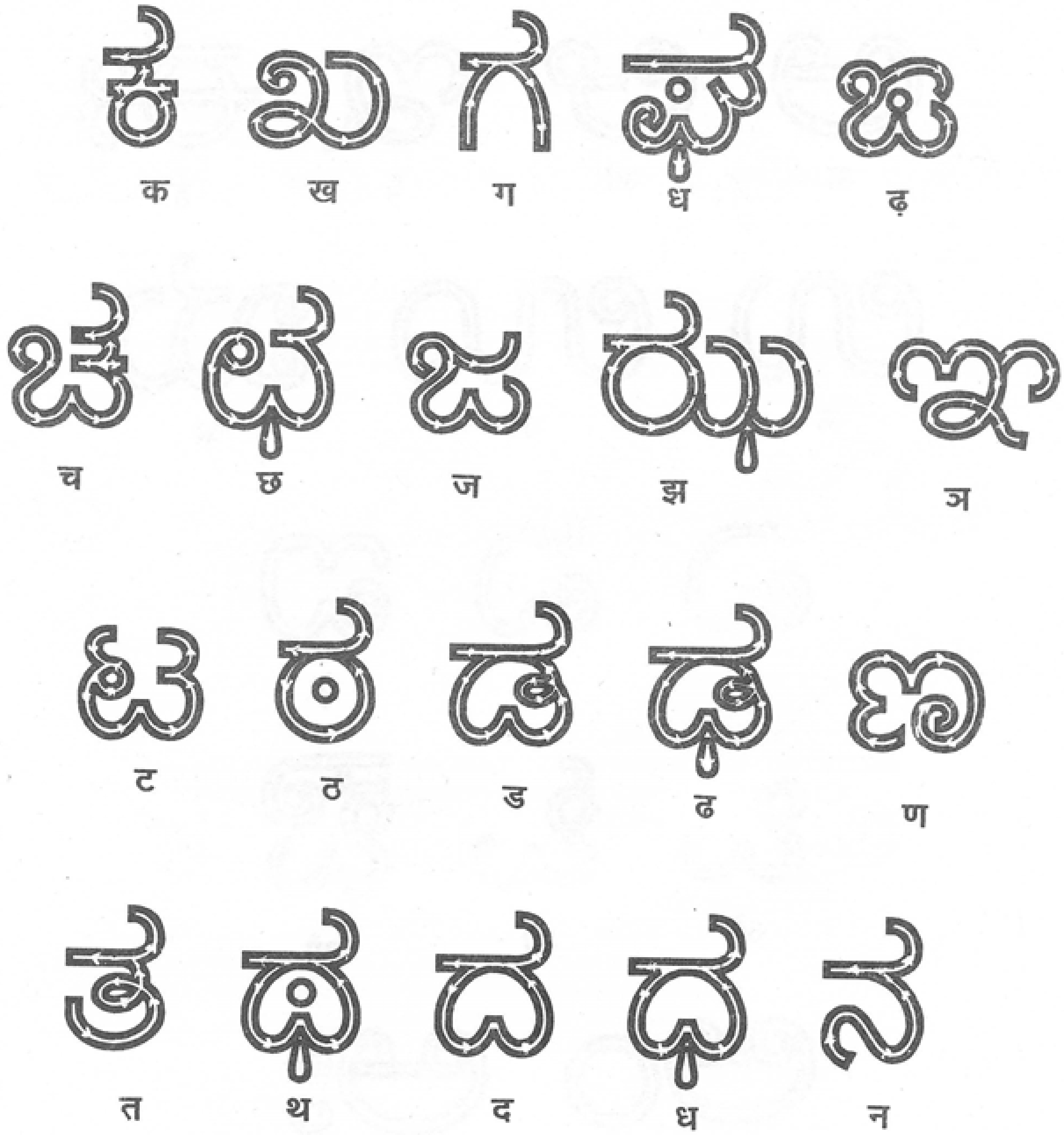
ಟ	ಠ	ಡ	ಢ	ಣ
ट	ठ	ड	ढ	ण
ತ	ಥ	ದ	ಧ	ನ
त	थ	द	ध	न
ಪ	ಫ	ಬ	ಭ	ಮ
प	फ	ब	भ	म
ಯ	ರ	ಲ	ವ	ಶ
य	र	ल	व	श
ಷ	ಸ	ಹ	ಳ	
ष	स	ह	ळ	

कन्नड के हलंत अक्षर

ಕ್	ಖ್	ಗ್	ಘ್	ಙ್
ಚ್	ಛ್	ಜ್	ಝ್	ಞ್
ಟ್	ಠ್	ಡ್	ಢ್	ಣ್
ತ್	ಥ್	ದ್	ಧ್	ನ್
ಪ್	ಫ್	ಬ್	ಭ್	ಮ್
ಯ್	ರ್	ಲ್	ವ್	ಶ್
ಷ್	ಸ್	ಹ್	ಳ್	

परिशिष्ट-2 कन्नड अक्षर लिखने के लिए हाथ चलाने की रीति।

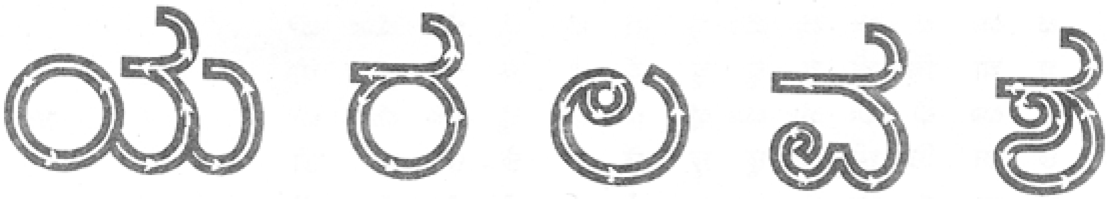




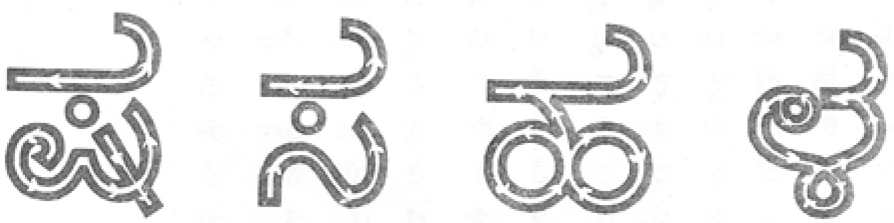
क ख ग ध ढ़
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न



प फ ब भ म



य र ल व श



ष स ह ळ

परिशिष्ट -3 कन्नड बारहखड़ी

ಅ	ಆ	ಇ	ಈ	ಉ	ಊ	ಋ	ಎ	ಏ	ಐ	ಒ	ಓ	ಔ
अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ऍ	ए	ऐ	ऑ	ओ	औ
ಕ	ಕಾ	ಕಿ	ಕೀ	ಕು	ಕೂ	ಕೃ	ಕೆ	ಕೇ	ಕೈ	ಕೊ	ಕೋ	ಕೌ
क	का	कि	की	कु	कू	कृ	कॅ	के	कै	कॉ	को	कौ
ಖ	ಖಾ	ಖಿ	ಖೀ	ಖು	ಖೂ	ಖೃ	ಖೆ	ಖೇ	ಖೈ	ಖೊ	ಖೋ	ಖೌ
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खृ	खॅ	खे	खै	खॉ	खो	खौ
ಗ	ಗಾ	ಗಿ	ಗೀ	ಗು	ಗೂ	ಗೃ	ಗೆ	ಗೇ	ಗೈ	ಗೊ	ಗೋ	ಗೌ
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गृ	गॅ	गे	गै	गॉ	गो	गौ
ಘ	ಘಾ	ಘಿ	ಘೀ	ಘು	ಘೂ	ಘೃ	ಘೆ	ಘೇ	ಘೈ	ಘೊ	ಘೋ	ಘೌ
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घृ	घॅ	घे	घै	घॉ	घो	घौ
ಚ	ಚಾ	ಚಿ	ಚೀ	ಚು	ಚೂ	ಚೃ	ಚೆ	ಚೇ	ಚೈ	ಚೊ	ಚೋ	ಚೌ
च	चा	चि	ची	चु	चू	चृ	चॅ	चे	चै	चॉ	चो	चौ
ಛ	ಛಾ	ಛಿ	ಛೀ	ಛು	ಛೂ	ಛೃ	ಛೆ	ಛೇ	ಛೈ	ಛೊ	ಛೋ	ಛೌ
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छृ	छॅ	छे	छै	छॉ	छो	छौ
ಜ	ಜಾ	ಜಿ	ಜೀ	ಜು	ಜೂ	ಜೃ	ಜೆ	ಜೇ	ಜೈ	ಜೊ	ಜೋ	ಜೌ
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जृ	जॅ	जे	जै	जॉ	जो	जौ
ಝ	ಝಾ	ಝಿ	ಝೀ	ಝು	ಝೂ	ಝೃ	ಝೆ	ಝೇ	ಝೈ	ಝೊ	ಝೋ	ಝೌ
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झृ	झॅ	झे	झै	झॉ	झो	झौ
ಟ	ಟಾ	ಟಿ	ಟೀ	ಟು	ಟೂ	ಟೃ	ಟೆ	ಟೇ	ಟೈ	ಟೊ	ಟೋ	ಟೌ
ट	टा	दि	टी	टु	टू	टृ	टॅ	टे	टै	टॉ	टो	टौ
ಠ	ಠಾ	ಠಿ	ಠೀ	ಠು	ಠೂ	ಠೃ	ಠೆ	ಠೇ	ಠೈ	ಠೊ	ಠೋ	ಠೌ
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठृ	ठॅ	ठे	ठै	ठॉ	ठो	ठौ
ಡ	ಡಾ	ಡಿ	ಡೀ	ಡು	ಡೂ	ಡೃ	ಡೆ	ಡೇ	ಡೈ	ಡೊ	ಡೋ	ಡೌ
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डृ	डॅ	डे	डै	डॉ	डो	डौ
ಢ	ಢಾ	ಢಿ	ಢೀ	ಢು	ಢೂ	ಢೃ	ಢೆ	ಢೇ	ಢೈ	ಢೊ	ಢೋ	ಢೌ
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढृ	ढॅ	ढे	ढै	ढॉ	ढो	ढौ
ಣ	ಣಾ	ಣಿ	ಣೀ	ಣು	ಣೂ	ಣೃ	ಣೆ	ಣೇ	ಣೈ	ಣೊ	ಣೋ	ಣೌ
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णृ	णॅ	णे	णै	णॉ	णो	णौ
ತ	ತಾ	ತಿ	ತೀ	ತು	ತೂ	ತೃ	ತೆ	ತೇ	ತೈ	ತೊ	ತೋ	ತೌ
त	ता	ति	ती	तु	तू	तृ	तॅ	ते	तै	तॉ	तो	तौ
ಥ	ಥಾ	ಥಿ	ಥೀ	ಥು	ಥೂ	ಥೃ	ಥೆ	ಥೇ	ಥೈ	ಥೊ	ಥೋ	ಥೌ

थ	था	थि	थी	थु	थू	थृ	थॅ	थे	थै	थॉ	थो	थौ
ದ	ದಾ	ದಿ	ದೀ	ದು	ದೂ	ದೃ	ದೆ	ದೇ	ದೈ	ದೊ	ದೋ	ದೌ
द	दा	दि	दी	दु	दू	दृ	दॅ	दे	दै	दॉ	दो	दौ
ಧ	ಧಾ	ಧಿ	ಧೀ	ಧು	ಧೂ	ಧೃ	ಧೆ	ಧೇ	ಧೈ	ಧೊ	ಧೋ	ಧೌ
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धृ	धॅ	धे	धै	धॉ	धो	धौ
ನ	ನಾ	ನಿ	ನೀ	ನು	ನೂ	ನೃ	ನೆ	ನೇ	ನೈ	ನೊ	ನೋ	ನೌ
न	ना	नि	नी	नु	नू	नृ	नॅ	ने	नै	नॉ	नो	नौ
ಪ	ಪಾ	ಪಿ	ಪೀ	ಪು	ಪೂ	ಪೃ	ಪೆ	ಪೇ	ಪೈ	ಪೊ	ಪೋ	ಪೌ
प	पा	पि	पी	पु	पू	पृ	पॅ	पे	पै	पॉ	पो	पौ
ಫ	ಫಾ	ಫಿ	ಫೀ	ಫು	ಫೂ	ಫೃ	ಫೆ	ಫೇ	ಫೈ	ಫೊ	ಫೋ	ಫೌ
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फृ	फॅ	फे	फै	फॉ	फो	फौ
ಬ	ಬಾ	ಬಿ	ಬೀ	ಬು	ಬೂ	ಬೃ	ಬೆ	ಬೇ	ಬೈ	ಬೊ	ಬೋ	ಬೌ
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बृ	बॅ	बे	बै	बो	बॉ	बौ
ಭ	ಭಾ	ಭಿ	ಭೀ	ಭು	ಭೂ	ಭೃ	ಭೆ	ಭೇ	ಭೈ	ಭೊ	ಭೋ	ಭೌ
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भृ	भॅ	भे	भै	भॉ	भो	भौ
ಮ	ಮಾ	ಮಿ	ಮೀ	ಮು	ಮೂ	ಮೃ	ಮೆ	ಮೇ	ಮೈ	ಮೊ	ಮೋ	ಮೌ
म	मा	मि	मी	मु	मू	मृ	मॅ	मे	मै	मॉ	मो	मौ
ಯ	ಯಾ	ಯಿ	ಯೀ	ಯು	ಯೂ	ಯೃ	ಯೆ	ಯೇ	ಯೈ	ಯೊ	ಯೋ	ಯೌ
य	या	यि	यी	यु	यू	यृ	यॅ	ये	यै	यॉ	यो	यौ
ರ	ರಾ	ರಿ	ರೀ	ರು	ರೂ	ರೃ	ರೆ	ರೇ	ರೈ	ರೊ	ರೋ	ರೌ
र	रा	रि	री	रु	रू	रृ	रॅ	रे	रै	रॉ	रो	रौ
ಲ	ಲಾ	ಲಿ	ಲೀ	ಲು	ಲೂ	ಲೃ	ಲೆ	ಲೇ	ಲೈ	ಲೊ	ಲೋ	ಲೌ
ल	ला	लि	ली	लु	लू	लृ	लॅ	ले	लै	लॉ	लो	लौ
ವ	ವಾ	ವಿ	ವೀ	ವು	ವೂ	ವೃ	ವೆ	ವೇ	ವೈ	ವೊ	ವೋ	ವೌ
व	वा	वि	वी	वु	वू	वृ	वॅ	वे	वै	वॉ	वो	वौ
ಶ	ಶಾ	ಶಿ	ಶೀ	ಶು	ಶೂ	ಶೃ	ಶೆ	ಶೇ	ಶೈ	ಶೊ	ಶೋ	ಶೌ
श	शा	शि	शी	शु	शू	शृ	शॅ	शे	शै	शॉ	शो	शौ
ಷ	ಷಾ	ಷಿ	ಷೀ	ಷು	ಷೂ	ಷೃ	ಷೆ	ಷೇ	ಷೈ	ಷೊ	ಷೋ	ಷೌ
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षृ	षॅ	षे	षै	षॉ	षो	षौ
ಸ	ಸಾ	ಸಿ	ಸೀ	ಸು	ಸೂ	ಸೃ	ಸೆ	ಸೇ	ಸೈ	ಸೊ	ಸೋ	ಸೌ
स	सा	सि	सी	सु	सू	सृ	सॅ	से	सै	सॉ	सो	सौ
ಹ	ಹಾ	ಹಿ	ಹೀ	ಹು	ಹೂ	ಹೃ	ಹೆ	ಹೇ	ಹೈ	ಹೊ	ಹೋ	ಹೌ
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हृ	हॅ	हे	है	हॉ	हो	हौ

ಳ	ಳಾ	ಳಿ	ಳೀ	ಳು	ಳೂ	ಳೃ	ಳೆ	ಳೇ	ಳೈ	ಳೊ	ಳೋ	ಳೌ
ळ	ळा	ळि	ळी	ळु	ळू	ळृ	ळॅ	ळे	ळै	ळॉ	ळो	ळौ

परिशिष्ट-4 रूप साम्य के आधार पर कन्नड अक्षर

1.	ಲ	ಅ	ಆ	ಳ	ಉ	ಊ			
	ल	अ	आ	ळ	उ	ऊ			
2.	ರ	ಠ	ಈ	ಯ	ಝ	ಹ	ಂ	ಃ	
	र	ठ	ई	य	झ	ह	ं	ः	
3.	ದ	ಧ	ಥ	ಡ	ಢ				
	द	ध	थ	ड	ढ				
4.	ಒ	ಓ	ಔ	ಙ	ಜ	ಬ	ಭ	ಚ	ಟ
	ऑ	ओ	औ	ङ	ज	ब	भ	च	ट
5.	ಇ	ಞ	ಐ	ಣ					
	इ	ञ	ऐ	ण					
6.	ಖ	ಋ	ಶ						
	ख	ऋ	श						
7.	ಕ	ತ							
	क	त							
8.	ಸ	ನ	ಗ						
	स	न	ग						
9.	ಎ	ಏ	ವ	ಪ	ಫ	ಷ	ಘ	ಮ	ಛ
	ऍ	ए	व	प	फ	ष	घ	म	छ

शब्द उदाहरण

1.	ಆಲ	ಆಳ				
	आल	आळ				
2.	ಅರ	ಹರ	ಹಠ	ಈರ		
	अर	हर	हठ	ईर		
3.	ದಳ	ದರ	ರಥ	ದಡ	ಊದ	ದಯ
	दळ	दर	रथ	दड	ऊद	दय

4. ಒಳ ಓಡ ಜರ ಜಲ ಜಡ ಜಯ
ऑळ ओड जर जल जड जय

5. ಒಣ ಝಣ ಹಣ ಇಹ ಇಭ
ऑण झण हण इह इभ

6. ಶರ ಶಠ ಈಶ ಯಶ
शर शठ ईश यश

7. ಕಳ ತಳ ತರ ತಡ ಹತ
कळ तळ तर तड हत
ಶತ ಶಕ ಕಡ ಕಣ ಆತ
शत शक कड कण आत

8. ಸಲ ಸರ ನಳ ನಯ ನರ
सल सर नळ नय नर

9. ಎಡ ಎಳ ಏತ ವರ ವನ
ऍड ऍळ एत वर वन
ವಶ ಪಟ ಪದ ಫಲ ಭಗ
वश पट पद फल भग
ಮತ ಮಠ ಛಲ ತಪ ಯಮ
मत मठ छल तप यम

परिशिष्ट-5 संयुक्ताक्षर

कन्नड के संयुक्ताक्षर के तीन समूहों में विभाजित किया जा सकता है।

1. मूल अक्षरों के जैसे बननेवाले संयुक्ताक्षर

मूल अक्षर	अन्य अक्षरों के साथ बननेवाले संयुक्ताक्षर	शब्द
ज-ಜ	ಜ್ಜ	ಅಜ್ಜ-दादा
ख-ಖ	ಖ್ಖ	ಉತ್ಖನನ-खोद
ट-ಟ	ಷ್ಟ	ಕಷ್ಟ-कष्ट
ण-ಣ	ಣ್ಣ	ಅಣ್ಣ-भाई
ब-ಬ	ಬ್ಬ	ಹಬ್ಬ-त्योहार
व-ವ	ವ್ವ	ಉಜ್ವಲ-श्रेष्ठ

2. मूलाक्षरों के ऊपर की लकीर निकालकर नीचे के बचे हुए अक्षर रूपों के संयुक्ताक्षर।

क-ಕ	್ಕ	ಅಕ್ಕ-बड़ी बहन
ग-ಗ	್ಗ	ಅಗ್ಗ-सस्ता
च-ಚ	್ಚ	ಹುಚ್ಚ-पागल
ड-ಡ	್ಡ	ಅಡ್ಡ-रोक
द-ದ	್ದ	ಉದ್ದ-लम्बा
प-ಪ	್ಪ	ಅಪ್ಪ-पिता
ष-ಷ	್ಷ	ವೃಕ್ಷ-पेड
स-ಸ	್ಸ	ವಯಸ್ಸು-उम्र
ळ-ಳ	್ಳ	ಕಳ್ಳ-चोर

3. मूलाक्षरों से बिलकुल भिन्न रूपवाले संयुक्ताक्षर

म-ಮ	್ಮ	ಅಮ್ಮ-माता
न्न-ನ	್ನ	ಅನ್ನ-चावल
क्ष-ತ	್ತ	ರಕ್ತ-खून
र-ರ	್ರ	ನಕ್ಷತ್ರ-नक्षत्र
ल-ಲ	್ಲ	ಕಲ್ಲು-पत्थर
य-ಯ	್ಯ	ಬಾಹ್ಯ-बाह्य

कन्नड भाषा के संयुक्ताक्षर मूलाक्षरों के नीचे थोडी दायीं तरफ लिखते हैं।
उदाहरण- ಅಕ್ಕ-बहन, ಅಮ್ಮ-माता, ಕನ್ನಡ-कन्नड, ಬಾಹ್ಯ-बाह्य

रेफ का संयुक्ताक्षर मूलाक्षरों के दायीं जगह लिखा जाता है। इस के उच्चारण भी और संयुक्ताक्षरों के उच्चारण से अलग होते हैं। उदाहरण के लिए ಸೂರ್ಯ-(सूर्य) शब्द लिखते समय ಸೂ-(सू), उस के बाद 'ಯ-(य)' लिखंकर 'ಯ' की बगल में संयुक्ताक्षर लिखा जाता है। पढते समय पहले ಸೂ पढकर रेप की ध्वनि 'ರ್' पढकर 'य' पढते हैं। कन्नड का उच्चारण हिन्दी 'सूर्य' की तरह होता है। 'ಸೂರ್ಯ' शब्द को 'ಸೂರ‍್ಯ' भी लिखा जाता है।

कन्नड के संयुक्ताक्षर वर्णमाला के क्रम में

ಕ್	ಕ	ಕ್ಕ	ಕ್ತ	ಕ್ಟ	ಕ್ಯ	ಕ್ರ	ಕ್ಲ	ಕ್ವ
क्	क	क्क	क्त	क्ट	क्य	क्र	क्ल	क्व
ಖ್	ಖ	ಖ್ಖ	ಖ್ಯ					
ख्	ख	ख्ख	ख्य					
ಗ್	ಗ	ಗ್ಗ	ಗ್ದ	ಗ್ನ	ಗ್ಮ	ಗ್ಯ	ಗ್ರ	ಗ್ಲ
ग्	ग	ग्ग	ग्द	ग्न	ग्म	ग्य	ग्र	ग्ल
ಘ್	ಘ	ಘ್ಘ	ಘ್ನ	ಘ್ರ				
घ्	घ	घ्घ	घ्न	घ्र				
ಙ್	ಙ	ಙ್ಙ	ಙ್ಮ					
ङ्	ङ	ङ्ङ	ङ्म					
ಚ್	ಚ	ಚ್ಚ	ಚ್ಯ					
च्	च	च्च	च्य					
ಜ್	ಜ	ಜ್ಜ	ಜ್ಯ	ಜ್ರ	ಜ್ವ			
ज्	ज	ज्ज	ज्य	ज्र	ज्व			
ಞ್	ಞ	ಞ್ಞ						
ञ्	ञ	ञ्ञ						
ಟ್	ಟ	ಟ್ಟ	ಟ್ಯ	ಟ್ರ				
ट्	ट	ट्ट	ट्य	ट्र				
ಠ್	ಠ	ಠ್ಠ	ಠ್ಯ					
ठ्	ठ	ठ्ठ	ठ्य					
ಡ್	ಡ	ಡ್ಡ	ಡ್ತ	ಡ್ರ	ಡ್ಲ			
ड्	ड	ड्ड	ड्त	ड्र	ड्ल			
ಢ್	ಢ	ಢ್ಢ	ಢ್ಯ					
ढ्	ढ	ढ्ढ	ढ्य					

ಣ್	ಣ	ಣ್ಣ	ಣ್ಯ				
ण्	ण	ण्ण	ण्य				
ತ್	ತ	ತ್ತ	ತ್ವ	ತ್ಯ	ತ್ರ	ತ್ವ	ತ್ಸ
त्	त	त्त	त्व	त्य	त्र	त्व	त्स
ಥ್	ಥ	ಥ್ಥ	ಥ್ಯ				
थ्	थ	थ्थ	थ्य				
ದ್	ದ	ದ್ದ	ದ್ಗ	ದ್ಯ	ದ್ರ	ದ್ವ	
द्	द	द्द	द्‍ग	द्य	द्र	द्व	
ಧ್	ಧ	ಧ್ಧ	ಧ್ಯ	ಧ್ರ	ಧ್ವ		
ध्	ध	ध्ध	ध्य	ध्र	ध्व		
ನ್	ನ	ನ್ನ	ನ್ಯ	ನ್ವ			
न्	न	न्न	न्य	न्व			
ಪ್	ಪ	ಪ್ಪ	ಪ್ತ	ಪ್ನ	ಪ್ಯ	ಪ್ರ	ಪ್ಲ
प्	प	प्प	प्त	प्न	प्य	प्र	प्ल
ಬ್	ಬ	ಬ್ಬ	ಬ್ರ				
ब्	ब	ब्ब	ब्र				
ಮ್	ಮ	ಮ್ಮ	ಮ್ಯ	ಮ್ರ	ಮ್ಲ		
म्	म	म्म	म्य	म्र	म्ल		
ಯ್	ಯ	ಯ್ಯ					
य्	य	य्य					
ರ್	ರ	ರ್‍	ರ್ಯ				
र्	र	र्‍	र्य				
ಲ್	ಲ	ಲ್ಲ	ಲ್ಯ	ಲ್ವ	ಲ್ಪ		
ल्	ल	ल्ल	ल्य	ल्व	ल्प		
ವ್	ವ	ವ್ವ	ವ್ಯ	ವ್ರ			
व्	व	व्व	व्य	व्र			
ಶ್	ಶ	ಶ್ಶ	ಶ್ಯ	ಶ್ರ	ಶ್ವ		
श्	श	श्श	श्य	श्र	श्व		
ಷ್	ಷ	ಷ್ಷ	ಷ್ಕ	ಷ್ಪ	ಷ್ಯ		
ष्	ष	ष्ष	ष्क	ष्प	ष्य		
ಸ್	ಸ	ಸ್ಸ	ಸ್ತ	ಸ್ಪ	ಸ್ರ	ಸ್ವ	
स्	स	स्स	स्त	स्प	स्र	स्व	

ಹ್	ಹ	ಹ್ಹ	ಹ್ಯ	ಹ್ರ	ಹ್ವ	ಹ್ಲ
ह्	ह	ह्ह	ह्य	ह्र	ह्व	ह्ल
ಳ್	ಳ	ಳ್ಳ	ಳ್ಯ	ಳ್ವ		
ळ्	ळ	ळ्ळ	ळ्य	ळ्व		

परिशिष्ट- 6 अक्षर-शिक्षण का पाठ नमूना

अक्षर सिखाने के कई ढंग हैं। इस नमूना-पाठ में रूपसाम्य के अनुसार अक्षर सिखाने की रीति का परिचय दिया गया है। तालिका-3 के प्रथम समूह के अक्षरों को सिखाने की विधि की ओर ध्यान दीजिए।

कन्नड भाषा के अक्षर गोल होते हैं। तख्ते पर एक शून्य बनाइए। शून्य से बाईं से दाईं ओर रेखा खींच कर उसके दो भाग कीजिए। इसके बाद केवल नीचे के भाग को लिखिए। उसके बायें छोर पर एक बहुत छोटा शून्य बनाइए। इससे 'ಲ' (ल) बनता है। 'ಲ' (ल) अक्षर लिखने के लिए तालिका-5 के 'अक्षर लिखने के लिए हाथ चलाने की रीति' में लिखे गये अक्षर को लिखकर अभ्यास कीजिए। उसका स्पष्ट उच्चारण भी सीखना चाहिए। 'ಲ' (ल) अक्षर की लिखावट और उच्चारण को ठीक तरह सीखने के बाद अगला अक्षर 'ಅ' (अ) लिखना सीखिए। 'ಅ' (अ) अक्षर की लिखावट और उच्चारण सीखने के बाद 'ಲ' (ल) और 'ಅ' (अ) अक्षरों में होनेवाली रूप-साम्यता और भिन्नता की ओर ध्यान दीजिए। इस प्रकार तालिका-3 के प्रथम समूह के अक्षर- 'ಲ' (ल), 'ಅ' (अ), 'ಆ' (आ), 'ಳ' (ळ), 'ಉ' (उ), 'ಊ' (ऊ) अक्षरों को सीखना चाहिए। उस समूह में सीखे गए अक्षरों की सहायता से विद्यार्थी को पद-रचना कर उस का अर्थ समझना चाहिए। 'ಆಲ' (आल), 'ಆಳ' (आळ) इस प्रकार एक समूह सीखिए। इसके साथ बारहखडी सिखाएँ तो सीखे गए अक्षरों की सहायता से विद्यार्थी को पद-रचना और वाक्य रचना करने में सहायता मिलती है। इस समूह में सीखे गए 'ಳ' (ळ) व्यंजन में 'ಉ' (उ) स्वर का चिन्ह 'ು' जोडने से 'ಳು' (ळु) होता है।

इसकी सहायता से-

ಅಳು (अळु) - रोना

ಆಳು (आळु) - सेवक

ಉಳು (उळु) - हल चलाना

अध्यापकों को कक्षा में प्रवेश करने के पहले ही प्रत्येक लिपि के पात की तैयारी करना चाहिए।

पाठ-1

सीखनेवाले अक्षर - 'ಲ' (ल), 'ಅ' (अ), 'ಆ' (आ), 'ಳ' (ळ), 'ಉ' (उ) और 'ಊ' (ऊ)

ಲ	ಅ	ಆ	ಳ	ಉ	ಊ
ल	अ	आ	ळ	उ	ऊ

ಆಲ बरगद का पेड़ **ಆಳ** गहराई

कन्नड 'उ' का उप चिन्ह 'ು' लगाकर आनेवाले शब्द।

ಳು - ळु

ಆಳು - आळु - सेवक

ಅಳು - अळु - रो

ಉಳು - उळु - हल चलाना

अभ्यास

1. दिये गये शब्दों में ಲ, ಕ, ರ को पहचानिये।
   1. ಆಲ
   2. ಲವ
   3. ಕಲರವ
   4. ಕಲಕಲ

2. प्रथम कोष्टक में दिये गये अक्षरों के समान अक्षरों को दूसरे कोष्टक में चिह्नित् कीजिए।

ಲ	
ಆಲ	ಆಳ

ಉ	
ಉಳು	ಉಲ

ಪಾಠ 1
पाठ 1

ನನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತ
नन्न स्नेहित

मेरा मित्र

ಪ್ರಸಾದ್:	ನಮಸ್ಕಾರ.	नमस्कार !
प्रसाद :	नमस्कार !	
ರವಿ :	ನಮಸ್ಕಾರ ಪ್ರಸಾದ್. ಬನ್ನಿ, ಬನ್ನಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳಿ.	नमस्कार प्रसाद। आइए, आइए, बैठिए।
रवि :	नमस्कार प्रसाद! बन्नि, बन्नि कुळितुकॉळ्ळि।	
ಪ್ರಸಾದ್:	ಏನಪ್ಪ ಸಮಾಚಾರ?	क्या समाचार है भाई?
प्रसाद :	एनप्प समाचार ?	
ರವಿ :	ಎಲ್ಲ ನೀನೇ ಹೇಳು.	सब तुम्हीं बताओ।
रवि :	ऍल्ल नीने हेळु।	
ಪ್ರಸಾದ್:	ಇವನು ನನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತ. ಇವನ ಹೆಸರು ತ್ರಿವೇದಿ.	यह मेरा मित्र है। इसका नाम त्रिवेदी है।
प्रसाद :	इवनु नन्न स्नेहित। इवन हॅसरु त्रिवेदि।	
ರವಿ :	ನಮಸ್ಕಾರ.	नमस्कार।
रवि :	नमस्कार।	
ತ್ರಿವೇದಿ :	ನಮಸ್ಕಾರ. ನಾನು ಉತ್ತರ ಪ್ರದೇಶದವನು.	नमस्कार। मैं उत्तर प्रदेश का रहनेवाला हूँ।
त्रिवेदि :	नमस्कार। नानु उत्तर प्रदेशदवनु।	
ರವಿ :	ಒಳ್ಳೆಯದು.	अच्छा।
रवि :	ऑळ्ळॅयदु !	
ಪ್ರಸಾದ್:	ಇವನು ಕೂಡ ನನ್ನ ತರಹ ಎಂಜಿನಿಯರ್.	यह भी मेरी तरह ऍन्जिनियर हैं।
प्रसाद :	इवनु कूड नन्न तरह ऍन्जिनियर।	
ರವಿ :	ಒಳ್ಳೆಯದು. ನಾನು ಕನ್ನಡ ಅಧ್ಯಾಪಕ.	अच्छा। मैं कन्नड-अध्यापक हूँ।
रवि :	ऑळ्ळॅयदु। नानु कन्नड अध्यापक।	

ತ್ರಿವೇದಿ : ಬಹಳ ಸಂತೋಷ. ನಮ್ಮ ತಂದೆಯವರೂ ಕೂಡ ಅಧ್ಯಾಪಕರು. ಅವರು ಹಿಂದಿ ಅಧ್ಯಾಪಕರು. ತಾವು ಕನ್ನಡ ಅಧ್ಯಾಪಕರು.	त्रिवेदि : बहळ सन्तोष। नम्म तन्दॆयवरू कूड अध्यापरु। अवरु हिन्दि अध्यापकरु। तावु कन्नड अध्यापकरु।	बहुत खुशी की बात है। हमारे पिताजी भी अध्यापक हैं। वे हिन्दी के अध्यापक हैं। आप कन्नड अध्यापक हैं।
ರವಿ : ಒಳ್ಳೆಯದು. ಶಾಲಿನಿ, ಕಾಫಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಬಾ.	रवि : ऑळ्ळॆयदु। शालिनि, काफि तॆगॆदुकॉण्डु बा।	अच्छा। शालिनि, काफी लाओ!
ತ್ರಿವೇದಿ : ರವಿ, ಅವನು ಯಾರು?	त्रिवेदि : रवि, अवनु यारु ?	रवि, वह कौन है ?
ರವಿ : ಇವನು ನನ್ನ ಮಗ.	रवि : इवनु नन्न मग।	यह मेरा बेटा है।
ಪ್ರಸಾದ್: ನಿನ್ನ ಹೆಸರು ಏನು ಮಗು?	प्रसाद : निन्न हॆसरु एनु मगु ?	बेटे, तुम्हारा क्या नाम है?
ರಾಜು : ಅಂಕಲ್, ನನ್ನ ಹೆಸರು ರಾಜು.	राजू : अंकल, नन्न हॆसरु राजु।	अंकल्, मेरा नाम राजु है।
ತ್ರಿವೇದಿ : ಅವಳು ಯಾರು?	त्रिवेदि : अवळु यारु ?	वह कौन है ?
ರಾಜು : ಅವಳು ನನ್ನ ಅಕ್ಕ. ಅವಳ ಹೆಸರು ಶಾಲಿನಿ.	राजू : अवळु नन्न अक्क। अवळ हॆसरु शालिनि।	वह मेरी बड़ी बहन है। उसका नाम शालिनि है।
ಪ್ರಸಾದ್: ಆ ಫೋಟೊ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ. ಅದು ಯಾರ ಫೋಟೋ?	प्रसाद : आ फोटो चॆन्नागिदॆ। अदु यार फोटो ?	वह फोटो अच्छा है। वह किसका फोटो है ?
ರಾಜು : ಅದು ನಮ್ಮ ಅಜ್ಜಿಯ ಫೋಟೋ. ಅವರು ನಮ್ಮ ತಂದೆಯ ತಾಯಿ. ಇದು ನಮ್ಮ ತಾತನ ಫೋಟೋ. ಇವರು ನಮ್ಮ ತಂದೆಯ ತಂದೆ.	राजू : अदु नम्म अज्जिय फोटो। अवरु नम्म तंदॆय तायि। इदु नम्म तातन फोटो। इवरु नम्म तन्दॆय तन्दॆ।	वह मेरी दादी का फोटो है। वे हमारे पिताजी की माताजी हैं। यह हमारे दादा का फोटो है। वे हमारे पिताजी के पिताजी हैं।

ತ್ರಿವೇದಿ त्रिवेदि	: ನೀನು ತುಂಬ ಜಾಣ. ರಾಜು, ನೀನು ಯಾವ : नीनु तुम्ब जाण। राजु, नीनु याव ತರಗತಿ? तरगति ?	तुम बहुत बुद्धिमान हो। राजु, तुम किस कक्षा में हो?
ರಾಜು राजू	: ನಾನು ಒಂದನೆಯ ತರಗತಿ. ಇವಳು ಮೂರನೆಯ : नानु ऑन्दनॅय तरगति। इवळु मूरनॅय ತರಗತಿ. ನಾವು ಇಬ್ಬರೂ ಒಂದೇ ಶಾಲೆಯ तरगति। नावु इब्बरू ऑन्दे शालॅय ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು. विद्यार्थिगळु।	मैं पहली कक्षा में हूँ। यह तीसरी कक्षा में है! हम दोनों एक ही स्कूल के विद्यार्थी हैं।
ಶಾಲಿನಿ शालिनि	: ಕಾಫಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. : काफ़ि तॅगॅदुकॉळ्ळि।	कॉफ़ि लीजिए।
ರವಿ रवि	: ನೀವೂ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. : नीवू तॅगॅदुकॉळ्ळि।	तुम भी लो।
ಪ್ರಸಾದ್ प्रसाद	: ಬಹಳ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ. : बहळ चॅन्नागिदॅ।	बहुत अच्छी है।
ರವಿ रवि	: ಏನು? : एनु ?	क्या?
ಪ್ರಸಾದ್ प्रसाद	: ಇನ್ನೇನು ? ಕಾಫಿ. : इन्नेनु ? काफि।	और क्या ? काफी।

शब्दार्थ

ನಮಸ್ಕಾರ नमस्कार	नमस्कार	ಬನ್ನಿ बन्नि	आइए
ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳಿ कुळितुकॉळ्ळि	बैठिए	ಏನಪ್ಪ एनप्प	क्या भाई
ಸಮಾಚಾರ समाचार	समाचार	ಎಲ್ಲ ऍल्ल	सब

ನೀನೇ नीने	तुम्हीं
ಇವನು इवनु	यह (समीपस्थ पुं.)
ಸ್ನೇಹಿತ स्नेहित	मित्र,दोस्त
ಹೆಸರು हॅसरु	नाम
ಸಂತೋಷ सन्तोष	सन्तोष
ತರಹ तरह	तरह,जैसा
ಅಧ್ಯಾಪಕ अध्यापक	अध्यापक
ನಮ್ಮ नम्म	हमारी, हमारा, हमारे
ಕೂಡ कूड	भी
ತಾವು तावु	आप
ಯಾರು यारु	कौन
ನಿನ್ನ निन्न	तेरा
ಅಂಕಲ್ अंकल्	अंकल
ಅಕ್ಕ अक्क	बड़ी बहन
ಹೇಳು हेळु	बताना, कहना
ನನ್ನ नन्न	मेरा
ಇವನ इवन	इसका
ನಾನು नानु	मैं
ಇವನು ಕೂಡ इवनु कूड	यह भी
ಒಳ್ಳೆಯದು ओळ्ळॅयदु	अच्छा
ಬಹಳ बहळ	बहुत
ತಂದೆಯವರು तन्दॅयवरु	पिताजी
ಅವರು अवरु	वे
ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಬಾ तॅगॅदुकॉण्डु बा	लाओ
ಮಗ मग	बेटा
ಏನು एनु	क्या
ಅವಳು अवळु	वह (स्त्रीलिंग)
ಅವಳ अवळ	उसका (स्त्रीलिंग)

ಆ आ	वह (संकेतवाचक सर्वनाम)		ಫೋಟೋ फोटो	फोटो
ಕಾಫಿ काफ़ि	कॉफ़ि		ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ चॅन्नागिदॅ	अच्छा है
ಅದು अदु	वह (नपुंसक लिंग)		ಯಾರ यार	किसका
ಅಜ್ಜಿ अज्जि	दादी		ತಂದೆ तन्दॅ	पिता
ತಾಯಿ तायि	माता		ಇದು इदु	यह (न.पु.लिं)
ಅಜ್ಜ अज्ज	दादा, पितामह		ಇವರು इवरु	ये
ನೀನು नीनु	तू		ತುಂಬ तुम्ब	बहुत
ನೀವು नीवु	तुम (आदरसूचक)		ಯಾವ याव	कौनसा
ಜಾಣ जाण	बुद्धिमान		ಒಂದನೆಯ ऑन्दनॅय	पहला
ತರಗತಿ तरगति	कक्षा		ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ तॅगॅदुकॉळ्ळि	लेलो/लीजिए
ಮೂರನೆಯ मूरनॅय	तीसरा		ತಾವು तावु	आप
ಇನ್ನೇನು इन्नेनु	और क्या			

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार उपयुक्त शब्द जोड़कर अलग अलग वाक्य बनाइए।

उदाहरण: ತಂದೆ.

तन्दॆ।

ನನ್ನ ತಂದೆ.

नन्न तन्दॆ।

ಇವರು ನನ್ನ ತಂದೆ.

इवरु नन्न तन्दॆ।

1. ಅಧ್ಯಾಪಕ (अध्यापक)
2. ತಾಯಿ (तायि)
3. ಅಜ್ಜ (अज्ज)
4. ಅಜ್ಜಿ (अज्जि)
5. ಅಕ್ಕ (अक्क)

II. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

उदाहरण: ನಾನು ರಾಜು.

नानु राजु।

ನನ್ನ ಹೆಸರು ರಾಜು.

नन्न हॆसरु राजु।

1. ನಾನು ಶಾಲಿನಿ. (नानु शालिनि)
2. ನಾನು ತ್ರಿವೇದಿ. (नानु त्रिवेदि)
3. ನಾನು ರವಿ. (नानु रवि)
4. ನಾನು ಪ್ರಸಾದ್. (नानु प्रसाद)
5. ನಾನು ಶರ್ಮಾ. (नानु शर्मा)

III. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित कथनात्मक वाक्यों के प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।

उदाहरण: ನನ್ನ ಹೆಸರು ತ್ರಿವೇದಿ.
नन्न हॅसरु त्रिवॅदि।
ನಿಮ್ಮ ಹೆಸರು ಏನು?
निम्म हॅसरु एनु?

1. ಇವನ ಹೆಸರು ರಮೇಶ್.
   इवन हॅसरु रमेश।
2. ಇವರ ಹೆಸರು ರವಿ.
   इवर हॅसरु रवि।
3. ಅವರ ಹೆಸರು ಪ್ರಸಾದ್.
   अवर हॅसरु प्रसाद।
4. ಅವನ ಹೆಸರು ರಾಜು.
   अवन हॅसरु राजु।
5. ಅವಳ ಹೆಸರು ಲತ.
   अवळ हॅसरु लत।

IV. कोष्ठक में दिये हुए हिन्दी शब्दों के लिए कन्नड भाषा के समानार्थी शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण: ನನ್ನ ------------ರಾಜು.
नन्न -----------राजु। (नाम)
ನನ್ನ ಹೆಸರು ರಾಜು.
नन्न हॅसरु राजु।

1. ಇವನು ------ಸ್ನೇಹಿತ.
   इवनु --------स्नेहित। (मेरा)
2. ನಾನು ಹಿಂದಿ-------
   नानु हिन्दी-------- (अध्यापक)
3. ಅವನು--------?
   अवनु-------- ? (कौन)
4. ಇವರು ನಮ್ಮ --------
   इवरु नम्म --------- (पिताजी)
5. ಅವಳು ನನ್ನ --------
   अवळु नन्न --------- (बड़ी बहन)

V. कोष्ठक में दिए हुए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण: ಇವನು ನನ್ನ ------ (ಅಕ್ಕ, ತಂಗಿ, ಸ್ನೇಹಿತ)

इवनु नन्न ---------- (अक्क, तंगि, स्नेहित)

ಇವನು ನನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತ.

इवनु नन्न स्नेहित।

1. ನನ್ನ -----------ತ್ರಿವೇದಿ. (ಹೆಸರು, ನಮ್ಮ, ಅವರು).
   नन्न ----------त्रिवेदि। (हॅसरु, नम्म, अवरु)।
2. ಬಹಳ --------- (ನಿಮ್ಮ, ಸಂತೋಷ, ಅವನ).
   बहळ -------------- (निम्म, संतोष, अवन)।
3. ಅವಳು --------- (ಶಾಲಿನಿ, ರಾಜು, ತಂದೆ)
   अवळु ---------------- (शालिनि, राजु, तन्दॅ)
4. ಇವರು ನಮ್ಮ ತಂದೆಯ ------- (ನನ್ನ, ಫೋಟೋ, ತಂದೆ).
   इवरु नम्म तन्दॅय ------- (नन्न, फोटो, तन्दॅ)।
5. ಇವರು -------ತಾಯಿ? (ನನ್ನ, ಯಾರ, ನಮ್ಮ).
   इवरु ------तायि ? (नन्न, यार, नम्म)।

पढ़िए और समझिए

ನನ್ನ ಮನೆ
नन्न मनॅ

ನನ್ನ ಹೆಸರು ಮಹೇಶ್. ಇದು ನನ್ನ ಮನೆ. ನಾವು ಆರು ಜನ. ಇವರು ನಮ್ಮ ತಂದೆ. ನಮ್ಮ ತಂದೆಯ ಹೆಸರು
नन्न हॅसरु महेश। इदु नन्न मनॅ। नावु आरु जन। इवरु नम्म तन्दॅ। नम्म तन्दॅय हॅसरु
ನಂಜಪ್ಪ. ಇವರು ನಮ್ಮ ತಂದೆಯ ತಂದೆ. ಇವರ ಹೆಸರು ರಾಮಪ್ಪ. ಅವನು ನನ್ನ ತಮ್ಮ. ನನ್ನ ತಮ್ಮನ
नंजप्प। इवरु नम्म तन्दॅय तन्दॅ। इवर हॅसरु रामप्प। अवनु नन्न तम्म। नन्न तम्मन
ಹೆಸರು ಗೋಪಾಲ್. ಇವಳು ಸುಮತಿ. ಸುಮತಿ ನನ್ನ ತಂಗಿ. ಇದು ನಮ್ಮ ನಾಯಿ. ಇದರ ಹೆಸರು ಪಂಕಿ.
हॅसरु गोपाल। इवळु सुमति। सुमति नन्न तंगि। इदु नम्म नायि। इदर हॅसरु पंकि.

नए शब्द

ಮನೆ मनॅ	घर	ಜನ जन	लोग	ಇವರ इवर	इनका (समीपस्त आदरसूचक)
ತಮ್ಮ तम्म	छोटा भाई (अनुज)	ತಮ್ಮನ तम्मन	छोटे भाई का	ಅಣ್ಣ अण्ण	बडा भाई (अग्रज)
ಅಣ್ಣನ अण्णन	बडे भाई का	ತಂಗಿ तंगि	छोटी बहन	ನಾಯಿ नायि	कुत्ता

I. **उत्तर दीजिए।**

1. ಮಹೇಶನ ತಂದೆಯ ಹೆಸರು ಏನು? (महेशन तन्दॅय हॅसरु एनु ?)
2. ಸುಮತಿ ಯಾರು? (सुमति यारु ?)
3. ನಂಜಪ್ಪನ ತಂದೆಯ ಹೆಸರು ಏನು? (नंजप्पन तन्दॅय हॅसरु एनु ?)
4. ನಾಯಿಯ ಹೆಸರು ಏನು? (नायिय हॅसरु एनु ?)
5. ಗೋಪಾಲ್ ಯಾರು? (गोपाल यारु ?)

II. **उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों के स्त्रीलिंग के रूप दीजिए।**

उदाहरण: ತಂದೆ– ತಾಯಿ
तन्दॅ - तायि

ಅಣ್ಣ (अण्ण) ತಮ್ಮ (तम्म) ಅಜ್ಜ (अज्ज)

III. **कन्नड में अनुवाद कीजिए।**

1. तुम्हारा नाम क्या है ?
2. मॅरा नाम मोहन है।
3. वह कौन है ?
4. वह मेरी बड़ी बहन है।
5. तुम बहुत बुद्धिमान हो।

IV. **निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग कर तीन वाक्य बनाइए।**

ನಾನು, ನೀನು, ಯಾರು (नानु, नीनु, यारु)

टिप्पणियाँ

इस पाठ में सर्वनामों, संज्ञा + संज्ञा और सर्वनाम + संज्ञावाले सरल वाक्यों और आज्ञार्थक वाक्यों का परिचय दिया गया है।

कन्नड में संज्ञा + संज्ञावाले वाक्य क्रिया रहित होते हैं ; अर्थात् इन वाक्यों में संज्ञा + संज्ञा को जोड़ने के लिए हिन्दी की तरह है/हैं/हूँ/हो आदि का प्रयोग नहीं होता।

उदाहरण: 1.ನನ್ನ ಹೆಸರು ರಾಜು. मेरा नाम राजु है।
नन्न हॅसरु राजु।

2. ನಾನು ಕನ್ನಡ ಅಧ್ಯಾಪಕ. मैं कन्नड अध्यापक हूँ।
नानु कन्नड अध्यापक।

आज्ञार्थक वाक्यों में प्रार्थना या आज्ञा के भाव जुड़े होते हैं। उन्हें विधिवाचक वाक्य भी कहा जा सकता है।

उदाहरण: 1.ಬನ್ನಿ, ಬನ್ನಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳಿ. आइए, आइए बैठिए।
बन्नि, बन्नि कुळितुकॉळ्ळि।

2. ಎಲ್ಲ ನೀನೇ ಹೇಳು. तुम्हीं सब बताओ।
ऍल्ल नीने हेळु।

3. ಶಾಲಿನಿ ಕಾಫಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಬಾ. शालिनि, काफी लाओ।
शालिनि काफि तॅगॅदुकॉण्डु बा।

ध्यान दें, आज्ञार्थक का प्रयोग केवल मध्यम पुरुष के लिए ही होता है। मध्यम पुरुष एकवचन के लिए ನೀನು (नीनु)-तू, तुम, क्रिया के मूल रूप ಹೋಗು (होगु)-जाओ, का प्रयोग होता है। बहुवचन और आदर सूचक ನೀವು (नीवु)-तुमलोग, ತಾವು (तावु)-आप, के लिए क्रिया में 'ಇ-(इ)' प्रत्यय लगाते हैं। जब यह प्रत्यय लगता है तो क्रिया के अन्त के 'ಉ (उ)' का लोप होता है।

उदाहरण: ನಾನು +ಅ – ನನ್ನ - मेरा
नानु +अ - नन्न
ನನ್ನ ಹೆಸರು ರಾಜು. - मेरा नाम राजु है।
नन्न हॅसरु राजु।

ಬನ್ನಿ (बन्नि) आइए ಬರು (बरु) क्रिया का आदर सूचक रूप है।

कन्नड में पूर्ण विराम चिन्ह '.' प्रयोग करते हैं।

सर्वनाम और सर्वनामों के सम्बन्ध सूचक रुप :

पुरुष	सर्वनाम	सर्वनामों के सम्बन्ध सूचक रूप
प्रथमपुरुष एकवचन	ನಾನು - मैं नानु	ನನ್ನ - मेरा नन्न
प्रथमपुरुष बहुवचन	ನಾವು - हम नावु	ನಮ್ಮ - हमारा नम्म
द्वितीयपुरुष एकवचन	ನೀನು - तू नीनु	ನಿನ್ನ - तेरा निन्न
द्वितीयपुरुष बहुवचन	ನೀವು - तुम नीवु	ನಿಮ್ಮ - तुम्हारा निम्म
द्वितीयपुरुष बहुवचन	ತಾವು - आप तावु	ತಮ್ಮ - आप का तम्म
तृतीयपुरुष पुंलिंग एकवचन दूरस्थ	ಅವನು - वह अवनु	ಅವನ - उसका अवन
तृतीयपुरुष स्त्रीलिंग एकवचन दूरस्थ	ಅವಳು - वह अवळु	ಅವಳ - उसका अवळ
तृतीयपुरुष नपुंसकलिंग एकवचन दूरस्थ	ಅದು - वह अदु	ಅದರ - उसका अदर
तृतीयपुरुष पुं और स्त्रीलिंग बहुवचन दूरस्थ	ಅವರು - वे अवरु	ಅವರ - उनका अवर
तृतीयपुरुष पुंल्लिंग एकवचन समीपस्थ	ಇವನು - यह इवनु	ಇವನ - इसका इवन
तृतीयपुरुष स्त्रीलिंग एकवचन समीपस्थ	ಇವಳು - यह इवळु	ಇವಳ - इसका इवळ
तृतीयपुरुष नपुंसकलिंग एकवचन समीपस्थ	ಇದು - यह इदु	ಇದರ - इसका इदर
तृतीयपुरुष पुंलिंग और स्त्रीलिंग बहुवचन समीपस्थ	ಇವರು - ये इवरु	ಇವರ - इनका इवर

हिन्दी में अन्य पुरुष के एकवचन 'यह' और 'वह' हैं।

समीपस्थ :

कन्नड में `ಇವನು' - इवनु (पुं.), `ಇವಳು' - इवळु (स्त्री.) और `ಇದು' - इदु (नपुंसकलिंग) एकवचन 'यह' केलिए है।

बहुवचन में `ಇವರು' - इवरु (पुं. स्त्री.), `ಇವು' - नपुंसकलिंग 'ये' केलिए हैं।

दूरस्थ :

`ಅವನು' - अवनु (पुं.), `ಅವಳು' - अवळु (स्त्री) `ಅದು' - अदु (नपुंसकलिंग) एकवचन 'वह' केलिए है।

बहुवचन में `ಅವರು' - अवरु (पुं. स्त्री.) `ಅವು' - अवु (नपुंसकलिंग) 'वे' केलिए हैं।

हिन्दी में अन्य पुरुष एकवचन का समीपस्थ सर्वनाम शब्द 'यह' है और कन्नड में अन्य पुरुष एकवचन के समीपस्थ सर्वनाम लिंग के अनुसार तीन शब्द हैं -- `ಇವನು' - इवनु(पुं.), `ಇವಳು'- इवळु (स्त्री) और `ಇದು' - इदु (नपुंसकलिंग)

इसी प्रकार हिन्दी में दूरस्थ सर्वनाम शब्द 'वह' है। परन्तु कन्नड में तीन शब्द हैं -- `ಅವನು' - अवनु (पुं.), `ಅವಳು' - अवळु (स्त्री) और `ಅದು' - अदु (नपुंसकलिंग)

कन्नड में सम्बन्ध कारक का चिन्ह `ಅ' - अ है। इस पाठ में सर्वनाम के इन सम्बन्ध कारक रूपों का प्रयोग किया गया है।

उदाहरण:	ನಾನು	+	ಅ	=	ನನ್ನ	मेरा
	नानु		अ		नन्न	
	ಇವನು	+	ಅ	=	ಇವನ	इसका (पुं.)
	इवनु		अ		इवन	
	ಅವಳು	+	ಅ	=	ಅವಳ	उसका (स्त्री)
	अवळु		अ		अवळ	

ಪಾಠ 2
पाठ 2

ಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ
हण्णु तॅगॅदुकॉळ्ळोण

फल खरीदें

ನವೀನ್	:	ಅಪ್ಪಾ, ಅಪ್ಪಾ, ಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ.	पिताजी, पिताजी, फल खरीदें।
नवीन	:	अप्पा, अप्पा, हण्णु तॅगॅदु कॉळ्ळोण।	
ತಂದೆ	:	ಯಾವ ಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ?	कौनसा फल खरीदें?
तन्दॅ	:	याव हण्णु तॅगॅदु कॉळ्ळोण?	
ನವೀನ್	:	ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ.	केले खरीदें।
नवीन	:	बाळॅहण्णु तॅगॅदु कॉळ्ळोण।	
ತಂದೆ	:	ಸರಿ, ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ ಬಾ.	ठीक है, आओ खरीदें।
तन्दॅ	:	सरि, तॅगॅदु कॉळ्ळोण बा।	
ವ್ಯಾಪಾರಿ	:	ಬನ್ನಿ ಸಾರ್, ಬನ್ನಿ, ಬನ್ನಿ. ಯಾವ ಹಣ್ಣು ಕೊಡಲಿ ಸಾರ್?	आइए श्रीमान्जी, आइए, आइए। कौन-सा फल दूँ श्रीमान्?
व्यापारि		बन्नि सार, बन्नि, बन्नि, याव हण्णु कॉडलि सार?	
ತಂದೆ	:	ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ಕೊಡಿ.	केला दो।
तन्दॅ	:	बाळॅहण्णु कॉडि।	
ವ್ಯಾಪಾರಿ	:	ನಂಜನಗೂಡು ರಸಬಾಳೆ ಹಣ್ಣು ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ.	नंजनगूड का `रसबाळे' फल अच्छा है।
व्यापारि	:	नंजनगूडु रसबाळॅहण्णु चॅन्नागिदॅ।	
ನವೀನ್	:	ಆ ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ದಪ್ಪವಾಗಿದೆ.	वह केला मोटा है।
नवीन	:	आ बाळॅहण्णु दप्पवागिदॅ।	
ತಂದೆ	:	ಅದು ಪಚ್ಚಬಾಳೆ ಹಣ್ಣು.	वह `पच्चबाळे' केला है।
तन्दॅ	:	अदु पच्चबाळॅहण्णु।	

ವ್ಯಾಪಾರಿ व्यापारि	: ಈ ರಸಬಾಳೆಹಣ್ಣು ಬಹಳ ಸಿಹಿ ಮಗು. ई रसबाळॆहण्णु बहळ सिहि मगु। ತಗೋ, ಸ್ವಲ್ಪ ರುಚಿ ನೋಡು. तगो, स्वल्प रुचि नोडु।	बच्चे, यह मधुर केला बहुत मीठा है। लो, थोड़ा चखो।
ನವೀನ್ नवीन	: ಅಪ್ಪ, ಈ ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ತಿನ್ನಬಹುದಾ? अप्प, ई बाळॆहण्णु तिन्नबहुदा?	पिताजी, क्या (मैं) यह केला खा सकता हूँ?
ತಂದೆ तन्दॆ	: ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ತಿನ್ನಬಹುದು. ತಿನ್ನು. बाळॆहण्णु तिन्नबहुदु। तिन्नु।	केला खा सकते हो, खाओ।
ನವೀನ್ नवीन	: ಅಪ್ಪ, ಸಿಪ್ಪೆ ಎಲ್ಲಿ ಎಸೆಯಲಿ? अप्प, सिप्पॆ ऎल्लि ऎसॆयलि?	पिताजी, छिलका कहाँ फेंकूँ?
ವ್ಯಾಪಾರಿ व्यापारि	: ಇಲ್ಲಿ ಕೊಡು ಮಗು. इल्लि कॊडु मगु।	बेटे, यहाँ दो।
ತಂದೆ तन्दॆ	: ಇಲ್ಲ, ಅವನೇ ಸಿಪ್ಪೆ ಎಸೆಯಲಿ ಬಿಡಿ. इल्ल, अवने सिप्पॆ ऎसॆयलि बिडि। ಅಲ್ಲಿ ಕಸದ ತೊಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಎಸೆ ನವೀನ. अल्लि कसद तॊट्टियल्लि ऎसॆ नवीन।	नहीं ; उसी को छिलका फेंकने दो। वहाँ कूड़ादान है, उसमें फेंक दो नवीन।
ನವೀನ್ नवीन	: ಬಹಳ ರುಚಿಯಾಗಿದೆ. ಅಪ್ಪ, ರಸಬಾಳೆ बहळ रुचियागिदॆ, अप्प। रसबाळॆ ಹಣ್ಣೇ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ. हण्णे तॆगॆदुकॊळ्ळोण।	बहुत मीठा है। पिताजी, मधुरकेला ही खरीदें।
ತಂದೆ तन्दॆ	: ಈ ರಸಬಾಳೆಹಣ್ಣು ಕೊಡಿ. ई रसबाळॆहण्णु कॊडि।	यह मधुरकेला दो।
ವ್ಯಾಪಾರಿ व्यापारि	: ಎಷ್ಟು ಕೊಡಲಿ ಸಾರ್? ऎष्टु कॊडलि सार?	श्रीमान्, कितने दूँ?
ತಂದೆ तन्दॆ	: ಒಂದು ಕೆ.ಜಿ. ಕೊಡಿ. ऒन्दु कॆ.जि. कॊडि।	एक किलो दो।
ನವೀನ್ नवीन	: ಬಾಳೆಹಣ್ಣು, ಕಿತ್ತಳೆಹಣ್ಣು, ಮೋಸಂಬಿಹಣ್ಣು, बाळॆहण्णु, कित्तळॆहण्णु, मोसंबिहण्णु, ದಾಳಿಂಬೆಹಣ್ಣು, ನೇರಳೆಹಣ್ಣು, ಅನಾನಸ್, ದ್ರಾಕ್ಷಿ, दाळिंबॆहण्णु, नेरळॆहण्णु, अनानस्, द्राक्षि	केला, संतरा, मोसम्बी, अनार, जामुन, अनन्नास,अंगूर

	ಖರಬೂಜ, ಕಲ್ಲಂಗಡಿ, –ಅಪ್ಪ, ಈ ಬೋರ್ಡಿ खरबूज, कल्लंगडि, -अप्प ! ई बोर्डि- ನಲ್ಲಿ ಮಾವಿನ ಹಣ್ಣಿನ ಹೆಸರೇ ಇಲ್ಲವಲ್ಲಾ? नल्लि माविन हण्णिन हॅसरे इल्लवल्ला?	खरबूजा, तरबूज......अंगूर, पिताजी, इस बोर्ड में आम का नाम ही नहीं है?
ವ್ಯಾಪಾರಿ : व्यापारि :	ಈಗ ಮಾವಿನ ಹಣ್ಣಿನ ಕಾಲ ಅಲ್ಲ ಮಗು. ईग माविन हण्णिन काल अल्ल मगु। ಈಗ ಅದು ಸಿಗುವುದಿಲ್ಲ. ಸಪೋಟ ಹಣ್ಣು ईग अदु सिगुवुदिल्ल। सपोट हण्णु ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ. ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. चॅन्नागिदॅ। तॅगॅदुकॉळ्ळि।	बेटे, अब आम का मौसम नहीं। इस समय वह नहीं मिलता। सपोटा (चिक्कु) अच्छा है। लीजिए।
ನವೀನ್ : नवीन :	ಅಪ್ಪ, ಸಪೋಟಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣವಾ? अप्प, सपोटहण्णु तॅगॅदुकॉळ्ळोणवा?	पिताजी, क्या सपोटा ले लें?
ತಂದೆ : तन्दॅ :	ಸಪೋಟ ಹಣ್ಣಾಗಿಲ್ಲ. सपोट हण्णागिल्ल।	सपोटा पका नहीं है।
ವ್ಯಾಪಾರಿ : व्यापारि :	ಖರಬೂಜದ ಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ ಸಾರ್. खरबूजद हण्णु तॅगॅदुकॅळ्ळि सार।	श्रीमान्‌जी, खरबूजा लीजिए।
ನವೀನ್ : नवीन :	ಅಪ್ಪ, ಖರಬೂಜದ ಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ. अप्प, खरबूजद हण्णु तॅगॅदुकॉळ्ळोण।	पिताजी, खरबूजा ले लें।
ತಂದೆ : तन्दॅ :	ಸರಿ. ಖರಬೂಜದ ಹಣ್ಣು ಕೊಡಿ. सरि। खरबूजद हण्णु कॉडि।	ठीक है। खरबूजा दो।
ವ್ಯಾಪಾರಿ : व्यापारि :	ಇನ್ನೇನಾದರೂ ಕೊಡಲಾ ಸಾರ್? इन्नेनादरू कॉडला सार?	श्रीमान्‌जी, क्या और कुछ दूँ?
ತಂದೆ : तन्दॅ :	ಬೇಡಿ. ಹಣ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. बेडि। हण तॅगॅदुकॉळ्ळि।	नहीं। पैसा ले लो।
ನವೀನ್ : नवीन :	ಮನೆಗೆ ಹೋಗೋಣ ಬಾ. मनॅगॅ होगोण बा।	आओ, घर चलें।
ತಂದೆ : तन्दॅ :	ಸರಿ, ಹೋಗೋಣ ಬಾ. सरि, होगोण बा।	ठीक है, आओ चले।

शब्दार्थ

ಹಣ್ಣು हण्णु	फल
ಯಾವ याव	कौनसा
ಸರಿ सरि	ठीक
ಕೊಡಿ कॅडि	दीजिए
ದಪ್ಪವಾಗಿದೆ दप्पावागिदॅ	मोटा है
ಸಿಹಿ सिहि	मीठा
ಸ್ವಲ್ಪ स्वल्प	थोड़ा
ತಿನ್ನಬಹುದು तिन्नबहुदु	खा सकते
ಸಿಪ್ಪೆ सिप्पॅ	छिलका
ಎಸೆಯಲಿ ऍसॅयलि	फेंकूँ
ಕೊಡು कॉडु	दो
ಅವನೇ अवने	वही
ಅಲ್ಲಿ अल्लि	वहाँ
ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ तॅगॅदु कॉळ्ळोण	लेंगे
ಬಾಳೆಹಣ್ಣು बाळॅहण्णु	केला
ಕೊಡಲಿ कॅडलि	दूँ
ನಂಜನಗೂಡು नंजनगूडु	नंजनगूडु
ಪಚ್ಚಬಾಳೆ पच्चबाळॅ	हरी छाल का केला (हरा केला)
ತಗೊ तगॉ	लो
ರುಚಿನೋಡು रुचिनोडु	चखो
ತಿನ್ನು तिन्नु	खाओ
ಎಲ್ಲಿ ऍल्लि	कहाँ
ಇಲ್ಲಿ इल्लि	यहाँ
ಇಲ್ಲ इल्ल	नहीं
ಬಿಡಿ बिडि	छोड़ो
ಕಸದ ತೊಟ್ಟಿ कसद तॉट्टि	कूड़ादान

ಎಸೆ	ऍसॅ	फेंको
ಒಂದು	ऑन्दु	एक
ಕಿತ್ತಳೆಹಣ್ಣು	कित्तळॅहण्णु	सन्तरा
ದಾಳಿಂಬೆಹಣ್ಣು	दालिम्बॅहण्णु	अनार
ಅನಾನಸ್	अनानस	अनन्नास
ಕಲ್ಲಂಗಡಿ	कल्लंगडि	तरबूज
ಮಾವಿನಹಣ್ಣು	माविनहण्णु	आम
ಅಲ್ಲ	अल्ल (सम्बोधन)	नहीं
ಈಗ	ईग	अब
ಸಪೋಟಹಣ್ಣು	सपोटाहण्णु	चिक्कू
ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವಾ	तॅगॅदुकॉळ्ळुवा	ले लें
ಖರಬೂಜದ ಹಣ್ಣು	खरबूजद हण्णु	खरबूजा
ಕೊಡಲಾ	कॉडला (प्रश्नार्थक)	दूँ
ಹಣ	हण	पैसा
ಬಾ	बा	आ

ಎಷ್ಟು	ऍष्टु	कितने
ಕೆ.ಜಿ.	कॅ.जि.	किलो
ಮೋಸಂಬಿಹಣ್ಣು	मोसम्बीहण्णु	मोसम्बी
ನೇರಳೆಹಣ್ಣು	नेरळॅहण्णु	जामुन
ದ್ರಾಕ್ಷಿ	द्राक्षि	अंगूर
ಬೋರ್ಡಿನಲ್ಲಿ	बोर्डिनल्लि	बोर्डमें
ಕಾಲ	काल	समय
ಮಗು	मगु	बेटा
ಸಿಗುವುದಿಲ್ಲ	सिगुवदिल्ल	नहीं मिलता
ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ	तॅगॅदुकॉळ्ळि	ले लीजिए
ಹಣ್ಣಾಗಿಲ್ಲ	हण्णागिल्ल	पका नहीं
ಇನ್ನೇನಾದರೂ	इन्नेनादरू	और कुछ
ಬೇಡಿ	बेडि	नहीं
ಹೋಗೋಣ	होगोण	चलें
ಮನೆಗೆ	मनॅगॅ	घर (को)

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार उपयुक्त शब्द जोड़कर अलग अलग वाक्य बनाइए।

उदाहरण: ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ.

तॅगॅदु कॉळ्ळोण।

ಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ.

हण्णु तॅगॅदु कोळ्ळोण।

ರಸಬಾಳೆಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ.

रसबाळॅहण्णु तॅगॅदु कॉळ्ळोण।

1. ಕೊಡಿ
   कॉडि
2. ನೋಡು
   नोडु
3. ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ
   चॅन्नागिदॅ
4. ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ
   तॅगॅदु कॉळ्ळि
5. ತಿನ್ನು
   तिन्नु

II. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

उदाहरण: ಬಾಳೆಹಣ್ಣು

बाळॅहण्णु

ಒಂದು ಕೆ.ಜಿ. ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ಕೊಡಿ.

ऑन्दु कॅ.जि. बाळॅहण्णु कॉडि।

1. ಮಾವಿನಹಣ್ಣು
   माविनहण्णु
2. ಖರಬೂಜದಹಣ್ಣು
   खरबूजदहण्णु
3. ದಾಳಿಂಬೆಹಣ್ಣು
   दाळिम्बॅहण्णु
4. ದ್ರಾಕ್ಷಿಹಣ್ಣು
   द्राक्षिहण्णु
5. ಮೋಸಂಬಿ
   मोसम्बि

III. **कोष्ठक में दिये हुए हिन्दी शब्दों के लिए कन्नड भाषा के समानार्थी शब्दों से खाली स्थान भरिए।**

उदाहरण: ಈಗ ....ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ. (केला)
ईग .... तॅगॅदुकॉळ्ळोण।
ಈಗ ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ.
ईग बाळॆहण्णु तॅगॅदुकॉळ्ळोण।

1. ಈ -------- ಕೊಡಿ. (ख़रबूज)
   ई -------------- कॉडि।
2. ರಸಬಾಳೆಹಣ್ಣು ----. (दो)
   रसबाळॆहण्णु ------------।
3. ಕಲ್ಲಂಗಡಿ ಹಣ್ಣು ----. (मोटा है)
   कल्लंगडि हण्णु ----------।
4. ಹಣ್ಣು -------. (लीजिए)
   हण्णु -----------।
5. ಈಗ ಅದು ---. (नहीं मिलता)
   ईग अदु ---------।

IV. **कोष्ठक में दिए हुए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए। ।**

उदाहरण: ಯಾವ ಹಣ್ಣು ------- ? (ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ, ಕೊಡಿ, ಬೇಡಿ)
याव हण्णु -----------------? (तॅगॅदुकॉळ्ळोण, कॉडि, बेडि)
ಯಾವ ಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ**?**
याव हण्णु तॅगॅदुकॉळ्ळोण**?**

1. ಖರಬೂಜದ ಹಣ್ಣು ----- ಸಾರ್? (ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ, ಕೊಡಲಾ, ಎಸೆಯಲಿ)
   खरबूजद हण्णु ------------ सार् ? (तॅगॅदुकॉळ्ळि, कॉडला, ऍसॅयलि)
2. ಈಗ ಮಾವಿನ ಹಣ್ಣಿನ --------- ಅಲ್ಲ. (ಕೊಡಿ, ಕಾಲ, ಬೇಡಿ)
   ईग माविन हण्णिन -------------- अल्ल। (कॉडि, काल, बेडि)
3. ಬೋರ್ಡಿನಲ್ಲಿ ಮಾವಿನ ಹಣ್ಣಿನ ------ ಇಲ್ಲವಲ್ಲಾ? (ದಪ್ಪ, ಸಿಹಿ, ಹೆಸರು)
   बोर्डिनल्लि माविन हण्णिन ------------ इल्लवल्ला? (दप्प, सिहि, हॅसरु)
4. ಹಣ್ಣು ಸಾಕು, -------- ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. (ಕೊಡಿ, ಯಾವ, ಹಣ)
   हण्णु साकु, ------------- तॅगॅदुकॉळ्ळि। (कॉडि, याव, हण)
5. ಎಷ್ಟು --------- ಸಾರ್? (ತಿನ್ನಬಹುದು, ಕೊಡಲಿ, ಕೊಡಿ)
   ऍष्टु ------------ सार् ? (तिन्नबहुदु, कॉडलि, कॉडि)

V. उदाहरण के अनुसार निम्न क्रियाओं में ಬಹುದು (बहुदु) प्रत्यय जोड़िए और उस से बनानेवाले रूप लिखिए।

उदाहरण: ತಿನ್ನು + ಅ + ಬಹುದು. – ತಿನ್ನಬಹುದು

तिन्नु + अ + बहुदु. – तिन्नबहुदु

1. ಕೊಡು + ಅ + ಬಹುದು –
   कॉडु + आ + बहुदु
2. ಹೋಗು + ಅ + ಬಹುದು –
   होगु + अ + बहुदु -
3. ಕೇಳು + ಅ + ಬಹುದು–
   केळु + अ + बहुदु–
4. ನೋಡು +ಅ + ಬಹುದು –
   नोडु + अ + बहुदु –
5. ಆಡು + ಅ + ಬಹುದು –
   आडु + अ + बहुदु –

पढिए और समझिए

ವಸ್ತು ಪ್ರದರ್ಶನ
वस्तु प्रदर्शन

ಶಾಂತ : ಅಲ್ಲಿ ನೋಡು ವಸ್ತು ಪ್ರದರ್ಶನ.
शान्त : अल्लि नोडु वस्तु प्रदर्शन।
ರವಿ : ವಸ್ತು ಪ್ರದರ್ಶನ ನೋಡೋಣ.
रवि : वस्तु प्रदर्शन नोडोण।
ಶಾಂತ : ಬೇಡ. ಸಿನಿಮಾ ನೋಡಬಹುದು.
शान्त : बेड। सिनिमा नोडबहुदु।
ಲತ : ಯಾವ ಸಿನಿಮಾ ನೋಡೋಣ?
लत : याव सिनिमा नोडोण?
ರವಿ : `ಸಾಕ್ಷಾತ್ಕಾರ' ಸಿನಿಮಾ ನೋಡಬಹುದು.
रवि : `साक्षात्कार' सिनिमा नोडबहुदु।
ಮೂರ್ತಿ : ಯಾವ ಟಾಕೀಸಿನಲ್ಲಿ?
मूर्ति : याव टाकीसिनल्लि?
ರವಿ : `ಸಂಗಮ್ ' ಟಾಕೀಸಿನಲ್ಲಿ.
रवि : ` संगम् ' टाकीसिनल्लि।

ಲತ : ಟಿಕೆಟ್ ಕೊಳ್ಳಲು ಹಣ ಇದೆಯಾ?
लत : टिकॆट् कॊळ्ळलु हण इदॆया?
ಮೂರ್ತಿ : ನನ್ನ ಹತ್ತಿರ ಇಲ್ಲ. ಟಿಕೆಟ್ ಹಣ ರಮೇಶ ಕೊಡಲಿ.
मूर्ति : नन्न हत्तिर इल्ल। टिकॆट् हण रमेश कॆडलि।
ರಮೇಶ್ : ನಾನೇ ಟಿಕೆಟ್ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾ?
रमेश् : नाने टिकॆट् तॆगॆदुकॊळ्ळला?
ರವಿ : ಧಾರಾಳವಾಗಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬುದು.
रवि : धाराळवागि तॆगॆदुकॊळ्ळबुदु।
ರಮೇಶ್ : ಎಷ್ಟು ಟಿಕೆಟ್ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಿ?
रमेश् : ऍष्टु टितट् तॆगॆदुकॊळ्ळलि?
ರವಿ : 5 ಟಿಕೆಟ್ ತೆಗೆದುಕೋ.
रवि : 5 टिकॆट् तॆगॆदुको।
ಲತ : ಟಾಕೀಸ್ ಒಳಗೆ ಹೋಗೋಣವಾ?
लत : टाकीस् ऑळगॆ होगोणवा?
ಶಾಂತ : ಹೋಗೋಣ ಬನ್ನಿ.
शांत : होगोण बन्नि।
ಮೂರ್ತಿ : ಇಲ್ಲಿ ನೀರು ಕುಡಿಯಬಹುದಾ?
मूर्ति : इल्लि नीरु कुडियबहुदा?
ರವಿ : ಕುಡಿಯಬಹುದು, ಕುಡಿ.
रवि : कुडियबहुदु, कुडि।

नए शब्द

ನೋಡು देखो
नोडु

ನೋಡೋಣ देखेंगे
नोडोण

ಸಿನಿಮಾ सिनिमा
सिनिमा

ವಸ್ತುಪ್ರದರ್ಶನ वस्तुप्रदर्शन
वस्तुप्रदर्शन

ಬೇಡ नहीं
बेड

ನೋಡಬಹುದು देख सकता
नोडबहुदु

ಟಾಕೀಸಿನಲ್ಲಿ टाकीसिनल्लि	टाकीस में	ಸಂಗಮ್ संगम्	संगम (टाकीज का नाम)
ಒಳಗೆ ऑळगॅ	अन्दर	ಕುಡಿಯಬಹುದು कुडियबहुदु	पी सकता
ಕುಡಿ कुडि	पी	ಟಿಕೆಟ್ टिकॅट्	टिकेट
ಕೊಳ್ಳಲು कॉळ्ळलु	लेने के लिए	ಇದೆಯಾ इदॅया	है (प्रश्नसूचक)
ಹತ್ತಿರ हत्तिर	पास	ಕೊಡಲಿ कॉडलि	दें
ನಾನೇ नाने	मैं ही	ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾ तॅगेदुकॉळ्ळला	ले लूँ (प्रश्नसूचक)
ತೆಗೆದುಕೋ तॅगॅदुको	लो	ಬಾ बा	आओ
ಬನ್ನಿ बन्नि	आइए	ನೀರು नीरु	पानी
ಕುಡಿಯಬಹುದು कुडियबहुदु	पी सकता		

I. उत्तर दीजिए।

1. ವಸ್ತು ಪ್ರದರ್ಶನ ನೋಡೋಣ ಎಂದವರು ಯಾರು?
   वस्तु प्रदर्शन नोडोण ऍन्दवरु यारु ?
2. ಸಂಗಮ್ ಟಾಕೀಸಿನಲ್ಲಿ ಯಾವ ಸಿನಿಮಾ ಇದೆ?
   संगम् टाकीसिनल्लि याव सिनिमा इदॅ ?
3. ಐದು ಟಿಕೆಟ್ ತೆಗೆದುಕೋ ಎಂದವರು ಯಾರು?
   ऐदु टिकॅट् तॅगॅदुको ऍन्दवरु यारु ?
4. ರವಿ ಏನು ಕುಡಿಯಬಹುದು ಎಂದ?
   रवि एनु कुडियबहुदु ऍन्द?

5.ಸಿನಿಮಾ ನೋಡಬಹುದು ಎಂದವರು ಯಾರು?
सिनिमा नोडबहुदु ऍन्दवरु यारु ?

II. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग अलग अलग वाक्यों में कीजिए।

ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ	ತಿನ್ನಬಹುದು	ನೋಡಬಹುದು	ಇಲ್ಲಿ	ಹೋಗೋಣ
चॅन्नागिदॅ	तिन्नबहुदु	नोडबहुदु	इल्लि	होगोण

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

1. मधुरकेला ही खरीदें।
2. सपोटा ले लें।
3. इस समय वह नहीं मिलता
4. क्या मैं आम खा सकता हूँ ?
5. यह केला मोटा है।

IV. निम्नलिखित पदों का प्रयोग कर दस वाक्य बनाइए।

ಬೇಡ	ಕೊಡಲಿ	ಒಳಗೆ	ಕುಡಿ	ನೀರು	ಬನ್ನಿ	ಹತ್ತಿರ	ಕುಡಿ	ತೆಗೆದುಕೋ	ನಾನೇ
बेड	कॉडलि	ऑळगॅ	कुडि	नीरु	बन्नि	हत्तिर	कुडि	तॅगॅदुको	नाने

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में
ಕೊಡಲಿ (कॉडलि) - दे
ಕೊಡಲಾ (कॉडला) - क्या मैं दूँ
ಕೊಡೋಣ (कॉडोण) - हम दें
ಕೊಡೋಣವಾ? (कॉडोणवा) - क्या हम दें?
ಕೊಡಬಹುದು (कॉडवहुदु) - दे सकता
ಕೊಡಬಹುದಾ? (कॉडबहुदा) - क्या दे सकता?

जैसे क्रिया रूपवाले वाक्यों का परिचय और प्रयोग दिया गया है।

उदाहरण: 1. ಅವನೇ ಸಿಪ್ಪೆ ಎಸೆಯಲಿ. – वही छिलका फेंके।
अवने सिप्पॅ ऍसॅयलि।

2. ಇನ್ನೇನಾದರೂ ಕೊಡಲಾ? - क्या और कुछ दूँ ?
इन्नेनादरू कॉडला ?

3. ಅಪ್ಪಾ, ಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ. – पिताजी, फल खरीदें
अप्पा, हण्णु तॅगॅदुकॉळ्ळोण।

4. ಅಪ್ಪ ಸಪೋಟಾ ಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣವಾ? - पिताजी, क्या सपोटा फल खरीदें ?
अप्प सपोटा हण्णु तॅगॅदुकॉळ्ळोणवा ?

5. ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ತಿನ್ನಬಹುದು. – केला खा सकता (है)
बाळॅहण्णु तिन्नबहुदु।

6. ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ತಿನ್ನಬಹುದಾ? - क्या केला खा सकता (है) ?
बाळॅहण्णु तिन्नबहुदा ?

II. ಅಲಿ (अलि) प्रत्ययवाली क्रियाओं का प्रयोग वक्ता द्वारा दूसरों को कार्य करने की अनुमति देने के लिए किया जाता है -

उदाहरण: ಎಸೆ + ಅಲಿ - ಎಸೆಯಲಿ. - फेंक दे
ऍसॅ + अलि - ऍसॅयलि।
ಅವನೇ ಸಿಪ್ಪೆ ಎಸೆಯಲಿ. - वही छिलका फेंक दे।
अवने सिप्पॅ ऍसॅयलि।

इन क्रिया रूपों के अन्त में ಆ (आ) जोड़कर बननेवाले रूप ಕೊಡಲಾ (कॅडला) - **'क्या मैं दूँ'** का प्रयोग अनुमति, आज्ञा प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

उदाहरण: ಕೊಡಲಿ + ಆ - ಕೊಡಲಾ -क्या दूँ ?
कॉडलि + आ - कॉडला
ಇನ್ನೇನಾದರೂ ಕೊಡಲಾ ಸಾರ್? - (क्या मैं) और कुछ दूँ ?
इन्नेनादरू कॉडला सार्?

III. ಓಣ - (ओण) प्रत्ययवाले क्रिया रूपों - ಹೋಗೋಣ (होगोण) ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ (तॅगॅदुकॉळ्ळोण) का प्रयोग वक्ता और श्रोता दोनों के एकसाथ कार् करने की इच्छा के लिए किया जाता है।

उदाहरण: ಹೋಗು + ಓಣ - ಹೋಗೋಣ - जायें
होगु + ओण - होगोण
ಮನೆಗೆ ಹೋಗೋಣ. - घर जाएँ।
मनॅगॅ होगोण
ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳು + ಓಣ - ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ-खरीदें
तॅगॅदुकॉळ्ळु + ओण - तॅगॅदुकॉळ्ळोण
ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ. - केला खरीदें।
बाळॅहण्णु तॅगॅदुकॉळ्ळोण.

इन क्रिया रूपों के अन्त में ಆ (आ) जोड़कर बननेवाले रूप - ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣವಾ (तॅगॅदुकॉळ्ळोणवा) - 'खरीदें' का प्रयोग अनुमति प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

उदाहरण: ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ + ಆ - ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣವಾ - खरीदें
तॅगॅदुकॉळ्ळोण + आ - तॅगॅदुकॉळ्ळोणवा।
ಸಪೋಟಹಣ್ಣು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣವಾ? - (क्या) चिक्कु फल खरीदें ?
सपोटहण्णु तॅगॅदुकॉळ्ळोणवा?
ಓದೋಣ + ಆ - ಓದೋಣವಾ - पढ़ें
ओदोण + आ - ओदोणवा
ನಾವು ಕನ್ನಡ ಪುಸ್ತಕ ಓದೋಣವಾ? - क्या हम कन्नड पुस्तक पढ़ें ?
नावु कन्नड पुस्तक ओदोणवा ?

IV. क्रिया के साथ ಬಹುದು (बहुदु) - 'सकना' जोड़कर बननेवाले रूपों का प्रयोग अनुमति और सामर्थ्य के अर्थ के लिए किया जाता है।

उदाहरण: ತಿನ್ನು + ಬಹುದು - ತಿನ್ನಬಹುದು - खा सकता (है)।
तिन्नु + बहुदु - तिन्नबहुदु
ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ತಿನ್ನಬಹುದು. - केला खा सकता (है)।
बाळॅहण्णु तिन्नबहुदु।
ಕೊಡು + ಬಹುದು - ಕೊಡಬಹುದು - दे सकता (है)
कॅडु + बहुदु - कॉडबहुदु
ಹಣ್ಣು ಕೊಡಬಹುದು. - फल दे सकता (है)।
हण्णु कॉडबहुदु।
इसके साथ भी ಆ (आ) जोड़ने से प्रश्नवाचक वाक्य बनते हैं।

उदाहरण: ಕೊಡಬಹುದು + ಆ - ಕೊಡಬಹುದಾ? (क्या) दे सकता ?
कॉडबहुदु + आ - कॉडबहुदा?
ಹಣ್ಣು ಕೊಡಬಹುದಾ? (क्या) फल दे सकता?
हण्णु कॉडबहुदा?
ತಿನ್ನಬಹುದು + ಆ - ತಿನ್ನಬಹುದಾ - (क्या) खा सकता ?
तिन्नबहुदु + आ - तिन्नबहुदा
ಅಪ್ಪಾ, ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ತಿನ್ನಬಹುದಾ? पिताजी (क्या) केला खा सकता ?
अप्पा, बाळॅहण्णु तिन्नबहुदा?

V. इस पाठ में निषेधात्मक ಅಲ್ಲ (अल्ल), ಇಲ್ಲ (इल्ल) का परिचय और प्रयोग भी दिया गया है।

उदाहरण:: 1. ಈಗ ಮಾವಿನ ಹಣ್ಣಿನ ಕಾಲ ಅಲ್ಲ. — अब आमका मौसम नहीं (है)
ईग माविन हण्णिन काल अल्ल।

2. ಮಾವಿನಹಣ್ಣಿನ ಹೆಸರೇ ಇಲ್ಲ. — आम का नाम ही नहीं (है)
माविनहण्णिन हॅसरे इल्ल।

ಅಲ್ಲ (अल्ल) सामान्य निषेधात्मक शब्द रूप है। यहाँ इस का प्रयोग वाक्यों में संज्ञा + संज्ञा को जोड़ने के लिए किया गया है। इसका अर्थ 'नहीं है', 'नहीं हूँ', आदि है। ध्यान दें ಅಲ್ಲ (अल्ला) 'नहीं' के बाद हिंदी की तरह 'है', 'हूँ' आदि का प्रयोग नहीं होता।

ಪಾಠ पाठ 3

ನನಗೆ ಮಸಾಲೆ ದೋಸೆ ಬೇಕು
ननगॆ मसालॆ दोसॆ बेकु
मुझे मसाल दोसा चाहिए

ಪ್ರಸಾದ್: ಸ್ನೇಹಿತರೆ, ಈ ದಿನ ರಾಜೂನ ಹುಟ್ಟು
प्रसाद् : स्नेहितरॆ, ई दिन राजून हुट्टु
ಹಬ್ಬ. ನಿಮಗೆ ಏನು ಬೇಕು ತಿನ್ನ
हब्ब। निमगॆ एनु बेकु तिन्नबहुदु।
ಬಹುದು.

दोस्तो, आज राजू का जन्मोत्सव है। तुम लोगों को जो चाहिए, खा सकते है।

ರಾಜು : ಏ ಮಾಣಿ, ಬಾರಪ್ಪ ಇಲ್ಲಿ.
राजु : ए माणी, बारप्प इल्लि।

बैरा, यहाँ आओ।

ಮಾಣಿ : ಏನು ಕೊಡಲಿ ಸಾರ್?
माणि : एनु कॉडलि सार?

श्रीमान्‌जी, क्या दूँ?

ಪ್ರಸಾದ್: ಏನೇನು ತಿಂಡಿ ಇದೆಯಪ್ಪ?
प्रसाद् : एनेनु तिण्डि इदॅयप्प?

खाने में क्या क्या है भाई?

ಮಾಣಿ : ಮಸಾಲೆ ದೋಸೆ, ಸಾದಾ ದೋಸೆ,
माणि : मसालॅ दोसॅ, सादा दोसॅ,
ಸೆಟ್ ದೋಸೆ, ಈರುಳ್ಳಿ ದೋಸೆ, ರವೆ
सॅट दोसॅ, ईरुळ्ळि दोसॅ, रवॅ दोसॅ,
ದೋಸೆ, ಕ್ಯಾರೆಟ್ ದೋಸೆ, ಇಡ್ಲಿ,
क्यारॅट दोसॅ, इड्लि,
ಉಪ್ಪಿಟ್ಟು, ಖಾರಾಭಾತ್, ಕೇಸರಿಭಾತ್,
उप्पिट्टु, खाराभात्, केसरिभात्,
ಚೌಚೌ ಭಾತ್, ವಾಂಗೀಭಾತ್, ಬಿಸಿ
चौचौ भात्, वाँगीभात्,
ಬೇಳೆಭಾತ್, ಚಿತ್ರಾನ್ನ, ಹುಳಿಯನ್ನ, ವಡೆ,
बिसिबेळॆभात्, चित्रान्न, हुळियन्न, वडॅ,

मसाल दोसा, सादा दोसा, सेट् दोसा, प्याज दोसा, क्यारेट दोसा, इड्ली, उपमा, खारा भात, रवा भात, केसरी भात, वाँगी भात, बिसिबेळे भात, चित्रान्न, हुळियन्न,वडा, पकोडी, बोण्ड, दही वडा....

ಪಕೋಡ, ಬೋಂಡ, ಥೈರ್‌ವಡೆ........
पकोड, बोण्ड, थैर वडॅ....

ರಾಜು	: ಸಾಕು....ಸಾಕು.....ನಿಲ್ಲಪ್ಪ! ಹೀಗೆ ಒಂದೇ	बस...बस...रुको भाई! यों लगातार
राजु	: साकु...साकु.....निल्सप्प! हीगॅ ऑन्दे	सिर्फ कहने पर तो फिर्स एक का
	ಸಮನೆ ಹೇಳಿದ್ರೆ ಒಂದೂ ಜ್ಞಾಪಕದಲ್ಲಿ	स्मरण भी नहीं रह सकता।
	समनॅ हेळिद्रे ऑन्दू ज्ञापकदल्लि	
	ಉಳಿಯಲ್ಲ.	
	उळियल्ल।	
ರವಿ	: ನನಗೆ ಮಸಾಲೆದೋಸೆ ಬೇಕು.	मुझे मसाल दोसा चाहिए।
रवि	: ननगॅ मसालॅदोसॅ बेकु।	
ರಾಜು	: ಸುಧೀರ್, ನಿನಗೆ ಏನು ಬೇಕು?	सुधीर, तुमको क्या चाहिए?
राजु	: सुधीर, निनगॅ एनु बेकु?	
ಸುಧೀರ್	: ನನಗೆ ಚೌಚೌ ಭಾತ್ ಬೇಕು.	मुझे चौचौ भात चाहिए।
सुधीर्	: ननगॅ चौचौ भात् बेकु।	
ಪಾಂಡೆ	: ನನಗೆ .... ನನಗೆ	मुझे.........मुझे........
पांडॅ	: ननगॅ.....ननगॅ.........	
ರವಿ	: ನಿನಗೆ ಚೌಚೌ ಭಾತ್ ಬೇಕಾ?	क्या तुम को चौचौ भात चाहिए?
रवि	: निनगॅ चौचौ भात् बेका?	
ಪಾಂಡೆ	: ನನಗೆ ಚೌಚೌ ಭಾತ್ ಬೇಡ.	मुझे चौचौ भात नहीं चाहिए।
पांडॅ	: ननगॅ चौचौ भात् बेड।	
ರಾಜು	: ಇನ್ನೇನು ಬೇಕು?	और क्या चाहिए?
राजु	: इन्नेनु बेकु?	
ಪಾಂಡೆ	: ನನಗೆ ಈರುಳ್ಳಿ ದೋಸೆ ಬೇಕು.	मुझे प्याज दोसा चाहिए।
पांडॅ	: ननगॅ ईरुळ्ळि दोसॅ बेकु।	
ಮೋಹನ್	: ಏನಾದರೂ ಸಿಹಿ ತಿಂಡಿ ತೆಗೆದು	कोई मिठाई ले लें।
मोहन्	: एनादरू सिहि तिण्डी तॅगॅदु	
	ಕೊಳ್ಳೋಣ.	
	कॉळ्ळोण।	

ಪ್ರಸಾದ್	: ಮಾಣಿ, ಸಿಹಿ ತಿಂಡಿ ಇದೆಯಾ?	बैरा, कोई मिठाई है?
प्रसाद्	: माणी, सिहि तिण्डी इदॅया?	
ಮಾಣಿ	: ಮೈಸೂರ್‌ಪಾಕ್, ಗುಲಾಬ್‌ಜಾಮೂನ್,	श्रीमान्‌जी, मैसूर्पाक, गुलाब जामून,
माणि	: मैसूरपाक्, गुलाब जामून, जिलेबि,	सोहन पापडी, जिलेबी, पेडा, बर्फी
	ಜಿಲೇಬಿ, ಸೋಹನ ಪಪ್ಪಡೀ, ಪೇಡ, ಬರ್ಫಿ	हैं।
	सोहन पप्पडी, पेडा, बर्फि इदॅ सार।	
	ಇದೆ ಸಾರ್.	
ಸುಧೀರ್	: ನನಗೆ ಗುಲಾಬ್‌ಜಾಮೂನ್ ಇಷ್ಟ.	मुझे गुलाब जामून पसँद है?
सुधीर्	: ननगॅ गुलाब जामून इष्ट।	
ರವಿ	: ನನಗೆ ಮೈಸೂರುಪಾಕ್ ಬೇಕು.	मुझे मैसूर पाक चाहिए।
रवि	: ननगॅ मैसूरपाक् बेकु।	
ರಾಜು	: ಎಲ್ಲರೂ ಒಂದೇ ತರಹ ಸಿಹಿ ತಿಂಡಿ	सब लोग एक ही मिठाई लेलें। बैरा,
राजु	: एल्लरू औन्दे तरह सिहि तिण्डि	पन्द्रह बर्फियाँ लाओ।
	ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ. ಮಾಣಿ, ಹದಿನೈದು	
	तॅगॅदुकॉळ्ळोण। माणि, हदिनैदु	
	ಬರ್ಫಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಬಾ.	
	बर्फि तॅगॅदुकॉण्डु बा।	
ಮಾಣಿ	: ಆಗಲಿ ಸಾರ್.	अच्छा जी।
माणि	: आगलि सार।	
ರವಿ	: ಹದಿನೈದು ಸಾಲಲ್ಲ. ಹದಿನಾರು ಬೇಕು.	पन्द्रह कम पडेंगी; सोलह चाहिए।
रवि	: हदिनैदु सालल्ल। हदिनारु बेकु।	
ಮೋಹನ್	: ನನಗೆ ಬರ್ಫಿ ಇಷ್ಟ ಇಲ್ಲ.	मुझे बर्फी नहीं चाहिए।
मोहन्:	: ननगॅ बर्फि इष्ट इल्ल।	
ರಾಜು	: ಇವನೊಬ್ಬ ತರಲೆ. ಇನ್ನು ಏನು ಬೇಕು	यह एक अडंगेबाज है! और क्या
राजु	: इवनॉब्ब तरलॅ। इन्नु एनु बेकु	चाहिए बताओ?
	ಹೇಳು?	
	हेळु?	

ಮೋಹನ್: ನನಗೆ ಮೈಸೂರ್‌ಪಾಕ್ ಬೇಕು. मोहन्: : ननगॆ मैसूर्पाक् बेकु।	मुझे मैसूर पाक चाहिए।
ಪಾಂಡೆ : ಸರಿ. ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಮೈಸೂರ್‌ಪಾಕ್ पांडॆ : सरि। एल्लरिगू मैसूरपाक् ಕೊಡಪ್ಪ. कॉडप्प।	अच्छा; सब को मैसूर पाक दो भाई।
ರಾಜು : ಕೊನೆಗೂ ಪಾಂಡೇನೇ ಗೆದ್ದ. राजु : कॉनॆगू पाण्डेने गॆद्द।	आखिर पाण्डे ही जीत गए।
ಪಾಂಡೆ : ಬರ್ಫಿ ಗೊತ್ತ? पांडॆ : बर्फि गॆत्त?	तुम बर्फी जानते हो?
ರಾಜು : ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ. राजु : गॉत्तिल्ल।	नहीं जानता।
ಮೋಹನ್: ಬರ್ಫಿ ಗೊತ್ತಿಲ್ವೇನೋ? मोहन्: : बर्फि गॉत्तिल्वेनो?	क्या बर्फी नहीं जानते हो?
ರಾಜು : ಬೇರೆ ಬೇರೆ ತರಹದ ಬರ್ಫಿ ಇವೆ. राजु : बेरॆ, बेरॆ तरहद बर्फि इवॆ। ಇವನು ಯಾವ ಬರ್ಫಿ ಬಗ್ಗೆ ಹೇಳ್ತಿದಾನೋ इवनु याव बर्फि बग्गॆ हेळ्तिदानो ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ. गॉत्तिल्ल।	तरह तरह की बर्फियाँ हैं। न मालुम कौनसी बर्फी के बारे में यह कह रहा हैं।
ಪ್ರಸಾದ್ : ಸರಿ, ಮೈಸೂರ್‌ಪಾಕ್ ಬಂತು. ತೆಗೆದು प्रसाद् : सरि, मैसूर्पाक् बन्तु। तॆगॆदु कॉळ्ळि। ಕೊಳ್ಳಿ.	ठीक हैं; मैसूर पाक आया। लेलो।
ರಾಜು : ಮೈಸೂರ್‌ಪಾಕ್ ಒಂದಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು राजु : मैसूरपाक् ऑन्दक्के एष्टु ರೂಪಾಯಿ? रूपायि?	एक मैसूर पाक केलिए कितने रुपिए?

ಪಾಂಡೆ	: ಒಂದಕ್ಕೆ ಎರಡು ರೂಪಾಯಿ.	एक केलिए दो रुपये।
पांडॅ	: ऑन्दक्के ऍरडु रूपायि।	
ರವಿ	: ಇನ್ನೇನು ಬೇಕು ಹೇಳಿ?	और क्या जाहिए, बताइए?
रवि	: इन्नेनु बेकु हेळि?	
ರಾಜು	: ನನಗೆ ಮಸಾಲೆ ದೋಸೆ ಬೇಕು.	मुझे मसाल दोसा चाहिए।
राजु	: ननगॅ मसालॅ दोसॅ बेकु।	
ಮೋಹನ್	: ನನಗೆ ಈರುಳ್ಳಿ ದೋಸೆ ಬೇಕು.	मुझे प्याज दोसा चाहिए।
मोहन्:	: ननगॅ ईरुळ्ळि दोसॅ बेकु।	
ಪ್ರಸಾದ್	: ಮಸಾಲೆದೋಸೆ ಬೇಕು.	मसाल दोसा चाहिए।
प्रसाद्	: मसालॅदोसॅ बेकु।	
ರಾಜು	: ಇವನಿಗೆ ಒಂದು ಈರುಳ್ಳಿ ದೋಸೆ	इसको एक प्याज दोसाचाहिए। उन
राजु	: इवनिगॅ ऑन्दु ईरुळ्ळि दोसॅ	को दो मसाल दोसा चाहिए। तुमको
	ಬೇಕು. ಅವರಿಗೆ ಎರಡು ಮಸಾಲೆ	क्या चाहिए?
	बेकु। अवरिगॅ ऍरडु मसालॅ	
	ದೋಸೆ ಬೇಕು. ನಿಮಗೆ ಏನು ಬೇಕು?	
	दोसॅ बेकु। निम्मगॅ एनु बेकु?	
ಸುಧೀರ್	: ನಮಗೆ ಮೂರು ಸಾದಾ ದೋಸೆ ಬೇಕು.	हमें तीन सादा दोसा चाहिए।
सुधीर्	: नमगॅ मूरु सादा दोसॅ बेकु।	
ರವಿ	: ನಮಗೆಲ್ಲ ರವೆ ದೋಸೆ ಹೇಳು.	हम सभी को रवा दोसा (लाने के
रवि	: नमगॅल्ल रवॅ दोसॅ हेळु।	लिए) बोलो।
ರಾಜು	: ಹತ್ತು ರವೆ ದೋಸೆ ಕೊಡಪ್ಪ.	दस रवा दोसा दो भाई।
राजु	: हत्तु रवॅ दोसॅ कॉडप्प।	
ಮಾಣಿ	: ನಾಲ್ಕು ಈರುಳ್ಳಿ ದೋಸೆ, ಎರಡು	चार प्याज दोसा, दो मसाल दोसा,
माणि	: नाल्कु ईरुळ्ळि दोसॅ, ऍरडु	तीन सादा दोसा, दस रवादोसा हैं
	ಮಸಾಲೆದೋಸೆ, ಮೂರು ಸಾದಾ	न श्रीमान्जी?
	मसालॅदोसॅ, मूरु सादा दोसॅ,	
	ದೋಸೆ, ಹತ್ತು ರವೆ ದೋಸೆ ಅಲ್ವಾ	
	हत्तु रवॅ दोसॅ अल्वा सार?	
	ಸಾರ್?	

ರಾಜು	: ಹೌದು, ಒಟ್ಟು ಹದಿನಾರು.	हाँ, कुल सोलह।
राजु	: हौदु, ऑट्टु हदिनारु।	
ಪ್ರಸಾದ್	: ಮಸಾಲೆ ದೋಸೆ ಬಹಳ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ.	मसाल दोसा बहुत अच्छे हैं।
प्रसाद्	: मसालॅ दोसॅ बहळ चॅन्नागिदॅ।	
ಸುಧೀರ್	: ರಾಜು ನೂರು ವರ್ಷ ಬದುಕಬೇಕು.	राजु सौ वर्ष तक जिये। प्रति वर्ष
सुधीर्	: राजु नूरु वर्ष बदुकबेकु।	जन्म दिन की पार्टी दे। भगवान् इस
	ಪ್ರತಿ ವರ್ಷ ಹುಟ್ಟಿದ ಹಬ್ಬಕ್ಕೆ ಪಾರ್ಟಿ	का भला करे!
	प्रति वर्ष हुट्टिद हब्बक्कॅ पार्टि	
	ಕೊಡಿಸಲಿ. ದೇವರು ಇವನಿಗೆ ಒಳ್ಳೆಯದು	
	कॉडिसलि. देवरु इवनिगॅ ऑळ्ळॅयदु	
	ಮಾಡಲಿ.	
	माडलि।	
ರಾಜು	: ಸರಿ. ಈಗ ಕಾಫಿ, ಟೀ, ಬೋರ್ನವಿಟಾ,	ठीक। अब कॉफी, टी, बोर्नविटा,
राजु	: सरि। ईग काफ़ि, टी, बोर्नविटा,	माल्ट क्या चाहिए भाई?
	ಮಾಲ್ಟ್ ಏನು ಬೇಕಪ್ಪ?	
	माल्ट् एनु बेकप्प?	
ಮೋಹನ್	: ನನಗೆ ಹಾಲು ಬೇಕು.	मुझे दुध चाहिए।
मोहन्:	: ननगॅ हालु बेकु।	
ಪ್ರಸಾದ್	: ಹಾಲು! ಸರಿ ಮೋಹನ್ ಎಳೆ ಮಗು!	दूध! ठीक, मोहन छोटा बच्चा है!
प्रसाद्	: हालु !सरि मोहन ऍळॅ मगु!	दूध पिये।
	ಹಾಲು ಕುಡಿಯಲಿ.	
	हालु कुडियलि।	
ಮೋಹನ್	: ನನ್ನ ತಂದೆ–ತಾಯಿಗೆ ನಾನು ಮಗೂನೆ.	अपने माता-पिता केलिए मैं बच्चा ही
मोहन्:	: नन्न तन्दॅ-तायिगॅ नानु मगूनॅ.	हूँ।
ಎಲ್ಲರೂ	: ಅಃ................ಅಃ..................ಅಃ	हाँ..........हाँ........हाँ।
ऍल्लरू	: अः.............अः................अः	

शब्दार्थ

ರಾಜೂನ राजून	राजु का
ನಿಮಗೆ निमगॅ	तुमको
ಮಾಣಿ माणि	बैरा
ಏನೇನು एनेनु	क्याक्या
ಇದೆಯಪ್ಪ इदॅयप्प	है भाई
ಉಪ್ಪಿಟ್ಟು उप्पिट्टु	उप्मा
ನಿಲ್ಲಪ್ಪ निल्सप्प	रुकोभाई
ಒಂದೇಸಮನೆ ऑन्देसमनॅ	लगातार
ಒಂದೂ ऑन्दू	किसी एक को
ಉಳಿಯುವುದಿಲ್ಲ उळियुवुदिल्ल	नहीं रह सकता
ಬೇಕು बेकु	चाहिए
ಬೇಡ बेड	नहीं चाहिए
ಸಿಹಿತಿಂಡಿ सिहितिन्डि	मिठाई
ಇಷ್ಟ इष्ट	पसन्द
ಹುಟ್ಟುಹಬ್ಬ हुट्टुहब्ब	जन्म दिन
ಏ ए	हे
ಬಾರಪ್ಪ बारप्प	आओ भाई
ತಿಂಡಿ तिण्डि	खाऊ (खानेमें)
ಇಡ್ಲಿ इड्लि	इड्लि
ಸಾಕು साकु	बस
ಹೀಗೆ हीगॅ	यों
ಹೇಳಿದ್ರೆ हेळिद्रॅ	बताने पर
ಜ್ಞಾಪಕದಲ್ಲಿ ज्ञापकदल्लि	स्मरण में
ನನಗೆ ननगॅ	मुझे
ಬೇಕಾ बेका	(क्या) चाहिए
ಏನಾದರೂ एनादरू	कोई भी
ಇದೆಯಾ इदॅया	है क्या
ಎಲ್ಲರೂ एल्लरू	सभी

ಹದಿನೈದು हदिनैदु	पन्द्रह	ತಗೊಂಡು ಬಾ तगॉण्डु बा	लाओ
ಆಗಲಿ आगलि	अच्छा	ಸಾಲಲ್ಲ सालल्ल	कम
ಹದಿನಾರು हदिनारु	सोलह	ಇಷ್ಟ ಇಲ್ಲ इष्ट इल्ल	नहीं चाहिए
ಇವನೊಬ್ಬ इवनॉब्ब	यह एक	ತರಲೆ तरलॅ	अडंगेबाज
ಹೇಳು हेळु	बताओ	ಕೊನೆಗೂ कॉनॅगू	आखिर
ಗೆದ್ದ गॅद्द	जीता	ಗೊತ್ತು गॉत्तु	मालुम होना,
ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ गॉत्तिल्ल	मालुम नहीं, जानता नहीं	ಬೇರೆ ಬೇರೆ ತರಹದ बेरॅ बेरॅ तरहद	तरह तरह कॅ
ಹೇಳ್ತಿದಾನೋ हेळ्तिदानो	बताता, कहता	ಬಂತು बन्तु	आया
ಈರುಳ್ಳಿ ईरुळ्ळि	प्याज	ಎರಡು ऍरडु	दो
ಅವರಿಗೆ अवरिगॅ	उनको	ನಮಗೆ नमगॅ	हमको
ಮೂರು मूरु	तीन	ನಮಗೆಲ್ಲ नमगॅल्ल	हम सब को
ಹತ್ತು हत्तु	दस	ಅಲ್ವಾ अल्वा	है न
ಹೌದು हौदु	हाँ	ಒಟ್ಟು ऑट्टु	कुल
ನೂರು नूरु	सौं	ವರ್ಷ वर्ष	वर्ष
ಬದುಕಬೇಕು बदुकबेकु	जिये	ಪ್ರತಿ ವರ್ಷ प्रति वर्ष	प्रतिवर्ष

ಪಾರ್ಟಿ	पार्टी	ಕೊಡಿಸಲಿ	दिलवाए
पार्टि		कॉडिसलि	
ದೇವರು	देव	ಒಳ್ಳೆಯದು	भला
देवरु		ऑळ्ळॅयदु	
ಮಾಡಲಿ	कर	ಎಳೆಮಗು	छोटा बच्चा
माडलि		एळॅमगु	
ಹಾಲುಕುಡಿಯಲಿ	दूध पिऐ	ತಂದೆ–ತಾಯಿಗೆ	माँ-बाप को
हालु कुडियलि		तन्दॅ तायिगॅ	
ಮಗೂನೆ	बच्छा ही	ಎಲ್ಲರು	सब
मगूनॅ		ऍल्लरु	

अभ्यास

I. **उदाहरण के अनुसार उपयुक्त शब्द जोड़कर अलग अलग वाक्य बनाइए।**

उदाहरण: ಬೇಕು.

बेकु।

ದೋಸೆ ಬೇಕು.

दोसॅ बेकु।

ಮಸಾಲೆ ದೋಸೆ ಬೇಕು.

मसालॅ दोसॅ बेकु।

ನನಗೆ ಮಸಾಲೆ ದೋಸೆ ಬೇಕು.

ननगॅ मसालॅ दोसॅ बेकु।

1. ಬೇಡ. (बेड)
2. ಸಾಲಲ್ಲ. (सालल्ल)
3. ಇಷ್ಟ ಇಲ್ಲ. (इष्ट इल्ल)
4. ಇಷ್ಟ (इष्ट)
5. ಸಾಕು. (साकु)

II. **उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।**

उदाहरण: ನನಗೆ ಗುಲಾಬ್‌ಜಾಮೂನ್ ಇಷ್ಟ.
ननगॅ गुलाब्जामून् इष्ट।
ನನಗೆ ಗುಲಾಬ್‌ಜಾಮೂನ್ ಬೇಕು.
ननगॅ गुलाबजामून बेकु।

1. ನನಗೆ ರವೆ ದೋಸೆ ಇಷ್ಟ.
   ननगॅ रवॅ दोसॅ इष्ट।
2. ನನಗೆ ಖಾರಾ ಭಾತ್ ಇಷ್ಟ.
   ननगॅ खारा भात् इष्ट।
3. ನನಗೆ ಮಸಾಲೆ ದೋಸೆ ಇಷ್ಟ.
   ननगॅ मसालॅ दोसॅ इष्ट।
4. ನನಗೆ ಈರುಳ್ಳಿ ದೋಸೆ ಇಷ್ಟ.
   ननगॅ ईरुळ्ळि दोसॅ इष्ट।
5. ನನಗೆ ಮೈಸೂರ್ ಪಾಕ್ ಇಷ್ಟ.
   ननगॅ मैसूरपाक् इष्ट।

III. **उत्तर दीजिए।**

1. ಆ ದಿನ ಯಾರ ಹುಟ್ಟು ಹಬ್ಬ?
   आ दिन यार हुट्टु हब्ब?
2. ಮಾಣಿ ಹೇಳಿದ ತಿಂಡಿಗಳ ಹೆಸರು ಏನು?
   माणि हेळिद तिंडिगळ हॅसरु एनु?
3. ಸಿಹಿ ತಿಂಡಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ ಎಂದವರು ಯಾರು?
   सिहि तिंडि तॅगॅदुकॉळ्ळोण ऍन्दवरु यारु?
4. ಹದಿನೈದು ಸಾಲಲ್ಲ, ಹದಿನಾರು ಬೇಕು ಎಂದವರು ಯಾರು?
   हदिनैदु सालल्ल, हदिनारु बेकु ऍन्दवरु यारु?
5. ಬರ್ಫಿ ಗೊತ್ತಾ? ಎಂದು ಕೇಳಿದವರು ಯಾರು?
   बर्फि गॉत्ता? ऍन्दु केळिदवरु यारु?

IV. **निम्न लिखित शब्दों का प्रयोग अलग अलग वाक्यों में कीजिए।**

1. ಅವರಿಗೆ
   अवरिगॅ
2. ಇಷ್ಟ ಇಲ್ಲ
   इष्ट इल्ल
3. ಗೆದ್ದ
   गॅद्द
4. ಬೇಕು
   बेकु
5. ಬೇಡ
   बेड

V. कोष्टक में दिये हुए हिन्दी शब्दों केलिए कन्नड भाषा के समानार्थ शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण: ನನಗೆ ಮಸಾಲೆ ದೋಸೆ .... (चाहिए)

ननगॆ मसालॆ दोसॆ ಬೇಕು.

1. ನನಗೆ ಚೌಚೌ ಬಾತ್ ...... (नहीं चाहिए)
   ननगॆ चैचौ भात् ....।
2. ಗುಲಾಬ್‌ಜಾಮೂನ್ .... (लेले)
   गुलाबजामून ....।
3. ಬರ್ಫಿ..............? (जानते हो)
   बर्फि ....?
4. ನನಗೆ .... ಬೇಕು. (दूध)
   ननगॆ .... बेकु।
5. ಮಸಾಲೆ ದೋಸೆ .... ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ. (बहुत)
   मसालॆ दोसॆ .... चॆन्नागिदॆ।

पढिए और समाझिए।

ಪೆನ್ನು ಬೇಕು
पॆन्नु बेकु

ರಾಮು : ಏನು ಬೇಕು ಸಾರ್?

रामु : एनु बेकु सार?

ರಾಜು : ನನಗೆ ಒಂದು ಪೆನ್ನು ಬೇಕು.

राजु : ननगॆ ऑन्दु पॆन्नु बेकु।

ರಾಮು : ಯಾವ ಪೆನ್ನು? ಇಂಕ್ ಪೆನ್ನು ಬೇಕಾ? ಡಾಟ್ ಪೆನ್ನು ಬೇಕಾ?

रामु : याव पॆन्नु? इंक पॆन्नु बेका? डाट् पॆन्नु बेका?

ರಾಜು : ಡಾಟ್ ಪೆನ್ನು ಬೇಕು.

राजु : डाट् पॆन्नु बेकु।

ರಾಮು : ಒಳ್ಳೆ ಪೆನ್ನು ಬೇಕಾ ಅಥವಾ ಆರ್ಡಿನರಿ ಪೆನ್ನು ಬೇಕಾ?

रामु : ऑळ्ळॆ पॆन्नु बेका अथवा आर्डिनरी पॆन्नु बेका?

ರಾಜು : ಒಳ್ಳೆ ಪೆನ್ನು ಬೇಕು.

राजु : ऑळ्ळॆ पॆन्नु बेकु।

ರಾಮು : ಜಾಟರ್ ರೀಫಿಲ್ ಪೆನ್ನು ಬೇಕಾ? ಅಥವಾ ಆರ್ಡಿನರಿ ರೀಫಿಲ್ ಪೆನ್ನು ಬೇಕಾ?

रामु : जाटर् रीफिल पॅन्नु बेका? अथवा आर्डिनरि रीफिल् पॅन्नु बेका?

ರಾಜು : ಆರ್ಡಿನರಿ ರೀಫಿಲ್ ಪೆನ್ನು ಬೇಕು. ಚೆನ್ನಾಗಿ ಇರಬೇಕು.

राजु : आर्डिनरि रीफिल् पॅन्नु बेकु। चॅन्नागि इरबेकु।

ರಾಮು : ಇದು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ ಸಾರ್. ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ. ಎರಡು ರೂಪಾಯಿ ಮಾತ್ರ.

रामु : इदु तॅगॅदुकॉळ्ळि सार। चॅन्नागिदॅ। ऍरडु रूपायि मात्र।

ರಾಜು : ಒಂದು ಪೆನ್ಸಿಲ್ ಬೇಕು.

राजु : ऑन्दु पॅन्सिल् बेकु।

ರಾಮು : ಈ ಪೆನ್ಸಿಲ್ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ. ಒಂದಕ್ಕೆ ಒಂದು ರೂಪಾಯಿ.

रामु : ई पॅन्सिल् चॅन्नागिदॅ. ऑन्दक्कॅ ऑन्दु रूपायि।

ರಾಜು : ಪರವಾಗಿಲ್ಲ ಕೊಡಿ. ಎಷ್ಟು ರೂಪಾಯಿ?

राजु : परवागिल्ल कॉडि। ऍष्टु रूपायि?

ರಾಮು : ಮೂರು ರೂಪಾಯಿ ಕೊಡಿ ಸಾರ್.

रामु : मूरु रूपायि कॉडि सार।

ರಾಜು : ಮೂರು ರೂಪಾಯಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ.

राजु : मूरु रूपायि तॅगॅदुकॉळ्ळि।

नए शब्द

ಪೆನ್ನು पेन्नु
पॅन्नु

ಡಾಟ್‌ಪೆನ್ನು डाट पेन्नु
डाट् पॅन्नु

ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ अच्छा
चॅन्नागिदॅ

ಪರವಾಗಿಲ್ಲ कोई बात नहीं
परवागिल्ल

ಇಂಕ್ ಪೆನ್ನು रयाही कलम
इंक् पॅन्नु

ಒಳ್ಳೆ ಪೆನ್ನು अच्छी कलम
ऑळ्ळॅ पॅन्नु

ಪೆನ್ಸಿಲ್ पॅन्सिल
पॅन्सिल्

I उत्तर दीजिए।

1. ರಾಜು ಏನು ಕೇಳಿದ?
   राजु एनु केळिद?
2. ಒಳ್ಳೆ ಪೆನ್ನು ಬೇಕಾ ಎಂದವರು ಯಾರು?
   ऑळ्ळॅ पॅन्नु बेका ऍन्दवरु यारु?
3. ಪೆನ್ಸಿಲ್ ಯಾರು ಕೇಳಿದರು?
   पॅन्सिल् यारु केळिदरु?
4. ಒಂದು ಪೆನ್ನು ಎಷ್ಟು ರೂಪಾಯಿ?
   ऑन्दु पॅन्नु ऍष्टु रूपायि?
5. ಪರವಾಗಿಲ್ಲ ಕೊಡಿ ಎಂದವರು ಯಾರು?
   परवागिल्ल कॉडि ऍन्दवरु यारु?

II. वार्तालाप के आधार पर निम्न लिखित कथनों में से सहि कथन चिन्हित (✓) कीजिए।

1. ನನಗೆ ಎರಡು ಪೆನ್ನು ಬೇಕು.
   ननगॅ ऍरडु पॅन्नु बेकु।
2. ಒಳ್ಳೆ ಪೆನ್ನು ಬೇಕು.
   ऑळ्ळॅ पॅन्नु बेकु।
3. ಆರ್ಡಿನರಿ ರೀಫಿಲ್ ಪೆನ್ನು ಬೇಡ.
   आर्डिनरि रीफिल् पॅन्नु बेड।
4. ಇದು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ ಸಾರ್, ಚೆನ್ನಾಗಿಲ್ಲ.
   इदु तॅगॅदुकॉळ्ळि सार, चॅन्नागिल्ल।
5. ಈ ಪೆನ್ಸಿಲ್ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ. ಒಂದಕ್ಕೆ ಒಂದು ರೂಪಾಯಿ.
   ई पॅन्सिल् चॅन्नागिदॅ। ऑन्दक्कॅ ऑन्दु रूपायि।

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

1. आखिर राजा ही जीत गए।
2. नहीं जानता।
3. मुझे मसाल दोसा चाहिए।
4. एक के लिए दो रुपये।
5. क्या बर्फी नहीं जानते हो?

IV. इन शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

ನನಗೆ, ಬೇಕಾ? ಬೇಕು, ಏನು, ಇದು

ननगॅ, बेका? बेकु, एनु, इदु

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में कुछ क्रियाओं और सम्प्रदान कारक के रूपों का परिचय दिया गया है। कन्नड में निम्न क्रियाओं में पुरुष, वचन और लिंग केलिए प्रत्यय नहीं जोडे जाते।

उदाहरण: ಬೇಕು (बेकु) - `चाहिए', ಸಾಕು (साकु) - `यथेष्ट', ಇಷ್ಟ, (इष्ट) - `पसन्द',
ಗೊತ್ತು (गॉत्तु) - `मालुम हो'
इन के निषेधात्मक रूप निम्न हैं :-
ಬೇಡ (बेड) - `नहीं चाहिए' ಸಾಲಲ್ಲ (सालल्ल) - यथेष्ट नहीं,
ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ – (गॉत्तिल्ल) - `नहीं जानता'

II. इन क्रियाओं के कर्ता का रूप सम्प्रदान का होता है।

उदाहरण: 1. ನನಗೆ ಮಸಾಲೆ ದೋಸೆ ಬೇಕು. – मुझे मसाल दोसा चाहिए।
ननगॆ मसालॆ दोसॆ बेकु।

2. ನಮಗೆ ಎರಡು ಜಾಮೂನ್ ಸಾಕು. – हम को दो जामून यथेष्ट है।
नमगॆ ऍरडु जामून् साकु।

3. ನನಗೆ ಚಪಾತಿ ಇಷ್ಟ. – मुझे चपाती पसन्द है।
ननगॆ चपाति इष्ट।

4. ನನಗೆ ಮನೆ ಗೊತ್ತು. –मुझे घर मालुम है।
ननगॆ मनॆ गॉत्तु।

5. ನನಗೆ ಮಸಾಲೆ ದೋಸೆ ಬೇಡ. – मुझे मसाल दोसा नहीं चाहीए।
ननगॆ मसालॆ दोसॆ बेड।

6. ನಮಗೆ ಎರಡು ಜಾಮೂನ್ ಸಾಲಲ್ಲ. – हमको दो जामून यथेष्ट नहीं है।
नमगॆ ऍरडु जामून सालल्ल।

7. ನನಗೆ ಚಪಾತಿ ಇಷ್ಟ ಇಲ್ಲ. –मुझे चपाती पसन्द नहीं है।
ननगॆ चपाति इष्ट इल्ल।

8. ನನಗೆ ಮನೆ ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ. – मुझे घर मालुम नहीं है।
ननगॆ मनॆ गॉत्तिल्ल।

III. ಸಾಕು (साकु) को छोडकर अन्य क्रियाओं के पहले ಏನು (एनु) जोडकर निम्न प्रकार प्रश्नवाचक वाक्य बनाते हैं।

उदाहरण: 1. ಏನು ಬೇಕು?- क्या चाहिए?
एनु बेकु?

4. ಏನು ಬೇಡ?- क्या चाहिए नहीं ?
एनु बेड?

2. ಏನು ಇಷ್ಟ?- क्या पसन्द है?
एनु इष्ट?

5. ಏನು ಇಷ್ಟ ಇಲ್ಲ?- क्या पसन्द नहीं है?
एनु इष्ट इल्ल?

3. ಏನು ಗೊತ್ತು?- क्या मालूम है?
एनु गॉत्तु?

6. ಏನು ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ?-क्या मालुम नहीं है?
एनु गॉत्तिल्ल?

IV. इन सभी क्रियाओं के बाद ಆ (आ) जोडने से `हाँ' या `नहीं' उत्तर वाले प्रश्न-वाचक वाक्य बनाये जाते हैं।

उदाहरण: 1. ಬೇಕು + ಆ – ಬೇಕಾ?– क्या चाहिए?
बेकु + आ - बेका
ನಿನಗೆ ಹಣ್ಣು ಬೇಕಾ?- क्या तुमको फल चाहिए?
निनगॅ हण्णु बेका?

2. ಸಾಕು + ಆ – ಸಾಕಾ? –क्या यथेष्ट है?
साकु + आ - साका?
ನಿಮಗೆ ಒಂದು ಕೆ.ಜಿ. ಸಾಕಾ?-क्या तुमको एक किलो यथेष्ट है?
निमगॅ ऑन्दु कॅ.जि.साका?

3. ಇಷ್ಟ + ಆ - ಇಷ್ಟಾನಾ (ಇಷ್ಟವಾ)?- क्या पसन्द है?
इष्ट + आ - इष्टाना (इष्टवा)?
ನಿಮಗೆ ಬಾಳೆ ಹಣ್ಣು ಇಷ್ಟಾನಾ? - क्या तुमको केला पसन्द है?
निमगॅ बाळॅ हण्णु इष्टाना?

4. ಗೊತ್ತು + ಆ - ಗೊತ್ತಾ?–क्या तुमको मालुम है?
गॉत्तु + आ - गॉत्ता?
ನಿಮಗೆ ಶ್ರೀರಾಮ ಗೊತ್ತಾ? -क्या तुम को श्रीराम मालुम है?
निमगॅ श्रीराम गॉत्ता?

5. ಬೇಡ + ಆ - ಬೇಡವಾ? –क्या नहीं चाहिए?

बेड + आ - बेडवा?

ನಿನಗೆ ಕಾಫಿ ಬೇಡವಾ?–क्या तुम को कॉफी नहीं चाहिए?

निनगॅ काफि बेडवा?

6. ಸಾಲಲ್ಲ + ಆ - ಸಾಲಲ್ಲವಾ? –नहीं यथेष्ट?

सालल्ल + आ - सालल्लवा?

ನಿನಗೆ ಊಟ ಸಾಲಲ್ಲವಾ?–क्या तुमको भोजन यथेष्ट नहीं?

निनगॅ ऊट सालल्लवा?

7. ಇಷ್ಟ ಇಲ್ಲ + ಆ- ಇಷ್ಟ ಇಲ್ಲವಾ?–क्या पसन्द नहीं?

इष्ट इल्ल + आ - इष्ट इल्लवा?

ನಿಮಗೆ ರವೆ ದೋಸೆ ಇಷ್ಟ ಇಲ್ಲವಾ? -क्या तुम को रवा दोसा पसन्द नही?

निमगॅ रवॅ दोसॅ इष्ट इल्लवा?

8. ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ + ಆ - ಗೊತ್ತಿಲ್ಲವಾ? –क्या मालुम नहीं?

गॉत्तिल्ल + आ - गॉत्तिल्लवा?

ನಿಮಗೆ ಹೇಮಮಾಲಿನಿ ಗೊತ್ತಿಲ್ಲವಾ? -क्या तुम को हेमा मालिनी मालूम नहीं?

निमगॅ हेममालिनि गॉत्तिल्लवा?

(क्या तुम हेममालिनी को नहीं जानते?)

ध्यान देने की बात है कन्नड के`ಬೇಕಾ' (बेका) वाले प्रश्नवाचक वाक्यों में हिन्दी का `क्या' जैसे कोई प्रश्नवाचक शब्द नहीं लगता। प्रश्नार्थक वाक्य बनाने केलिए प्रत्यय ಆ (आ) क्रिया से जोड़ते हैं।

V. -(ಅ) ಗೆ ((अ) गॅ),- ಇಗೆ (इगॅ),- (ಅ) ಕ್ಕೆ,[(अ) क्कॅ], ಅಕ್ಕೆ (अक्कॅ) सम्प्रदान कारक की विभक्ति प्रत्यय हैं।

ಗೆ (गॅ), ಇಗೆ (इगॅ) विभक्ति प्रत्यय संज्ञा; मनुष्य वाचक संज्ञा और तृतीय पुरुष मनुष्य वाचक सर्वनाम के साथ जोड़ी जाती हैं।

उदाहरण: 1. ನಾನು + ಗೆ - ನನಗೆ – मुझ को

नानु + गॅ - ननगॅ

ನನಗೆ ದೋಸೆ ಬೇಕು. – मुझको, दोसा चाहिए।

ननगॅ दोसॅ बेकु।

2. ಮಗು + ಇಗೆ - ಮಗುವಿಗೆ – बच्छे केलिए

मगु + इगॆ - मगुविगॆ

ಮಗುವಿಗೆ ಹಾಲು ಬೇಕು. – बच्चे को दूध चाहिए।

मगुविगॆ हालु बेकु।

–ಅಕ್ಕೆ (–अक्कॆ) मनुष्येतर संज्ञा, संख्या वाचक शब्द और मनुष्येतर सर्वनाम के साथ जोड़ा जाता है।

उदाहरण: 1. ಮರ + ಅಕ್ಕೆ – ಮರಕ್ಕೆ – पेड़ को

मर + अक्कॆ - मरक्कॆ।

ಮರಕ್ಕೆ ನೀರು ಬೇಕು. – पेड़ को/केलिए पानी चाहिए।

मरक्कॆ नीरु बेकु।

2. ಜನ + ಅಕ್ಕೆ – ಜನಕ್ಕೆ – लोगों को/कोलिए

जन + अक्कॆ - जनक्कॆ

ಜನಕ್ಕೆ ಊಟ ಬೇಕು. –लोगों को/केलिए खाना चाहिए

जनक्कॆ ऊट बेकु।

3. ಅದು + ಅಕ್ಕೆ – ಅದಕ್ಕೆ – उस को

अदु + अक्कॆ - अदक्कॆ।

ಅದಕ್ಕೆ ಏನು ಬೇಕು? - उस केलिए क्या चाहिए? (नपुंसकलिंग)

अदक्कॆ एनु बेकु?

VI. नीचे सर्वनाम और उन के सम्प्रदान के रूप दिये गये हैं।

ವಚನ वचन	ಪುರುಷ पुरुष	ಸರ್ವನಾಮ–सर्वनाम.	संप्रदान के रूप
ಏ.ವ. ए.व.	ಪ್ರಥಮ प्रथम	ನಾನು– मैं नानु	ನನಗೆ– मुझे ननगॆ
ಬ.ವ. ब.व.	ಪ್ರಥಮ प्रथम	ನಾವು–हम नावु	ನಮಗೆ–हम को नमगॆ
ಏ.ವ. ए.व.	ದ್ವಿತೀಯ द्वितीय	ನೀನು– तू नीनु	ನಿನಗೆ– तुझे निनगॆ
ಬ.ವ. ब.व.	ದ್ವಿತೀಯ द्वितीय	ನೀವು– तुम नीवु	ನಿಮಗೆ– तुम को निमगॆ
ಬ.ವ ब.व	ಆದರಸೂಚಕ अदरसूचक	ತಾವು– आप तावु	ತಮಗೆ– आपकों तमगॆ
ಏ.ವ. ए.व.	ತೃತೀಯ ಪು. तृतीय पु.	ಅವನು– वह अवनु (पु)	ಅವನಿಗೆ– उसको अवनिगॆ
ಏ.ವ. ए.व.	ತೃತೀಯ ಪು. तृतीय पु.	ಇವನು– यह इवनु	ಇವನಿಗೆ– इसको इवनिगॆ
ಏ.ವ. ए.व.	ತೃತೀಯ ಸ್ತ್ರೀ तृतीय स्त्री	ಅವಳು–वह अवळु	ಅವಳಿಗೆ- उसको अवळिगॆ
ಏ.ವ. ए.व.	ತೃತೀಯ ಸ್ತ್ರೀ तृतीय स्त्री	ಇವಳು–यह इवळु	ಇವಳಿಗೆ– इसको इवळिगॆ
ಏ.ವ. ए.व.	ತೃತೀಯ ನ.ಲಿಂ. तृतीय न.लिं.	ಅದು–वह अदु	ಅದಕ್ಕೆ–उसको अदक्कॆ
ಏ.ವ. ए.व.	ತೃತೀಯ ನ.ಲಿಂ. तृतीय न.लिं.	ಇದು–यह इदु	ಇದಕ್ಕೆ– इसको इदक्कॆ
ಬ.ವ. ब.व.	ತೃತೀಯ तृतीय	ಅವರು– वें अवरु	ಅವರಿಗೆ– उनकों अवरिगॆ
ಬ.ವ. ब.व.	ತೃತೀಯ तृतीय	ಇವರು– यें इवरु	ಇವರಿಗೆ– इनकों इवरिगॆ
ಬ.ವ. ब.व.	ತೃತೀಯ ನ.ಲಿಂ. तृतीय न.लिं.	ಅವು–वें अवु	ಅವುಗಳಿಗೆ– उनकों अवुगळिगॆ ಅವಕ್ಕೆ- उनकों अवक्कॆ
ಬ.ವ. ब.व.	ತೃತೀಯ ನ.ಲಿಂ. तृतीय न.लिं.	ಇವು–यें इवु	ಇವುಗಳಿಗೆ– इनकों इवुगळिगॆ ಇವಕ್ಕೆ- इनकों इवक्कॆ

ಪಾಠ 4
पाठ 4

ನಾನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಇದೀನಿ
नानु चॅन्नागि इदीनि
मैं सकुशल (ठीक) हूँ

ಶರ್ಮಾ : ರಂಗನಾಥ ಇದಾರಾ? शर्मा : रंगनाथ इदारा?	क्या रंगनाथ है?
ಸುಮಾ : ಇದಾರೆ. ಬನ್ನಿ ಅಂಕಲ್. सुमा : इदारॅ। बन्नि अंकल।	हैं।आइए अंकल।
ರಂಗನಾಥ : ಓಹೋ ಶರ್ಮಾಜೀ! ಬನ್ನಿ, ಬನ್ನಿ. रंगनाथ : ओहो शर्माजी! बन्नि, बन्नि। ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳಿ. ಚೆನ್ನಾಗಿದೀರಾ? कुळितुकॉळ्ळि। चॅन्नागिदीरा?	ओहो शर्माजी! आइए, आइए। बैठिए। क्या सकुशल हैं?
ಶರ್ಮಾ : ನಾನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಇದೀನಿ. ನೀವು शर्मा : नानु चॅन्नागि इदीनि। नीवु ಚೆನ್ನಾಗಿ ಇದೀರಾ? चॅन्नागि इदीरा?	मैं सकुशल हूँ। क्या आप सकु हैं?
ರಂಗನಾಥ: ನಿಮ್ಮ ಆಶೀರ್ವಾದ. ಚೆನ್ನಾಗಿ ಇದೀನಿ. रंगनाथ : निम्म आशीर्वाद। चॅन्नागि इदीनि। ಇನ್ನೇನು ಸಮಾಚಾರ? इन्नेनु समाचार?	आप के आशीर्वाद से सकुशल हूँ। और क्या समाचार है?
ಶರ್ಮಾ : ಈಗ ಮೈಸೂರಿನಲ್ಲೇ ಇದೀವಿ. शर्मा : ईग मैसूरिनल्ले इदीवि।	आब (हम लोग) मैसूर में ही हैं।
ರಂಗನಾಥ: ಹೌದಾ? ಎಲ್ಲಿ ಇದೀರಿ? रंगनाथ : हौदा? ऍल्लि इदीरि?	अच्छा? कहाँ हैं?
ಶರ್ಮಾ : ಒಬ್ಬ ಸ್ನೇಹಿತನ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇದೀವಿ. शर्मा : ऑब्ब स्नेहितन मनॅयल्लि इदीवि।	एक मित्र के घर में हैं।

ಬಾಡಿಗೆಗೆ ಒಂದು ಮನೆ ಬೇಕು. बाडिगॅगॅ ऑन्दु मनॅ बेकु।	किराए केलिए एक मकान चाहिए।
ರಂಗನಾಥ: ನನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತನ ಮನೆ ಖಾಲಿ ಇದೆ. रंगनाथ : नन्न स्नेहितन मनॅ खालि इदॅ।	मेरे मित्र का घर खाली है।
ಸುಮಾ : ದಿವಾಕರ ಅಂಕಲ್ ಮನೆಯ ಹತ್ತಿರ सुमा : दिवाकर अंकल मनॅय हत्तिर ಎರಡು ಮನೆಗಳು ಖಾಲಿ ಇವೆ. ऍरडु मनॅगळु खालि इवॅ।	दिवाकर अंकल के धर के पास दो धर खाली हैं।
ರಂಗನಾಥ: ಕೇಳೋಣ. ಈಗ ತಿಂಡಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. रंगनाथ : केळोण। ईग तिण्डि तॅगॅदुकॉळ्ळि।	पूछ लें। अब नाश्ता लीजिए।
ಶರ್ಮಾ : ತಿಂಡಿ ಬೇಡ, ಕಾಫಿ ಕೊಡಿ. शर्मा : तिण्डि बेड, काफ़ि कॉडि।	नाश्ता नहीं चाहिए। कॉफी दीजीए।
ರಂಗನಾಥ: ಪರವಾಗಿಲ್ಲ. ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. रंगनाथ : परवागिल्ल। तॅगॅदुकॉळ्ळि।	कोई बात नहीं। लीजिए।
ಸುಮಾ : ಇಡ್ಲಿ ಸಾಂಬಾರ್ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ. ರುಚಿ सुमा : इड्लि साम्बार चॅन्नागिदॅ। रुचि ನೋಡಿ ಅಂಕಲ್. नोडि अंकल्।	इड्ली साम्बार अच्छा है। (थोडा) चखिए अंकल।
ಶರ್ಮಾ : ಆಗಲಿ, ಕೊಡಮ್ಮ. शर्मा : आगलि, कॉडम्म।	अच्छा दो।
ರಂಗನಾಥ: ನಿನ್ನ ಮಗ ಎಲ್ಲಿದಾನೆ? रंगनाथ : निन्न मग ऍल्लिदानॅ?	आपका बेटा कहाँ है?
ಶರ್ಮಾ : ನನ್ನ ಮಗ ಲಕ್ನೋನಲ್ಲಿ ಇದಾನೆ. शर्मा : नन्न मग लक्नोनल्लि इदानॅ। ನನ್ನ ಮಗಳು ದೆಹಲಿಯಲ್ಲಿ ಇದಾಳೆ. नन्न मगळु दॅहलियल्लि इदाळॅ। ಇಡ್ಲಿ – ಸಾಂಬಾರ್ ಬಹಳ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ. इड्लि-साम्बार् बहळ चॅन्नागिदॅ।	मेरा बेटा लखनऊ में है। मेरी बेटी देहली में है। इड्ली-साम्बार बहुत अच्छा है।

	ಸುಮಾ, ನೀನು ಯಾವ ಕೆಲಸದಲ್ಲಿ सुमा, नीनु याव कॅलसदल्लि ಇದೀಯೆ? इदीयॅ?	सुमा, तुम क्या काम करती हो?
ಸುಮಾ : सुमा :	ನಾನು ಟೀಚರ್ ಕೆಲಸದಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ. नानु टीचर कॅलसदल्लि इदीनि।	मैं अध्यापक का काम करती हूँ।
ಶರ್ಮಾ : शर्मा :	ಒಳ್ಳೆಯದು. ऑळ्ळॅयदु।	अच्छा है।
ಸುಮಾ : सुमा :	ಕಾಫಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. काफि तॅगॅदुकॉळ्ळि।	काफी लिजिए।
ಶರ್ಮಾ : शर्मा :	ಮನೆ ನೋಡಲು ಯಾವಾಗ ಹೋಗೋಣ? मनॅ नोडलु यावाग होगोण?	घर देखने केलिए कब चलें?
ರಂಗನಾಥ: रंगनाथ :	ಬೆಳಗಿನ ಹೊತ್ತು ದಿವಾಕರ ಮನೆಯಲ್ಲಿ बॅळगिन हॉत्तु दिवाकर मनॅयल्लि ಇರಲ್ಲ. ಸಾಯಂಕಾಲ ಹೋಗೋಣ. इरल्ल। सायंकाल होगोण। ದಿವಾಕರ ಕೂಡ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇರ್ತಾನೆ. दिवाकर कूड मनॅयल्लि इर्तानॅ। ನೀವು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇರ್ತೀರಿ. ನಾನೂ नीवु मनॅयल्लि इर्तीरि। नानू ಸಾಯಂಕಾಲ ಇಲ್ಲೇ ಇರ್ತೀನಿ. सायंकाल इल्ले इर्तीनि।	सुबह के समय दिवाकर घर में नहीं रहते। शाम को चलेंगे। दिवाकर भी घर में रहते हैं। आप घर में रहते हैं। मैं भी शाम को यहीं रहता हूँ।
ಶರ್ಮಾ : शर्मा :	ನನ್ನ ಹೆಂಡತಿಯೂ ಮನೆ ನೋಡಲಿ. नन्न हॅण्डतियू मनॅ नोडलि। ನಾವಿಬ್ಬರೂ ಸಾಯಂಕಾಲ ಮನೆಯಲ್ಲಿ नाविब्बरू सायंकाल मनॅयल्लि ಇರ್ತೀವಿ. ಎಲ್ಲ ಹೋಗೋಣ. इर्तीवि। ऍल्ल होगोण।	मेरी पत्नी भी घर देखलें। हम दोनों शाम को घर में रहते हैं। सब लोग चलें।

ರಂಗನಾಥ: ಆಗಲಿ. ಹಾಗೇ ಮಾಡೋಣ. रंगनाथ : आगलि। हागे माडोण।	ठीक है। ऐसा ही करेंगे।
ದಿವಾಕರ : ನಮಸ್ಕಾರ ರಂಗನಾಥ. नमस्कार रंगनाथ।	नमस्कार रंगनाथ।
ರಂಗನಾಥ : ದಿವಾಕರ! ಬಾ, ಬಾ. ನಿನಗೆ ನೂರು रंगनाथ : दिवाकर। बा, बा। निनगॅ नूरु ವರ್ಷ ಆಯುಸ್ಸು. ನಿನ್ನ ಮನೆಗೆ वर्ष आयुस्सु। निन्न मनॅगॅ ಬರೋಣ ಅಂತ ಇದೀವಿ. बरोण अंत इदीवि।	दिवाकर! आइए, आइए। आप की उम्र सौ वर्ष की हो! आप के घर आने की सोच रहे हैं।
ದಿವಾಕರ : ಏನಪ್ಪ ಸಮಾಚಾರ? दिवाकर : एनप्प समाचार?	क्या समाचार है भाई?
ರಂಗನಾಥ: ಏನಿಲ್ಲ. ನೋಡು ಇವರು ನನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತ रंगनाथ : एनिल्ल। नोडु इवरु नन्न स्नेहित ಶರ್ಮಾ. शर्मा।	कुछ नहीं। देखिए ये मेरे मित्र शर्माजी हैं।
ದಿವಾಕರ : ನಮಸ್ಕಾರ. दिवाकर : नमस्कार।	नमस्कार!
ಶರ್ಮಾ : ನಮಸ್ಕಾರ. शर्मा : नमस्कार।	नमस्कार!
ರಂಗನಾಥ: ಇವರಿಗೆ ಒಂದು ಬಾಡಿಗೆ ಮನೆ ಬೇಕು. रंगनाथ : इवरिगॅ ऑन्दु बाडिगॅ मनॅ बेकु। ನಿನ್ನ ಮನೆ ತೋರಿಸೋಣ ಅಂತ ಇದೀನಿ. निन्न मनॅ तोरिसोण अन्त इदीनि।	इन को एक किरायेका घर चाहिए। (मेरी) इच्छा है कि आपका घर दिखाऊँ।
ದಿವಾಕರ : ಒಳ್ಳೆಯದು. ಬನ್ನಿ. ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಎಷ್ಟು दिवाकर : ऑळ्ळॅयदु। बन्नि। मनॅयल्लि ऍष्टु ಜನ ಇರ್ತೀರಿ? जन इर्तीरि?	अच्छा है। धर में आप कितने लोग हैं?

ಶರ್ಮಾ शर्मा	: ನಾನು ಮತ್ತು ನನ್ನ ಹೆಂಡತಿ ಇಬ್ಬರು : नानु मत्तु नन्न हॅण्डति इब्बरु ಇರ್ತೀವಿ. ರಜಾ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ನನ್ನ ಮಗ इर्तीवि। रजा दिनगळल्लि नन्न मग ಇರ್ತಾನೆ. ಕೆಲವು ವೇಳೆ ನನ್ನ ಮಗಳು ಮತ್ತು इर्तानॅ। कॅलवु वेळॅ नन्न मगळु मत्तु ನನ್ನ ಅಳಿಯ ಸಹ ಇರ್ತಾರೆ. नन्न अळिय सह इर्तारॅ।	मैं और मेरी पत्नी दो लोग रहते हैं। छुट्टी के दिनों में मेरा बेटा रहता है। कुछ समय केलिए मेरी बेटी और दामाद भी रहते हैं।
ರಂಗನಾಥ: रंगनाथ	ಶರ್ಮಾ ನನ್ನ ಆಪ್ತ ಸ್ನೇಹಿತ. ಏನೂ ಹೆದರ : शर्मा नन्न आप्त स्नेहित। एनू हॅदर ಬೇಡ ದಿವಾಕರ. ಇವರು ಬಹಳ ಒಳ್ಳೆ बेड दिवाकर। इवरु बहळ ऑळ्ळॅ ಯವರು. यवरु।	शर्मा मेरे प्रिय मित्र हैं। चिन्ता मत किजीए दिवाकर। ये बहुत अच्छा है।
ದಿವಾಕರ दिवाकर	: ಹಾಗೇನಿಲ್ಲ! ನಿಮ್ಮ ಮೇಲೆ ನಂಬಿಕೆ ಇದೆ. : हागेनिल्ल। निम्म मेलॅ नंबिकॅ इदॅ। ಸಾಯಂಕಾಲ ಬನ್ನಿ. ಇವರು ಮನೆ सायंकाल बन्नि। इवरु मनॅ ನೋಡಲಿ. ಆಮೇಲೆ ಮಾತಾಡೋಣ. नोडलि। आमेलॅ माताडोण।	वैसा नहीं। आप पर विश्वास है। शामको आइए। ये लोग घर देखें। फिर बातें करेंगे।
ರಂಗನಾಥ रंगनाथ	: ನೀನು ಸಾಯಂಕಾಲ ಮನೆಯಲ್ಲಿ : नीनु सायंकाल मनॅयल्लि ಇರ್ತೀಯಾ ತಾನೆ? इर्तीया तानॅ?	तुम शामको घर में रहते हो न?
ದಿವಾಕರ दिवाकर	: ಹೌದು. ನಾನು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇರ್ತೀನಿ. : हौदु। नानु मनॅयल्लि इर्तीनि। ನನ್ನ ಹೆಂಡತಿಯೂ ಇರ್ತಾಳೆ ಬನ್ನಿ. नन्न हॅण्डतियू इर्ताळॅ बन्नि।	हाँ। मैं धर में रहता हूँ। मेरी पत्नी भी रहती है। आइए।

	ರಾತ್ರಿ ಅಲ್ಲೇ ಊಟ ಮಾಡೋಣ. रात्रि अल्ले ऊट माडोण।	रात में वहीं खाना खायेंग।
ರಂಗನಾಥ : रंगनाथ :	ತೊಂದರೆ ತಗೋಬೇಡ. ಊಟ तॉन्दरॅ तगोबेड। ऊट गीट ಗೀಟ ಏನೂ ಬೇಡ. एनू बेड।	कष्ट न कीजीएगा। खाना-वाना कुछ नहीं चाहिए।
ದಿವಾಕರ : दिवाकर :	ತೊಂದರೆ ಏನೂ ಇಲ್ಲ. ಬನ್ನಿ. तॉन्दरॅ एनू इल्ल। बन्नि।	कोई कष्ट नहीं। आइए।
ರಂಗನಾಥ: रंगनाथ :	ಆಗಲಿ, ಬರ್ತೀವಿ. आगलि, बर्तीवि।	ठीक है। आयेंगे।
ದಿವಾಕರ : दिवाकर :	ಒಂದು ವಿಷಯ. ಗೇಟ್ ಹತ್ತಿರ ऑन्दु विषय। गेट हत्तिर ನಾಯಿ ಇರುತ್ತೆ. ಹೆದರಬೇಡಿ. नायि इरुत्तॅ। हॅदरबेडि।	एकबात है। गेट के पास कुत्ता रहता है। डरना नहीं।
ರಂಗನಾಥ: रंगनाश :	ಅದೇನು ಹೊಸದಲ್ಲ. ನಿಮ್ಮ ಮನೆ अदेनु हॉसदल्ल। निम्म मनॅ ಹತ್ತಿರ ಸಿಕ್ಕಾಪಟ್ಟೆ ನಾಯಿಗಳು ಇರುತ್ವೆ. हत्तिर सिक्कापट्टॅ नायिगळु इरुत्वॅ। ನೀನೇನೂ ಯೋಚಿಸಬೇಡ. नीनेनू योचिसबेड। ನಮಗೇನೂ ಹೆದರಿಕೆ ಇಲ್ಲ. नमगेनू हॅदरिकॅ इल्ल।	वह तो नयी बात नहीं। आप के धर के पास कई कुत्ते रहते हैं। आप चिन्ता मत कीजिए। हम को कोई डर नहीं।
ದಿವಾಕರ : दिवाकर :	ಸರಿ. ನಮಸ್ಕಾರ ಶರ್ಮಾಜೀ. सरि। नमस्कार शर्माजी। ಬರ್ತೀನಿ. बर्तीनि।	अच्छा! नमस्कार। शर्माजी, चलते हैं।
ಶರ್ಮಾ : शर्मा :	ನಮಸ್ಕಾರ. नमस्कार।	नमस्कार।

शब्दार्थ

ಇದೀನಿ हूँ
इदीनि

ಇದಾರೆ हैं
इदारॅ

ನಿಮ್ಮ आप का/के/की
निम्म

ಆಶೀರ್ವಾದ आशीर्वाद
आशीर्वाद

ಮೈಸೂರಿನಲ್ಲೇ मैसूर में ही।
मैसूरिनल्ले

ಇದೀವಿ हैं
इदीवि

ಹೌದಾ अच्छा (प्रश्नार्थक)
हौदा

ಎಲ್ಲ सब
ऍल्ल

ಆಗಲಿ ठीक है
आगलि

ಹಾಗೇ ऐसा ही।
हागे

ಮಾಡೋಣ करेंगे
माडोण

ಆಯುಸ್ಸು उम्र
आयुस्सु

ಇವರಿಗೆ इन को
इवरिगॅ

ನಾನೂ मै भी
नानू

ಇಲ್ಲೇ यहीं
इल्ले

ಇರ್ತೀನಿ रहता हूँ
इर्तीनि

ಹೆಂಡತಿಯೂ पत्नी भी
हॅण्डतियू

ನೋಡಲಿ देखें
नोडलि

ನಾವಿಬ್ಬರೂ हम दोनों
नाविब्बरू

ಎಲ್ಲಿ कहाँ
ऍल्लि

ಒಬ್ಬ एक (व्यकति)
ऑब्ब

ಮನೆಯಲ್ಲಿ घर में
मनॅयल्लि

ಬಾಡಿಗೆ किराया
बाडिगॅ

ಮನೆ घर
मनॅ

ಸ್ನೇಹಿತನ दोस्त का/ के/
स्नेहितन

ಮನೆಯ ಹತ್ತಿರ घर के पास
मनॅय हत्तिर

ಬಾಡಿಗೆ ಮನೆ बाडिगॅ मनॅ	किराये का धर
ಜನ जन	लोग
ಇರ್ತೀರಿ इर्तीरि	रहते हैं
ಇಬ್ಬರು इब्बरु	दोनों
ರಜಾ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ रजा दिनगळल्लि	छुट्टी के दीन
ಕೆಲವು ವೇಳೆ कॅलवु वेळॅ	कुछ समय
ಒಳ್ಳೆಯದು ऑळ्ळॅयदु	अच्छा
ನೋಡಲು नोडलु	देखने केलिए
ಯಾವಾಗ यावाग	कब
ಹೋಗೋಣ होगोण	चलें
ಬೆಳಗಿನ ಹೊತ್ತು बॅळगिन हॉत्तु	सुबह के समय
ಇರಲ್ಲ इरल्ल	नहीं रहते
ಸಾಯಂಕಾಲ सायंकाल	शाम
ಕೂಡ कूड	भी
ಇರ್ತಾನೆ इर्तानॅ	रहता है
ಕೇಳೋಣ केळोण	पूछलें
ಟಿಫನ್ टिफन	नाश्ता
ಪರವಾಗಿಲ್ಲ परवागिल्ल	कोई बात नहीं
ಸಾಂಬಾರ್ साम्बार	साम्बार
ಇದಾಳೆ इदाळॅ	है
ಟೀಚರ್ टीचर	अध्यापक
ಮತ್ತು मत्तु	और
ಅಳಿಯ अळिय	दामाद
ಆಪ್ತ आप्त	प्रिय
ಒಳ್ಳೆಯವರು ऑळ्ळॅयवरु	अच्छे (लोग)
ಹಾಗೇನಿಲ್ಲ हागेनिल्ल	वैसा नहीं
ನಂಬಿಕೆ नम्बिकॅ	विश्वास
ಆಮೇಲೆ आमेलॅ	फिर
ಮಾತಾಡೋಣ माताडोण	बातें करेंगे
ಇರ್ತೀಯೆ ತಾನೆ इर्तीयॅ तानॅ	होते हैं न

ರಾತ್ರಿ रात
रात्रि
ಊಟ खाना
ऊट
ತೊಂದರೆ ತಗೋಬೇಡ कष्ट न कीजिए
तॉन्दरॅ तगोबेड
ಬರ್ತೀವಿ आयेंगे
बर्तीवि
ವಿಷಯ बात
विषय
ಹತ್ತಿರ पास
हत्तिर
ಹೆದರಬೇಡಿ डरीये नहीं
हॅदरबेडि
ಹೊಸದಲ್ಲ नया नहीं
हॉसदल्ल
ನಾಯಿಗಳು कुत्ते
नायिगळु
ನೀವೇನೂ ಯೋಚಿಸಬೇಡಿ चिन्ता मत कीजिए
नीवेनू योचिसबेडि

ಅಲ್ಲೇ वहीं
अल्ले
ಮಾಡೋಣ करेंगे
माडोण
ಊಟಗೀಟ खाना-वाना
ऊटगीट
ತೊಂದರೆ ಏನೂ ಇಲ್ಲ कोई बात नहीं
तॉन्दरॅ एनू इल्ल
ಗೇಟು गेटु
गेटु
ಇರುತ್ತೆ रहता है
इरुत्तॅ
ಅದೇನೋ वह तो
अदेनो
ಸಿಕ್ಕಾಪಟ್ಟೆ बहुत
सिक्कापट्टॅ
ಇರುತ್ವೆ रहते हैं
इरुत्वॅ

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कथनात्मक वाक्यों को प्रश्नात्मक वाक्यों में परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण: ನಾನು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ.

नानु मनॅयल्लि इदीनि।

ನೀವು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇದೀರಾ?

नीवु मनॅयल्लि इदीरा?

1. ನಾನು ಶಾಲೆಯಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ.
   नानु शालॅयल्लि इदीनि।
2. ನಾನು ಲಕ್ನೋದಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ.
   नानु लक्नोदल्लि इदीनि।
3. ನಾನು ರೂಮಿನಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ.
   नानु रुमिनल्लि इदीनि।
4. ನಾನು ಸ್ನಾನದ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ.
   नानु स्नानद मनॅयल्लि इदीनि।
5. ನಾನು ಕಾರ್ಖಾನೆಯಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ.
   नानु कार्खानॅयल्लि इदीनि।

II. उदाहरण का अनुसरण कर निम्न लिखित वाक्यों का पुनानिर्माण कीजिए।

उदाहरण: ತಿಂಡಿ ಬೇಡ. ಕಾಫಿ ಕೊಡಿ.

तिंण्डि बेड। काफ़ि कॉडि।

ತಿಂಡಿ ಬೇಕು. ಕಾಫಿ ಬೇಡ.

तिंण्डि बेकु। काफ़ि बेड।

1. ದೋಸೆ ಬೇಡ. ಕಾಫಿ ಕೊಡಿ.
   दोसॅ बेड। काफि कॉडि।
2. ಪೆನ್ನು ಬೇಡ. ಪೆನ್ಸಿಲ್ ಕೊಡಿ.
   पॅन्नु बेड। पॅन्सिल् कॉडि।
3. ರವೆದೋಸೆ ಬೇಡ. ಹಾಲು ಕೊಡಿ.
   रवॅदोसॅ बेड। हालु कॉडि।
4. ಖಾರಾಬಾತ್ ಬೇಡ. ಕೇಸರಿಬಾತ್ ಕೊಡಿ.
   खाराबात् बेड। केसरिबात् कॉडि।
5. ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ಬೇಡ. ಅನಾನಸ್ ಕೊಡಿ.
   बाळेहण्णु बेड। अनानस् कोडि।

III. निम्न लिखित वाक्यों कोष्टक मे दिये हिंदी शब्दों का कन्नड रूप चुन कर पूरा किजीए।

1. ನಾನು ------ಇದೀನಿ. (सकुशल)
   नानु ---------- इदीनि।
2. ಈಗ ------ ಇದೀವಿ. (मैसूर में)
   ईग ----------- इदीवि।
3. ನನ್ನ ---ಮನೆ ಖಾಲಿ ಇದೆ. (दोस्त का)
   नन्न ------मनॅ खालि इदॅ।
4. ಮನೆ ನೋಡಲು -----ಹೋಗೋಣ? (कब)
   मनॅ नोडलु ------------ होगोण?
5. ನಾನು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ---------. (रहता हूँ)
   नानु मनॅयल्लि -------------।

IV. शब्दों को उचित क्रम में प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. ಇವರಿಗೆ ಮನೆ ಒಂದು ಬೇಕು ಬಾಡಿಗೆಗೆ
   इवरिगॅ मनॅ ऑन्दु बेकु बाडिगॅगॅ
2. ಶರ್ಮಾ ಆಪ್ತ ನನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತ
   शर्मा आप्त नन्न स्नेहित
3. ಇರ್ತೀನಿ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ನಾನು
   इर्तीनि मनॅयल्लि नानु
4. ಇಲ್ಲ ತೊಂದರೆ ಏನೂ
   इल्ल तॉन्दरॅ एनू
5. ಮಾಡೋಣ ಅಲ್ಲೇ ಊಟ ರಾತ್ರಿ
   माडोण अल्ले ऊट रात्रि

V. निम्न लिखित शब्दों का प्रयोग कर अलग अलग वाक्य बनाइए।

ನೀನು नीनु ನಾನು नानु ನಾವು नावु ನೀವು नीवु ಅವರು अवरु	ಚೆನ್ನಾಗಿ चॅन्नागि	ಇದೀಯೆ इदीयॅ ಇದೀನಿ इदीनि ಇದೀವಿ इदीवि ಇದೀರ इदीर ಇದಾರೆ इदारॅ

पढिए और समाझिए।

ಬೇಸಿಗೆ ರಜ

बेसिगॅ रज

ನನ್ನ ಹೆಸರು ಶಂಕರ. ನಾನು ಲಕ್ನೋದಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ. ನನ್ನ ತಂದೆಯ ಹೆಸರು ದೇವೀಪ್ರಸಾದ್. ಅವರು
नन्न हॅसरु शंकर। नानु लक्नोदल्लि इदीनि। नन्न तन्दॅय हॅसरु देवीप्रसाद। अवरु
ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ಇದಾರೆ. ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ನಮ್ಮ ಮನೆ ಇದೆ. ನನ್ನ ತಂಗಿ ಸುಮ ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ
बॅन्गळूरिनल्लि इदारॅ। बॅन्गळूरिनल्लि नम्म मनॅ इदॅ। नन्न तंगि सुम बॅन्गळूरिनल्लि
ಇದಾಳೆ. ನನ್ನ ಅಣ್ಣ ಸುರೇಶ್ ಮೈಸೂರಿನಲ್ಲಿ ಇದಾನೆ. ಬೇಸಿಗೆ ರಜದಲ್ಲಿ ನಾನು ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ
इदाळॅ। नन्न अण्ण सुरेश मैसूरिनल्लि इदानॅ। बेसिगॅ रजदल्लि नानु बॅन्गळूरिनल्लि
ಇರ್ತೀನಿ. ನಮ್ಮ ಅಣ್ಣನೂ ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ಇರ್ತಾನೆ. ನಾವೆಲ್ಲ ಒಟ್ಟಿಗೆ ಒಂದೇ ಮನೆಯಲ್ಲಿ
इर्तीनि। नम्म अण्णनू बॅन्गळूरिनल्लि इर्तानॅ। नावॅल्ल ऑट्टिगॅ ऑन्दे मनॅयल्लि
ಇರ್ತೀವಿ.
इर्तीवि।

नए शब्द

ನನ್ನ नन्न	मेरा	ಹೆಸರು हॅसरु	नाम	ತಂದೆ तन्दॅ	पिता
ಅವರು अवरु	वॅ	ನಮ್ಮ नम्म	हमारा	ಬೇಸಿಗೆ बेसिगॅ	गर्मी
ನಾವೆಲ್ಲ नावॅल्ल	हमसब	ಒಟ್ಟಿಗೆ ऑट्टिगॅ	एक साथ		

I. उत्तर दीजिए।

1. ಶಂಕರ ಎಲ್ಲಿ ಇದಾನೆ?
   शंकर ऍल्लि इदानॅ?
2. ಸುಮ ಎಲ್ಲಿ ಇದಾಳೆ?
   सुम ऍल्लि इदाळॅ?
3. ದೇವೀಪ್ರಸಾದ್ ಯಾರು?
   देवीप्रसाद यारु?
4. ಶಂಕರನ ಮನೆ ಎಲ್ಲಿ ಇದೆ?
   शंकरन मनॅ ऍल्लि इदॅ?
5. ಬೇಸಿಗೆ ರಜದಲ್ಲಿ ಶಂಕರ ಎಲ್ಲಿ ಇರ್ತಾನೆ?
   बेसिगॅ रजदल्लि शंकर ऍल्लि इर्तानॅ?

II. उदाहरण का अनुसरण कीजिए और जोड़ी के दूसरे वाक्य को पूरा कीजिए।

उदाहरण: ನಾನು ಲಕ್ನೋನಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ.

नानु लक्नोनल्लि इदीनि।

ನಮ್ಮ ತಂದೆ ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ಇದಾರೆ.

नम्म तन्दॅ बॅन्गळूरिनाल्लि इदारॅ।

1. ನಾನು ಲಕ್ನೋನಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ. ನಮ್ಮ ತಾಯಿ ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ....
   नानु लक्नोनल्लि इदीनि। नम्म तायि बॅन्गळूरिनल्लि ....।
2. ನಾನು ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ. ನನ್ನ ಅಣ್ಣ ಮೈಸೂರಿನಲ್ಲಿ ....
   नानु बॅन्गळूरिनल्लि इदीनि। नन्न अण्ण मैसूरिनल्लि ....।
3. ನಾನು ಬಾಂಬೆನಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ. ನನ್ನ ತಂಗಿ ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ....
   नानु बाम्बॅनल्लि इदीनि। नन्न तंगि बॅन्गळूरिनल्लि ....।
4. ನಾನು ತ್ರಿಪುರಾದಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ. ನನ್ನ ನಾಯಿ ಮೈಸೂರಿನಲ್ಲಿ ....
   नानु त्रिपुरादल्लि इदीनि। नन्न नायि मैसूरिनल्लि ....।
5. ನಾನು ದೆಹಲಿಯಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ. ನಮ್ಮ ನಾಯಿಗಳು ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ............
   नानु दॅहलियल्लि इदीनि। नम्म नायिगळु बॅन्गळूरिनल्लि ....।

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

1. पाठशाला देखने कब चलें?
2. मेरा बेटा भी फल देखे।
3. हम घर में रहते हैं।
4. उन को कोई डर नहीं।
5. हम कहाँ जाएँ?

IV. निम्नलिखित पदों का प्रयोग कर 5 वाक्य बनाइए

ಜನ,	ಎಲ್ಲಿ,	ಮನೆ,	ಇರಲ್ಲ,	ಮತ್ತು
जन,	ऍल्लि,	मनॅ,	इरल्ल,	मत्तु

टिप्पणियाँ

I. कन्नड में ಇರು (इरु) `होना', `रहना' क्रिया के दो मूल रूप हैं। जिन में प्रत्यय लगाकर क्रिया के विभिन्न रूप बनाये जाते हैं।

1. ಇದ್ **(इद्)**

ಇದ್ + ಈನಿ - ಇದೀನಿ - रहता हूँ,	ನಾನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಇದೀನಿ.- मैं अच्छा (रहता) हूँ।
इद् + ईनि - इदीनि	नानु चॅन्नागि इदीनि।
ಇದ್ + ಈವಿ - ಇದೀವಿ - रहतॆ हैं	ಈಗ ಮೈಸೂರಿನಲ್ಲೇ ಇದೀವಿ.
इद् + ईवि - इदीवि	ईग मैसूरिनल्ले इदीवि।

इस पाठ में ಇದ್ (इद्) का प्रयोग वर्तमानकाल केलिए किया गया है।

2. ಇರ್ **(इर्)**

ಇರ್ (इर्) का प्रयोग आभ्यासिक, वर्तमान और भविष्यत् काल केलिए होता है। जब इन में भूत कालेतर प्रत्यय लगाये जाते हैं तो आभ्यासिक अर्थ मिलता है। इस क्रिया से होते रहना `करते रहना' जैसी क्रिया के निरन्तर होने का बोध होता है।

ಇರ್ + ತ್ + ಈನಿ - ಇರ್ತೀನಿ - रहता हूँ / रहूँगा

इर् + त् + ईनि - इर्तीनि

ನಾನು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇರ್ತೀನಿ. - मैं धर में रहता हूँ। रहूँगा।

नानु मनॅयल्लि इर्तीनि।

पुरुष	सर्वनाम	पुरुष, वचन, लिंगसूचक प्रत्यय	'इद्' का वर्तमानकाल रूप	'इर् का अभ्यास बोधक और भविष्यतकाल रूप.
प्रथम ए.व.	ನಾನು नानु	ಈನಿ ईनि	ಇದೀನಿ इदीनि	ಇರ್ತೀನಿ इर्तीनि
ब.व.	ನಾವು नावु	ಈವಿ ईवि	ಇದೀವಿ इदीवि	ಇರ್ತೀವಿ इर्तीवि
द्वितीय ए.व	ನೀನು नीनु	ಈಯೆ ईयॅ	ಇದೀಯೆ इदीयॅ	ಇರ್ತೀಯೆ इर्तीयॅ
ब.व.	ನೀವು नीवु	ಈರಿ ईरि	ಇದೀರಿ इदीरि	ಇರ್ತೀರಿ इर्तीरि
तृतीय ए.व.	ಅವನು अवनु (पु) ಅವಳು अवळु (स्त्री)	ಆನೆ आनॅ ಆಳೆ आळॅ	ಇದಾನೆ इदानॅ ಇದಾಳೆ इदाळॅ	ಇರ್ತಾನೆ इर्तानॅ ಇರ್ತಾಳೆ इर्ताळॅ
ब.व	ಅವರು अवरु	ಆರೆ आरॅ	ಇದಾರೆ इदारॅ	ಇರ್ತಾರೆ इर्तारॅ
ए.व.	ಅದು अदु (नपुं)	ಎ ऍ	ಇದೆ इदॅ	ಇರುತ್ತೆ इरुत्तॅ
ब.व.	ಅವು अवु (नपुं)	ವೆ वॅ	ಇವೆ इवॅ	ಇರುತ್ವೆ इरुत्वॅ
निषेधार्थक			ಇಲ್ಲ इल्ल	ಇರಲ್ಲ इरल्ल

हिंदी में इन दोनों क्रिया रूपों का प्रयोग एक ही अर्थ केलिए होता है।

ಇದ್ (इद्) के सभी रुपों का निषेधात्मक रूप ಇಲ್ಲ (इल्ल) हैं।

ಇರ್ (इर्) का निषेधात्मक रूप ಇರು (इरु) + ಅಲ್ಲ (अल्ल) ಇರಲ್ಲ (इरल्ल) है।

II. कन्नड में ಗಳು (गळु) बहुवचन का प्रत्यय है।

उदाहरण: ಮನೆ + ಗಳು - ಮನೆಗಳು - घर (ब.व.)

मनॅ + गळु - मनॅगळु

ನಾಯಿ + ಗಳು - ನಾಯಿಗಳು - कुत्तॆ

नायि + गळु - नायिगळु

III. ಅಲ್ಲಿ (अल्लि) अधिकरण कारक की प्रत्यय है। ಅಲ್ಲಿ (अल्लि) जोडकर निम्न प्रकार के रूप बनाये जाते हैं।

(अ) ಊರು + ಅಲ್ಲಿ - ಊರಿನಲ್ಲಿ - गाँव में

ऊरु + अल्लि - ऊरिनल्लि

ಈ ಊರಿನಲ್ಲಿ ನೂರು ಮನೆಗಳು ಇವೆ.

ई ऊरिनल्लि नूरु मनॅगळु इवॅ।

इस में अन्तिम ಉ (उ) का लोप हो जाता है और ನ (न) का आगम हो जाता है।

(आ) ದೆಹಲಿ + ಅಲ್ಲಿ - ದೆಹಲಿಯಲ್ಲಿ - देहली में

दॅहलि + अल्लि - दॅहलियल्लि

ನಾನು ದೆಹಲಿಯಲ್ಲಿ ಇರ್ತೀನಿ. - मैं देहली में रहता हूँ।

नानु दॅहलियल्लि इर्तीनि।

शब्द और प्रत्यय के बीच ಯ (य) का आगम हो जाता है।

(इ) ಕೆಲಸ + ಅಲ್ಲಿ - ಕೆಲಸದಲ್ಲಿ - काम में

कॅलस + अल्लि- कॅलसदल्लि

ನಾನು ಕೆಲಸದಲ್ಲಿ ಇರ್ತೀನಿ. - मैं नौकरी में हूँ।

नानु कॅलसदल्लि इर्तीनि।

शब्द और प्रत्यय के बीच ದ (द) का आगम हो जाता है।

IV. सर्वनामों में ಅಲ್ಲಿ (अल्लि) जोडकर बननेवाले रूप नीचे दिये गये हैं।

सर्वनाम	सर्वनाम का षष्ठि विभक्ति का रूप	ಅಲ್ಲಿ (अल्लि) जोडने से सर्वनाम का रूप
ನಾನು नानु.	ನನ್ನ नन्न	ನನ್ನಲ್ಲಿ - मुझ में नन्नल्लि
ನಾವು नावु	ನಮ್ಮ नम्म	ನಮ್ಮಲ್ಲಿ - हम में नम्मल्लि
ನೀನು नीनु	ನಿನ್ನ निन्न	ನಿನ್ನಲ್ಲಿ - तुझ में निन्नल्लि
ನೀವು नीवु	ನಿಮ್ಮ निम्म	ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ -तुम में निम्मल्लि
ಅವನು अवनु	ಅವನ अवन	ಅವನಲ್ಲಿ - उस में अवनल्लि
ಅವಳು अवळु	ಅವಳ अवळ	ಅವಳಲ್ಲಿ - उस में अवळल्लि
ಅವರು अवरु	ಅವರ अवर	ಅವರಲ್ಲಿ - उन में अवरल्लि
ಅದು अदु (नपुं)	ಅದರ अदर	ಅದರಲ್ಲಿ - उस में अदरल्लि
ಅವು अवु	ಅವುಗಳ अवुगळ	ಅವುಗಳಲ್ಲಿ - उन में अवुगळल्लि

सांस्कृतिक टिप्पणि:

`ಬರ್ತೀನಿ ' (बर्तीनि) का अर्थ `आ रहा हूँ' होता है। कन्नड में इस का प्रयोग इस प्रकार होता है - जब कोई व्यक्ति किसी स्थान से जाने की आज्ञा या अनुमति लेता है या सूचना देता है। `ಹೋಗಿದ್ದು ಬರ್ತೀನಿ' (होगिद्दु बर्तीनि) जानेवाला कहता है। इसका अर्थ है -जाकर आता हूँ। लेकिन साधारणतः केवल `ಬರ್ತೀನಿ' (बर्तीनि) का ही प्रयोग है। और जिस से कहा जाता है वह कहता है `ಹೋಗಿಬನ್ನಿ' (होगिबन्नि) - जाकर आइए।

ಪಾಠ 5
पाठ 5

ನೀನು ಬೀಡಿ ಬಿಡಬೇಕು
नीनु बीडि बिडबेकु
तुम को बीड़ी (पीना) छोड देना चाहिए

ರವೀಂದ್ರ : ನಮಸ್ಕಾರ ಡಾಕ್ಟ್ರೆ.
रवींद्र : नमस्कार डाक्ट्रॅ।

नमस्कार डाक्टर साहब।

ಡಾಕ್ಟರ್ : ನಮಸ್ಕಾರ, ಬನ್ನಿ. ಏನು ತೊಂದರೆ?
डाक्टर् : नमस्कार, बन्नि। एनु तॉन्दरॅ?

नमस्कार, आओ। क्या कष्ट है?

ರವೀಂದ್ರ : ಮೈಕೈ ನೋವು. ಜ್ವರ. ತಲೆ ನೋವು, ಎದೆ ಉರಿ.
रवींद्र : मैकै नोवु। ज्वर, तलॅ नोवु, ऍदॅ उरि।

बदन में और हाथ में दर्द है। बुखार, सिरदर्द (और) छाती में जलन है।

ಡಾಕ್ಟರ್ : ನೋಡೋಣ. ಈ ಮೇಜಿನ ಮೇಲೆ ಮಲಗಿ, ಕೈ ಕೊಡಿ. ಜ್ವರ ಎಷ್ಟು ದಿನದಿಂದ ಇದೆ?
डाक्टर् : नोडोण। ई मेजिन मेलॅ मलगि, कै कॉडि। ज्वर ऍष्टु दिनदिन्द इदॅ?

देखें, इस मेज़ पर लेटो। हाथ दो बुखार कितने दिनों से है?

ರವೀಂದ್ರ : ನಾಲ್ಕು ದಿನದಿಂದ ಇದೆ ಡಾಕ್ಟ್ರೇ.
रवींद्र : नाल्कु दिनदिन्द इदॅ डाक्ट्रे।

डाक्टर साहब, (बुखार) चार दिनों से है।

ಡಾಕ್ಟರ್ : ಕೆಮ್ಮೂ ಇದೆಯಾ?
डाक्टर् : कॅम्मू इदॅया?

क्या खाँसी भी (आती) है?

ರವೀಂದ್ರ : ಇದೆ ಡಾಕ್ಟ್ರೇ.
रवींद्र : इदॅ डाक्ट्रे।

हाँ डाक्टर साहब।

ಡಾಕ್ಟರ್ : ಏನಿದು? ಜೇಬಿನಲ್ಲಿ ಬೀಡಿ!
डाक्टर् : एनिदु? जेबिनल्लि बीडि !

यह क्या है? जेब में बीड़ी !

ಕಮಲಮ್ಮ : ಅವರಿಗೆ ಯಾವಾಗಲೂ ಬೀಡಿ
कमलम्म : अवरिगॆ यावागलू बीडि
ಬೇಕು. ಬೀಡಿ ಸೇದುವುದೇ ಅವರ
बेकु, बीडि सेदुवुदे अवर
ಚಟ ಡಾಕ್ಟ್ರೇ.
चट डाक्ट्रे।

उनको हमेशा बीड़ी चाहिए, बीड़ी पीना उनकि आदत है डाक्टर साहब।

ಡಾಕ್ಟರ್ : ನೀವು ಯಾರು?
डाक्टर् : नीवु यारु?

तुम कैन हो?

ಕಮಲಮ್ಮ : ನಾನು ಇವರ ಹೆಂಡತಿ.
कमलम्म : नानु इवर हॅण्डति।

मैं इनकी पत्नी हूँ।

ಡಾಕ್ಟರ್ : ನಿನ್ನ ಗಂಡನಿಗೆ ಬೀಡಿ ಸೇದಬೇಡ
डाक्टर् : निन्न गंडनिगॆ बीडि सेदबेड
ಅಂತ ಹೇಳಬೇಕು.
अन्त हेळबेकु।

अपने पति से कहो कि बीड़ी न पिये।

ಕಮಲಮ್ಮ : ಅಯ್ಯೋ! ಹೇಳಿ ಹೇಳಿ ಸಾಕಾಯ್ತು.
कमलम्म : अय्यो! हेळि हेळि् साकाय्तु।
ನನ್ನ ಮಾತಿಗೆ ಬೆಲೇನೇ ಇಲ್ಲ.
नन्न मातिगॆ बॅलेनें इल्ल।

बाप रे! कह कर थक गई हूँ। मेरी बात पर ध्यान ही नहीं देते।

ಡಾಕ್ಟರ್ : ಏನಪ್ಪ! ನಿನ್ನ ಹೆಂಡತಿ ಮಾತು
डाक्टर् : एनप्प! निन्न हॅण्डति मातु
ನಿಜಾನಾ?
निजाना?

क्या भाई! क्या तुम्हारी पत्नी की बात सच है?

ರವೀಂದ್ರ : ಅವಳ ಮಾತು ನಂಬಬೇಡಿ.
रवींद्र : अवळ मातु नम्बबेडि।

उस की बात पर विश्वास न कीजिए।

ಕಮಲಮ್ಮ : ದೇವರ ಹಾಗೆ ಇದೀರಿ. ಡಾಕ್ಟ್ರೇ
कमलम्म : देवर हागॆ इदीरि। डाक्टरे

(आप) भगवान जैसे हैं। आप ही पूछिये इन से डाक्टर साहब। मेरी

	ನೀವೇ ಕೇಳಿ ಇವರನ್ನ. ನನ್ನ ಮಾತು नीवे केळि इवरन्न। नन्न मातु ನಿಜಾನಾ, ಸುಳ್ಳಾ? ಬೀಡಿ ಸೇದ್ಬೇಡಿ निजाना, सुळ्ळा? बीडि सेद्‌बेडि ಅಂತ ಹೇಳಿದೀನಾ? ಇಲ್ವಾ? ಕೇಳಿ. अन्त हेळिदीना? इल्वा? केळि।	बात सच है या झूट बताया कि नहीं कि बीड़ी न पीजिए। पूछिए।
ಡಾಕ್ಟರ್ डाक्टर्	: ನಿನ್ನ ಮಾತು ಸುಳ್ಳಲ್ಲ. ಬಿಡಮ್ಮ. : निन्न मातु सुळ्ळल्ल। बिडम्म।	तुम्हारी बात झूठ नहीं है। जाने दो।
ಕಮಲಮ್ಮ कमलम्म	: ಬೀಡಿ, ಹೆಂಡಕ್ಕೆ ಹಣವನ್ನೆಲ್ಲ ಇವರು : बीडि, हॅन्डक्कॅ हणवन्नॅल्ल इवरु ಸುರಿಯಬಹುದಾ? ಮನೆಯಲ್ಲಿರುವ सुरियबहुदा? मनॅयल्लिरुव ನಾವೆಲ್ಲ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು? ಮೂರು नावॅल्ल एनु माडबेकु? मूरु ಮಕ್ಕಳು ಮತ್ತು ನಾನು ಹೇಗೆ ಜೀವನ मक्कळु मत्तु नानु हेगॅ जीवन ಮಾಡಬೇಕು? ನೀವೇ ಹೇಳಿ ಡಾಕ್ಟ್ರೇ. माडबेकु? नीवे हेळि डाक्ट्रे।	बीड़ी और ताडी केलिए पैसा गँवाना ठीक है क्या? धर में रहन-वाले हम लोगों को क्या करना चाहिए? तीनों बच्चें का और मेरा जीवन निर्वाह कैसे हो? आप ही बताइए, डाक्टर साहब!
ಡಾಕ್ಟರ್ डाक्टर्	: ನಿನ್ನ ಹೆಸರೇನಪ್ಪ? : निन्न हॅसरेनप्प?	तुम्हारा नाम क्या है भाई?
ರವೀಂದ್ರ रवींद्र	: ರವೀಂದ್ರ. : रवींद्र।	रवींद्र।
ಡಾಕ್ಟರ್ डाक्टर्	: ನಿನಗೆ ಕರುಳಿನ ಹುಣ್ಣು ಇದೆ. ಶ್ವಾಸ : निनगॅ करुळिन हुण्णु इदॅ। श्वास ಕೋಶದ ತೊಂದರೆ ಇದೆ. ನೀನು ಬೀಡಿ कोशद तॉन्दरॅ इदॅ। नीनु बीडि ಬಿಡಬೇಕು. बिडबेकु।	तुम्हारी अंतडी में फुंसी है। श्वास-कोश में तकलीफ है। तुम्हें बीड़ी (पीना) छोड देना चाहिए।

ರವೀಂದ್ರ : ಆಗಲಿ ಡಾಕ್ಟ್ರೇ.
रवींद्र : आगलि डाक्ट्रे.

ठीक है, डाक्टर साहब।

ಕಮಲಮ್ಮ : ಇವರನ್ನ ನಂಬಬೇಡಿ ಡಾಕ್ಟ್ರೇ. ನಾಯಿ
कमलम्म : इवरन्न नम्बबेडि डाक्ट्रे। नायि
ಬಾಲ ಯಾವಾಗಲೂ ಡೊಂಕೇ.
बाल यावागलू डॉन्के।

इन पर विश्वास न कीजिए डाक्टर साहब। कुत्ते की पूँछ हमेशा टेढी रहती है।

ಡಾಕ್ಟರ್ : ನೋಡಮ್ಮ, ಹಾಗೇ ಬಿಟ್ಟು ಬಿಡಬಾರದು.
डाक्टर् : नोडम्मा, हागे बिट्टु बिडबारदु।
ಆದಷ್ಟು ಪ್ರಯತ್ನ ಮಾಡಬೇಕು. ಬಿಡಿಸ
आदष्टु प्रयत्न माडबेकु। बिडिसबेकु।
ಬೇಕು.

देखो माँ, वैसे ही नहीं छोडना चाहिए। यथासाध्य प्रयत्न करना चाहिए। छुडाना चाहिए।

ಕಮಲಮ್ಮ : ಆಗಲಿ ಡಾಕ್ಟ್ರೇ.
कमलम्म : आगलि डाक्ट्रे।

जी हाँ, डाक्टर साहब।

ಡಾಕ್ಟರ್ : ನೋಡಪ್ಪ, ಈ ಮಾತ್ರೇನ ದಿನಕ್ಕೆ ಮೂರು
डाक्टर् : नोडप्प, ई मात्रेन दिनक्कॅ मूरु
ಸಾರಿ ಎರಡು ದಿನ ನುಂಗಬೇಕು. ಖಾರ
सारि ऍरडु दिन नुंगबेकु। खार जास्ति
ಜಾಸ್ತಿ ತಿನ್ನಬೇಡ. ಎಣ್ಣೆ ಪದಾರ್ಥಗಳು
तिन्नबेड। ऍण्णॅ पदार्थगळु बेडवे बेड।
ಬೇಡವೇ ಬೇಡ.

देखो भाई, इन गोलियों को दिन में तीन बार दो दिन खाओ। मिर्च बहुत नहीं खाना। तेल में तली चीजें नहीं (खानी) चाहिए।

ರವೀಂದ್ರ : ಆಗಲಿ ಡಾಕ್ಟ್ರೇ.
रवींद्र : आगलि डाक्ट्रे।

अच्छा डाक्टर साहब।

ಡಾಕ್ಟರ್ : ಎರಡು ದಿನ ಕಳೆಯಬೇಕು. ಎರಡು ದಿನ
डाक्टर् : ऍरडु दिन कळॅयबेकु। ऍरडु दिन
ಆದ ಮೇಲೆ ಬನ್ನಿ. ಮತ್ತೆ ಪರೀಕ್ಷೆ
आद मेलॅ बन्नि। मत्तॅ परीक्षॅ
ಮಾಡಬೇಕು.
माडबेकु।

दो दिन बीत जाने दो। दो दिनों के बाद आओ। और जाँच करनी होगी।

ಕಮಲಮ್ಮ :	ಆಗಲಿ ಡಾಕ್ಟ್ರೇ. ಬರ್ತೀವಿ.	अच्छा डाक्टर साहब। (फिर) आयेंगे।
कमलम्म :	आगलि डाक्ट्रे। बर्तीवि।	
ರವೀಂದ್ರ :	ನಮಸ್ಕಾರ. ಬರ್ತೀವಿ ಡಾಕ್ಟ್ರೇ.	नमस्कार। फिर आयेंगे डाक्टर साहब।
रवींद्र :	नमस्कार। बर्तीवि डाक्ट्रे।	
ಡಾಕ್ಟರ್ :	ಹೋಗಿದ್ದು ಬನ್ನಿ. ನಮಸ್ಕಾರ.	जाकर आओ। नमस्कार।
डाक्टर् :	होगिद्दु बन्नि। नमस्कार।	

शब्दार्थ

ತೊಂದರೆ तॉन्दरॅ	कष्ट	ಮೈಕೈ मैकै	बदन हाथ
ಜ್ವರ ज्वर	बुखार	ತಲೆ तलॅ	सिर
ನೋವು नोवु	दर्द	ಎದೆ ऍदॅ	छाती
ಉರಿ उरि	जलन	ನೋಡೋಣ नोडोण	देखें
ಮೇಜು मेजु	मेजु	ಮೇಲೆ मेलॅ	ऊपर
ಮಲಗಿ मलगि	लेटिए	ದಿನದಿಂದ दिनदिन्द	दिनों से
ನಾಲ್ಕು नाल्कु	चार	ಚಟ चट	आदत
ತೋರಿಸಿ तोरिसि	दिखाइए	ಕೆಮ್ಮು कॅम्मु	खाँसी
ಜೇಬಿನಲ್ಲಿ जेबिनल्लि	जेब में	ಬೀಡಿ बीडि	बीड़ी
ಅವರು अवरु	वे	ಸೇದುವುದೇ सेदुवुदे	(बीड़ी) पीना ही

ಇವರ इवर	इनका, इनकी, इनके
ಸೇದಬೇಡ सेदबेड	न पीना
ಹೇಳಿ ಹೇಳಿ हेळि हेळि	बता बताकर
ಮಾತಿಗೆ मातिगॅ	बात पर
ನಿಜಾನಾ निजाना	सच है क्या?
ನಂಬಬೇಡಿ नम्बबेडि	न मानिए
ಕೇಳಿ केळि	सुनिए
ಇವನ इवन	इनसे
ಸೇದ್ಬೇಡಿ सेद्‌बेडि	मत पीजीए
ಹೆಂಡಕ್ಕೆ हॅन्डक्कॅ	ताडी केलिए
ನಾವೆಲ್ಲ नावॅल्ल	हम सब लोग
ಹೇಗೆ हेगॅ	कैसे
ಕರುಳಿನ ಹುಣ್ಣು करुळिन हुण्णु	अंतडी में फुसी
ಇವರನ್ನ इवरन्न	इनपर
ನೋಡಮ್ಮ नोडम्म	देखो माँ

ಹೆಂಡತಿ हॅण्डति	पत्नी
ಅಯ್ಯೋ अय्यो	हाय बापरे
ಸಾಕಾಯ್ತು साकाय्तु	थक गई
ಬೆಲೇನೇ ಇಲ್ಲ बॅलेने इल्ल	ध्यान नहीं
ಅವಳ ಮಾತು अवळ मातु	उसकी बात
ದೇವರ ಹಾಗೆ देवर हागॅ	भगवान जैसे
ನೀವೇ नीवे	आप ही
ಸುಳ್ಳಾ सुळ्ळा	झूठ है क्या?
ಬಿಡಮ್ಮ बिडम्म	छोडिए
ಸುರಿಯಬಹುದಾ (पैसा) सुरियबहुदा	गँवा सकते क्या?
ಮಕ್ಕಳು मक्कळु	बच्चे
ಜೀವನ ಮಾಡಬೇಕು जीवन माडबेकु	जीवन निर्वाह करें
ಶ್ವಾಸಕೋಶ श्वासकोश	श्वासकोश
ನಂಬಬೇಡಿ नम्बबेडि	विश्वास न रखिए
ಹಾಗೆಯೇ हागॅये	वैसे ही

ಆದಷ್ಟು यथा साध्य
आदष्टु

ಬಿಡಿಸಬೇಕು छुडाना चाहिए
बिडिसबेकु

ಮಾತ್ರೇನ गोलियों कों
मात्रेन

ಸಾರಿ बार
सारि

ನುಂಗಬೇಕು निगंलना चाहिए (खाना चाहिए)
नुंगबेकु

ಜಾಸ್ತಿ बहुत
जास्ति

ಎಣ್ಣೆ ಪದಾರ್ಥಗಳು तेलमे तली चीजें
ऍण्णॅ पदार्थगळु

ಮತ್ತೆ और
मत्तॅ

ಹೋಗಿದ್ದು ಬನ್ನಿ जाकर आना
होगिद्दु बन्नि

ನಾಯಿಬಾಲ ಯಾವಾಗಲೂ ಡೊಂಕೆ कुत्ते की पूँछ टेढी रहती है
नायिबाल यावागलू डॉन्कॅ

ಪ್ರಯತ್ನ प्रयत्न
प्रयत्न

ಬಿಟ್ಟು ಬಿಡಬಾರದು नहीं छोडना
बिट्टु बिडबारदु

ದಿನಕ್ಕೆ दिन में
दिनक्कॅ

ದಿನ दिन
दिन

ಖಾರಾ मिर्च
खारा

ತಿನ್ನಬೇಡಿ नही खाना
तिन्नबेडि

ಆದಮೇಲೆ (के) बाद
आदमेलॅ

ಪರೀಕ್ಷೆ परीक्ष
परीक्षॅ

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार निम्न लिखित वाक्यों का पुनर्निर्माण कीजिए।

उदाहरण: ಎಣ್ಣೆ ಪದಾರ್ಥ ತಿನ್ನಬಾರದಾ?
ऍण्णॅ पदार्थ तिन्नबारदा?
ಹೌದು, ಎಣ್ಣೆ ಪದಾರ್ಥ ತಿನ್ನಬಾರದು.
हौदु, ऍण्णॅ पदार्थ तिन्नबारदु।

1. ಬೀಡಿ ಸೇದಬಾರದಾ?
बीडि सेदबारदा?

2. ಮದ್ಯಪಾನ ಮಾಡಬಾರದಾ?
मद्यपान माडबारदा?

3. ಬೀಡಿ, ಹೆಂಡಕ್ಕೆ ಹಣ ಸುರಿಯಬಾರದಾ?
बीडि, हॅन्डक्कॅ हण सुरियबारदा?

4 ಹೆಂಡತಿ ಮಾತು ಕೇಳಬಾರದಾ?
हॅण्डति मातु केळबारदा?

5. ಖಾರ ಜಾಸ್ತಿ ತಿನ್ನಬಾರದಾ?
खारा जास्ति तिन्नबारदा?

II. वार्तालाप के आधार पर निम्नलिखित कथनों में सही कथन चिन्हित कीजिए।

1. ರವೀಂದ್ರನಿಗೆ ಮೈಕೈ ನೋವು.
रवीन्द्रनिगॅ मैकै नोवु।

2. ಕಮಲಮ್ಮನಿಗೆ ಜ್ವರ ನಾಲ್ಕು ದಿನದಿಂದ ಇಲ್ಲ.
कमलम्मनिगे ज्वर नाल्कु दिनदिन्द इल्ल।

3. ರವೀಂದ್ರನ ಜೇಬಿನಲ್ಲಿ ಬೀಡಿ ಇದೆ.
रवीन्द्रन जेबिनल्लि बीडीं इदॅ।

4. ಕಮಲಮ್ಮ ಡಾಕ್ಟರ್ ಹೆಂಡತಿ.
कमलम्म डाक्टर हॅण्डति।

5. ರವೀಂದ್ರನ ಕರುಳಲ್ಲಿ ಹುಣ್ಣು ಇದೆ.
रवीन्द्रन करुळल्लि हुण्णु इदॅ।

III. दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके पाँच-पाँच वाक्य बनाइए।

ನಾನು नानु ನೀವು नीवु ಅವರು अवरु	ಕೆಲಸ कॅलस ಊಟ ऊट	ಮಾಡಬೇಕು माडबेकु ಮಾಡಬೇಡಿ माडबेडि ಮಾಡಬಹುದು माडबहुदु

IV. शब्दों को उचित क्रम में प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. ಇದೆ ಬೀಡಿ ಜೇಬಿನಲ್ಲಿ
   इदॅ बीडि जेबिनल्लि
2. ಹೆಂಡತಿ ಇವರ ನಾನು
   हॅण्डति इवर नानु
3. ನಂಬಬೇಡಿ ಮಾತು ಇವಳ
   नम्बबेडि मातु इवळ
4. ಇದೀರಿ ಹಾಗೆ ದೇವರ
   इदीरि हागॅ देवर
5. ಮಾಡಬೇಕು ಪ್ರಯತ್ನ ಆದಷ್ಟು
   माडबेकु प्रयत्न आदष्टु

V. कोष्टक में दिए हुए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए।

(ಮಾತು, ಹೆಂಡತಿ, ಮಾಡಬೇಕು, ದಿನದಿಂದ, ಬೀಡಿ)
(मातु, हॅण्डति, माडबेकु, दिनदिन्द, बीडि)

1. ಮನೆಯಲ್ಲಿರುವ ನಾವೆಲ್ಲ ಏನು ....?
   मनॅयल्लिरुव नावॅल्ल एनु ....?
2. ಇವಳು ನನ್ನ ....
   इवळु नन्न ....।
3. ಅವಳ .... ನಂಬಬೇಡಿ.
   अवळ .... नम्बबेडि।
4. ಜೇಬಿನಲ್ಲಿ -----------ಇದೆ.
   जेबिनल्लि---------------इदॅ।
5. ನಾಲ್ಕು ----------ಇದೆ ಡಾಕ್ಟ್ರೇ.
   नाल्कु ------------ इदॅ डाक्ट्रे।

पढिए और समझिए

ಸಂಚಾರಿ ನಿಯಮ
संचारि नियम

ಮಕ್ಕಳೇ, ಎಲ್ಲರೂ ಸಂಚಾರಿ ನಿಯಮಗಳನ್ನು ಪಾಲಿಸಬೇಕು. ರಸ್ತೆಯ ಎಡಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಚಲಿಸಬೇಕು.
मक्कळे, ऍल्लरू संचारि नियमगळन्नु पालिसबेकु। रस्तॆय ऍडपक्कदल्लि चलिसबेकु।
ಕಾಲುಹಾದಿಯಲ್ಲಿ ನಡೆಯಬೇಕು. ರಸ್ತೆಯಲ್ಲಿ ನಡೆಯಬಾರದು. ವಾಹನದಲ್ಲಿ ಹೋಗುವಾಗ ಅತ್ತಇತ್ತ
कालुहादियल्लि नडॆयबेकु। रस्तॆयल्लि नडॆयबारदु। वाहनदल्लि होगुवाग अत्त इत्त
ನೋಡಬಾರದು. ಮುಂದಿನ ರಸ್ತೆ ನೋಡಬೇಕು. ಬಲಗಡೆಯ ವಾಹನಗಳು ಮೊದಲು ಹೋಗಲು
नोडबारदु। मुन्दिन रस्तॆ नोडबेकु। बलगडॆय वाहनगळु मॊदलु होगलु
ದಾರಿ ಬಿಡಬೇಕು. ಬಲಕ್ಕೆ ತಿರುಗುವಾಗ ಕೈ ತೋರಿಸಬೇಕು. ರಾತ್ರಿ ವೇಳೆ ದೀಪ ಹಾಕಿ, ವಾಹನದಲ್ಲಿ
दारि बिडबेकु। बलक्कॆ तिरुगुवाग कै तोरिसबेकु। रात्रि वेळॆ दीप हाकि, वाहनदल्लि
ಹೋಗಬೇಕು. ಅಪಘಾತಗಳನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಬೇಕು. ನೆಮ್ಮದಿಯ ಜೀವನ ಮಾಡಬೇಕು.
होगबेकु। अपघातगळन्नु तप्पिसबेकु। नेम्मदिय जीवन माडबेकु।

नए शब्द

ಸಂಚಾರಿನಿಯಮ सँचारि नियम	यात्रा नियम	ಪಾಲಿಸಬೇಕು पालिसबेकु	पालन करना चहिए
ಚಲಿಸಬೇಕು चलिसबेकु	चलना चाहिए	ಕಾಲು ಹಾದಿ कालु हादि	पटरी
ಹೋಗುವಾಗ होगुवाग	चलते समय	ಅತ್ತ ಇತ್ತ अत्त इत्त	इधर उधर
ನೋಡಬಾರದು नोडबारदु	नहीं देखना चाहिए	ಮುಂದಿನ मुन्दिन	अगला
ಹೋಗಲು होगलु	जाने केलिए	ಬಿಡಬೇಕು बिडबेकु	छोडना चाहिए
ತಿರುಗುವಾಗ तिरुगुवाग	धूमते समय	ತೋರಿಸಬೇಕು तोरिसबेकु	दिखाना च

ಹಾಕಿ ढाल कर
हाकि

ನೆಮ್ಮದಿಯ शान्तिक
नॅम्मदिय

ತಪ್ಪಿಸಬೇಕು बचाना चाहिए
तप्पिसबेकु

ಜೀವನ ಮಾಡಬೇಕು जीवन चलाना चाहिए
जीवन माडबेकु

I. उत्तर दीजिए।

1. ಎಲ್ಲರೂ ಏನನ್ನು ಪಾಲಿಸಬೇಕು?
   ऍल्लरू एनन्नु पालिसबेकु?
2. ರಸ್ತೆಯ ಯಾವ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಚಲಿಸಬೇಕು?
   रस्तॅय याव पक्कदल्लि चलिसबेकु?
3. ಎಂತಹ ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ನಡೆಯಬೇಕು?
   ऍन्तह दारियल्लि नडॅयबेकु?
4. ವಾಹನದಲ್ಲಿ ಹೋಗುವಾಗ ಏನು ಮಾಡಬಾರದು?
   वाहनदल्लि होगुवाग एनु माडबारदु?
5. ಏನನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಬೇಕು?
   एनन्नु तप्पिसबेकु?

II. वार्तालाप के आधार पर निम्नलिखित कथनों में जो सत्य हो उन्हें चिह्नित कीजीए।

1. ಎಲ್ಲರೂ ಸಂಚಾರಿ ನಿಯಮಗಳನ್ನು ಪಾಲಿಸಬೇಕು.
   ऍल्लरू सन्चारि नियमगळन्नु पालिसबेकु।
2. ಕಾಲು ಹಾದಿಯಲ್ಲಿ ನಡೆಯಬಾರದು.
   कालु हादियल्लि नडॅयबारदु।
3. ಬಲಕ್ಕೆ ತಿರುಗುವಾಗ ಕೈ ತೋರಿಸಬೇಕು.
   बलक्कॅ तिरुगुवाग कै तोरिसबेकु।
4. ರಾತ್ರಿ ವೇಳೆ ದೀಪ ಬಳಸಬಾರದು.
   रात्रि वेळॅ दीप बळसबारदु।
5. ಅಪಘಾತಗಳನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಬೇಕು.
   अपघातगळन्नु तप्पिसबेकु।

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

1. जेब में पेन है।
2. ये हमेशा चाय पीते हैं।
3. कोश में पीडा है।
4. तुम अपने बेटे से कहो कि चाय न पिये।
5. दुकान में रहनेवाले लोगों को क्या करना चाहिए?

IV. निम्नांकित पदों का प्रयोग कर 5 वाक्य बनाइए।

ಕೇಳಿ,	ನೋವು,	ಮೇಲೆ,	ನಾಲ್ಕು	ಹೇಗೆ
केळि,	नोवु,	मेलॅ,	नाल्कु,	हेगॅ

टिप्पणियाँ

I. कन्नड में क्रिय के मूल रूप (धातु) में ಬೇಕು (बेकु) - `चाहिए' और ಬೇಡ (बेड)- `नहीं चाहिए' लगाकर बाध्यता सूचक और आज्ञार्थक वाक्य बनाये जाते हैं। इन का परिचय इस पाठ में दिया गया है। `ಬೇಕು (बेकु)-चाहिए' और `ಬೇಡ (बेड) - नहीं चाहिए' के रूप में कोई परिवर्तन नहीं होता।

उदाहरण: ಓದು + ಬೇಕು – ಓದಬೇಕು – पढ़ना चाहिए

ओदु + बेकु - ओदबेकु

ನಾನು ಕನ್ನಡ ಪುಸ್ತಕ ಓದಬೇಕು.

मुझे कन्नड पुस्तक पढनी चाहिए।

II. जब क्रिया में `ಬೇಕು (बेकु) चाहिए' और `ಬೇಡ (बेड) - नहीं चाहिए' लगाते हैं तो `ಉ (उ)' कारान्त क्रिया के `ಉ (उ)' का लोप हो जाता है। यह बोलचाल की भाषा में होता है।

उदाहरण: ಸೇದು + ಬೇಕು – ಸೇದ್ಬೇಕು – पीना चाहिए

सेदु + बेकु - सेद्बेकु

ನಾನು ಯಾವಾಗಲೂ ಬೀಡಿ ಸೇದ್ಬೇಕು. – मुझे हमेशा बीडि पीनी चाहिए।

नानु यावागलू बीडि सेद्बेकु।

III. लिखित रूप में इन `ಉ (उ)' कारान्त क्रियाओं के `ಉ (उ) के लोप के बाद `ಅ (अ)' लगाते हैं, उस के बाद `ಬೇಕು (बेकु) या `ಬೇಡ (बेड) होते हैं।

उदाहरण: ಸೇದು + ಬೇಕು – ಸೇದಬೇಕು – पीना चाहिए।

सेदु + बेकु - सेदबेकु।

ನಾನು ಯಾವಾಗಲೂ ಬೀಡಿ ಸೇದಬೇಕು. – मुझे बीडी पीनी चाहिए

नानु यावागलू बीडि सेदबेकु।

IV. ಇ (इ)/ಎ(ऍ) कारान्त क्रियाओं में जब ಅ (अ) जोडते हैं तो बीच में ಯ (य) का आगम हो जाता है।

उदाहरण: ಕಳೆ + ಅ + ಬೇಕು – ಕಳೆಯಬೇಕು – बिताना चाहिए

कळॅ + आ + बेकु - कळॅयबेकु।

ಎರಡು ದಿನ ಕಳೆಯಬೇಕು. – दो दिन बिताने चाहिए

ऍरडु दिन कळॅयबेकु।

V. निषेधात्मक आज्ञार्थक रूप क्रिया में `ಬೇಡ (बेड) - नहीं चाहिए' लगाकर बनाए जाते हैं। `ಬೇಡ (बेड)' का आदरसूचक `ಬೇಡಿ (बेडि) - नहीं चाहिए' है।

उदाहरण: ಸೇದು + ಬೇಡ – ಸೇದಬೇಡ – न पीना।

सेदु + बेड - सेदबेड

ನೀನು ಬೀಡಿ ಸೇದಬೇಡ. – तुम बीड़ी न पिओ।

नीनु बीडि सेदबेड।

ತಾವು ಬೀಡಿ ಸೇದಬೇಡಿ. आप बीड़ी न पीजिए।

तावु बीडि सेदबेडि।

VI. क्रिया में `ಬಾರದು (बारदु)', ಕೂಡದು (कूडदु) लगाकर क्रिया के वारणार्थक रूप (मना करने के रूप) बनाये जाते हैं।

उदाहरण: 1. ಸೇದು + ಬಾರದು – ಸೇದಬಾರದು – मत पीना।

सेदु + बारदु - सेदबारदु।

ನೀನು ಬೀಡಿ ಸೇದಬಾರದು – तुम बीड़ी मत पिओ।

नीनु बीडि सेदबारदु।

2. ಸೇದು + ಕೂಡದು – ಸೇದಕೂಡದು – मत पिओ।

सेदु + कूडदु - सेदकूडदु।

ನೀನು ಬೀಡಿ ಸೇದಕೂಡದು. – तुम बीड़ी मत पिओ।

नीनु बीडि सेदकूडदु।

ಕೂಡದು (कूडदु) जोडने से क्रियाओं में कारण के साथ साथ बल और आज्ञा का अर्थ होता है।

VII. ನೆ (नॅ), ಏ (ए) बलसूचक या निश्चयार्थक चिन्ह है। इस का प्रयोग और अर्थ हिन्दी `ही' की तरह होता है। इस को लगाने से नीचे लिखे रूप बनाये जाते हैं।

उदाहरण: 1. ಬೆಲೆ + ನೆ – ಬೆಲೇನೇ – दाम ही

बॅलॅ + नॅ - बॅलेने

ನನ್ನ ಮಾತಿಗೆ ಬೆಲೇನೇ ಇಲ್ಲ. – मेरी बात का दाम ही नहीं।

नन्न मातिगॅ बॅलेने इल्ल।

2. ನೀವು + ಏ – ನೀವೇ – तुम्हीं

नीवु + ए - नीवे।

ನೀವೇ ಉತ್ತರ ಹೇಳಿ. – तुम्हीं उत्तर दो।

नीवे उत्तर हेळि।

3. ಬೇಡ + ಏ + ಬೇಡವೇ – चाहिए ही नहीं।

बेड + ऐ + बेडवे

ಎಣ್ಣೆ ಪದಾರ್ಥಗಳು ಬೇಡವೇಬೇಡ. – तेल के सामान चाहिए ही नहीं।

ऍण्णॅ पदार्थगळु बेडवेबेड।

ಪಾಠ / पाठ 6

ಪಕ್ಷಿಧಾಮ ರಂಗನತಿಟ್ಟು / पक्षिधाम रंगनतिट्टु

ಉಪಾಧ್ಯಾಯ	: ಮಕ್ಕಳೇ, ಎಲ್ಲರೂ ಒಂದು ದಿನ ರಂಗನತಿಟ್ಟಿಗೆ ಪಿಕ್‌ನಿಕ್ ಹೋಗೋಣವಾ?	बच्चों, क्या हम सभी लोग एक दिन पिकनिक केलिए रंगनतिट्टु चलें?
ಮಕ್ಕಳು	: ಹೋಗೋಣ, ಹೋಗೋಣ ಸಾರ್.	चलें, जरूर चलें श्रीमान्‌जी
ಮೋಹನ್	: ಯಾವಾಗ ಹೋಗೋಣ ಸಾರ್?	श्रीमान्‌जी, कब चलें
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ	: ನಾಳಿದ್ದು ಭಾನುವಾರ ಹೋಗೋಣವಾ?	क्या परसों रविवार को चलें?
ರವಿ	: ನಾಳಿದ್ದು ನಮ್ಮ ಅಕ್ಕನ ಮದುವೆ ಇದೆ ಸಾರ್.	श्रीमान्‌जी, परसों तो हमारी बड़ बहन की शादी है।
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ	: ಹಾಗಾದರೆ ಇನ್ನೊಂದು ಭಾನು ವಾರ ಹೋಗೋಣ.	फिर, दूसरे रवीवार को चलें।
ಲತ	: ಇನ್ನೊಂದು ಭಾನುವಾರ ಎಷ್ಟನೇ ತಾರೀಖು ಸಾರ್?	दूसरे रविवार को कौनसी तारीख ह श्रीमान्‌जी?
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ	: ಇವತ್ತು ಮೂರನೇ ತಾರೀಖು ಅಲ್ವಾ? ಹಾಗಾದರೆ ಮುಂದಿನ ಭಾನುವಾರ ಎಷ್ಟನೇ ತಾರೀಖು ನೀನೇ ಹೇಳು.	आज तीसरी तारीख है न? फिर अगले रविवार को कौनसी तारीख होगी? तुम्हीं बताओ।
ಲತಾ	: ಇವತ್ತು ಶುಕ್ರವಾರ ಮೂರನೇ ತಾರೀಖು. ನಾಳೆ ಶನಿವಾರ ನಾಲ್ಕು, ನಾಳಿದ್ದು ಭಾನುವಾರ ಐದು,	आज शुक्रवार तीसरी तारीख है कल शनिवार को चौथी, परसों रवि वार को पाँचवीं, तरसों के दिन

	ಆಚೆನಾಳಿದ್ದು ಸೋಮವಾರ ಆರು, ಮಂಗಳವಾರ ಏಳು, ಬುಧವಾರ ಎಂಟು, ಗುರುವಾರ ಒಂಬತ್ತು, ಶುಕ್ರವಾರ ಹತ್ತು, ಶನಿವಾರ ಹನ್ನೊಂದು, ಭಾನುವಾರ ಹನ್ನೆರಡನೆಯ ತಾರೀಖು ಸಾರ್.	सोमवार को छठी, मंगलवार को सातवीं, बुधवार को आठवीं, गुरुवार को नौवीं, शुक्रवार को दसवीं, शनि वार को ग्यारहवीं और रवीवार को बारहवीं तारीख है श्रीमान्जी।
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ :	ಜಾಣೆ. ಮಕ್ಕಳೇ, ಹಾಗಾದ್ರೆ ಹನ್ನೆರಡನೆಯ ತಾರೀಖು ಹೋಗೋಣವಾ?	(तुम) बुद्धिमान हो। बच्चों, फिर क्या बारहवीं तारीख को चलें?
ಮಕ್ಕಳು :	ಆಗಲಿ ಸಾರ್.	ठीक है, श्रीमान्ज

ರಂಗನತಿಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ — **रंगनतिट्टु में**

ಲತ :	ಎಷ್ಟೊಂದು ಹಕ್ಕಿಗಳಿವೆ! ಹಕ್ಕಿಗಳ ಚಿಲಿಪಿಲಿ ಎಷ್ಟು ಚೆನ್ನಾಗಿದ ಅಲ್ವಾ?	कितने पक्षि हैं। पक्षियों का चह चहाना कितना अच्छा है न?
ಮೋಹನ್ :	ಅಲ್ಲೊಂದು ದೋಣಿ ಇದೆ	वहाँ एक नाव है!
ಕುಮಾರ್ :	ದೋಣಿ ಮೇಲೆ ಹೋಗೋಣವಾ ಸಾರ್?	श्रीमान्जी, क्या हम लोग नाव पर चलें?
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ :	ಹೋಗೋಣ ಬನ್ನಿ.	आओ चलें।
ಲತ :	ಇದು ನದಿ ಅಲ್ವಾ ಸಾರ್?	श्रीमान्जी यह नदी है
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ :	ಹೌದು. ಇದು ಕಾವೇರಿ ನದಿ. ಈ ರಂಗನತಿಟ್ಟು ಕಾವೇರಿ ನದಿಯ ಒಂದು ಚಿಕ್ಕ ದ್ವೀಪದ ಸಮೂಹ. ಕರ್ನಾಟಕದ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಪಕ್ಷಿಧಾಮ. ಈ ದ್ವೀಪದ ಸುತ್ತ ಗದ್ದೆ ಬಯಲು ಇದೆ.	हाँ! यह कावेरी नदी है। यह रंगन तिट्टु कावेरी नदी का एक छोटा द्वीप समूह है। कर्नाटक का प्रसिद्ध पक्षीधाम है। इस द्वीप के चारों ओर के खेत है।
ರವಿ :	ಬಹಳ ಮರಗಿಡಗಳು ಇವೆ. ಮರ ಗಿಡಗಳ ಮೇಲೆ ಹಕ್ಕಿಗಳು ಕುಳಿತಿವೆ.	(यहाँ) बहुत पेड-पौधे हैं। पेड-पैधों पर चिडियाँ बैठी हैं।

ಉಪಾಧ್ಯಾಯ	: ಬನ್ನಿ ಎಲ್ಲ ದೋಣಿ ಮೇಲೆ ಕುಳಿತು ಕೊಳ್ಳೋಣ.	आओ। सब लोग नाव पर बैठें।
ಸುಮ	: ನನಗೆ ಹೆದರಿಕೆ.	मुझे डर (लगता है)।
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ	: ಹೆದರಬಾರದು.	डरना नहीं।
ಮೋಹನ್	: ದೋಣಿ ವಿಹಾರ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ.	नौका विहार् अच्छा है।
ಲತ	: ಆ ಪಕ್ಷಿಗಳ ಹೆಸರೇನು ಸಾರ್?	श्रीमान्जी,उन पक्षियों के नाम क्या हैं?
ಅಂಬಿಗ	: ಬುಲ್‌ಬುಲ್ ಪಕ್ಷಿಗಳು. ರಂಗನತಿಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಗೊರವಂಕ, ಗಿಳಿ, ಕೊಕ್ಕರೆ, ಗೀಜಿಗ, ಮೀಂಚುಳ್ಳಿ, ಗರುಡ, ನೀರು ಕಾಗೆ, ನವಿಲು, ಬೆಳವ, ಗವುಜ ಹಕ್ಕಿ, ಗುಬ್ಬಚ್ಚಿ, ಮರಕುಟಿಗ, ಹೀಗೆ ಅನೇಕ ಬಗೆಯ ಪಕ್ಷಿಗಳು ಇವೆ.	बुलबुल हैं। रंगनातिट्टु में मैनापक्षी, तोता, सारस, गीजुग, मछरंग, गरुड, जल कौआ, मोर, जंगली, खंजन, गौखा, कठपोडवा, इस प्रकार के कई पक्षि हैं।
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ	: ಇಲ್ಲಿ ವಲಸೆ ಪಕ್ಷಿಗಳು ಇವೆಯಾ?	क्या यहाँ प्रवासी पक्षी हैं?
ಅಂಬಿಗ	: ಬೇಕಾದಷ್ಟಿವೆ ಸಾರ್. ಟೇಲ್ಸ ಬಾತು, ಫ್ಲೆಮಿಂಗೋ, ಪ್ಲವರ ಪೆಕೆರ್, ಕ್ರಾಸ್ ಬಿಲ್ಲ್ ಇವೆಲ್ಲ ವಲಸೆ ಪಕ್ಷಿಗಳು. ಜುಲೈ, ಅಕ್ಟೋಬರ್ ತಿಂಗಳಲ್ಲಿ ಇಲ್ಲಿ ಹೆಚ್ಚು ಪಕ್ಷಿಗಳನ್ನು ನೋಡಬಹುದು.	बहुत से हैं सर। टेल्स बातु, प्लेमिंगो प्लवर पेकेर, क्रास्बिल् ये सभी प्रवासी पक्षी हैं। जुलाई अक्टुबर महीने मे यहाँ बहुत से पक्षी देख सकते हैं।
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ	: ಸೂರ್ಯ ಮುಳುಗಿದಾನೆ. ವಾಪಸ್ ಹೋಗೋಣ್ವಾ?	सूरज डूब गया है। क्या अब वापस चलें?
ಅಂಬಿಗ	: ಬನ್ನಿ, ಹೋಗೋಣ.	आइए, चलें।
ರವಿ	: ಈ ರಾತ್ರಿ ಇಲ್ಲೇ ಇರೋಣ್ವಾ ಸಾರ್?	श्रीमान्जी, क्या आज रात हम यहीं ठहरें?
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ	: ಅದು ಹೇಗೆ ಸಾಧ್ಯ? ಮನೆಗೆ ಹೋಗ್ಬೇಡ್ವಾ? ಇವತ್ತು ಹೋಗೋಣ. ಇನ್ನೊಂದು ದಿನ ಬರೋಣ. ಈಗ ಮನೆಗೆ ಹೋಗೋಣ ಬನ್ನಿ.	यह कैसे सम्भव है? क्या घर नहीं जाना है? आज चलें। फिर एक दिन आयेंगे। अब घर चलें, आओ।

शब्दार्थ

ಪ್ರವಾಸ	प्रवास
ಚಿಕ್ಕ	छोटा
ದ್ವೀಪ	द्वीप
ಸಮೂಹ	समूह
ಪ್ರಸಿದ್ಧ	प्रसिद्ध
ಪಕ್ಷಿಧಾಮ	चिडियाधर, पक्षिधर
ಸುತ್ತ	चारों ओर
ಗದ್ದೆಬಯಲು	धाना का खेत
ಕುಳಿತಿವೆ	बैठी हैं
ನನಗೆ	मुझे
ಹೆದರಿಕೆ	डर
ಹೆದರಬಾರದು	डरना नहीं
ಅಂಬಿಗ	नाविक
ಬುಲ್‌ಬುಲ್	बुलबुल
ಗೊರವಂಕ	एक पक्षि का नाम
ಚಮಚಮುಖಿ	चमचमुखि
ಕಾಜಾಣ	एक पक्षि का नाम
ಗೀಜಗ	एक पक्षि का नाम
ಸೂರಕ್ಕಿ	एक पक्षि का नाम
ಚಂಬುಕುಟ್ಟಿಗ	एक पक्षी
ಮೀಂಚುಳ್ಳಿ	एक पक्षि का नाम
ಗರುಡ	गरुड
ಕಳ್ಳಿಪೀರ	एक पक्षि का नाम
ನೀರುಕಾಗೆ	जल कौआ
ನದಿ	नदी
ಬೆಳವ –	एक पक्षि का नाम
ಕಾಜುಗ	एक पक्षि
ಯಾವಾಗ	कब
ಭಾನುವಾರ	रविवार
ಮದುವೆ	शादी
ಹಾಗಾದರೆ	फिर तो
ಇನ್ನೊಂದು	और एक
ಎಷ್ಟನೇ	कौन
ತಾರೀಖು	तारीख
ಅಲ್ವಾ	हैना
ಮುಂದಿನ	अगला
ನೀನೆ	तुम्हीं
ಹೇಳು	बताओ
ಇವತ್ತು	आज
ನಾಳೆ ಕಲ	(भविष्य)
ಆಚೆನಾಳಿದ್ದು	परसों
ಹನ್ನೆರಡು	बारह
ಮುಂದಿನ	अगला
ಜಾಣೆ	बुद्धिमान स्त्री
ಹಾಗಾದ್ರೆ	फिर
ಎಷ್ಟೊಂದು	कितने
ಹಕ್ಕಿಗಳಿವೆ	पक्षियाँ हैं
ಚಿಲಿಪಿಲಿ	चहचहाना
ಅಲ್ಲೊಂದು	वहाँ एक
ದೋಣಿ	नाव
ಮೇಲೆ	उपर
ನವಿಲು	मोर
ದೇವನಹಕ್ಕಿ	एक पक्षि का नाम
ಜಂಗಲ್‌ಬಾಬ್ಲರ್	जगंल बाब्लर

ರಾಬಿತ್	एक पक्षी	ಫ್ಲೇ ಕ್ಯಾಚರ್	एक पक्षी
ಫ್ಲವರ್ ಪೆಕೆರ್	फलवर पेकेर	ಕಪ್ಪು	काला
ಬಿಳೀದು	सफेद	ಏಬಿಸ್	एक पक्षी
ಕ್ಲಾಸ್‌ಬಿಲ್ಲ್	क्लास्‌बिल्ल्	ಹೀಗೆ	इस तरह
ಅನೇಕ ಬಗೆಯ	बहुत प्रकारके	ಇಲ್ಲಿ	यहाँ
ವಲಸೇ	प्रवासो	ಬೇಕಾದಷ್ಟಿವೆ	बहुत से
ಟೇಲ್ಲಬಾ	एक पक्षि	ಫ್ಲೆಮಿಂಗೋ	फलेमिंगो
ಹೆಚ್ಚು	अधिक	ನೋಡಬಹುದು	देख सकते
ಸೂರ್ಯ	सूर्य	ಮುಳುಗಿದಾನೆ	डूब गया हैं।
ವಾಪಸ್	वापस	ಈ ರಾತ್ರಿ	आजरात
ಇಲ್ಲೇ	यहाँ	ಇರೋಣ್ವಾ	क्या रुकेंगे
ಹೇಗೆ	कैसे	ಸಾಧ್ಯ	सम्भव
ಹೋಗಬೇಡ್ವಾ	जाना नहीं?		

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कर निम्नलिखित प्रश्न वाक्यों को उत्तर दीजिए।

उदाहरण: ಇವತ್ತು ಮೂರನೇ ತಾರೀಖು ಅಲ್ವಾ?

ಹೌದು. ಇವತ್ತು ಮೂರನೇ ತಾರೀಖು.

1. ಇದು ರಂಗನತಿಟ್ಟು ಅಲ್ವಾ?
2. ನಾಳೆ ಭಾನುವಾರ ಅಲ್ವಾ?
3. ಬಹಳ ಮರಗಿಡಗಳು ಇವೆ ಅಲ್ವಾ?
4. ಇದು ಕಾವೇರಿ ನದಿ ಅಲ್ವಾ?
5. ಇದು ದ್ವೀಪ ಸಮೂಹ ಅಲ್ವಾ?

II. कोष्टक में दिये हुए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(ಇವೆ,	ಅಲ್ವಾ,	ಪಕ್ಷಿಧಾಮ,	ಹನ್ನೆರಡನೆಯ,	ಹೋಗೋಣ
इवे,	अल्वा,	पक्षिधाम,	हन्नेरडनेय,	होगोण)

1. ಇದು ನದಿ .... ಸಾರ್?
2. ಬಹಳ ಮರಗಿಡಗಳು ....
3. ಇನ್ನೊಂದು ಭಾನುವಾರ ....
4. ಮುಂದಿನ ಭಾನುವಾರ .... ತಾರೀಖು.
5. ಇದು ಕರ್ನಾಟಕದ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ....

III. वार्तालाप के संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ಉಪಾಧ್ಯಾಯರು ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಎಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗೋಣ ಎಂದು ಕೇಳಿದರು?
2. ಯಾರ ಅಕ್ಕನ ಮದುವೆ ಇದೆ?
3. ಇನ್ನೊಂದು ಭಾನುವಾರ ಎಷ್ಟನೆ ತಾರೀಖು?
4. ಮರಗಿಡಗಳ ಮೇಲೆ ಏನು ಕುಳಿತಿವೆ?
5. ವಲಸೆ ಪಕ್ಷಿಗಳು ಯಾವುವು?

IV. दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके पाँच-पाँच वाक्य बनाइए।

ನಾವು	ಮನೆಗೆ	ಹೋಗೋಣ
ನೀವು	ಶಾಲೆಗೆ	ಹೋಗಬೇಕು
ಅವರು	ಪಕ್ಷಿಧಾಮಕ್ಕೆ	ಹೋಗಬಾರದು
		ಹೋಗಕೂಡದು

V. शब्दों को उचित क्रम में प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. ಇದೆ ದೋಣಿ ಅಲ್ಲೊಂದು.
2. ನದಿ ಇದು ಕಾವೇರಿ.
3. ಮರಗಿಡಗಳು ಇವೆ ಬಹಳ.
4. ಇರೋಣ ಇಲ್ಲೇ ರಾತ್ರಿ.
5. ಬರೋಣ ದಿನ ಇನ್ನೊಂದು.

पढ़िए और समाझिए।

ಚಟಗಳು
आदतें

ಮನುಷ್ಯರಿಗೆ ಅನೇಕ ಚಟಗಳು ಇವೆ. ಚಟಗಳು ಇಲ್ಲದ ಮನುಷ್ಯರು ಇಲ್ಲ. ರಾಜನಿಂದ ಹಿಡಿದು ಪ್ರಜೆಗಳವರೆಗೆ ಒಬ್ಬೊಬ್ಬರಿಗೆ ಒಂದೊಂದು ಚಟಗಳು ಇರುತ್ತವೆ. ಚಟಗಳಲ್ಲಿ 2 ವಿಧ. ಕೆಲವು ಕೆಟ್ಟ ಚಟಗಳು. ಕೆಲವು ಒಳ್ಳೆಯ ಚಟಗಳು. ಕೆಲವು ಚಟಗಳಿಂದ ಹಾನಿ ಆಗುತ್ತದೆ. ಕೆಲವು ಚಟಗಳಿಂದ ಅಷ್ಟೊಂದು ಹಾನಿ ಇಲ್ಲ. ಹಾನಿ ಎಂದರೆ ಪ್ರಾಣಹಾನಿ ಆಗಬಹುದು, ಆರೋಗ್ಯಹಾನಿ ಆಗಬಹುದು, ಧನಹಾನಿ ಆಗಬಹುದು. ಆದರೆ ನಮ್ಮ ಚಟಗಳಿಂದ ಬೇರೆಯವರಿಗೆ ತೊಂದರೆಯಾಗಬಾರದು. ಅಂತಹ ಚಟಗಳನ್ನು ಖಂಡಿತ ಬಿಡಬೇಕು. ಮನಸ್ಸು ಮಾಡಿದರೆ ಯಾವ ಚಟದಿಂದ ಆದರೂ ದೂರ ಬರಬಹುದು.

नए शब्द

ಚಟ–आदत, ಇಲ್ಲದ– न होनेवाला, ಹಿಡಿದು–लेकर ವಿಧ– रीति

I. उत्तर दीजिए।

1. ಮನುಷ್ಯರಿಗೆ ಎಷ್ಟು ಚಟಗಳಿವೆ?
2. ಚಟಗಳಿಲ್ಲದ ಮನುಷ್ಯರು ಇದ್ದಾರೆಯೆ?
3. ನಮ್ಮ ಚಟಗಳಿಂದ ಬೇರೆಯವರಿಗೆ ಏನಾಗಬಾರದು?
4. ಚಟಗಳಲ್ಲಿ ಎಷ್ಟು ವಿಧ?
5. ಚಟಗಳಿಂದ ಏನು ಆಗುತ್ತದೆ?

II. वार्तालाप के आधार पर निम्नलिखित कथनों में सही वाक्य चिन्हित कीजिए।

1. ಮನುಷ್ಯರಿಗೆ ಒಂದೇ ಚಟವಿರುತ್ತದೆ.
2. ಚಟಗಳಲ್ಲಿ ನಾಲ್ಕು ವಿಧ.
3. ನಮ್ಮ ಚಟಗಳಿಂದ ಬೇರೆಯವರಿಗೆ ತೊಂದರೆ ಯಾಗಬಾರದು.
4. ಚಟಗಳಿಂದ ಉಪಯೋಗವಿದೆ.
5. ಕೆಟ್ಟ ಚಟಗಳನ್ನು ಬಿಡಬೇಕು.

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

1. दूसरे रविवार को चलें।
2. आज तीसरी तारीख है न?
3. आज शुक्रवार तीसरी तारीख है।
4. आओ चलें
5. कितने पक्षी हैं।

IV. निम्न शब्दों का प्रयोग कर दस वाक्य बनाइए।

ಹಾಗಾದರೆ,	ಇವತ್ತು,	ನಾಳೆ,	ಮೇಲೆ,	ಚಿಕ್ಕ,
ನನಗೆ,	ಹೆದರಿಕೆ,	ಸುತ್ತ,	ನೀನೇ	ಹೇಳು

ಪಾಠ 7
पाठ 7

## ಮಾರ್ಕೆಟ್ಟಿಗೆ ಹೋಗ್ತೀನಿ	## बाज़ार जाता हूँ
ಗೀತ : ಎಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗ್ತೀರಿ ಶಾರದಾ?	शारदा, कहाँ जा रही हो?
ಶಾರದ : ಮಾರ್ಕೆಟ್ಟಿಗೆ ಹೋಗ್ತೀನಿ, ಗೀತಾ; ನೀವೂ ಬರ್ತೀರಾ?	बाजार जा रही हूँ, गीता क्या तुम भी आ रही हो?
ಗೀತ : ಹೌದು. ನಾನೂ ಬರ್ತೀನಿ. ಪಕ್ಕದ ಮನೆ ರೇಖಾನೂ ಬರ್ತಾಳೆ. ಸ್ವಲ್ಪ ಕಾಫಿ ಕುಡೀತೀರಾ?	हाँ! मैं भी आ रही हूँ ! पडोस की रेखा भी आ रही है। क्या थोडा काफी पिओगी?
ಶಾರದ : ಪರವಾಗಿಲ್ಲ. ಬನ್ನಿ ಹೋಗೋಣ. ನಮ್ಮ ಮನೆಯವರು ಆಫೀಸಿಂದ ಬರ್ತಾರೆ. ಅಷ್ಟು ಹೊತ್ತಿಗೆ ವಾಪಸ್ಸು ಬರಬೇಕು.	कोई बात नही। चलों चलें। हमारे पति आफिससे आंयेगे। उस समय तक वापस आ जाना चाहिए।
ಗೀತ : ರೇಖಾ ....ರೇಖಾ............. ಮಾರ್ಕೆಟ್ಟಿಗೆ ಬರ್ತೀಯಾ?	रेखा............रेखा..........क्या (तुम) बाजार आ रही हो?
ರೇಖ : ನಾನು ಬರಲ್ಲ ಗೀತಾ.	गीता मैं नहीं आऊँगी।
ಗೀತ : ಯಾಕೆ?	क्यों?
ರೇಖ : ನನ್ನ ಮಗ ಕಾಲೇಜಿನಿಂದ ಬರ್ತಾನೆ. ನನ್ನ ಮಗಳು ಕೆಲಸದಿಂದ ಬರ್ತಾಳೆ. ಅವರಿಗೆ ದೋಸೆ ಮಾಡಬೇಕು. ಆದ್ದರಿಂದ ನಾನು ಬರಲ್ಲ.	मेरा बेटा कालेजसे आयोगा। मेरी बेटी काम से आयेगी। उन के लिए दोसा पखाना है। इसलिए मैं नहीं चल सकती।
ಗೀತ : ಪರವಾಗಿಲ್ಲ ಬಿಡು. ನಾವು ಬರ್ತೀವಿ. ಬನ್ನಿ ಶಾರದಾ, ನಾವು ಹೋಗೋಣ.	कोई बात नहीं। हम जा रहीं हैं। आओ शारदा, हम चलें।
ಶಾರದ : ನಿಮ್ಮ ನಾಯಿ ಹಿಂದೇನೇ ಬರುತ್ತೆ.	तुम्हारा कुत्ता पीछे ही आ रहा है।

ಗೀತ : ಹೌದು. ಅದು ಯಾವಾಗಲೂ ನನ್ನ ಹಿಂದೇನೇ ಬರುತ್ತೆ. ಬೊಗಳೊಲ್ಲ. ತೊಂದರೆ ಕೊಡಲ್ಲ. ಬರಲಿ ಬಿಡಿ.	हाँ। वह हमेशा मेरे पीछे ही आता है। भूँकता नहीं। परेशान नहीं करता। आने दो।
ಶಾರದ : ನಮ್ಮ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಎರಡು ನಾಯಿಗಳು ಇವೆ. ಅವು ಯಾವಾಗ್ಲೂ ಮನೆಯಲ್ಲೇ ಇರುತ್ವೆ.	हमारे धर मे दो कुत्ते हैं। वे हमेशा धर पर ही रहते हैं।
ಗೀತ : ಇದೇನು ಹೊಸ ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ಹೋಗ್ತೀರಿ?	यह क्या? नये रास्ते से जा रही हो?
ಶಾರದ : ಮಾರ್ಕೆಟ್ಟಿಗೆ ಈ ದಾರಿ ಹತ್ತಿರ. ಆ ದೇವಸ್ಥಾನದ ದಾರಿ ಬಹಳ ದೂರ. ಈವಾಗ ನಾವು ಮಾರ್ಕೆಟ್ಟಿನ ಹಿಂದೇನೆ ಇದೀವಿ ಅಲ್ವಾ?	बाजार केलिए यह रास्ता नजदीक है। उस मंदिर का रास्ता बहुत दूर है। अब हम बाजार के पिछे हैं न?
ಗೀತ : ನಿಮ್ಮ ಮಾತು ನಿಜ. ಬನ್ನಿ ನಂಜಪ್ಪನ ಅಂಗಡಿಗೆ ಹೋಗೋಣ.	तुम्हारी बात सही है। आओ, नंजप्पा की दुकान चलें।
ಶಾರದ : ಈ ದಾರಿ ಹತ್ತಿರ.	यह सड़क नज़दीक है।
ನಂಜಪ್ಪ : ಬನ್ನಿ ತಾಯಿ, ಬನ್ನಿ ಬನ್ನಿ. ಬದನೇಕಾಯಿ, ಬೀನಿಸ್, ಕ್ಯಾರೆಟ್, ಬೀಟ್‌ರೂಟ್, ಪಡವಲ ಕಾಯಿ, ಕುಂಬಳಕಾಯಿ, ಮೂಲಂಗಿ, ಏನು ಬೇಕು ಹೇಳಿ ತಾಯಿ.	आइए, माँ जी, आइए आइए। बैंगनं, सेम, गाजर, बीटरूट, चुकंदर,कट्दू मूली, क्या चाहिए माताजी?
ಗೀತ : ಯಾವ ತರಕಾರಿ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆಯಪ್ಪಾ?	भाई, कौनसी सब्जी अच्छी है?
ನಂಜಪ್ಪ : ಎಲ್ಲಾ ತಾಜಾ ಇದೆ ತಾಯಿ – ಯಾವುದು ಬೇಕು ಹೇಳಿ.	सब ताजी हैं, माँजी। बताइए कौन सी चाहीए।
ಶಾರದ : ಈ ಹೀರೆಕಾಯಿಗೆ ಬೆಲೆ ಎಷ್ಟಪ್ಪ?	इस तरोई का दाम क्या है भाई?
ನಂಜಪ್ಪ : ಒಂದಕ್ಕೆ ಒಂದು ರೂಪಾಯಿ ತಾಯಿ.	एक का दाम एक रुपया है माँजी।
ಗೀತ : ಬೆಲೆ ತುಂಬಾ ಜಾಸ್ತಿ.	दाम बहुत ज्यादा है।
ನಂಜಪ್ಪ : ಚೌಕಾಸಿ ಇಲ್ಲ ತಾಯಿ. ದೊಡ್ಡದಕ್ಕೆ ಒಂದು ರೂಪಾಯಿ, ಸಣ್ಣದಕ್ಕೆ ಎಪ್ಪತ್ತೈದು ಪೈಸೆ.	मोलभाव नही माँजी। बडे केलिए एक रुपया हैं। छोटेके लिए पचहत्तर पैसे।
ಗೀತ : ಆ ಕ್ಯಾರೆಟ್ ಒಂದು ಕೆ.ಜಿ.ಗೆ ಎಷ್ಟು?	वह केरेट (गाजर) कितने रुपए किलो है?

ನಂಜಪ್ಪ : ಐದು ರೂಪಾಯಿ ತಾಯಿ.	पाँच रुपये माँ जी।
ಗೀತ : ಇದೂ ತೀರ ಹೆಚ್ಚು.	यह भी तो अधिक है।
ನಂಜಪ್ಪ : ಬೇಕಾದ್ರೆ ಪಕ್ಕದ ಅಂಗಡಿಯಲ್ಲಿ ಕೇಳಿ ತಾಯಿ. ಅಲ್ಲಿ ಒಂದು ಕೆ.ಜಿ ಕ್ಯಾರೆಟ್‌ಗೆ ಐದೂವರೆ ರೂಪಾಯಿ. ನಾನು ಐವತ್ತು ಪೈಸೆ ಕಡಿಮೆಗೆ ಮಾರ್ತೀನಿ.	याहें तो पास की दुकान में पूछ लें माँजी वहाँ एक किलो गाजर का दाम साढे पाँच रुपये हैं। मैं पच्चास पैसे कम में बेचता हूँ।
ಶಾರದ : ಹೌದು ಗೀತ, ಈ ಅಂಗಡಿಯಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲಾ ತರಕಾರಿ ಬೆಲೇನೂ ಇಪ್ಪತ್ತೈದು, ಐವತ್ತು ಪೈಸೆ ಕಡಿಮೆ ಇರುತ್ತೆ.	हाँ गीता, इस दुकान में सभी सब्जि-यों का दाम भी पच्चीस, पचास पैसे कम रहता है।
ಗೀತ : ಸರಿ, ನನಗೆ ಅಲ್ಲಿ ಮೇಲೆ ಇರೋದು ಒಂದು ಸೋರೆಕಾಯಿ, ಒಂದು ಕೆ.ಜಿ.ಟಮೋಟೋ, ಒಂದು ಸಣ್ಣ ಕುಂಬಳಕಾಯಿ, ಒಂದು ಕೆ.ಜಿ. ಕ್ಯಾರೆಟ್ ಕೊಡಪ್ಪ. ಎಲ್ಲಾ ಚೆನ್ನಾಗಿರಬೇಕು.	ठीक है, मुझे वहाँ ऊपर रखी हुई एक लौकी, एक किलों टमाटर एक धगोटा कद्दू,और एक किलो गाजर दो भाई। सभी अच्छे हों।
ನಂಜಪ್ಪ : ಆಗಲಿ ತಾಯಿ. ನಿಮಗೆ ಏನು ಬೇಕು ತಾಯಿ?	अच्छा माँजी, आपको क्या चाहिए माँजी?
ಶಾರದ : ನನಗೆ ಅರ್ಧ ಕೆ.ಜಿ. ಬೆಂಡೇಕಾಯಿ, ಒಂದು ಕೆ.ಜಿ. ಕೋಸು ಬೇಕು. ಕಾಲು ಕೆ.ಜಿ. ನೆಲ್ಲಿಕಾಯಿ, ಮುಕ್ಕಾಲು ಕೆ.ಜಿ. ಮೆಣಸಿನಕಾಯಿ ಬೇಕು. ಈ ಮೆಂತ್ಯೆದ ಸೊಪ್ಪು ಹೇಗೆ?	मुझे आधा किलो भींडी, एक किलो फूल गोभी चाहिए । पाव किलो आँवला और पौन किलो मिर्ची। यह मेंथी कैसे?
ನಂಜಪ್ಪ : ಒಂದು ರೂಪಾಯಿಗೆ ನಾಲ್ಕು ಕಂತೆ.	एक रुपये की चार गठरी।
ಶಾರದ : ಎರಡು ರೂಪಾಯಿಗೆ ಸೊಪ್ಪು ಕೊಡು.	दो रुपये का साग दो।
ನಂಜಪ್ಪ : ಇನ್ನೇನು ಬೇಕು ತಾಯಿ?	और क्या चाहिए माँजी?
ಗೀತ : ಇನ್ನೇನು ಬೇಡ. ಹಣ ತಗೋ.	और कुछ नहीं चाहिए। पैसा लो।
ಶಾರದ : ನನ್ನದೂ ಹಣ ತಗೋ.	मेरा भी पैसा लो।

शब्दार्थ

ಹೋಗ್ತೀರಿ	जा रहा रही हो	ಮಾರ್ಕೆಟ್ಟಿಗೆ	बाजार (को)
ಬರ್ತೀರಾ	आते/ती (प्रश्नार्थक)	ಹೋಗ್ತೀನಿ	जाता/ती हूँ
ಪಕ್ಕದ ಮನೆ	पडोस, पास का धर	ಬರ್ತಾಳೆ	आती है
ಸ್ವಲ್ಪ	थोड़ा	ಕುಡಿತೀರಾ	पीओगी (प्रश्नार्थक)
ಪರವಾಗಿಲ್ಲ	कोई बात नहीं	ಮನೆಯವರು	पति
ಅಷ್ಟು ಹೊತ್ತಿಗೆ	उस समय	ವಾಪಸ್ಸು	वापस
ಬರಬೇಕು	आना चाहीए	ಬರಲ್ಲ	नहीं आती/ता
ಯಾಕೆ	क्यों	ಕಾಲೇಜಿನಿಂದ	कालेज से
ಕೆಲಸ	नौकरी	ಮಾಡಬೇಕು	बनाना चाहिए
ಹಿಂದೇನೇ	पीछे ही	ಬರುತ್ತೆ	आता है
ಬೊಗಳೊಲ್ಲ	नहीं भूँकता	ತೊಂದರೆ	परेशान
ಬರಲಿ	आने दो	ಯಾವಾಗ್ಲೂ	हमेशा
ಹೊಸ ದಾರಿಯಲ್ಲಿ	नये रास्ते से (पर)	ಈವಾಗ	अब
ಬದನೆಕಾಯಿ	बैंगन	ಬೆಂಡೆಕಾಯಿ	भिंडी
ಬೀನ್ಸ್	सेग	ಕ್ಯಾರೆಟ್	गाजर
ಬೀಟ್‌ರೂಟ್	बीटरूट	ಕುಂಬಳಕಾಯಿ	कद्दू
ಮೂಲಂಗಿ	मूली	ಹೀರೆಕಾಯಿ	तरोई
ಬೆಲೆ	दाम	ತುಂಬ ಜಾಸ್ತಿ	आधिक ज्यादा
ಚೌಕಾಸಿ	मोलभाव	ಸಣ್ಣದಕ್ಕೆ	छोटे केलिए
ಎಪ್ಪತ್ತೈದು	पचहत्तर	ತೀರ ಹೆಚ್ಚು	अधिक
ಬೇಕಾದ್ರೆ	चाहे तो	ಕೇಳಿ	पूछ ले
ಐದೂವರೆ	साढे पाँच	ಕಡಿಮೆಗೆ	कम में
ಮಾರ್ತೀನಿ	बेचता हूँ	ಮೇಲೆ ಇರೋದು	ऊपर रखा हुआ
ಸೋರೆಕಾಯಿ	लौकी		

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार निम्न लिखित वाक्यों का पुनार्नीर्माण कीजिए।

उदाहरण: ರೇಖ ಮಾರ್ಕೆಟ್ಟಿಗೆ ಬರಲ್ಲ.

ರೇಖ ಬರಲ್ಲ. ನಾನು ಮಾರ್ಕೆಟ್ಟಿಗೆ ಬರ್ತೀನಿ.

1. ರಾಮು ಆಫೀಸಿಗೆ ಬರಲ್ಲ.
2. ಲತಾ ಸಿನಿಮಾಕ್ಕೆ ಬರಲ್ಲ.
3. ರಾಜು ಊರಿಗೆ ಬರಲ್ಲ.
4. ಸುಮ ಪಿಕ್‌ನಿಕ್‌ಗೆ ಬರಲ್ಲ.
5. ಶರ್ಮಾ ಲಕ್ನೋಗೆ ಬರಲ್ಲ.

II. उदाहरण के अनुसार जोडी के दूसरे वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण: ನನ್ನ ಮಗ ಕಾಲೇಜಿನಿಂದ ಬರ್ತಾನೆ.

ನನ್ನ ಮಗಳು ಕಾಲೇಜಿಗೆ ಹೋಗ್ತಾಳೆ.

1. ನಮ್ಮ ತಂದೆ ಆಫೀಸಿನಿಂದ ಬರ್ತಾರೆ.
   ನಮ್ಮ ತಾಯಿ ....
2. ನಮ್ಮ ತಾಯಿ ಶಾಲೆಯಿಂದ ಬರ್ತಾರೆ
   ನಮ್ಮ ತಂದೆ ....
3. ಪ್ರಧಾನ ಮಂತ್ರಿ ದೆಹಲಿಯಿಂದ ಬರ್ತಾರೆ.
   ಮುಖ್ಯ ಮಂತ್ರಿ...................................
4. ನನ್ನ ತಂದೆ ಪಾರ್ಕಿನಿಂದ ಬರ್ತಾರೆ.
   ನನ್ನ ತಂಗಿ ....
5. ಉಪಾಧ್ಯಾಯರು ಗ್ರಂಥಾಲಯದಿಂದ ಬರ್ತಾರೆ.
   ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ....
6. ನಮ್ಮ ಮಾವ ಮನೆಯಿಂದ ಬರುತ್ತಾರೆ.
   ನಮ್ಮ ಅತ್ತೆ ಮನೆಯಿಂದ ಬರುತ್ತಾರೆ.

III. कोष्टक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।

(ಕೇಳಿ, ಅಂಗಡಿಗೆ, ಬೆಲೆ, ರೂಪಾಯಿಗೆ, ತರಕಾರಿ)

1. ಯಾವ ....ಚೆನ್ನಾಗಿದೆಯಪ್ಪಾ?
2. ಈ ಹೀರೆಕಾಯಿಗೆ ....ಎಷ್ಟಪ್ಪ?
3. ನಂಜಪ್ಪನ ....ಹೋಗೋಣ.
4. ಪಕ್ಕದ ಅಂಗಡಿಯಲ್ಲಿ..........ತಾಯಿ.
5. ಒಂದು ....ನಾಲ್ಕು ಕಂತೆ.

IV. शब्दों को उचित क्रम में प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. ಕೊಡು ರೂಪಾಯಿಗೆ ಸೊಪ್ಪು ಎರಡು
2. ಇದೆ ತಾಜಾ ಎಲ್ಲ ತಾಯಿ
3. ಬರ್ತಾರೆ ಮನೆಯವರು ಆಫೀಸಿನಿಂದ
4. ತಾಯಿ ಬೇಕು ಇನ್ನೇನು
5. ಹೋಗೋಣ ಅಂಗಡಿಗೆ ನಂಜಪ್ಪ

V. नीचे दिये शब्द-युग्मों का अभ्यास कीजिए।

ಹೋಗು – ಬಾ   ಹೋಗಲ್ಲ – ಬರಲ್ಲ   ಚಿಕ್ಕ – ದೊಡ್ಡ
ಸ್ವಲ್ಪ – ತುಂಬ   ಹೋಗ್ತೀನಿ – ಬರ್ತೀನಿ.

पढिए और समझिए।

ಸುಖೀ ಸಂಸಾರ
सुखी संसार

ನನ್ನ ಹೆಸರು ಶಾರದ. ನಾನು ಸಂತೆಗೆ ಹೋಗ್ತೀನಿ. ಸಿಹಿ ತಿಂಡಿ ತರ್ತೀನಿ. ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಕೊಡ್ತೀನಿ. ರಾಜೀವ ನನ್ನ ಹಿರಿಯ ಮಗ. ಕುಮಾರ ನನ್ನ ಕಿರಿಯ ಮಗ. ರೇಖ ನನ್ನ ಅಕ್ಕನ ಹಿರಿಯ ಮಗಳು. ಸುಮ ನನ್ನ ತಂಗಿಯ ಮಗಳು. ರಾಜೀವ ತುಂಬ ಜಾಣ. ಆಟದಲ್ಲಿ, ಪಾಠದಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲೆಲ್ಲೂ ಮುಂದು. ಅವನೇ ಗೆಲ್ತಾನೆ. ಕುಮಾರ ಚಿಕ್ಕವನು. ಜೊತೆಗೆ ತುಂಟ. ನನಗೆ ಮಾರ್ಕೆಟ್ಟಿಂದ ತರಕಾರಿ ತರ್ತಾನೆ. ಅಂಗಡಿಯಿಂದ ಸಾಮಾನು ತರ್ತಾನೆ. ಎಲ್ಲ ಸಹಾಯ ಮಾಡ್ತಾನೆ. ಹೆಣ್ಣು ಮಕ್ಕಳು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಓದ್ತಾರೆ. ಹೊರಗೆ ಹೋಗಿ ಮಹಿಳಾ ಸಮಾಜದಲ್ಲಿ ಹೊಲಿಗೆ ಕಲೀತಾರೆ. ಕಾಲೇಜಿಗೆ ಹೋಗ್ತಾರೆ. ನಮ್ಮದು ಸುಖೀ ಸಂಸಾರ.

नए शब्द

ಸಂತೆಗೆ	बाजार	ಸಿಹಿ ತಿಂಡಿ	मिठाई
ಹಿರಿಯ ಮಗ	बडा बेटा	ಕಿರಿಯ ಮಗ	छोटा बेटा
ಹಿರಿಯ ಮಗಳು	बडी बेटी	ಕಿರಿಯ ಮಗಳು	छोटी बेटी
ತುಂಬ	बहुत	ಜಾಣ	अकलमन्द,
ಎಲ್ಲೆಲ್ಲೂ	हर कहीं,	ಮುಂದು	आगे
ಗೆಲ್ತಾನೆ	जीतता है	ಜೊತೆಗೆ	साथ
ತುಂಟ	नटखट	ಸಹಾಯ	सहायता
ಹೆಣ್ಣು ಮಕ್ಕಳು	स्त्रीयाँ/बेटीयाँ	ಹೊರಗೆ	बाहर
ಹೊಲಿಗೆ	सिलाई	ಕಲೀತಾರೆ	सीखती हैं
ನಮ್ಮದು	हमारा		

I. उत्तर दीजीए।

1. ಶಾರದಳ ಹಿರಿಯ ಮಗ ಯಾರು?
2. ಕುಮಾರ ಏನು ಮಾಡುತ್ತಾನೆ?
3. ಮಹಿಳಾ ಸಮಾಜಕ್ಕೆ ಯಾರು ಹೋಗುತ್ತಾರೆ?
4. ಆಟ–ಪಾಠದಲ್ಲಿ ಗೆಲ್ಲುವವರು ಯಾರು?
5. ಶಾರದಳ ತಂಗಿಯ ಕಿರಿ ಮಗಳು ಯಾರು?

II. निम्न लिखित शब्दों का प्रयोग अलग अलग कन्नड वाक्यों में कीजिए।

ಕಿರಿಯ ಮಗ, ಹಿರಿಯ ಮಗ, ಕಿರಿಯ ಮಗಳು, ಹಿರಿಯ ಮಗಳು, ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳು.

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

1. राजीव पाठशाला जाता है।
2. मेरी बड़ी बहन घर में सीती है।
3. शंकर की माता पकाती है।
4. हमारा दुखी जीवन है।
5. प्रकाश खेल में जीतता है।

IV. निम्नांकित शब्दों का प्रयोग कर दस वाक्य बनाइए।

ಸ್ವಲ್ಪ, ಯಾಕೆ, ಕೆಲಸ, ಬರಲಿ, ಬೆಲೆ, ಕೇಳಿ, ಬರಲ್ಲ, ಹೋಗ್ತೀನಿ, ಈಗ, ಪರವಾಗಿಲ್ಲ

टिप्पणियाँ

इस पाठ में वर्तमान काल की अन्य क्रियाओं का परीचय दिया गया है।

I. कन्नड में वर्तमानकाल क्रिया में वर्तमान सूचक `ತ್' चिन्ह और पुरुष, वचन और लिंग के प्रत्यय लगाकर बनाया जाता है। पुरुष, वचन और लिंग के सभी प्रत्यय तालिका में दिए गए हैं।

उदाहरण: 1. ಕುಡಿ + ತ್ + ಈರ - ಕುಡೀತೀರ – (तुम) पीते हो

ನೀವು ಕಾಫಿ ಕುಡೀತೀರ – तुम काफी पिते हो

2. ಕಳೆ + ತ್ + ಆನೆ – ಕಳೀತಾನೆ मावाता है।

ಅವನು ಹಣ ಕಳೀತಾನೆ. – वह पैसा गवाता है।

ಇ/ಎ कारान्त क्रियाओं में जब वर्तमान सूचक चिन्ह ತ್ लगाते हैं तो ಇ/ಎ, `ಈ' में बदल जाते हैं।

II. `ಉ' कारान्त क्रियाओं के निषेधात्मक रूप धातु में `ಅಲ್ಲ' लगाकर बनाये जाते हैं।

उदाहरण: ಬರು+ಅಲ್ಲ–ಬರಲ್ಲ – नहीं आता

ನಾನು ಬರಲ್ಲ. – मैं नहीं आता।

III. `ಇ/ಎ' कारान्त क्रियाओं में जब `ಅಲ್ಲ' लगाया जाता है तो इन के बीच में `ಯ' आ जाता है।

उदाहरण: ಬರೆ + ಅಲ್ಲ – ಬರೆಯಲ್ಲ – नहीं लिखता

ನಾನು ಪಾಠ ಬರೆಯಲ್ಲ. – मैं पाठ नहीं लिखता।

'ಬರಿಯಲ್ಲ' बोलचाल में उपयोग क्रिया जाता है।

IV. `ಮಾಡು ' क्रिया के वर्तमानकाल के विभिन्न रूप नीचे दिए गए हैं।

सर्वनाम	वर्तमान काल के रूप	पुरुष, लिंग और वचन के प्रत्यय
ನಾನು–मैं	ಮಾಡ್ತೀನಿ–करता हूँ	–ಈನಿ
ನಾವು–हम	ಮಾಡ್ತೀವಿ–करते हैं	–ಈವಿ
ನೀನು–तू	ಮಾಡ್ತೀಯೆ–करता है	–ಈಯೆ
ನೀವು–तुम	ಮಾಡ್ತೀರಿ–करते हों	–ಈರಿ
ಅವನು–वह	ಮಾಡ್ತಾನೆ–करता है	–ಆನೆ
ಅವಳು–वह	ಮಾಡ್ತಾಳೆ–करती है	–ಆಳ
ಅವರು–वे	ಮಾಡ್ತಾರೆ–करते हैं	–ಆರೆ
ಅದು–वह	ಮಾಡುತ್ತೆ–करता है	–ಎ
ಅವು–वे	ಮಾಡುತ್ವೆ–करते हैं	–ವೆ

V. `ಇಂದ' विभाक्ति का प्रयोग करण और अपादान दोनों कारकों केलिए किया जाता है। जब यह विभक्ति संज्ञा शब्दों के साथ जुड़ती है तो उन के बीच में `ನ आ जाता है।

उदाहरण:1. ಕಾಲೇಜು + ಇಂದ – ಕಾಲೇಜಿನಿಂದ – कालेज से

ನನ್ನ ಮಗ ಕಾಲೇಜಿನಿಂದ ಬರ್ತಾನೆ. – मेरा बेटा कालेज से आता है।

2. ಪೆನ್ನು + ಇಂದ – ಪೆನ್ನಿನಿಂದ – पेन से

ನಾನು ಪೆನ್ನಿನಿಂದ ಬರೀತೀನಿ. – मैं पेन से लिखता हूँ।

VI. इस पाठ में `ಚಿಕ್ಕ', `ದೊಡ್ಡ' विशेषण शब्दों का परिचय दिया गया है।

उदाहरण: ಇದು ಚಿಕ್ಕಮನೆ. यह छोटा घर है।

ಇದು ದೊಡ್ಡ ಕಾಲೇಜು यह बड़ा कालेज है।

VII. `ತುಂಬ', `ತೀರ', `ಸ್ವಲ್ಪ' तीव्रता बोधक शब्द हैं। इन का प्रयोग अर्थ में तीव्रता केलिए किया जाता है। इन का प्रयोग इस पाठ में किया गया है।

उदाहरण: ಇದರ ಬೆಲೆ ತುಂಬ ಜಾಸ್ತಿ. इसका दाम अधिक है।

ಇವನು ತೀರ ಮೂರ್ಖ. यह बडा मूर्ख है।

ಸ್ವಲ್ಪ ಹಾಲು ಕೊಡಿ. थोडा दूध दीजिए।

ಪಾಠ 8
पाठ 8

ಕಾಡೆಲ್ಲ ನೋಡಿದೆ	जंगल सारा देखा
ಶಂಕರ್ : ಓಹೋ, ಪ್ರಸಾದ್! ಇಲ್ಲಿ ಇದೀಯಾ! ನೀನು ನಾಗರಹೊಳೆಗೆ ಯಾವಾಗ ಬಂದೆ?	ओहो; प्रसाद यहाँ हो! तुम `नागर होळे' कब आये?
ಪ್ರಸಾದ್: ನಾನು ಮೊನ್ನೆ ಬಂದೆ. ನೀನು ಯಾವಾಗ ಬಂದೆ?	मैं परसों आया। तुम कब आये?
ಶಂಕರ್ : ನಾನು ನಿನ್ನೆ ಬಂದೆ. ನೀವು ಯಾರು ಯಾರು ಬಂದಿರಿ?	मैं कल आया। तुम लोग कौन कौन आये हो?
ಪ್ರಸಾದ್: ನನ್ನ ಜೊತೆ ನಮ್ಮ ತಂದೆ ಬಂದರು. ನಮ್ಮ ತಾಯಿ ಬಂದರು. ನನ್ನ ತಮ್ಮ ನಿನ್ನೆ ಸಾಯಂಕಾಲ ವಾಪಸ್ ಹೋದ. ನನ್ನ ತಂಗೀನೂ ಅವನ ಜೊತೆ ಹೋದಳು.	मेरे साथ हमारे पिताजी आये हैं। हमारी माताजी आई हैं। मेरा छोटा भाई कल शामको वापस गया। मेरी बहन भी उस के साथ गई।
ಶಂಕರ್ : ಸುಮಾ ವಾಪಸ್ ಹೋದಳಾ?	सुमा लौट गई क्या?
ಪ್ರಸಾದ್: ಹೌದು. ಸುಮಾ ಮತ್ತು ವಸಂತ ಇಬ್ಬರೂ ಹೋದರು.	हाँ। सुमा और वसन्त दोनों गईं।
ಶಂಕರ್ : ನಿಮ್ಮ ತಂದೆ–ತಾಯಿ ಎಲ್ಲಿ?	तुम्हारे माता-पिता कहाँ हैं?
ಪ್ರಸಾದ್: ಹೋಟೆಲಿನಲ್ಲಿ ಇದಾರೆ.	होटेल में हैं।
ಶಂಕರ್ : ಪ್ರಾಣಿಗಳನ್ನು ನೋಡಿದೆಯಾ?	क्या जानवरों को देखा?
ಪ್ರಸಾದ್: ನಿನ್ನೆ ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ನೋಡಿದೆ. ಮುಂಜಾನೆ ಹೆಚ್ಚು ಪ್ರಾಣಿಗಳನ್ನು ನೋಡಬಹುದು.	कल सुबह देखा। सुबह बहुत जानवरों को देख सकते हैं।
ಶಂಕರ್ : ಏನೇನು ನೋಡಿದೆ?	क्या क्या देखा?
ಪ್ರಸಾದ್: ನಸುಕಿಗೇ ಆನೆ ಮೇಲೆ ಹೋದೆ. ಕಾಡೆಲ್ಲ ಸುತ್ತಿದೆ. ಎಷ್ಟೊಂದು ಪ್ರಾಣಿಗಳು!ಅಬ್ಬಾ!	सुबह तडके हाथी पर गया, सारे जंगल में घूमा। कितने प्राणी हैं!

	ನೋಡಲು ಎರಡು ಕಣ್ಣು ಸಾಲದು. ಸುಂದರವಾದ ಪ್ರಕೃತಿ! ನಾನು ಹಿಂಡು ಹಿಂಡು ಜಿಂಕೆಗಳನ್ನು ನೋಡಿದೆ. ಸುಂದರ ಮೈ ಬಣ್ಣ, ಹೊಳಪು ಕಣ್ಣುಗಳು, ಮುಗ್ಧ ಮುಖದ ಜಿಂಕೆಗಳನ್ನು ನೋಡಿದೆ. ಕಣ್ಣು ತುಂಬ ನೋಡಿದೆ. ಜಿಂಕೆಗಳು ನನ್ನನ್ನು ನೋಡಿದವು. ಏನೋ ಆತ್ಮೀಯ ಭಾವನೆ!	बापरे ! दो आँखें देखने के लिए काफी नहीं। सुन्दर प्रकृति! मैने हिरणों का झुण्ड देखा। शरीर का सुन्दर रंग चमकीली आँखें, भोलेचेहरेवाले हिरणों को देखा। आँखँ भर के देखा। हिरणोंने भी मुझे देखा। कैसा आत्मीय भाव!
ಶಂಕರ್ :	ಇಷ್ಟೊಂದು ಭಾವುಕ ಆಗಬೇಡ ಮಾರಾಯಾ! ನೆಲದ ಮೇಲೆ ಇರು. ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹಾರಬೇಡ. ಬಹಳ ವರ್ಣನೆ ಬೇಡ! ಏನು ನೋಡಿದೆ? ನಿಜ ಹೇಳು.	इतने भावुक मत बनो भाई। जमीन पर रहो। आसामान में मत उड़ो। बहुत अबखान मत करो। क्या देखा सच बताओं।
ಪ್ರಸಾದ್:	ನಾನು ಹೇಳುವುದು ನಿಜ. ನಾನು ನೋಡಿದೆ. ಜಿಂಕೆಗಳು ಹೋದವು. ಆನೆಗಳು ಬಂದವು.	जो मैंने बताया वह सच है। मैंने जाते हुए हिरन, आते हुए हाथी देखे।
ಶಂಕರ್ :	ಆನೆಗಳನ್ನು ನೋಡಿದೆಯಾ?	क्या हाथीयों को भी देखा?
ಪ್ರಸಾದ್:	ಹೌದು ಶಂಕರ್, ನೋಡಿದೆ. ಆನೆಗಳ ಹಿಂಡನ್ನೇ ನೋಡಿದೆ. ಆನೆಗಳು ಬಂದವು. ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಮುಳುಗಿದವು. ಜಲಕ್ರೀಡೆ ಆಡಿದವು. ನೀರನ್ನು ಕುಡಿದವು. ಆಮೇಲೆ ನಡೆದವು.	हाँ शंकर, देखा। हाथियों का झूण्ड देखा। हाथी आये। जल में डूबे। जल-क्रीडा की। पानी पिए। फिर चले गये।
ಶಂಕರ್ :	ಆ ಮೇಲೆ?	फिर?
ಪ್ರಸಾದ್:	ಆ ಮೇಲೆ ಭಯ!	फिर डर की बात है!
ಶಂಕರ್ :	ಯಾಕೆ?	क्यों?
ಪ್ರಸಾದ್:	ಮುಂದೆ ಹೋದೆವು. ಅಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹುಲಿ ನೋಡಿದೆ. ನೇರದೃಷ್ಟಿಯ ಹುಲಿ. ಪಿಳಿಪಿಳಿ ಕಣ್ಣಿನ ಮರಿಗಳು, ಭಯದಿಂದ ಚೀರಿದೆ. ಹೆದರಬೇಡಿ ಸ್ವಾಮಿ ಅಂತ ಮಾವುತ ಹೇಳಿದ.	आगे गये। बहाँ एक बाध देखा। सीधी नजर का बाध। टुकटुकाती आँखोंवाले बच्चे, (मैं) भय से चिल्लाया। महावतने बताया- श्रीमानजी डरें नहीं।

ಶಂಕರ್ : ನಿನ್ನ ವರ್ಣನೆ ಸಾಕು. ಸಾಯಂಕಾಲ ಇಬ್ಬರೂ ಕಾಡಿಗೆ ಹೋಗೋಕೆ ಆಗುತ್ತಾ?	तुम्हारा वर्णन बस करो। क्या सायं-काल दोनों जंगल चल सकते हैं?
ಪ್ರಸಾದ್: ಆಗಲ್ಲ ಅನ್ನೋಕೆ ಆಗುತ್ತಾ ?ಆಗುತ್ತೆ. ಹೋಗೋಣ.	कैसे कहा जाना कि नहीं? चल सकता हूँ। चलें।
ಶಂಕರ್ : ನಿಮ್ಮ ಅಪ್ಪ, ಅಮ್ಮ ಇಲ್ಲೇ ಹೋದರು. ಭೇಟಿ ಮಾಡಬೇಕು.	तुम्हारे माता पिता इसी ओर गये (मैं) उन से मिलना चाहता हूँ।
ಪ್ರಸಾದ್: ಆಗಲಿ. ಬಾ. ಅಪ್ಪಾ! ಅಪ್ಪಾ ಎಲ್ಲಿ ಇದೀರಿ?	अच्छा। आओ। पिताजी, पिताजी, (आप) कहाँ हैं?
ತಂದೆ : ಇಲ್ಲೇ ಇದೀನಿ. ಏನು ಪ್ರಸಾದ್?	यहीं हूँ। क्या है प्रसाद?
ಶಂಕರ್ : ನಮಸ್ಕಾರ ಸಾರ್!	नमस्कार श्रीमान्जी!
ತಂದೆ : ನಮಸ್ಕಾರ ಶಂಕರ್. ನೀನು ಯಾವಾಗ ಬಂದೆ?	नमस्कार शंकर। तुम कब आये?
ಶಂಕರ್ : ಆಗಲೇ ಬಂದೆ. ನೀವು ಕ್ಯಾಂಟೀನಿಗೆ ಹೋದಿರಿ ಅಂತ ಪ್ರಸಾದ್ ಹೇಳಿದ.	तभी आया। प्रसाद ने बताया कि आप कैंटीन गये हैं।
ತಂದೆ : ಬನ್ನಿ ರೂಮಿಗೆ ಹೋಗೋಣ.	आओ कमरे को चलें।
ಪ್ರಸಾದ್: ಆಗಲಿ. ಬನ್ನಿ.	ठीक है। आइए।

शब्दार्थ

ಇದೀಯಾ	हो (प्रश्नार्थक)	ಬಂದೆ	आये हो
ಮೊನ್ನೆ	परसों (भूतकाल)	ನಿನ್ನೆ कल	(भूतकाल)
ಬಂದಿರಿ	आये	ನನ್ನ ಜೊತೆ	मेरे साथ
ನಮ್ಮ	हमारा/री/रे	ಬಂದರು	आये
ಹೋದ	गया	ತಂಗೀನೂ	बहन भी
ಇದಾರೆ	है	ಪ್ರಾಣಿಗಳನ್ನು	जानवरों को

ನೋಡಿದೆಯಾ	(क्या) देखा है	ನೋಡಿದೆ	देखा
ಬೆಳಿಗ್ಗೆ	सुबह	ಮುಂಜಾನೆ	सुबह
ಹೆಚ್ಚು	बहुत	ನಸುಕಿಗೆ	सुबह तड़के
ಕಾಡೆಲ್ಲ	सारा जंगल	ಸುತ್ತಿದೆ	धूमा है
ಸಾಲದು	काँफी नहीं।	ಸುಂದರವಾದ	सुन्दर
ಪ್ರಕೃತಿ	प्रकृति	ಹಿಂಡು	झुण्ड
ಜಿಂಕೆಗಳನ್ನು	हिरनों को	ಮೈ ಬಣ್ಣ	बदन का रंग
ಹೊಳಪು	चमकीली का रंग	ಕಣ್ಣುಗಳು	आँखें
ಮುಗ್ಧ ಮುಖ	भोला चेहरा	ಕಣ್ಣುತುಂಬ	आँख भर
ನನ್ನನ್ನು	मुझे	ಆತ್ಮೀಯ	आत्मीय भाव
ಏನೋ	कैसा (क्रिया विशेषण)	ಇಷ್ಟೊಂದು	इतने
ಭಾವುಕ	भावुक	ಆಗಬೇಡ	मत बनो
ನೆಲದ ಮೇಲೆ	ज़मीन पर	ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ	आंसमान में
ಹಾರಬೇಡ	मत कूदो	ವರ್ಣನೆ	वर्णन
ಬೇಡ	नहीं हो	ನಿಜ	सच
ಹೇಳುವುದು	बताया (गया)	ಹೋದವು	गये
ಜಿಂಕೆಗಳು	हिरन (बहु वचन)	ಆನೆಗಳು	हाथी (बहु वचन)
ನೀರಿನಲ್ಲಿ	पानी में	ಮುಳುಗಿದವು	डुबे
ಜಲಕ್ರೀಡೆ ಆಡಿದವು	जलक्रीडा की	ಕುಡಿದವು	पिया
ನಡೆದವು	चले गये	ಮುಂದೆ	आगे
ಹೋದೆವು	गये	ನೇರದೃಷ್ಟಿ	सीधीनज़र
ಪಿಳಿಪಿಳಿಕಣ್ಣಿನ	टुकटुकाती आँख	ಮರಿಗಳು	बच्चे
ಚೀರಿದೆ	चिल्लाया	ಮಾವುತ	महावत
ಕಾಡಿಗೆ	जंगल (को)	ಇಲ್ಲೇ	यहीं
ಭೇಟಿ ಮಾಡಬೇಕು	मिंलना चाहिए	ಆಗಲೇ	कुछ समय पहले
ರೂಮಿಗೆ	कमरे को		

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार दिए हुए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य वनाइए।

उदाहरण: ಬಂದೆ.

ಮೊನ್ನೆ ಬಂದೆ.

ನಾನು ಮೊನ್ನೆ ಬಂದೆ.

1. ಹೋದೆ 2. ತಿಂದೆ 3. ಕುಡಿದೆ 4. ಇದ್ದೆ 5. ನಡೆದೆ

II. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके उतने ही वाक्य बनाइए जितनें शब्द दिए गए हैं।

उदाहरण: ಕಾಡಿನಲ್ಲಿ ಪ್ರಾಣಿಗಳನ್ನು ನೋಡಿದೆಯಾ?

(ಪಕ್ಷಿಗಳನ್ನು, ಮರಗಳನ್ನು, ಗಿಡಗಳನ್ನು, ಕೆರೆಯನ್ನು)

ಕಾಡಿನಲ್ಲಿ ಪಕ್ಷಿಗಳನ್ನು ನೋಡಿದೆಯಾ? ಕಾಡಿನಲ್ಲಿ ಆನೆಗಳನ್ನು ನೋಡಿದೆಯಾ?

ಕಾಡಿನಲ್ಲಿ ಮರಗಳನ್ನು ನೋಡಿದೆಯಾ? ಕಾಡಿನಲ್ಲಿ ಗಿಡಗಳನ್ನು ನೋಡಿದೆಯಾ?

ಕಾಡಿನಲ್ಲಿ ಕೆರೆಯನ್ನು ನೋಡಿದೆಯಾ?

1. ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಅಣ್ಣನನ್ನು ನೋಡಿದೆಯಾ?
   (ತಂದೆಯನ್ನು, ತಾಯಿಯನ್ನು, ತಂಗಿಯನ್ನು, ಅಕ್ಕನನ್ನು)
2. ಶಾಲೆಯಲ್ಲಿ ರಾಮನನ್ನು ನೋಡಿದೆಯಾ?
   (ಸೀತೆಯನ್ನು, ಉಪಾಧ್ಯಾಯರನ್ನು, ಲಕ್ಷ್ಮಿಯನ್ನು, ಸರಸ್ವತಿಯನ್ನು)
3. ಬೀರುವಿನಲ್ಲಿ ಅಂಗಿಯನ್ನು ನೋಡಿದೆಯಾ?
   (ಲುಂಗಿಯನ್ನು, ಪ್ಯಾಂಟನ್ನು, ಟವಲನ್ನು, ವಾಚನ್ನು)

III. कोष्टक में दिए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर पूरे वाक्य कीजिए।

(ಹೇಳುವುದು, ಎರಡು, ಆನೆ, ಬಂದರು, ಹುಲಿ)

1. ನನ್ನ ಜೊತೆ ನಮ್ಮ ತಂದೆ ....
2. ನಸುಕಿಗೇ .... ಮೇಲೆ ಹೋದೆ.
3. ನೋಡಲು .... ಕಣ್ಣು ಸಾಲದು.
4. ಅಲ್ಲಿ ಒಂದು .... ನೋಡಿದೆ.
5. ನಾನು .... ನಿಜ.

IV. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

उदाहरण: ಅವನು ಯಾವಾಗ ಬಂದ?

ಅವನು ಈಗತಾನೆ ಬಂದ.

1. ಅವಳು ಯಾವಾಗ ಬಂದಳು?
2. ಇವನು ಯಾವಾಗ ಬಂದ?
3. ಅವರು ಯಾವಾಗ ಬಂದರು?
4. ಇವಳು ಯಾವಾಗ ಬಂದಳು?
5. ಇವರು ಯಾವಾಗ ಬಂದರು?

V. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग अलग-अलग कन्नड़ वाक्यों में कीजिए।

1. ಹೋಗೋಣ. 2. ಇದೀನಿ. 3. ಹೋದೆ. 4. ಬಂದೆ. 5. ಕುಡಿದೆ.

पढ़िए और समझिए

ಮದುವೆ

शादि

ನನ್ನ ಹೆಸರು ಪ್ರಸಾದ್. ನಾನು ನನ್ನ ಅಕ್ಕನ ಮಗಳ ಮದುವೆಗೆ ಹೋದೆ. ನಮ್ಮ ತಂದೆತಾಯಿಗಳೂ ಮದುವೆಗೆ ಬಂದರು. ನನ್ನ ಅಣ್ಣ ಬೆಂಗಳೂರಿನಿಂದ ಮದುವೆಗೆ ಬಂದ. ನನ್ನ ತಂಗಿ ಕಾಲೇಜಿಗೆ ಚಕ್ಕರ್ ಹೊಡೆದು ಮದುವೆಗೆ ಬಂದಳು. ಎಲ್ಲರೂ ಮದುವೆ ಮುಗಿಸಿ ಶ್ರೀರಂಗಪಟ್ಟಣಕ್ಕೆ ಹೋದೆವು. ಅಲ್ಲಿ ರಂಗನಾಥಸ್ವಾಮಿ ದೇವಾಲಯಕ್ಕೆ ಹೋದೆವು. ದೇವರಿಗೆ ಕೈ ಮುಗಿದೆವು. ಅಲ್ಲಿಂದ ಕಾವೇರಿ ನದಿ ದಂಡೆಗೆ ಹೋದೆವು. ನೀರನ್ನು ಕುಡಿದೆವು. ಗಂಡಸರು ಮಾತ್ರ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಈಜಿದರು. ಹೆಂಗಸರು ಬಟ್ಟೆ ಒಗೆದರು. ಬಟ್ಟೆ ಒಣಗಿಸಿ ಹಾಕಿಕೊಂಡು ಮನೆಗೆ ಬಂದೆವು.

नए शब्द

ಮದುವೆ	शादी	ಚಕ್ಕರ್ ಹೊಡೆದು	गैर हाजिर रह कर
ಮುಗಿಸಿ	समाप्त कर	ಕೈ ಮುಗಿದೆವು	हाथ जोड़े
ದಂಡೆಗೆ	किनारे	ಈಜಿದೆವು	तैरे
ಒಗೆದರು	धोया	ಒಣಗಿಸಿ	सुखाकर
ಹಾಕಿಕೊಂಡು	पहन कर		

I. उत्तर दीजिए:

1. ಪ್ರಸಾದ್ ತಂದೆತಾಯಿಗಳು ಎಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದರು?
2. ರಂಗನಾಥಸ್ವಾಮಿಯ ದೇವಾಲಯ ಎಲ್ಲಿದೆ?
3. ಎಲ್ಲರೂ ಯಾವ ನದಿ ದಂಡೆಗೆ ಹೋದರು?
4. ಪ್ರಸಾದ್ ಎಲ್ಲಿಗೆ ಹೋದನು?
5. ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಈಜಿದವರು ಯಾರು?

II. निम्न शब्द-गुच्छों का अभ्यास कीजिए।

ನಾನು ಬಂದೆ. ನಾವು ಬಂದೆವು. ಅವಳು ಬಂದಳು.
ಅವರು ಬಂದರು. ಅವನು ಬಂದನು. ನೀನು ಬಂದೆ.
ನೀವು ಬಂದಿರಿ.

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

1. शंकर बहन के स्कूल गया।
2. अध्यापक धर से स्कूल आए।
3. हम ने हाथ जोड़कर प्रार्थना की।
4. कन्नड अध्यापकने तीसरी पाठ पढ़ाया।
5. हम सबने ध्यान से पाठ सुना।

IV. इन शब्दों का प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए।

ನಮ್ಮ, ಬೆಳಿಗ್ಗೆ, ಹೆಚ್ಚು, ಪ್ರಕೃತಿ, ನನ್ನನ್ನು,
ಬೇಡ, ಹೋದೆವು, ಮುಂದೆ, ಕಾಡು, ಇಲ್ಲೆ

टिप्पणियाँ

इस पाठ में भूतकाल की क्रियाओं का प्रयोग किया गया है। इन क्रियाओं से किसी निश्चित समय में कार्य की समाप्ति का बोध होता है।

उदाहरण: ನಮ್ಮ ತಾಯಿ ಬಂದರು. – हमारी माताजी आई।

कन्नड में भूतकाल नीचे लिखे तरीकों से बनाया जाता है। भूतकाल केलिए कन्नड में 6 चिन्ह हैं। इस पाठ में दो चिन्ह`ದ್' (द् ) `ಇದ್ (इद्)' का परीचय दिया गया है। बाकी का परिचय पाठ 9 में दिया जाएगा।

I. भूतकाल का चिन्ह - `ದ್ (द्) '

उदाहरण: ಹೋಗು+ದ್+ಅಳು – ಹೋದಳು – गई

ಸುಮ ವಾಪಸ್ ಹೋದಳು. – सुमा वापस गई।

मूल क्रिया `ಹೋಗು' के बाद भूतकाल के चिन्ह`ದ್' लगाते हैं और उस के बाद पुरुष, वचन, लिंग के प्रत्यय जोडते हैं।

नीचे उन क्रियाओं की सूची दी गई है जिन के भूतकाल चिन्ह `ದ್ (द्)' जोडकर बनाये जाते हैं

क्रिया	वर्तमान काल और आभ्यासिक भूतकाल के रूप (प्रथम पुरुष एक वचन के रूप)	भूतकाल का रूप
ಬಾ	ಬರ್ತೀನಿ	ಬಂದೆ आया (मैं)
ತಾ	ತರ್ತೀನಿ	ತಂದೆ लाया
ಹೋಗು	ಹೋಗ್ತೀನಿ	ಹೋದೆ गया
ಕಾಯು	ಕಾಯ್ತೀನಿ	ಕಾದೆ इंतजार किया
ಬೀಳು	ಬೀಳ್ತೀನಿ	ಬಿದ್ದೆ गिरा
ಅನ್ನು	ಅನ್ತೀನಿ	ಅಂದೆ कहा
ಬೈಯ್ಯು	ಬೈಯ್ತೀನಿ	ಬೈದೆ गाली दी
ಕೊಲ್ಲು	ಕೊಲ್ತೀನಿ	ಕೊಂದೆ मारा
ಇರು	ಇರ್ತೀನಿ	ಇದ್ದೆ रहा
ಏಳು	ಏಳ್ತೀನಿ	ಎದ್ದೆ उठा
ಗೆಲ್ಲು	ಗೆಲ್ತೀನಿ	ಗೆದ್ದೆ जीता

II. भूतकाल का चिन्ह `ಇದ್ (द्) इद् '

उदाहरण: 1. ಹೇಳು + ಇದ್ + ಎ – ಹೇಳಿದೆ – बताया

ರಾಮನಿಗೆ ಕಥೆ ಹೇಳಿದೆ. – रामको कहानी बताई।

2. ಆಡು + ಇದ್ + ಎ – ಆಡಿದೆ – खेला

ನಾನು ಆಟ ಆಡಿದೆ. मैंने खेल खेलां।

3. ಮುಚ್ಚು + ಇದ್ + ಎ – ಮುಚ್ಚಿದೆ – बन्द किया

ಬಾಗಿಲು ಮುಚ್ಚಿದೆ. – दरवाजा बन्द किया।

4. ಅಲಂಕರಿಸು + ಇದ್ + ಎ – ಅಲಂಕರಿಸಿದೆ – सजा

ದೇವರ ಮನೆ ಅಲಂಕರಿಸಿದೆ. – पूजा -धर सजाया।

5. ಮಲಗು + ಇದ್ + ಎ ಮಲಗಿದೆ – लोटा

ನಾನು ಮಲಗಿದೆ. – मैं लेटा।

6. ನಿದ್ರಿಸು + ಇದ್ + ಎ – ನಿದ್ರಿಸಿದೆ – सोया

ನಾನು ನಿದ್ರಿಸಿದೆ. – मैं सोया।

III. `ಅನ್ನು' कर्मकारक की विभक्ति है। उस का प्रयोग मनुष्यवाचक संज्ञा, सर्वनाम और मनुष्यवाचक संज्ञा और मनुष्येतर वाचक संज्ञा दोनों के बहुवचन के साथ अवश्य किया जाता है।

उदाहरण: ಪ್ರಾಣಿಗಳು + ಅನ್ನು – ಪ್ರಾಣಿಗಳನ್ನು – प्राणियों को

ಪ್ರಾಣಿಗಳನ್ನು ಸಾಕಬೇಕು. – प्राणियों को पालना चाहिए।

अन्य संज्ञाओं के साथ इस का प्रयोग हो भी सकता है और नहीं भी।

उदाहरण: ಮರಗಳು + ಅನ್ನು – ಮರಗಳನ್ನು – पेड़ों को

ಮರಗಳನ್ನು ಕಡಿಯಬಾರದು. – पेड़ों को नहीं काटना चाहिए।

ಮರ ಕಡಿಯಬಾರದು. – पेड़ को नहीं काटना चाहिए।

ಪಾಠ 9
पाठ 9

ಮಳೆ ಕೈ ಕೊಟ್ಟಿತು

ರಾಮಣ್ಣ: ನಮಸ್ಕಾರ ಶಿವಣ್ಣ! ಏನು ಸುಮ್ಮನೆ ಕುಳಿತೆ?

ಶಿವಣ್ಣ : ಏನ್ಮಾಡ್ಲಿ ರಾಮಣ್ಣ! ಈ ವರ್ಷ ನಾ ಕೆಟ್ಟೆ.

ರಾಮಣ್ಣ : ಯಾಕೆ? ಏನಾಯ್ತು?

ಶಿವಣ್ಣ : ಇನ್ನೇನು ಆಗಬೇಕು? ಮಳೆ ಕೈ ಕೊಟ್ಟಿತು; ನಾನು ಕೆಟ್ಟೆ.

ರಾಮಣ್ಣ : ಅದಕ್ಕೆ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಅಂತ ಇದೀಯಾ? ನಿನಗೆ ಒಬ್ಬನಿಗೆ ಹೀಗೆ ಆಗಿಲ್ಲ. ಊರವರಿಗೆ ಎಲ್ಲಾ ತೊಂದರೆ ಆಗಿದೆ.

ಶಿವಣ್ಣ : `ಸಮುದ್ರಕ್ಕೆ ಹೋದರೂ ನಾಯಿಗೆ ನೆಕ್ಕು ನೀರು.' ಅಂತ ನಮ್ಮ ಅಪ್ಪ ಹೇಳಿದ ಹಾಗೆ ಆಯಿತು ನನ್ನ ಪಾಡು.

ರಾಮಣ್ಣ : ನೀನೇನೋ ನಿನ್ನ ಪ್ರಯತ್ನ ಮಾಡಿದೆ. ನೀನೂ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ಹೊಲ ಉತ್ತೆ, ಪೈರ್ ನೆಟ್ಟೆ. ಬೆಳೆ ನೋಡಿ ಸಂತೋಷ ಪಟ್ಟೆ. ಫಸಲಿನಲ್ಲಿ ತೆನೆ ಕಂಡೆ. ಆದರೆ ಮಳೆ ಸಮಯಕ್ಕೆ ಸರಿಯಾಗಿ ಬೀಳಲಿಲ್ಲ. ಏನು ಮಾಡಬೇಕು? ಇದೆಲ್ಲ ನಮ್ಮ ಕೈಯಲ್ಲಿ ಇತ್ತಾ?

बरसातने धोखा दिया

नमस्कार शिवण्णा! (तुम) चुपचाप बैठगए?

क्या करूँ रामण्णा! इस वर्ष बरबाद हो गया।

क्यों? क्या हो गया?

और क्या होना है?वर्षाने धोखा दिया। मैं बरबाद हो गया।

क्या तुम चिन्ता कर रहे हो कि अब क्या करना चाहिए? तुम्हारे साथ ही ऐसा नहीं हुआ है, गाँव के सब लोगों के साथ हुआ है।

`कुत्ता समुद्र के पास पहुँच कर भी केवल पानी चाट ही सकता है।' यह हमारे पिताजी कहते थे। यही हुआ।

तुमने आपना परिश्रम किया। तुम ने भी कष्ट उठाकर खेत जोता, फसल लगाई। फसल देख कर खुश भी हुए। (फसल के) पौधों पर बालें देख कर खुश हुए। पर वर्ष ठीक समय पर नहीं हुई। क्या किया जाय? क्या यह सब हमारे वश की बात थी?

ಶಿವಣ್ಣ : ಬೆಳೆ ಒಣಗಿತು. ಅದನ್ನು ನೋಡಿ ಹೊಟ್ಟೆ ಉರಿಯಿತು. ಅತ್ತೆ, ಕರೆದೆ. ಏನೂ ಉಪಯೋಗ ಆಗಲಿಲ್ಲ.	फसल सूख गई, उसे देख कर दिल रो उठा; रोया-धोया, कोई लाभ नहीं हुआ।
ನಂಜಮ್ಮ: ಹೀಗೆ ಆದರೆ ಹೊಟ್ಟೆಗೆ ತಣ್ಣೀರ ಬಟ್ಟೇನೇ ಗತಿ.	ऐसा होने पर पेट का क्या होगा?
ರಾಮಣ್ಣ : ನಿನ್ನ ಮಾತು ನಿಜ. `ಕೈಗೆ ಬಂದ ತುತ್ತು ಬಾಯಿಗೆ ಬರಲಿಲ್ಲ.'	तुम्हारी बात सच है-`परोसी हुई थाली को खा नहीं सके।'
ನಂಜಮ್ಮ : ನಾವು ಹೀಗೆ ಮಳೇನೇ ನಂಬಿ ಇರ ಬಾರದು. ಏನಾದರೂ ಮಾಡಬೇಕು.	हम लोगों को इस तरह बरसात पर ही भरोसा नहीं रखना चाहिए। कुछ न कुछ करना ही चाहीए।
ಶಿವಣ್ಣ : ಏನು ಮಾಡ್ತೀಯಾ?	तो क्या करोगे?
ನಂಜಮ್ಮ : ಪಕ್ಕದ ಮನೆ ಭೈರಪ್ಪ ಇಲ್ವಾ? ಮಣೆ ಹೊಡೆದು ಜಮೀನು ಮಟ್ಟ ಮಾಡಿದ. ಪಂಪ್ ಸೆಟ್ ತಂದು ಬಾವಿ ತೋಡಿ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿದ. ಮೈ ಮುರಿದು ದುಡಿದು ಹೂವಿನ ತೋಟ ಮಾಡಿದ.	पड़ोस में भैरप्प है न? हल चला कर भूमि को समतल बनाया। पम्पसेट ले आया, कुआँ खुदवाया, सिंचाई की। अत्यन्त परिश्रम कर फूल का बाग लगाया।
ರಾಮಣ್ಣ : ಹೌದು ಹೌದು! ಸಾವಿರಾರು ರೂಪಾಯಿ ಸಂಪಾದನೆ ಮಾಡಿ ಮನೆ ಕಟ್ಟಿಸಿದ, ಮಕ್ಕಳ ಮದುವೆ ಮಾಡಿದ.	हाँ हाँ। हजारों रूपये कमा कर धर बनवाया; बच्चों की शादी की।
ನಂಜಮ್ಮ: ಪಂಪ್‌ಸೆಟ್ ಇಟ್ಟು ಮುಂದುವರೆದ. ಇವರು ಇದಾರೆ ದಂಡಕ್ಕೆ `ತಿಂದು ಉಂಡು ಗೆಂಡೆ ರೋಗ' ಅಂತ ಯಾವಾಗಲೂ ಕುಳಿತೇ ಇದಾರೆ.	पम्पसेट खरीद कर समृद्द बने। ये भी तो हैं-`खा-पीकर ताँद बढाई है और हमेशा तोन्द की बीमारी का बहाना बताये बैठे ही रहते हैं।
ರಾಮಣ್ಣ : ಶಿವಣ್ಣ, ನೀನು ಯಾಕೆ ಪಂಪ್‌ಸೆಟ್ ಇಡ ಬಾರದು?	शिवण्णा, तुम भी पम्पसेट क्यों नहीं लगवाते?
ಶಿವಣ್ಣ : ನಾನು ಹೇಳೋದೇ ಮರೆತೆ. ಬ್ಯಾಂಕಿನ ಸಾಲಕ್ಕೆ ಅರ್ಜಿ ತುಂಬಿಕೊಟ್ಟೆ. ಸಾಲ ಸಿಗುತ್ತೆ ಅಂತ ಹೇಳಿದರು.	बताना ही भूल गया। बैंक के कर्ज केलिए आवेदन पत्र भर कर दिया है। बताया गया कि कर्ज मिलेगा।

ನಂಜಮ್ಮ: ಯಾವಾಗ ಕೊಟ್ಟಿರಿ?	कब दिया?
ಶಿವಣ್ಣ : ಮೊನ್ನೆ ಮೈಸೂರಿಗೆ ಹೋಗಿದ್ದೆ. ಆಗ ಬ್ಯಾಂಕಿನ ಅಧಿಕಾರಿ ಸಿಕ್ಕರು. ಅಲ್ಲೇ ಅರ್ಜಿ ಕೊಟ್ಟೆ.	परसों मैसूर गया था। वहाँ बैंक के आधिकारी मिले। वहीं आवेदन-पत्र दिया।
ಭೈರಪ್ಪ : ನಮಸ್ಕಾರ ರಾಮಣ್ಣಾ! ಏನು, ಶಿವಣ್ಣ, ನೀನು ಬಹಳ ಹೊತ್ತಿನಿಂದ ಕುಳಿತೇ ಇದೀರಿ?	नमस्कार रामण्णा! तुम और शिवण्णा बहुत देर से बैठे ही हो ?
ರಾಮಣ್ಣ : ಈ ಕಡೆ ಬಾ ಭೈರಪ್ಪ. ಬಾ.	आओ इधर, भैरप्प आओ।
ಸುಮ : ಅಮ್ಮ ನೋಡು, ನಾವು ಮಲ್ಲಿಗೆ ಹೂ ಕಿತ್ತು ಹೂಮಾಲೆ ಮಾಡಿದ್ವಿ. `ಘಂ' ಎನ್ನುತ್ತೆ ಮೂಸಿ ನೋಡು.	माताजी देखो; चमेली के फूल तोड कर हमने माला बनाई। खुशबू कैसी है माँ! सूँघ कर देखो।
ಲತ : ಅಮ್ಮ ನೋಡಿಲ್ಲಿ. ಭೈರಪ್ಪ ಅವರು ಎಷ್ಟೊಂದು ಹೂ ಕೊಟ್ರು ಗೊತ್ತಾ?	माताजी यहाँ देखो। क्या तुम जानती हो, भैरप्पजीने बहुत से फूल दिये हैं?
ರಾಮಣ್ಣ : ಭೈರಪ್ಪ, ಇದೆಲ್ಲ ನಿನ್ನ ತೋಟದ್ದಾ?	भैरप्प, क्या ये सब तुम्हारे बाग के हैं?
ಭೈರಪ್ಪ : ಹೌದು ರಾಮಣ್ಣ.	हाँ तो रामण्णा।
ರಾಮಣ್ಣ: ನಿಮ್ಮ ತೋಟದಲ್ಲಿ ಯಾವ ಯಾವ ಹೂಗಳು ಇವೆ?	तुम्हारे बाग में कौन-कौन से फूल हैं?
ಭೈರಪ್ಪ : ಮಲ್ಲಿಗೆ, ಗುಲಾಬಿ, ಸೇವಂತಿಗೆ, ಜಾಜಿ, ಸಂಪಿಗೆ, ಮುಂತಾದವು.	चमेली, गुलाब, सेवन्ती, जाई, चम्पा आदि।
ನಂಜಮ್ಮ: ಸ್ವಲ್ಪ ಫಲಹಾರ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ.	थोडा जलपान कीजिए।
ಭೈರಪ್ಪ : ಬೇಡಿ, ಈಗ ತಾನೆ ತಿಂದು ಬಂದೆ.	नहीं, अभी जलपान करके आया हूँ।
ಶಿವಣ್ಣ : ಪರವಾಗಿಲ್ಲ, ಸ್ವಲ್ಪ ತೆಗೆದುಕೋ ಭೈರಪ್ಪಾ.	कोई बात नहीं, थोड़ा ले लो भैरप्पा।
ಲತ : ಅಮ್ಮ ಅಮ್ಮ, ಭೈರಪ್ಪ ಅವರು ನಿನ್ನೆ ತಾವರೆ ಹೂ ಕೊಟ್ರಲ್ಲಾ? ಎಷ್ಟು ಚೆನ್ನಾಗಿದ್ದವು ಅಲ್ವಾ?	माँ, माँ, कल भैरप्पाजीने कमल के फूल दिए थे न? वे कितने सुन्दर थे न?
ರಾಮಣ್ಣ : ತಾವರೆ ಹೂವಾ!	क्या कमल के फूल?

ಭೈರಪ್ಪ	: ಹೌದು. ನಮ್ಮ ಜಮೀನಿನಲ್ಲಿ ಒಂದು ಕೊಳ ಇದೆ. ಅದರಲ್ಲಿ ತುಂಬಾ ತಾವರೆ ಹೂಗಳು ಇವೆ.	हाँ तो। हमारे खेत में एक तालाब है। उस में बहुत से कमल के फूल हैं।
ಸುಮ	: ರಾಮಪ್ಪಾ, ನಿಮಗೆ ಗೊತ್ತಾ? ಭೈರಪ್ಪ ಅವರ ಕೊಳದ ಪಕ್ಕ ಕಣಗಿಲೆ ಗಿಡಗಳೂ ಇವೆ. ತೋಟದ ಮೂಲೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಸಂಪಿಗೆ ಮರವೂ ಇದೆ.	रामप्पा, क्या तुम जानते हो? भैरप्पजी के तालाब के पास कनेर पेड़ भी हैं। बाग के कोने में एक बड़ा चम्पा का पेड भी है।
ಲತ	: ನಿನ್ನೆ ನಾವು ಆ ಹೂ ಎಲ್ಲಾ ತಂದು ಅಜ್ಜಿಗೆ ಕೊಟ್ಟೆವು. ಅಜ್ಜಿ ಮಾಲೆ ಮಾಡಿ ದೇವರಿಗೆ ಹಾಕಿದ್ರು. ಮಾಲೆ ಎಷ್ಟು ಚೆನ್ನಾಗಿತ್ತು ಗೊತ್ತಾ?	कल हम लोग वे सब फूल लाकर दादी के हाथों में दिये। उन्होने माला बनाई; भगवान को चढाया! क्या तुम जानते हो कि वह माला कितनी अच्छी थी?
ಸುಮ	: ಲತಾ ನಿನ್ನೆ ಮರ ಹತ್ತಿ ಸಂಪಿಗೆ ಹೂ ಕಿತ್ತಳು.	लताने कल पेड़ पर चढ़ कर चम्पा फूल तोड़े।
ನಂಜಮ್ಮ	: ಪರವಾಗಿಲ್ಲವೇ! ನೀನೂ ಮರಾ ಹತ್ತಿದೆಯಾ ಲತಾ?	अच्छा! तो लता, क्या तुम भी पेड़ पर चढि थी?
ಭೈರಪ್ಪ	: ಹೆದರಬೇಡಿ. ಅದು ಚಿಕ್ಕ ಮರ.	धबड़ाइए मत। वह छोटा पेड़ है।
ನಂಜಮ್ಮ	: ಭೈರಪ್ಪ, ನೀನು ಶರ್ಬತ್ತು ಕುಡಿಯಲೇ ಇಲ್ಲ. ತಗೊಳ್ಳಿ.	भैरप्प, तुमने शरबत को पिया ही नहीं। लो तो।
ಭೈರಪ್ಪ	: ಆಗಲಿ, ಕುಡಿತೀನಿ.	ठीक; पी लेता हूँ।

शब्दार्थ

ಕೈ ಕೊಟ್ಟಿತು	धोखा दिया	ಮಳೆ	वर्षा
ಸುಮ್ಮನೆ	खामोश	ಏನ್ಮಾಡಲಿ	क्या करूँ
ಕೆಟ್ಟೆ	बरबाद हो गया	ಊರವರಿಗೆ	गाँव के सभी को
ಪಾಡು	हाल	ಉತ್ತೆ	जोता
ಪೈರ ನೆಟ್ಟೆ	फसल लगाई	ತೆನೆ	बाल
ಮಳೆ ಬೀಳಲಿಲ್ಲ	वर्षा नहीं हुई	ಬೆಳೆ	फसल

ಒಣಗಿತು	सूख गया	ಹೊಟ್ಟೆ ಉರಿಯಿತು	दिल रो उठा
ಅತ್ತೆ ಕರೆದೆ	रोया धोया	ಉಪಯೋಗ	लाभ
ಆಗಲಿಲ್ಲ	नहीं हुआ	ಮಣಿ ಹೊಡೆದು	हल जोत कर
ಮಟ್ಟ ಮಾಡಿದ	समतल बनाया	ಬಾವಿ ತೋಡಿ	कुआँ खुदवाकर
ನೀರಾವರಿ	सिंचाई	ಮೈಮುರಿದು ದುಡಿ	अधिक परिश्रम कर
ಸಂಪಾದನೆ ಮಾಡಿ	कमाकर	ಕಟ್ಟಿಸಿದ	बनाया
ಮದುವೆ	शादी	ಮುಂದುವರಿದ	प्रगती की
ಇದಾರೆ	हैं	ಹೇಳೋದೇ	बताना ही
ಮರೆತೆ	भूलगया	ಸಾಲಕ್ಕೆ	कर्ज के लिए
ಅರ್ಜಿ	आवेदन पत्र	ಸಿಗುತ್ತೆ	मिलता
ಸಿಕ್ಕಿರು	मिले	ಬಹಳ ಹೊತ್ತು	बहुत देर
ಈ ಕಡೆ	इधर	ಮಲ್ಲಿಗೆ ಹೂ	चमेली
ಕಿತ್ತು	तोडकर	ಮಾಡಿದ್ವಿ	किया
ಘಂ ಎನ್ನು	खुशबू निकलना	ಮೂಸಿ ನೋಡು	सूँघो
ಕೊಟ್ರು	दिया	ಜಾಜಿ	जाई
ಸಂಪಿಗೆ	चम्पा	ಫಲಹಾರ	जल्पान
ಬೇಡಿ	नहीं	ಈಗ ತಾನೇ	अभी
ತಿಂದು ಬಂದೆ	खाकर आया	ತಾವರೆ ಹೂ	कमल के फूल
ಕೊಟ್ರಲ್ಲಾ	दिया था न	ಜಮೀನ	खेत
ಕೊಳ	तालाब	ಕಣಗಿಲೆ	कनेर
ಗಿಡಗಳು	पेड (बहुवचन)	ಮೂಲೆ	कोना
ಹಾಕಿದ್ರು	चढाया, डाला	ಮರ	पेड
ಹತ್ತಿ	चढकर	ಕಿತ್ತಳು	तोडे
ಚಿಕ್ಕ	छोटा	ಶರ್ಬತು	शर्बत
ಕುಡಿತೀನಿ	पीता हूँ		

कहावत

ಸಮುದ್ರಕ್ಕೆ ಹೋದರೂ ನಾಯಿಗೆ ನೆಕ್ಕು ನೀರು–कुत्ता समुद्र के पास पहुँच कर भी केवल पानी चाट ही सकता है।

ಹೊಟ್ಟೆಗೆ ತಣ್ಣೀರ ಬಟ್ಟೆನೇಗತಿ–दिल को चैन ही नहीं।

ಕೈಗೆ ಬಂದ ತುತ್ತು ಬಾಯಿಗೆ ಬರಲಿಲ್ಲ–परोसी हुई थाली को खा नही सके।

ತಿಂದು–ಉಂಡು ಗೆಂಡೆ ರೋಗ–खा-पीकर तोंद बढाई है।

अभ्यास

I. **वार्तालाप के सन्दर्भ में निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. ಭೈರಪ್ಪ ಏನು ಮಾಡಿದ?
2. ಶಿವಣ್ಣ ಯಾರ ಹತ್ತಿರ ಸಾಲದ ಅರ್ಜಿ ಕೊಟ್ಟ?
3. ಭೈರಪ್ಪನ ತೋಟದಲ್ಲಿ ಯಾವ ಯಾವ ಹೂಗಳಿವೆ?
4. ಮರ ಹತ್ತಿ ಸಂಪಿಗೆ ಹೂ ಕಿತ್ತವರು ಯಾರು?
5. ಅಜ್ಜಿ ಹೂಮಾಲೆ ಮಾಡಿ ಎಲ್ಲಿ ಹಾಕಿದರು?

II. **उदाहरण के अनुसार निम्न लिखित वाक्यों का पुनार्निर्माण कीजिए।**

उदाहरण: ಈಗ ತಾನೇ ತಿಂದು ಬಂದೆ.

ಈಗ ತಾನೆ ತಿಂದು ಬರಲಿಲ್ಲ.

1. ಈಗ ತಾನೆ ಕೊಟ್ಟು ಬಂದೆ.
2. ಈಗ ತಾನೆ ನಡೆದು ಬಂದೆ.
3. ಈಗ ತಾನೆ ಮುಗಿಸಿ ಬಂದೆ.
4. ಈಗ ತಾನೆ ಅಲ್ಲಿಂದ ಬಂದೆ.
5. ಈಗ ತಾನೆ ಕಾಫಿ ಕುಡಿದು ಬಂದೆ.

III. **उदाहरण के अनुसार कथनात्मक वाक्यों को प्रश्नार्थिक वाक्यों में परिवर्तित कीजिए।**

उदाहरण: ನಾನು ಮರ ಹತ್ತಲಿಲ್ಲ.

ನೀನೂ ಮರ ಹತ್ತಿದೆಯಾ?

1. ನಾನು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ.
2. ನಾನು ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.
3. ನಾನು ಹೂಗಳನ್ನು ತರಲಿಲ್ಲ.
4. ನಾನು ಸಿನಿಮಾ ನೋಡಲಿಲ್ಲ.
5. ನಾನು ಊಟ ಮಾಡಲಿಲ್ಲ.

IV. दिए हुए शब्दों का प्रयोग कर पाँच पाँच वाक्य बनाइए।

ನಾನು	ಕೆಟ್ಟೆ
ನೀನು	ತಂದೆ
ಅವನು	ಕೊಟ್ಟ
ಅವರು	ಕಂಡೆ
	ತಂದ

V. वार्तालाप के आधार पर निम्न लिखित कथनों में सहि वाक्य चिन्हित कीजिए।

1. ಬೆಳೆ ಒಣಗಿತು. ಅದನ್ನು ನೋಡಿ ಹೊಟ್ಟೆ ಉರಿಯಿತು.
2. ನಾವು ಹೀಗೆ ಮಳೇನೆ ನಂಬಿ ಇರಬೇಕು.
3. ಪಂಪ್‌ಸೆಟ್ ಇಟ್ಟು ಮುಂದುವರೆಯಲಿಲ್ಲ.
4. ಸಾವಿರಾರು ರೂಪಾಯಿ ಸಂಪಾದನೆ ಮಾಡಿದ.
5. ನಾನು ಮೈಸೂರಿಗೆ ಹೋಗಿರಲಿಲ್ಲ.

पढ़िए और समझिए

ಅತ್ತೆಯ ಮನೆ
सास की धर

ರಾಜೇಂದ್ರ : `ಮಾನವನಾಗಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಮೇಲೆ ಏನೇನ್ ಕಂಡೆ?
ಸಾಯುವ ತನಕ ಸಂಸಾರದಲ್ಲಿ ಗಂಡಾಗುಂಡಿ:

ರವಿ : ಏನೋ ರಾಜೇಂದ್ರ ಹಾಡು ಹೇಳಿದೆ, ನಿಲ್ಲಿಸೇಬಿಟ್ಟೆ. ಮುಂದಕ್ಕೆ ಹೇಳು.

ರಾಜೇಂದ್ರ : ಬಾ ರವಿ, ಎತ್ತ ಕಡೆಯಿಂದ ಬಂದೆ?

ರವಿ : ಇಲ್ಲೇ ನಮ್ಮ ಅತ್ತೆಯ ಮನೆಗೆ ಹೋಗಿದ್ದೆ. ಅಲ್ಲಿಂದ ಬಂದೆ.

ರಾಜೇಂದ್ರ : ನಿನ್ನ ಹೆಂಡತಿ ಮಕ್ಕಳು ಬರಲಿಲ್ಲವಾ?

ರವಿ : ನಾಳೆ ಹಬ್ಬ ಇದೆಯಲ್ಲ. ಅದಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲೇ ಇದಾರೆ. ನಾಳಿದ್ದು ಬರ್ತಾರೆ.

ರಾಜೇಂದ್ರ : ನಿನ್ನ ತಂಗಿ ಸುಮಾ ಎಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿದ್ದಾಳೆ?

ರವಿ : ಅವಳು ಗಂಡನ ಮನೆಗೆ ಹೋಗಿದ್ದಾಳೆ.

ರಾಜೇಂದ್ರ : ಹಾಗಾದ್ರೆ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ನೀನು ಒಬ್ಬನೇ ಇರಬೇಕು.

ರವಿ : ಹೌದು. ಈ ದಿನ ಇದ್ದು ನಾಳೆ ಹಬ್ಬಕ್ಕೆ ಹೋಗ್ತೀನಿ.

नए शब्द

ಮುಂದಕ್ಕೆ	आगे	ಅತ್ತೆ	सास	ಹಬ್ಬ	त्योहार
ಅದಕ್ಕೆ	इसलिए	ಒಬ್ಬನೇ	अकेला		

I. उत्तर दीजिए।

1. ರಾಜೇಂದ್ರ ಏನೆಂದು ಹಾಡು ಹೇಳುತ್ತಿದ್ದ?
2. ರವಿ ಎಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿದ್ದ?
3. ರವಿಯ ಹೆಂಡತಿ ಮಕ್ಕಳು ಎಲ್ಲಿದ್ದಾರೆ?
4. ಸುಮ ಎಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿದ್ದಾಳೆ?
5. ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬರೇ ಯಾರು ಇರುತ್ತಾರೆ?

II. निम्न लिखित शब्दों का प्रयोग अलग अलग वाक्यों मे कीजिए।

ಹುಟ್ಟಿದ, ಬಂದೆ, ಕಂಡೆ, ಹೋಗಿದ್ದೆ, ಹೇಳಿದೆ.

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

1. धर के सभी के साथ हुआ है।
2. परन्तु वर्षा ठीक समय पर नहीं हुई।
3. बताया गया कि कर्ज मिलेगा।
4. क्या ये सब तुम्हारे बगीचे के फल हैं?
5. तुमने चाय पी ही नहीं।

IV. निम्नांकित शब्दों का प्रयोग कर दस वाक्य बनाइए।

ಸುಮ್ಮನೆ, ಕೆಟ್ಟೆ, ಪಾಡು, ಮದುವೆ, ಬೆಳೆ, ಮರೆತೆ, ಸಂಪಾದನೆ, ಆಗಲಿಲ್ಲ, ಮರ, ಕಿತ್ತು

टिप्पणियाँ

इस पाठ में भूतकाल के बाकी चार - `ತ್' `ಕ್' `ಡ್` `ಟ್' चिन्ह लगाकर भूत काल बनानेवाली क्रियाओं के वाक्यों का परिचय दिया गया है।

I. भूतकाल चिन्ह `ತ್', इस का प्रयोग नीचे लिखी क्रिया ओं के साथ होता है।

उदाहरण: ಕಲಿ + ತ್ + ಎ – ಕಲಿತೆ – सीखा

ನಾನು ಪಾಠ ಕಲಿತೆ. – मैंने पाठ सीखा।

क्रिया	वर्तमानकाल	भूतकाल
ಕಲಿ	ಕಲಿತೀನಿ	ಕಲಿತೆ सीखा
ಮರೆ	ಮರಿತೀನಿ	ಮರೆತೆ भूला
ಅಳು	ಅಳ್ತೀನಿ	ಅತ್ತೆ रोया
ಉಳು	ಉಳ್ತೀನಿ	ಉತ್ತೆ जोता
ಹೆರು	ಹೆರ್ತೀನಿ	ಹೆತ್ತೆ जन्मदिया
ಕೀಳು	ಕೀಳ್ತೀನಿ	ಕಿತ್ತೆ निकाला
ಸೋಲು	ಸೋಲ್ತೀನಿ	ಸೋತೆ हारा
ನೂಲು	ನೂಲ್ತೀನಿ	ನೂತೆ काता
ಸಾಯು	ಸಾಯ್ತೀನಿ	ಸತ್ತೆ मरा

जब `ರ, ಲ, ಳ और ಯ से अन्त होनेवाली क्रियांओं में ತ್ लगाया जाता है तो ರ, ಲ, ಳ और ಯ का लोप हो जाता है और ತ್ का दित्व (त्त) है। जाता है।

उदाहरण: ಹೆರು + ತ್ + ಎ – ಹೆತ್ತೆ – जन्म दिया

ಸೋಲು + ತ್ + ಎ – ಸೋತೆ – हारा

ಕೀಳು + ತ್ + ಎ – ಕಿತ್ತೆ – निकाला

ಸಾಯು + ತ್ + ಎ – ಸತ್ತೆ – मरा

II. भूतकाल चिन्ह `ಕ್'

`ನಗು' जैसी क्रियाओं में `ಕ್ लगाने पर `ಗು' का लोप हो जाता है और `ಕ್' का दित्व (ಕ್ಕ) हो जाता है।

उदाहरण: ನಗು + ಕ್ + ಎ – ನಕ್ಕೆ – हँसा

ನಾನು ನಕ್ಕೆ. – मैंने हँसा।

III. भूतकाल चिन्ह ` ಡ್ '

`ಣು' और `ಳು' से अन्त होनेवाली क्रियाओं में ಡ್ लगाकर भूतकाल बनाया जाता है। `ಡ್' जुडने पर `ಣು' का लोप हो जाता है।

उदाहरण: ಕಾಣು + ಡ್ + ಎ – ಕಂಡೆ – देखा

ನಾನು ರಾಜನನ್ನು ಕಂಡೆ. –मैंने राजा को देखा।

ಕೊಳ್ಳು + ಡ್ + ಎ – ಕೊಂಡೆ –खरीदा

ನಾನು ಹಣ್ಣನ್ನು ಕೊಂಡೆ. – मैंने फल खरीदा।

IV. भूतकाल चिन्ह `ಟ್'

`ಡ್' से अन्त होनेवाली क्रियाओं का भूतकाल `ಟ್' लगाकर बनाया जाता है। `ಟ್' लगाने पर `ಡ್' का लोप हो जाता है और `ಟ್' का द्वित्व `ಟ್ಟ' हो जाता है।

उदाहरण: ಕೊಡು + ಟ್ + ಎ – ಕೊಟ್ಟೆ – दिया

ನಾನು ಹಣ ಕೊಟ್ಟೆ. – मैंने पैसा दिया।

ಇಡು + ಟ್ + ಎ – ಇಟ್ಟೆ – रखा

ನಾನು ಪುಸ್ತಕ ಇಟ್ಟೆ. – मैंने किताब रखी।

V. इस पाठ में प्रयोग किए गए भूतकाल के चिन्हों का वितरण नीचे दिए गए है।

भूतकाल	मूल क्रिया	भूतकाल प्रथम पुरुष एक वचन का रूप	उदाहरण
ದ್	ಬರೆ–लिख	ಬರೆದೆ	ನಾನು ಕೆಳಗೆ ಬರೆದೆ–मैने पत्र लिखा
	ಬೀಳು–गिर	ಬಿದ್ದೆ	ನಾನು ಕೆಳಗೆ ಬಿದ್ದೆ–मैं नीचे गिरा।
ಇದ್	ಮುಚ್ಚು–बन्द कर	ಮುಚ್ಚಿದೆ	ನಾನು ಬಾಗಿಲು ಮುಚ್ಚಿದೆ मैंने दरवाजा बन्द किया।
	ಕೇಳು–माँग	ಕೇಳಿದೆ	ನಾನು ಸಾಲ ಕೇಳಿದೆ. मैंने कर्ज माँगा।
ತ್	ಕಿೀಳು–निकाल	ಕಿತ್ತೆ	ನಾನು ಹೂಕಿತ್ತೆ–मैंने फूल निकाला
	ಕಲಿ–सीखा	ಕಲಿತೆ	ನಾನು ಕನ್ನಡ ಕಲಿತೆ–मैंने कन्नड सीखा।
ಕ್	ನಗು–हँस	ನಕ್ಕೆ–	ನಾನು ನಕ್ಕೆ – मैंने हँसा।
	ಹೊಗು–धूस	ಹೊಕ್ಕೆ	ನಾನು ಮನೆ ಹೊಕ್ಕೆ–मैं धर में धूसा।
ಡ್	ಕೊಳ್ಳು–खरीद	ಕೊಂಡೆ	ನಾನು ಸ್ಕೂಟರ್ ಕೊಂಡೆ–मैंने स्कूटर खरीदा।
	ಕಾಣು–देख	ಕಂಡೆ	ನಾನು ರಾಮನನ್ನು ಕಂಡೆ–मैंने राम को देखा
ಟ್	ಕೊಡು–दे	ಕೊಟ್ಟೆ	ನಾನು ಪುಸ್ತಕ ಕೊಟ್ಟೆ–मैंने पुस्तक दी
	ಇಡು–रख	ಇಟ್ಟೆ	ನಾನು ಪುಸ್ತಕ ಇಟ್ಟೆ–मैंने पुस्तक रखी।

VI. नीचे की तालिका में कुछ क्रियाओं के भूतकाल के रूप दिए गए हैं।

सर्व नाम	पुरुष, लिंग, वचन प्रत्यय	मूल क्रिया और भुतकाल के रूप						
		ಕಲಿ (सीख)	**ಕೊಡು** (दे)	**ಕಾಣು** (देख)	**ನಗು** (हँस)	**ಇರು** (रह)	**ಹೋಗು** (जा)	**ಆಗು** (हो)
ನಾನು	ಎ	ಕಲಿತೆ	ಕೊಟ್ಟೆ	ಕಂಡೆ	ನಕ್ಕೆ	ಇದ್ದೆ	ಹೋದೆ	ಆದೆ
ನೀನು	ಎ	ಕಲಿತೆ	ಕೊಟ್ಟೆ	ಕಂಡೆ	ನಕ್ಕೆ	ಇದ್ದೆ	ಹೋದೆ	ಆದೆ
ಅವನು	ಅ	ಕಲಿತ	ಕೊಟ್ಟ	ಕಂಡ	ನಕ್ಕ	ಇದ್ದ	ಹೋದ	ಆದ
ಅವಳು	ಅಳು	ಕಲಿತಳು	ಕೊಟ್ಟಳು	ಕಂಡಳು	ನಕ್ಕಳು	ಇದ್ದಳು	ಹೋದಳು	ಆದಳು
ಅವರು	ಅರು	ಕಲಿತರು	ಕೊಟ್ಟರು	ಕಂಡರು	ನಕ್ಕರು	ಇದ್ದರು	ಹೋದರು	ಆದರು
ಅದು	ಇತು	ಕಲಿತಿತು	ಕೊಟ್ಟಿತು	ಕಂಡಿತು	ನಕ್ಕಿತು	ಇದ್ದಿತು	ಹೋಯಿತು	ಆಯಿತು
ಅವು	ಅವು	ಕಲಿತವು	ಕೊಟ್ಟವು	ಕಂಡವು	ನಕ್ಕವು	ಇದ್ದವು	ಹೋದವು	ಆದವು
ನಾವು	ಎವು	ಕಲಿತೆವು	ಕೊಟ್ಟೆವು	ಕಂಡೆವು	ನಕ್ಕೆವು	ಇದ್ದೆವು	ಹೋದೆವು	ಆದೆವು
ನೀವು	ಇರಿ	ಕಲಿತಿರಿ	ಕೊಟ್ಟಿರಿ	ಕಂಡಿರಿ	ನಕ್ಕಿರಿ	ಇದ್ದಿರಿ	ಹೋದಿರಿ	ಆದಿರಿ

भूतकाल के निषेधात्मक रूप क्रिया में ಅಲ್ಲ `अल्ल', ಇಲ್ಲ `इल्ल' लगाकर बनाते हैं।

उदाहरण: ಮಾಡು + ಅಲ್ + ಇಲ್ಲ – ಮಾಡಲಿಲ್ಲ – नहीं किया।

ನಾನು ಊಟ ಮಾಡಲಿಲ್ಲ. – मैंने भोजन नहीं किया।

ಪಾಠ / पाठ 10

ಅಣ್ಣನ ಕಾಗದ	बड़े भाई का पत्र
ರಾಜು : ಅಮ್ಮ, ಅಮ್ಮ ಕಾಗದ ಬಂದಿದೆ.	माताजी, माताजी, पत्र आया है।
ಅಮ್ಮ : ಯಾರದು?	किसका है?
ರಾಜು : ಶಂಕರಣ್ಣ ಬರೆದಿದಾನೆ. ಓದ್ತೀನಿ ಕೇಳು.	भाई शंकरने लिखा है। पढ़ता हूँ; सुनिये।
ಶ್ರೀ	श्री
ಕ್ಷೇಮ ತಾರೀಖು: 14-3-2001	कुशल तारीख:14-3-2001
ಪ್ರೀತಿಯ ತಂದೆ ತಾಯಿಯವರಿಗೆ, ಶಂಕರ್ ಮಾಡುವ ನಮಸ್ಕಾರಗಳು.	पूज्य माता-पिताजी नमस्कार।
ನಾನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಇದ್ದೇನೆ. ಅಲ್ಲಿ ನೀವು ಎಲ್ಲ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಇರುತ್ತೀರಿ ಎಂದು ನಂಬುತ್ತೇನೆ. ನಾಳೆ ಗುರುವಾರ ನಾನು ಹಳೇಬೀಡಿಗೆ ಪ್ರವಾಸ ಹೋಗುವೆನು. ನಾವು ಸ್ನೇಹಿತರೆಲ್ಲ ಒಂದೇ ಬಸ್ಸಿನಲ್ಲಿ ಹೋಗುವೆವು. ತಾವು ಬೆಂಗಳೂರಿಗೆ ಹೋಗುವ ವಿಷಯ ಏನಾಯಿತು? ನೀವು ಯಾವಾಗ ಹೋಗುವಿರಿ ತಿಳಿಸಿ.	मैं कुशल से हूँ। मैं विश्वास करता हूँ कि वहाँ आप सब लोग सकुशल होंगे। कल गुरुवार के दिन मैं हळेबीडु प्रवास केलिए जाऊँगा। हम सब दोस्त एक ही बस में जायेंगे। आप बेंगळूर जानेवाले थे। क्या हुआ? लिखिए, कब चलेंगे।
ನನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತ ಮಹೇಶನೂ ನನ್ನ ಜೊತೆ ಪ್ರವಾಸಕ್ಕೆ ಬರುವನು. ಮಹೇಶನ ತಂಗಿ ವಿಮಲೆ–ಯೂ ಪ್ರವಾಸಕ್ಕೆ ಬರುವಳು.	मेरा दोस्त महेश भी मेरे साथ आएगा। महेश की बहन विमला भी प्रवास आएगी।
ನಾನು ಒಂದು ಹುಂಜ ಮತ್ತು ನಾಲ್ಕು ಕೋಳಿಗಳನ್ನು ಸಾಕಿದ್ದೇನೆ. ಹುಂಜ ನನ್ನನ್ನು ಬಹಳ ಪ್ರೀತಿಸುತ್ತದೆ. ನಾನು ಅದನ್ನು ಪ್ರೀತಿಸುತ್ತೇನೆ.	मैंने एक मुर्गा और चार मुर्गियों को पाला है। मुर्गा मुझे बहुत चाहता है। मैं भी उसे चाहता हूँ।

ಒಂದು ವಾರ ನನ್ನನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಹುಂಜ ಮನೆಯಲ್ಲೇ ಇರುವುದು. ಕೋಳಿಗಳು ಮಾಧು-ವಿನ ಕೋಳಿ ಫಾರಂನಲ್ಲಿ ಇರುವವು.	मुर्गा एक सप्ताह मुझे छोडकर धर में ही रहेगा। मुर्गियाँ माधु के मूर्गी फार्म में रहेंगी।
ಪ್ರವಾಸ ಮುಗಿದ ನಂತರ ವಿವರವಾಗಿ ಕಾಗದ ಬರೆಯುವೆನು. ನಿಮ್ಮ ಕ್ಷೇಮಕ್ಕೆ ಕಾಗದ ಬರೆಯಿರಿ.	प्रवास समाप्त होने के बाद पत्र विस्तार से लिखूँगा। अपनी कुशलता के बारे में पत्र लिखिए।
ಇಂತಿ ನಿಮ್ಮ ಪ್ರೀತಿಯ, ಶಂಕರ.	आपका प्रिय पुत्र, शंकर.

ಅಮ್ಮ : ಶಂಕರ ಯಾಕೆ ಕೋಳಿ ಸಾಕಿದ್ದಾನೆ? ಏನೂ ಕೆಲಸ ಇಲ್ವಾ?	शंकरने मुर्गी क्यों पाली है? क्या और कोई काम नहीं?
ರಾಜು : ಕೋಳಿ ಜೊತೆ ಆಟ ಆಡೋಣ ಅಂತ.	मुर्गियों के साथ खेलने केलिए। तुम्हारा
ಅಮ್ಮ : ನಿನ್ನ ತಲೆ ಸರಿಯಾಗಿಲ್ಲ; ಸುಮ್ನಿರು.	दिमाग ठीक नहीं; चुप रहो।
ರಾಜು : ಹೋಗಮ್ಮ. ಅಮ್ಮ, ಶಂಕರಣ್ಣನಿಗೆ ನಾನುಒಂದು ಕಾಗದ ಬರೀತೀನಿ.	जाओ। माताजी, मैं भी भाई शंकर को एक पत्र लिखूँगा।
ಅಮ್ಮ : ನಿಮ್ಮ ಅಪ್ಪ ಬರೀತಾರೆ; ಬಿಡು.	तुम्हारे पिताजी लिखेंगे; छोडो।
ರಾಜು : ಅಪ್ಪ ಬರಿಯಲ್ಲ. ಅವರಿಗೆ ಬಹಳ ಕೆಲಸ ಇದೆ; ಅಲ್ವಾ?	पिताजी नहीं लिखेंगे। उनके पास बहुत काम हैं न?
ಅಮ್ಮ : ಅಕ್ಕ ಬರೀತಾಳೆ.	बहन लिखेंगी।
ರಾಜು : ಅಕ್ಕ ಬರಿಯಲ್ಲ. ಅವಳು ಸೋಮಾರಿ.	बहन नहीं लिखेंगी; वह बड़ी
ಅಮ್ಮ : ಅಣ್ಣ ಬರೀತಾನೆ.	आलसी है। भाई लिखेंगे।
ರಾಜು : ಅಣ್ಣನಿಗೆ ಕ್ರಿಕೆಟ್ ಆಡೋಕೆ ಸಮಯ ಇಲ್ಲ. ಕಾಗದ ಎಲ್ಲಿ ಬರೀತಾನೆ? ನಾನೇ ಬರೀತೀನಿ ಅಮ್ಮ.	भाई को क्रिकेट खेलने को ही वक्त नहीं मिलता है। पत्र कैसे लिखेंगे? माताजी, मैं खुद ही लिखूँगा।
ಅಮ್ಮ : ಸರಿ. ಕಾಗದ ಹಾಳು ಮಾಡಬೇಡ. ಹುಷಾರಾಗಿ ಬರೆ.	अच्छा पत्र खराब न करना। होशीयारी से लिखना।

ಶ್ರೀ	श्री
ಕ್ಷೇಮ ತಾರೀಖು–16-3-2001	कुशल तारीख - 16-3-2001
ಪ್ರೀತಿಯ ಶಂಕರಣ್ಣನಿಗೆ,	प्रिय भाई शंकर,
ರಾಜು ಮಾಡುವ ನಮಸ್ಕಾರಗಳು.	नमस्कार।
ನಿನ್ನ ಕಾಗದ ಬಂದು ಸೇರಿತು. ನಾವು ಯುಗಾದಿ ಹಬ್ಬ ಮಾಡುತ್ತೇವೆ. ಅಮ್ಮ ಒಬ್ಬಟ್ಟು ಮಾಡುತ್ತಾಳೆ. ಅಣ್ಣ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗು–ತ್ತಾನೆ. ಅಪ್ಪ ಸಿಹಿ ತಿಂಡಿ ತರುತ್ತಾರೆ. ಹಬ್ಬದ ದಿನ ನೀನು ಏನು ಮಾಡುತ್ತೀಯೆ? ಯುಗಾದಿ ಹಬ್ಬಕ್ಕೆ ನೀನು ಬರಬೇಕು. ಹಬ್ಬಕ್ಕೆ ನೀನು ಬರುತ್ತೀಯೆ ಎಂದು ನಂಬುತ್ತೇನೆ.	तुम्हारा पत्र आया। हम युगादी त्योहार मनायेगें। माताजी मीठीदाल पूरी पकायेंगी। भैय्या स्कूल जाता है। पिताजी मिठाई लायेंगे। त्यैहार के दिन तुम क्या करोगे? युगादि त्योहार पर तुम्हें आना चाहीए। विश्वास है कि तुम त्योहार पर आओगे।
ನಿನ್ನ ಹುಂಜನ ತರಹ ನನ್ನ ನಾಯಿಯೂ ನನ್ನನ್ನು ಪ್ರೀತಿಸುತ್ತದೆ. ನಮ್ಮ ಬೆಕ್ಕು ಮತ್ತು ನಾಯಿ ಎರಡೂ ಆಟ ಆಡುತ್ತವೆ. ನೀನು ಹಬ್ಬಕ್ಕೆ ಬಂದು ನನ್ನ ನಾಯಿ ಮತ್ತು ಬೆಕ್ಕನ್ನು ನೋಡು.	तुम्हारे मुर्गे की तरह मेरा कुत्ता भी मुझे चाहता है। मेरी बिल्ली और कुत्ता दोनों मिलकर खेलते हैं। तुम त्योहार पर आकर मेरी बिल्ली और कुत्ते को देखो।
ಇನ್ನೇನು ವಿಷಯವಿಲ್ಲ.	और कोई विशेष बात नहीं है।
ಇಂತಿ ನಿನ್ನ ತಮ್ಮ,	तुम्हारा भाई,
ರಾಜು.	राजू
ಅಮ್ಮ ಕಾಗದ ಬರೆದೆ. ಓದ್ತೀಯಾ?	माताजी, पत्र लिख दिया। क्या (तुम) पढ़ोगी?
ಅಮ್ಮ : ಈಗ ನಾನು ದೇವರ ಮನೆ ಅಲಂಕರಿ–ಸಬೇಕು. ತೊಂದರೆ ಕೊಡಬೇಡ. ಆಮೇಲೆ ಓದ್ತೀನಿ,ಇಡು.	अब मुझे भगवान की पूजा का घर सजाना है। कष्ट न देना, फिर पढ़ूँगी, रख दो।
ರಾಜು : ಅಪ್ಪ ಬಂದಿದ್ದಾರೆ. ತೋರಿಸ್ತೀನಿ.	पिताजी आये हैं (उन्हें) दिखाता हूँ।
ಅಮ್ಮ : ಅಪ್ಪನ ಕೈಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟು ಓದಿಸು.	पिताजी के हाथ में देकर; पढाओ;

ತಪ್ಪಿದ್ದರೆ ತಿದ್ದಿಸಿ, ವಿಳಾಸ ಬರೆದು,	गल्तियाँ हो तो सुधार कर लाओ। पता
ಅಂಚೆ ಪೆಟ್ಟಿಗೆಗೆ ಹಾಕು.	लिख कर डाक पेटी में डालो।
ರಾಜು : ಆಗಲಿ, ಹಾಗೇ ಮಾಡ್ತೀನಿ.	ठीक है; वैसा ही करता हूँ।

शब्दार्थ

ಬಂದಿದೆ	आया है
ಯಾರದು	किस का
ನಂಬುತ್ತೇನೆ	विश्वास करता हूँ
ಪ್ರೀತಿಸುತ್ತೇನೆ	चाहता हूँ
ಸಾಕಿದ್ದೇನೆ	पाला है
ನಂತರ	बाद में
ಇಲ್ವಾ	नहीं (प्रश्नार्थक)
ತಲೆ ಸರಿಯಾಗಿಲ್ಲ	दिमाग ठीक नहीं
ಬರೀತೀನಿ	लिखता हूँ
ಸರಿಯಲ್ಲ	नहीं लिखते
ಬರೀತಾಳೆ	लिखती है
ಬರೀತಾನೆ	लिखता है
ಹಾಳುಮಾಡು	खराब कर
ಹಬ್ಬ	त्योहार
ಓದ್ತೀಯಾ	(क्या) पढते हो
ಬಂದಿದಾರೆ	आये हैं
ಓದಿಸು	पढाना
ತಿದ್ದಿಸಿ	सुधार करवाकर
ಅಂಚೆಪೆಟ್ಟಿಗೆ	डाक पेटी
ಮಾಡ್ತೀನಿ	करता हूँ
ಕಾಗದ	पत्र, खत
ಓದ್ತೀನಿ	पढता हूँ
ಹುಂಜ	मुर्गा
ಕೋಳಿ	मुर्गी
ಬಿಟ್ಟು	छोडकर
ವಿವರವಾಗಿ	विस्तार से
ಜೊತೆ	साथ
ಸುಮ್ನಿರು	चुप रहो
ಬರೀತಾರೆ	लिखते हैं
ಅಲ್ವಾ	नहीं (प्रश्नार्थक)
ಸೋಮಾರಿ	सुस्त
ಆಡೋಕೆ	खेलने
ಹುಷಾರಾಗಿ	होशियारी से
ಒಬ್ಬಟ್ಟು	मीठीदाल पूरी
ಅಲಂಕರಿಸಬೇಕು	सजाना है
ತೋರಿಸ್ತೀನಿ	दिखाता हूँ
ತಪ್ಪಿದ್ದರೆ	दोष हो तो
ವಿಳಾಸ	पता
ಹಾಕು	डालो

अभ्यास

I. वार्तालाप के संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ಶಂಕರ್ ಯಾರಿಗೆ ಕಾಗದ ಬರೆದಿದ್ದ?
2. ಶಂಕರ್ ಎಲ್ಲಿಗೆ ಪ್ರವಾಸ ಹೋಗುವೆನು ಎಂದು ಬರೆದಿದ್ದ?
3. ಶಂಕರ್ ಏನನ್ನು ಸಾಕಿದ್ದಾನೆ?
4. ಶಂಕರನಿಗೆ ಕಾಗದ ಬರೆದವರು ಯಾರು?
5. ಕಾಗದ ಹಾಳು ಮಾಡಬೇಡ ಎಂದವರು ಯಾರು?

II. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग कर अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।

ಹೋಗಿದ್ದೆ,	ನೋಡಿದೆ,	ಬರುವನು,	ಬಂದನು,
ನೋಡಿದೆವು,	ತಿಂದೆವು,	ನಿನ್ನ ಪ್ರೀತಿಯ,	ಸ್ನೇಹಿತ,
ವಂದನೆಗಳು,	ನಮಸ್ಕಾರ,	ಚೆನ್ನಾಗಿತ್ತು,	ಸುಂದರವಾಗಿತ್ತು.

III. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों का पुनर्निर्माण कीजिए।

उदाहरण: ಹಳೇಬೀಡಿಗೆ ಪ್ರವಾಸ ಹೋಗುವೆನು.

ಹಳೇಬೀಡಿಗೆ ಪ್ರವಾಸ ಹೋಗ್ತೀನಿ.

1. ಮೈಸೂರಿಗೆ ಬರುವೆನು.
2. ನಾಳೆ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗುವೆನು.
3. ನಾನು ಇಲ್ಲೇ ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ಇರುವೆನು.
4. ನಾನೂ ಮದುವೆಗೆ ಬರುವೆನು.
5. ನಾನು ದೋಸೆ ತಿನ್ನುವೆನು.

IV. कोष्टक में दिये हुए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(ಇರ್ತೀನಿ, ಹೋಗುವೆನು, ಬರ್ತಾನೆ, ಕಾಗದ, ನೀನು)

1. ನಾನು ಮೈಸೂರಿಗೆ ....
2. ಅಣ್ಣ ಬೆಂಗಳೂರಿನಿಂದ ....
3. ನಾನು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ....
4. ಯುಗಾದಿ ಹಬ್ಬಕ್ಕೆ..................ಬರಬೇಕು.
5. ವಿವರವಾಗಿ .... ಬರೆಯುವೆನು.

V. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग अलग अलग कन्नड़ वाक्यों में कीजिए।

ಇರುವುದು ಬರುವಳು ನಂಬುವೆನು

ಹೋಗುವೆವು ಓದುವೆವು

पढिए और समाझिए।

ಅರ್ಜಿ

आवेदन पत्र

ಆರ್.ಎನ್. ಮಿಶ್ರ ಅವರಿಂದ
ಮನೆ ನಂಬರ್ - 111,
ಶಾರದ ವಿಲಾಸ್ ಕಾಲೇಜ್ ರೋಡ್,
ಮೈಸೂರು.

ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಯವರಿಗೆ,
ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರಾಂತೀಯ ಹಿಂದಿ ಪ್ರಚಾರಸಭಾ,
ಧಾರವಾಡ.

ಮಾನ್ಯರೇ,

ನಿನ್ನೆ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆಯಲ್ಲಿ ನಿಮ್ಮ ಪ್ರಕಟಣೆ ಓದಿದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯದಲ್ಲಿ ಹಿಂದಿ ಪ್ರಚಾರ ಮಾಡಲು ಕಾರ್ಯಕರ್ತರು ಬೇಕಾಗಿದ್ದಾರೆ ಎಂದು ಕೇಳಿದೆ. ಅದಕ್ಕಾಗಿ ನನ್ನ ಅರ್ಜಿಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸುತ್ತಿದ್ದೇನೆ.

ನಾನು ಹಿಂದಿಯಲ್ಲಿ ಎಂ.ಎ. ಪದವಿ ಪಡೆದಿದ್ದೇನೆ. ನನ್ನ ಮಾತೃಭಾಷೆ ಹಿಂದಿ. ಹಿಂದಿಯ ಜೊತೆಗೆ ನನಗೆ ಕನ್ನಡ, ಮಲಯಾಳಂ, ತಮಿಳು, ಇಂಗ್ಲೀಷು ಭಾಷೆಗಳೂ ಬರುತ್ತವೆ. ತೆಲುಗು ಮತ್ತು ಮರಾಠಿ ಭಾಷೆಗಳು ಸ್ವಲ್ಪ ಸ್ವಲ್ಪ ಮಾತನಾಡಲು ಬರುತ್ತವೆ. ನನಗೆ ಭಾಷೆ ಕಲಿಯುವುದು ಮತ್ತು ಕಲಿಸುವುದು ಎಂದರೆ ಬಹಳ ಇಷ್ಟವಾದ ಕೆಲಸ.

ಆದ್ದರಿಂದ ಹಿಂದಿ ಪ್ರಚಾರ ಕಾರ್ಯಕರ್ತನ ಹುದ್ದೆಯನ್ನು ನೀಡಿ ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸಲು ಅವಕಾಶ ಮಾಡಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ಪ್ರಾರ್ಥಿಸುತ್ತೇನೆ.

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಧೇಯ,

ದಿನಾಂಕ - 30-3-2001.

(ಆರ್.ಎನ್.ಮಿಶ್ರ)

नए शब्द

ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ	सचीव	ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆಯಲ್ಲಿ	दैनिक समाचार पत्र में
ಪ್ರಕಟಣೆ	प्रकाशन	ಕಾರ್ಯಕರ್ತರು	सेवा करनेवाले
ಬೇಕಾಗಿದ್ದಾರೆ	चाहिए	ಪದವಿ ಪಡೆದಿದ್ದೇನೆ	पदवी पाई है।
ಕಲಿಯುವುದು	सीखना	ಕಲಿಸುವುದು	सिखाना
ಇಷ್ಟವಾದ ಕೆಲಸ	पसन्द का कार्य	ಹುದ್ದೆಯನ್ನು	स्थान (को)
ನೀಡಿ	देकर	ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸಲು	सेवा करने का
ಅವಕಾಶ	अवसर	ವಿಧೇಯ	आज्ञकारी
ದಿನಾಂಕ	दिनांक, तारीख		

I. उत्तर दीजिए।

1. ಅರ್ಜಿ ಬರೆದವರು ಯಾರು?
2. ಯಾವ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಅರ್ಜಿ ಹಾಕಿದ್ದಾರೆ?
3. ಅರ್ಜಿದಾರರ ವಿದ್ಯಾರ್ಹತೆ ಏನು?
4. ಅರ್ಜಿದಾರರಿಗೆ ಇಷ್ಟವಾದ ಕೆಲಸ ಯಾವುದು?
5. ಯಾವ ವಿಳಾಸಕ್ಕೆ ಅರ್ಜಿ ಕಳುಹಿಸುತ್ತಿದ್ದಾರೆ?

II. निम्न शब्द-गुच्छों का अभ्यास कीजिए।

ಪೂಜ್ಯ ತಂದೆ ತಾಯಿಯವರಿಗೆ,
ಪ್ರೀತಿಯ ಅಣ್ಣನಿಗೆ,
ಆತ್ಮೀಯ ಸ್ನೇಹಿತರಾದ ರಾಜು ಅವರಿಗೆ,
ಚಿರಂಜೀವಿ ಮಹೇಶನಿಗೆ,
ರವಿ ಮಾಡುವ ಆಶೀರ್ವಾದಗಳು.
ರವಿ ಮಾಡುವ ನಮಸ್ಕಾರಗಳು.
ವಂದನೆಗಳು,
ತಮ್ಮ ಪ್ರೀತಿಯ
ತಮ್ಮ ವಿಧೇಯ

III. कन्नड़ में अनुवाद कीजिए।

पूज्य अध्यापकजी

नमस्ते

आपसे निवेदन है कि मैं कल रात से बीमार हूँ। अभी ज्वर नहीं उतरा है। अनएव मैं कक्षा में हाजिर नहीं हो सकता। आपसे मेरी सविनय प्रार्थना है कि आप मेरी अनुपस्थिति को क्षमा करें और मुझे आज से तीन दिन की छुट्टी प्रदान करें।

आशा है कि मेरी प्रार्थना स्वीकृत होगी.

आपका आज्ञाकारी विधार्थी,
मोहनराम
कक्षा 3

IV. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग कर कन्नड में एक पत्र लिखए।

ತಂದೆಯವರಿಗೆ, ಅನಂತ ನಮಸ್ಕಾರಗಳು,

ಮುಂದಿನ ತಿಂಗಳು ಪರೀಕ್ಷೆ, ಇದೆ, ಚೆನ್ನಾಗಿ, ಓದು,

ನಂತರ, ಊರಿಗೆ, ಬರು, ಹಣ, ಬೇಕು.

टिप्पणियाँ

इस पाठ में भविश्यत्काल और आभ्यासिक भविश्यत् काल की क्रियाओं के वाक्यों का परिचय दिया गया है। भविष्यतकाल भविष्य में होनेवाले कार्य के सामान्य अर्थ में प्रयुक्त होता है। आभ्यासिक भविश्यत्काल भविश्य में कार्य के निरन्तर होते रहने केलिए प्रयुक्त होता है। उस का प्रयोग वर्तमान केलिए भी होता है।

I. भविष्यत्काल

भविश्यत्काल का चिन्ह ವ್ है। `ಉ' कारान्त क्रियाओं का भविष्यत्काल केवल `ವ್' चिन्ह जोडकर बनाया जाता है।

उदाहरण: ಹೋಗು + ವ್ + ಎನು – ಹೋಗುವೆನು – जाऊँगा

ನಾನು ನಾಳೆ ಹಳೇಬೀಡಿಗೆ ಪ್ರವಾಸ ಹೋಗುವೆನು.

मैं कल हळेबीडु प्रवास केलिए जाऊँगा।

II. ಇ/ಎ **कारान्त क्रियाओं के भविष्यत् काल केलिए जब `**ವ್**' लगाते हैं तो बीच में `**ಯು**' आ जाता है।**

उदाहरण: ಬರೆ + ಯು + ವ್ + ಎನು – ಬರೆಯುವೆನು – लिखूँगा

ನಾನು ಕಾಗದ ಬರೆಯುವೆನು. – मैं पत्र लिखूँगा।

III. अभ्यासिक भविश्यत्काल निम्न प्रकार से बनाया जाता है। क्रिया रूप में `ತ್**' लगाते हैं, फिर पुरुष वचन लिंग के प्रत्यय।**

उदाहरण: ಬರೆ + ತ್ + ಆನೆ – ಬರೀತಾನೆ – लिखा करता है

ಅಣ್ಣ ಕಾಗದ ಬರೀತಾನೆ. – भाई पत्र लिखा करता है।

IV. `ಓದು**' क्रिया के भविष्यत काल और आभ्यासिक भविष्यत काल के रूप नीचे दिये गये हैं।**

सर्वनाम	भविष्यकाल का रुप	पुरुष, लिंग, वचन के प्रत्यय	आभ्यासिक भविश्यत काल के रूप	पुरुष लिंग, वचन के प्रत्यय
ನಾನು	ಓದುವೆನು	ಎನು	ಓದ್ತೀನಿ	ಈನಿ
ನಾವು	ಓದುವೆವು	ಎವು	ಓದ್ತೀವಿ	ಈವಿ
ನೀನು	ಓದುವೆ	ಎ	ಓದ್ತೀಯೆ	ಈಯೆ
ನೀವು	ಓದುವಿರಿ	ಇರಿ	ಓದ್ತೀರಿ	ಈರಿ
ಅವನು	ಓದುವನು	ಅನು	ಓದ್ತಾನೆ	ಆನೆ
ಅವಳು	ಓದುವಳು	ಅಳು	ಓದ್ತಾಳೆ	ಆಳೆ
ಅವರು	ಓದುವರು	ಅರು	ಓದ್ತಾರೆ	ಆರೆ
ಅದು	ಓದುವುದು	ಉದು	ಓದುತ್ತೆ	ಎ
ಅವು	ಓದುವುವು	ಉವು	ಓದುತ್ವೆ	ವೆ

V. भविष्यत्काल के निशेधात्मक रूप क्रिया से बनी संज्ञा के साथ `ಇಲ್ಲ ' लगाकर बनाते हैं।

उदाहरण: ಓದುವುದು + ಇಲ್ಲ – ಓದುವುದಿಲ್ಲ – नहीं पढ़ूँगा

ನಾನು ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಓದುವುದಿಲ್ಲ. – मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ूँगा

बोलचाल की भाषा में `ಓದುವುದಿಲ್ಲ' का रूप `ಓದೋದಿಲ್ಲ' होता है।

VI. इस पाठ में `ಇಸು' प्रत्यय का परिचय दिया गया है। संज्ञा शब्दों में `ಇಸು' लगाकर नाम धातु बनाई जाती है। नाम धातु से क्रिया के अर्थ मिलते हैं।

उदाहरण: ಅಲಂಕಾರ + ಇಸು – ಅಲಂಕರಿಸು – अलंकार करना, सजाना

ನಾವು ದೇವರ ಮನೆಯನ್ನು ಅಲಂಕರಿಸುತ್ತೇವೆ.

हम पूजा-धर सजाते हैं।

ಆಚರಣೆ + ಇಸು – ಆಚರಿಸು – आचरण करना, मनाना

ನಾವು ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ ದಿನಾಚರಣೆಯನ್ನು ಆಚರಿಸುತ್ತೇವೆ.

हम स्वतंत्र दिवस मनाते हैं।

ಪಾಠ / पाठ 11

ಅಂಗಡಿಗೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇದೀನಿ / दुकान जा रहा हूँ

ಶರ್ಮಾ	: ಮಕ್ಕಳನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಎಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇದೀಯೆ ಗೋಪಾಲ್?	बच्चों को लेकर गोपाल कहाँ जा रहे हो।
ಗೋಪಾಲ್	: ನಾಳೆ ಯುಗಾದಿ ಹಬ್ಬ ಅಲ್ವೆ? ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಬಟ್ಟೆ ತೆಗಿಯೋಣ ಅಂತ ಅಂಗಡಿಗೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇದೀನಿ.	कल युगादी का त्योहार है न? बच्चों कोकपड़े लाने दुकान जा रहा हूँ।
ಮಂಜುಳ	: ನಮಸ್ಕಾರ ಅಂಕಲ್.	नमस्कार अंकल।
ಶರ್ಮಾ	: ನಮಸ್ಕಾರ ಮಂಜುಳ. ರವಿ ಅಳ್ತಾ ಇದಾನೆ. ಇದಾನೆ. ಯಾಕೆ ಅಳ್ತಾ ಇದೀಯೆ ರವಿ?	नमस्कार मंजुळा। रवि रो रहा है। रवि, क्यों रो रहे हो?
ಮಂಜುಳ	: ಅವನಿಗೆ ಎರಡು ಜೀನ್ಸ್ ಪ್ಯಾಂಟ್ ಬೇಕಂತೆ.	उसे दो जीन्स पैंट चाहिए।
ಶರ್ಮಾ	: ಪರವಾಗಿಲ್ಲ, ತೆಗೆದುಕೊಡು ಗೋಪಾಲ್. ಇರುವವನು ಒಬ್ಬನೇ ಮಗ ಅಲ್ವೇ.	कोई बात नहीं, ले लो गोपाल। एक ही बेटा है न?
ಗೋಪಾಲ್	: ಈಗ ಒಂದು ಪ್ಯಾಂಟಿಗೇ ದುಡ್ಡು ಸಾಲಲ್ಲ. ಎರಡು ಪ್ಯಾಂಟ್ ಹೇಗೆ ತೆಗಿಯೋದು?	इस समय एक ही पैंट केलिए पैसा कम है। दो पैंट कैसे ले सकता हूँ?
ಶರ್ಮಾ	: ಅದಕ್ಕೆ ಯಾಕೆ ಯೋಚನೆ ಈಗ ನಾನು ದುಡ್ಡು ಕೊಡ್ತೀನಿ. ನಿನಗೆ ಸಿಕ್ಕಿದಾಗ ವಾಪಸ್ ಕೊಡು.	उस केलिए क्यों चिंता है? अभी मैं पैसा देता हूँ। जब आए तब वापस कर देना।
ಗೋಪಾಲ್	: ಯಾವಾಗಲೂ ಸಾಲ ಮಾಡ್ತಾ ಇರುವುದು ನನಗೆ ಇಷ್ಟ ಇಲ್ಲ.	मैं हमेशा कर्ज लेना नहीं चाहता।
ಶರ್ಮಾ	: ಸಾಲ ಅಂತ ತಿಳಿಬೇಡ. ನಿನ್ನದೇ ಹಣ ಅಂತ ತಿಳಿ[illegible]ಕೋ. ತೆಗೆದುಕೋ ಈ ಹಣವನ್ನು.	कर्ज मत समझो। इसे अपना ही पैसा समझकर ले लो।
ಗೋಪಾಲ್	: ಸರಿಯಪ್ಪ ಬರ್ತೀನಿ.	अच्छा भाई चलता हूँ।

ಶರ್ಮಾ	: ಈಗ ನೋಡು ರವಿಯ ಮುಖ ಹೇಗೆ ಅರಳ್ತಾ ಇದೆ!	अब देखो, रवी का चेहरा कैसे खिल गया?
ರವಿ	: ಥ್ಯಾಂಕ್ಯೂ ಅಂಕಲ್!	धन्यवाद अंकल!
ಶರ್ಮಾ	: ರವಿ, ನೀನು ಯಾವಾಗ್ಲೂ ಹೀಗೆ ನಗ್ತಾ ಇರಬೇಕು.	रवी, देखो, तुम हमेशा इसी तरह हँसते रहो।
ಗೋಪಾಲ್	: ಯಾವಾಗ್ಲೂ ನಗ್ತಾ ಇರ್ತಾನೆ, ಹೊಸ ಬಟ್ಟೆ ಸಿಗ್ತಾ ಇದ್ರೆ. ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ ಅರಳ್ತಾ ಇರುವುದು.	हमेशा हँसता ही रहता है। अगर नया कपडा मिलता ही रहता है तो। और चेहरा खिलता ही रहता है।
ಶರ್ಮಾ	: ಅಂಗಡಿಗೆ ಹೋಗಿ ಬನ್ನಿ.	दुकान जाकर आइए।

*****

ವ್ಯಾಪಾರಿ	: ಬನ್ನಿ ಸಾರ್ .... ಬನ್ನಿ .... ಬನ್ನಿ. ಏನು ಬೇಕು ಸಾರ್? ಪ್ಯಾಂಟು, ಶರ್ಟು, ಸೀರೆ, ಪಂಚೆ, ಲುಂಗಿ, ಏನು ಬೇಕು ಸಾರ್?	आइए श्रीमान्जी, आइए, आईए। क्या चाहिए? पैंट शर्ट, साडी, धोती, लुँगी, क्या चाहिए श्रीमान्जी?
ಗೋಪಾಲ್	: ಇವನಿಗೆ ಜೀನ್ಸ್ ಪ್ಯಾಂಟ್ ಬೇಕು.	इसे जीन्स पैंट चाहिए।
ರವಿ	: ಕಪ್ಪು ಬಣ್ಣದ್ದು ಒಂದು ನೀಲಿ ಬಣ್ಣದ್ದು ಒಂದು.	एक काले रंग का (और) एक नीले रंग का।
ವ್ಯಾಪಾರಿ	: ನೀಲಿ ಬಣ್ಣದ ಜೀನ್ಸ್ ಪ್ಯಾಂಟ್ ಇದೆ. ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. ಕಪ್ಪು ಬಣ್ಣದ ಜೀನ್ಸ್ ಇಲ್ಲ ಸಾರ್. ಬಿಳಿ ಟೆರಿಕಾಟ್ ಪ್ಯಾಂಟ್ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ. ಕೊಡಲಾ ಸಾರ್?	नीले रंग का जीन्स पैंट है। लीजिए। काले रंग का जीन्स नहीं है। श्रीमान्जी, सफेद टेरिकॉट पैंट अच्छा है। क्या दूँ महोदय?
ಗೋಪಾಲ್	: ಬಿಳಿ ಬೇಡ. ಕಂದು ಬಣ್ಣದ್ದು ಕೊಡಿ.	सफेद नहीं चाहिए। वह भुरे रंग वाला दे दो।
ವ್ಯಾಪಾರಿ	: ಶರ್ಟು ಯಾವುದು ಬೇಕು ಸಾರ್?	श्रीमान्जी, कौनसी शर्ट चाहीए?
ಗೋಪಾಲ್	: ಯಾವುದು ನೋಡ್ತಾ ಇದೀಯೆ ರವಿ?	रवी, कौनसा देख रहे हो?

ರವಿ	: ಈ ಕೆಂಪು ಮತ್ತು ಕಪ್ಪು ಕಲರ್ ನೋಡಪ್ಪ.	यह लाल और काले रंग का देखिए।
ವ್ಯಾಪಾರಿ	: ಈ ಟೀ ಶರ್ಟ್ ನೋಡಿ ಬಹಳ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ.	यह टी शर्ट देखिए। बहुत अच्छी है।
ಗೋಪಾಲ್	: ಈ ಟೀ ಶರ್ಟ್ ಮತ್ತು ಆ ಬುಶ್ ಶರ್ಟ್ ಕೊಡಿ. ಮಂಜುಳ, ನಿನಗೆ ಏನು ಬೇಕು?	यह टी शर्ट और वह बुश शर्ट दी-जिए। मंजुळा, तुम को क्या चाहिए?
ಮಂಜುಳ	: ನನಗೆ ಒಂದು ಚೂಡಿದಾರ ಬೇಕು. ಇನ್ನೊಂದು ಮಿಡಿ ಬೇಕು.	मुझे एक चूडीदार चाहिए और एक मिडि चाहिए।
ವ್ಯಾಪಾರಿ	: ಇದರಲ್ಲಿ ಯಾವುದು ಬೇಕು? ಹೇಳಿ.	बताओ इन में कौनसा चाहिए।
ಗೋಪಾಲ್	: ಆ ಹಳದಿ ಮತ್ತು ಹಸುರು ಬಣ್ಣದ ಚೂಡಿದಾರ ಕೊಡಿ.	वह पीले रंग के साथ हरे रंग का चूडीदार दीजिए।
ಮಂಜುಳ	: ಅದು ಬೇಡ ಅಪ್ಪ. ಕಾವಿ ಬಣ್ಣದ ಮೇಲೆ ಕಾಫಿ ಬಣ್ಣದ ಹೂಗಳಿವೆಯಲ್ಲ, ಅಂಚಿನಲ್ಲಿ ಕೇಸರಿ ಬಣ್ಣದ ಚುಕ್ಕೆಗಳು ಇವೆಯಲ್ಲ ಅದು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ.	पिताजी, वह नहीं चाहिए। गेरुआ रंगपर सूँधनी रंग के फूल हैं न, किनारे पर केसरी रंग के नक्षत्र हैं न, उसी को ले लें।
ಗೋಪಾಲ್	: ಆಗಲಿ. ಅದನ್ನೇ ತೆಗುದುಕೊಳ್ಳೋಣ. ಮಿಡಿ ಯಾವುದು ಬೇಕು?	ठीक। उसी को खरीद लें। मिडि कौनसी चाहिए?
ಮಂಜುಳ	: ಹಳದಿ ಬಣ್ಣದ ಮೇಲೆ ಗುಲಾಬಿ ಬಣ್ಣದ ಡಿಸೈನ್ ಇದೆಯಲ್ಲಾ? ಅದನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ.	पीले रंग पर गुलाबी रंग का डिजाइन है न? उसी को खरीदें।
ಗೋಪಾಲ್	: ಸರಿ, ಇವೆರಡೂ ಕೊಡಿ. ಎಷ್ಟಾಯ್ತು?	अच्छा है। ये दोनों दीजिए। कितना हुआ?
ವ್ಯಾಪಾರಿ	: ಒಟ್ಟು ಸಾವಿರದ ಆರು ನೂರ ಎಪ್ಪತ್ತು ರೂಪಾಯಿ ಸಾರ್.	कुल-एक हजार छः सौ सत्तर रुपये महोदय।
ಗೋಪಾಲ್	: ಬೆಲೆ ಜಾಸ್ತಿ ಆಯ್ತು. ಸ್ವಲ್ಪ ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಿ.	दाम ज्यादा हो गया। कुछ कम कर दीजिए।

*****

ಪ್ರಶಾಂತ್	: ನಮಸ್ಕಾರ ಗೋಪಾಲ್. ಬಟ್ಟೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡಿರಾ?	नमस्कार गोपालजी। क्या कपडा खरीद लिया?
ಗೋಪಾಲ್	: ಓಹೋ! ಹೌದು ಪ್ರಶಾಂತ. ಏನು ಇದು ಬ್ಯಾಂಡೇಜು?	ओहो! हाँ प्रशान्तजी। यह बैंडेज क्या है?
ಪ್ರಶಾಂತ್	: ಒಂದು ಅಪಘಾತ ಆಯ್ತು ಗೋಪಾಲ್.	एक दुर्धटना हो गई गोपालजी।
ಗೋಪಾಲ್	: ಏನು?	क्या?
ಪ್ರಶಾಂತ್	: ಅಕ್ಟೋಬರ್ ಎರಡನೇ ತಾರೀಖು. ನಮ್ಮ ಮನೆಯವರೆಲ್ಲ ಬೆಂಗಳೂರಿನಿಂದ ಬರ್ತಾ ಇದ್ದೆವು. ಮಾರುತಿ ಕಾರ್ ನಾನೇ ಓಡಿಸ್ತಾ ಇದ್ದೆ. ನನ್ನ ಹೆಂಡತಿ ಹಿಂದಿನ ಸೀಟಿನಲ್ಲಿ ಕಾದಂಬರಿ ಓದುತ್ತಾ ಇದ್ದಳು. ನನ್ನ ಮಗ ಪ್ರತಾಪ್ ನನ್ನ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಕುಳಿತು ಕೊಳಲು ಊದುತ್ತಾ ಇದ್ದ. ನನ್ನ ಮಗಳು ಹಾಡು ಹೇಳುತ್ತಾ ಇದ್ದಳು. ಕಾರು ವೇಗವಾಗಿ ಓಡುತ್ತಾ ಇತ್ತು. ಚನ್ನಪಟ್ಟಣದ ಹತ್ತಿರ ಇದ್ದಕ್ಕಿದ್ದಂತೆ ತಪ್ಪಿಸೋಣ ಅಂತ ಬಲಕ್ಕೆ ಕಾರು ಒಂದು ದನ ಅಡ್ಡ ಬಂತು. ಅದನ್ನು ತಿರುಗಿಸಿದೆ. ಒಂದು ಕ್ಷಣದಲ್ಲಿ ಎದುರುಗಡೆಯಿಂದ ಬರ್ತಾ ಇದ್ದ ಬಸ್ಸಿಗೆ ಕಾರು ಡಿಕ್ಕಿ ಹೊಡೆದಿತ್ತು. ನನಗೆ ಪ್ರಜ್ಞೆ ತಪ್ಪಿತ್ತು. ಮತ್ತೆ ನನಗೆ ಪ್ರಜ್ಞೆ ಬಂದಾಗ ಆಸ್ಪತ್ರೆಯಲ್ಲಿದ್ದೆ.	अक्टोबर की दूसरी तारीख थी। हमारे धर के सब लोग बेंगलूर से आ रहे थे। मारुती कारमैं ही चला रहा था। मेरी पत्नी पिछले सीट में उपन्यास पढ रही थी। मेरा बेटा प्रताप मेरी बगल में बैठ कर बाँसुरी बजा रहा था। मेरी बेटी गाना गा रही थी। कार जोर से दौड रही थी। अचानक चन्नपट्टण के पास एक जानवर पास में ही आ गया उस से बचने को दायीं तरफ कार धुमायी। एक क्षण में आगे से एक बस आ रही थी। उससे कार को टक्कर लग गई थी। मैं बेहोश हो गया। होश में आने के बाद देखा कि में अस्पताल में था।
ಗೋಪಾಲ್	: ಸಧ್ಯ ಯಾರಿಗೂ ಪ್ರಾಣಾಪಾಯ ಆಗಲಿಲ್ಲ ತಾನೇ?	भग्यवश किसीकी जान नहीं गई?
ಪ್ರಶಾಂತ್	: ನನ್ನ ಮಗನ ಕಾಲಿನ ಮೂಳೆ ಮುರಿದಿದೆ, ಬ್ಯಾಂಡೇಜ್ ಹಾಕಿದಾರೆ. ಆಸ್ಪತ್ರೆಯಲ್ಲೇ ಇದಾನೆ. ಈಗ ತಾನೇ ನೋಡಿಬಿಟ್ಟು ಬಂದೆ.	मेरे बेटे के पैर की हड्डी.....टुटने से बैंडेज लगाया गया है। वह अस्पताल मैं ही है। अभी जाकर देख

	ಊಟ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಕೊಟ್ಟು ಬರಬೇಕು.	आया हूँ। खाना ले कर उसे देकर आना है।
ಗೋಪಾಲ್ :	ಮಗನ ಹತ್ತಿರ ಯಾರಿದಾರೆ?	बेटे के पास कौन है?
ಪ್ರಶಾಂತ್ :	ನನ್ನ ಹೆಂಡತಿ, ಅವನನ್ನು ನೋಡಿಕೊಂಡು ಅಲ್ಲೇ ಇರ್ತಾಳೆ.	मेरी पत्नी उस की देखरेख के लिए वहीं रहती है।
ಗೋಪಾಲ್ :	ಅಲ್ಲೇ ಇರಬೇಕಾ?	उसे वहीं रहना है क्या?
ಪ್ರಶಾಂತ್ :	ಅಲ್ಲಿ ಇರದೇ ಬೇರೆ ದಾರಿಯೇ ಇಲ್ಲ. ಡಿಸ್‌ಚಾರ್ಜ್ ಮಾಡದೇ ಹೊರಬರುವ ಹಾಗಿಲ್ಲ.	वहाँ रहने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। बिना डिस्चार्ज किये बाहर नहीं आ सकता है।
ಗೋಪಾಲ್ :	ನೀನೂ ಬಹಳ ಓಡಾಡಬೇಕು.	तुम को भी दौड़-धूप करनी है।
ಪ್ರಶಾಂತ್ :	ಓಡಾಡದೆ ಬೇರೆ ದಾರಿಯೇ ಇಲ್ಲ.	दौडधूप के अलावा दूसरा रास्ता ही नहीं है।
ಗೋಪಾಲ್ :	ಸಾಯಂಕಾಲ ಸರಳಳನ್ನೂ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬರ್ತೀನಿ.	शामको सरळा को भी लेकर आता हूँ।
ಪ್ರಶಾಂತ್ :	ಒಳ್ಳೆಯದು ಬನ್ನಿ. ನಾವು ಎದುರು ನೋಡ್ತಾ ಇರ್ತೀವಿ.	अच्छा आइए। हम इन्तजार करते रहते हैं।
ಗೋಪಾಲ್ :	ಆಗಲಿ, ಸಿಗೋಣ. ರವೀ, ಮಂಜುಳಾ, ಬಟ್ಟೆ ತಗೊಂಡ್ರಾ? ಬನ್ನಿ ಹೋಗೋಣ.	ठीक, फिर मिलेंगे। रवी, मंजुळा क्या कपडे ले लिये? चलो चलें।

शब्दार्थ

ಕರೆದುಕೊಂಡು	लेकर	ಹೋಗ್ತಾ ಇದೀಯೆ	जा रहे हो
ಹಬ್ಬ	त्योहार	ಬಟ್ಟೆ	कपडा
ತೆಗಿಯೋಣ	लाएँ	ಅಂಗಡಿ	दुकान
ಅಳ್ತಾ ಇದಾನೆ	रो रहा है	ಯೋಚನೆ	चिन्ता
ಕೊಡ್ತೀನಿ	देता हूँ	ಸಿಕ್ಕಿದಾಗ	जब आया

ಮಾಡ್ತಾ	करता	ಬರ್ತೀನಿ	आता हूँ
ಆಗ	तब	ಮುಖ	मुँह
ಅರಳ್ತಾ	खिलता	ಥ್ಯಾಂಕ್ಯೂ	धन्यवाद
ಯಾವಾಗ್ಲೂ	हमेशा	ನಗ್ತಾ	हँसता
ಇರ್ತಾನೆ	रहता है	ಹೊಸ	नया
ಸೀರೆ	साड़ी	ಪಂಚೆ	धोती
ಲುಂಗಿ	लुंगी	ಕಪ್ಪು	काला
ಬಣ್ಣದ್ದು	रंग का	ಕಂದು	भूरा
ಕೆಂಪು	लाल	ಕಲರ್	रंग
ಚೂಡಿದಾರ	चूडीदार	ಮಿಡಿ	मिडि
ಹಳದಿ	पीला	ಹಸುರು	हरा
ಕಾವಿ	गेरुआ	ಅಂಚಿನಲ್ಲಿ	किनारे पर
ಚುಕ್ಕೆ	नक्षत्र	ಇವೆರಡೂ	ये दोनों
ಎಷ್ಟಾಯ್ತು	कितना	ಒಟ್ಟು	कुल
ಬೆಲೆ	दाम	ಆಯ್ತು	हुआ
ಜಾಸ್ತಿ	ज्यादा	ಕಡಿಮೆ	कम
ಬ್ಯಾಂಡೇಜ್	बैंडेज	ಅಪಘಾತ	दुर्धटना
ಆಯ್ತು	हुआ	ಮನೆಯವರೆಲ್ಲ	धर के सब लोग
ಓಡಿಸ್ತಾ	चलाता	ಹಿಂದಿನ	पिछला
ಕಾದಂಬರಿ	उपन्यास	ಓದುತ್ತಾ	पढ़ता/ती
ಪಕ್ಕ	बगल	ಕೊಳಲು	बाँसुरी
ಊದುತ್ತಾ	बजाता/ती	ಹೇಳುತ್ತಾ	गाती/ता
ವೇಗವಾಗಿ	जोर से	ಇದ್ದಕ್ಕಿದ್ದಂತೆ	अचानक
ದನ	जानवर	ತಪ್ಪಿಸೋಣ	बचाना
ಬಲಕ್ಕೆ	दायीं	ತಿರುಗಿಸಿದೆ	धुमाया
ಎದುರುಗಡೆ	सामने	ಕಾರು	कार

ಡಿಕ್ಕಿ	टक्कर	ಪ್ರಜ್ಞೆ ತಪ್ಪಿತ್ತು	बेहोश रहा
ಪ್ರಜ್ಞೆ ಬಂದಾಗ	होशा में आने पर	ಪ್ರಾಣಾಪಾಯ	जान को धक्का
ಏನೋ	फिर भी	ಆಗಲಿಲ್ಲ	नही बना
ಕಡೆ	तरफ, ओर	ಎದುರುನೋಡ್ತಾ	इन्तजार करता
ಸಿಗೋಣ	मिलेंगे		

अभ्यास

I. **उदाहरण के अनुसार निम्न लिखित वाक्यों का पुनार्निर्माण कीजिए।**

उदाहरण: ತಂದೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇದ್ದರು.

ತಂದೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇದಾರೆ.

1. ತಾಯಿ ಊಟ ಮಾಡ್ತಾ ಇದ್ದರು.
2. ರಾಜ ಪಾಠ ಓದ್ತಾ ಇದ್ದನು.
3. ಅಣ್ಣ ಚಿತ್ರ ಬರೀತಾ ಇದ್ದನು.
4. ಕಮಲ ಹಾಡು ಹೇಳ್ತಾ ಇದ್ದಳು.
5. ರವಿ ಆಟ ಆಡ್ತಾ ಇದ್ದನು.

II. **कोष्टक में दिये हुये शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

(ಚೂಡಿದಾರ್, ಇತ್ತು, ದಾರಿಯೇ, ಅಲ್ಲೇ, ಕಾರು)

1. ಅವನನ್ನು ನೋಡಿಕೊಂಡು .... ಇರ್ತಾಳೆ.
2. ಅಲ್ಲಿ ಇರದೆ ಬೇರೆ .... ಇಲ್ಲ.
3. ಕಾರು ವೇಗವಾಗಿ ಓಡುತ್ತಾ ....
4. ಬಸ್ಸಿಗೆ .... ಡಿಕ್ಕಿ ಹೊಡೆದಿತ್ತು.
5. ನನಗೆ ಒಂದು ....ಬೇಕು.

III. **निम्न लिखित शब्द समूह में उस शब्द का पता कीजिए जो अन्यों से सम्बन्धित नहीं है।**

उदाहरण:ಹೋಗ್ತೀನಿ, ಬರ್ತೀನಿ, ಹೋಗಿದ್ದೆ, ನಗ್ತೀನಿ,

1. ಹಾಡ್ತಾ ಇದೀನಿ, ನಗ್ತಾ ಇದೀನಿ, ಅಳ್ತಾ ಇದ್ದೆ, ಬರೀತಾ ಇದೀನಿ.
2. ಹೋಗುವೆನು, ಬರೆಯುವೆನು, ನಡೆದೆ, ನಡೆಯುವೆನು.

3. ಬರೆಯದೆ, ತಿನ್ನದು, ಮಾಡದೆ, ನೋಡದೆ.
4. ಬಂದು, ತಿಂದು, ನೋಡಿ, ಕಂಡು.
5. ಬಂದೆ, ಹೋದೆ, ಕಂಡೆ, ಬರ್ತಾ ಇದ್ದೆ.

IV. शब्दों की इस प्रकार जोडी बनाइए जिससे सार्थक वाक्य बन जाएँ।

1. ಬಂದೆ ಹೋಗಿ ಲಕ್ನೋಗೆ.
2. ಬಂದೆ ಕಾನ್‌ಪುರಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ.
3. ಮಾಡ್ತಾ ಇದೀನಿ ಊಟ.
4. ಸಿನಿಮಾಕ್ಕೆ ಬಂದೆ ಹೋಗಿದ್ದು.
5. ಮಾರ್ಕೆಟ್ಟಿಗೆ ಬರ್ತೀನಿ ನಾನೂ.

V. निम्न लिखित शब्दों का प्रयोग कन्नड के अलग अलग वाक्यों में कीजिए।

ಇದೀನಿ, ಹೋದೆ, ಬಂದು, ಹೋಗಿ, ಕೂಗ್ತಾ, ಇದೀನಿ.

पढिए और समझिए

ತ್ರಿರೂಪಿ
त्रिरूपि

ನಾನು ತ್ರಿರೂಪಿ. ಈಗ ದ್ರವ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಇದೀನಿ. ಉಷ್ಣಾಂಶವನ್ನು ಅನುಸರಿಸಿ ನಾನು ರೂಪ ಬದಲಾವಣೆ ಮಾಡ್ತಾ ಇರ್ತೀನಿ. ಈಗ ಸಾಮಾನ್ಯ ಉಷ್ಣಾಂಶ. ಆದ್ದರಿಂದ ದ್ರವರೂಪದಲ್ಲಿ ಹರಿಯುತ್ತಾ ಇದೀನಿ. ಉಷ್ಣಾಂಶ ಹೆಚ್ಚಿದರೆ ನನಗೆ ಸೆಖೆ ತಡೆಯೋಕೇ ಆಗಲ್ಲ. ಆದ್ದರಿಂದ ಅನಿಲ ರೂಪಕ್ಕೆ ಹಾರ್ತೀನಿ. ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಪಕ್ಷಿಗಳಂತೆ ಹಾರಾಡ್ತಾ ಇರ್ತೀನಿ. ಎಷ್ಟು ಮಜಾ ಇರುತ್ತೆ ಗೊತ್ತಾ? ಉಷ್ಣಾಂಶ ಕಡಿಮೆ ಆದ್ರೆ, ನನಗೆ ವಿಶ್ರಾಂತಿ ಬೇಕು ಅನ್ನಿಸ್ತಾ ಇರತ್ತೆ. ಆಗ ಅನಿಲ ರೂಪದಿಂದ ದ್ರವರೂಪಕ್ಕೆ ಬಂದು ಘನ ರೂಪ ಹಿಡೀತೀನಿ. ಚೆನ್ನಾಗಿ ನಿದ್ರೆ ಮಾಡ್ತೀನಿ. ನನ್ನನ್ನು ನಿದ್ರೆಯಿಂದ ಎಚ್ಚರಿಸ ಬೇಕಾದ್ರೆ ನೀವು ಶಾಖ ಕೊಡಬೇಕು. ನಾನಿಲ್ಲದಿದ್ದರೆ ಜೀವಿಗಳು ಬದುಕೋಕೆ ಆಗಲ್ಲ. ಮನುಷ್ಯರಂತೂ ನನ್ನನ್ನು ಅನೇಕ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ಬಳಸ್ತಿದಾರೆ. ಕುಡಿಯೋಕೆ, ರೈಲು ಓಡಿಸೋಕೆ, ವಿದ್ಯುತ್ ತಯಾರಿಸೋಕೆ ಇತ್ಯಾದಿ ಬಗೆಬಗೆಯ ಕೆಲಸ ಕಾರ್ಯಗಳಿಗೆ ನನ್ನ ಬಳಕೆ ಆಗುತ್ತಿದೆ. ನೀವೂ ಉಪಯೋಗಿಸ್ತಾ ಇದೀರಿ. ಹಾಗಾದರೆ ನಾನು ಯಾರು ಗೊತ್ತೆ? ನಾನು ನೀರು, ಆವಿ, ಮಂಜುಗಡ್ಡೆ ರೂಪದಲ್ಲಿರುವ ತ್ರಿರೂಪಿ.

नए शब्द

ತ್ರಿರೂಪಿ	तीन रूपवाला	ಉಷ್ಣಾಂಶ	तापमान
ಬದಲಾವಣೆ	परिवर्तन	ಹರಿಯುತ್ತಾ	बहता
ಹೆಚ್ಚಿದರೆ	अधिक होते	ಸೆಖೆ	गर्मी
ತಡೆಯೋಕೆ	दसहन करने केलिए	ಆಗಲ್ಲ	नहीं होता
ಅನಿಲ	वायु	ಮಜಾ	आनंद
ಆದ್ರೆ	होतो	ಅನ್ನಿಸ್ತಾ	लगता
ದ್ರವ	जल	ಹಿಡಿತೀನಿ	पकडता हूँ
ಎಚ್ಚರಿಸ ಬೇಕಾದ್ರೆ	जगाना हो तो	ಶಾಖ	उष्ण
ಬಳಸ್ತಿದಾರೆ	उपयोग करते हैं	ಬಗೆಬಗೆಯ	तरह तरह
ಆವಿ	बाष्प	ಮಂಜು	हिम

I. वचनार्थ सामग्री के सन्दर्भ में प्रशनों के उत्तर दीजिए।

1. ತ್ರಿರೂಪಿ ಯಾರು?
2. ಮಂಜುಗಡ್ಡೆ ಯಾವಾಗ ಆಗುತ್ತದೆ?
3. ನೀರನ್ನು ಕಾಯಿಸಿದರೆ ಏನಾಗುತ್ತದೆ?
4. ಆವಿಯನ್ನು ತಂಪು ಮಾಡಿದರೆ ಏನಾಗುತ್ತದೆ?
5. ತ್ರಿರೂಪಿಯನ್ನು ಮನುಷ್ಯರು ಹೇಗೆ ಬಳಸುತ್ತಾರೆ?

II. पाठ्य सामर्गि के आधार पर निम्न लिखित कथनों में जो सत्य है उन्हें चिन्हित (✓) कीजिए।

1. ಉಷ್ಣಾಂಶವನ್ನು ಅನುಸರಿಸಿ ನೀರಿನ ರೂಪ ಬದಲಾವಣೆ ಆಗುತ್ತದೆ.
2. ತಾಪ ಜಾಸ್ತಿಯಾದಾಗ ನೀರು ಮಂಜುಗಡ್ಡೆಯಾಗುತ್ತದೆ.
3. ಆವಿ ತಂಪಾದಾಗ ನೀರಾಗಿ ನಂತರ ಮಂಜುಗಡ್ಡೆ ಆಗುತ್ತದೆ.
4. ನೀರಿಗೆ ನಾಲ್ಕು ರೂಪಗಳುಂಟು.
5. ನೀರಿನಿಂದ ವಿದ್ಯುತ್ ತಯಾರಿಸಬಹುದು.

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

मैं राम हूँ। मै कन्नड विध्यार्थी हूँ। मुझे भी थोडी थाडीं आती है। मै सुबह छः बजेउठता हूँ। आठ बजे नाशता करता हूँ। दस बजे दफ्तर जाता हूँ। शाम को पाँच बजे धर आता हूँ। मैं और मेरी पत्नी बाजार जाते हैं। सामान खरीदते हैं। हम विदेशी सामान नहीं खरीदते, स्वदेशी ही खरीदते हैं।

IV. निम्नंकित विषय पर दस वाक्य लिखिए

`ಗಾಳಿ'

टिप्पणियाँ

इस पाठ में अपूर्ण काल (वर्तमान, भूत और आभ्यासिक भविष्यत्)के रूप का परिचय दिया गया है। अपूर्ण काल का प्रयोग क्रिया के कार्य के चलते रहने का बोध कराता है। अपूर्ण काल अपूर्ण कालिक कृदन्त से बनाया जाता है। अपूर्ण कालिक कृदन्त बनाने केलिए क्रिया में `ತಾ' चिन्ह लगाते हैं।

उदाहरण: ಅಳು + ತಾ – ಅಳ್ತಾ – रोता

I. अपूर्ण वर्तमान काल:

क्रिया के अपूर्ण कालिक कृदन्त रूप में `ಇರು' क्रिया के वर्तमान काल के रूप लगाकर बनाया जाता है।

उदाहरण: ಅಳ್ತಾ + ಇದಾನೆ – ಅಳ್ತಾ ಇದಾನೆ – **रो रहा** है।

ರವಿ ಅಳ್ತಾ ಇದಾನೆ. – रवि रो रहा है।

अपूर्ण वर्तमान काल का निषेधात्मक क्रिया के अपूर्णकाल के कृदन्त में `ಇಲ್ಲ' लगाकर बनाया जाता है।

उदाहरण: ಅಳ್ತಾ + ಇಲ್ಲ – ಅಳ್ತಾ ಇಲ್ಲ. नहीं रोता

ಲೋಕೇಶ ಅಳ್ತಾ ಇಲ್ಲ. – लोकेश नहीं रोता।

II. अपूर्ण आभ्यासिक काल:

अपूर्ण कालिक कृदन्त में `ಇರು ' क्रिया के आभ्यासिक रूप लगाकर बनाया जाता है।

उदाहरण: ಹೋಗ್ತಾ + ಇರ್ತೀನಿ – ಹೋಗ್ತಾ ಇರ್ತೀನಿ – जाता रहता हूँ

ನಾನು ಮನೆಗೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇರ್ತೀನಿ. – मैं धर जाता रहता हूँ।

इस का निषेधात्मक रूप अपूर्ण कालिक कृदन्त रूप में `ಇರಲ್ಲ' लगा कर बनाया जाता है।

उदाहरण: ಹೋಗ್ತಾ + ಇರಲ್ಲ – ಹೋಗ್ತಾ ಇರಲ್ಲ – नहीं जाता रहता हूँ

ನಾವು ಮನೆಗೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇರಲ್ಲ. - हम धर नहीं जाते रहते हैं।

III. अपूर्ण भूत काल:

अपूर्ण कालिक कृदन्त में `ಇರು' क्रिया का भूतकाल के रूप लगाकर बनाया जाता है।

उदाहरण: ಹೋಗ್ತಾ + ಇದ್ದೆ – ಹೋಗ್ತಾ ಇದ್ದೆ – जाता रहा था

ನಾನು ಮನೆಗೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇದ್ದೆ. – मैं धर जाता रहा था।

इस का निषेधात्मक अपूर्ण कालिक कृदन्त में `ಇರಲಿಲ್ಲ' लगा कर बनाया जाता है।

उदाहरण: ಹೋಗ್ತಾ + ಇರಲಿಲ್ಲ – ಹೋಗ್ತಾ ಇರಲಿಲ್ಲ – जाता नहीं रहा था

ಅವನು ಮನೆಗೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇರಲಿಲ್ಲ. – वह धर नहीं जाता रहा था।

IV. `ಮಾಡು ' क्रिया के अपूर्ण काल के विभिन्न रूप नीचे की तालिका मे दिये गये हैं।

सर्वनाम का रूप	अपूर्ण वर्तमान काल का रूप	अपूर्ण आभ्यासिक काल का रूप	अपूर्ण भूतकाल
ನಾನು	ಮಾಡ್ತಾ ಇದೀನಿ.	ಮಾಡ್ತಾ ಇರ್ತೀನಿ.	ಮಾಡ್ತಾ ಇದ್ದೆ.
ನಾವು	ಮಾಡ್ತಾ ಇದೀವಿ	ಮಾಡ್ತಾ ಇರ್ತೀವಿ	ಮಾಡ್ತಾ ಇದ್ದೆವು.
ನೀನು	ಮಾಡ್ತಾ ಇದೀಯೆ	ಮಾಡ್ತಾ ಇರ್ತೀಯ	ಮಾಡ್ತಾ ಇದ್ದೆ.
ನೀವು	ಮಾಡ್ತಾ ಇದೀರಿ.	ಮಾಡ್ತಾ ಇರ್ತೀರಿ.	ಮಾಡ್ತಾ ಇದ್ದಿರಿ.
ಅವನು	ಮಾಡ್ತಾ ಇದಾನೆ.	ಮಾಡ್ತಾ ಇರ್ತಾನೆ.	ಮಾಡ್ತಾ ಇದ್ದ.
ಅವಳು	ಮಾಡ್ತಾ ಇದಾಳೆ	ಮಾಡ್ತಾ ಇರ್ತಾಳೆ.	ಮಾಡ್ತಾ ಇದ್ದಳು.
ಅವರು	ಮಾಡ್ತಾ ಇದಾರೆ.	ಮಾಡ್ತಾ ಇರ್ತಾರೆ	ಮಾಡ್ತಾ ಇದ್ದರು.
ಅದು	ಮಾಡ್ತಾ ಇದೆ.	ಮಾಡ್ತಾ ಇರುತ್ತೆ.	ಮಾಡ್ತಾ ಇದ್ದಿತು.
ಅವು	ಮಾಡ್ತಾ ಇವೆ.	ಮಾಡ್ತಾ ಇರುತ್ವೆ	ಮಾಡ್ತಾ ಇದ್ದವು.
निशेधात्मक	ಮಾಡ್ತಾ ಇಲ್ಲ	ಮಾಡ್ತಾ ಇರಲ್ಲ	ಮಾಡ್ತಾ ಇರಲಿಲ್ಲ.

V. पूर्व कालिक कृदन्त का प्रयोग एक कार्य के पूर्ण होने का और उसके बाद दूसरे कार्य के शुरु होने की आशा का बोध करने के लिए किया जाता है। पूर्व कालिक कृदन्त के दो प्रत्यय हैं - `ಇ' और `ಉ'

1. जिन क्रियाओं का भूतकाल `ದ್', `ಡ್', `ತ್', `ಟ್', `ಕ್' लगाकर बनाए जाता है उन के भूतकाल के रूप में `ಉ' जोड कर उन के पूर्वकालिक कृदन्त बनाए जाते हैं।

उदाहरण: ಬಂದ್ + ಉ – ಬಂದು – आकर

ಮನೆಗೆ ಬಂದು ನೋಡಿದೆ. – धर आकर देखा

2. जिन क्रियाओं का भूतकाल `ಇದ್' लगाकर बनाए जाता है उनके पूर्व कालिक कृदन्त मूल क्रिया रूप में ही `ಇ' लगाकर बनाए जाते हैं।

उदाहरण: ನೋಡ್ + ಇ – ನೋಡಿ – देखकर

ನಾನು ಸಿನೆಮಾ ನೋಡಿ ಬಂದೆ. –मैं सिनेमा देखकर आया।

3. पूर्वकालिक कृदन्त के निषेधात्मक रूप मूल क्रिया रूप में `ಅದೆ' जोडकर बनाए जाते हैं।

उदाहरण: ಬರೆ + ಅದೆ – ಬರೆಯದೆ – बिना लेखे

ನಿಮಗೆ ಕಾಗದ ಬರೆಯದೆ ಊರಿಗೆ ಬಂದೆ. – तुम को पत्र भेजे बिना गाँव आया।

ಪಾಠ 12 पाठ

	ಕನ್ನಡ ಕಲೀತಾ ಇದೀವಿ	**कन्नड सीख रहे हैं**
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ	: ಇವರ ಹೆಸರು ರಾಮಕೃಷ್ಣ.	इन का नाम रामकृष्ण है।
ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು	: ನಮಸ್ಕಾರ ಸಾರ್.	श्रीमानजी, नमस्कार।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ನಮಸ್ಕಾರ.	नमस्कार।
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ	: ಇವರು ಲಕ್ನೋದಲ್ಲಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡ್ತಾ ಇದಾರೆ. ಇವರ ಮಾತೃ ಭಾಷೆ ಕನ್ನಡ. ನೀವು ಇವರ ಜೊತೆ ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಮಾತನಾಡಬಹುದು.	ये लखनउ में काम कर रहे हैं। इन की इन-की मातृभाषा कन्नड है। तुम इनके साथ कन्नड में बातचीत कर सकते हो।
ಶಾರದ	: ನಾವೂ ಕನ್ನಡ ಕಲೀತಾ ಇದೀವಿ ಸಾರ್.	श्रीमानजी, हम भी कन्नड सीख रहे हैं।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಗೊತ್ತಾಯಿತು. ಅದಕ್ಕೆ ನಿಮ್ಮನ್ನು ನೋಡೋಣ ಅಂತ ಬಂದೆ. ನಿಮಗೆಲ್ಲ ಕನ್ನಡ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಬರುತ್ತಾ?	मालूम हुआ। इसीलिए तुम लोगों को देखने आया। क्या तुम सब लोग कन्नड अच्छी तरह जानते है?
ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು	: ಸ್ವಲ್ಪ ಸ್ವಲ್ಪ ಬರುತ್ತೆ ಸಾರ್.	थोडा थोडा जानते हैं, श्रीमानजी।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಒಳ್ಳೆಯದು.	अच्छा।
ಪುಷ್ಪ	: ನಿಮ್ಮ ಊರು ಯಾವುದು ಸಾರ್?	श्रीमानजी, आप का गाँव कौनसा है?
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ನನ್ನ ಊರು ಮೈಸೂರು.	मेरा गाँव मैसूर है।
ಭುವನೇಶ್ವರಿ	: ಮೈಸೂರು ಅಂದ್ರೆ ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯ ತಾನೆ?	मैसूर, याने कर्नाटक राज्य है न?
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಇಲ್ಲ, ಇಲ್ಲ, ಮೈಸೂರು ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಪಟ್ಟಣ.	नहीं, नहीं। मैसूर कर्नाटक रज्य में एक शहर है।
ಪ್ರತಾಪ್	: ಹಿಂದೆ ಮೈಸೂರು ರಾಜ್ಯ ಅಂತ ಇತ್ತು ಅಲ್ವಾ ಸಾರ್?	श्रीमानजी, पहले यह मैसूर राज्य कहा जाता था न?
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಹೌದು. ಮೊದಲು ಪಟ್ಟಣದ ಹೆಸರೇ ರಾಜ್ಯಕ್ಕೂ ಇತ್ತು.	हाँ। पहले उस शहर का नाम ही राज्य को भी था।
ಉಮಾಪತಿ	: ಹಾಗಾದ್ರೆ, ಮೈಸೂರು ಕರ್ನಾಟಕದ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರಿನ ಹತ್ತಿರಾನಾ ಸಾರ್?	एसा है तो, मैसूर कर्नाटक की राजधानी बेंगलोर के पास ही है न मयोदय?

ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಹೌದು. ಬೆಂಗಳೂರಿನಿಂದ ಮೈಸೂರಿಗೆ ಸುಮಾರು 140 ಕಿ.ಮೀ. ಆಗುತ್ತೆ.	हाँ। बेंगलोर से मैसूर करीब 140 कि.मी. दूरी पर है।
ರವಿ	: ಸಾರ್, ನನಗೂ ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಗೊತ್ತು. ನಮ್ಮ ಚಿಕ್ಕಪ್ಪ ಮಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ಇದಾರೆ. ನಾನು ರಜಾ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಮಂಗಳೂರಿಗೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇರ್ತೀನಿ. ಅಲ್ಲಿ ಸ್ನೇಹಿತರ ಜೊತೆ ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಮಾತಾಡ್ತೀನಿ.	महोदय, मैं भी कर्नाटक राज्य के बारे में अच्छी तरह जानता हूँ। मेरे चाचाजी मंगळूर में है। मैं छुट्टियें के दिनों मे मंगळूर जाता रहता हूँ। वहाँ मित्रों के साथ कन्नड में बातचीत करता हूँ।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಒಳ್ಳೆಯದು. ಬಹಳ ಸಂತೋಷ?	अच्छा है। बहुत प्रसन्नता हुई।
ಗೀತ	: ನಾನು ಕನ್ನಡ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಓದ್ತೀನಿ. ಕನ್ನಡ ಕಥೆ ಪುಸ್ತಕ ಓದ್ತೀನಿ. ಈಗ `ಮೂಕಜ್ಜಿಯ ಕನಸುಗಳು' ಕಾದಂಬರಿ ಓದ್ತಾ ಇದೀನಿ.	मैं कन्नड अच्छी तरह पढती हूँ। कन्नड की कहानी पुस्तक पढती हूँ।अब `मूकज्जिय कनसुगळ' उपन्यास पढ़ रही हूँ।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಒಳ್ಳೆಯದು. ಕಾದಂಬರಿ ಹೇಗಿದೆ?	अच्छा है। उपन्यास कैसा है?
ಗೀತ	: ಬಹಳ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ. ಮುಕ್ಕಾಲು ಭಾಗ ಓದಿದೀನಿ. ಇನ್ನೂ ಕಾಲ ಭಾಗ ಓದಬೇಕು.	बहुत अच्छा है। तीन चौ-थाई भाग पढा है। और एक चौ-थाई भाग पढना है।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: `ಮೂಕಜ್ಜಿಯ ಕನಸುಗಳು' ಬರೆದಿರುವ ಕಾರಂತರ ಬಗ್ಗೆ ಹಿಂದೆ ಕೇಳಿದ್ದೀರಾ?	(इसके) पहले `मूकाज्जिय कनसुगळु' के लेखक श्री.कारन्त के विषय में क्या कुछ सुना है?
ಗೀತ	: ಹೌದು ಸಾರ್, ಅವರಿಗೆ ಜ್ಞಾನ ಪೀಠ ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಬಂದಿದೆ. ಬೇಕಾದಷ್ಟು ಸಾಹಿತ್ಯ ಸೃಷ್ಟಿ ಮಾಡಿದ್ದಾರೆ.	हाँ श्रीमानजी, उनको ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है। उन्होंने काफी साहित्य की रचना की है।
ಲತ	: ನಮ್ಮ ತಂದೆ ಹತ್ತಿರ ಜ್ಞಾನಪೀಠ ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಬಂದಿರುವ ಕನ್ನಡದ ಐದು ಪುಸ್ತಕಗಳಿವೆ ಸಾರ್.	हमारे पिताजी के पास ज्ञान पीठ पुरस्कृत कन्नड की पाँच पुस्तकें है, महोदय।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಅವು ಯಾವುವು ಹೇಳ್ತೀಯಾ?	क्या तुम बता सकती हो कि वे कौन-कौनसी है।
ದೇವಕಿ	: ಕುವೆಂಪು ಅವರ `ರಾಮಾಯಣ ದರ್ಶನಂ', ದ.ರಾ. ಬೇಂದ್ರೆಯವರ `ನಾಕು ತಂತಿ', ಶಿವರಾಂ ಕಾರಂತರ `ಮೂಕಜ್ಜಿಯ ಕನಸು ಗಳು' ಮಾಸ್ತಿ ವೆಂಕಟೇಶ್ ಅಯ್ಯಂಗಾರ್	कुवेंपुजी का `रामायण दर्शनम' द.रा.बेन्द्रेजी का `नाकु तन्ती' शिवराम कारन्तजी, का `मूकज्जिय कनसुगळु', मास्ती वेंकटेश अय्यंगार जी का`

	ಅವರ `ಚಿಕ್ಕವೀರ ರಾಜೇಂದ್ರ' ವಿ.ಕೃ. ಗೋಕಾಕ್ ಅವರ `ಭಾರತ ಸಿಂಧು ರಶ್ಮಿ'	चिक्कवीर राजेंन्द' और वि.कृ. गोकाकजी का `भारत सिन्धु रश्मि'।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಒಳ್ಳೆಯದು. ನಿನಗೆ ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯದ ಬಗ್ಗೆ ತುಂಬ ಗೊತ್ತಲ್ವಾ?	अच्छा। कन्नड साहित्य के बारे में तुम बहुत जानती हो न।
ದೇವಕಿ	: ಸ್ವಲ್ಪ ಗೊತ್ತು ಸಾರ್. ನಮ್ಮ ತಂದೆ ಯವರೂ ಕನ್ನಡ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಓದ್ತಾರೆ.	थोडा ही जानती हूँ महोदय। हमारे पिताजी भी बहुत अच्छी तरह कन्नड जानते हैं।
ರಾಖಿ	: ನಾವು ಒಂದು ಸಾರಿ, ಎರಡು ವರ್ಷದ ಹಿಂದೆ ಇರಬಹುದು ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರವಾಸ ಹೋಗಿದ್ವಿ.	हम एक बार, लगभग दो वर्ष पहले कर्नाटक भ्रमण के लिए गये थे।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಯಾರು ಯಾರು ಹೋಗಿದ್ರಿ?	कौन कौन गये थे?
ರಾಖಿ	: ನಮ್ಮ ತಂದೆ, ತಾಯಿ ನಮ್ಮ ಅಕ್ಕ ಎಲ್ಲ ಹೋಗಿದ್ವಿ. ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ನೋಡಬೇಕಾದ ಎಷ್ಟೊಂದು ಸುಂದರವಾದ ಸ್ಥಲಗಳಿವೆ ಅಲ್ವಾ ಸಾರ್?	हमारे माता, पिता और बडी बहन सभी गये थे। कर्नाटक मे देखने लायक कई सुन्दर स्थान है न श्रीमानजी?
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಹೌದು. ನಮ್ಮ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ರಮಣೀಯವಾದ ಪ್ರವಾಸ ಸ್ಥಳಗಳು ಬೇಕಾದಷ್ಟಿವೆ. ನೀನು ಯಾವ ಸ್ಥಳಗಳಿಗೆ ಹೋಗಿದ್ದೆ?	हाँ। हमारे कर्नाटक में सुंदर प्रवास स्थान कई हैं। तुम कहाँ कहाँ गई थी?
ರಾಖಿ	: ಬೆಂಗಳೂರು, ಮೈಸೂರು, ಬೃಂದಾವನ್ ಗಾರ್ಡನ್, ಹಳೇಬೀಡು, ಬೇಲೂರು, ಶ್ರವಣಬೆಳಗೊಳ, ಜೋಗ ಜಲಪಾತ, ನಂದಿ ಬೆಟ್ಟ...... ಇನ್ನೂಎಷ್ಟೋ ಸ್ಥಳಗಳು ಜ್ಞಾಪಕಕ್ಕೆ ಬರ್ತಾಇಲ್ಲ.	बेंगलूर, मैसूर, बृन्दावन गार्डन, हळेबीडु, बेलूर, श्रवणबेळगोळ, जोग जलपात, नन्दी-बेट्ट और कई ..... कई स्थान हैं जो याद नहीं है।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಪರವಾಗಿಲ್ಲ. ಅಷ್ಟೊಂದು ಸ್ಥಳಗಳನ್ನು ನೋಡಿದೆಯಾ?	अच्छा। इतने स्थानों को देखा है क्या?
ರಾಖಿ	: ಹೌದು ಸಾರ್. ನಮ್ಮ ಹತ್ತಿರ ಪ್ರವಾಸ ಸ್ಥಳಗಳ ಫ಼ೋಟೋ ಆಲ್ಬಮ್ ಇದೆ. ಮತ್ತೆ ನನತ್ರ	हाँ महोदय। हमारे पास प्रवास स्थल के फोटो आलबम है। और मेरे पास ....

ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಮತ್ತೆ ನಿನ್ನತ್ರ – ಏನಿದೆ?	तुम्हारे पास और क्या है?
ರಾಖಿ	: ನಮ್ಮ ಪ್ರವಾಸದ ಅನುಭವಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಟಿಪ್ಪಣಿ ಬರಿದಿದೀನಿ ಸಾರ್.	अपने प्रवास के अनुभव के बारे में टिप्पणी भी लिखी है, महोदय।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಒಳ್ಳೆಯದು. ಯಾವ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಬರೆದಿದೀಯ? ಹಿಂದಿಯಲ್ಲಾ, ಕನ್ನಡದಲ್ಲಾ?	अच्छा। किस भाषा में लिखा है? हिन्दी अथव कन्नड में?
ರಾಖಿ	: ಹಿಂದಿಯಲ್ಲಿ ಸಾರ್?	हीन्दी में महोदय।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಪರವಾಗಿಲ್ಲ. ಅದನ್ನೇ ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಬರೆ. ಕನ್ನಡದ ಯಾವುದಾದರೂ ಪತ್ರಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಅಚ್ಚು ಹಾಕಿಸೋಣ.	अच्छा। उसे कन्नड भाषा में भी लिखो। कन्नड की किसी भी पत्रिका में छपवा देंगे।
ರಾಖಿ	: ಆಗಲಿ ಸಾರ್. ಖಂಡಿತ ಮಾಡ್ತೀನಿ.	हॉ महोदय। जरूर करती हूँ।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ಒಳ್ಳೆಯದು.	अच्छा है।
ಉಪಾದ್ಯಾಯ	: ಈಗ ಒಂದು ವಿಷಯ. ನೀವೆಲ್ಲ ರಾಮಕೃಷ್ಣ ಅವರ ಜೊತೆ ಇಲ್ಲೀವರೆಗೆ ಮಾತನಾಡಿದೀರಿ. ಈಗ ಪ್ರಿನ್ಸಿಪಾಲ್ ಅವರು ಕರೀತಿದಾರೆ. ರಾಮಕೃಷ್ಣ ಅವರು ಪ್ರಿನ್ಸಿಪಾಲ್ ರೂಮಿಗೆ ಹೋಗಬೇಕು. ಆದ್ದರಿಂದ ನಮ್ಮ ಮಾತನ್ನು ಇಲ್ಲಿಗೆ ನಿಲ್ಲಿಸೋಣ.	अब एक और बात है। तुम सब लोगोंने अब तक रामकृष्णजी के साथ बात की है। अब प्रिन्सिपाल साहब बुला रहे हैं। रामकृष्णजी को प्रिन्सिपाल के कार्यालय में जाना है। इसलिए बात चीत हम यहाँ पर समाप्त करें।
ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು	: ಆಗಲಿ ಸಾರ್. ನಮಸ್ಕಾರ.	अच्छा श्रीमानजी, नमस्कार।
ರಾಮಕೃಷ್ಣ	: ನಮಸ್ಕಾರ.	नमस्कार।

शब्दार्थ

ಸ್ವಲ್ಪ	थोडा	ಪಟ್ಟಣ	शहर
ಹಿಂದೆ	पहले	ಹತ್ತಿರಾನಾ	नजट्टि है क्या?
ಆಗತ್ತೇ	होता है	ಮುಕ್ಕಾಲು	हम तीन चौथाई
ಕಾಲು	एक चौथाई (पाव)	ಪ್ರಶಸ್ತಿ	पुरस्कार
ತುಂಬ	बहुत	ರಮಣೀಯ	सुन्दर
ಜ್ಞಾಪಕ	स्मरण	ಅಚ್ಚುಹಾಕಿಸೋಣ	छपवाएँगे
ಪತ್ರಿಕೆ	पत्रिका	ಇಲ್ಲೀವರೆಗೆ	अबतक
ಕರೀತಿದಾರೆ	बुला रहे है	ನಿಲ್ಲಿಸೋಣ	समाप्त करेंगे

अभ्यास

I. वार्तालाप के संदर्भ में निम्नलिखिन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ರಾಮಕೃಷ್ಣ ಎಲ್ಲಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡ್ತಾ ಇದಾರೆ?
2. "ಮೂಕಜ್ಜಿಯ ಕನಸುಗಳು" ಕಾದಂಬರಿ ಬರೆದಿರುವವರು ಯಾರು?
3. "ರಾಮಾಯಣ ದರ್ಶನಂ" ಬರೆದವರು ಯಾರು?
4. ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿರುವ ಕೆಲವು ಪ್ರವಾಸಿ ಸ್ಥಳಗಳ ಹೆಸರನ್ನು ತಿಳಿಸಿ
5. ಪ್ರವಾಸದ ಅನುಭವಗಳ ಟಿಪ್ಪಣಿ ಬರೆದಿರುವವರು ಯಾರು?

II. उदाहरण के अनुसार कथनात्मक वाक्यों का प्रश्नात्मक वाक्यों में परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण: ಕಾದಂಬರಿ ಬಹಳ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ.

ಕಾದಂಬರಿ ಹೇಗಿದೆ?

1. ಊಟ ಬಹಳ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ.
2. ಪುಸ್ತಕ ಬಹಳ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ.
3. ಹೂದೋಟ ಬಹಳ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ.
4. ಶರ್ಟು ಬಹಳ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ.
5. ಪ್ಯಾಂಟು ಬಹಳ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ.

III. कोष्टक में दिए हुए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(ಕನ್ನಡ, ಶ್ರವಣಬೆಳಗೊಳ, ರಾಮಾಯಣ ದರ್ಶನಂ, ಬೆಂಗಳೂರು, ದ.ರಾ.ಬೇಂದ್ರೆ.)

1. ನಾಕು ತಂತಿ.................. ಅವರ ಕೃತಿ.
2. ಕುವೆಂಪು ಅವರು ಬರೆದ ಕೃತಿ ....
3. ಕರ್ನಾಟಕದ ಪ್ರಸಿದ್ಧವಾದ ಒಂದು ಪ್ರವಾಸಿ ಸ್ಥಳ ....
4. ರಾಮಕೃಷ್ಣನ ಮಾತೃಭಾಷೆ ....
5. ಕರ್ನಾಟಕದ ರಾಜಧಾನಿ ....

IV. शब्दों की उस प्रकार जोडी बनाइए जिससे सार्थक वाक्य बनजाएँ।

1. ಕನ್ನಡ ಮಾತೃಭಾಷೆ ಇವರ
2. ಸಾರ್ ಯಾವುದು ಊರು ನಿಮ್ಮ
3. ಇತ್ತು ಅಂತ ಮೈಸೂರು ರಾಜ್ಯ ಹಿಂದೆ
4. ಮಾತನಾಡ್ತೀನಿ ಅಲ್ಲಿ ಜೊತೆ ಸ್ನೇಹಿತರ
5. ಬಂದಿದೆ ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಜ್ಞಾನಪೀಠ ಅವರಿಗೆ

V. दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके पाँच - पाँच वाक्य बनाइए।

ಮೈಸೂರಿನಲ್ಲಿ ಲಕ್ನೋದಲ್ಲಿ ಕಾನ್‌ಪೂರ್‌ನಲ್ಲಿ	ಕೆಲಸಮಾಡ್ತಾ ಓದ್ತಾ	ಇದಾರೆ. ಇದಾನೆ. ಇದಾಳೆ.

पढिए और समझिए

ಸಮಾಜ ಸೇವೆ
समाज सेवा

ನನ್ನ ಹೆಸರು ಮೋಹನ್. ನಾನು ಸಮಾಜ ಕಾರ್ಯಕರ್ತ. ಅಂದರೆ ನನಗೆ ಬೇರೆ ಏನೂ ಕೆಲಸಇಲ್ಲ. ಅದಕ್ಕೆ ಸಮಾಜ ಕಾರ್ಯ ಮಾಡ್ತೀನಿ. ಸಮಾಜಕಾರ್ಯ ಅಂದರೆ ದೀನದಲಿತರಿಗೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡ್ತೀನಿ. ಅವರಿಂದ ಪ್ರತಿಫಲವನ್ನು ಏನೂ ಸ್ವೀಕರಿಸಲ್ಲ. ಶ್ರೀಮಂತರಿಗೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡ್ತೀನಿ. ಅವರಿಂದ ಕೂಲಿ ತೆಗೊಳ್ತೀನಿ. ಅದನ್ನ ನನ್ನ ಹೊಟ್ಟೆ ಬಟ್ಟೆಗೆ ಬಳಸ್ತೀನಿ. ಮಿಕ್ಕದ್ದನ್ನು ಇಲ್ಲದವರಿಗೆ ಕೊಡ್ತೀನಿ. ಹೀಗೆ ಜೀವನ ಹೋಗ್ತಾ ಇದೆ. ನನಗೂ ವಯಸ್ಸಾಯ್ತು. ಕ್ಷಮಿಸಿ. ನನಗಲ್ಲ ನನ್ನ ಶರೀರಕ್ಕೆ ಕೆಲಸ ಮಾಡುವ ಶಕ್ತಿ ಕಡಿಮೆ ಆಗ್ತಾ ಇದೆ. ಈಗ ಯೋಚನೆ ಮಾಡ್ತಾ ಇದೀನಿ. ಇನ್ನು ಮುಂದೆ ಏನು ಮಾಡುವುದು? ಸಮಾಜಕಾರ್ಯನಾ? ಅಥವಾ .... ಇನ್ನೂ ಯೋಚಿಸ್ತಾನೇ ಇದೀನಿ. ಒಂದೊಂದು ಸಾರಿ ಅನ್ಸುತ್ತೆ. ಯೋಚನೆ ಮಾಡೋದೇ ಬೇಡ. ಎಲ್ಲವನ್ನು ಕಾಲನಿರ್ಧರಿಸುತ್ತೆ. ನಾನು ನೆಪಮಾತ್ರ. ನೀವೇನು ಹೇಳ್ತೀರಿ?

नए शब्द

ಅಂದರೆ	अर्थात	ಬಳಸ್ತೀನಿ	उपयोग करता हूँ	ಮಿಕ್ಕಿದ್ದನ್ನು	बाकी को
ವಯಸ್ಸಾಯ್ತು	उम्र हुई	ಸಾರಿ	बारी,	ಅನ್ಸುತ್ತೆ	लगताता है,
ನಿರ್ಧರಿಸುತ್ತೆ	निश्चित करता है				

I. वाचनार्थ के सन्दर्भ में प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. ಸಮಾಜ ಕಾರ್ಯಕರ್ತ ಯಾರು?
2. ಯಾವ ಕಾರಣಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಸಮಾಜ ಕಾರ್ಯ ಮಾಡ್ತಾರೆ?
3. ಯಾವ ರೀತಿಯ ಸಮಾಜ ಕಾರ್ಯ ಮಾಡ್ತಾರೆ?
4. ಕುಲಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಏತಕ್ಕಾಗಿ ಉಪಯೋಗಿಸುತ್ತಾರೆ?
5. ಎಲ್ಲವನ್ನೂ ಏನು ನಿರ್ಧರಿಸುತ್ತೆ?

II. निम्नलिखित शब्द समूह में उन शब्दों को चिह्नित कीजिए जो पूर्व पठित वार्तालाप सामग्री में आए हैं।

ಸಮಾಜ ಕಾರ್ಯಕರ್ತ, ರಾಜಕೀಯ ಧುರೀಣ, ದೀನದಲಿತರು, ಬಡವರು, ಶ್ರೀಮಂತರು, ಪಾದಚಾರಿಗಳು, ಹಿಂಬಾಲಕರು, ಬುದ್ಧಿವಂತರು, ದಡ್ಡರು, ಇಲ್ಲದವರು.

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

शाम `भाषा परिषद' भाग-२ पढ़ रहा है। यह पुस्तक केरळ राज्य की पाठ्य पुस्तक है। वह कन्नड सीखनेवालों के लिए है। दूसरी कक्षा के विध्यार्थी उसे पढते हैं। उस में बातचीत के पाठ हैं। उस में कई चित्र हैं। छठे पाठ में खिलौना तैयार करने के चित्र हैं। उन चित्रों में गणेश का चित्र है। वह बहुत सुन्दर चित्र है। कहानी के चित्र भी हैं। होशियार सियार की कहानी भी है। चित्र देख कर कहानी बनाना पड़ता है।

IV. निम्नांकित विषय पर दस वाक्य लिखिए।

"ವಿದ್ಯಾಭ್ಯಾಸ"

ಪಾಠ पाठ 13

ದಸರಾ ಮೆರವಣಿಗೆ	दशहरे का जुलूस
ಪೂರನ್: ಅಪ್ಪಾ! ದಸರಾ ಮೆರವಣಿಗೆ ಬರ್ತಾ ಇದೆ.	पिताजी! दशहरे का जुलूस आ रहा है।
ರವಿ : ಅದು ಏನು? ಕಂಬಗಳನ್ನು ಹಿಡಿದು ನೃತ್ಯ ಮಾಡ್ತಿದ್ದಾರೆ!	वह क्या है? खम्भे को पकड कर नाच रहे हैं!
ತಂದೆ : ಅವು ನಂದಿ ಕಂಬಗಳು.	वे नन्दी खम्भे हैं।
ರವಿ : ನಂದಿ ಕಂಬಗಳನ್ನು ಎಲ್ಲಿಂದ ತಂದಿದ್ದಾರೆ?	नन्दी खम्भों को कहाँ से ले आये हैं?
ತಂದೆ : ಅಲ್ಲೇ ಮುಂದೆ ನೋಡು. ಒಂದು ಹುಡುಗ ಬಾವುಟ ಹಿಡಿದಿದ್ದಾನೆ. ಓದು, ಅದರಲ್ಲಿ ಏನಿದೆ?	वहीं आगे देखो, एक लडके ने झंडा पकड़ रखा है। पढ़ो, उसमें क्या है?
ಪೂರನ್: `ಯುವಕರ ಸಂಘ, ಗಂಗವಾಡಿ' ಅಂತ ಇದೆ.	`युवक संघ, गंगवाडी' है।
ತಂದೆ : ಗಂಗವಾಡಿ ಯುವಕ ಸಂಘದವರು ನಂದಿ ಕಂಬಗಳನ್ನು ತಂದಿದ್ದಾರ.	गंगवाडी युवक संघ के लोग नन्दी खम्भे ले आए हैं।
ರವಿ : ಅಲ್ಲಿ ನೋಡು. ಕಾಲಿಗೆ ಎತ್ತರವಾದ ಮರಗಾಲನ್ನು ಕಟ್ಟಿಕೊಂಡು ಇಬ್ಬರು ಕುಣಿಯುತ್ತಿದ್ದಾರೆ.	वहाँ देखो। लकडी के ऊँचे पैरों को (अपने) पैरों में बाँधकर दो लोग नाच रहे हैं।
ತಂದೆ : ಅದು ಮರಗಾಲು ಕುಣಿತ.	वह लकडी (का बना) पैरों का नाच है।
ರವಿ : ಅಲ್ಲಿ ನೋಡು. ಕಂಸಾಳೆಯವನು ಕೆಳಗೆ ಬಿದ್ದಿದ್ದಾನೆ.	वहाँ देखो। कंसाळे का व्यक्ति नीचे गिर गया है।
ಪೂರನ್: ಅವನು ಕೆಳಗೆ ಬಿದ್ದಿಲ್ಲ. ಅದು ನೃತ್ಯದ ಒಂದು ಭಂಗಿ.	वह नीचे नहीं गिरा है। वह नाच का एक ढंग है।
ರವಿ : ಅದು ಏನು?	वह क्या है?
ತಂದೆ : ಅದು ಪಟ ಕುಣಿತ. ಮೇಲುಕೋಟೆಯಿಂದ, ನಂಜನಗೂಡಿನಿಂದ ದೇವರ ಪಟಗಳನ್ನು ತಂದಿದ್ದಾರೆ.ಅದರ ಹಿಂದೆ ಬರುತ್ತಿರುವುದು ಕರಪಾಲ ಮೇಳ.	वह `पटा कुणित' है। मेलुकोटे से, नंजनगुड से भगवान के पटों को ले आये हैं। उनके पीछे `करपाल मेळ' आ रहा है।
ಪೂರನ್: ಅದು ಡೊಳ್ಳು ಕುಣಿತ ಅಲ್ವೇನಪ್ಪ?	पिताजी, क्या वह ढोल नाच नहीं है?
ತಂದೆ : ಹೌದು.	हाँ।

ರವಿ : ನಿನಗೆ ಹೇಗೆ ಗೊತ್ತಿತ್ತು?	तुम को यह कैसे मालूम था?
ಪೂರನ್: ಕಳೆದ ವರ್ಷ ನೋಡಿದ್ದೆ.	मैंने पिछले वर्ष देखा था।
ರವಿ : ನೀನು ಯಾರ ಜೊತೆ ಬಂದಿದ್ದೆ?	तुम किस के साथ आये थे?
ಪೂರನ್: ಹೋದ ವರ್ಷ ಚಿಕ್ಕಪ್ಪ ಬಂದಿದ್ದರು. ಅಜ್ಜಿ, ತಾತ ಬಂದಿದ್ದರು. ಚಿಕ್ಕಪ್ಪನ ಮಗ ರಮೇಶ ಬಂದಿದ್ದ. ರಮೇಶನ ತಂಗಿ ಸರ್ವಶ್ರೀ ಬಂದಿದ್ದಳು. ಚಿಕ್ಕಪ್ಪ ನಮ್ಮನ್ನೆಲ್ಲ ಇಲ್ಲಿಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದಿದ್ದರು.	पिछले वर्ष चाचा आये थे। दादी, नाना आये थे। चाचा का बेटा रमेश आया था। रमेश की बहन सर्वश्री, आयी थी। चाचा हम सब लोगों को यहाँ बुला लाये थे।
ರವಿ : ನಾನು ಬಂದಿರಲಿಲ್ವಾ?	क्या मैं नहीं आया था?
ತಂದೆ : ಹುಚ್ಚ ನೀನು. ಮರೆತು ಬಿಟ್ಟಿದ್ದೀಯಾ? ನೀನು ಬಾಂಬೆಗೆ ಹೋಗಿರಲಿಲ್ವಾ?	तुम पागल हो। क्या भूल गये हो न? क्या तुम बोम्बाई नहीं गए थे?
ರವಿ : ಹೌದು. ಈಗ ಜ್ಞಾಪಕಕ್ಕೆ ಬಂತು. ನಾನು ದಸರಾಕ್ಕೆ ಬಂದಿರ್ಲಿಲ್ಲ. ಅಮ್ಮ ಮತ್ತು ನಾನು ಬಾಂಬೆಗೆ ಹೋಗಿದ್ದೆವು ಅಲ್ವಾ?	हाँ। अब याद आया। मैं दशहरा केलिए नहीं आया था। माताजी और मै बोम्बाई गये थे न?
ಪೂರನ್: ಹೌದಪ್ಪಾ ಮಾರಾಯಾ. ಈಗಲಾದರೂ ಜ್ಞಾಪಕಕ್ಕೆ ಬಂತಲ್ಲಾ?	हाँ भाई। अब तो याद आयी न?
ರವಿ : ಅಲ್ಲಿ ನೋಡು, ದೊಡ್ಡ ದೊಡ್ಡ ಡ್ರಮ್ಮುಗಳನ್ನು ಬಾರಿಸ್ತಿದಾರೆ.	वहाँ देखो, बडे बडे ढोल बजा रहे हैं।
ಪೂರನ್: ಅದು ಡೊಳ್ಳು ಕುಣಿತ. ಈ ಮೆರವಣಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಜನಪದ ನೃತ್ಯಗಳನ್ನು ನೋಡುವುದಕ್ಕೆ ಈ ಜನರೆಲ್ಲ ಸೇರಿದ್ದಾರೆ.	वह तो ढोल नाच है। इस जुलूस मे जनपद नृत्यों को देखने के लिए सब लोग एकत्र हुए हैं।
ರವಿ : ಬರೀ ಜನಪದ ನೃತ್ಯಗಳಾ? ಇನ್ನೇನೂ ನೋಡಲ್ವಾ? ಅಲ್ಲಿ ನೋಡು, ಇದರ ಜೊತೆಗೆ ಸ್ತಬ್ಧ ಚಿತ್ರಗಳಿವೆ. ಪೋಲಿಸ್ ಬ್ಯಾಂಡ್ ಇದೆ. ಸೇವಾದಳ, ಪಟ್ಟದ ಆನೆ, ಪಟ್ಟದ ಕುದುರೆ, ಬೆಳ್ಳಿ ಪಲ್ಲಕ್ಕಿ ಇವನ್ನೆಲ್ಲ ನೋಡುವುದಕ್ಕೂ ಜನ ಬಂದಿದ್ದಾರೆ.	क्या केवल जनपद नृत्य ही हैं? और कुछ नहीं देखते? वहाँ देखो, इसके साथ स्तब्द चित्र हैं। पुलिस बैंड है, सेवादल है। शाही हाथी, शाही धोडा, चाँदी की पालकी, इन सभी को भी देखने लोग आये हैं।
ಪೂರನ್: ಕೀಲು ಕುದುರೆ ನೃತ್ಯ ನೋಡು. ಅದರ ಎಡಕ್ಕೆ ಸೋಮನ ಕುಣಿತ. ಬಲಕ್ಕೆ ವೀರಗಾಸೆ ನೃತ್ಯ. ಅದರ ಹಿಂದೆ ಇಬ್ಬರು ಕರಗ ನೃತ್ಯ ಮಾಡ್ತಿದಾರೆ.	धोडी नृत्य देखो। उस की दायीं ओर सोम का नृत्य, बाएँ वीरगासे नृत्य है। उसके पीछे दो आदमी करग नृत्य कर रहे हैं।
ರವಿ : ಬಹಳ ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ ಅಲ್ವಾ?	बहुत अच्छा है न?

ಪೂರನ್: ಅಪ್ಪ! ಈ ಸಾರಿ ದಸರಾಗೆ ಚಿಕ್ಕಪ್ಪ ಯಾಕೆ ಬರಲಿಲ್ಲ?	पिताजी, इस बार दशहरे के लिए चाचा क्यों नही आए?
ತಂದೆ : ಇವತ್ತು ಅವನಿಗೆ ತುರ್ತಾದ ಕಛೇರಿ ಕೆಲಸ ಇದೆ ಅಂತೆ. ಅದಕ್ಕೆ ನಾಳೆ ಬರ್ತಾನೆ.	आज उस के लिए कछहरी का जरुरी काम है। इसलिए कल आयेंगे।
ಪೂರನ್: ನಾಳೆ ಎಷ್ಟು ಹೊತ್ತಿಗೆ ಬರ್ತಾರೆ?	कल कितने बजे आयेंगे?
ತಂದೆ : ಬೆಳಿಗ್ಗೆ 10 ಗಂಟೆಗೆ ಮೈಸೂರಿಗೆ ಬಂದರ್ತಾರೆ.	सुबह 10 बजे मैसूर मे आ गए रहेंगे।
ಪೂರನ್: ರಮ್ಯಾ ಕೂಡ ಬಂದಿರ್ತಾಳಾ?	क्या रम्या भी आयेगी?
ತಂದೆ : ಹೌದು. ರಮ್ಯಾಳೂ ಬಂದಿರ್ತಾಳೆ.	हाँ। रम्या भी आयेगी।
ರವಿ : ರಮೇಶ ಬಂದಿರ್ತಾನಾ?	रमेश आयेगा न?
ತಂದೆ : ರಮೇಶ ಬರಲ್ಲ. ಅವನು ಪ್ರವಾಸ ಹೋಗಿರ್ತಾನೆ.	रमेश नहीं आएगा। पर्यटन के लिए गया है
ಪೂರನ್: ಆನೆ ಮೇಲೆ ಅಂಬಾರಿ ಬರ್ತಾ ಇದೆ.	हाथी पर हौदा आ रहा है।
ರವಿ : ಚಿನ್ನದ ಅಂಬಾರೀನಾ?	क्या वह सोने का हौदा है?
ತಂದೆ : ಹೌದು. ಚಿನ್ನದ ಅಂಬಾರಿ. ಅದರ ಒಳಗೆ ಚಾಮುಂಡೇಶ್ವರಿ ವಿಗ್ರಹ ಇದೆ.	हाँ। सोने का हौदा है। उस के भीतर चामुण्डेश्वरि की मूर्ति है।
ಪೂರನ್: ಅದರ ಹಿಂದೆ ಇನ್ನೇನೂ ಬರ್ತಾ ಇಲ್ಲ. ಮೆರವಣಿಗೆ ಮುಗೀತಾ?	उसके पीछे और कुछ नहीं आता है। जुलूस खतम हो गया न?
ತಂದೆ : ಹೌದು. ಮೆರವಣಿಗೆ ಮುಗೀತು. ಬನ್ನಿ ಮನೆಗೆ ಹೋಗೋಣ.	हॉं। जुलूस खतम हो गया। चलो घर चलें।

शब्दार्थ

ಮೆರವಣಿಗೆ	जुलूस
ನೃತ್ಯ	नाच
ನಂದಿ	नंदि
ಏನಿದೆ	क्या है
ಮರಗಾಲು	लकडी का पैर
ಪಟಾಕುಣಿತ	पटा नाच
ಜೊತೆ	साथ
ತಾತ	दादा
ತುರ್ತಾದ	जरुरी
ಕಂಬ	खम्भा
ಮಾಡ್ತಿದಾರೆ	कर रहे हैं
ಬಾವುಟ	झंडा, ध्वज
ತಂದಿದ್ದಾರೆ	लाये हैं
ಭಂಗಿ	ढंग
ಪಟಾ	पटा
ಚಿಕ್ಕಪ್ಪ	चाचा
ಜ್ಞಾಪಕ	याद
ಬಂದಿರ್ತಾರೆ	आये हुए हैं

ಕೂಡ	भी	ಹೋಗಿದಾನೆ	गया है
ಅಂಬಾರಿ	हौदा	ಚಿನ್ನದ	सोने का
ವಿಗ್ರಹ	मूर्ति	ಮುಗೀತಾ	खतम, समाप्त

अभ्यास

I. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ನಂದಿ ಕಂಬಗಳನ್ನು ಯಾರು ತಂದಿದ್ದಾರೆ?
2. ದೇವರ ಪಟಗಳನ್ನು ಎಲ್ಲಿಂದ ತಂದಿದ್ದಾರೆ?
3. ಹೋದ ವರ್ಷ ದಸರಾ ಮೆರವಣಿಗೆ ನೋಡಲು ಯಾರು ಬಂದಿದ್ದರು?
4. ಕಳೆದ ವರ್ಷ ರವಿ ಅಮ್ಮನ ಜೊತೆ ಎಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿದ್ದ?
5. ಈ ಸಾರಿ ಚಿಕ್ಕಪ್ಪ ಯಾಕೆ ಬರಲಿಲ್ಲ?

II. उदाहरण का अनुसरण कर निम्न लिखित वाक्यों का पुनर्निर्माण कीजिए।

उदाहरण: ಕಳೆದ ವರ್ಷ ಚಿಕ್ಕಪ್ಪ ಬಂದಿದ್ದರು.

ಈ ವರ್ಷ ಚಿಕ್ಕಪ್ಪ ಬಂದಿದ್ದಾರೆ.

1. ನಿನ್ನೆ ಅಕ್ಕ ಬಂದಿದ್ದರು.
2. ಕಳೆದ ವಾರ ದೊಡ್ಡಪ್ಪ ಊರಿಗೆ ಹೋಗಿದ್ದರು.
3. ಕಳೆದ ತಿಂಗಳು ಸುಮ ಪ್ರವಾಸ ಹೋಗಿದ್ದಳು.
4. ಅಪ್ಪ ನಿನ್ನೆ ಮೈಸೂರಿಗೆ ಹೋಗಿದ್ದರು.
5. ರಾಮು ಸಿನಿಮಾಕ್ಕೆ ಹೋಗಿದ್ದನು.

III. कोष्टक में दिए हुए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।

(ಮಾಡ್ತಿದಾರೆ, ಬಾಂಬೆಗೆ, ಇದೆ, ಹೋಗಿರ್ತಾನೆ, ಡೊಳ್ಳುಕುಣಿತ).

1. ನೀನು.................. ಹೋಗಿರಲಿಲ್ವಾ?
2. ಇಬ್ಬರು ಕರಗ ನೃತ್ಯ ....
3. ರಮೇಶ ಪ್ರವಾಸ ....
4. ಅದು....................... ಅಲ್ವೇನಪ್ಪ?
5. ಅಂಬಾರಿ ಒಳಗೆ ಚಾಮುಂಡೇಶ್ವರಿ ವಿಗ್ರಹ ....

IV. शब्दों की उस प्रकार जोडी बनाइए जिस से सार्थक वाक्य बन जाएँ।

1. ಇದೆ ಬರ್ತಾ ಮೆರವಣಿಗೆ ದಸರಾ
2. ನೋಡಿದ್ದೆ ನಾನು ವರ್ಷ ಕಳೆದ.
3. ಬಿದ್ದಿದ್ದಾನೆ ಕೆಳಗೆ ಕಂಸಾಳೆಯವನು.
4. ಹೋಗಿರ್ತಾನೆ ಅವನು ಪ್ರವಾಸ.
5. ದೊಡ್ಡ ದೊಡ್ಡ ಬಾರಿಸ್ತಿದ್ದಾರೆ ಡ್ರಮ್ಮುಗಳನ್ನು.

V. **निम्न लिखित शब्दों का प्रयोग अलग अलग वाक्यों में (कन्नड में) कीजीए।**

ಬಂದಿದ್ದಾರೆ, ಮಾಡ್ತಿದ್ದಾರೆ, ಬರ್ತಾರೆ, ಬಂದಿದ್ದರು, ಬಂದಿರಲಿಲ್ಲ, ಬಂದಿರಲ್ಲ, ಬಂದಿಲ್ಲ.

पढिए और समाझिए

ಹಳೇಬೀಡು

हळेबीडु

ರವೀಂದ್ರ ಮತ್ತು ಶಾರದ ನನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತರು. ಅವರು ಹಳೇಬೀಡು ನೋಡಲು ಬಂದಿದ್ದಾರೆ. ಅವರ ತಂದೆ ಬಂದಿಲ್ಲ. ಅವರ ತಂದೆ ಮತ್ತು ತಾಯಿ ನಾಳೆ 10 ಗಂಟೆಗೆ ಬಂದಿರ್ತಾರೆ. ನಮ್ಮ ಚಿಕ್ಕಪ್ಪನ ಮಗ ಮಹೇಶ ನಿನ್ನೆ ಬಂದಿದ್ದ. ಆದರೆ ಅವನ ತಂಗಿ ಸುಮ ಬಂದಿರಲಿಲ್ಲ. ಸುಮ ನಾಳೆ ಇಷ್ಟು ಹೊತ್ತಿಗೆ ಬಂದಿರ್ತಾಳೆ. ಎಲ್ಲರೂ ಹಳೇಬೀಡಿಗೆ ಹೋಗಬೇಕು. ಹಳೇಬೀಡು ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯದಲ್ಲಿರುವ ಬೇಲೂರು ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ಒಂದು ಗ್ರಾಮ. ಹಳೇಬೀಡಿನಲ್ಲಿ ಹೊಯ್ಸಳೇಶ್ವರ ದೇವಾಲಯವಿದೆ. ಕಲ್ಲಿನಲ್ಲಿ ಕೆತ್ತಿರುವ ಸುಂದರವಾದ ಶಿಲ್ಪಗಳಿವೆ. ಬೇಲೂರಿನಲ್ಲೂ ಸುಂದರವಾದ ದೇವಾಲಯವಿದೆ. ನಾವೆಲ್ಲರೂ ನಾಳೆ ಹಳೇಬೀಡು, ಬೇಲೂರು ಮತ್ತು ಶ್ರವಣಬೆಳಗೊಳಕ್ಕೆ ಹೋಗುತ್ತೇವೆ.

नए शब्द

ಇಷ್ಟು इतने, ಕೆತ್ತಿರುವ खोदा हुआ ತಾಲ್ಲೂಕು तालुक

I. **वाचनार्थ के सदंर्भ में प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. ಹಳೇಬೀಡು ನೋಡಲು ಯಾರು ಬಂದಿದ್ದಾರೆ?
2. ಅವರ ತಂದೆ ತಾಯಿ ಯಾವಾಗ ಬರ್ತಾರೆ?
3. ಮಹೇಶ ಯಾವಾಗ ಬಂದಿದ್ದ?
4. ಸುಮ ಯಾವಾಗ ಬರ್ತಾಳೆ?
5. ಹಳೇಬೀಡು ಎಲ್ಲಿದೆ?

II. **दिए हुए शब्दों का प्रयोग करते हुए दिए विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।**

शाला समारंभ

ಬಂದಿದ್ದಾರೆ, ಬಂದಿಲ್ಲ, ಉಪಾಧ್ಯಾಯರು, ಅತಿಥಿಗಳು, ಬಂದಿರಲಿಲ್ಲ, ಸ್ನೇಹಿತ ಬಂದಿದ್ದ, ಮಂತ್ರಿಗಳು, ಬಂದಿದ್ದರು.

III. **कन्नड में अनुवाद कीजिए:**

उन्नीस सौ सैंतालीस के पंद्रह अगस्त को भारत को स्वतंत्रता मिली। अंग्रेज तब तक भारत पर शासन करते थे। उस दिन के स्मरण के लिए सारे भारत में प्रति वर्ष स्वतंत्र्योत्सव मनाया जाता है। उस दिन भारत के प्रधान मंत्री लाल किले पर राष्ट्र ध्वज

लहराते हैं। शासक और सरकारी कर्मचारी भी राष्ट्र ध्वज की वंदना करते हैं।

पाठशालाओं में भी स्वतंत्र्योत्सव मनाते हैं। राष्ट्र ध्वज लहरा कर बच्चे और अध्यापक राष्ट्र ध्वज की वन्दना करते हैं। भाषण, काव्यपाठ आदी प्रतियोगिताएं होती हैं। विजेताओं को पारितोषक देते हैं। अध्यापक बच्चों को मिठाइयाँ बाटते हैं।

IV. निम्नलिखित विषय पर कन्नड के 10 वाक्य लिखिए।

`ವಿಶ್ರಾಂತಿ'

टिप्पणियाँ

इस पाठ में पूर्ण काल (वर्तमान, भविष्यत, भूत) के रुपों का परिचय दिया गया है। इस से कार्य की पूर्णता का बोध होता है। पूर्णकाल के रुप क्रिया के पूर्णकालिक कृदन्त से बनाये जाते हैं। पूर्वकालिक कृदन्त रूप का बनाने का तरीका भूतकाल के पाठ में दिया जा चुका है।

I. पूर्ण वर्तमान काल:

पूर्व कालिक कृदन्त में `ಇರು' के वर्तमान काल के रुप लगाकर बनाया जाता है।

उदाहरण: ತಂದು + ಇದ್ದಾರೆ – ತಂದಿದ್ದಾರೆ – लाये हैं

ನಂದಿ ಕಂಬಗಳನ್ನು ಎಲ್ಲಿಂದ ತಂದಿದ್ದಾರೆ?

नन्दी स्तम्भों को कहाँ से लाये हैं?

इस का निषेधात्मक पूर्व कालिक कृदन्त में `ಇಲ್ಲ' लगाकर बनाया जाता है।

उदाहरण: ತಂದು + ಇಲ್ಲ – ತಂದಿಲ್ಲ – नहीं लाया

ನಂದಿ ಕಂಬಗಳನ್ನು ತಂದಿಲ್ಲ. – नन्दी स्तम्भ नहीं लाया।

II. पूर्ण भविष्यत् काल:

पूर्ण भविष्यत् कालिक कृदन्त में `ಇರು' क्रिया का आभ्यासिक भविष्यत् काल का रुप लगाकर बनाया जाता है।

उदाहरण: ಬಂದು + ಇರ್ತಾರೆ – ಬಂದಿರ್ತಾರೆ – आये हैं।

ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಹತ್ತು ಗಂಟೆಗೆ ಮೈಸೂರಿಗೆ ಬಂದಿರ್ತಾರೆ.

सुबह के दस बजे मैसूर आये हैं।

इसका निषेधात्मक पूर्व कालिक कृदन्त में `ಇರಲ್ಲ' लगाकर बनाया जाता है।

उदाहरण: ಬಂದು + ಇರಲ್ಲ – ಬಂದಿರಲ್ಲ – नहीं आये हैं।

ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಹತ್ತು ಗಂಟೆಗೆ ಲಕ್ನೋಗೆ ಬಂದಿರಲ್ಲ.

सुबह के दस बजे लखनऊ नहीं आये हैं।

III. पूर्ण भूतकाल:

पूर्वकालिक कृदन्त में `ಇರು' क्रिया का भूतकाल रूप लगाकर बनाया जाता है।

उदाहरण: ಬಂದು + ಇದ್ದ – ಬಂದಿದ್ದ – आया था

ಚಿಕ್ಕಪ್ಪನ ಮಗ ರಮೇಶ ಬಂದಿದ್ದ.

चाचा का पुत्र रमेश आया था।

इस का निषेधात्मक पूर्वकालिक कृदन्त में `ಇರಲಿಲ್ಲ' लगा कर बनाया जाता है।

उदाहरण: ಬಂದು + ಇರಲಿಲ್ಲ – ಬಂದಿರಲಿಲ್ಲ – नहिं आया था।

ಕಳೆದ ವರ್ಷ ನಾನು ದಸರಾಕ್ಕೆ ಬಂದಿರಲಿಲ್ಲ.

पिछले वर्ष दशहरा पर नहीं आया था।

IV. `ಬಂದು' क्रिया के पूर्णकाल के रूप नीचे दिए गए हैं।

सर्वनाम	पूर्ण वर्तमान काल	पूर्ण भविष्यत् काल	पूर्णभूतकाल
ನಾನು	ಬಂದಿದ್ದೀನಿ	ಬಂದಿರ್ತೀನಿ	ಬಂದಿದ್ದೆ
ನಾವು	ಬಂದಿದ್ದೀವಿ	ಬಂದಿರ್ತೀವಿ	ಬಂದಿದ್ದೆವು
ನೀನು	ಬಂದಿದ್ದೀಯೆ	ಬಂದಿರ್ತೀಯೆ	ಬಂದಿದ್ದೆ
ನೀವು	ಬಂದಿದ್ದೀರಿ	ಬಂದಿರ್ತೀರಿ	ಬಂದಿದ್ದಿರಿ
ಅವನು	ಬಂದಿದ್ದಾನೆ	ಬಂದಿರ್ತಾನೆ	ಬಂದಿದ್ದ
ಅವಳು	ಬಂದಿದ್ದಾಳೆ	ಬಂದಿರ್ತಾಳೆ	ಬಂದಿದ್ದಳು
ಅವರು	ಬಂದಿದ್ದಾರೆ	ಬಂದಿರ್ತಾರೆ	ಬಂದಿದ್ದರು
ಅದು	ಬಂದಿದೆ	ಬಂದಿರತ್ತೆ	ಬಂದಿತ್ತು
ಅವು	ಬಂದಿವೆ	ಬಂದಿರುತ್ವೆ	ಬಂದಿದ್ದವು
विषेधात्मक रुप	`ಬಂದಿಲ್ಲ'	ಬಂದಿರಲ್ಲ	ಬಂದಿರಲಿಲ್ಲ

ಪಾಠ / पाठ 14

ಯೋಚಿಸ್ತಾ ಕುಳಿತರೆ — सोचते बैठे तो

ರಮೇಶ್ : ನಮಸ್ಕಾರ ಪಾಂಡೆ! ಏನೋ ಗಾಡವಾಗಿ ಯೋಚನೆ ಮಾಡ್ತಾ ಕುಳಿತಿದ್ದೀಯೆ?	नमस्कार पांडेजी। क्या गहरी सोच में बैटे हो?
ಪಾಂಡೆ : ಬಾರೋ ರಮೇಶ್, ಬಹಳ ಬೇಜಾರಾಗಿದೆ. ಸುಮ್ಮನೆ ಕುಳಿತುಕೊಂಡೆ.	आओ रमेश, ऊब गया हूँ। चुपचाप बैठा हूँ।
ರಮೇಶ್ : ಯಾಕೆ?	क्यों?
ಪಾಂಡೆ : ನಾನು ಎಂ.ಬಿ.ಬಿ.ಎಸ್. ಗೆ ಸೇರ್ತೀನಿ ಅಂದರೆ ನಮ್ಮ ತಂದೆ ಬೇಡ ಅಂತಾರೆ.	मैं एम्.बी.बी.एस् में प्रवेश लेना चाहता हूँ तो हमारे पिताजी मना करते हैं।
ರಮೇಶ್ : ಪರವಾಗಿಲ್ಲ. ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಸೇರು.	कोई बात नही,काम करने जाओ।
ಪಾಂಡೆ : ಕೆಲಸ ಸಿಕ್ಕಿದೆ. ಹೋಗ್ತಾ ಇದೀನಿ ಆದರೆ ನಮ್ಮ ತಂದೆಗೆ ಹೇಳಿಲ್ಲ.	काम मिला है। जा रहा हूँ पर अपने पिताजी को नहीं बताया।
ರಮೇಶ್ : ಯಾಕೆ? ಹೇಳಿ ಬಿಡು.	क्यों? कह दो।
ಪಾಂಡೆ : ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇದೀನಿ ಅಂದರ, ಅವರಿಗೆ ಕೋಪ ಬರುತ್ತೆ.	काम करने की बात बताऊँ तो, उनको गुस्सा आता है।
ರಮೇಶ್ : ಇದೊಳ್ಳೆ ತಮಾಷೆ ಕಣೊ! ಕೆಲಸಕ್ಕೂ ಸೇರಬೇಡ, ಓದುವುದಕ್ಕೂ ಬೇಡ ಅಂದರೆ ಇನ್ನೇನು ಮಾಡುವುದು?	यह तो हँसने की बात है! काम करने को भी मना और पढ़ाई केलिए भी मना! तो फिर करना क्या है?
ಪಾಂಡೆ : ನಾನು ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಸೇರಿದೆ ಅಂದರೆ ಅಂಗಡಿ ಹತ್ತಿರ ಯಾರೂ ಇರಲ್ಲ. ವ್ಯವಹಾರವೆಲ್ಲ ಹಾಳಾಗಿ ಹೋದೀತು, ವ್ಯಾಪಾರ ಮಾಡು ಅಂತಾರೆ.	मैं काम के लिए गया तो दुकान पर कोई नहीं रहेगा। सारा व्यवहार खराब हो जाएगा। कहते हैं कि व्यापार करो।

ರಮೇಶ್	: ಹಾಗೇ ಮಾಡು. `ಲಾಭವಿಲ್ಲದೆ ಶೆಟ್ಟಿ ಹಳ್ಳಿಗೆ ಹೋಗುವುದಿಲ್ಲ. `ಅನ್ನೋ ಹಾಗೆ ನಿಮ್ಮ ತಂದೆ ಲೆಕ್ಕಾಚಾರ ಮಾಡದೆ ಏನೂ ಹೇಳಲ್ಲ.	तो वैसा ही करो। `लाभ नहीं तो सेठ गाँव नहीं जाता' उसी तरह तुम्हारे पिताजी सोच विचार किये बिना कुछ नहीं कहते।
ಪಾಂಡೆ	: ಅದಕ್ಕೆ ಅಂಗಡಿ ದೊಡ್ಡದು ಮಾಡಿ ವ್ಯಾಪಾರ ಮಾಡೋಣ ಅಂದ್ರೆ ಬಂಡವಾಳ ಇಲ್ಲ.	इसलिए दूकान बडा कर व्यापार करना चाहता हूँ तों फिर पूँजी नहीं है।
ರಮೇಶ್	: ಬ್ಯಾಂಕಿನವರು ಸಾಲ ಕೊಡ್ತಾರಲ್ಲ?	बैंकवाले कर्ज देते हैं न?
ಪಾಂಡೆ	: ಎರಡು ತಿಂಗಳಾಯ್ತು, ಸಾಲಕ್ಕೆ ಅರ್ಜಿ ಹಾಕಿದರೆ ಉತ್ತರವೇ ಇಲ್ಲ.	दो महीने हो गए। कर्ज केलिए आवेदन पत्र भेजा है तो कोई जवाब नहीं है।
ರಮೇಶ್	: ಅದಕ್ಕೆ ಹೀಗೆ ಸುಮ್ಮನೆ ಯೋಚಿಸ್ತಾ ಕುಳಿತರೆ ಪ್ರಯೋಜನ ಏನು? ಬ್ಯಾಂಕಿನಲ್ಲಿ ವಿಚಾರಿಸಿದಿಯಾ?	उस के लिए इस तरह चुपचाप सोचते बैठें तो क्या लाभ है? क्या बैंक में पुछ-ताछ की?
ಪಾಂಡೆ	: ಇಲ್ಲ.	नहीं।
ರಮೇಶ್	: ಅರ್ಜಿ ಹಾಕಿದೆ ಅಂದರೆ ಸಾಲ ಸಿಕ್ಕಿತು ಅಂತ ತಿಳಿದಿದೀಯಾ? `ಅಳದಿದ್ದರೆ ಅಮ್ಮನೂ ಹಾಲು ಕೊಡಲ್ಲ. `ಅನ್ನೋ ಹಾಗೆ ಪ್ರಯತ್ನವನ್ನೇ ಮಾಡದೆ ಇದ್ದರೆ ಸಾಲ ಹೇಗೆ ಸಿಗುತ್ತೆ?	क्या तुमने सोचा है कि आवेदन पत्र दिया तो कर्ज मिल जायेगा? `बच्चा नहीं रोए तो माँ दूध नहीं पिलाती।' इसी तरह कोशिष नहीं करेंगे तो कैसे कर्ज मिलेगा?
ಪಾಂಡೆ	: ನೀನು ಬ್ಯಾಂಕಿಗೆ ಬಂದರೆ ನಾನೂ ಬರ್ತೀನಿ.	तुम बैंक आते तो, मैं भी आता।
ರಮೇಶ್	: ಯಾಕೆ? ನೀನು ಒಬ್ಬನೇ ಹೋಗುವುದಕ್ಕೆ ಹೆದರಿಕೆನಾ?	क्यों? अकेले जाने में क्या तुम डरते हो?
ಪಾಂಡೆ	: ಮ್ಯಾನೇಜರ್ ಹತ್ತಿರ ಹೋಗಿ ಕೇಳುವುದು ನನಗೆ ಒಂತರಾ ಸಂಕಟ.	मेंनेजर के यहाँ जाकर कहने में मुझे एक प्रकार का संकट लगता है।

ರಮೇಶ್	: `ಕಾರ್ಯವಾಸಿ ಕತ್ತೆ ಕಾಲು ಕಟ್ಟು'–ಅಂತಾರೆ ನಿನ್ನ ಕೆಲಸ ಆಗಬೇಕು ಅಂದರೆ ಹೋಗಿ ಮ್ಯಾನೇಜರ್ ನೋಡಬೇಕು.	तुम्हारा काम होना चाहिए। मतलब केलिए ' काम पडे तो गधे कि पाँव पक़डो' । तो जाकर मैनेजर से मिलना चाहिए।
ಪಾಂಡೆ	: ಸರಿ, ಬಾ. ಬ್ಯಾಂಕಿಗೆ ಹೋಗೋಣ.	ठीक, आओ; बैंक चलें।

*****

ರಮೇಶ್	: ನಮಸ್ಕಾರ ಸಾರ್.	नमस्कार महोदय।
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ನಮಸ್ಕಾರ ರಮೇಶ್. ಬನ್ನಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳಿ.	नमस्कार रमेशजी। आइए, बैटिए।
ರಮೇಶ	: ಇವನು ನನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತ ಪಾಂಡೆ. ಸಾಲಕ್ಕೆ ಅರ್ಜಿ ಹಾಕಿದ್ದಾನೆ.	यह मेरा मित्र पांडे है।कर्ज के लिए आवेदन –पत्र दिया है।
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ಯಾವಾಗ ಅರ್ಜಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೀರಿ?	आवेदन-पत्र कब दिया है?
ಪಾಂಡೆ	: ಎರಡು ತಿಂಗಳಾಯಿತು ಸಾರ್.	महोदय, दो महीने हो गए हैं।
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ಹಾಗಾದ್ರೆ ಆಗಿರಬೇಕಲ್ಲ. ಪ್ರಸಾದ್, ಬನ್ನಿ ಇಲ್ಲಿ.	तो हुआ होगा ; प्रसाद, आओ यहाँ।
ಪ್ರಸಾದ್	: ಏನು ಸಾರ್?	क्या है महोदय?
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ಇವರು ಪಾಂಡೆ ಅಂತ. ಇವರ ಸಾಲದ ಅರ್ಜಿ ನೋಡಿ.	ये पांडेजी हैं। इन के कर्ज का आवे- दन पत्र देखो।
ಪ್ರಸಾದ್	: ಸಾಲ ಮಂಜೂರಾಗಿದೆ ಸಾರ್. ಆದರೆ ಜಾಮೀನು ಬೇಕಾಗಿತ್ತು.	श्रीमान्जी, कर्ज मंजूर हुआ है। लेकिन जमानत की जरूरत थी।
ಪಾಂಡೆ	: ನನಗೆ ತಿಳಿಸದೆ ಇದ್ದರೆ ಹೇಗೆ ಜಾಮೀನು ಕೊಡೋದು?	मुझे नहीं बताते तो जमानत कैसे देता?
ಪ್ರಸಾದ್	: ನೀವು ಬ್ಯಾಂಕಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದರೆ ಜಾಮೀನು ಫಾರ್ಮ ಕೊಡ್ತಾ ಇದ್ದೆ.	(तुम) बैंक आते तो जमानत केलिए आवेदन पत्र दे देता था।
ಪಾಂಡೆ	: ಸಾಲ ಮಂಜೂರಾಗಿದ್ದರೆ ನೀವು ನನಗೆ ತಿಳಿಸಬೇಕಿತ್ತು.	कर्ज मंजूर हुआ तो आपको मुझे बताना था।

ಪ್ರಸಾದ್	: ನೀವು ಬ್ಯಾಂಕಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದರೆ ತಿಳಿಸಬಹುದಿತ್ತು ಸಾರ್. ನೀವು ಈ ಕಡೆ ತಿರುಗಿ ಸಹ ನೋಡಲಿಲ್ಲ.	आप बैंक आते तो में कह सकता था श्रीमान्‌जी। आपने बैंक में आने का कष्ट नहीं उठाया।
ಪಾಂಡೆ	: ನೀವು ಒಂದು ಪತ್ರ ಬರೆದಿದ್ದರೆ ಸಾಕಾಗಿತ್ತು. ನಾನೇ ಬಂದು ಬಿಡುತ್ತಿದ್ದೆ.	आप एक पत्र लिखते तो काफी था। मैं खुद आ सकता था।
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ಪತ್ರ ಕಳಿಸಿರಬೇಕಲ್ಲ?	पत्र भेजा हुआ न?
ಪ್ರಸಾದ್	: ಪತ್ರ ಕಳಿಸಿದ್ದೀವಿ ಸಾರ್.	श्रीमान्‌जी, हमने पत्र भेज दिया है।
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ರವಾನೆ ಗುಮಾಸ್ತ ರವಿಯನ್ನು ಕೂಗಿ.	पत्र भेजनेवाले क्लर्क रवी को बुलाओ।
ಪ್ರಸಾದ್	: ರವಿ ಮತ್ತು ಮೋಹನ್ ಕಾಫಿಗೆ ಹೋಗಿದ್ದಾರೆ ಸಾರ್.	रवी और मोहन कॉफी के लिए गये हैं, महोदय।
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ಯಾವಾಗ ಬರ್ತಾರೆ?	कब लौटेंगे?
ಪ್ರಸಾದ್	: 5 ನಿಮಿಷದಲ್ಲಿ ಬಂದರೂ ಬರಬಹುದು.	आएँ तो, 5 मिनट में आ सकते हैं।
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ಅವರು ಬ್ಯಾಂಕಿಗೆ ಬಂದರೂ ಸರಿಯಾಗಿ ಕುರ್ಚಿಯಲ್ಲಿ ಕೂರಲ್ಲ. ಇನ್ನು ಹೊರಕ್ಕೆ ಹೋದರೆ ಯಾವಾಗ ಬರ್ತಾರೆ?	वे बैंक आएँ, तो भी कुर्सी पर ठीक नहीं बैठते। तो फिर बाहर गएँ हैं तो कब वापस आयेंगे?
ಪ್ರಸಾದ್	: ನಿಮ್ಮ ಮಾತು ನಿಜ ಸಾರ್. ನಾನು ಮೋಹನನನ್ನು ನಂಬಿದರೂ ನಂಬಿಯೇನು. ಆದರೆ ರವಿಯನ್ನು ನಂಬಲಿಕ್ಕಾಗಲ್ಲ. ಎಷ್ಟೊತ್ತಿಗೆ ಬರ್ತಾನೊ ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ.	आपकी बात सच है महोदय। मैं तो मोहन पर विश्वास कर सकता हूँ। लेकिन रवि पर विश्वास नहीं कर सकता। मालूम नहीं कि कब आयेंगे।
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ಅದಿರಲಿ. ಪಾಂಡೆ ಅವರೆ, ನೀವು ಈಗ ಜಾಮೀನು ಫಾರಂ ತುಂಬಿ ಕೊಡಿ. ಜಾಮೀನುದಾರರನ್ನು ನಾಳೆ ಕರೆ ತನ್ನಿ.	अच्छा। पांडेजी, अब आप जमानत पत्र भर कर दीजिए। जमानतदार को कल बुला लाइए।
ಪಾಂಡೆ	: ಅವನು ಈಗ ಊರಲ್ಲಿ ಇಲ್ಲ. ನಾಳೆ ಬರಲ್ಲ. ನಾಳಿದ್ದು ಬಂದರೂ ಬಂದಾನು.	वह अब गाँव पर नहीं है। कल नहीं लौटेंगा। परसों आ सकता हैं।

ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ಹಾಗಾದರೆ ನಾಳಿದ್ದೆ ಬನ್ನಿ.	तो फिर परसों ही आइए।
ಪಾಂಡೆ	: ನಾಳಿದ್ದು ಅವನು ಬಂದರೆ ನಾವು ಬ್ಯಾಂಕಿಗೆ ಬರ್ತೀವಿ. ಅವನು ಬರದಿದ್ದರೆ ಆಚೆನಾಳಿದ್ದು ಖಂಡಿತ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬರ್ತೀನಿ.	परसों वह आएँ तो हम बैंक आयेंगे। वह नहीं आयें तो परसों उन्हें जरूर ले आऊँगा।
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ಹಾಗೇ ಮಾಡಿ.	वैसा ही कीजिए।
ರಮೇಶ್	: ನಾನು ಕಾಲೇಜಿಗೆ ಚಕ್ಕರು ಹೊಡೆದು ಬ್ಯಾಂಕಿಗೆ ಬರದೆ ಇದ್ದಿದ್ದರೆ ಪಾಂಡೆಗೆ ಸಾಲ ಸಿಗ್ತಾ ಇರಲಿಲ್ಲ!	मैं कालेज अनूपस्थित रहकर बैंक न आता तो पांडे को कर्ज नहीं मिलता था।
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ನಿಮಗೆ ತೊಂದರೆ ಆಗಿದ್ದರೆ ಫೋನ್ ಮಾಡಿದ್ದರೂ ಸಾಕಾಗಿತ್ತು.	आपको कष्ट था तो, फोन से बात करते तो काम-चल जाता।
ರಮೇಶ್	: ತೊಂದರೆ ಏನಿಲ್ಲ. ಒಂದೇ ಪೀರಿಯಡ್ ಇದ್ದಿದ್ದು. ತಮಾಷೆಗೆ ಹೇಳಿದೆ.	कोई कष्ट नहीं। एक ही अवधि था। हँसी के लिए कहा था।
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ಪರವಾಗಿಲ್ಲ. ಕಾಫಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ.	कोई बात नही। काफी लीजिए।
ರಮೇಶ್	: ಬರ್ತೀವಿ ಸಾರ್. ಮತ್ತೆ ಸಿಗೋಣ.	चलेंगे महोदय। फिर मिलेंगे।
ಪಾಂಡೆ	: ನಮಸ್ಕಾರ.	नमस्कार।
ಮ್ಯಾನೇಜರ್	: ನಮಸ್ಕಾರ.	नमस्कार।

शब्दार्थ

ಗಾಢವಾಗಿ ಯೋಚನೆ	गहरी सोच	ಬೇಜಾರಾಗಿದೆ	ऊब गया
ಸೇರ್ತೀನಿ	शामिल होता हूँ	ಕೋಪ	गुस्सा
ತಮಾಷೆ	तमाशा	ಕಣೋ	सम्बोधन कारक पद
ಅಂಗಡಿ ಹತ್ತಿರ	दूकान पर	ಹಾಳಾಗಿ	खराब होता
ಲೆಕ್ಕಚಾರ	सोच विचार	ಹೋಗು	जा
ಮಾಡದೆ	किये बिना	ಬಂಡವಾಳ	पूँजी
ಸಾಲ	कर्ज	ಅರ್ಜಿ	आवेदन पत्र
ಸುಮ್ಮನೆ	चुपचाप	ಪ್ರಯೋಜನ	लाभ
ಅಳದಿದ್ದರೆ	बिना रोये	ಅಮ್ಮ	माता

ಹೆದರಿಕೆ	डर	ಒಂದುತರಾ	एक प्रकार
ಮಂಜೂರಾಗಿದೆ	मंजूर हूआ है	ಬೇಕಾಗಿತ್ತು	जरूरत थी
ತಿಳಿಸದೆ	नहीं बताते	ರವಾನೆ ಗುಮಾಸ್ತ	पत्र भेजने वाला मुंशी
ಕೂರಲ್ಲ	नहीं बैठते	ನಂಬಲಿಕ್ಕಾಗಲ್ಲ	विश्वास नहीं करता
ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ	मालुम नहीं	ಕರೆತನ್ನಿ	बुला लाइय
ಆಚೆನಾಳಿದ್ದು	परसों	ಮತ್ತೆ ಸಿಗೋಣ	फिर मिलेंगे

ಕಾರ್ಯವಾಸಿ ಕತ್ತೆ ಕಾಲು ಕಟ್ಟು ಅಂತಾರೆ — कहते है - काम पडे तो गधे कि पाँव भी पकडो

अभ्यास

I. उदाहरण का अनुसरण कर निम्नलिखित वाक्यों का पुनर्निर्माण कीजिए।

उदहरण : ನಾನು ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಸೇರಿದೆ. ಹೆಚ್ಚು ಸಂಬಳ ಸಿಗುತ್ತದೆ.

ನಾನು ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಸೇರಿದರೆ ಹೆಚ್ಚು ಸಂಬಳ ಸಿಗುತ್ತದೆ.

1. ನಾನು ಎಂ.ಎ.ಗೆ ಸೆರಿದೆ. ಉಪನ್ಯಾಸಕರ ಕೆಲಸ ಸಿಗುತ್ತದೆ.
2. ಊಟ ಮಾಡಿದೆ. ಹೊಟ್ಟೆ ನೋಯುತ್ತದೆ.
3. ಪುಸ್ತಕ ಓದಿದೆ. ಕಣ್ಣು ಮಂಜಾಗುತ್ತದೆ.
4. ಕಾಫಿ ಕುಡಿದೆ. ವಾಂತಿ ಬರುತ್ತದೆ.
5. ಕಷ್ಟ ಪಟ್ಟು ಓದಿದೆ. ರ್‍ಯಾಂಕ್ ಬರುತ್ತದೆ.

II. कोष्टक में दिए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(ಕುಳಿತರೆ, ಮಾಡು, ಮಾಡುವುದು, ಅಂದರೆ, ಉತ್ತರವೇ)

1. ನಾನು ಎಂ.ಬಿ.ಬಿ.ಎಸ್.ಗೆ ಸೇರ್ತೀನಿ .... ಬೇಡ ಅಂತಾರೆ.
2. ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಸೇರಬೇಡ ಅಂದರೆ ಏನು ....?
3. ವ್ಯಾಪಾರ .... ಅಂತಾರೆ.
4. ಸಾಲಕ್ಕೆ ಅರ್ಜಿ ಹಾಕಿದರೆ .... ಇಲ್ಲ.
5. ಯೋಚಿಸ್ತಾ .... ಏನು ಪ್ರಯೋಜನ?

III. उदाहरण के अनुसार कथनात्मक वाक्यों को प्रश्नात्मक वाक्यों में परिवर्तित कीजिए।

उदहरण : ಪುಸ್ತಕ ಓದಿದರೆ ಪಾಸಾಗುತ್ತೆ.

ಪುಸ್ತಕ ಓದದೆ ಇದ್ದರೆ ಪಾಸಾಗುತ್ತಾ?

1. ಊಟ ಮಾಡಿದರೆ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬುತ್ತೆ.
2. ಮನೆಗೆ ಹೋದರೆ ಕಾಫಿ ಸಿಗುತ್ತೆ.
3. ಮಳೆ ಬಂದರೆ ಕೆರೆ ತುಂಬುತ್ತೆ.
4. ಬಾವಿ ತೋಡಿದರೆ ನೀರು ಬರುತ್ತೆ.
5. ಹಾಲು ಕುಡಿದರೆ ಶಕ್ತಿ ಬರುತ್ತೆ.

IV. नीचे दिए शब्द युग्मों का अभ्यास कीजिए।

ಬಂದರೆ	–	ಬರದೆ ಇದ್ದರೆ
ಓದಿದರೆ	–	ಓದದೆ ಇದ್ದರೆ
ಹೋದರೆ	–	ಹೋಗದೆ ಇದ್ದರೆ
ತೋಡಿದರೆ	–	ತೋಡದೆ ಇದ್ದರೆ
ನೋಡಿದರೆ	–	ನೋಡದೆ ಇದ್ದರೆ
ಕುಡಿದರೆ	–	ಕುಡಿಯದೆ ಇದ್ದರೆ
ನಕ್ಕರೆ	–	ನಗದೆ ಇದ್ದರೆ
ಮಾಡಿದರೆ	–	ಮಾಡದೆ ಇದ್ದರೆ
ಕೊಟ್ಟರೆ	–	ಕೊಡದೆ ಇದ್ದರೆ.

V. वार्तालाप के सन्दर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ಯೋಚನೆ ಮಾಡ್ತಾ ಕುಳಿತಿದ್ದವರು ಯಾರು?
2. ಎಂ.ಬಿ.ಬಿ.ಎಸ್. ಗೆ ಸೇರ್ತೀನಿ ಅಂದರೆ ಯಾರು ಬೇಡ ಅಂತಾರೆ?
3. ಸಾಲಕ್ಕೆ ಅರ್ಜಿ ಹಾಕಿರುವವರು ಯಾರು?
4. ರವಾನೆ ಗುಮಾಸ್ತೆ ಯಾರು?
5. ಕಾಲೇಜಿಗೆ ಚಕ್ಕರ್ ಹೊಡೆದು ಬ್ಯಾಂಕಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದವರು ಯಾರು?

पढिए और समाझिए

ಸರಿದಾರಿ
ठीक रास्ते

ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಚಿಕ್ಕಂದಿನಿಂದಲೇ ಒಳ್ಳೆಯ ಅಭ್ಯಾಸ ಕಲಿಸಬೇಕು. ನನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತ ಆಗಾಗ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ತನ್ನ ಮಗ ಸುಕುಮಾರ್ ಕೆಟ್ಟ ಅಭ್ಯಾಸಗಳನ್ನು ರೂಢಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾನೆ. ಪ್ರತಿ ದಿನ ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಹಲ್ಲು ಉಜ್ಜಿ ಸ್ನಾನ ಮಾಡು ಅಂದರೆ ಮಾಡುವುದಿಲ್ಲ. ಶಾಸ್ತ್ರಕ್ಕೆ ಮುಖಕ್ಕೆ ನೀರು ಹಾಕಿ ತಿಂಡಿ ತಿನ್ನಲು ಪ್ರಾರಂಭಿಸುತ್ತಾನೆ. ಹೀಗೆ ಮಾಡಬಾರದು, ಆರೋಗ್ಯಕ್ಕೆ ಒಳ್ಳೆಯದಲ್ಲ ಎಂದರೆ ಅಜ್ಜಿ ಮನೆಗೆ ಹೋಗುತ್ತೇನೆ ಎನ್ನುತ್ತಾನೆ. ಸಣ್ಣ ಪುಟ್ಟ ಕೆಲಸಗಳನ್ನೂ ಮಾಡುವುದಿಲ್ಲ. ನಿನ್ನ ಕೆಲಸಗಳನ್ನು ನೀನೇ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದನ್ನು, ಅಭ್ಯಾಸ ಮಾಡಿಕೋ ಎಂದರೆ ನಾನು ಇಂತಹ ಸಣ್ಣ ಪುಟ್ಟ ಕೆಲಸ ಮಾಡುವುದಿಲ್ಲ ಎನ್ನುತ್ತಾನೆ. ಖರ್ಚಿಗೆ ಹಣ ಕೊಡದಿದ್ದರೆ ರಂಪ ಮಾಡುತ್ತಾನೆ. ಹಣ ಕೊಟ್ಟರೆ ಅದನ್ನು ಸಿನಿಮಾ ನೋಡಲು, ಬೀದಿಯಲ್ಲಿ ಮಾರುವ ತಿಂಡಿ ತಿನ್ನಲು ಉಪಯೋಗಿಸುತ್ತಾನೆ. ನೀವು ಹಣ ಕೊಟ್ಟರೆ ನಾನು ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗುತ್ತೇನೆ, ಕೊಡದಿದ್ದರೆ ಹೋಗುವುದಿಲ್ಲ ಎಂದು ಬೆದರಿಸುತ್ತಾನೆ. ಅವನು ಸರಿ ದಾರಿಗೆ ಬಂದರೂ ಬಂದಾನು ಪ್ರಯತ್ನಿಸೋಣ. ಎಂದು ಸ್ನೇಹಿತನಿಗೆ ಸಮಾಧಾನ ಹೇಳಿ ಈಗ ಸುಕುಮಾರನನ್ನು ಒಳ್ಳೆಯ ದಾರಿಗೆ ತರಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸುತ್ತಿದ್ದೇನೆ.

नए शब्द

ಚಿಕ್ಕಂದಿನಿಂದಲೇ	बचपन से ही	ರೂಢಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾನೆ	प्रचलन किया
ಉಜ್ಜಿ	माँज कर	ಹಾಕಿ	लगाकर
ತಿಂಡಿ	नाश्ता	ಎನ್ನುತ್ತಾನೆ	कहता है
ಇಂತಹ	ऐसा	ರಂಪ	कोलाहल
ಬೀದಿಯಲ್ಲಿ	सडक पर	ಸರಿದಾರಿಗೆ	ठीक रास्ते
ಸಮಾಧಾನಹೇಳಿ	तसल्ली देकर		

I. वाचनार्थ पाठ्य सामाग्री के सन्दर्भ में प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. ಚಿಕ್ಕಂದಿನಿಂದಲೇ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಏನು ಕಲಿಸಬೇಕು?
2. ಸುಕುಮಾರ್ ಯಾವ ಅಭ್ಯಾಸಗಳನ್ನು ರೂಢಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾನೆ?
3. ಖರ್ಚಿಗೆ ಹಣ ಕೊಡದಿದ್ದರೆ ರಂಪ ಮಾಡುವವರು ಯಾರು?
4. ಹಣ ಕೊಟ್ಟರೆ ಯಾವುದಕ್ಕಾಗಿ ಉಪಯೋಗಿಸುತ್ತಾನೆ?
5. ಸುಕುಮಾರನನ್ನು ಯಾವ ದಾರಿಗೆ ತರಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸುತ್ತಿದ್ದಾರೆ?

II. दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके ५ -५ वाक्य बनाइये।

ಅಭ್ಯಾಸ, ಒಳ್ಳೆಯ, ಕೊಟ್ಟರೆ, ಕೊಡದಿದ್ದರೆ, ಸಮಾಧಾನ

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

मैं ऊपर से गिरती हूँ। मैं ठीक वक्त पर नहीं गिरती तो कोई प्राणी जिन्दा नहीं रहता। सूरज नहीं निकलता तो सारी भूमि पर अन्धेश छाता है। अन्धेरे में कोई अपना काम नहीं करता। कोई प्राणी नही चलता-फिरता। सूरज नहीं रहता तो बाज मात्र-उड़ता रहता हैं। चन्द्रमा की चाँन्दनी होती है तो चोर अपना काम नहीं करता। दीप का प्रकाश न होतो विध्यार्थी अपनी पढाई नहीं करते। विध्यार्थी नहीं पढते तो परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं होता। उत्तीर्ण नहीं होता तो उनकी शिक्षा पूर्ण नहीं होती।
शिक्षा पूर्ण नहीं होती तो ज्ञान प्राप्त नहीं होता।

IV. 'ಮಳೆ' के बारे में पाँच वाक्य कन्नड में लिखिए।

टिप्पणियाँ

इस पाठ मे ಬಂದರೆ (यदि वह आता....) ಹೋದರೆ यदि वह जाता.....) जैसे हेतुमदवाले वाक्यों का परीचय दिया गया है। इन का अर्थ नीचे के वाक्य से स्पष्ट होता है।

उदाहरण : ನೀನು ಬ್ಯಾಂಕಿಗೆ ಬಂದರೆ ನಾನೂ ಬರ್ತೀನಿ.

तुम बैंक आये तो मैं भी आऊँगा।

ನೀವು ಬ್ಯಾಂಕಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದರೆ ತಿಳಿಸಬಹುದಿತ್ತು.

तुम बैंक आये होते तो बता सकते थे।

इसी प्रकार निषेधात्मक हेतुमद् के वाक्यों का अर्थ नीचे लिखे वाक्यों से स्पष्ट होता है।

उदाहरण: ನೀನು ಪ್ರಯತ್ನವನ್ನೇ ಮಾಡದೆ ಇದ್ದರೆ ಸಾಲ ಹೇಗೆ ಸಿಗುತ್ತೆ?

तुम प्रयत्न ही नहीं करते तो कर्ज कैसे मिलता है?

कन्नड में हेतुमद के रूप नीचे लिखे तरीके से बनाये जाते हैं।

उदाहरण : ಹಾಕಿದ್ + ಅರೆ – ಹಾಕಿದರೆ – डालते तो

ಬಂದ್ + ಅರೆ – ಬಂದರೆ – आते तो

ಕೊಟ್ + ಅರೆ – ಕೊಟ್ಟರೆ – दे तो

ಕುಳಿತ್ + ಅರೆ – ಕುಳಿತರೆ – बैठते तो

हेतुमद बनाने के लिए भूतकाल के क्रिया रूप में ಅರೆ लगाते हैं।

I. भूतकाल के क्रिया रूप में `ಅರೆ' लगाकर भूतकालेतर हेतुमद के रूप बनाये जाते हैं।

उदाहरण : ಬಂದ್ + ಅರೆ – ಬಂದರೆ – आए तो

ನೀನು ಮನೆಗೆ ಬಂದರೆ ಕಾಫಿ ಕೊಡ್ತೀನಿ. – तुम घर आए तो काफि दूँगा।

II. अपूर्ण कालिक कृदन्त में `ಅರೆ' लगाकर अपूर्ण हेतुमद के रूप बनाये जाते हैं।

उदाहरण : ಯೋಚಿಸ್ತಾ ಕುಳಿತ್+ಅರೆ – ಯೋಚಿಸ್ತಾ ಕುಳಿತರೆ

ಸುಮ್ಮನೆ ಯೋಚಿಸ್ತಾ ಕುಳಿತರೆ ಪ್ರಯೋಜನ ಏನು? -

यदि तुम सोचते बैठे रहोगे तो क्या लाभ (होगा)?

III. पूर्वकालिक कृदन्त में `ಇರು' क्रिया का हेतुमद रूप `ಇದ್ದರೆ' जोडकर पूर्व भूत हेतुमद के रूप बनाये जातें हैं।

उदाहरण : .ಬಂದು + ಇದ್ದರೆ – ಬಂದಿದ್ದರೆ– आये हो तो

ನೀವು ಮನೆಗೆ ಬಂದಿದ್ದರೆ ತಿಳಿಸಬಹುದಿತ್ತು.

तुम धर आये होते तो समझा सकता था।

IV. हेतुमद के निषेधात्मक रूप कृदन्त के निषेधात्मक रूप `ಅದೆ ' को `ಇರು' क्रिया के हेतुमद रुप `ಇದ್ದರೆ' में जोडकर बनाते हैं।

उदाहरण: ಮಾಡು + ಅದೆ + ಇದ್ದರೆ – ಮಾಡದೆ ಇದ್ದರೆ – नहीं करते तो

ಪ್ರಯತ್ನವನ್ನೇ ಮಾಡದೆ ಇದ್ದರೆ ಸಾಲ ಹೇಗೆ ಸಿಗುತ್ತೆ?

प्रयत्न ही नहीं करते तो कर्ज कैसे मिलता?

V. `ಬಂದರೆ', `ಹೋದರೆ' जैसे हेतुमद रूपों में `ಊ' जोडने पर `ಬಂದರೂ', `ಹೋದರೂ' जैसे रूप बनते हैं और उनका अर्थ ` हो सकता था नहीं हो सकता' होता है।

उदाहरण : ಬಂದರೆ + ಊ - ಬಂದರೂ – आते तो

ನಾಳೆ ಬಂದರೂ ಬರಬಹುದು. – कल आते तो आते

ಅವರು ಬ್ಯಾಂಕಿಗೆ ಬಂದರೂ ಸರಿಯಾಗಿ ಕುರ್ಚಿಯಲ್ಲಿ ಕೂರಲ್ಲ.

वे बैंक में आते हैं तो भी कुर्सी पर ठीक से नहीं बैठते।

ಪಾಠ पाठ 15

ಸಾಲ ಮಾಡದವರು — जो कर्ज नहीं लेते

ಶರ್ಮಾ : ನಮಸ್ಕಾರ ಸೆಟ್ರೆ.
नमस्कार सेठजी।

ವ್ಯಾಪಾರಿ: ನಮಸ್ಕಾರ. ಬನ್ನಿ ಸ್ವಾಮಿ, ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳಿ. ಬಹಳ ದಿನದಿಂದ ಕಾಣಲೇ ಇಲ್ಲ.
नमस्कार। आइए, बैठिए। बहुत दिनों से दिखाई ही नहीं पडे।

ಶರ್ಮಾ: ಕಾಣುವ ಧೈರ್ಯ ಎಲ್ಲಿದೆ ಸೆಟ್ರೆ? ತಲೆ ತಪ್ಪಿಸಿಕೊಂಡು ತಿರುಗುವ ರೀತಿ ಆಗಿದೆ.
मिलने का साहस कहाँ है सेठजी? मुँह छिपाकर चले जाना जैसा हुआ है।

ವ್ಯಾಪಾರಿ: ಯಾಕೆ?
क्यों?

ಶರ್ಮಾ : ಅದೇನು ಹೇಳಲಿ? ಸಂಬಳ ಬರದ ಹೊರತು ನಿಮ್ಮ ಅಂಗಡಿಗೆ ಬರುವ ಹಾಗಿಲ್ಲ. ನೀವು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದ ಸಾಲವನ್ನೇ ತೀರಿಸಲಿಲ್ಲ. ಹೇಗೆ ಬರೋದು?
वह क्या बताऊँ? वेतन पाये बिना आपकी दुकान नहीं आ सकता। आप का दिया. हुआ उधार तो चुकाया नहीं। कैसे आ सकता हूँ?

ವ್ಯಾಪಾರಿ: ಸಾಲ ಮಾಡದ ಜನ ಯಾರಿದ್ದಾರೆ ಹೇಳಿ. ಕುಬೇರನೇ ಸಾಲ ಮಾಡಿದ್ದ. ಸತ್ಯ ಹರಿಶ್ಚಂದ್ರನೇ ಸಾಲ ಮಾಡಿದ್ದ. ಸಾಲ ಮಾಡುತ್ತಿರುವ ಸರಕಾರಗಳೂ ಇವೆ. ಇನ್ನು ನಿಮ್ಮದು ನಮ್ಮದು ಯಾವ ಲೆಕ್ಕ ಸ್ವಾಮಿ?
बताइए कि उधार न लेनेवाले कौन हैं। कुबेरने भी उधार लिया था। हरिश्चन्द्रने भी उधार लिया था। कर्ज लेनेवाली सरकारें भी हैं। तो हमारा और आपका क्या बिसात है?

ಶರ್ಮಾ : ಅದೂ ನಿಜ ಅನ್ನಿ. ಸಾಲ ಕೊಡುವ ಜನ ಇರುವವರೆಗೆ ಸಾಲ ಮಾಡದ ಜನ ಇರುವುದಿಲ್ಲ.
यह भी सच है। उधार देनेवाले लोग जब तक होंगे तब तक कर्ज न लेनेवाला नहीं होगा।

ರಾಮು : ಸಾಮಾನು ಏನು ಬೇಕು ಸಾರ್?
श्रीमान्‌जी, कौनसा सामान चाहिए?

ಶರ್ಮಾ : ಸಾಮಾನು ಚೀಟಿ ತಂದಿದ್ದೀನಿ. ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. ಚೀಟಿಯಲ್ಲಿ ಇರುವ ಸಾಮಾನೆಲ್ಲ ಕೊಡಿ. ಅದರಲ್ಲಿ ಬರೆದಿರವುದರಲ್ಲಿ 1 ಕಿಲೋ 1/2 ಕಿಲೋ ಕಡಿಮೆ ಕೊಡಿ.
सामान की सूची लाया हूँ। लीजिए। सूची के सारा सामान दीजिए। उस में जो लिखा है उस से 1किलो, 1/2 किलो कम कर दीजिए।

ರಾಮು : ಯಾಕೆ ಸಾರ್? ಎಷ್ಟು ಎಷ್ಟು ಬೇಕು ಅಂತ ಬರೆದಿದೆಯಲ್ಲ?	क्यों श्रीमान्‌जी, लिखा है न कितना चाहिए।
ಶರ್ಮಾ : ಬರೆದಿದೆ. ಇದು ನನ್ನ ಹೆಂಡತಿ ಬರೆದಿರೋದು. ನಮಗೆ ಬರುವ ಸಂಬಳದಲ್ಲಿ ನೀವು ಹೇಳುವ ಬೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಅದನ್ನೆಲ್ಲ ಕೊಳ್ಳುವ ಸಾಹಸ ಮಾಡಿದರೆ, ಮಾಡಿದ ಸಾಲ ಈ ಜನ್ಮದಲ್ಲಿ ತೀರಿಸೋಕಾಗಲ್ಲ.	लिखा है। (लेकिन) मेरी पत्नी ने लिखा है। हमें जो वेतन मिलता है उस में आपके बताये दाम से खरीदनें का साहस करूँ तो उधार इस जन्म में चुकाया नहीं जायेगा।
ವ್ಯಾಪಾರಿ: ರಾಮೂ, ಆ ಚೀಟಿಯಲ್ಲಿ ಇರುವ ಸಾಮಾನುಗಳನ್ನೆಲ್ಲ ತೂಕ ಮಾಡಿಕಟ್ಟು. ಅವರು ಹೇಳಿದ ಹಾಗೆ 1 ಕಿಲೋ ಅರ್ಧ ಕಿಲೋ ಸ್ವಲ್ಪ ಕಡಿಮೆ ಕೊಡು.	रामू, उस सूची के सभी सामानों को तौल कर बाँधो। उनके कहने के जैसे एकाध किलो कम कर दो।
ರಾಮು : ಆಗಲಿ ಸಾರ್.	अच्छा श्रीमान्‌जी।
ವ್ಯಾಪಾರಿ: ಅಲ್ಲಾ ಸ್ವಾಮಿ, ಸರಕಾರಿ ನೌಕರರು ನೀವೇ ಹೀಗೆ ತಿನ್ನುವ ಪದಾರ್ಥ ಕೊಳ್ಳುವುದಕ್ಕೆ ಹೆದರಿದರೆ ಸಾಮಾನ್ಯರ ಗತಿ ಏನು?	नहीं महोदय, सरकारी नौकर होकर आप ही खानेवाले सामान खरीदने से डरते हैं तो मामूली लोगों की क्या हालत होगी?
ಶರ್ಮಾ : ಜನ್ಮ ಕೊಟ್ಟ ಶಿವ ಅನ್ನಕೊಡಲ್ವೆ? ಅಂತ ಎಲ್ಲ ದೇವರ ಮೇಲೆ ಹಾಕಿ ಅವರು ನೆಮ್ಮದಿಯಾಗಿರ್ತಾರೆ.	जन्म देनेवाला शिव भोजन देता है न? भगवान पर सारा भरोसा रखकर वे चुप बैठे रहते हैं।
ವ್ಯಾಪಾರಿ: ನಿಮಗೆ ನೆಮ್ಮದಿ ಇಲ್ಲವಾ?	क्या आपको शान्ति नहीं है क्या?
ಶರ್ಮಾ : ಹೌದು. `ಆರಕ್ಕೆ ಏರದೆ ಮೂರಕ್ಕೆ ಇಳಿಯದೆ ಸಂಸಾರ ಸಾಗಿಸುವ ಕೆಲಸ ಇದೆಯಲ್ಲ.' ಅದು ಬಹಳ ಕಷ್ಟ.	हाँ। `छे के ऊपर और तीन के नीचे न जाकर' गृहस्थी चलाने का काम है न? वह भी बहुत मुष्किल की बात है।
ರಾಮು : ಯಾವ ಅಕ್ಕಿ ಕೊಡಲಿ ಸಾರ್? ಒಳ್ಳೆಯ ಅಕ್ಕಿ ಒಂದು ಕಿಲೋ.ಗೆ ಹತ್ತು ರೂಪಾಯಿ. ಸುಮಾರಾಗಿ ಇರುವ ಅಕ್ಕಿ ಒಂದು ಕಿಲೋ.ಗೆ ಏಳು ರೂಪಾಯಿ.	श्रीमान्‌जी, कौनसा चावल दूँ? अच्छा चावल दस रुपये में एक किलो। सामान्य चावल के दाम सात रुपये किलो है।

ಶರ್ಮಾ :	ಚೆನ್ನಾಗಿರುವ ಅಕ್ಕಿನೇ ಕೊಡಪ್ಪ. `ಅಗ್ಗದ ಆಸೆಗೆ ಮುಗ್ಗಿದ ಜೋಳ' ಅಂತ ಕೆಟ್ಟ ಅಕ್ಕಿ ಕೊಡಬೇಡ.	अच्छा चावल ही दो भाई। `सस्ते के लोभ में सड़ी ज्वार' जैसे खराब चावल नहीं देना।
ರಾಮು :	ಆಗಲಿ ಸಾರ್. ಕಡಲೆ ಬೇಳೆ ಯಾವುದು ಕೊಡಲಿ ಸಾರ್?	अच्छा श्रीमानन्जी चने की दाल कौनसी दूँ?
ಶರ್ಮ :	ಮೊನ್ನೆ ಕೊಟ್ಟ ಕಡಲೆ ಬೇಳೆ ಒಬ್ಬಟ್ಟು ಚೆನ್ನಾಗಿತ್ತು. ಅದನ್ನೇ ಕೊಡು.	परसों दी हुई चने की ओब्बट्टु अच्छी थी। उसी को दो।
ವ್ಯಾಪಾರಿ:	ನಮಗೆ ಒಬ್ಬಟ್ಟು ಕೊಡಲೇ ಇಲ್ಲ.	हमें तो ओब्बट्टु (मीठी दाल पूडी) दी ही नहीं?
ಶರ್ಮಾ :	ಗಗನಕ್ಕೆ ಏರುತ್ತಿರುವ ಬೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಈಗಿನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ತಿಂಡಿ ಮಾಡಿ ದಾನ ಮಾಡುವ ಧೈರ್ಯ ನಮಗೆ ಎಲ್ಲಿದೆ ಸ್ವಾಮಿ?	महँगई के दीनों में आजकल मिठाइ पकाकर दान करने का साहस हम को कहाँ से आएगा?
ವ್ಯಾಪಾರಿ:	ಅದೂ ನಿಜ. ಹೆಚ್ಚುತ್ತಿರುವ ಪದಾರ್ಥಗಳ ಬೆಲೆ, ಕೊಳ್ಳುತ್ತಾ ಇದ್ದ ಜನರ ಶಕ್ತಿಯನ್ನೇ ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಿದೆ.	वह भी सच है। सामानों के बडते भावने खरीदनेवालों की शक्ति कम कर दी है।
ಶರ್ಮಾ :	ನಮ್ಮಪ್ಪ ನೆಂಟರಿಷ್ಟರನ್ನೆಲ್ಲ ಕರೆದು ಭರ್ಜರಿಯಾಗಿ ಊಟ ಹಾಕಿದ ಘಟನೆ ನೆನಪಿಗೆ ಬರ್ತಾ ಇದೆ.	हमारे पिताजी सभी रिश्तेदारों को बुलाकर खूब खिलाया करते थे। यह बात याद आती है।
ವ್ಯಾಪಾರಿ:	ಈಗಲೂ ನಮ್ಮ ತಂದೆ ಹೇಳ್ತಾರೆ – ನಮ್ಮ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಜೇಬಿನಲ್ಲಿ ಹಣ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಹೊರಲಾರದಷ್ಟು ಮೂಟೇಲಿ ಸಾಮಾನು ತರುತ್ತಾಇದ್ದೆ. ಹೀಗೆ ಬೆಲೆ ಏರ್ತಾ ಇದ್ರೆ ಇನ್ನು ಮುಂದೆ ಮೂಟೇಲಿ ಹಣ ತೆಗೆದು ಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಜೇಬಲ್ಲಿ ಸಾಮಾನು ತರಬೇಕಾಗುತ್ತೆ.	अब भी हमारे पिताजी बताते (रहते) हैं- हमारे जमाने में पैसों को जेब में लेकर थेला भर सामान लाते थे। जिसे ढेकर लाना कठीन था। अगर दाम इस प्रकार बढता रहा तो अब थैले में पैसा ले जाकर जेब में सामान भर कर लाना होगा।
ಶರ್ಮಾ :	ಅದು ನಿಜ ಅನ್ನಿ. ಏರುತ್ತಿರುವ ಬೆಲೆ ನೋಡಿ ನನಗೆ ಹೆದರಿಕೆ ಯಾಗುತ್ತೆ.	वह भी सच है। बढती हुई दाम से मुझे डर लगता है।
ರಾಮು :	ಎಲ್ಲ ಆಯ್ತು ಸಾರ್. ನಾನು ಸಾಮಾನಿನ	सब हो गया महोदय। मैं सामानों के

ಹೆಸರು ಹೇಳ್ತೀನಿ. ನೀವು ಚೀಟಿ ನೋಡ್ಕೊಳ್ಳಿ.		नाम बोलता हूँ। आप सूची देखिए।	
ವ್ಯಾಪಾರಿ: ಹೇಳು.		बताओ।	
ರಾಮು :			
ಗೋಧಿ:	19 ಕೆ.ಜಿ.	गेहूँ	19 के.जी.
ಅಕ್ಕಿ :	18 ಕೆ.ಜಿ.	चावल	18 के.जी
ಜೋಳ:	16 ಕೆ.ಜಿ.	जवार	16 के.जी
ತೊಗರಿಬೇಳೆ:	8 ಕೆ.ಜಿ.	अरहर की दाल	8 के.जी.
ಬಟಾಣಿ:	6 ಕೆ.ಜಿ.	मटर	6 के.जी.
ಕಡಲೆಬೇಳೆ:	8 1/2 ಕೆ.ಜಿ.	चने की दाल	8 1/2 के.जी.
ಹೆಸರುಬೇಳೆ:	7 ಕೆ.ಜಿ.	मूँग की दाल	7 के.जी.
ಹುರಳಿಕಾಳು:	5 ಕೆ.ಜಿ.	कुलाथी	4 के.जी.
ಉದ್ದಿನಬೇಳೆ:	4 ಕೆ.ಜಿ.	उद्द की दाल	4 के.जी.
ರಾಗಿ:	11ಕೆ.ಜಿ.	राई	11 के.जी.
ಸಜ್ಜೆ:	5 ಕೆ.ಜಿ.	बाजरा	5 के.जी.
ಸಾಸಿವೆ:	1/2 ಕೆ.ಜಿ.	सरसों का बीज	1/2 के.जी.
ಅವರೆಕಾಳು:	2 ಕೆ.ಜಿ.	पावटा-बीज	2 के.जी.
ಜೀರಿಗೆ:	200 ಗ್ರಾಮ್.	जीरा	200 ग्राम
ಇಂಗು:	20 ಗ್ರಾಮ್.	हींग	200 ग्राम
ಉಪ್ಪು:	1/2 ಕೆ.ಜಿ.	नमक	1/2 के. जी.
ಅರಿಷಿಣ:	1/4 ಕೆ.ಜಿ.	हल्दी	1/4 के.जी.
ಕೊಬ್ಬರಿ:	1ಕೆ.ಜಿ.	गोल गरी	1 के.जी.
ಕಲ್ಲುಸಕ್ಕರೆ:	1/2 ಕೆ.ಜಿ.	मिश्री	1/2 के.जी.
ಜಾಜಿ ಪತ್ರೆ:	10 ಗ್ರಾಮ್	तेज पत्ता	10 ग्राम
ದಾಲಚಿನ್ನಿ:	20 ಗ್ರಾಮ್.	दालचीन्नी	20 ग्राम
ಮೆಂತ್ಯ:	400 ಗ್ರಾಮ್.	मेथी	400 ग्राम
ಕರಿಮೆಣಸು:	200 ಗ್ರಾಮ್.	काली मिर्च	200 ग्राम
ಕೇಸರಿ:	10 ಗ್ರಾಮ್.	केसर	10 ग्राम
ಯಾಲಕ್ಕಿ:	20 ಗ್ರಾಮ್.	इलायची	20 ग्राम

ಲವಂಗ:	30 ಗ್ರಾಮ್.	लूँग	30 ग्राम
ಶುಂಠಿ:	20 ಗ್ರಾಮ್.	सोंठ	20 ग्राम
ರವೆ:	4 ಕೆ.ಜಿ.	रवा	4 के.जी.
ಹುಣಸೇಹಣ್ಣು:	1/2 ಕೆ.ಜಿ.	इमली	1/2 के.जी.
ಈರುಳ್ಳಿ:	4 ಕೆ.ಜಿ.	प्याज	4 के.जी.
ಬೆಳ್ಳುಳ್ಳಿ:	200 ಗ್ರಾಮ್.	लहसुन	200 ग्राम
ಕೊತ್ತಂಬರಿ:	1 ಕೆ.ಜಿ.	धनिया	1 के.जी.
ಕರ್ಪೂರ:	100 ಗ್ರಾಮ್.	कपूर	100 ग्राम
ಊದಿನಕಡ್ಡಿ:	1ಪಾಕೆಟ್.	आगर बत्ती	1 पैकेट.

ಅಷ್ಟೇ ಸಾರ್ ಒಟ್ಟು ಮೂವತ್ನಾಲ್ಕು ಸಾಮಾನು. — श्रीमान्जी इतने हैं। कुल चौतीस सामान हैं।

ವ್ಯಾಪಾರಿ: ಸರಿ. ನೀವು ಮನೆಗೆ ಹೋಗಿ ಸಾರ್. ಸಾಮಾನೆಲ್ಲ ಗಾಡಿಯಲ್ಲಿ ನಿಮ್ಮ ಮನೆಗೆ ಕಳಿಸಿಕೊಡ್ತೀನಿ. — अच्छा, आप घर जाइए। सभी सामान गाड़ी में आपके घर भिजवा देता हूँ।

ಶರ್ಮಾ : ಹಾಗೇ ಮಾಡಿ ಸೆಟ್ರೆ. ಬರ್ತೀನಿ. — ऐसाही कीजीए सेठजी। चलता हूँ।

ವ್ಯಾಪಾರಿ: ನಮಸ್ಕಾರ. — नमस्कार.

शब्दार्थ

ಕಾಣಲೇಇಲ್ಲ	दिखाई नही पड़े	ಧೈರ್ಯ	साहस
ತಲೆತಪ್ಪಿಸಿಕೋ	मूँह छिपाना	ತಿರುಗುವ ರೀತಿ	चलने की आदत
ಬರದ ಹೊರತು	पाये बिना	ಸಾಲ	उधार
ತೀರಿಸಿಲ್ಲ	नहीं चुकाया	ಲೆಕ್ಕ	बिसात
ನಿಜ	सच	ಕೊಡುವ ಜನ	देनेवाले लोग
ಚೀಟಿ	सूची	ಸಾಮಾನು	सामान
ಕೊಡು	दीजिए	ಕಡಿಮೆ	कम
ಬರೆದಿದೆ	लिखा है	ಹೆಂಡತಿ	पत्नी
ಸಂಬಳ	वेतन	ಬೆಲೆ	दाम

ಅದನ್ನೆಲ್ಲ	वह सब	ಕೊಳ್ಳುವಸಾಹಸ	खरीदने का साहस
ಈ ಜನ್ಮದಲ್ಲಿ	इस जनम में	ತೀರಿಸೋಕಾಗಲ್ಲ	नहीं चुकाया जाता
ತೂಕಮಾಡಿ	तोल कर	ಕಟ್ಟು	बाँध
ಹೀಗೆ	इस तरह	ತಿನ್ನುವ ಪದಾರ್ಥ	खाने का सामान
ಸಾಮಾನ್ಯರ ಸ್ಥಿತಿ	मामूली लोगों की बात	ನೆಮ್ಮದಿ	चुप (शांत)
ಸಾಗಿಸುವ ಕೆಲಸ	चलाने का काम	ಅಕ್ಕಿ	चावल
ಸುಮಾರಾಗಿ	सामान्य	ಕೆಟ್ಟ	खराब
ಕಡಲೆಬೇಳೆ	चने की दाल	ಒಬ್ಬಟ್ಟು	मीठी दाल पूरी
ತಿಂಡಿ ಮಾಡಿ	(नाश्ता) पकाकर	ಹೆಚ್ಚುತ್ತಿರುವ ಬೆಲೆ	बढ़ते दाम
ಭರ್ಜರಿಯಾಗಿ	खूब	ಹೊರಲಾರದಷ್ಟು	बहुत
ಮೂಟೆ	थैला	ಅಷ್ಟೇ	इतने ही
ಗೋಧಿ	गेहूँ	ಜೋಳ	जवार
ತೊಗರಿಬೇಳೆ	अरहर	ಬಟಾಣಿ	मटर
ಹೆಸರುಬೇಳೆ	दोमूँग की दाल	ಹುರಳಿಕಾಳು	कुलाथी
ಉದ್ದಿನಬೇಳೆ	उद्द की दाल	ರಾಗಿ	रोई
ಸಜ್ಜೆ	बाजरा	ಸಾಸಿವೆ	सरसों का बीज
ಅವರೇಕಾಳು	पावटा बीज	ಜೀರಿಗೆ	जिरा
ಇಂಗು	हींग	ಉಪ್ಪು	नमक
ಅರಿಷಿಣ	हलदी	ಕೊಬ್ಬರಿ	गोलगरी
ಕಲ್ಲುಸಕ್ಕರೆ	मिश्री	ಜಾಜಿಪತ್ರೆ	तेज पत्ता
ದಾಲಚಿನ್ನಿ	दाल चीनी	ಮೆಂತ್ಯ	मोंथी
ಕರಿಮೆಣಸು	काली मिर्च	ಕೇಸರಿ	केसर
ಯಾಲಕ್ಕಿ	इलायची	ಲವಂಗ	लौंग
ಶುಂಠಿ	सोंठ	ರವೆ	रवा
ಹುಣಸೇಹಣ್ಣು	इमली	ಈರುಳ್ಳಿ	प्याज
ಬೆಳ್ಳುಳ್ಳಿ	लहसुन	ಕೊತ್ತಂಬರಿ	धनिया
ಕರ್ಪೂರ	कपूर	ಊದಿನಕಡ್ಡಿ	अगरबत्ती

अभ्यास

I. वार्तालाप के सन्दर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ಶರ್ಮಾ ತಲೆತಪ್ಪಿಸಿಕೊಂಡು ತಿರುಗುವ ರೀತಿ ಏಕೆ ಆಗಿದೆ?
2. ಸಾಲ ಕೊಡುವ ಜನ ಇರುವವರೆಗೆ ಯಾರು ಇರುವುದಿಲ್ಲ?
3. ಯಾವ ಸಾಹಸ ಮಾಡಿದರೆ, ಮಾಡಿದ ಸಾಲ ಈ ಜನ್ಮದಲ್ಲಿ ತೀರಿಸೋಕಾಗಲ್ಲ?
4. ದೇವರ ಮೇಲೆ ಭಾರ ಹಾಕಿ ನೆಮ್ಮದಿಯಾಗಿ ಇರುವವರು ಯಾರು?
5. ನೀವು ಬಳಸುವ 10 ಧಾನ್ಯಗಳ ಹೆಸರು ಬರೆಯಿರಿ.

II. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों का पुनर्निर्माण कीजिए।

उदाहरण : ಸಾಲ ಮಾಡುತ್ತಿರುವ ಸರ್ಕಾರಗಳು ಇವೆ.
ಸಾಲ ಮಾಡದ ಸರ್ಕಾರಗಳೂ ಇವೆ.

1. ಸಂಕಟ ಪಡುತ್ತಿರುವ ಜನಗಳು ಇದ್ದಾರೆ.
2. ಜೋರಾಗಿ ನಡೆಯುತ್ತಿರುವ ಹುಡುಗರು ಇದ್ದಾರೆ.
3. ಚೆನ್ನಾಗಿ ಓದುತ್ತಿರುವ ಹುಡುಗಿಯರು ಇದ್ದಾರೆ.
4. ಊಟ ಮಾಡುತ್ತಿರುವ ಮುದುಕರು ಇದ್ದಾರೆ.
5. ಹಸಿವಿನಿಂದ ಸಾಯುತ್ತಿರುವ ಬಡವರಿದ್ದಾರೆ.

III. शब्दों की इस प्रकार जोड़ी बनाइए जिससे सार्थक वाक्य बन जाए।

1. ಕೊಡು ಚೀಟಿಯಲ್ಲಿ ಇರುವ ಸಾಮಾನೆಲ್ಲ
2. ಬರೆದಿರೋದು ಹೆಂಡತಿ ನನ್ನ ಇದು
3. ಕೊಡಪ್ಪ ಅಕ್ಕಿನೇ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಇರುವ
4. ಹೇಳ್ತಾರೆ ತಂದೆ ನಮ್ಮ ಈಗಲೂ
5. ಕೂಡಲೇ ಇಲ್ಲ ಒಬ್ಬಟ್ಟು ನಮಗೆ

IV. दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके ५-५ वाक्य बनाइए।

ಮಾಡುವ, ಮಾಡದ, ಇರುವ, ಇರದ, ಹೇಳಿದ.

V. समूहों में उस शब्द का पता कीजिए जो अन्यों से संबन्धित नहीं हैं।

उदाहरण : ಮಾಡುವ, ಕೊಡುವ, ಕೇಳುವ, ಮಾಡಿದ್ದ, ನೀಡುವ,

1. ಮಾಡಿದ, ಕೇಳಿದ, ಮಾಡುವ, ನೋಡಿದ, ನೀಡಿದ
2. ಬರದ, ನೋಡದ, ಕೇಳದ, ನೋಡಿದ್ದ, ನುಡಿಯದ.
3. ಬಂದರೆ, ಹೋದರೆ, ನಕ್ಕರೆ, ಸಿಕ್ಕರೆ, ಹೋಗದ
4. ತಿಂದಿದ್ದ, ಕೇಳಿದ್ದ, ಓದದ, ಹೋಗಿದ್ದ, ನಡೆದಿದ್ದ
5. ಬಂದರೂ, ಕೊಟ್ಟರೂ, ಕೇಳಿದರೂ, ನೋಡಿದ, ಮರೆತರೂ.

पढिए और समाझिए

ಶಾಂತಿ
शांति

ಸತ್ತ ಮೇಲೆ ಜೀವಾತ್ಮನ ಅವಸ್ಥೆಯನ್ನು ಕುರಿತು ಪುರಾಣಗಳು ಹೇಳುವ ಕಥೆಯನ್ನು ನೀವು ಕೇಳಿರ ಬಹುದು. ಅದನ್ನು ಬಿಡಿ. ಈ ಲೋಕದಲ್ಲಿ ನಾವು ಮಾಡಿದ ತಪ್ಪಿಗಾಗಿ ನಾವೇ ಶಿಕ್ಷೆಯನ್ನು ಅನುಭವಿಸುತ್ತೇವೆ. ಅನೇಕ ಸಾರಿ ಬೇರೆಯವರು ಮಾಡಿದ ತಪ್ಪಿಗಾಗಿ, ನಾವು ಶಿಕ್ಷೆ ಅನುಭವಿಸುತ್ತೇವೆ. ತಪ್ಪು ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ನಡೆಯುವ ಅಭ್ಯಾಸದಿಂದ ಈ ಜಗತ್ತಿನಲ್ಲಿ ನಾವು ನಿರ್ಮಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ನರಕ ಭಯಾನಕವಾದದ್ದು. ನಮ್ಮ ದುರ್ನಡತೆಗಳಿಂದ ನಿರ್ಮಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ನರಕ ಘೋರವಾದದ್ದು. ತಪ್ಪು ಮಾಡದವರು ಇಲ್ಲ ನಿಜ. ಆದರೆ ತಪ್ಪು ಆದಾಗ ಅದನ್ನು ತಿದ್ದಿಕೊಳ್ಳುವುದು ನಮ್ಮ ಧರ್ಮ.

ಜಗತ್ತು ಪೂಜಿಸುವುದು ಶಕ್ತಿಯನ್ನು, ದುರ್ಬಲತೆಯನ್ನಲ್ಲ. ನಾವು ಯಾವುದೇ ಕೆಲಸ ಹಿಡಿಯುವ ಮೊದಲು ಅದರಲ್ಲಿ ಪರಿಪೂರ್ಣ ಮನಸ್ಸಿಟ್ಟು ದುಡಿಯುವ ಶಕ್ತಿ ಇದೆಯೇ ಎಂದು ಪ್ರಶ್ನಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ನಮಗೆ ಒಗ್ಗದ ಕೆಲಸ ಮಾಡಬಾರದು. ಹಿಡಿದ ಕೆಲಸದಲ್ಲಿ ಸಾಧಕನಾಗಬೇಕು. ಜಯಶಾಲಿಯಾಗಬೇಕು. ಆಗ ನಿಮಗೆ ಸಿಗುವ ಸಂತೋಷ ಅಪಾರವಾದುದು. ಸ್ವರ್ಗದ ಅನುಭವ ಆಗುತ್ತದೆ. ಅದರಿಂದ ಇತರರಿಗೂ ಸಂತೋಷವಾಗುತ್ತದೆ. ನಿಮ್ಮ ಆತ್ಮಕ್ಕೂ ಶಾಂತಿ, ನೆಮ್ಮದಿ ಸಿಗುತ್ತದೆ.

नए शब्द

ಸತ್ತ ಮೇಲೆ	मरने के बाद	ಅವಸ್ಥೆ	अवस्था
ಕುರಿತು	के बारे में	ಅನುಭವಿಸುತ್ತಿವೆ	भोगते हैं
ಸಾರಿ	बरी	ಬೇರೆಯವರು	और लोग
ನಿರ್ಮಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ	निर्माण करनेवाले	ದುರ್ನಡತೆ	बुरी आदत
ತಿದ್ದಿಕೊಳ್ಳುವುದು	सुधारना	ದುರ್ಬಲತೆ	कमजोरी
ಹಿಡಿಯುವ	आरम्भ करने	ದುಡಿಯುವ	काम करने की
ಒಗ್ಗದ	असाध्य		

I. वाचनार्थ (पाठ्य) - **सामग्री के सन्दर्भ में प्रश्नों का उत्तर दीजिए।**

1. ಈ ಲೋಕದಲ್ಲಿ ಯಾರು ಮಾಡಿದ ತಪ್ಪಿಗಾಗಿ ನಾವು ಶಿಕ್ಷೆ ಅನುಭವಿಸುತ್ತೇವೆ?
2. ತಪ್ಪು ಮಾಡದವರು ಇದ್ದಾರೆಯೇ?
3. ತಪ್ಪು ಆದಾಗ ನಾವು ಏನು ಮಾಡಬೇಕು?
4. ಜಗತ್ತು ಏನನ್ನು ಪೂಜಿಸುತ್ತದೆ?
5. ನಮಗೆ ಒಗ್ಗದ ಏನು ಮಾಡಬಾರದು?

II. कोष्टक में दिए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(ಪೂಜಿಸುವುದು, ಹೇಳುವ, ಆತ್ಮಕ್ಕೆ, ಒಗ್ಗದ, ಮಾಡದ.)

1. ಪುರಾಣಗಳು .... ಕಥೆಯನ್ನು ನೀವು ಕೇಳಿರಬಹುದು.
2. ಜಗತ್ತು .... ಶಕ್ತಿಯನ್ನು.
3. ನಾವು ...... ತಪ್ಪಿಗಾಗಿ ಶಿಕ್ಷೆ ಅನುಭವಿಸುತ್ತೇವೆ.
4. ನಿಮ್ಮ .... ಶಾಂತಿ, ನೆಮ್ಮದಿ ಸಿಗುತ್ತದೆ.
5. ನಮಗೆ .... ಕೆಲಸ ಮಾಡಬಾರದು.

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

भारत एक गणतंत्र देश हैं। जनता के मतदान में प्रतिनिधि (लोकसभा, विधान सचा के सदस्य) चुने जाते हैं। जिस दल का बहुमत होता है वह शासक दल बन जाता है। जनता की जितनी भी सेवाएँ है यदि शासक उन्हें सोच-समझ कर किया

जाय तो वह अच्छा शासक माना जाता है। अच्छा शासक ही जनता का सच्चा शासक बन जाता है। जो जनता की सेवा करता है वह भगवान का प्रिय होता है। जनता की सेवा जो करता है उसे सुख ही सुख मिलता है। जो सुख से जीवन बिताता है उसे दुख का आनुभव नहीं रहता है। जो युवक अच्छे कार्य करते हैं वे भविष्य के सच्चे समाज सुधारक बन जाते हैं।

IV. `ಶಾಂತಿ' के बारे में पाँच वाक्य कन्नड में लिखिए।

टिप्पणियाँ

`ಮಾಡುವ', करनेवाला `ಕೊಟ್ಟಿದ್ದ' (जो दिया हुआ), `ಮಾಡಿದ' (जो किया हुआ) जैसे क्रियाजन्य विशेषण य सम्बन्धवाचक कृदन्त रुप का इस पाठ में परिचय दिया गया है। ये रूप क्रिया में `ಅ' प्रत्यय लगाकर बनाये जाते हैं।

विभिन्न कालों के लिए सम्बन्ध वाचक कृदन्त के रूप नीचे लिखे गये ढँग से बनाये जाते हैं।

I. भूतकालेतररूप:

क्रिया में `ಅ' लगाकर बनाये जाते हैं।

उदाहरण : ಮಾಡು + ಅ – ಮಾಡುವ – करनेवाला
ಬರು + ಅ – ಬರುವ – आनेवाला
ಇರು + ಅ – ಇರುವ – रहनेवाला
ಚೀಟಿಯಲ್ಲಿ ಇರುವ ಸಾಮಾನುಗಳನ್ನೆಲ್ಲ ಕೊಡು.
सूची में दिए हुए सभी सामान दो।

इस में `ಅ' के पहले `ವ' का आगम हो जाता है।

II. पूर्णभूतरूप:

क्रिया के पूर्ण भूत के रूप में `ಅ' लगाकर बनाये जाते हैं।

उदाहरण : ಕೊಟ್ಟಿದ್ದ್ + ಅ – ಕೊಟ್ಟಿದ್ದ – दिया हुआ
ಮಾಡಿದ್ದ್ + ಅ – ಮಾಡಿದ್ದ – किया हुआ
ನೀವು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದ ಸಾಲವನ್ನೇ ತೀರಿಸಿಲ್ಲ.
तुम्हारा दिया हुआ कर्ज नहीं चुकाया।

III. भूतकाल रूप:

क्रिया के भूतकाल के रूप में `ಅ ' लगाकर बनायें जाते हैं।

उदाहरण : ಮಾಡಿದ್ + ಅ – ಮಾಡಿದ –किया हुआ

ಮುಗಿದ್ + ಅ – ಮುಗಿದ – गया हुआ

ಮಾಡಿದ ಸಾಲ ಈ ಜನ್ಮದಲ್ಲಿ ತೀರಿಸೋಕಾಗಲ್ಲ.

किया हुआ कर्ज इस जन्म में नहीं चुका सकता।

सम्बन्धवाचक कृदंन्त का निषेधात्मक प्रत्यय `ಅದ' है। क्रिया के मूल रूप में `ಅದ' लगाकर निषेधात्मक सम्बन्धवाचक कृदन्त रूप बनाये जाते हैं।

उदाहरण : ಮಾಡು + ಅದ – ಮಾಡದ – नहीं किया हुआ

ಬರು + ಅದ – ಬರದ – नहीं आया हुआ

ಸಾಲ ಮಾಡದ ಜನ ಯಾರು ಇದಾರೆ?

जिसने कर्ज नहीं लिया कौन है?

ಸಂಬಳ ಬರದ ಹೊರತು ನಿಮ್ಮ ಅಂಗಡಿಗೆ ಬರುವ ಹಾಗಿಲ್ಲ.

वेतन पाये बिना आप की दुकान नहीं आ सकता।

निषेधात्मक के रूप का किसी काल के लिये परिवर्तन नहीं होता।

ಪಾಠ पाठ 16

ಸಹಾಯ ಮಾಡುವವರು — मदद करनेवाले

	ಕನ್ನಡ	हिन्दी
ಹರಿಶಂಕರ್	ನಮಸ್ಕಾರ ಶಂಕರಲಾಲ್ ಅವರೆ.	नमस्कार शंकरलालजी।
ಶಂಕರಲಾಲ್	ನಮಸ್ಕಾರ ಬನ್ನಿ. ಏನು ಸಮಾಚಾರ?	नमस्कार आइए। क्या समाचार है?
ಹರಿಶಂಕರ್	ನನ್ನ ಹೆಸರು ಹರಿಶಂಕರ್. ನಾನು ವಾರ ಪತ್ರಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡುವವನು. ನಿಮಗೆ `ಆದರ್ಶ ರೈತ' ಅನ್ನೋ ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಬಂದಿದೆ. ನಿಮ್ಮ ಸಂದರ್ಶನ ಮಾಡಬೇಕು. ನಿಮ್ಮ ವಿಷಯ ಇತರ ರೈತರಿಗೂ ತಿಳಿಸಬೇಕು ಅಂತ ಬಂದೆ.	मेरा नाम हरिशंकर है। मैं साप्ताहिक पत्रिका में काम करनेवाला (आदमी) हूँ। आप को `आदर्श किसान' पुरस्कार मिला है। आपका संदर्शन करना चाहिए। आपके बारे में और किसानों को समझाना चाहिए। इसलिए आया हूँ।
ಶಂಕರ್‌ಲಾಲ್	ಒಳ್ಳೆಯದು ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳಿ.	अच्छा है। बैठिए।
ಹರಿಶಂಕರ್	ನೀವು ಸರಕಾರಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡುತ್ತಾ ಇದ್ದವರು. ನಿಮಗೆ ವ್ಯವಸಾಯದಲ್ಲಿ ಹೇಗೆ ಆಸಕ್ತಿ ಬಂತು?	आप सरकारी काम करने वाले हैं। आपको किसानी में रुचि कैसे आई?
ಶಂಕರಲಾಲ್	ನಾನು ವ್ಯವಸಾಯಗಾರರ ಜೊತೆಹುಟ್ಟಿ ಬೆಳೆದಿರುವವನು. ನಮ್ಮ ತಂದೆ ಸಹ ಚಿಕ್ಕಂದಿನಿಂದ ಕೃಷಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡುತ್ತಾ ಇರುವವರು. ಹಾಗಾಗಿ ಕೃಷಿ ಕೆಲಸದಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಮೊದಲಿನಿಂದ ಆಸಕ್ತಿ ಇತ್ತು.	मैं किसानों के यहाँ पैदा और बडा हुआ हूँ। हमारे पिताजी भी बचपन से किसानी करनेवाले हैं। इसलिए कृषि कार्य में पहले से रूचि थी।
ಹರಿಶಂಕರ್	ನೀವು ಸರಕಾರಿ ಸೇವೆಯಿಂದ ಸ್ವಯಂ ನಿವೃತ್ತಿ ಪಡೆದವರು. ಈ ವಯಸ್ಸಿನಲ್ಲಿ ನಿಮಗೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡುವವರು ಯಾರು?	आप सरकारी काम से खुद निवृत्ति पानेवाले हैं। इस उम्र में आप की मदद करनेवाले कौन हैं?

ಶಂಕರಲಾಲ್	: ವಯಸ್ಸಾಗಿದ್ದರೂ ಸಹ ನಾನಿನ್ನೂ ಆರೋಗ್ಯವಾಗಿ ಇದ್ದೀನಿ. ನನಗೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡುವವರು ಅನೇಕರಿದ್ದಾರೆ. ಬನ್ನಿ ತೋರಿಸ್ತೀನಿ.	उम्र होने पर भी मैं अभी स्वस्थ हूँ। मेरी मदद करनेवाले कई लोग हैं। आइए दिखाता हूँ।
ದಯಾರಾಮ್	: ನಮಸ್ಕಾರ ಬುದ್ದಿ.	नमस्कार जी।
ಶಂಕರಲಾಲ್	: ನಮಸ್ಕಾರ ದಯಾರಾಮ್. ನೋಡಿ, ಇವನು ದಯಾರಾಮ್. 5 ಎಕರೆ ಬರಡು ಜಮೀನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡವನು ನಾನೇ. ಆದರೆ ಅದನ್ನು ಮಟ್ಟ ಮಾಡಿ, ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿಸಿ ಈಗಿನ ಸ್ಥಿತಿಗೆ ತಂದಿರುವವನು ಇವನೇ. ದಯಾರಾಮ್ ಹಗಲು ರಾತ್ರಿ ದುಡಿವವನು, ಶ್ರಮಜೀವಿ. ಇವಳು ಪಾರ್ವತಿ. ದಯಾರಾಮನ ಹೆಂಡತಿ. ದಯಾರಾಮನಿಗೆ ಬೆನ್ನೆಲುಬಾಗಿ ನಿಂತಿರುವವಳು ಇವಳೆ.	नमस्कार दयाराम। देखिए. यह दयाराम है। 5 एकड बंजर जमीन खरीदनेवाला तो मैं ही हूँ। लेकिन उसे समतल कर, सिंचाई करा कर अब की स्थिति में लानेवाला यही है। दयाराम दिन-रात काम करनेवाला है, श्रमजीवी है। यह पार्वती है, दयाराम की पत्नी है। दयाराम की रीढ की हड्डी यही है।
ಹರಿಶಂಕರ್	: ಆ ದ್ರಾಕ್ಷಿ ತೋಟ ನಿಮ್ಮದಾ?	क्या आंगूर का वह बाग आप का है?
ಶಂಕರಲಾಲ್	: ಹೌದು. ಅವನೇ ದ್ರಾಕ್ಷಿ ತೋಟ ಮಾಡುವವನು. ಥಾಮಸ್ ಸ್ವಲ್ಪ ದ್ರಾಕ್ಷಿ ಕೊಡು.	हाँ। वही अंगूर के बाग में काम करनेवाला है। थामस, कुछ अंगूर दो।
ಥಾಮಸ್	: ದ್ರಾಕ್ಷಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ ಸಾರ್.	अंगूर लीजिए साहब।
ಶಂಕರಲಾಲ್	: ನೋಡಿ, ಥಾಮಸ್ ಬಹಳ ಬುದ್ಧಿವಂತ, ವಿದ್ಯಾವಂತ, ವ್ಯವಸಾಯ ವಿಜ್ಞಾನದಲ್ಲಿ ಪದವಿ ಪಡೆದಿದ್ದವನು. ಯಾವ ಕೆಲಸಕ್ಕೂ ಸೇರದೆ ವ್ಯವಸಾಯ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದಾನೆ.	देखिए; थामस बहुत बुध्दिमान है, पढा-लिखा है, कृषि विज्ञान का स्नातक है। किसी नौकरी में न भर्ती होकर खेती कर रहा है।
ಹರಿಶಂಕರ್	: ಬಹಳ ಸಂತೋಷ!	बहुत प्रसन्नता हुई।

ಶಂಕರಲಾಲ್	: ಬನ್ನಿ, ತೆಂಗಿನ ತೋಟದಲ್ಲಿ ಎಳನೀರು ಕುಡಿಯೋಣ.	आइए. नरियल के बाग में (जाएँगे) नारियल का पानी पियेंगे।
ಹರಿಶಂಕರ್	: ತೆಂಗಿನ ಮರಗಳು ಒಳ್ಳೆ ಫಲ ಬಿಟ್ಟಿವೆ.	नारियल के पेड़ पर अच्छी फसल है।
ಶಂಕರಲಾಲ್	: ಹೌದು. ಸೈಯದ್.....ಎಲ್ಲಿದಿಯಾ?	हाँ। सैयद.......कहाँ हो?
ಸೈಯದ್	: ಇಲ್ಲೇ ಇದೀನಿ ಸಾಬ್! ಬಂದೆ.	यहीं हूँ साहब! आया।
ಶಂಕರಲಾಲ್	: ಸೈಯದ್ ತೆಂಗಿನ ತೋಟ ಮಾಡುತ್ತ ಇರುವವನು. ಸೈಯದ್ ಮೂರು ಎಳನೀರು ಕೀಳ್ತೀಯಾ?	सैयद नारियल के बाग में काम करनेवाला है। सैयद, क्या तीन कच्चे नारियल तोडोगे?
ಸೈಯದ್	: ಆಗಲಿ ಸಾಬ್.	हाँ साहब।
ಶಂಕರಲಾಲ್	: ಅವನು ಯಾರು? ಮರದ ಪಕ್ಕ ನಿಂತಿರುವವನು.	पेड़ के पास खड़ा व्यक्ति कौन है?
ಸೈಯದ್	: ಅವನು ಸುರೇಂದ್ರ ಸಾಬ್. ತೆಂಗಿನಕಾಯಿ ಕದ್ದಿದ್ದವನು ಇವನೆ. ನಿಮಗೆ ತೋರಿಸೋಣ ಅಂತ ಮರಕ್ಕೆ ಕಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ.	वह सुरेन्द्र है साहब। नारियलों की चोरी करनेवाला यही है। आपको दिखाने केलिए पेड़ से बाँधा है।
ಶಂಕರಲಾಲ್	: ಸುರೇಂದ್ರ ಯಾವಾಗಲೂ ಕಳ್ಳತನ ಮಾಡದವನು. ಈಗ ಯಾಕೆ ಮಾಡಿದ? ಬಿಟ್ಟುಬಿಡು. ಬುದ್ಧಿ ಹೇಳೋಣ.	सुरेन्द्र कभी चोरी नहीं करनेवाला, अब क्यों किया? छोड़ दो उस को समझायेंगे।
ಸುರೇಂದ್ರ	: ನಮಸ್ಕಾರ ಸಾರ್. ತಪ್ಪಾಯ್ತು. ಕ್ಷಮಿಸಬೇಕು.	नमस्कार श्रीमान्‌जी। भूल हुई। क्षमा कीजीए।
ಶಂಕರಲಾಲ್	: ಸುರೇಂದ್ರ, ನೀನು ಕಳ್ಳತನ ಮಾಡಬಹುದಾ?	सुरेन्द्र,क्या तुम चोरी कर सकते हो?
ಸುರೇಂದ್ರ	: ನಾನು ಯಾವಾಗಲೂ ದುಡಿಯುತ್ತಾ ಇದ್ದವನು. ನಿಮಗೆ ತಿಳಿದಿದೆ. ಹದಿನೈದು ದಿನದಿಂದ ಕೆಲಸ ಇಲ್ಲ. ಹೊಟ್ಟೆಗಿಲ್ಲದೆ ಕಳ್ಳತನ ಮಾಡಿದೆ.	मैं हमेशा काम करनेवाला हूँ। यह आपको मालूम है। पन्द्रह दिनों से काम नहीं। भूख के कारण चोरी की है।

ಶಂಕರಲಾಲ್ :	`ಹೊಟ್ಟೆಗಿಲ್ಲದವ ಕಳ್ಳ, ಬಟ್ಟೆಗಿಲ್ಲದವ ಬಡವ.' ಅಂತಾರೆ. ಹೋಗಲಿ ಬಿಡು. ಬಾ, ನನ್ನ ಜಮೀನಿನಲ್ಲಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡು. ಹಣ ಕೊಡ್ತೀನಿ.	एसा कहा जाता है - `भूखा आदमी चोर, नंगा आदमी गरीब होता है।' जाने दो। आओ, मेरे खेत में काम करो। पैसा दूँगा।
ಸುರೇಂದ್ರ :	ತುಂಬಾ ಉಪಕಾರ ಆಯ್ತು ಸಾರ್. ಸಾಯುವವರೆಗೆ ನಿಮ್ಮನ್ನ ಮರೆಯೋದಿಲ್ಲ.	बडा उपकार हुआ श्रीमान्‌जी। मरने तक आपको नहीं भूलूँगा।
ಸೈಯದ್ :	ಎಳನೀರು ತಗೊಳಿ ಸಾರ್.	नारियल का पानी लीजीए साहब।
ಹರಿಶಂಕರ್ :	ಎಳನೀರು ಬಹಳ ಸಿಹಿಯಾಗಿದೆ.	नारियल का पानी बहुत मीठा है।
ಶಂಕರಲಾಲ್ :	ಹೌದು. ಎಳನೀರು ಕುಡಿದವರೆಲ್ಲ ಹೀಗೆ ಹೇಳ್ತಾರೆ. ನೋಡಿ, ಆ ಬತ್ತ ಬೆಳೆದಿರುವ ಜಮೀನು ನನ್ನದು. ವರ್ಷಕ್ಕೆ ಎರಡು ಫಸಲು ತೆಗೀತೀನಿ. ನಾನೇ ಸ್ವತಃ ನಿಂತು ವ್ಯವಸಾಯ ಮಾಡ್ತೀನಿ.	हाँ। नारियल का पानी पीनेवाले सब लोग यही कहते हैं। देखिए, धान का वह ख़ेत मेरा है। हर वर्ष दो बार फसल काटता हूँ। मैं खुद खेती करता हूँ।
ಹರಿಶಂಕರ್ :	ನಿಮ್ಮ ದಯಾರಾಮ್, ಥಾಮಸ್, ಸೈಯದ್ ನಿಮಗೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡ್ತಾರೆ ಅಲ್ವಾ?	आप के दयाराम, थामस, सैयद आपकी मदद करते हैं न?
ಶಂಕರಲಾಲ್ :	ಹೌದು. ಬೇಕಾದಾಗ ಸಹಾಯ ಮಾಡ್ತಾರೆ.	ठीक है। जरूरत हो तो मदद करते हैं।
ಹರಿಶಂಕರ್ :	ಅವರೆಲ್ಲ ನಿಮ್ಮ ಆಳುಗಳು ತಾನೆ?	वे सब आपके नौकर हैं न?
ಶಂಕರಲಾಲ್ :	ಅಲ್ಲ. ಅವರು ಆಳುಗಳಲ್ಲ. ಅವರು ಆಳಾಗಿ ಬಂದಿದ್ದವರು. ಈಗ ಭೂಮಿಯ ಒಡೆಯರಾಗಿದ್ದಾರೆ.	नहीं। वे नौकर नहीं हैं। वे नौकर होकर आये थे। अब ज़मीन के मालिक हो गए हैं।
ಹರಿಶಂಕರ್ :	ನಿಮ್ಮ ಮಾತು ಒಗಟಾಗಿದೆಯಲ್ವಾ?	आपकी बात पहेली नहीं है क्या?
ಶಂಕರಲಾಲ್ :	ಒಗಟೇನೂ ಇಲ್ಲ. ಇವರೆಲ್ಲ ಬಹಳ ವರ್ಷದಿಂದ ಇಲ್ಲೇ ದುಡಿಯುತ್ತಿದ್ದಾರೆ.	पहेली नहीं है। ये सब लोग कई वर्षों से यहीं काम कर रहे हैं।

	ಆದ್ದರಿಂದ ದಯಾರಾಮ್‌ಗೆ ಕಿತ್ತಳೆ ಹಣ್ಣಿನ ತೋಟ, ಥಾಮಸ್‌ಗೆ ದ್ರಾಕ್ಷಿ ತೊಟ, ಸೈಯದ್‌ಗೆ ತೆಂಗಿನ ತೋಟ ಬರೆದು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೀನಿ. ಈಗ ಅದಕ್ಕೆ ಒಡೆಯರು ಅವರೆ.	इसलिए दयाराम को संतरे का बाग, थामस को अंगूर का बाग, सैयद को नारियल का बाग लिख कर दे दिया है। अब उस के लिए मालिक वे ही हैं।
ಹರಿಶಂಕರ್ :	ನಿಮ್ಮ ಜೀವನಕ್ಕೆ?	अपनी जीविका केलिए (क्या है)?
ಶಂಕರಲಾಲ್ :	ಬತ್ತದ ಗದ್ದೆ ಇದೆ. ಇದೇ ಸಾಕು.	धान का खेत है। वही काफ़ी है।
ಹರಿಶಂಕರ್ :	ನಿಜವಾಗಲೂ ನೀವು ದೊಡ್ಡ ಮನುಷ್ಯರು. `ಉಳುವವನೇ ಒಡೆಯ' ಅನ್ನುವ ಮಾತನ್ನ ನಿಜವಾಗಿಸಿದ್ದೀರಿ.	आप सचमुच बडे हैं। `जोतनेवाला ही मालिक है।' बात को सच कर दिया।
ಶಂಕರಲಾಲ್ :	ಇದೇನು ದೊಡ್ಡ ಕೆಲಸವಲ್ಲ. ವ್ಯವಸಾಯ ಮಾಡಲು ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ ನೀಡಿದವನು ನಾನು ನಿಜ. ಆದರೆ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ದುಡಿದಿದ್ದವರು, ದುಡಿಯುತ್ತಾ ಇದ್ದವರು, ದುಡಿದಿರುವವರು, ದುಡಿಯುತ್ತಾ ಇರುವವರು, ದುಡಿದವರು, ದುಡಿಯುವವರು ಅವರೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಜಮೀನು ಅವರಿಗೇ ಸೇರಬೇಕು. ಅಲ್ವೇ?	यह कोई बड़ा काम नहीं है। यह सच है कि खेती करने केलिए मैंने मार्गदर्शन किया। लेकिन ये ही लोग मेहनत से काम करनेवाले थे, करते रहनेवाले थे, करनेवाले भी हैं। इसलिए जमीन उन्हीं को मिलनी है न?
ರವಿಶಂಕರ್ :	ನಿಮ್ಮದು ದೊಡ್ಡ ಮನಸ್ಸು. ನಿಮ್ಮಂತವರು ಹೆಚ್ಚಲಿ. ನಮಸ್ಕಾರ, ಬರ್ತೀನಿ.	आपका मन विशाल है। आप के जैसे लोगों की संशया में वृध्दि हो। नमस्कार, चलता हूँ।
ಶಂಕರಲಾಲ್ :	ನಮಸ್ಕಾರ. ಹೋಗಿದ್ದು ಬನ್ನಿ.	नमस्कार। फिर मिलिए।

शब्दार्थ

ವಾರಪತ್ರಿಕೆ	साप्ताहिक पत्रिका	ಆದರ್ಶ	आदर्श
ರೈತ	किसान	ಅನ್ನೋ	नामक
ಸಂದರ್ಶನ	सन्दर्शन	ಇತರ	और
ತಿಳಿಸಬೇಕು	समझाना चाहिए	ವ್ಯವಸಾಯದಲ್ಲಿ	किसानी में
ಆಸಕ್ತಿ	रुचि	ಬಂತು	आया
ವ್ಯವಸಾಯಗಾರ	किसान	ಚಿಕ್ಕಂದಿನಿಂದ	बचपन से
ಕೃಷಿ	किसानी	ಹಾಗಾಗಿ	इसलिए
ಮೊದಲಿನಿಂದ	पहले से	ಸ್ವಯಂ	खुद
ನಿವೃತ್ತಿ	निवृत्ति	ಪಡೆದವ	पानेवाला
ವಯಸ್ಸು	उम्र	ವಯಸ್ಸಾಗಿದ್ದರೂ	उम्र होते
ನಾನಿನ್ನು	मैं अभी	ಅನೇಕರಿದ್ದಾರೆ	कई हैं
ತೋರಿಸ್ತೀನಿ	दिखाता हूँ	ಬುದ್ದಿ	महोदय
ಎಕರೆ	एकड	ಬರಡು ಜಮೀನು	बंजर जमीन
ಮಟ್ಟಮಾಡಿ	समतल करना	ನೀರಾವರಿ	सिचांई कराकर
ತಂದಿರುವವನು	लानेवाला	ಹಗಲುರಾತ್ರಿ	दिन-रात
ಮಾಡಿಸಿ	करवाकर	ಹೆಂಡತಿ	पत्नी
ಬೆನ್ನೆಲುಬು	रीढ की हड्डी	ಬುದ್ಧಿವಂತೆ	बुध्दिमान
ವಿದ್ಯಾವಂತ	पढ़ा-लिखा	ಕೃಷಿ ವಿಜ್ಞಾನದ	कृषि विज्ञान
ಪದವಿ ಪಡೆದವ	स्नातक	ಸೇರದೆ	बिना शामिलहुए
ತೆಂಗಿನತೋಟ	नारियल का बगीचा	ಎಳನೀರು	नारियल की पानी
ಮರಗಳು	पेड (बहुवचन)	ಒಳ್ಳೆಫಸಲು	अच्छी फसल
ಎಲ್ಲಿದೀಯಾ	कहाँ हो	ಕೇಳ್ತೀಯಾ	(क्या) तोड़ते
ಪಕ್ಕ	पास	ನಿಂತಿರುವವನು	खड़ा हुआ (व्यक्ति)
ಕದ್ದಿದ್ದವನು	चोरी करनेवाले (चोर)	ತೋರಿಸೋಣ	दिखाएँ
ಕಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ	बाँधा है	ಯಾವಾಗಲೂ	हमेशा

ಕಳ್ಳತನ	चोरी	ಬಿಟ್ಟುಬಿಡು	छोड दो
ಬುದ್ಧಿ	समाझ	ತಪ್ಪಾಯ್ತು	भूल हुई
ಸಾಯುವವರೆಗೆ	अंतिम	ಹೇಳೋಣ	कहें
ಮರಿಯೋದಿಲ್ಲ	नहीं भूलूँगा	ತಗೊಳ್ಳಿ	लीजिए
ಸಿಹಿಯಾಗಿದೆ	मीठा है	ಹೀಗೇ	यही
ಬತ್ತ	धान	ಫಸಲು	फसल
ತಗೋತೀನಿ	लेता हूँ। काटता हूँ	ಬೇಕಾದಾಗ	जरूरत हो
ಒಡೆಯ	मालिक	ಒಗಟಾಗಿದೆ	पहेली है
ಬರೆದುಕೊಟ್ಟಿದ್ದೀನಿ	लिख दिया है	ಜೀವನ	जीविका (मैने)
ಬತ್ತದ ಗದ್ದೆ	धान का खेत	ಸಾಕು	पर्याप्त, बस
ನಿಜವಾಗಲೂ	सचमुच	ಉಳುವವನೆ	जोतनेवाला ही
ಹೆಚ್ಚಲಿ	वृध्दि हो	ಒಡೆಯ	मालिक

अभ्यास

I. वार्तालाप के सन्दर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजीए।

1. ಹರಿಶಂಕರ್ ಯಾರು?
2. ಆದರ್ಶ ರೈತ ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಯಾರಿಗೆ ಬಂದಿದೆ?
3. ದಯಾರಾಮನಿಗೆ ಬೆನ್ನೆಲುಬಾಗಿ ನಿಂತಿರುವವಳು ಯಾರು?
4. ತೆಂಗಿನ ತೋಟ ಮಾಡುತ್ತಾ ಇರುವವನು ಯಾರು?
5. ಸುರೇಂದ್ರ ಏನು ಮಾಡಿದ?

II. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों का पुननिर्माण कीजिए।

उदाहरण : ನಾನು ಹಗಲು ರಾತ್ರಿ ದುಡಿಯುವವನು.

ನಾನು ಹಗಲು ರಾತ್ರಿ ದುಡಿಯುತ್ತಾ ಇದ್ದವನು.

1. ನಾನು ಹಗಲು ರಾತ್ರಿ ಓದುವವನು.
2. ದಿನಕ್ಕೆ ಒಂದು ಸಾರಿ ಊಟ ಮಾಡುವವನು.
3. ನಾವು ಹಗಲು ಮಾತ್ರ ಕೆಲಸ ಮಾಡುವವರು.

4. ನಾನು ಬಡವರಿಗೆ ದಾನ ಮಾಡುವವನು.
5. ರಾಮ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಸಹಾಯ ಮಾಡುವವನು.

III. शब्दों को उचित क्रम में प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. ಇದ್ದವರು ಮಾಡುತ್ತಾ ಕೆಲಸ ಸರ್ಕಾರಿ ನೀವು.
2. ಅನೇಕರಿದ್ದಾರೆ ನನಗೆ ಮಾಡುವವರು ಸಹಾಯ.
3. ಫಲ ಬಿಟ್ಟಿವೆ ಒಳ್ಳೆಯ ಮರಗಳು ತೆಂಗಿನ.
4. ಜಮೀನಿನಲ್ಲಿ ನನ್ನ ಮಾಡು ಕೆಲಸ ಬಾ.
5. ದೊಡ್ಡ ನೀವು ನಿಜವಾಗಲೂ ಮನುಷ್ಯರು.

IV. दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके ५-५ वाक्य बनाइये।

ದುಡಿದಿದ್ದವರು, ಮಾಡುವವರು, ಕೇಳುವವರು, ಓದುತ್ತಾ ಇರುವವರು, ಮಾಡದವಳು.

V. वार्तालाप के आधार पर निम्नलिखित कथनों में जो सही वाक्य चिन्हित कीजिए।

1. ಶಂಕರಲಾಲ್ ವ್ಯವಸಾಯಗಾರರ ಜೊತೆ ಹುಟ್ಟಿ ಬೆಳೆದಿರುವವನು.
2. ಹರಿಶಂಕರ್ ದಿನಪತ್ರಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡುವವನು.
3. ಶಂಕರ್‌ಲಾಲ್‌ಗೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡುವವರು ಯಾರೂ ಇಲ್ಲ.
4. ಥಾಮಸ್ ಬಹಳ ಬುದ್ಧಿವಂತ.
5. ಸುರೇಂದ್ರ ಯಾವಾಗಲೂ ಕಳ್ಳತನ ಮಾಡುವವನು.

पढिए और समझिए

ಪುರಂದರದಾಸರು
पुरंदरदास

ಪ್ರತಿ ವರ್ಷ ಪುರಂದರ ಜಯಂತಿಯನ್ನು ಆಚರಿಸುವವರು ಬಹಳ ಮಂದಿ ಇದ್ದಾರೆ. ಪುರಂದರದಾಸರ ಜಯಂತಿಯನ್ನು ಆಚರಿಸದವರೂ ಇದ್ದಾರೆ. ಅವರಿಗೆ ಜಯಂತಿಯ ಆಚರಣೆಯಲ್ಲಿ ಆಸಕ್ತಿ ಇಲ್ಲ. ಪುರಂದರ ಹೇಳಿದ ಜೀವನ ಮೌಲ್ಯಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡು ಸಾರ್ಥಕ ಬದುಕನ್ನು ಬಾಳುವವರು, ನೆಮ್ಮದಿಯಿಂದ ಬದುಕುವವರು ಅವರೇ. ಪುರಂದರರ ಹೆಸರನ್ನು ಹೇಳಿಕೊಂಡು ಹಣ ವಸೂಲು ಮಾಡಿದ್ದವನು ಊರನ್ನೇ ಬಿಟ್ಟು ನಾಪತ್ತೆಯಾದನಂತೆ ಅವನನ್ನು ಹುಡುಕುತ್ತಾ ಇರುವವರು

ಪೋಲಿಸರು. ಅವನು ಹಣ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋದುದರಿಂದ ಈ ವರ್ಷ ಪುರಂದರ ಜಯಂತಿ ರದ್ದಾಗಿದೆ.

ಪುರಂದರದಾಸರು ಇದನ್ನು ಕನಸು ಮನಸಿನಲ್ಲಿ ಕೂಡ ನೀರೀಕ್ಷಿಸಿರಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಸಂಗೀತ, ಸಾಹಿತ್ಯದಲ್ಲಿ ಅಮರ ಯಶಸ್ಸು ಪಡೆದವರು. ತಮ್ಮ ಯಶಸ್ಸು ಹಾಗೂ ಕೃತಿಗಳಿಂದ ಅಪಾರ ಜನಮನ್ನಣೆ ಗಳಿಸಿದ ದಾಸಶ್ರೇಷ್ಠರು. ಸಂಗೀತ ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ಇವರ ಸಾಧನೆ ಅಮರ. ಸಾಹಿತ್ಯ ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ಇವರ ಕೀರ್ತನೆಗಳು ಪ್ರಜ್ವಲಿಸಿ ಕನ್ನಡಿಗರ ಬಾಯಲ್ಲಿ ನೆಲೆ ಮಾಡಿವೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಪುರಂದರದಾಸರ ಜೀವನ ಮೌಲ್ಯಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡು ಉತ್ತಮ ಜೀವನ ಮಾಡೋಣ. ಅವರ ಹೆಸರನ್ನು ದುರುಪಯೋಗಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಬೇಡ.

नए शब्द

ಆಚರಿಸುವವರು	मनानेवाले	ಮಂದಿ	लोग
ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡು	समझकर	ಬದುಕನ್ನು	जीवन को
ಬಾಳುವವರು	जीनेवाले	ಕನಸು ಮನಸು	स्वपना
ನಿರೀಕ್ಷಿಸಲಿಲ್ಲ	निरीक्षण नहीं किया	ಅಪಾರ	बहुत
ಯಶಸ್ಸು	यश	ಜನಮನ್ನಣೆ	लोगों
ಪ್ರಜ್ವಲಿಸಿ	चमक कर	ಪಡೆದವ	से मान पानेवाला
ನೆಲೆ	स्थान		

I. वाचनार्थ - पाट्य सामग्री के सन्दर्भ में प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ಜಯಂತಿಯ ಆಚರಣೆಯಲ್ಲಿ ಯಾರಿಗೆ ಆಸಕ್ತಿ ಇಲ್ಲ?
2. ಊರನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ನಾಪತ್ತೆಯಾದವನನ್ನು ಹುಡುಕುತ್ತಾ ಇರುವವರು ಯಾರು?
3. ಪುರಂದರದಾಸರು ಯಾವ ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ಯಶಸ್ಸು ಪಡೆದರು?
4. ಪುರಂದರದಾಸರ ಕೀರ್ತನೆಗಳು ಯಾರ ಬಾಯಲ್ಲಿ ನೆಲೆ ಮಾಡಿವೆ?
5. ಯಾರ ಹೆಸರನ್ನು ದುರುಪಯೋಗ ಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಬೇಡ?

II. दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके 5 वाक्य बनाइए।

ಆಚರಿಸುವವರು, ಆಚರಿಸದವರು, ಜಯಂತಿ, ಸಾರ್ಥಕ ಬದುಕು, ಕೃತಿಗಳಿಂದ

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

स्वाधीनता के बाद दिल्ली में कला, विज्ञान और मनोरंजन के अनेक नये स्थलों का विकास तेज़ी के साथ हुआ। राजधानी होने के कारण दिल्ली में यात्रियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढती जा रही है। केवल राजनीतिक चहल-पहल के लिए ही नहीं वरन् आधुनिक दर्शनीय स्थानों को देखने विदेशों से भी लाखों की संख्या में प्रति वर्ष-भ्रमण करनेवाले लोग आते हैं। इस महत्व को बनाये रखने केलिए विभिन्न प्रकार के राष्ट्रीय स्थल बनाये जा रहे हैं। इस प्रकार के संग्रहालयों, बागों, एव मनोरंजन के स्थलों के विकास से राजधानी का आकर्षण बढता जा रहा है। इन में से कुछ दिवंगत राष्ट्रीय नेताओं की समाधि हैं, कुछ विद्वानों के लिए ज्ञान-विज्ञान की संस्थाएँ हैं और कुछ बच्चों के मनोरंजन के लिए नवीन स्थल बनाये हुए हैं।

IV. निम्मांकित विषय पर दस वाक्य लिखिए।

`ಯಾರಾದರೂ ಒಬ್ಬರು ಹಿಂದಿ ಕವಿ'

टिप्पणियाँ

इस पाठ मे कन्नड के `ಮಾಡುವವನು,' `ಮಾಡುವವರು ' जैसे कृदन्त पूरक सँज्ञा रूपों का परिचय दिया गया है। इन का अर्थ मोटे तौर पर हिन्दी में `करनेवाला' होता है। परन्तु इस का आशय `करता हूँ' का है।

उदाहरण : ನಾನು ಕನ್ನಡ ಪಾಠ ಮಾಡುವವನು.

मैं कन्नड पाठ सिखानेवाला हूँ।

ಗಲಾಟೆ ಮಾಡುವವರು ಯಾರು?

शोर मचानेवाले कौन हैं?

ये रूप सम्बन्ध सूचक कृदन्त में मनुष्यवाचक अन्य पुरुष सर्वनाम के रूप लगाकर बनाये जाते हैं।

इस के विभिन्न कालों के रूप नीचे दिये गये हैं।

I. भूतकालेतर रूप:

उदाहरण : ಮಾಡುವ + ಅವನು – ಮಾಡುವವನು – करनेवाला

ಮಾಡುವ + ಅವಳು – ಮಾಡುವವಳು – करनेवाली

ಮಾಡುವ + ಅವರು – ಮಾಡುವವರು – करनेवाले

ನಾನು ವಾರ ಪತ್ರಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡುವವನು.

मैं साप्ताहिक पत्रिका में काम करनेवाला हूँ।

ನನಗೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡುವವರು ಅನೇಕರಿದ್ದಾರೆ.

मेरी सहायता करनेवाले कई लोग हैं।

II. भूतकाल रूप:

उदाहरण : ಪಡೆದ + ಅವರು – ಪಡೆದವರು – पानेवाले

ಮಾಡಿದ + ಅವನು ಮಾಡಿದವನು – करनेवाला

ಸರಕಾರಿ ಸೇವೆಯಿಂದ ಸ್ವಯಂ ನಿವೃತ್ತಿ ಪಡೆದವರು.

सरकारी सेवा से स्वयं निवृत्ति पानेवाले।

ಈ ಕೆಲಸ ಮಾಡಿದವನು ಯಾರು?

यह काम करनेवाला कौन है?

III. अपूर्णकाल:

उदाहरण: ಮಾಡುತ್ತಾ ಇರುವ + ಅವರು – ಮಾಡುತ್ತಾ ಇರುವವರು – करते रहनेवाले

ಓದುತ್ತಾ ಇರುವ + ಅವನು – ಓದುತ್ತಾ ಇರುವವನು – पढते रहनेवाल

ನಮ್ಮ ತಂದೆ ಚಿಕ್ಕಂದಿನಿಂದ ಕೃಷಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡುತ್ತಾ ಇರುವವರು.

हमारे पिताजी बचपन से किसानी करते रहनेवाले हैं।

ಶರ್ಮಾ ಓದುತ್ತಾ ಇರುವವನು.

शर्मा पढते रहनेवाला है।

इन के निषेधात्मक रूप सम्बन्ध वाचक कृदन्तों के निषेधात्मक रूप में मनुष्यवाचक अन्य पुरुष सर्वनाम लगाकर बनाये जाते हैं।

उदाहरण : ಮಾಡದ + ಅವನು – ಮಾಡದವನು – नहीं करनेवाला

ಸುರೇಂದ್ರ, ಯಾವಾಗಲೂ ಕಳ್ಳತನ ಮಾಡದವನು.

सुरेन्द्र कभी चोरी नहीं करनेवाला (था)।

ಪಾಠ पाठ 17

ಸಚಿವರು ಬಂದಿದ್ದಾಗ | जब मंत्रीजी आए थे

ನಾಯಕ:	ಮಹನೀಯರೆ ಮತ್ತು ಮಹಿಳೆಯರೆ, ಕಳೆದ ತಿಂಗಳು ಮಾನ್ಯ ಅರಣ್ಯ ಸಚಿವರು ಬಂದಿದ್ದಾಗ ಮಾತು ಕೊಟ್ಟಂತೆ, ತಮ್ಮ ಬಿಡುವಿಲ್ಲದ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳ ಮಧ್ಯೆ ಅವಕಾಶ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ಮತ್ತೆ ಇಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದಿದಾರೆ. ಅವರಿಗೆ ನಿಮ್ಮ ಪರವಾಗಿ, ನಮ್ಮ ಊರಿನ ಜನತೆಯ ಪರವಾಗಿ ಸ್ವಾಗತವನ್ನು ಕೋರುತ್ತೇನೆ. ಹಾಗೇನೇ ಈ ವಲಯದ ಅರಣ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣಾಧಿಕಾರಿ ಅವರೂ ಸಹ ಬಂದಿದ್ದಾರೆ ಅವರಿಗೂ ಸ್ವಾಗತವನ್ನು ಮಾಡುತ್ತೇನೆ.	भाइयों और बेहनों, पिछले महीने जब माननीय वनमंत्री आए थे तब उन्होने वादा किया था, अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच समय निकालकर फिर यहाँ आए हैं। उन का आप की ओर से, आपने गाँव की जनता की ओर से स्वागत करता हूँ। उसी तरह प्रभाग के वन- संरक्षणाधिकारीजी भी आये हैं, उन का भी स्वागत करता हूँ।
ಸುಂದರಲಾಲ್:	ನಮಗೆ ನ್ಯಾಯ ಬೇಕು. ನಾವು ಸಚಿವರ ಜೊತೆ ಮಾತನಾಡಬೇಕು.	हमें न्याय-चाहिए। हमें मन्त्री जी के साथ बातें करनी हैं।
ಅಧಿಕಾರಿ :	ಶಾಂತರಾಗಿರಿ, ಶಾಂತರಾಗಿರಿ. ಸಚಿವರು ನಿಮ್ಮನ್ನು ಕುರಿತು ಮಾತ–ನಾಡುವ ವರೆಗೆ ಸುಮ್ಮನಿರಬೇಕು. ಆ ಮೇಲೆ ನಿಮ್ಮ ಸಮಸ್ಯೆಗಳನ್ನು ಕೇಳ್ತಾರೆ. ಗಲಾಟೆ ಮಾಡಬಾರದು. ಅದಕ್ಕೇ ಬಂದಿದ್ದಾರೆ. ಭಾಷಣ ಮುಗಿದಾಗ ಅವರೇ ನಿಮ್ಮ ದೂರುಗಳನ್ನೆಲ್ಲ ಕೇಳ್ತಾರೆ. ನಿಮ್ಮ ಸಮಸ್ಯೆಗಳನ್ನು ಪರಿಹರಿಸುವ ಆಶ್ವಾಸನೆ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾರೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಅವರು ಮಾತ–ನಾಡುವಾಗ ಸಾವಧಾನದಿಂದ ಕುಳಿತು	शान्त रहिए, शान्त रहिए। मन्त्रीजी जब तक आपको संबोधित कर बोलते रहें तब तक चुप रहिए। उसके बाद आपकी समस्याओं को सुनेंगे। शोर नहीं मचाइए। ये उसी के लिए आये हैं। भाषण समाप्त होने के बाद वे ही आपकी सभी शिकायतें खुद सुनेंगे। उन्होंने वादा किया है कि आपकी समस्याएँ हल करेंगे। इसलिए जब तक वे बोलते रहें तब तक आपको

ಕೇಳಬೇಕು.

ಅರಣ್ಯಸಚಿವರು: ಅಣ್ಣ-ತಮ್ಮಂದಿರೆ, ಅಕ್ಕ ತಂಗಿಯರೆ, ಈ ಊರಿನ ಪ್ರಮುಖರೆ, ಅರಣ್ಯ ಸಿಬ್ಬಂದಿಯವರೆ ಮತ್ತು ಅಪ್ಪಿಕೋ ಚಳುವಳಿಯ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರೆ, ಈ ದಿನ ನಿಮ್ಮನ್ನೆಲ್ಲ ನೋಡುತ್ತಾ ಇರುವಾಗ ನನಗೆ ಬಹಳ ಸಂತೋಷ ಆಗ್ತಾ ಇದೆ. ಕಳೆದ ತಿಂಗಳು ನಾನು ಇಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದಾಗ ಅನೇಕರು ದೂರು ಹೇಳಿದರು. ನೀವು ವ್ಯವಸಾಯ ಮಾಡುವಾಗ ಅರಣ್ಯ ಸಿಬ್ಬಂದಿ ತೊಂದರೆ ಕೊಡುತ್ತಾರೆ. ಜೇನು ತುಪ್ಪ ಶೇಖರಣೆಗೆ ಅರಣ್ಯದ ಒಳಕ್ಕೆ ಹೋದಾಗ ನಿಮ್ಮನ್ನ ಹೊಡೆದಿದ್ದಾರೆ. ಅಂತ ಎಲ್ಲ ದೂರುಗಳು ಬಂದಿವೆ. ಕಾಡಿನಲ್ಲೇ ಹುಟ್ಟಿ, ಇಲ್ಲೇ ಬೆಳೆದು, ನೀವು ಇಲ್ಲೇ ಬದುಕುತ್ತಾ ಇರುವಾಗ ನಿಮಗೆ ತೊಂದರೆ ಆಗಬಾರದು. ನಿಮಗೆ ತೊಂದರೆ ಆದಾಗ ನಾವು ಸುಮ್ಮನೆ ಕೈಕಟ್ಟಿ ಕೂರುವುದಿಲ್ಲ. ನಿಮಗೆ ರಕ್ಷಣೆ ಕೊಡುವುದು ನಮ್ಮ ಸರ್ಕಾರದ ಕರ್ತವ್ಯ. ನಿಮಗೆ ವ್ಯವಸಾಯ ಮಾಡುವುದಕ್ಕೆ ಭೂಮಿಯನ್ನು ಹಂಚುತ್ತಾ ಇದ್ದಾಗ ಅರಣ್ಯ ಸಿಬ್ಬಂದಿಗೂ ನಿಮಗೂ ಘರ್ಷಣೆ ಆಗಿದೆ ಅಂತ ತಿಳಿಯಿತು. ಮುಂದಿನ ತಿಂಗಳು ಬರುವಾಗ ನನ್ನ ಜೊತೆ ಭೂಮಾಪಕರನ್ನ ಕರೆದು ತರ್ತೀನಿ. ಭೂಮಾಪನ ಮಾಡಿಸೋಣ. ಯಾರಿಗಾದರೂ ಅನ್ಯಾಯ ಆಗುವಾಗ ನಾನು

शान्ति से बैठकर सुनना चाहिए।

भाइयों, बेहिनों, इस गाँव के नेतागण, वन विभाग के कर्मचारी और चिपको आन्दोलन के कार्यकर्ताओ, आज आप सब को देख कर मुझे बडी प्रसन्नता हो रही है। पिछले महीने जब मैं आया था तो कई लोगोंने शिकायत की थी। जब आप खेती करते हैं तब वन के कर्मचारी कष्ट देते हैं। शहद इकट्ठा करने केलिए वन के भीतर जाने पर आपको भी मारते हैं, ऐसी शिकायतें आई हैं। वन में ही पैदा होकर यहीं बड़े होकर यहीं जी रहे हैं तो आप को कोई तकलीफ नहीं होनी चाहिए। यदि आपको कष्ट होगा तो हम हाथ बाँधे चुपचाप बैठे नहीं रहेंगे। आपकी रक्षा करना हमारी सरकार का कर्तव्य है। आप को खेती करने केलिए जमीन बाँटते समय बिभाग के कर्मचारी और आप के बीच तक-झक हुई। यह सब मालूम हुआ है। अगले महीने में आते समय अपने साथ भूमापकों को ले आऊँगा। जमीन का माप करेंगे। किसी पर अन्या यहो तो मैं चुप नहीं रहता। आपको न्याय मिलना ही चाहिए।

ಸುಮ್ಮನೆ ಇರಲ್ಲ. ನಿಮಗೆ ನ್ಯಾಯಸಿಗಲೇ ಬೇಕು.

ಕಾಡಿನ ಪ್ರಾಣಿಗಳು ನಡೆದಾಡುವಾಗ ಕೊಲ್ಲಬೇಡಿ, ಸೌದೆಗೆ ಹಸಿರು ಮರಗಳನ್ನು ಕಡಿಯಬೇಡಿ. ನಾವು, ನೀವೆಲ್ಲ ಸೇರಿ ವನ್ಯ ಮೃಗಗಳ ರಕ್ಷಣೆ, ಕಾಡಿನ ರಕ್ಷಣೆ ಮಾಡಬೇಕು. ಯಾರಾದರೂ ಮರಕಡಿಯುವಾಗ ಅದನ್ನ ತಡೆಯುವ ಕೆಲಸವನ್ನು `ಅಪ್ಪಿಕೋ ಚಳವಳಿಯ' ಕಾರ್ಯಕರ್ತರು ಯಶಸ್ವಿಯಾಗಿ ಮಾಡ್ತಾ ಇದಾರೆ. ಅರಣ್ಯ ಸಿಬ್ಬಂದಿ ಮತ್ತು ನಿಮ್ಮ ನಡುವೆ ಇರುವ ಭಿನ್ನಾಭಿಪ್ರಾಯವನ್ನು ಕೇಳಿ ಪರಿಹರಿಸುವುದಕ್ಕೆ ಬಂದಿದೀನಿ. ಒಬ್ಬೊಬ್ಬರಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ ಹೇಳಿ.

वन में विचरनेवाले जानवरों को नहीं मारना चाहिए। जलावन केलिए हरे पेडों को नहीं काटना चाहिए। हमें और आप को मिलजुल कर जंगल के जानवरों की और जंगल की रक्षा करनी चाहिए। जब कोई पेड़ काटता है तो उसे रोकने का काम `चिपको आन्दोलन' के लोग ठीक तरह कर रहे हैं। वन-विभाग के कर्मचारी और आपके बीच के (अलग अलग प्रकार) के मत-भेद सुन कर उन के निवारण के लिए आया हूँ। एक एक करके अपना मत बताइए।

ಸುಂದರಲಾಲ್: ಮರ ಕತ್ತರಿಸುವುದನ್ನು ತಡೆಯಲು ನಾವು ಮರವನ್ನು ಅಪ್ಪಿಕೊಂಡಾಗ ಅರಣ್ಯ ಸಿಬ್ಬಂದಿಯವರೆ ನಮ್ಮ ಮೇಲೆ ಕೈ ಮಾಡಿದಾಗ ನಾವು ಏನು ಮಾಡಬೇಕು?

पेड़ की कटाई रोकने के लिए जब हम पेड़ से चिपकें तब वन विभाग के कर्मचारीं हम पर हाथ उठाएँ तो हमें क्या करना चाहिए?

ಸಚಿವರು : ಅಂತಹ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ನಮಗೆ ದೂರು ಕೊಡಿ. ನಾವು ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟವರ ಮೇಲೆ ಸೂಕ್ತ ಕ್ರಮ ಕೈಗೊಳ್ತೀವಿ.

वैसे अवसर पर हमारे यहाँ शिकायत कीजिए। हम उससे, संबन्धित लोगों पर उचित कार्यवाई करेंगे।

ಬಹುಗುಣ : ಬಡಜನರಿಗೆ ಭೂಮಿ ಹಂಚಿದ್ದೀರಿ. ಆದರೆ ದಾಖಲಾತಿ ಪತ್ರ ಕೊಟ್ಟಿಲ್ಲವಲ್ಲ?

गरीबों को जमीन बाँटी गई। पर दखिले का पर्चा नहीं दिया गया।

ಸಚಿವರು : ನನಗೆ ಮೊದಲೇ ಹೇಳಿದ್ರೆ ಇವತ್ತೇ ತರಿಸುತ್ತಿದ್ದೆ. ಏನಾಗಿದೆ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಯವರೆ?

मुझ से पहले ही कहा गया होता आज ही लाने को कहता। क्या बात है सचिवजी?

ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ	: ರೈತರು ಅರ್ಜಿ ತಂದಿದ್ರೆ ದಾಖಲೆ ಪತ್ರ್ರಗಳನ್ನು ಕೊಡಬಹುದಾಗಿತ್ತು.	किसान लोग प्रार्थना पत्र लाये थे तो दाखिले की पर्चा दी जा सकती थी।
ಜವರಯ್ಯ	: ಅರಣ್ಯರಕ್ಷಕ ಚಂಗಪ್ಪ ಕೆಲಸ ಮಾಡೋ ಹಾಗೆ ಯಾರೂ ಕೆಲಸ ಮಾಡಲ್ಲ. ಅವರಿಗೆ ಒಂದು ಬಹುಮಾನ ಕೊಡಿಸಿ ಉತ್ತೇಜನ ಕೊಡಿ.	वन रक्षक चंगप्प जैसा काम करता है वैसा कोई नहीं करता। उस को एक पुरस्कार दिलवाइए। उसको प्रोत्साहित कीजिए।
ಸಚಿವರು	: ಆಗಬಹುದು. ಸಹಾನುಭೂತಿಯಿಂದ ಪರಿಶೀಲಿಸ್ತೀವಿ.	ठीक है। इस पर हम सहनुभूति से विचार करेंगे।
ಮಾರಯ್ಯ	: ಭೂಮಿ ಹಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಭಾರಿ ಅವ್ಯವಹಾರ ನಡೆಯುತ್ತಾ ಇರುವಾಗ ಸರ್ಕಾರ ಮೌನವಾಗಿದೆಯಲ್ಲ?	भू-वितरण में जब इतनी अनियामितता चल रही है तो सरकार चुप है। ऐसा क्यों है?
ಸಚಿವರು	: ಈ ವಿಷಯ ನನ್ನ ಗಮನಕ್ಕೆ ಬಂದಾಗ ನನಗೆ ಬಹಳ ಬೇಜಾರಾಯ್ತು. ಯಾರೇ ಲಂಚ ಪಡೆದಿದ್ದರೂ ಅದನ್ನ ವಾಪಸ್ ಕೊಡಿಸ್ತೀನಿ. ಅಂತ ಭರವಸೆ ಕೊಡ್ತೀನಿ.	यह विषय जब मेरी जानकारी में आया मैं बहुत क्षुब्ध हुआ। किसीने रिश्वत ली है तो उसे वापस दिला-ऊँगा मैं यह विश्वास देता हूँ।
ಯಜಮಾನ	: ಈ ಊರಿನ ಜನತೆಯ ಮೇಲೆ ಅರಣ್ಯ ಸಿಬ್ಬಂದಿಯವರು ಆಗಾಗ ಕೈ ಮಾಡಿದಾರೆ. ಹೊಡೆದಿದಾರೆ. ಬಂದೂಕ ತೋರಿಸಿ ಬೆದರಿಸಿದಾರೆ. ನಮಗೆ ನೆಮ್ಮದಿಯಾಗಿ ಬದುಕುವುದೇ ಕಷ್ಟವಾಗಿದೆ. ಇದಕ್ಕೆ ತಾವು ಏನಾದ್ರು ಮಾಡಬೇಕು.	इस गाँव के लोगों पर वन-विभाग के कर्मचारीयेंने बार बार हाथ उठाया है। मारा भी है। बन्दूक दिखा कर डराया है। हम को शान्ति से जीना ही कष्टकर है। इस के लिए आप को कुछ न कुछ करना चाहिए।
ಸಚಿವರು	: ಮಾಡ್ತೀವಿ. ಈ ಊರಿನ ಜನರಿಗೆಲ್ಲ ಗುರುತಿನ ಚೀಟಿ ಕೊಡ್ತೀವಿ. ಗುರುತಿನ ಚೀಟಿ ಇರುವವರನ್ನ ಅರಣ್ಯಸಿಬ್ಬಂದಿ ಮುಟ್ಟಬಾರದು ಅನ್ನುವ ನಿಯಮ ತರ್ತೀವಿ.	करूँगा। इस गाँव के सभी लोगों को परिचय पत्र देंगे। यह नियम बनायेंगे कि परिचय पत्रवाले व्यक्ति को कोई वन विभाग का कर्मचारी हाथ न लगाये।

ಯಜಮಾನ	: ಇನ್ಯಾರೂ ಪ್ರಶ್ನೆ ಕೇಳೋರು ಇಲ್ವೆ? ಸರಿ. ಜಿಲ್ಲಾ ಪರಿಷತ್ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀ ಪ್ರಸಾದ್ ಅವರು ವಂದನಾರ್ಪಣೆ ಮಾಡ್ತಾರೆ.	और कोई पूछनेवाला नहीं है क्या? ठीक है।जिल्ला परीषद के अध्यक्ष श्री. प्रसादजी धन्यवाद देंगे।
ಪ್ರಸಾದ್	: ತಮ್ಮ ಬಿಡುವಿಲ್ಲದ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿಯೂ ಸಹ ಅವಕಾಶ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ಇಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದು ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸಿ ನಮ್ಮ ಅನೇಕ ಸಮಸ್ಯೆಗಳಿಗೆ ಪರಿಹಾರ ಸೂಚಿಸಿದ ಮಾನ್ಯ ಅರಣ್ಯ ಸಚಿವರಿಗೆ ನಮ್ಮ ಜಿಲ್ಲಾ ಪರಿಷತ್ ಪರವಾಗಿ, ಈ ಊರಿನ ಜನತೆಯ ಪರವಾಗಿ ವಂದನೆಗಳನ್ನು ಅರ್ಪಿಸುತ್ತೇನೆ. ಹಾಗೇನೇ ಇಲ್ಲಿನ ಅರಣ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣಾಧಿಕಾರಿ, ನನ್ನ ಆಪ್ತ ಗೆಳೆಯರು, ಸ್ನೇಹ ಜೀವಿ, ಅರಣ್ಯ ರಕ್ಷಣೆಯ ಜವಾಬ್ದಾರಿಯನ್ನ ಹೊತ್ತು ಹಗಲೂ ರಾತ್ರಿ ಕಾಡಿನಲ್ಲೇ ಅಲೆಯುವ, ಅರಣ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣೆಯಲ್ಲಿ ತೊಡಗಿರುವ ಇವರು ಸ್ವಲ್ಪ ಸಮಯ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸಿದ್ದಕ್ಕೆ ವಂದನೆಗಳನ್ನು ಅರ್ಪಿಸುತ್ತೇನೆ. ಇನ್ನು ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಯಶಸ್ವಿಯಾಗಿ ನಡೆಯಲು ಸಹಕರಿಸಿದ ನಿಮಗೆಲ್ಲ ವಂದನೆಗಳನ್ನು ಅರ್ಪಿಸುತ್ತೇನೆ. ಇಲ್ಲಿಗೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಮುಕ್ತಾಯವಾಯಿತು.	अपने व्यस्त कार्यक्रमों के बीच में भी समय निकालकर यहाँ तक पधारकर, इस कार्यक्रम में भाग लेकर, हमारी कई समस्यओं के समाधान दिये। इन माननीय वन मन्त्रीजी को अपने जिल्ला परीषद की ओर से, गाँव की जनता की ओर से धन्यवाद अर्पित करता हूँ। उसी प्रकार यहाँ के वन संरक्षणाधिकारीजी, मेरे आत्मीय मित्र, सबसे स्नेह करनेवाले वन के रक्षण की जिम्मेदारी लेकर दिन रात जंगल में धूम-धूम कर वनसंरक्षण करनेवाले इन लोगोंने थोडा-सा समय निकालकर इस कार्यक्रम में भाग लिया। इसके लिए मैं इन को धन्यवाद देता हूँ। और यह कार्यक्रम यशास्वी चलने के लिए मदद करनेवाले आप सबको वन्दना करता हूँ। अब कार्यक्रम समाप्त होगा।

शब्दार्थ

ಮಹನೀಯರೇ	भाइयों	ಮಹಿಳೆಯರೇ	बहनों
ಕಳೆದ	पिछला	ಅರಣ್ಯ	वन
ಸಚಿವ	सचिव	ಬಂದಿದ್ದಾಗ	जब आया
ಮಾತುಕೊಟ್ಟಂತೆ	जैसे वादा किया	ಬಿಡುವಿಲ್ಲದ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ	व्यस्त कार्यक्रम
ಮದ್ಯೆ	बीच में	ಅವಸರ	अवसर/अवकाश
ಪರವಾಗಿ	ओर से	ಊರಿನ	गाँव की
ಕೋರುತ್ತೇನೆ	चाहता हूँ/प्रार्थना करता हूँ	ಹಾಗೇನೇ	उसी तरह से
ನ್ಯಾಯ	न्याय	ಜೊತೆ	साथ
ಶಾಂತರಾಗಿರಿ	शांत से रहिए	ಗಲಾಟೆ	शोर
ನಿಮ್ಮನ್ನು ಕುರಿತು	आपके बारे में	ಅಹವಾಲು	समस्या
ದೂರುಗಳನ್ನು	शिकायतों को	ಮೊಕ್ತ ಮಾತಾಡೋಣ	सामने बातचीत
ಪರಿಹರಿಸು	हलकर	ಆಶ್ವಾಸನೆ	वादा
ಸಮಾಧಾನ	शांति	ಅಣ್ಣತಮ್ಮಂದಿರೇ	भाइयों
ಅಕ್ಕತಂಗಿಯರೇ	बहिनों	ಪ್ರಮುಖರೇ	नेताओं
ಸಿಬ್ಬಂದಿಯವರೇ	कर्मचारीयों	ಅಪ್ಪಿ ಕೊಚಳುವಳಿ	चिपको आंदोलन
ವ್ಯವಸಾಯ	खेती	ತೊಂದರೆ	कष्ट
ಜೇನುತುಪ್ಪ	शहद	ಶೇಖರಣೆ	इकट्टा करना
ಹೊಡೆದಿದ್ದಾರೆ	मारा है	ಹುಟ್ಟಿ	पैदा होकर
ಬೆಳದೂ	बडा होकर	ಬದುಕೆಲ್ಲಾ	सारे जीवन को
ಹಂಚುತ್ತಾ ಇದ್ದಾಗ	बाँटते समय	ಘರ್ಷಣೆ	झगड़ा
ಮುಂದಿನ	अगला	ಭೂಮಾಪಕ	भूमापक
ಕರೆದು	बुलाकर	ಇರಲ್ಲ	नहीं रहता
ನೆಡೆದಾಡುವಾಗ	चलते वक्त	ಕೊಲ್ಲಬೇಡಿ	मत मारो
ಸೌದೆಗೆ	(जलाने) के लिए/लकडी	ಕಡಿಯಬೇಡಿ	मत काटो
ತಡೆಯುವ	रोकने का	ಬಡಜನರಿಗೆ	गरीब लोगों को
ದಾಖಲೆಪತ್ರ	दाखिले की चिट्टी	ಉತ್ತೇಜನ	प्रोत्साहन

ವಲಯದ ಸಂರಕ್ಷಣಾಧಿಕಾರಿ विभाग के संरक्षण अधिकारी

ಪರಿಶೀಲಿಸ್ತೀವಿ	विचार करते हैं	ಕೈಮಾಡಿ	हाथ उठाकर
ಸೂಕ್ತ	उचित	ಕ್ರಮ	कारवाही, कार्यवाई
ಭಾರಿ	बहुत	ಅವ್ಯವಹಾರ	अनियमितता
ಮೌನವಾಗಿದೆ	चुप है	ಗಮನಕ್ಕೆ	जानकारी में
ಲಂಚ	रिश्वत	ಪಡೆದಿದ್ದರೂ	ली हो
ಭರವಸೆ	विश्वास	ಆಗಾಗ	बार बार
ಹೊಡೆದಿದಾರೆ	मारा है	ಬೆದರಿಸಿದ್ದಾರೆ	डराया है
ಗುರುತಿನ ಚೀಟಿ	परिचय पत्र	ಮುಟ್ಟಬಾರದು	हाथ न लगाने
ವಂದನಾರ್ಪಣೆ	धन्यवाद	ಭಾಗವಹಿಸಿ	भाग लेकर
ಅನೇಕ	कई	ಆಪ್ತ	आत्मीय
ಗೆಳೆಯರು	मित्र (बहुवचन)	ಜವಾಬ್ದಾರಿ	जिम्मेदारी

अभ्यास

I. वार्तालाप के **सन्दर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजीए।**

1. ಜನತೆಯ ಮೇಲೆ ಯಾರು ಆಗಾಗ ಕೈಮಾಡಿದ್ದಾರೆ?
2. ಗುರುತಿನ ಚೀಟಿಯ ಉಪಯೋಗವೇನು?
3. ಯಾವ ವಿಷಯ ಸಚಿವರ ಗಮನಕ್ಕೆ ಬಂದಾಗ ಅವರಿಗೆ ಬಹಳ ಬೇಜಾರಾಯ್ತು?
4. ಯಾರಿಗೆ ಬಹುಮಾನ ಕೊಡಿಸಿ ಉತ್ತೇಜನ ಕೊಡಬೇಕು?
5. ದಾಖಲಾತಿ ಪತ್ರ ಯಾರಿಗೆ ಕೊಟ್ಟಿಲ್ಲ?

II. उदाहरण का अनुसरण कर निम्नलिखित वाक्यों का पुनर्निर्माण कीजिए।

उदाहरण: ಪ್ರಾಣಿಗಳು ಬಂದಾಗ ಹೊಡೆಯಬಾರದು.

ಪ್ರಾಣಿಗಳು ಬಂದಿದ್ದಾಗ ಹೊಡೆಯಬಾರದಿತ್ತು.

1. ಉಪಾಧ್ಯಾಯರು ಬಂದಾಗ ಗಲಾಟೆ ಮಾಡಬಾರದು.
2. ಮಕ್ಕಳು ಬಂದಾಗ ಓಡಿಸಬಾರದು.
3. ಸುಖ ಬಂದಾಗ ಅಹಂಕಾರ ಪಡಬಾರದು.
4. ಎಣ್ಣೆ ಬಂದಾಗ ಕಣ್ಣು ಮುಚ್ಚಬಾರದು.
5. ಹೊಳೆ ಬಂದಾಗ ಈಜ ಬಾರದು.

III. कोष्टक में दिये हुए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(ಗಮನಕ್ಕೆ, ಸುಮ್ಮನೆ, ಬಂದಿದ್ದಾಗ, ಸಂತೋಷ, ಕೊಲ್ಲಬೇಡಿ)

1. ಮಾನ್ಯ ಸಚಿವರು .... ಮಾತು ಕೊಟ್ಟರು.
2. ನಿಮ್ಮನ್ನೆಲ್ಲಾ ನೋಡುತ್ತಾ ಇರುವಾಗ ನನಗೆ .... ಆಗ್ತಾ ಇದೆ.
3. ಕಾಡಿನ ಪ್ರಾಣಿಗಳು ನಡೆದಾಡುವಾಗ ....
4. ಈ ವಿಷಯ ನನ್ನ .... ಬಂದಾಗ ಬಹಳ ಬೇಜಾರಾಯ್ತು.
5. ಯಾರಿಗಾದರೂ ಅನ್ಯಾಯ ಆಗುವಾಗ ನಾನು .... ಇರಲ್ಲ.

IV. वार्तालाप के आधार पर निम्नलिखित कथनों में जो सही वाक्यों पर चिन्हित कीजिए।

1. ವ್ಯವಸಾಯ ಮಾಡುವಾಗ ಅರಣ್ಯ ಸಿಬ್ಬಂದಿ ತೊಂದರೆ ಕೊಡ್ತಾರೆ.
2. ಅರಣ್ಯ ಸಿಬ್ಬಂದಿಗೂ ನಿಮಗೂ ಘರ್ಷಣೆ ಆಗಲ್ಲ.
3. ನನ್ನ ಜೊತೆ ಭೂಮಾಪಕರನ್ನು ಕರೆದು ತರ್ತೀನಿ.
4. ನಾವು ನೀವೆಲ್ಲ ಸೇರಿ ವನ್ಯ ಮೃಗಗಳ ರಕ್ಷಣೆ ಮಾಡಬಾರದು.
5. ಸೌದೆಗೆ ಹಸಿರು ಮರಗಳನ್ನು ಕಡಿಯಬೇಕು.

V. निम्न शब्द समूह में उस शब्द का पता कीजिए जो अन्यों से संम्बंधित हैं।

उदाहरण: ಬಂದಾಗ, ಹೋದಾಗ, ಕರೆದಾಗ, ಬಂದಿದ್ದಾಗ, ತಿಂದಾಗ,

1. ಬರುವಾಗ, ಹೋಗುವಾಗ, ಹೋಗುತ್ತಿರುವಾಗ, ನಡೆವಾಗ, ನಡಿವಾಗ,
2. ನಡೆದಾಗ, ಕುಡಿದಾಗ, ಮಾಡಿದಾಗ, ತಿಂದಾಗ, ಮಾಡಿದ್ದಾಗ,
3. ಬರುತ್ತಿರುವಾಗ, ನೆಡೆಯುತ್ತಿರುವಾಗ, ನಡೆದಾಗ, ನೋಡುತ್ತಿರುವಾಗ, ತಿನ್ನುತ್ತಿರುವಾಗ,
4. ಬಂದಿದ್ದಾಗ, ತಂದಿದ್ದಾಗ, ಹೋದಾಗ, ತಿಂದಿದ್ದಾಗ, ಹೋಗಿದ್ದಾಗ,
5. ಬರುತ್ತಿದ್ದಾಗ, ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದಾಗ, ನಡೆದಾಗ, ನಲಿಯುತ್ತಿದ್ದಾಗ, ಕೇಳುತ್ತಿದ್ದಾಗ,

पढिए और समाझिए

ವೃತ್ತಿಶಿಕ್ಷಣ
औधोगिक शिक्षा

ವೃತ್ತಿ ಶಿಕ್ಷಣವು ಶಿಕ್ಷಣ ಕ್ಷೇತ್ರದ ಮುಖ್ಯ ಧಾರೆಯಾದಾಗ ನಿರುದ್ಯೋಗ ಸಮಸ್ಯೆ ಬಗೆಹರಿಯುತ್ತದೆ. ಬ್ರಿಟಿಷರು ಭಾರತಕ್ಕೆ ಬಂದಾಗ ಕಂಪೆನಿ ಸರಕಾರಕ್ಕೆ ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಬಲ್ಲ ಸೇವಕರ ಅವಶ್ಯಕತೆ ಇತ್ತು. ಅದಕ್ಕಾಗಿ ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಶಾಲೆಗಳನ್ನು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದಾಗ ಹಣದಾಸೆಯಿಂದ ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಶಿಕ್ಷಣ ಪದ್ಧತಿಗೆ ಜನ ಮಾರುಹೋದರು. ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಮಾಧ್ಯಮ ಮತ್ತು ನಿರ್ಧಿಷ್ಟ ಗೊತ್ತುಗುರಿ ಇಲ್ಲದ ಕೆಲವು ಪದವಿ ಶಿಕ್ಷಣ ಇಂದಿಗೂ ಮುಂದುವರೆದಿದೆ.

ಹಿಂದಿನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಒಂದೊಂದು ವರ್ಣದವರೂ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವೃತ್ತಿಯನ್ನೇ ಮಕ್ಕಳಿಗೂ ಕಲಿಸುತ್ತಿದ್ದಾಗ ನಿರುದ್ಯೋಗದ ಸಮಸ್ಯೆ ಇರಲಿಲ್ಲ. ಪ್ರಾಚೀನ ಭಾರತದ ಎಲ್ಲ ಜೀವನ ಕ್ಷೇತ್ರಗಳಿಗೂ ಅಧ್ಯಾತ್ಮವೇ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಾಗಿತ್ತು. ಹಾಗೆಯೇ ಶಿಕ್ಷಣದ ವಿಷಯಕ್ಕೆ ಬಂದಾಗ ಪವಿತ್ರ ಧಾರ್ಮಿಕ ಗ್ರಂಥಗಳ ಕಂಠಪಾಠ ಮಾಡಿ ಅದನ್ನು ಶುದ್ಧ ಸ್ವರೂಪದಲ್ಲಿ ಮುಂದಿನ ಪೀಳಿಗೆಗೆ ಹಸ್ತಗತ ಮಾಡುವುದು ಶಿಕ್ಷಣದ ಪ್ರಥಮ ಉದ್ದೇಶವಾಗಿತ್ತು. ಬರವಣಿಗೆ ಇನ್ನೂ ಅಸ್ತಿತ್ವದಲ್ಲಿ ಇಲ್ಲದಿದ್ದಾಗ ಇದು ಅಗತ್ಯವೇ ಆಗಿತ್ತು. ಬರವಣಿಗೆ ಪ್ರಚಾರಕ್ಕೆ ಬಂದಾಗ ಶಿಕ್ಷಣದ ಉದ್ದೇಶ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ವ್ಯಕ್ತಿತ್ವದ ವಿಕಾಸವಾಗಿತ್ತು. ಆತ್ಮಗೌರವ, ಆತ್ಮಸಂಯಮ, ಸ್ವಾವಲಂಬನೆ ಮುಂತಾದ ಗುಣಗಳ ಬೆಳವಣಿಗೆಗೆ ಸಹಕಾರಿಯಾಗಿತ್ತು. ಆದರೆ ಈಗಿನ ವಿದ್ಯಾಭ್ಯಾಸದಲ್ಲಿ ನೈತಿಕ ಮೌಲ್ಯಗಳಿಗೆ ಅಷ್ಟು ಗಮನ ಕೊಡುತ್ತಿಲ್ಲ. ಹಣ ಸಂಪಾದಿಸುವ ಏಕೈಕ ಮನೋಭಾವದಿಂದ ವೃತ್ತಿಶಿಕ್ಷಣಕ್ಕೆ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಸೇರುತ್ತಾರೆ. ಜೀವನದಲ್ಲಿ ವೃತ್ತಿಯಿಂದ ಸಂಪಾದನೆ ಮಾಡುವಾಗ ನ್ಯಾಯ ಧರ್ಮಗಳಿಂದ, ಆತ್ಮಗೌರವದಿಂದ ವೃತ್ತಿ ಮಾಡುವಂತಹ ನೈತಿಕ ಮೌಲ್ಯಗಳು ಯುವಜನಾಂಗದಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯಬೇಕು.

नए शब्द

ವೃತ್ತಿಶಿಕ್ಷಣ	औधोगिक शिक्षा	ಧಾರೆ	धारा	ಬಗೆಹರಿಯುತ್ತದೆ	निर्णय होता है
ಗೊತ್ತುಗುರಿ	उद्देश्य	ವರ್ಣ	जाति	ಹಸ್ತಗತ	करगत
ಬರವಣಿಗೆ	लिखावट	ಅಸ್ತಿತ್ವ	आस्तित्व	ಅಗತ್ಯ	जरूरी

I. "वाचनार्थ पाठय - सामग्री" के सन्दर्भ में प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. ನಿರುದ್ಯೋಗ ಸಮಸ್ಯೆ ಯಾವಾಗ ಬಗೆಹರಿಯುತ್ತದೆ?
2. ಕಂಪೆನಿ ಸರ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಎಂತಹ ಸೇವಕರ ಅವಶ್ಯಕತೆ ಇತ್ತು?

3. ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಶಿಕ್ಷಣ ಪದ್ಧತಿಗೆ ಜನ ಮಾರುಹೋಗಲು ಕಾರಣವೇನು?
4. ಈಗಿನ ವಿದ್ಯಾಭ್ಯಾಸದಲ್ಲಿ ಯಾವ ಮೌಲ್ಯಗಳಿಗೆ ಗಮನ ಕೊಡುತ್ತಿಲ್ಲ?
5. ಹಿಂದಿನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಶಿಕ್ಷಣದ ಉದ್ದೇಶ ಏನಾಗಿತ್ತು?

II. निम्नलिखित शब्द समूह में उन शब्दों को चिन्हित कीजीए जो पूर्व पठित वार्तालाप पाठय सामाग्री में आए हैं।

ವೃತ್ತಿ, ಧಾರೆ, ಸೇವಕ, ಪ್ರಾಣಿಗಳು, ಮನಸ್ಸು, ಪದ್ಧತಿ,
ನಿರುದ್ಯೋಗ, ಬಂದಾಗ, ಬಂದರೆ, ಚರ್ಚೆ, ಅನೀತಿ, ಲಂಚ.

III. वार्तालाप के आधार पर निम्नलिखित कथनों में जो सत्य हों उन्हे चिन्हित कीजिए।

1. ವೃತ್ತಿ ಶಿಕ್ಷಣದಿಂದ ನಿರುದ್ಯೋಗ ಸಮಸ್ಯೆ ಬಗೆಹರಿಯುತ್ತದೆ.
2. ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಮಾಧ್ಯಮ ಮತ್ತು ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಗೊತ್ತುಗುರಿ ಇಲ್ಲದ ಕೆಲವು ಪದವಿ ಶಿಕ್ಷಣ ಮುಂದುವರೆದಿಲ್ಲ.
3. ಪ್ರಾಚೀನ ಭಾರತದ ಎಲ್ಲ ಜೀವನ ಕ್ಷೇತ್ರಗಳಿಗೂ ಅಧ್ಯಾತ್ಮವೇ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಾಗಿತ್ತು.
4. ಶಿಕ್ಷಣದ ಉದ್ದೇಶ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ವ್ಯಕ್ತಿತ್ವದ ವಿಕಾಸವಾಗಿತ್ತು.
5. ಆತ್ಮ ಗೌರವದಿಂದ ವೃತ್ತಿ ಮಾಡುವಂತಹ ನೈತಿಕ ಮೌಲ್ಯಗಳು ಯುವ ಜನಾಂಗದಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯಬೇಕು.

IV. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

राजधानी में प्रत्येक वर्ग के लोगों के लिए दैनिक जीवन के कल्याण के लिए विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ भी दी गई हैं। आज के शहरी जीवन में यदि सरकार द्वारा सुविधाएँ नदी जाएँ तो शहर का जीवन दूभर हो जायेगा। गाँव में तो प्रत्येक व्यक्ति अपने लिए सभी सामान पैदा कर लेता है। साथ ही गाँव के व्यक्ति की आवश्यकताएँ भी कम होती हैं। उसे कहीं दूर कभी-कभी ही आना-जाना पडता है। पत्र-व्यवहार, फोन आदि की अवश्यकता उसे कम ही पडती है। परन्तु शहरों मे एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में यदी आने-जाने का प्रबन्धन हो तो सब काम बन्द हो जाएँ। अतएव सभी वर्गों के व्यक्तियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राजधानी में सभी आवश्यकताओं को पूरा करने की चेष्टा की जा रही है।

V. निम्नांकित विषय पर दस वाक्य लिखिए।

`ಯುವಜನತೆ '

टिप्पणियाँ

1. ಅವರು ಮಾತನಾಡುವಾಗ ಸಾವಧಾನದಿಂದ ಕುಳಿತು ಕೇಳಬೇಕು.
   वे जब बोल रहे हैं तब शान्ति से बैठकर सुनना चाहिए।
2. ಅರಣ್ಯದ ಒಳಕ್ಕೆ ಹೋದಾಗ ನಿಮ್ಮನ್ನು ಹೊಡೆದಿದ್ದಾರೆ.
   जब (तुम) जंगल में गये तब उन्होंने तुम को मारा।
3. ನಿಮಗೆ ತೊಂದರೆ ಆದಾಗ ನಾವು ಸುಮ್ಮನೆ ಕೈಕಟ್ಟಿ ಕೂರುವುದಿಲ್ಲ.
   जब तुम को कष्ट होगा तब हम चुपचाप नहीं बैठेंगे।

ऊपर के वाक्यों में रेखांकित क्रियाओं का प्रयोग `बात करते हुए' `जाते हुए' के अर्थ में होता है। हिन्दी में इन का अर्थ वही होता है जो मेरे तौर पर `जब बोल रहे हैं', `जब जा रहे हैं', `जब हुआ' के जैसा होता है।

ये रूप मूल क्रिया रूप (धातु) या क्रिया के भूतकाल के रूप में `ಅಗ' लगाकर बनाये जाते हैं।

उदाहरण: ಇರು + ಅಗ – ಇರುವಾಗ – जब रहते तब

ನಿಮ್ಮನ್ನೆಲ್ಲ ನೋಡುತ್ತಾ ಇರುವಾಗ ನನಗೆ ಬಹಳ ಸಂತೋಷ ಆಗ್ತಾ ಇದೆ.

तुम सब को देखते हुए मुझे बहुत सन्तोष होता है।

ಬಂದಿದ್ದ್ + ಅಗ – ಬಂದಿದ್ದಾಗ – जब आते तब

ನಾನು ಇಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದಾಗ ಅನೇಕರು ದೂರು ಹೇಳಿದರು.

मेरे यहाँ आते हुए कई लोगोंने शिकायत दी।

ನಡೆಯುತ್ತಾ ಇರು + ಅಗ – ನಡೆಯುತ್ತಾ ಇರುವಾಗ

ಅವ್ಯವಹಾರ ನಡೆಯುತ್ತಾ ಇರುವಾಗ ಸರಕಾರ ಮೌನವಾಗಿದೆಯಲ್ಲ.

जब अनियमितता हो रही है तब सरकार क्यों चुप है?

ಪಾಠ पाठ 18

ಚರ್ಚಾ ಸ್ಪರ್ಧೆ | वाद विवाद प्रतियोगिता

ಉಪಾಧ್ಯಾಯ:	ಸಭಿಕರೇ, ಇನ್ನು ಕೆಲವೇ ನಿಮಿಷ ಗಳಲ್ಲಿ ಚರ್ಚಾ ಸ್ಪರ್ಧೆ ಪ್ರಾರಂಭ ಆಗಲಿದೆ. ಚರ್ಚೆಯ ವಿಷಯ – `ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯಕ್ಕೆ ಸ್ವಾರ್ಥಿಯಾದ ಮಾನವನೇ ಕಾರಣ' ಈ ವಿಷಯದ ಪರವಾಗಿ ಮಾತನಾಡುವವರು ರಾಜೇಂದ್ರ, ಮತ್ತು ಸುಮತಿ. ವಿರೋಧ ವಾಗಿ ಮಾತನಾಡುವವರು ಸರಸ್ವತಿ ಮತ್ತು ಶಂಕರ. ಸಮಯದ ಅಭಾವ ಇರುವುದರಿಂದ ಒಬ್ಬೊಬ್ಬರು 5 ನಿಮಿಷ ಗಳಲ್ಲಿ ಮುಗಿಸಬೇಕು. ಈಗ ಮಾತನಾಡು ವವನು ರಾಜೇಂದ್ರ.	उपास्थित सज्जनों, कुछ ही क्षणों में वाद-विवाद प्रतियोगिता आरंम्भ होनेवाली है। चर्चा का विषय है - `पर्यावरन प्रदूषण केलिए स्वार्थी मानव ही कारण है।' इस विषय के पक्ष में बोलनेवाले राजेन्द्र और सुमती हैं? विरोध में बोलनेवाले हैं सरस्वती और शंकर। समय के अभाव के कारण 5 मिनट में हर एक को अपना विषय समाप्त करना है। अब बोलने-वाला है राजेन्द्र।
ರಾಜೇಂದ್ರ	: ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯಕ್ಕೆ ಸ್ವಾರ್ಥಿಯಾದ ಮಾನವನೇ ಕಾರಣ ಅಂದರೆ ತಪ್ಪೇನಲ್ಲ. ವಿಜ್ಞಾನದ ಕೊಡುಗೆಗಳಿಂದ ಸುಖಲೋ ಲುಪ ಜೀವನ ಮಾಡುತ್ತಿರುವ ಮಾನವ ಪರಿಸರದ ಮೇಲೆ ಆಗುವ ಹಾನಿಯ ಬಗ್ಗೆ ಅಜ್ಞಾನಿ ಆಗಿದ್ದಾನೆ. ವಿಜ್ಞಾನದ ಪ್ರಗತಿಯಿಂದ ಪರಿಸರದ ಮೇಲೆ ಅನೇಕ ಕೆಟ್ಟ ಪರಿಣಾಮ ಗಳು ಆಗುತ್ತಿವೆ. ಪರಿಸರ ಕೆಟ್ಟಿದೆ. ಪ್ರಕೃತಿ ದತ್ತವಾಗಿ ಸಿಗುವ ಗಾಳಿ, ನೀರು, ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥಗಳು ಕಲುಷಿತವಾಗಿವೆ. ಫ್ಯಾಕ್ಟರಿ ಗಳಲ್ಲಿ ಕಡಿಮೆ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಹೆಚ್ಚು	पर्यावरण प्रदूषण केलिए स्वार्थी मानव ही कारण है। ऐसा कहने में कोई दोष नहीं है। विज्ञान की देन से सुखी जीवन बितानेवाला मानव पर्यावरण पर होनेवाली हानियों के बारे में अनभिज्ञ है। विज्ञान की प्रगती से पर्यावरण पर कई बुरे परिणाम पड़ रहे हैं। पर्यावरण खराब हो गया है। प्रकृती द्वारा दिये हुए, हवा जल और अन्न खराब हो गए हैं। कारखानों में कम

	ಉತ್ಪಾದನೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆ. ಆದರೆ ಅದೇ ಫ್ಯಾಕ್ಟರಿಗಳಿಂದ ಹೊರಬಿಳುವ ದಟ್ಟ ಹೊಗೆ ಕಲುಷಿತ– ನೀರಿನಿಂದ ಜೀವ ಜಂತುಗಳು ಸಾಯುತ್ತಿವೆ; ಪರಿಸರ ಕೆಡುತ್ತಿದೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯಕ್ಕೆ ಸ್ವಾರ್ಥಿಯಾದ ಮಾನವನೇ ಕಾರಣ.	समय में अधिक उत्पादन करते हैं। लेकिन उन्हीं कारखानों से निकलनेवाले धनं धुँए और गन्दे पानी से जीवजन्तु मर जाते हैं। पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसलिए पर्यावरण प्रदूषण केलिए स्वार्थी मानव ही कारण है।
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ:	ಈಗ ವಿಷಯದ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಸರಸ್ವತಿ– ಮಾತನಾಡುತ್ತಾಳೆ.	अब विषय के विरोध में सरस्वती बोलेगी।
ಸರಸ್ವತಿ	: ಈಗ ನಾವು ಬಳಸುತ್ತಿರುವ ಮೈಕು, ವಿದ್ಯುತ್, ಫ್ಯಾನ್, ಪೆನ್, ಬಟ್ಟೆ, ಕಾರು, ವಿಮಾನ, ರಾಕೆಟ್, ಟೆಲಿವಿಷನ್, ಕಂಪ್ಯೂಟರ್, ರೋಬಾಟ್–ಇವೆಲ್ಲ ವಿಜ್ಞಾನದ ಕೊಡುಗೆ. ಅನುಕೂಲಗಳನ್ನು ಬಯಸುವುದು ಮಾನವ ಸಹಜ ಗುಣ. ಸಾಧನೆಯ ಹಾದಿಯಲ್ಲಿ ತಪ್ಪುಗಳು ಆಗಬಹುದು. ಆದರೆ ತಿದ್ದಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ವಿಜ್ಞಾನದ ಪ್ರಗತಿಯಿಂದ ಕಾಲದೇಶಗಳು ಒಂದಾಗಿವೆ. ಯಂತ್ರಗಳು ಮನುಷ್ಯನ ಶ್ರಮವನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಿವೆ. ನಮ್ಮ ಜೀವನ ವಿಧಾನವನ್ನು ಸರಳಗೊಳಿಸಿವೆ. ಇಂತಹ ಪ್ರಗತಿಯ ಹಾದಿಯಲ್ಲಿ ಕೆಲವು ಅನಾನುಕೂಲ ಆದಾಗ ಅದರ ಪರಿಹಾರಕ್ಕೂ ವಿಜ್ಞಾನಿಗಳು ಮಾರ್ಗಕಂಡು ಹಿಡಿದಿದ್ದಾರೆ. ಆದರೆ ಕಾರ್ಖಾನೆಯ ಮಾಲೀಕ ತನ್ನ ಕಾರ್ಖಾನೆಯಲ್ಲಿ ಬಳಸಿದ ನೀರನ್ನು, ಹೊಗೆಯನ್ನು ಶುದ್ಧ ಪಡಿಸದೆ ಹೊರ ಬಿಟ್ಟರೆ ಪರಿಸರ ಕೆಡುತ್ತದೆ. ನಿಜ. ಗಾಳಿಯನ್ನು ಶೋಧಿಸಿ ಹೊರಬಿಡ	अब हमारे काम में आनेवाले माइक, बिजली, पँखा, पेन, कपडा. कार, हवाई जहाज, राकेट, टेलिविझन, कम्प्यूटर. रोबोट. ये सभी विज्ञान की देन हैं। आधिक सुविधायें प्राप्त करना मानव का सहज गुण है। इसे पाने में कुछ दोष तो होंगे ही। परन्तु उसे सुधार लेना चाहिए। विज्ञान की प्रगती सेकाल और देश एक हो गए हैं। यन्त्रोंने मानव का श्रम कम कर दिया है। हमारे जीवन को सरल बना दिया है। ऐसी प्रगती के मार्ग में कुछ बाधायें हुई हैं तो उन को दूर करने केलिये विज्ञानियों ने मार्ग भी खोज लिया है। लेकिन कारखाने का मालिक अगर अपने कारखाने में काम में आये जल और धुएँ को शुध्द किए बिना ही बाहर निकालेंगे तो पर्यावरण खराब हो

ಬಹುದು. ನೀರನ್ನು ಶುದ್ಧೀಕರಿಸಿ ಮತ್ತೆ ಬಳಸಬಹುದು. ತಪ್ಪು ಮಾಡುವ ಬೆರಳೆಣಿಕೆಯಷ್ಟು ಫ್ಯಾಕ್ಟರಿ ಮಾಲೀಕರನ್ನು ಸರಿದಾರಿಗೆ ತರಬೇಕು. ಅದನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯಕ್ಕೆ ಸ್ವಾರ್ಥಿಯಾದ ಮಾನವನೇ ಕಾರಣ ಎಂದು ಇಡೀ ಮಾನವ ಜನಾಂಗವನ್ನು ದೂಷಿಸಿದರೆ ಸರಿಯಲ್ಲ. ಆದ್ದರಿಂದ ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯಕ್ಕೆ ಮಾನವ ಜನಾಂಗ ಕಾರಣವಲ್ಲ. ಕೇವಲ ಕೆಲವೇ ಜನರ ಅಜಾಗರೂಕತೆ ಕಾರಣ.

जाएगा। यह तो सच है। धुएँ को शुध्द करके बाहर छोड सकते हैं। पानी को शुध्द कर के फिर उपयोग में ला सकते हैं। गलती करनेवाले थोडे से कारखानों के मालिकों को सीधे रास्ते पर लाना चाहिए। ऐसा न करके पर्यावरण प्रदूषण केलिए स्वार्थी मानव ही कारण है, और इसी से सारी मानव जाती पर दोष लगाना ठीक नहीं है। इसलिऐ पर्या-वरण प्रदूषण केलिए मानव जाती कारण नहीं है। केवल कुछ लोगों की लापरवाही ही इस का कारण है।

ಉಪಾಧ್ಯಾಯ: ಈಗ ವಿಷಯದ ಪರವಾಗಿ ಸುಮತಿ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾಳೆ.

अब विषय के पक्ष में सुमति बोलेगी।

ಸುಮತಿ : ಈಗ ತಾನೆ ರಾಜೇಂದ್ರ ಹೇಳಿರುವ ಅಂಶಗಳ ಜೊತೆಗೆ ಕಾಡು ಕಡಿದು ಅರಣ್ಯನಾಶ ಮಾಡುವ ಮಾನವ, ಪ್ರಕೃತಿಯ ಸಮತೋಲನ ಕೆಡಲು ಕಾರಣನಾಗಿದ್ದಾನೆ. ಪ್ರಾಣಿಗಳನ್ನು ಬೇಟೆಯಾಡಿ ಅವುಗಳ ವಂಶವನ್ನೇ ನಾಶ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದಾನೆ. ಪ್ರಕೃತಿ ದತ್ತವಾಗಿ ಸಿಗುವ ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಕಲಬೆರಕೆ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದಾನೆ. ವ್ಯವಸಾಯಕ್ಕೆ ರಸಾಯನಿಕ ಗೊಬ್ಬರ ಬಳಸಿ, ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ ಭೂಮಿಯ ಸಾರಸತ್ವ ಕುಗ್ಗಲು ಪರಿಸರ ಸಮತೋಲನ ಕೆಡಲು ಕಾರಣನಾಗಿದ್ದಾನೆ. ಅಣು ಬಾಂಬುಗಳ ಬಳಸುವಿಕೆ

अभी राजेंन्द्र के द्वारा कहे गए अंशों के साथ यह जोडना है। जंगल काट कर वन का नाश करनेवाला मानव प्रकृति के सन्तुलन के बिगाडने का भी कारण बना है। जानवरों का शिकार कर उन के वंश का नाश कर रहा है। प्रकृती के दिये गये खाध्य पदार्थों में मिलावट कर रहा है। खेती केलिए रासायनिक शवाद का उपयोग कर, कीटाणु नाशकों का उपयोग कर भूमी की सारशक्ति को कम करके पर्यावरण का संतुलन खराब करने का कारण बन गया है

	ಯಿಂದ ಜನರ, ಪ್ರಾಣಿಗಳ ಜೀವಹರಣ ಮಾಡುವುದರ ಜೊತೆಗೆ ಅಲ್ಲಿಯ ಪರಿಸರ ವನ್ನೇ ಹಾಳು ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದಾನೆ. ಪ್ರಗತಿಯ ನೆಪದಲ್ಲಿ ಅಣುಸ್ಥಾವರ ಸ್ಥಾಪಿಸುವವನು ಪರಿಸರ ರಕ್ಷಣೆಗೆ ಅಷ್ಟು ಗಮನ ಕೊಡುತ್ತಿಲ್ಲ. ಇದೆಲ್ಲ ಗಮನಿಸಿದಾಗ ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯಕ್ಕೆ ಸ್ವಾರ್ಥಿಯಾದ ಮಾನವನೇ ಕಾರಣ ಎಂಬ ಮಾತು ಕಟು ಸತ್ಯ.	मानव। अणुबांबों का उपयोग करके मनुष्यों और अन्य प्राणियो को मारने के साथ वहाँ के पर्यावरन का ही नाश कर रहा है। प्रगती के बहाने परमाणु मट्टी की स्थापना करने-वाला पर्यावरण की रक्षा के लिए थोडा भी ध्यान नहीं दे रहा है। इन सब की और ध्यान दें तो पर्या-वरण प्रदूषण के लिए स्वार्थी मानव ही कारण है। यह कटु सत्य है।
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ:	ಈಗ ಶಂಕರ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾನೆ.	अब शंकर बोलेंगे।
ಶಂಕರ :	ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯಕ್ಕೆ ಕೇವಲ ಬೆರಳೆಣಿಕೆ ಯಷ್ಟು ಜನ ತಮ್ಮ ದುರಾಸೆಯಿಂದ ಕಾರಣವಾಗಿರಬಹುದೇ ಹೊರತು ಇಡೀ ಮಾನವ ಜನಾಂಗ ಅಲ್ಲ. ಈಗ ಸುಮತಿ ಹೇಳಿದ ಹಾಗೆ ಕಾಡು ಕಡಿದು ಅರಣ್ಯ ನಾಶ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದಾರೆ ಎಂಬ ಆರೋಪ ಸತ್ಯಕ್ಕೆ ದೂರವಾಗಿದೆ. ಹೆಚ್ಚುತ್ತಿರುವ ಜನ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಅವಶ್ಯಕತೆಗಳನ್ನು ಪೂರೈ ಸಲು ಕಾಡನ್ನು ಕಡಿದಿರಬಹುದು. ಆದರೆ ಇನ್ನೊಂದು ಕಡೆ ಕಾಡು ಬೆಳೆಸಲು ಕ್ರಮ ಕೈಗೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಹಳ್ಳಿಯ ಜನರು ಮರ ಬೆಳೆಸಲು ಮುಂದೆ ಬಂದಾಗ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರೋತ್ಸಾಹ ಕೊಡಬಹುದು. ಕಲುಷಿತ ಹೊಗೆ ಮತ್ತು ನೀರನ್ನು ಹೊರ ಬಿಡುವ ಕಾರ್ಖಾನೆಗಳನ್ನು ಮುಚ್ಚಿಸಿದ್ದರೆ ಹಾನಿ ಕಡಿಮೆ ಆಗುತ್ತಿತ್ತು. ಈ ದಿಸೆಯಲ್ಲಿ ಈಗ ಕ್ರಮ ಕೈಗೊಳ್ಳುತ್ತಿರುವ ಸರಕಾರವನ್ನು	पर्यावरण प्रदूषण केलिए केवल उंग-लियों पर गिने जानेवाले लोग अपने लोभ से, कारण होते होंगे, परन्तु सारी मानव - जाती नहीं। अब जैसे सुमति ने कहा है कि जंगल काट कर नाश कर रहे है, वैसे यह आरोप सचाई से दूर है। बढनेवाली जनसंख्या की आवश्यकता पूर्ण करने केलिए जंगल को काट दिया होगा। लेकिन दूसरी जगह वनारो-पण केलिए कदम उठाये जा रहे हैं। गाँव के लोग पेड़ लगाने केलिए आगे आयें तो उन्हें प्रोत्साहन दे सकते हैं। दूषित धुएँ और पानी को बाहर छोड-नेवाले कारखानों को बन्द करवाया जाय तो हानी कम हो सकती थी। इस दिशा में सरकार इस समय जो

ಮೆಚ್ಚಬೇಕು. ಕಾಡು ಕಡಿಯುವುದನ್ನು ನಿಷೇಧಿಸಲಾಗಿದೆ. ರಸಾಯನಿಕ ಗೊಬ್ಬರಗಳ ಬಳಕೆಯಿಂದ ಆಹಾರ ಧಾನ್ಯಗಳ ಉತ್ಪಾದನೆ ಹೆಚ್ಚಾಗಿದೆ. ಜನ ಸಂಖ್ಯಾ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ ಸೂಕ್ತಕ್ರಮ ಕೈಗೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಅಣುಶಕ್ತಿ ಮಾನವನಿಗೆ ವರವೇ ಹೊರತು ಶಾಪವಲ್ಲ. ವಿದ್ಯುತ್ ಸಿಗದ ಈ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಣು ಸ್ಥಾವರದಿಂದ ಮಾನವನಿಗೆ ಅನೇಕ ಉಪಯೋಗಗಳಿವೆ. ಅದರಿಂದ ಆಗುವ ಹಾನಿ ತಡೆಯಲು ಸೂಕ್ತಕ್ರಮ ಕೈಗೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ ಆದ್ದರಿಂದ ಪ್ರಗತಿಯ ಹಾದಿಯಲ್ಲಿ ಶರವೇಗದಲ್ಲಿ ನಡೆಯುತ್ತಿರುವಾಗ ತಪ್ಪುಗಳು ಆಗುವುದು ಸಹಜ. ಕನ್ನಡದ ಕವಿಯೊಬ್ಬರು ಹೇಳಿರುವ ಹಾಗೆ `ನಡೆಯುವವರು ಎಡವದೆ ಕುಳಿತವರು ಎಡವುವರೇ?' ಅನ್ನುವ ಮಾತು ಸತ್ಯ. ಮನಸ್ಸಿಟ್ಟು ಎಲ್ಲರೂ ಶ್ರಮಿಸಿದರೆ ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯವನ್ನು ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ತಡೆಗಟ್ಟಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯಕ್ಕೆ ಸ್ವಾರ್ಥಿಯಾದ ಮಾನವನೇ ಕಾರಣ ಎಂಬ ಮಾತು ಸತ್ಯಕ್ಕೆ ದೂರ–ವಾಗಿದೆ.

कार्रवाई कर रही है उस की प्रशंसा करनी चाहीए। जंगल काटने पर प्रतिबन्ध लगा दिया है। रासायनिक गोबरों के उपयोग से खाधान्न का उत्पादन बढ रहा है। जनसँख्या नियन्त्रण केलिए उचित कार्रवाई की जा रही है। अणुशकति मानव केलिए वर ही है पर शाप नहीं है। इस समय जब बिजली नहीं मिल रही है परमाणु भट्टी से मानव को कई लाभ हैं। उस से होनेवाली हा-नियों को रोकने केलिए कार्रवाई की जा रही है। इसलिए प्रगति के रास्ते पर अधिक वेग से बढ़ना है तो कुछ भूल होना सहज है। कन्नड के एक कवीने कहा है - `चलनेवाला ही ठोकर खाता है पर बैठनेवाला क्या ठोकर खाता है?' यह बात सच है। मन लगाकर सब लोग प्रयत्नशील रहें तो पर्यावरण प्रदूषण को पूर्णतः रोक सकते हैं। यह बात सत्य नहीं है कि पर्यावरण प्रदूषण केलिए स्वार्थी मानव ही कारण है।

ಉಪಾಧ್ಯಾಯ: ಚರ್ಚಾಸ್ಪರ್ಧೆ ಇಲ್ಲಿಗೆ ಮುಗಿಯುತ್ತೆ. ಯಾರಿಗೆ ಬಹುಮಾನ ಬಂದಿದೆ ಎಂಬುದನ್ನು ಸಂಜೆ 5 ಗಂಟೆಗೆ ಪ್ರಕಟಿಸುತ್ತೇವೆ. ಧನ್ಯವಾದಗಳು.

अब वाद-विवाद प्रतियोगिता समाप्त होगी। शाम के पाँच बजे धोषणा की जाएगी कि किसे इनाम मिला है। धन्यवाद।

शब्दार्थ

ನಿಮಿಷ	मिनिट
ಸ್ಪರ್ಧೆ	प्रतियोगिता
ಪರಿಸರ	पर्यावरण
ಅಭಾವ	अभाव
ಕೊಡುಗೆ	देन
ಕಲುಷಿತ	खराब
ಸಾಯುತ್ತವೆ	मर जाती
ಅನುಕೂಲ	सुविधा
ಸಾಧನೆ	प्राप्त करनेवाला
ಕಂಡುಹಿಡಿ	खोज लेना
ಇಡೀ	सारा
ಅಜಾಗರೂಕತೆ	लापरवाही
ಗೊಬ್ಬರ	खाद
ಕೀಟನಾಶಕ	कीटाणु नाशक
ನೆಪ	बहाना
ಗಮನ	ध्यान
ಪ್ರಕಟಿಸುತ್ತೇವೆ	धोषणा की जाएगी
ಇನ್ನೊಂದೆಡೆ	दूसरी जगह
ಮರ	पेड
ಮೆಚ್ಚಬೇಕು	प्रशंसा करनी चाहिए
ಆಹಾರಧಾನ್ಯ	खाधान्न
ಸೂಕ್ತ	उचित
ವಿದ್ಯುತ್	बिजली
ತಡೆಯಲು	रोकने
ಮುನ್ನಡೆ	बढ़ना
ಎಡವದೆ	बिना ठोकर खाए
ಬಹುಮಾನ	इनाम
ಚರ್ಚೆ	वादविवाद
ಆಗಲಿದೆ	होनेवाला है
ಮಾಲಿನ್ಯ	प्रदूषण
ತಪ್ಪೇನಲ್ಲ	दोष नहीं
ಸುಖಲೋಲುಪ	सुखी
ದಟ್ಟಹೊಗೆ	धना धुआँ
ಬಳಸುತ್ತಿರುವ	काम में आनेवाला
ಬಯಸುವುದು	प्राप्त करना
ತಿದ್ದಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು	सुधार लेना चाहिए
ಬಳಸಬಹುದು	उपयोग में ला सकते
ಸರಿಯಲ್ಲ	ठीक नहीं
ಕಲಬೆರಕೆ	मिलावट
ಬಳಸಿ	उपयोग कर
ಕುಗ್ಗಲು	कम करने के लिए
ಅಣುಸ್ಥಾವರ	अणुस्थावर
ಬೆರಳೆಣಿಕೆಯಷ್ಟು ಜನ	उंगलीयों पर गिने जानेवाले लोग
ಬೆಳೆಸಲು	लगाना
ಮುಚ್ಚಿಸಿದ್ದರೆ	बन्द करवाया जाय तो।
ನಿಷೇಧಿಸಲಾಗಿದೆ	प्रतिबन्ध लगा दिया
ಉತ್ಪಾದನೆ	उत्पादन
ಕ್ರಮ	कार्रवाही
ಅಣುಸ್ಥಾವರ	परमाणु भट्टी
ಶರವೇಗ	आधिक वेग
ನಡೆಯುವವರು	चलनेवाले
ಮುಗಿಯುತ್ತೆ	समाप्त होती है
ಸಂಜೆ	शाम को

अभ्यास

I. वार्तालाप के सन्दर्भ में निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ಚರ್ಚೆಯ ವಿಷಯ ಏನು?
2. ವಿಜ್ಞಾನದ ಕೊಡುಗೆಗಳಿಂದ ಸುಖಲೋಲುಪ ಜೀವನ ಮಾಡುತ್ತಿರುವವರು ಯಾರು?
3. ಪ್ರಕೃತಿ ದತ್ತವಾಗಿ ಸಿಗುವ ಗಾಳಿ. ನೀರು ಏಕೆ ಕಲುಷಿತವಾಗಿವೆ?
4. ವಿಜ್ಞಾನದ ಕೊಡುಗೆಗಳು ಏನು ಸಂಕ್ಷಿಪ್ತವಾಗಿ ಬರೆಯಿರಿ.
5. ಅರಣ್ಯ ನಾಶಕ್ಕೆ ಕಾರಣ ಯಾರು?

II. वार्तालाप के आधार पर निम्न लिखित कथनों में जो सत्य हों उन्हें (✓) चिन्हित कीजीए।

1. ವಿಜ್ಞಾನದ ಪ್ರಗತಿಯಿಂದ ಪರಿಸರದ ಮೇಲೆ ಅನೇಕ ಒಳ್ಳೆಯ ಪರಿಣಾಮಗಳು ಆಗುತ್ತಿವೆ.
2. ಪ್ರಕೃತಿ ದತ್ತವಾಗಿ ಸಿಗುವ ಗಾಳಿ, ನೀರು ಮತ್ತು ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥಗಳು ಕಲುಷಿತವಾಗಿವೆ.
3. ಫ್ಯಾಕ್ಟರಿಗಳಲ್ಲಿ ಕಡಿಮೆ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಹೆಚ್ಚು ಉತ್ಪಾದನೆ ಮಾಡುವುದಿಲ್ಲ.
4. ಅಣುಶಕ್ತಿಯಿಂದ ವಿದ್ಯುತ್ ಉತ್ಪಾದಿಸುತ್ತಾರೆ.
5. ರಸಾಯನಿಕ ಗೊಬ್ಬರಗಳ ಬಳಕೆಯಿಂದ ಆಹಾರ ಧಾನ್ಯಗಳ ಉತ್ಪಾದನೆ ಹೆಚ್ಚಾಗಿದೆ.

III. कोष्टक में दिए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर वाक्य पूरा कीजिए।

(ಹೊರಬಿಟ್ಟರೆ, ಜೀವಜಂತುಗಳು, ಸ್ವಾರ್ಥಿಯಾದ, ಸಮತೋಲನ, ಎಲ್ಲರೂ)

1. ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯಕ್ಕೆ .... ಮಾನವನೇ ಕಾರಣ.
2. ಕಲುಷಿತ ನೀರಿನಿಂದ .... ಸಾಯುತ್ತಿವೆ.
3. ಹೊಗೆಯನ್ನು ಶುದ್ಧಿಪಡಿಸದೆ .... ಪರಿಸರ ಕೆಡುತ್ತದೆ.
4. ಮನಸ್ಸಿಟ್ಟು ಶ್ರಮಿಸಿದರೆ ....ಮಾಲಿನ್ಯ ತಡೆಯಬಹುದು.
5 ಮಾನವ ಪ್ರಕೃತಿಯ .... ಕೆಡಲು ಕಾರಣನಾಗಿದ್ದಾನೆ.

IV. दिए हुए शब्दों का प्रयोग कर के पाँच वाक्य वनाइए।

ರಕ್ಷಣೆ, ಮಾಲಿನ್ಯ, ಸಮತೋಲನ, ಜನಸಂಖ್ಯೆ, ಸ್ವಾರ್ಥಿ

V. शब्दों की इस प्रकार जोडी बनाइए जिस से सार्थकवाक्य बन जाएँ।

अ	इ
1. ಅಣು ಬಾಂಬುಗಳ ಬಳಸುವಿಕೆಯಿಂದ	अ. ಪರಿಸರ ಕೆಡಿಸುತ್ತದೆ.
2. ಕಾಡು ಕಡಿದು	आ. ಸ್ವಾರ್ಥಿಯಾದ ಮಾನವನೇ ಕಾರಣ.
3. ಕಲುಷಿತ ಹೊಗೆ ಮತ್ತು ನೀರು	इ. ಕುಳಿತವರು ಎಡವುವರೆ?
4. ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯಕ್ಕೆ	ई. ಜನರ, ಪ್ರಾಣಿಗಳ ಜೀವಹರಣವಾಗುತ್ತದೆ.
5. ನಡೆಯುವವರು ಎಡವದೆ	उ. ಅರಣ್ಯನಾಶ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದಾರೆ.

पढिए और समाझिए

ಕಿತ್ತೂರು ಚೆನ್ನಮ್ಮ
कित्तूरु चेन्नम्म

ಕನ್ನಡನಾಡಿನ ವೀರ ಮಹಿಳೆಯರಲ್ಲಿ ಅಗ್ರ ಪಂಕ್ತಿಗೆ ಸೇರಿರುವವಳು ಕಿತ್ತೂರು ಚೆನ್ನಮ್ಮ ತನ್ನ ರಾಜ್ಯದ ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ ರಕ್ಷಣೆಮಾಡುವ ಉದ್ದೇಶದಿಂದ ಬ್ರಿಟೀಷರ ವಿರುದ್ಧ ಹೋರಾಡಿದ ವೀರ ಮಹಿಳೆ. ಮಲ್ಲಸರ್ಜನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಹೈದರ್, ಟಿಪ್ಪು ಹಾಗೂ ಮರಾಠರು ಕಿತ್ತೂರಿನ ಮೇಲೆ ದಾಳಿ ಮಾಡಿದ್ದರು. ಮರಾಠರು ದೇಸಾಯಿಯನ್ನು ಸೆರೆಹಿಡಿದಿದ್ದರು. ದೇಸಾಯಿಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರಸಿದ್ಧನಾದ ಮಲ್ಲಸರ್ಜನ ಕಿರಿಯ ಹೆಂಡತಿ ಚೆನ್ನಮ್ಮ ಧೈರ್ಯದಿಂದ ರಾಜ್ಯದ ಆಡಳಿತ ಸೂತ್ರ ಹಿಡಿದಿದ್ದಳು. ಮಲ್ಲಸರ್ಜನ ಮಗ ಶಿವಲಿಂಗರುದ್ರಸರ್ಜ ಪಟ್ಟಕ್ಕೆ ಬಂದರೂ ಉಪಯೋಗವಾಗಲಿಲ್ಲ. ಅವನು ಎಂಟು ವರ್ಷಗಳು ಇದ್ದು ಕ್ಷಯರೋಗದಿಂದ ತೀರಿಕೊಂಡಾಗ ಚೆನ್ನಮ್ಮ ಎದೆಗುಂದಲಿಲ್ಲ. ಅವಳಿಗೆ ಮಕ್ಕಳಿರಲಿಲ್ಲ. ಇಂಗ್ಲೀಷರ ವಿರುದ್ಧ ಯುದ್ಧ ಮಾಡಬೇಕಾಗಿ ಬಂದಾಗ ಚೆನ್ನಮ್ಮ ಸೈನಿಕರನ್ನು ಹುರಿದುಂಬಿಸಿದಳು. ಕತ್ತಿಯನ್ನು ಹಿಡಿದು ಕುದುರೆಯನ್ನು ಏರಿ ಹೋರಾಡಿದ ಚೆನ್ನಮ್ಮ ಜಯಗಳಿಸಿದಳು. ಆದರೆ ಬ್ರಿಟಿಷರು ಅಪಾರ ಸೈನ್ಯ, ಫಿರಂಗಿಗಳ, ಅಶ್ವದಳದೊಂದಿಗೆ ಮತ್ತೊಮ್ಮೆ ಕಿತ್ತೂರಿನ ಮೇಲೆ ದಾಳಿ ಮಾಡಿದರು. ಆದರೆ ತನ್ನ ಶಕ್ತಿ ಮೀರಿ ಹೋರಾಡಿದ ಚೆನ್ನಮ್ಮ ಸೆರೆಯಾಗಬೇಕಾಯಿತು. ವೀರರಮಣಿ ಚೆನ್ನಮ್ಮ 1830 ಫೆಬ್ರವರಿ 28 ರಂದು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲೇ ಮೃತಳಾದಳು.

नए शब्द

ವೀರ	शूर, वीर	ಅಗ್ರ	पहला	ದಾಳಿ	चढाई
ಸೆರೆಹಿಡಿ	पकडना	ಆಡಳಿತ	शासन	ತೀರಿಕೊಳ್ಳು	मर जाना
ಎದೆಗುಂದು	धीरज खोना	ಹುರಿದುಂಬಿಸು	प्रोत्साह देना	ಮತ್ತೊಮ್ಮೆ	और एक बार

I. वाचनार्थ के सन्दर्भ में प्रशनों के उत्तर दीजिए।

1. ಚೆನ್ನಮ್ಮ ಯಾರ ವಿರುದ್ಧ ಹೋರಾಡಿದಳು?
2. ಮಲ್ಲಸರ್ಜನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಕಿತ್ತೂರಿನ ಮೇಲೆ ದಾಳಿ ಮಾಡಿದವರು ಯಾರು?
3. ಚೆನ್ನಮ್ಮ ಯಾರ ಹೆಂಡತಿ?
4. ಶಿವಲಿಂಗರುದ್ರಸರ್ಜ ಯಾವ ಕಾರಣದಿಂದ ತೀರಿಕೊಂಡ?
5. ಚೆನ್ನಮ್ಮ ಎಲ್ಲಿ ಮೃತಳಾದಳು?

II. शब्दों को उचित क्रम में प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. ವೀರಮಹಿಳೆ ಕಿತ್ತೂರು ಕನ್ನಡ ನಾಡಿನ ಚೆನ್ನಮ್ಮ
2. ಸೆರೆಯಾಗಬೇಕಾಯಿತು ಹೋರಾಡಿದ ಶಕ್ತಿ ಮೀರಿ ತನ್ನ ಚೆನ್ನಮ್ಮ
3. ಜಯಗಳಿಸಿದಳು ಏರಿ ಕತ್ತಿಯನ್ನು ಹೋರಾಡಿದ ಕುದುರೆಯನ್ನು ಹಿಡಿದು ಚೆನ್ನಮ್ಮ
4. ಮಾಡಿದ್ದರು ದಾಳಿ ಕಿತ್ತೂರಿನ ಮೇಲೆ ಹೈದರ ಟಿಪ್ಪು ಹಾಗೂ ಮರಾಠರು
5. ಹಿಡಿದಿದ್ದಳು ಸೂತ್ರ ಆಡಳಿತ ರಾಜ್ಯದ ಧೈರ್ಯದಿಂದ

III. कन्नड में अनुवाद कीजिए।

सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महिलाओं का योगदान रहा है। इसे ध्यान में रख कर सरकारने लडकियों और स्त्रियों को शिक्षा देने की और पूरा ध्यान दिया है। इस दिशा में समय-समय पर सरकारने अनेक उपाय किये हैं। बालिकाओं की शिक्षा को बढावा देने के उद्धेश्य से विशेष कार्यक्रम 1957 में प्रारम्भ किये गये। इस के आन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ, अध्यापिकाओं की रहने की व्यवस्था तथा उनके प्रशिक्षण केलिए विशेष वृत्तियाँ दी गई। इस नीती को लागू करने के बाद यह देखा गया कि विभिन्न वर्षों में लडकियों के स्कूल में दाखिला होने की दिशा में काफी प्रगति हुई और शिक्षा के मामले में लडके और लडकियों के बीच अन्तर काफी कम होता गया।

1982-83 तक 6 से 11 आयू वर्ग की 72 प्रतीशत लडकियोंने प्राथमिक पाठशालाओं में

प्रवेश लिया। जब की पहली पाँचवर्षी योजना के अन्त में 32.4 प्रतिशतने ही दाखिला लिया था। वर्ष 1983-85 तक 6 से 11 आयु वर्ग की 79 प्रतिशत लडकियोंने प्राथमिक पाठशालाओं में प्रवेश प्राप्त किया।

IV. उत्तरप्रदेश का ऐतिहासिक वीर नारी के बारे में कम से कम बीस वाक्य कन्नड में लिखिए।

ಪಾಠ 19
पाठ 19

ನಾನು ಕನ್ನಡ ಓದಬಲ್ಲೆ

मैं कन्नड पढ़ सकता हूँ

ಪಾಂಡೆ : ನಮಸ್ಕಾರ ಶರ್ಮಾ ಅವರೆ!	नमस्कार शर्माजी!
ಶರ್ಮಾ: ನಮಸ್ಕಾರ. ಏನು ಅಪರೂಪ ದರ್ಶನ ಮನೆ ಕಡೆ ಬರಲೇ ಇಲ್ಲ.	नमस्कार। आपका दर्शन दूर्लभ है। घर की तरफ आए ही नहीं।
ಪಾಂಡೆ : ಏನ್ಮಾಡೋದು? ಪುರಸೊತ್ತೇ ಇಲ್ಲ.	क्या किया जाय? अवसर ही नहीं मिलता।
ಸರೋಜ: ಗೃಹ ಪ್ರವೇಶಕ್ಕೆ ಬರಲೇ ಇಲ್ಲ.	गृहप्रवेश केलिए आये ही नहीं।
ಸರಸ್ವತಿ : ಗೃಹ ಪ್ರವೇಶಕ್ಕೆ ಬರಲೇಬೇಕು ಅಂತ ನಿಮ್ಮ ಯಜಮಾನರು ಹೇಳಿದ್ರು. ಆದರೆ ಮಕ್ಕಳ ಪರೀಕ್ಷೆ ಇತ್ತು. ಅದಕ್ಕೆ ಬರಲಿಲ್ಲ.	आपके पतिने कहा था कि गृहप्रवेश के लिए आना ही होगा। परन्तु बच्चों की परीक्षा थी। इसलिए नहीं आया।
ಪಾಂಡೆ : ನನ್ನದಂತೂ ಯಾಂತ್ರಿಕವಾದ ಜೀವನ ಆಗಿದೆ. ಕಛೇರಿಯಿಂದ ಬಂದ ಮೇಲೆ ಕಾಫಿ ಕುಡಿದು ನಾನು ಪೇಪರ್ ಓದ್ತೀನಿ. ಆ ಮೇಲೆ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಪಾಠ ಓದಿಸ್ತೀನಿ. ಊಟ ಆದಮೇಲೆ ಸ್ವಲ್ಪ ಅದೂ, ಇದು ಮಾಡಿ ಮಲಗೋದು. ಮತ್ತೆ ಎದ್ದು ಕಛೇರಿಗೆ ಹೋಗೋದು. ಹೀಗೆ ಆಗಿದೆ.	मेरा जीवन तो मशीनसा बन गया है। कचहरी से आने के बाद काफी पीकर समाचार - पत्र पढता हूँ। फिर बच्चों को (पाठ) पढाता हूँ। भोजन के बाद थोडा छोटा-मोटा काम कर सो जाता हूँ। फिर उठ कर कचहरी जाता हूँ। ऐसा ही चल रहा है।
ಶರ್ಮಾ : ಈಗ ನೀನೇನು ಓದೋದು?	अब तुम क्या पढ रहे हो?
ಪಾಂಡೆ :ಇಲಾಖೆಯ ಪರೀಕ್ಷೆಗೆ ಕಟ್ಟಿದೀನಿ. ಅದಕ್ಕೆ ಹಗಲು ರಾತ್ರಿ ಓದ್ತೀನಿ. ಸರಸ್ವತಿ ಇಲ್ಲದಿದ್ರೆ ನನ್ನ ಪಾಡು ಬೇಡವೇಬೇಡ.	विभागीय परीक्षा मै बैठ रहा हूँ। इसलिए दिन-रात पढ़ता हूँ। सरस्वती नहीं होती तो मेरा जीव नही निरर्थक था।
ಸರಸ್ವತಿ : ಇವರಿಗಂತೂ ಕೈತುಂಬಾ ಕೆಲಸ. ನಮ್ಮ ಹುಡುಗರು ಇವರು ಇಲ್ಲದಿದ್ರೆ ಓದೋದೇ ಇಲ್ಲ.	उन के पास बहुत काम होते हैं। ये (घर पर) नहीं होते तो हमारे बच्चे

ಹಾಗಾಗಿ ಮನೆ ಬಿಟ್ಟು ಎಲ್ಲೂ ಹೋಗೋ ಹಾಗಿಲ್ಲ.	पढ़ते ही नहीं। इसलिए घर छोड़ कर कहीं नहीं जा सकते।
ರಂಜನ್ :ಇಲ್ಲ ಆಂಟಿ. ನಾನು ಓದ್ತೀನಿ. ನನ್ನ ತಮ್ಮ ದೀಪಕ್ ಓದಲ್ಲ.	नहीं आँटी। मैं पढता हूँ। मेरा छोटा भाई दीपक नहीं पढ़ता।
ಸರೋಜ :ಈಗ ನೀನು ಎಷ್ಟನೇ ಕ್ಲಾಸು?	अब तुम किस कक्षा में (पढ़ते हो)?
ರಂಜನ್ : ನಾನು ನಾಲ್ಕನೇ ಕ್ಲಾಸು. ದೀಪಕ್ ಮೂರನೇ ಕ್ಲಾಸು.	मैं-चौथी कक्षा में (पढ़ता) हूँ। दीपक् तीसरी (कक्षा) में (पढ़ता) है।
ಸರಸ್ವತಿ :ಓದ್ತೀನಿ ಅಂತಾನೆ. ಆದ್ರೆ ಯಾವಾಗಲೂ ಕಥೆ ಪುಸ್ತಕ ಓದೋದು, ಆಟ ಆಡೋದು ಅವನ ಕೆಲಸ.	यह कहता है कि पढ़ता हूँ। लेकिन हमेशा कहानी की किताब पढ़ता है और खेलना ही उसका काम है।
ಸರೋಜ : ದೀಪಕ್ ಮಾತಾಡ್ತಾನೇ ಇಲ್ಲ.	दीपक् बोलता ही नहीं।
ರಂಜನ್ : ಅಪ್ಪ ಚಾಕಲೇಟ್ ಕೊಡಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅದಕ್ಕೆ ಮುನಿಸಿಕೊಂಡಿದಾನೆ.	पिताजीने चाकलेट नहीं दिलाया। इसलीए नाराज है।
ಸರೋಜ : ನಾನು ಚಾಕಲೇಟ್ ಕೊಡ್ತೀನಿ. ತಗೋ. ದೀಪಕ್, ಮಕ್ಕಳು ಮುನಿಸಿಕೊಳ್ಳ ಬಾರದು.	मैं चाकलेट दे रही हूँ। लो। दीपक्, बच्चों को नाराज नहीं होना चाहिए।
ದೀಪಕ್ : ರಂಜನ್ ಹೇಳೋದು ಸುಳ್ಳು ಆಂಟೀ. ನಾನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕನ್ನಡ ಓದಬಲ್ಲೆ, ಲೆಕ್ಕ ಮಾಡಬಲ್ಲೆ. ಇವನು ಹೇಳಿಕೊಡಬೇಕಾಗಿಲ್ಲ.	आँटी, रंजन् का कहना झूठ है। मैं कन्नड अच्छी तरह पढ सकता हूँ। मैं गणित भी ठीक कर लेता हूँ। इसकी सिखाने की आवश्यकता नहीं।
ರಂಜನ್ :ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಓದಲ್ವಾ?	क्या अंग्रेजी नहीं पढ़ता है?
ದೀಪಕ್: ನಾನು ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಓದಲಾರೆ. ಉಚ್ಚಾರಣೆ ಕಷ್ಟ. ಅದಕ್ಕೆ ಓದಲ್ಲ.	मैं अंग्रेजी नहीं पढ सकता। उच्चारण में कष्ट है।इसलीए नहीं पढता।
ರಂಜನ್ : ಕನ್ನಡ ಪುಸ್ತಕ ಓದೋದಕ್ಕಿಂತ ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಪುಸ್ತಕ ಓದು. ಅದೇ ಬರುತ್ತೆ. ಓದದೇ ಇದ್ದರೆ ಹೇಗೆ ಬರುತ್ತೆ?	कन्नड पुस्तक पढ़ने के बदल अंग्रेजी पुस्तक पढ़ो। तब जान लेते। नहीं पढ़ेंगे तो कैसे आयेगी?
ದೀಪಕ್ :ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಓದಲಾರದ ಜನ ಬದುಕಲ್ವ? ಅಮ್ಮನಿಗೆ ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಬರುತ್ತಾ?	क्या अंग्रेजी नहीं पढनेवाले जी नहीं सकते? क्या माताजी अंग्रेजी जानती हैं?

ರಂಜನ್ : ಯಾರಿಗಿಂತ ಯಾರು ದೊಡ್ಡವರು ಆಂಟಿ?	आँटी, किस से कौन बड़ा है।
ಸರೋಜ : ಶಂಕರ್‌ಗಿಂತ ಪ್ರತಾಪ್ ದೊಡ್ಡವನು.	शंकर से प्रताप बड़ा है।
ಶಂಕರ್ : ಅವನಿಗಿಂತ ನಾನು ಚಿಕ್ಕವನಲ್ಲ. ಒಂದೇ ದಿನ ಹುಟ್ಟಿದ್ರೆ, ಅದೂ ಹನ್ನೆರಡು ನಿಮಿಷ ನಿಧಾನವಾಗಿ ಹುಟ್ಟಿದ್ರೆ ಚಿಕ್ಕವನಾಗ್ತೀನ?	उस से मैं छोटा नहीं हूँ। एक ही दिन में पैदा हो कर, वह भी बारह मिनिट बाद पैदा होकर भी क्या मैं छोटा हो सकता हूँ?
ಶರ್ಮಾ : ಇಬ್ಬರೂ ಅವಳಿ ಜವಳಿ ಮಕ್ಕಳು. ಪ್ರತಾಪ್‌ಗಿಂತ ಶಂಕರ ಹನ್ನೆರಡು ನಿಮಿಷ ಚಿಕ್ಕವನು. ಅಷ್ಟೇ.	दोनों जुडवा हैं। प्रताप से शंकर बारह मिनिट छोटा है। इतना ही है।
ಪ್ರತಾಪ್ : ನನ್ನನ್ನ ಅಣ್ಣ ಅಂತ ಕರಿಯೋ ಅಂದ್ರೆ ಪ್ರತಾಪ್ ಅಂತಾನೇ ಕರೀತಾನೆ.	मैं कहता हूँ कि मुझे बडा भैया कहो। तो भी वह प्रताप ही कहता है।
ಶಂಕರ್ : ನೀನು ನನ್ನ ಹಾಗೇ ಇದೀಯ. ಅದಕ್ಕೆ ಅಣ್ಣ ಅಂತ ಕರಿಯಲ್ಲ.	तुम मेरे ही जैसे हो। इसलिए बडा भैया नहीं कहता।
ಸರಸ್ವತಿ : ಮಕ್ಕಳ ಮಾತು ಚೆನ್ನಾಗಿರುತ್ತೆ.	बच्चों की बातें अच्छी लगती हैं।
ಪಾಂಡೆ : ಬಸ್ ಬರ್ತಾ ಇದೆ. ನಾವಿನ್ನು ಬರ್ತೀವಿ.	बस आ रही है। अब हम चलेंगे।
ಶರ್ಮಾ: ನಾವೂ ಇದೇ ಬಸ್ಸಿಗೆ ಬರೋದು. ನಡೀರಿ ಹೋಗೋಣ.	हम को भी इसी बस में आना है। चलो, चलेंगे।

शब्दार्थ

ಕಡೆ	ओर/तरफ	ಪುರುಸೊತ್ತೇ	अवसरही
ಓದಿಸ್ತೀನಿ	पढाता हूँ	ಇಲಾಖೆ	विभागीय
ಪರಿಕ್ಷೆಗೆ ಕಟ್ಟಿದೀನಿ	परीक्षा बैठा हूँ	ಪಾಡು	हाल
ಕೊಡಿಸಲಿಲ್ಲ	नहीं दिलाया	ಮುನಿಸಿಕೊಂಡಿದಾನೆ	नाराज है
ಸುಳ್ಳು	झूठ	ಲೆಕ್ಕ	गणित
ಹೇಳಿಕೊಡ ಬೇಕಾಗಿಲ್ಲ	सिखाना नहीं है	ಉಚ್ಚಾರಣೆ	उच्चारण
ಬದುಕಲ್ವೆ	नहीं जीते	ಇನ್ನಿಬ್ಬರು	और दो
ಆಡೋಕೆ	खेलने	ಏಟು	चोट

ಜಗಳ	झगडा	ಚಿಕ್ಕವನಲ್ಲ	छोटा नहीं
ನಿಧಾನವಾಗಿ	आइस्ते	ಅವಳಿ ಜವಳಿ	जुडवाँ

अभ्यास

I. ಕೆಳಗಿನ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿ.

1. ಯಾಂತ್ರಿಕ ಜೀವನ ಯಾರದು?
2. ಪಾಂಡೆ ಹಗಲುರಾತ್ರಿ ಏಕೆ ಓದುತ್ತಾರೆ?
3. ಕಥೆ ಪುಸ್ತಕ ಓದೋದು ಆಟ ಆಡೋದು ಯಾರು?
4. ದೀಪಕ್ ಏಕೆ ಮುನಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾನೆ?
5. ಪ್ರತಾಪ್ ತಲೆಗೆ ಹೊಡೆದವರು ಯಾರು?

II. ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ಪದಗಳಲ್ಲಿ ಸರಿಯಾದುದನ್ನು ಬಳಸಿ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಪೂರ್ತಿಮಾಡಿ.

(ಅವನು, ಮೂರನೆಯ, ಬರಲೇಬೇಕು, ಪರೀಕ್ಷೆಗೆ, ಓದಬಲ್ಲೆ)

1. ಗೃಹಪ್ರವೇಶಕ್ಕೆ .... ಅಂತ ನಿಮ್ಮ ಯಜಮಾನರು ಹೇಳಿದ್ರು.
2. ಇಲಾಖೆಯ .... ಕಟ್ಟಿದ್ದೀನಿ.
3. ದೀಪಕ್ .... ಕ್ಲಾಸು.
4. ಇವನಿಗಿಂತ .... ದೊಡ್ಡವನು.
5. ಕನ್ನಡ ಚೆನ್ನಾಗಿ ....

III. ಕೆಳಗೆ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ಪದಗಳನ್ನು ನಿಮ್ಮ ಸ್ವಂತ ವಾಕ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಿ.

ಬರೆಯಬಲ್ಲೆ, ಮಾಡಲೇಬೇಕು, ಓದಲೇಬೇಕು,
ಕುಡಿಯಲಾರೆ, ಮಾಡಲಾರೆ, ಮರಕ್ಕಿಂತ,
ಅವನಿಗಿಂತ, ಓದಿಸ್ತೀನಿ, ಯಾರಿಗಿಂತ

IV. ಹೊಂದಿಸಿ ಬರೆಯಿರಿ.

ಅ	ಆ
1. ನಮ್ಮ ಹುಡುಗರು 2. ಯಾಂತ್ರಿಕವಾದ ಜೀವನ 3. ಇಲಾಖೆಯ ಪರೀಕ್ಷೆಗೆ 4. ಅಮ್ಮನಿಗೆ ಇಂಗ್ಲೀಷ್ 5. ಅಪ್ಪ ಚಾಕಲೇಟ್	ಅ) ಕಟ್ಟಿದೀನಿ ಆ) ಆಗಿದೆ ಇ) ಓದೋದೇ ಇಲ್ಲ ಈ) ಬರತ್ತಾ? ಉ) ಕೊಡಿಸಲಿಲ್ಲ.

V. ಕೆಳಗೆ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಾಗಿ ಪರಿವರ್ತಿಸಿ.

ಉದಾಹರಣೆ: ನನಗಿಂತ ಅವನು ದೊಡ್ಡವನು

ನನಗಿಂತ ಅವನು ದೊಡ್ಡವನಾ?

1. ಇವಳಿಗಿಂತ ಅವಳು ಚಿಕ್ಕವಳು.
2. ಅಪ್ಪನಿಗಿಂತ ದೊಡ್ಡಪ್ಪ ದೊಡ್ಡವರು.
3. ಕಾರಿಗಿಂತ ಬಸ್ಸು ದೊಡ್ಡದು.
4. ರಾಜ್ಯಕ್ಕಿಂತ ದೇಶ ದೊಡ್ಡದು.
5. ನನಗಿಂತ ನೀನು ದೊಡ್ಡವನು.

ಓದಿ ಮತ್ತು ಅರ್ಥ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಿ.

ರಾಮ ಲಕ್ಷ್ಮಣ
राम लक्ष्मण

ರಾಮ ಲಕ್ಷ್ಮಣನ ಅಣ್ಣ. ಲಕ್ಷ್ಮಣ ರಾಮನಿಗಿಂತ ಆರು ವರ್ಷ ಚಿಕ್ಕವನು. ರಾಮ ಬುದ್ಧಿವಂತ. ಓದುವುದು ಅಂದರೆ ಅವನಿಗೆ ಬಹಳ ಇಷ್ಟ. ರಾಮ ಒಳ್ಳೆಯವನು. ಚೆನ್ನಾಗಿ ಓದುತ್ತಾನೆ. ಚೆನ್ನಾಗಿ ಬರೆಯುತ್ತಾನೆ. ಆದರೆ ಲಕ್ಷ್ಮಣ ಮನಸ್ಸಿಟ್ಟು ಓದಲಾರದ ಹುಡುಗ. ಆದರೂ ಚುರುಕು ಬುದ್ಧಿಯ ಲಕ್ಷ್ಮಣ ಯಾವಾಗಲೂ ರಾಮನನ್ನು ಅಣಕಿಸುತ್ತಿದ್ದ. ಲಕ್ಷ್ಮಣ ಕೀಟಲೆ ಮಾಡಿ ಆಟಕ್ಕೆ ಕರೆಯುತ್ತಿದ್ದ. ಆಟಕ್ಕಿಂತ ಓದುವುದೇ ಒಳ್ಳೆಯದು ಎಂದು ರಾಮ ಹೇಳಿದರೆ ಅದಕ್ಕೆ ಓದಿಗಿಂತ ಆಟ ಮುಖ್ಯ, ಆರೋಗ್ಯ ಚೆನ್ನಾಗಿರುತ್ತದೆ ಎಂದು ವಾದಿಸುತ್ತಿದ್ದ. `ನಿನಗೆ ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಓದಿಸುತ್ತೇನೆ', ಎಂದು ರಾಮ ಹೇಳಿದರೆ ಅದಕ್ಕೆ ನಾನು ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಓದಲಾರೆ. ಕನ್ನಡವನ್ನು ಮಾತ್ರ ಓದುತ್ತೇನೆ' ಎಂದು ಲಕ್ಷ್ಮಣ ಹೇಳುತ್ತಿದ್ದ. ಪುಟಾಣಿ ಮಕ್ಕಳ ಜಗಳ ನೋಡಿ ತಂದೆ ತಾಯಿ ಖುಷಿ ಪಡುತ್ತಿದ್ದರು.

नए शब्द

ಮನಸ್ಸಿಟ್ಟು	दिल लगाकर	ಚುರುಕಾದ	तेज
ಅಣಕಿಸು	परिहास कर, हँसी करके	ಕೀಟಲೆ	शोर मचाकर
ಪುಟಾಣಿ ಮಕ್ಕಳು	छोटे बच्चे		

I. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿ.

1. ಓದುವುದು ಅಂದರೆ ಯಾರಿಗೆ ಇಷ್ಟ.
2. ಮನಸ್ಸಿಟ್ಟು ಓದಲಾರದ ಹುಡುಗ ಯಾರು?
3. ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಓದಲಾರೆ ಎಂದವರು ಯಾರು?
4. ಆಟಕ್ಕೆ ಕರೆಯುತ್ತಿದ್ದವರು ಯಾರು?
5. ಪುಟಾಣಿ ಮಕ್ಕಳ ಜಗಳ ನೋಡಿ ಖುಷಿಪಡುತ್ತಿದ್ದವರು ಯಾರು?

II. ಈ ಪದಗಳನ್ನು ನಿಮ್ಮ ಸ್ವಂತ ವಾಕ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಿ.

ಚಿಕ್ಕವನು, ಬುದ್ಧಿವಂತ, ದೊಡ್ಡದು, ಒಳ್ಳೆಯವನು,

ಜಾಣ, ದಡ್ಡ, ಚಿಕ್ಕದು, ಗಿಡಕ್ಕಿಂತ, ಮರ.

III. ಕನ್ನಡಕ್ಕೆ ಭಾಷಾಂತರಿಸಿ

सारा दिन फाइलों के निपटाने में मेरा मन नहीं लगा और मैंने मन ही मन त्याग-पत्र देने का फैसला कर लिया। यह सब सोचते मुझे अच्छा लगा था। क्योंकि नौकरी का रहना-न-रहना मेरे लिए महत्वपूर्ण नहीं था। एक छोटा-सा आदमी, मुझे बेइमान बनादे, मेरे आदर्श तोडदे, यह मैं कभी सहन नहीं कर सकता था। कहाँ मेरे आदर्श और कहाँ यह गया गुजरा आदमी। इन्सान और पशु में कुछ तो अन्तर होना चाहिए, शायद आदर्श ही। उसे अलगाते भी हैं। मेरे आदर्श मेरे प्राण हैं। मैं एक आदर्शवान व्यक्ति बन कर जीना- चाहता हूँ। यह मेरा अधिकार है। उसे कोई नहीं छीन सकता। मैं, केवल मैं हूँ, जानवारों के साथ रह कर जानवर नहीं बन सकता। मैं केवल मात्र आदमी बने रहना-चाहता हूँ। आदमी होना और आदमी बन कर जीना ही शायद सब से बडा सत्य ही है। मै किसी के इशारों पर नाचनेवाला मात्र बन्दर नहीं बनना चाहता था। मैं एक बार फिर से आदिम युग में लौटना नहीं चाहता था मैं तो अब सभ्य मानव हो गया था। तभी मुझे ध्यान आया अपनी बीबी और बच्चों का। मुझे पूरा विश्वास था कि सब मेरे विचारों से सहमत होंगे। मैं जल्दी जल्दी घर की तरफ बढने लगा था। उस पल अपने आदर्शों और अपने परिवार के बारे में सोचना अच्छा लगा था, जो मेरे और मेरे आदर्शों का ही एक हिस्सा थे, जो मुझे अपने से अलग सोच भी नहीं सकते। तभी घर का द्वार खुला और पत्नीने बिना स्वागत किये ही पूछा- 'क्या वेतन मिल गया?'

IV. ನಿಮ್ಮ ಮೆಚ್ಚಿನ ಮಗುವನ್ನು ಕುರಿತು 10 ವಾಕ್ಯ ಬರೆಯಿರಿ.

टिप्पणियाँ

कन्नड में तुलना का बोध करानेवाले वाक्यों को इस प्रकार बनाया जाता है।

उदाहरण: ನನಗಿಂತ ಅವನು ದೊಡ್ಡವನು. –मुझ से वह बडा है।

ಈ ಮನೆಗಿಂತ ಆ ಮನೆ ಚಿಕ್ಕದು. इस घर से वह घर छोटा है।

जिस शब्द से तुलना की जाती है उस में पहले सम्प्रदान कारक की विभाक्ति लगाकर 'ಇಂತ' चिन्ह लगाते हैं

उदाहरण:ನನಗೆ + ಇಂತ – ನನಗಿಂತ – मुझ से

ನನಗಿಂತ ಇವಳು ಚಿಕ್ಕವಳು. –मूझ से यह छोटी है।

इस प्रकार `ಇಂತ' उत्तरावस्या का बोधक है। हिन्दी में इस का कोई समान रूप नहीं है।परन्तु इस का प्रयोग हिन्दी के वाक्य `राम से श्याम बडा है।' मे `से' की तरह होता है।

प्रश्नवाचक सर्वनामों के सम्प्रदान रूप के बाद `ಇಂತ ' जोड कर प्रश्नवाचक रूप बनाये जाते हैं।

उदाहरण: ಯಾರಿಗೆ + ಇಂತ – ಯಾರಿಗಿಂತ

ಯಾರಿಗಿಂತ ಯಾರು ದೊಡ್ಡವರು ಆಂಟಿ?

आँटी किस से कौन बड़ा है?

II. विशेषण में अन्य पुरुष मनुष्यवाचक सर्वनाम रूप लगाकर मनुष्य वाचक सँज्ञा बनाई जाती है।

उदाहरण: ಒಳ್ಳೆಯ + ಅವನು - ಒಳ್ಳೆಯವನು - अच्छा आदमी

ರಾಮ ಒಳ್ಳೆಯವನು. -राम अच्छा आदमी है।

ಕೆಟ್ಟ + ಅವಳು - ಕೆಟ್ಟವಳು - बुरी स्त्री

ಲಕ್ಷ್ಮೀ ಕೆಟ್ಟವಳು. - लक्श्मी बूरी स्त्री है।

III.संस्वयाचक शब्दों में `ಅನೆಯ' जोडकर क्रमवाचक संख्यायें बनाई जाती हैं।

उदाहरण: ಒಂದು + ಅನೆಯ – ಒಂದನೆಯ – पहला

ನಾನು ಒಂದನೆಯ ತರಗತಿ. –मैं पहली कक्षामें हूँ।

ಮೂರು + ಅನೆಯ – ಮೂರನೆಯ – तीसरा

ಅವಳು ಮೂರನೆಯ ತರಗತಿ. – वह तीसरी कक्षामें है।

`पहला' शब्द के लिए कन्नड में दो शब्दों - `ಒಂದನೆಯ' और `ಮೊದಲನೆಯ' का प्रयोग होता है। जब किसी चीज का निश्चित रूप से बोध कराना होता है (विशेषकर तरीख के लिए) तो `ಒಂದನೆಯ ' का प्रयोग होता है। वाक्य स्थितियों मे `ಮೊದಲನೆಯ' का प्रयोग होता है।

ನಮ್ಮ ಮನೆ ಎಡಗಡೆಯಿಂದ ಎರಡನೆಯದು –

हमारा घर बायें से दूसरा है।

इस वाक्य में `ಎರಡನೆಯದು' क्रमवाचक संख्या शब्द है। इस का अर्थ हिन्दी में `हमारा घर बायें से दूसरा है ' जैसा है। इस का प्रश्नवाचक रूप `ಎಷ್ಟನೆಯ' `ಎಷ್ಟನೆಯದು' `कौन सा ' है।

उदाहरण: ನೀನು ಎಷ್ಟನೆಯ ತರಗತಿ? - तुम किस कक्षा में हो?

IV. ಎ, ನೇ, ಲೇ का प्रयोग बल देने केलिए किया जाता है।

उदाहरण: 1. ತಲೆಗೆ + ಎ – ತಲೆಗೇ – सिर को ही

ನನ್ನ ತಲೆಗೇ ಹೊಡೆದುಬಿಟ್ಟ – मेरे सिर को ही मारा।

2. ಮನೆ + ನೆ – ಮನೇನೇ – घर ही

ನನಗೆ ಮನೇನೇ ಇಲ್ಲ. –मेरा घर ही नहीं है।

3. ಬರು + ಲೇ – ಬರಲೇ – आया ही

ಅವನು ಶಾಲೆಗೆ ಬರಲೇ ಇಲ್ಲ. – वह पाठशाला ही नहीं आया।

V. कन्नड में क्रिया में `ಬಲ್' एक चिन्ह हैं, जिसे लगाकर शक्यता (कर सकना) का बोध कराया जाता है। इस चिन्ह को नीचे लिखे ढंग से लगते हैं।

मूल क्रिया रूप+ಅ+ ಬಲ್+ पुरुष, लिंग वचन के प्रत्यय।

उदाहरण: ಬರೆ + ಅ + ಬಲ್ + ಎ – ಬರೆಯ ಬಲ್ಲೆ – लिख सकता हूँ।

ನಾನು ಕನ್ನಡ ಬರೆಯಬಲ್ಲೆ. –मैं कन्नड लिख सकता हूँ।

ಬಲ್ चिन्ह के स्थान पर ಅಲ್और ಆರ್ चिन्ह लगाकर इस का निषेधात्मक रूप बनाया जाता है।

उदाहरण: ಬರೆ + ಅ + ಅಲ್ + ಆರ್ + ಎ – ಬರೆಯಲಾರೆ.

ನಾನು ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಬರೆಯಲಾರೆ. – मैं अंग्रेजी लिख नहीं सकता।

ಪಾಠ पाठ 20

ನಿನ್ನನ್ನೇ ನೋಡೋಣ ಅಂತ ಬಂದೆ — तुझे ही देखने आया

ಯಾದವ್ : ನಮಸ್ಕಾರ ರಾಜಣ್ಣ!	नमस्कार राजण्ण।
ರಾಜಣ್ಣ : ನಮಸ್ಕಾರ. ಬನ್ನಿ ಯಾದವ್! ಏನು ಇಷ್ಟು ದೂರ?	नमस्कार! आइए यादवजी। क्या इतनी दूर (आये)?
ಯಾದವ್ : ನಿನ್ನನ್ನೇ ನೋಡೋಣ ಅಂತ ಮನೆಗೆ ಹೋಗಿದ್ದೆ. ಅವರು ಹೊಸ ಮನೆಯ ಹತ್ತಿರ ಹೋಗಿದಾರೆ ಅಂತ ಹೇಳಿದರು.	तुझे ही देखने के लिए घर गया था। वहाँ बताया कि आप नये घर के पास गये हैं।
ರಾಜಣ್ಣ : ಏನು ವಿಶೇಷ?	कोई खास बात है?
ಯಾದವ್ : ಒಂದು ಸ್ಕೂಟರ್ ಕೊಂಡುಕೊಳ್ತೀನಿ ಅಂತ ಹೇಳಿದ್ದೆನಲ್ಲ. ಈಗ ಸ್ಕೂಟರ್ ಅಡ್ವಾನ್ಸ್ ಬಂದಿದೆ. ಅದರ ಮೇಲೆ ಒಂದಷ್ಟು ದುಡ್ಡು ಹಾಕಿ, ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳೋಣ ಅಂತ ಇದೀನಿ. ನಿನ್ನ ಸ್ಕೂಟರನ್ನ ಮಾರ್ತೀನಿ ಅಂತ ಹೇಳಿದ್ದಲ್ಲ. ಅದಕ್ಕೆ ಕೇಳೋಣ ಅಂತ ಬಂದೆ.	एक स्कूटर खरीदना है। यह बात बतायी न? अब स्कूटर के लिए अग्रिम आया है। चाहता हूँ कि उस पर कुछ रुपये लगाकर खरीदूँ। तू बताया था कि अपना स्कूटर बेच रहे है। इसीलिए पूछने आया।
ರಾಜಣ್ಣ : `ರೋಗಿ ಬಯಸಿದ್ದೂ ಹಾಲು ಅನ್ನ, ಡಾಕ್ಟರ್ ಹೇಳಿದ್ದೂ ಹಾಲು ಅನ್ನ', ಅಂತ ಸಮಯಕ್ಕೆ ಸರಿಯಾಗಿ ಬಂದಿರಿ. ಒಳ್ಳೆಯದು, ನಾನೂ ಸ್ಕೂಟರ್ ಮಾರೋಕೆ ಯಾರು ಯಾರನ್ನೋ ಕೇಳ್ತಾ ಇದ್ದೆ.	`रोगी की चाह भी वही, डाक्टर की सलाह भी वही।' ठीक समय पर आए। अच्छा, मैं भी स्कूटर बेचने केलिए कई लोगों से पुछ्ता रहा।
ಯಾದವ್ : ಬೆಲೆ ಎಷ್ಟು ಹೇಳಪ್ಪ.	बताओ भाई, दाम क्या है?

ರಾಜಣ್ಣ	: ಹೇಳುವುದೇನು ಬಂತು. ನಿಮಗೇ ಗೊತ್ತು. ಹೊಸ ಸ್ಕೂಟರ್ ನಾನು ಕೊಂಡುಕೊಂಡು 6 ತಿಂಗಳು ಆಗಿದೆ. ಕೊಳ್ಳುವಾಗ ಇಪ್ಪತ್ತು ಸಾವಿರದ ಐದು ನೂರು ರೂಪಾಯಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೀನಿ. ನಿಮ್ಮ ನನ್ನಲ್ಲಿ ಚೌಕಾಶಿ ಯಾಕೆ?ಎಷ್ಟು ಕೊಡ್ತಿಯೋ ಕೊಡು.	क्या बताना? तुम ही को मालुम है। नया स्कूटर खरीदे 6 महिने हुए। खरीदते वक्त बीस हजार पाँच सौ रुपये दिये हैं। मुझ में और तुम में मोल भाव है क्या? जितना देना चाहते हो दे दो।
ಯಾದವ್	: ನೀನು 6 ತಿಂಗಳು ಉಪಯೋಗಿಸಿದೀಯ ಅಲ್ವಾ? ಈಗ ಯಾಕೆ ಮಾರ್ತೀಯಾ?	तुमने 6 महीनों तक चलाया है न? अब क्यों बेच रहे हो?
ರಾಜಣ್ಣ	: `ಮದುವೆ ಮಾಡಿ ನೋಡು, ಮನೆ ಕಟ್ಟಿ ನೋಡು.' ಅನ್ನೋ ಗಾದೆ ನೀನು ಕೇಳಿಲ್ವೆ? ಮನೆಕಟ್ಟಿ ಮುಗಿಸೋದು ಎಷ್ಟು ಕಷ್ಟ ಅಂತ ಗೊತ್ತಾ?	क्या तुमने कहावत नहीं सुनी-`शादी करके देखो, धर बनाके देखो?' क्या तुम जानते हो कि घर बना कर पूरा करना कितना कष्टकर है?
ಯಾದವ್	: ನಾನು ಕಟ್ಟಿಸಿದ್ರೆ ತಾನೆ ಗೊತ್ತಾಗೋದು.	मैंने बनवाया होता तो मालुम होता था।
ರಾಜಣ್ಣ	: ಮನೆ ಕಟ್ಟಿಸೋಕೆ ಪ್ರಾರಂಭ ಮಾಡಿದಾಗ ನನ್ನ ಹತ್ತಿರ ಸಾಕಷ್ಟು ಹಣ ಇತ್ತು. ಓಡಾಡೋಕೆ ಆಗುತ್ತೆ ಅಂತ ಸ್ಕೂಟರ್ ಕೊಂಡುಕೊಂಡೆ. ಆದರೆ ಇನ್ನೂ ಪ್ಲಾಸ್ಟರಿಂಗ್ ಮುಗಿದಿಲ್ಲ. ಹಣ ಎಲ್ಲಾ ಖರ್ಚಾಯ್ತು.	घर बनाने लगा तो मेरे पास काफी पैसा था। इधर उधर फिरने केलिए स्कूटर खरीधे। पर अभी प्लास्टरिंग पूरा नहीं हुआ। सारा पैसा खर्च हो गया है।
ಯಾದವ್	: ಅಲ್ಲಿ–ಇಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲಾದರೂ ಸಾಲಗೀಲ ಮಾಡಿ ಮುಗಿಸು.	जहाँ कहीं से कर्ज-वर्ज लेकर पूरा करो।
ರಾಜಣ್ಣ	: ನಮ್ಮ ಊರಿನಲ್ಲಿ ಸಾಲ ತಂದೆ. ನಮ್ಮ ಅತ್ತೆಯ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಸಾಲ ತಂದೆ. ಯಾವ ಜಾಗದಲ್ಲಿ ಸಾಲ ಸಿಗುತ್ತೋ ಅಲ್ಲೆಲ್ಲ ತಂದೆ. ಹಣ ಖರ್ಚಾಗ್ತಾನೇ ಇದೆ. ಮನೆ ಕೆಲಸ ಮಾತ್ರ ಮುಗಿದಿಲ್ಲ. ನಿನಗೆ ತಿಳೀತಾ?	हमारे गाँव में कर्जा ले लिया। आपनी सांस के यहाँ कर्जा लिया। जहाँ कहीं कर्ज मिल सकता था सभी ओर से ले आया। पैसा खर्च होता ही रहता है। घर का काम समाप्त ही नहीं हुआ। क्या तुम को मालुम हुआ?

ಯಾದವ್ :	ತಿಳೀತು ನಿಜ. ಆದರೆ ನಿನ್ನ ಹತ್ತಿರ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಇದೆ ಅಂತ ಲೆಕ್ಕಾಚಾರ ಮಾಡಿ ಅಷ್ಟಷ್ಟನ್ನು ಕಟ್ಟಿಸಿದ್ರೆ ಆಗುತಿತ್ತು ಅಲ್ವಾ?	मालुम हुआ सच्चाई। लेकिन तुम्हारे पास जितना पैसा था उतना पैसा हिसाब किताब कर उतना बनवाते तो अच्छा होता था न?
ರಾಜಣ್ಣ :	ಲೆಕ್ಕಾಚಾರ ಮಾಡಿದ್ದೆ ಮಾರಾಯ! ನಕ್ಷೆ ಬರೆಸಿದ್ದೆ. ಆದರೆ ನನ್ನ ಹೆಂಡತಿ ಮಾತು ಕೇಳಬೇಕಲ್ಲ? ಅಡಿಗೆ ಮನೆ ದೊಡ್ಡದಾಗಿ ಇರಬೇಕು. ಹಾಲು ದೊಡ್ಡದಾಗಿ ಇರ–ಬೇಕು. ದೇವರಮನೆ ವಿಶಾಲವಾಗಿರ–ಬೇಕು. ಸ್ನಾನದಮನೆಗೆ ಪೂರ್ತಿ ಟೈಲ್ಸ್ ಹಾಕಬೇಕು. ಅಂತ ನನ್ನ ತಲೆ ಕೆಡಿಸಿ ಯೋಜನೆಯೆಲ್ಲ ತಲೆಕೆಳಗಾಯ್ತು.	भाई साहब हिसाब-किताब किया था। मैंने नक्षा बनवाया था। पर मेरी पत्नी को बात सुनना चाहिए न? रसोई घर बड़ा बनाना है। हाल बड़ा होना चाहिए। पूजा घर बड़ा होना चाहिए। स्नान-घर में पूरी टाइल्स लगानी है। इस तरह कह कह कर मेरा सिर खराब कर दिया। सारी योजना उल्टी हो गई।
ಯಾದವ್ :	ಆಗಲಿ ಬಿಡು. ನಕ್ಷೇನ ನೀನು ಮಾತ್ರ ಅಲ್ಲ, ನಿನ್ನ ಹೆಂಡತೀನೂ ಒಪ್ಪಬೇಕು ಅಲ್ವಾ?	जाने दो। नक्शे को सिर्फ तुम ही नहीं तुम्हारी पत्नी को भी माननी है न?
ರಾಜಣ್ಣ :	ಅದು ಸರಿ. ಈಗ ಮನೆ ದೊಡ್ಡದಾಗಿ ಇದೆ. ಆದರೆ ಜೇಬು ದೊಡ್ಡದಾಗಿ ಇಲ್ವಲ್ಲ. ಅದಕ್ಕೇ ಸ್ಕೂಟರ್ ಮಾರೋಣ ಅಂತ ಇದೀನಿ.	वह ठीक है। अब घर बड़ा तो हो गया। परन्तु जेब तो बड़ी नहीं है न? इसीलिए स्कूटर बेचना चाहता हूँ।
ಯಾದವ್ :	ಮನೆ ಕೆಲಸ ಯಾವಾಗ ಮುಗಿಯತ್ತೆ?	घर का काम कब समाप्त होगा?
ರಾಜಣ್ಣ :	ಸಾಕಷ್ಟು ಹಣ ದೊರೆತರೆ ಇನ್ನೆರಡು ತಿಂಗಳಲ್ಲಿ ಮುಗಿಯುತ್ತೆ ಅಂತ ಇಟ್ಕೊಳ್ಳೋಣ. ಒಂದು ಪಕ್ಷ ಹಣ ಸಿಗದಿದ್ರೆ, ...ದೇವರೇ ಗತಿ.	पर्याप्त पैसा मिला तो दो महीनों में पूर्ण होता; पहले हम यही सोचें। अगर संयोग वश पैसा नहीं मिला तो भगवान ही सहारा है।
ಯಾದವ್ :	`ಹಾಸಿಗೆ ಇದ್ದಷ್ಟು ಕಾಲು ಚಾಚು.' ಅನ್ನೋ ಹಾಗೆ ನಿನ್ನಲ್ಲಿದ್ದ ಹಣಕ್ಕೆ ಸರಿಯಾಗಿ ಕಟ್ಟಿಸಬಹುದಿತ್ತು.	कहावत है- नातें पाँव पसारिए जाती लंबी सैर।' आप के पास जितना पैसा था ठीक उसी पर बनवाना था।

ರಾಜಣ್ಣ	: ನಾನು ಒಪ್ಪಿದರೂ ನನ್ನ ಹೆಂಡತಿ ಒಪ್ಪ ಬೇಕಲ್ಲ.	मैं मानता भी तो मेरी पत्नी नहीं मानती।
ಯಾದವ್	: ಸರಿ. ಆದಷ್ಟು ಬೇಗ ಕಟ್ಟಿ ಮುಗಿಸು. ಹಾಗಾದ್ರೆ ಇಪ್ಪತ್ತು ಸಾವಿರ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಸ್ಕೂಟರ್ ಕೊಡಪ್ಪ.	अच्छा। यथा साध्य जल्दी बनाकर पूरा करो। फिर बीस हजार लेकर स्कूटर मुझे दे दो भाई।
ರಾಜಣ್ಣ	: ಅದರಲ್ಲೂ ಐದು ನೂರು ರೂಪಾಯಿ ಕಡಿಮೆ ಮಾಡ್ತೀರಿ?	मूल में भी पाँच सौ कम कर रहे हो क्या?
ಯಾದವ್	: ಸರಿ. ಹಾಗಾದ್ರೆ ನಾಳೆ ದುಡ್ಡು ತರ್ತೀನಿ. ಊಟಕ್ಕೆ ಮನೆಗೆ ಹೋಗುತ್ತೀಯಾ?	ठीक। कल पैसा लाऊँगा। क्या तुम भोजन करने घर जाते हो?
ರಾಜಣ್ಣ	: ಇಲ್ಲ. ದಿನಾ ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದೆ ಇವತ್ತು ಮಾತ್ರ ನಾನು ಊಟ ಮಾಡಲು ಕ್ಯಾಂಟಿನ್‌ಗೆ ಹೋಗ್ತೀನಿ.	नहीं। प्रतिदिन जाता था। आज मैं खाने केलिए कैंटीन जाता हूँ।
ಯಾದವ್	: ಸರಿ, ನಾಳೆ ಬರ್ತೀನಿ.	ठीक है। कल आऊँगा।
ರಾಜಣ್ಣ	: ಹೋಗಿದ್ದು ನಾಳೆ ಬರೋದು ಮಾತ್ರ ಮರೀಬೇಡ.	वहाँ जाकर कल आना भूलना नहीं।
ಯಾದವ್	: ಆಗಲಿ. ನಮಸ್ಕಾರ.	अच्छा है। नमस्कार।
ರಾಜಣ್ಣ	: ನಮಸ್ಕಾರ.	नमस्कार

शब्दार्थ

ಹೊಸ	नया	ಅಡ್ವಾನ್ಸ್	अग्रिम
ಮಾರೋಕೆ	बेचने के लिए	ಬೆಲೆ	दाम
ಚೌಕಾಸಿ	मोल भाव	ಗಾದೆ	कहावत
ಓಡಾಡೋಕೆ	घूमने फिरने केलिए	ಎಲ್ಲಾದರೂ	कहीं
ಅತ್ತೆ	साँस	ಲೆಕ್ಕಾಚಾರ	हिसाब-किताब
ತಲೆಕೆಳಗಾಯ್ತು	माथा उलटा हुआ	ಒಪ್ಪಬೇಕು	मानना चाहिए
ಜೇಬು	जेब	ಸಾಕಷ್ಟು	पर्याप्त

ಒಂದು ಪಕ್ಷ ಅಗर असलु मूल

ಮರೀಬೇಡ मत भूलो

ಹಾಸಿಗೆ ಇದ್ದಷ್ಟು ಕಾಲು ಚಾಚು नाते पाँव पसारिये जाती लंबी सैर

अभ्यास

I. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿ.

1. ಸ್ಕೂಟರ್ ಅಡ್ವಾನ್ಸ್ ಯಾರಿಗೆ ಬಂದಿದೆ?
2. ಸ್ಕೂಟರ್ ಮಾರುತ್ತಿರುವವರು ಯಾರು?
3. ರಾಜಣ್ಣ ಸ್ಕೂಟರ್ ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳುವಾಗ ಎಷ್ಟು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದರು?
4. ಮನೆ ಕಟ್ಟುವಾಗ ರಾಜಣ್ಣನ ಲೆಕ್ಕಾಚಾರ ಏಕೆ ತಲೆಕೆಳಗಾಯ್ತು?
5. ಸ್ಕೂಟರ್ ಏಕೆ ಮಾರುತ್ತಿದ್ದಾರೆ?

II. ಹೊಂದಿಸಿ ಬರೆಯಿರಿ.

ಅ	ಆ
1. ನಿನ್ನ ನನ್ನಲ್ಲಿ	ಅ) ಡಾಕ್ಟರ್ ಹೇಳಿದ್ದೂ ಹಾಲು ಅನ್ನ
2. ಸಾಕಷ್ಟು ಹಣ ದೊರೆತರೆ	ಆ) ಮನೆ ಕಟ್ಟಿನೋಡು
3. ರೋಗಿ ಬಯಸಿದ್ದೂ ಹಾಲು ಅನ್ನ	ಇ) ಹೇಳಿದ್ದಾರೆ.
4. ಮದುವೆ ಮಾಡಿ ನೋಡು	ಈ) ಚೌಕಾಶಿ ಯಾಕೆ?
5. ಮನೆಗೆ ಬನ್ನಿ ಅಂತ	ಉ) ಇನ್ನೆರಡು ತಿಂಗಳಲ್ಲಿ ಮುಗಿಯುತ್ತೆ ಅಂತ ಇಟ್ಕೊಳ್ಳೋಣ.

III. ಈ ಪದಗಳನ್ನು ಬಳಸಿಕೊಂಡು ಮನೆ ಕಟ್ಟುವ ಕುರಿತು 5 ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿರಿ.

ಸೈಜುಕಲ್ಲು, ಇಟ್ಟಿಗೆ, ಸಿಮೆಂಟು, ಹಣ, ಉಳಿತಾಯ,
ಸಾಲ, ಓಡಾಟ, ನಕ್ಷೆ, ಇಂಜಿನಿಯರ್, ನೀರು, ವಿದ್ಯುತ್.

IV. ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ಪದಗಳಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತವಾದುದನ್ನು ಬಳಸಿ ವಾಕ್ಯ ಪೂರ್ಣ ಮಾಡಿ.

(ಕೊಂಡುಕೊಳ್ತೀನಿ, ಅಂತ, ಸಾಕಷ್ಟು, ದೊಡ್ಡದಾಗಿ, ಚೌಕಾಶಿ)

1. ನಿನ್ನನ್ನೇ ನೋಡೋಣ -------- ಮನೆಗೆ ಹೋಗಿದ್ದೆ.
2. ಒಂದು ಸ್ಕೂಟರ್ -------- ಅಂತ ಹೇಳಿದ್ದೆನಲ್ಲ.
3. ನಿನ್ನ ನನ್ನಲ್ಲಿ --------ಯಾಕೆ?
4. ಅಡಿಗೆಮನೆ --------- ಇರಬೇಕಾಗಿತ್ತು.
5. ನನ್ನ ಹತ್ತಿರ --------- ಹಣ ಇತ್ತು.

V. ಈ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಪ್ರಶ್ನಾರ್ಥಕ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನಾಗಿ ಪರಿವರ್ತಿಸಿ.

ಉದಾಹರಣೆ : ಇನ್ನೆರಡು ತಿಂಗಳಲ್ಲಿ ಮುಗಿಯುತ್ತೆ.

ಇನ್ನೆರಡು ತಿಂಗಳಲ್ಲಿ ಮುಗಿಯುತ್ತಾ?

1. ಸ್ವಲ್ಪ ಕಟ್ಟಿಸಿದ್ರೆ ಆಗತ್ತೆ.
2. ಪೆಟ್ರೋಲ್ ಹಾಕಿಸಿದರೆ ಸ್ಕೂಟರ್ ಓಡುತ್ತೆ.
3. ಸ್ನಾನದ ಮನೆಗೆ ಟೈಲ್ಸ್ ಹಾಕಿಸಬೇಕಾಗತ್ತೆ.
4. ಮನೆ ವಿಶಾಲವಾಗಿ ಇರಬೇಕಾಗತ್ತೆ.
5. ನಕ್ಷೇನ ನಿನ್ನ ಹೆಂಡತೀನೂ ಒಪ್ಪಬೇಕಾಗತ್ತೆ.

ಓದಿ ಮತ್ತು ಅರ್ಥ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಿ

ಅಕ್ಕ ಮಹಾದೇವಿ
अक्क महादेवि

ಕನ್ನಡದ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಕವಯಿತ್ರಿ ಅಕ್ಕ ಮಹಾದೇವಿ. ಶಿವನಲ್ಲಿ ಅಪಾರವಾದ ಭಕ್ತಿ ಇಟ್ಟಿದ್ದ ಅಕ್ಕ ಮಹಾದೇವಿ, ಶಿವನೇ ತನ್ನ ಪತಿ ಎಂದು ಭಾವಿಸಿದ್ದಳು. ಊರಿನ ರಾಜ ಕೌಶಿಕನ ದೃಷ್ಟಿ ಈ ಯುವತಿಯ ಮೇಲೆ ಬಿದ್ದಾಗ, ಅವಳನ್ನು ಮದುವೆ ಆಗ ಬಯಸಿದ. ಆದರೆ ಅವಳಿಗೆ ಈ ಮದುವೆ ಇಷ್ಟವಿರಲಿಲ್ಲ. ಮದುವೆ ಆಗದಿದ್ದರೆ ತಂದೆ-ತಾಯಿಗಳಿಗೆ ತೊಂದರೆ ಕೊಡುವವನು ಈ ರಾಜ ಎಂದು ತಿಳಿದು ಮದುವೆಯಾದಳು.

ಕೌಶಿಕ ಸಂಸಾರದಲ್ಲಿ ಆಸಕ್ತಿ ಇರುವವನು, ಸುಖ ಭಯಸುವವನು. ಅವನು ಲೌಕಿಕ ವ್ಯಕ್ತಿ. ಆದರೆ ಅಕ್ಕ ಮಹಾದೇವಿ ಸಂಸಾರದಲ್ಲಿ ನಿರಾಸಕ್ತಿ ಹೊಂದಿದವಳು. ಮದುವೆಯಾದರೂ ಆ ದಾಂಪತ್ಯ ಹೆಚ್ಚು ಕಾಲ ಉಳಿಯಲಿಲ್ಲ. ಅರಮನೆಯನ್ನು ತ್ಯಜಿಸಿ ಚೆನ್ನಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನನನ್ನು ಅರಸುತ್ತ ಹೊರಟಳು. ಅವಳ ಅನುಭವ ಅಗಾಧ. ಅನೇಕ ವಚನಗಳನ್ನು ರಚಿಸಿದ್ದಾಳೆ.

ಶ್ರೀಶೈಲಕ್ಕೆ ಹೋಗುವ ಮಾರ್ಗದಲ್ಲಿ ಈಕೆ ಕಲ್ಯಾಣಕ್ಕೂ ಬಂದಳು. ಅಲ್ಲಿ ಬಸವಣ್ಣ, ಅಲ್ಲಮಪ್ರಭು ಮುಂತಾದವರ ನೇತೃತ್ವದಲ್ಲಿ ಸಾಮಾಜಿಕ ಕ್ರಾಂತಿಯೊಂದು ರೂಪಗೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದಾಗ ಕಲ್ಯಾಣದಲ್ಲಿ ಕೆಲವುಕಾಲ ಉಳಿದಳು. ಮಹಾ ಶಿವಶರಣೆ ಎಂಬ ಹೊಗಳಿಕೆಗೆ ಪಾತ್ರವಾದಳು. ನಂತರ ಶ್ರೀಶೈಲಕ್ಕೆ ಬಂದು ತನ್ನ ಆರಾಧ್ಯ ದೈವದ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಲಿಂಗೈಕ್ಯಳಾದಳು. ಆದರೆ ಅವಳ ವಚನಗಳಿಂದ ಇಂದಿಗೂ ಕನ್ನಡಿಗರ ಮನದಲ್ಲಿ ಬದುಕಿ ಬೆಳಗುತ್ತಿದ್ದಾಳೆ.

नए शब्द

ಯುವತಿ	जवान नारी	ಅರಸುತ್ತ	ढूँढते
ನೇತೃತ್ವದಲ್ಲಿ	नेतृत्व में	ಹೊಗಳಿಕೆ	प्रशंसा

I. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿ.

1. ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯಕ್ಕೆ ಅಕ್ಕ ಮಹಾದೇವಿಯವರ ಕೊಡುಗೆ ಏನು?
2. ಅಕ್ಕಮಹಾದೇವಿ ಯಾರಲ್ಲಿ ಅಪಾರವಾದ ಭಕ್ತಿ ಇಟ್ಟಿದ್ದಳು?
3. ಅಕ್ಕಮಹಾದೇವಿಯನ್ನು ಮದುವೆ ಆಗಲು ಯಾರು ಬಯಸಿದರು?
4. ಅಕ್ಕಮಹಾದೇವಿ ಅರಮನೆಯನ್ನು ತ್ಯಜಿಸಿ ಯಾರನ್ನು ಅರಸುತ್ತ ಹೊರಟಳು?
5. ಶ್ರೀಶೈಲಕ್ಕೆ ಹೋಗುವ ಮಾರ್ಗದಲ್ಲಿ ಅಕ್ಕಮಹಾದೇವಿ ಎಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದಳು?

II. ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ಪದಗಳಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತವಾದುದನ್ನು ಆರಿಸಿ ಬಿಟ್ಟಿರುವ ಜಾಗ ತುಂಬಿ.

(ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ, ಪ್ರಸಿದ್ಧ, ಎಂಬ, ಬಂದಳು, ಉಳಿದಳು)

1. ಕನ್ನಡದ .... ಕವಯಿತ್ರಿ ಅಕ್ಕಮಹಾದೇವಿ.
2. ಮಹಾಶಿವಶರಣೆ ....ಹೊಗಳಿಕೆಗೆ ಪಾತ್ರವಾದಳು.
3. ಈಕೆ ಕಲ್ಯಾಣಕ್ಕೂ ....
4. ಕಲ್ಯಾಣದಲ್ಲಿ ಕೆಲಕಾಲ ....
5. ತನ್ನ ಆರಾಧ್ಯ ದೈವದ .... ಲಿಂಗೈಕ್ಯಳಾದಳು.

III. ಈ ಪದಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ 5 ವಾಕ್ಯ ರಚಿಸಿ.

ಭಕ್ತಿ, ದೃಷ್ಟಿ, ಇಷ್ಟ, ಸುಖ, ಬದುಕಿ

IV. ಕನ್ನಡಕ್ಕೆ ಭಾಷಾಂತರಿಸಿ

सरलाने उस पल सोचा था कि लडकी होना सब से बुरा है और खूबसूरत लडकी होना तो शायद उस से भी ज्यादा बुरा है। सब उसे पाने और उजाड़ने पर तुल ज़ाते हैं। उस दुनियाँ का, समाज का, प्रेम का और फिर मानव की स्थिति का अर्थ ही क्या है? यह सब किसलिए है? लेकिन सरला जानती थी और यह महसूस भी करती थी कि इन सब के होने का कोई न कोई कारण तो है ही, कारण कुछ नहीं होता। सामाजिक संघर्ष और मानव संघर्ष तो चलता ही रहता है। व्यक्ति ही समाज को बनाता है, पर मौका मिलते ही। समाज निर्ममता से व्यक्ति के सुख न केवल छीन ही लेता है, उन्हें निगल भी जाता है। पर उस में दोष फिर भी कहीं गहरे शायद किसी एक व्यक्ति का ही होता है।

V. निम्नांकित विषय पर दस वाक्य लिखिए।

`ಹಿಂದಿಯ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಮಹಿಳಾ ಲೇಖಕಿ '

टिप्पणियाँ

I. कन्नड में `ಅಂತ ' प्रत्यय का प्रयोग प्रत्यक्ष कथन और परोक्ष कथन के अन्त में किया जाता है। हिन्दी में ऐसे प्रयोग नहीं मिलते। हिन्दी में इस केलिए `ऐसा', `इसलिए' कि आदि का प्रयोग किया जा सकता है। परन्तु वाक्यों का गठन भिन्न प्रकार का होगा। उदाहरण के लिए नीचे के वाक्य का अर्थ मोटे तौर पर है।

उदाहरण : ಅವರು ಹೊಸ ಮನೆ ಹತ್ತಿರ ಹೋಗಿದ್ದಾರೆ ಅಂತ ಹೇಳಿದರು.

`वे नये मकान के पास गये हैं।' ऐसा कहा।'

परन्तु हिन्दी में इसे `(उसने) कहा कि वे नये मकान के पास गए है') कहा जाएगा। इस के अन्य प्रयोग उदाहरणों से स्पष्ट हो जायेंगे।

1. ನಿನ್ನನ್ನೇ ನೋಡೋಣ ಅಂತ ಮನೆಗೆ ಹೋಗಿದ್ದೆ.

तुमसे मिलना है इसलिए मैं घर गया।

2. ನನಗೆ ಊರಿಗೆ ಹೋಗಬೇಕು ಅಂತ ಆಸೆ.
मुझे गाँव जाना है, ऐसी इच्छा है।

3. ಅವನ ಹೆಸರು ಅಜಿತ್ ಸಿಂಗ್ ಅಂತ.
उस का नाम अजितसिंह है, ऐसा।

II. कन्नड में बोलचाल की भाषा में भूतक्रिया रूप में ಒದು और साहित्यीक भाषा में 'ವುದು' लगाकर क्रियार्थक संज्ञा के रूप बनाये जाते हैं।

उदाहरण: ಮಾಡು + ಒದು – ಮಾಡೋದು.
ಮಾಡು + ವುದು – ಮಾಡುವುದು.
ವ್ಯಾಯಾಮ ಮಾಡುವುದು ಒಳ್ಳೆಯದು. कसरत करना अच्छा है।

III. क्रियार्थक संज्ञा का प्रयोग सँज्ञा और विशेषण दोनों की तरह होता है।

उदाहरण: संज्ञा - ಹಿಂದಿಯವರಿಗೆ ಕನ್ನಡ ಕಲಿಯುವುದು ತುಂಬ ಸುಲಭ.
हिन्दी भाषियों को कन्नड सीखना बहुत सुलभ है।
विशेषण - ನಾನು ಬರೆಯುತ್ತಾ ಇರುವುದು ದೊಡ್ಡ ಕಥೆ.
में जो लिख रहा हूँ वह बडी कहानी है।

क्रियार्थक संज्ञा के विभिन्न रूप सँज्ञा शब्दों की तरह ही बनाये जाते हैं।

ಪಾಠ पाठ 21

ತಿಂದು ತಿಂದು ಸಾಕಾಯ್ತು
खा खाकर थक गया

ಸೀತ : ಏನು ಶಾರದಮ್ಮ! ಇವತ್ತು ಬೇಗ ಎದ್ದಿದ್ದೀ ಅಂತ ಕಾಣುತ್ತೆ.	क्या शारदा। लगता है कि तुम आज जल्दी उठ गई हो।
ಶಾರದ : ಹೌದು ಸೀತಮ್ಮ. ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಮೂರು ಗಂಟೆಗೇ ಎದ್ದೆ.	हाँ सीतम्मा। तड़के तीन बजे ही जाग उठी।
ಸೀತ : ಏನು ವಿಶೇಷ?	क्या विशेष है।
ಶಾರದ : ನಮ್ಮ ನಳಿನಿ ನೋಡೋಕೋಸ್ಕರ ಹುಡುಗ ಬರ್ತಾನಂತೆ. ಎಲ್ಲ ಸಿದ್ಧತೆ ಮಾಡಬೇಕಲ್ಲ. ಅದಕ್ಕೆ ಬೇಗ ಎದ್ದೆ.	हमारी नळिनी को देखने केलिए एक लडका आयेगा। सब तैयारी करनी हैं न। इसलिए जल्दी जाग उठी।
ಸೀತ : ಹುಡುಗ ಚೆನ್ನಾಗಿದಾನಾ?	क्या लड़का अच्छा है?
ಶಾರದ : ನಾನು ಬಹಳ ಹಿಂದೆ ಬೆಂಗಳೂರಲ್ಲಿ ಇದ್ದಾಗ ನೋಡಿದ್ದು. ನಮ್ಮ ಯಜಮಾನ್ರು ಮೊನ್ನೆ ದಿನ ನೋಡುವುದಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಹೋಗಿದ್ರು.	बहुत दिनों के पहले देखा था, जब मैं बेंगलोर में थी। हमारे पति उसे देखने केलिए गये थे।
ಸೀತ : ಏನಂದ್ರಂತೆ?	तो क्या कहा?
ಶಾರದ : ಅದೇ ಬರ್ತೀವಿ ಅಂದ್ರಂತೆ. ಪರಿಚಯ ಹೊಸದಲ್ಲ. ಹಳೆಯ ಸ್ನೇಹಿತರು. ಸುಂದರವಾದ ಹುಡುಗ. ಒಳ್ಳೆಯತನ ಇದೆ. ವಿದ್ಯಾವಂತ, ಗುಣವಂತ, ಬುದ್ಧಿವಂತ, ಕೈತುಂಬ ಸಂಬಳ ಬರ್ತಾ ಇದೆ. ಏನಾದ್ರೂ ಆಗಲಿ, ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡ್ರೆ ಸಾಕು ಅಂತ ಹೇಳ್ತಾ ಇದ್ರು.	कहा है कि वे आ रहे हैं। नया परिचय नहीं है। पुराने मित्र हैं। सुन्दर लड़का है। अच्छा स्वभाव है। पढा-लिखा है, गुणवान है, बुद्धिदमान है। हाथ-भरवेतन आ रहा है। चाहे जो कुछभी हो उसने मान-लिया तो बस, ऐसा कह रहे थे।
ಸೀತ : ನಳಿನಿ ಒಪ್ಪಬೇಕಲ್ಲ.	नळिनी को मानना चाहिए न?

ಶಾರದ	: ನಳಿನಿ ಹುಡುಗನ ಫೋಟೋ ನೋಡಿ ಅವರ ಅಪ್ಪನಿಂದ ವರ್ಣನೆ ಕೇಳಿ ಆಗಲೇ ಒಪ್ಪಿಗೆ ಸೂಚಿಸಿದಾಳೆ.	नळिनीने लडके का फोटो देखकर और आपने पिता से वर्णन सुन कर तभी अपनी पसन्द की सूचना दी है।
ಸೀತ	: ಒಳ್ಳೆಯದು ಬಿಡಿ. ಚೆನ್ನಾಗಿ ಬದುಕಿದ್ರೆ ಸಾಕು. ಎಷ್ಟೊತ್ತಿಗೆ ಬರ್ತಾರಂತೆ.	अच्छा, छोडो, ठीक तरह रहें तो बस। कितने बजे आ रहे हैं?
ಶಾರದ	: ನಿನ್ನೇನೇ ಬರ್ತೀವಿ ಅಂತ ಹೇಳಿದ್ರಂತೆ. ನಿನ್ನೆ ಸಾಯಂಕಾಲ ಮೂರು ಗಂಟೆವರೆಗೆ ನೋಡಿ, ಅಕಸ್ಮಾತ್ ಬರದೆ ಇದ್ದರೆ ಮಾರನೆ ದಿನ ಹತ್ತು ಗಂಟೆ ಒಳಗೆ ಬಂದೇ ಬರ್ತೀವಿ ಅಂದ್ರಂತೆ.	कहा था कि कल ही आयेंगे। कल शाम के तीन बजे तक प्रतीक्षा कीजिए। अगर नहीं आये तो दूसरे दिन दस बजने के पहले जरूर आयेंगे।
ಸೀತ	: ಹಾಗಾದ್ರೆ ನಿನ್ನೇನೇ ತಯಾರು ಮಾಡ್ಕೊಂಡಿದ್ರಾ?	तो क्या कल ही तैयारी कर ली थी?
ಶಾರದ	: ಹೌದುರೀ. ಕೇಸರಿಬಾತ್, ಖಾರಾಬಾತ್ ಮಾಡಿದ್ದೊ. ಕೆಟ್ಟೋಗತ್ತೆ ಅಂತ ಸಾಯಂಕಾಲ ಎಲ್ಲರೂ ತಿಂದೂ ತಿಂದೂ ಸಾಕಾಯ್ತು.	हाँ। केसरीभात, खाराभात बनाया था। खराब हो जाएगा, इसलिए। शामको खाखा कर हम थक गए।
ಸೀತ	: ರವಿ ಏನೋ ರೇಗಾಡ್ತಾ ಇದ್ದ?	क्या रवी, कुछ बिगड़ रहा था?
ಶಾರದ	: ಹೌದು. ಬೇಜಾರಾಗಿತ್ತು ಅವನಿಗೆ. ಅವರಿಗೋಸ್ಕರ ಕಾದುಕಾದು ಸಾಕಾಯ್ತು. ಯಾರಾದರೂ ಆಟೋದಲ್ಲಿ ಬಂದರೆ ಅವರೇ ಬಂದಿದ್ದು ಅಂತ ನೋಡೋದು. ಬೆಳಿಗ್ಗೆಯಿಂದ ಸಾಯಂಕಾಲದ ವರೆಗೆ ಇದೇ ಆಯ್ತು.	हाँ। उसको गुस्सा हुआ था। उन केलिए इन्तजार करते करते थक गया था। कोई आटो में आता तो जाकर देखता कि वे ही आये हैं। सुबह से शाम तक यही होता रहा।
ಸೀತ	: ಒಬ್ಬರಿಗೆ ಕಾಯೋದು ಅಂದ್ರೆ ನಿಜವಾಗಲೂ ಬೇಜಾರಿನ ಕೆಲಸ. ಅವರೂ ಹೇಳಿದ ವೇಳೆಗೆ ಬರಬೇಕು ಅಲ್ವಾ?	किसी के लिए इन्तजार करना बहुत कष्टकर होता है सचमुच। कहने पर उन को भी ठीक वक्त पर आना चाहिए था न?
ಶಾರದ	: ನೀವು ಹೇಳೋದೂ ನಿಜ. ಇವತ್ತಾದ್ರೂ ಬಂದ್ರೆ ಸಾಕು.	आपका कहना सच है। आज भी आयें तो बस।

ನಳಿನಿ	: ಅಮ್ಮ! ಸ್ನಾನ ಆಯ್ತು. ಯಾವ ಸೀರೆ ಉಟ್ಟುಕೊಳ್ಳಲಿ?	माँजी। नहा लिया। कौनसी साडी पहनूँ?
ಶಾರದ	: ಏನೋ ನಳಿನಿ ಕೂಗ್ತಿದಾಳೆ. ಬರ್ತೀನಿ ಸೀತಮ್ಮ. ಏನೇ ಅದು?	नळिनी बुला रही है। चलती हूँ सीतम्मा जी। क्या है?
ನಳಿನಿ	: ಯಾವ ಸೀರೆ ಉಟ್ಟುಕೊಳ್ಳಲಿ ಅಂತ ಕೇಳಿದೆ. ಅಷ್ಟೇ.	इतना ही पूछा कि कौनसी साडी पहन लूँ।
ಶಾರದ	: ಯಾವುದಾದ್ರು ಒಳ್ಳೆಯ ರೇಶ್ಮೇ ಸೀರೆ ಉಟ್ಟುಕೋ.	किसी अच्छी रेशमी साडी को पहन लो।
ನಳಿನಿ	: ಅಕ್ಕನದು ನೇರಳೇದು ಹೊಸದು ಇದೆಯಲ್ಲ? ಅದು ಉಟ್ಟುಕೊಳ್ಳಲಾ?	बहन की जामुनी रंग की नई साड़ी है न? क्या मैं उसी को पहन लूँ?
ಸುಮ	: ಹೊಸದು ಬೇಡ ಕಣೆ. ನಾನು ಎಲ್ಲಾದ್ರು ಹೋದ್ರೆ ಇರಲಿ ಅಂತ ಇಟ್ಟಿದೀನಿ.	नयी नहीं बेटी। कहीं जाने के लिए रखा है मैंने।
ನಳಿನಿ	: ಇನ್ನು ಯಾವುದು ಉಟ್ಟುಕೊಳ್ಳಲಿ?	फिर कौनसी पहन लूँ?
ಶಾರದ	: ತೀರ ಚಿಕ್ಕ ಮಗು ರೀತಿ ಆಡ್ತೀಯಲ್ಲ. ಯಾವುದಾದ್ರು ಒಂದು ಒಳ್ಳೆ ಸೀರೆ ಉಟ್ಕೊಂಡು ಬೇಗ ಬೇಗ ರೆಡಿಯಾಗು. ಸುಮ, ನೀನು ಅಡಿಗೆ ಮನೆಗೆ ಬಾ. ಅವರು ಏನಾದ್ರೂ ಕೂಡಲೇ ಬಂದ್ರೆ ಆಗ ಏನ್ಮಾಡೋದು?	छोटे बच्चें के जैसे बात कर रही हो। कोई एक अच्छी साड़ी पहन कर जल्दी तैयार हो जाओ। सुमा, तुम रसोई घर में आओ। वे कहीं जल्दी आगए तो क्या करना?
ಸುಮ	: ಹೆಣ್ಣು ನೋಡೋಕೆ ಯಾವಾಗಲೂ ತಡವಾಗೇ ಬರೋದು.	लड़की देखने हमेशा देर से ही आते हैं।
ಶಾರದ	: ಸರಿ. ನೀನು ಅಡಿಗೆ ಮಾಡು. ನಾನು ಅಂಗಡಿಗೆ ಹೋಗಿ ಎಲೆ, ಅಡಿಕೆ, ಹೂವು ಮತ್ತು ಬಾಳೆಹಣ್ಣು ತರ್ತೀನಿ.	ठीक, तुम रेसोई बनाओ। मैं दुकान जाकर पान, सुपारी, फूल और केला लाती हूँ।
ಸುಮ	: ಆಗಲಿ ಹೋಗಿದ್ದು ಬಾ.	अच्छा जाकर आओ।

शब्दार्थ

ವಿಶೇಷ	खास	ನೋಡೋಕೋಸ್ಕರ	देखने केलिए
ಪರಿಚಯ	परिचय	ಒಳ್ಳೆಯವನು	अच्छा
ಗುಣವಂತ	गुणी	ಬುದ್ಧಿವಂತ	बुद्धिमान
ಕೈತುಂಬ	बहुत	ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರೆ	मान लियातो
ಒಪ್ಪಿಗೆ	पसन्द	ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾಳೆ	सूचना दी हैं
ಎಷ್ಟೊತ್ತಿಗೆ	कितने बजे	ಕೆಟ್ಟೋಗತ್ತೆ	खराब होता
ರೇಗಾಡ್ತಾ ಇದ್ದ	बिगड रहा है	ಕಾದುಕಾದು	इन्तजार कर
ಸ್ನಾನ ಆಯ್ತು	नहा लिया	ಉಟ್ಟುಕೊಳ್ಳಲಿ	पहन लूँ
ಕೂಗ್ತಿದಾಳೆ	पुकार रही है	ಇನ್ನು/ಮತ್ತೆ	फिर
ರೆಡಿಯಾಗು	तैयार हो	ತಡವಾಗಿ	देर से
ಎಲೆ	पान	ಅಡಿಕೆ	सुपारी

अभ्यास

I. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿ.

1. ಶಾರದಮ್ಮ ಎಷ್ಟು ಗಂಟೆಗೆ ಎದ್ದರು?
2. ಯಾರನ್ನು ನೋಡೋಕೋಸ್ಕರ ಹುಡುಗ ಬರ್ತಾನಂತೆ?
3. ಹುಡುಗ ಹೇಗಿದಾನೆ?
4. ನಳಿನಿ ಹೇಗೆ ಒಪ್ಪಿಗೆ ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾಳೆ?
5. ಏನನ್ನು ತಿಂದೂ ತಿಂದೂ ಸಾಕಾಯ್ತು?

II. ಈ ಕೆಳಗೆ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ಪದಗಳನ್ನು ಸೂಕ್ತವಾಗಿ ಜೋಡಿಸಿ 5 ಅರ್ಥಪೂರ್ಣ ವಾಕ್ಯಮಾಡಿ.

1. ನೋಡೋಕೋಸ್ಕರ ಬರ್ತಾನಂತೆ ಹುಡುಗ ನಮ್ಮ ನಳಿನಿ
2. ಹೇಳಿದ್ರಂತೆ ಅಂತ ಬರ್ತೀವಿ ನಿನ್ನೆನೇ
3. ಅಂತ ಕೆಟ್ಟೋಗತ್ತೆ ಸಾಕಾಯ್ತು ತಿಂದೂ ತಿಂದೂ ಎಲ್ಲರೂ
4. ಸಾಕಾಯ್ತು ಕಾದು ಕಾದು ಅವರಿಗೋಸ್ಕರ
5. ಆಯ್ತು ಇದೇ ಸಾಯಂಕಾಲದವರೆಗೆ ಬೆಳಿಗ್ಗೆಯಿಂದ

III. ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ಪದಗಳಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತವಾದುದನ್ನು ಬಳಸಿ ವಾಕ್ಯ ಪೂರ್ತಿ ಮಾಡಿ.

(ಬೇಜಾರಿನ, ಹಿಂದೆ, ಬರ್ತಾ, ಇದ್ದರೆ, ಹೋಗಿದ್ರು)

1. ನಾನು ಬಹಳ........................ ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿದ್ದಾಗ ನೋಡಿದ್ದು.
2. ಕೈತುಂಬ ಸಂಬಳ .... ಇದೆ.
3. ಚೆನ್ನಾಗಿ ....ಸಾಕು.
4. ಅವನನ್ನು ನೋಡುವುದಕೋಸ್ಕರ ....
5. ಒಬ್ಬರಿಗೆ ಕಾಯೋದು ಅಂದ್ರೆ ನಿಜವಾಗಿಯೂ ....ಕೆಲಸ.

IV. ಈ ಪದಗಳನ್ನು ನಿಮ್ಮ ಸ್ವಂತ ವಾಕ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಿ.

ಒಳ್ಳೆಯತನ, ಕೆಟ್ಟತನ, ಸುಂದರವಾದ, ಅಗಲವಾದ,
ದೊಡ್ಡದಾದ, ಮಾಡುವುದಕ್ಕೋಸ್ಕರ, ನಕ್ಕುನಕ್ಕು, ನೋಡಿನೋಡಿ.

V. ಹೊಂದಿಸಿ ಬರೆಯಿರಿ.

ಅ	ಆ
1. ವಿಧಾನಸೌಧ ನೋಡೋಕೋಸ್ಕರ	(ಅ) ಸಂಬಳ ಬರ್ತಾಇದೆ.
2.ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ಹುಡುಗ ಚಿಕ್ಕವನು	(ಆ) ತಿಂದೂ ತಿಂದೂ ಸಾಕಾಯ್ತು
3. ಕೈತುಂಬಾ	(ಇ) ಹುಡುಗಿ
4. ಸಾಯಂಕಾಲ ಎಲ್ಲರೂ ತಿಂಡಿ	(ಈ) ಬೆಂಗಳೂರಿಗೆ ಹೋಗಿದ್ದೆ
5. ನಳಿನಿ ಸುಂದರವಾದ	(ಉ) ಇದ್ದಾಗ ನೋಡಿದ್ದೆ.

VI. ಓದಿ ಮತ್ತು ಅರ್ಥ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಿ.

ಬಕಾಸುರ

बकासुर

`ಪಾಂಡವರು ಅರಗಿನ ಮನೆಯಿಂದ ತಪ್ಪಿಸಿಕೊಂಡರು. ಅಲ್ಲಿಂದ ಬಂದು ಏಕಚಕ್ರ ನಗರದಲ್ಲಿ ಬ್ರಹ್ಮಣರ ವೇಷ ಧರಿಸಿ ವಾಸಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ಆ ಊರಿನ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಎತ್ತರವಾದ ವಿಶಾಲವಾದ ಬೆಟ್ಟ ಇತ್ತು. ಆ ಬೆಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಬಕಾಸುರ ಎಂಬ ರಾಕ್ಷಸ ಇದ್ದನು. ರಾಕ್ಷಸನಿಗೋಸ್ಕರ ಸರದಿ ಪ್ರಕಾರ ಪ್ರತಿದಿನ ಹನ್ನೆರಡು ಖಂಡಗದ ಅಕ್ಕಿಯ ಅನ್ನ, ಒಂದು ಆಳು ಮತ್ತು ಒಂದು ಜೊತೆ

ಎತ್ತುಗಳನ್ನು ಆಹಾರವಾಗಿ ಕೊಡಬೇಕಾಗಿತ್ತು.

ಒಂದು ದಿನ ಬ್ರಾಹ್ಮಣನೊಬ್ಬನ ಸರದಿ ಬಂತು. ಅವನು ತನಗಿದ್ದ ಸುಂದರವಾದ ಒಬ್ಬನೇ ಮಗನನ್ನು ಬಲಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ಗೋಳಾಡುತ್ತಿದ್ದ. ಬ್ರಾಹ್ಮಣನ ಒಳ್ಳೆಯತನ ಅವನು ತನಗೆ ಇದ್ದ ಒಬ್ಬನೇ ಮಗನನ್ನು ರಾಕ್ಷಸನಿಗೋಸ್ಕರ ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕಾದ ಸಂದರ್ಭ ಕಂಡು ಕುಂತಿ ಮರುಗಿದಳು. ರಾಕ್ಷಸನಿಗೋಸ್ಕರ ತನ್ನ ಮಗನನ್ನು ಕಳುಹಿಸುವುದಾಗಿ ಸಮಾಧಾನಪಡಿಸಿದಳು. ಮಾರನೆಯ ದಿನ ಬಲಶಾಲಿಯಾದ ಭೀಮನು ಅನ್ನ ತುಂಬಿದ ಗಾಡಿಯನ್ನು ಹೊಡೆದುಕೊಂಡು ಬೆಟ್ಟಕ್ಕೆ ಹೋಗುವ ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ಆಹಾರವನ್ನೆಲ್ಲ ತಿಂದುತಿಂದು ತೇಗಿದನು. ಅತ್ತ ಬಕಾಸುರನು ತನ್ನ ಆಹಾರ ಇನ್ನೂ ಬರಲಿಲ್ಲವಲ್ಲ ಎಂದು ಕಾದುಕಾದು ಸಾಕಾಗಿ ಹಸಿವಿನಿಂದ ಘರ್ಜಿಸತೊಡಗಿದನು. ನಂತರ ಎಲ್ಲವನ್ನೂ ತಿಂದು ಮುಗಿಸಿದ ಮೇಲೆ ಭೀಮ ಬಕಾಸುರನ ಬಳಿಗೆ ಹೋದನು. ಇಬ್ಬರಿಗೂ ಯುದ್ಧವಾಯಿತು. ಭೀಮ ಬಕಾಸುರನನ್ನು ಕೊಂದನು. ಈ ಸುದ್ದಿ ಕೇಳಿ ಊರಿನ ಜನರೆಲ್ಲ ಸಂತೋಷ ಪಟ್ಟರು.

नए शब्द

ಅರಗಿನ	लाख का	ಧರಿಸಿ	पहन कर
ವಾಸಿಸುತ್ತಿದ್ದರು	वास करते थे, रहते थे	ರಾಕ್ಷಸನಿ ಗೋಸ್ಕರ	राक्षस केलिए
ಆಳು	सेवक	ಜೊತೆ	जोडी
ಎತ್ತು	बैल	ಗೋಳಾಡುತ್ತಿದ್ದ	रोता-धोता था
ಸಂದರ್ಭ	अवसर	ಮರುಗಿದಳು	चिंतित हुई
ಕಳುಹಿಸುವುದಾಗಿ	भोजने केलिए	ಮಾರನೆಯ	दूसरा
ಗಾಡಿ	गाडी	ಹೊಡೆದುಕೊಂಡು	चलाकर
ಅತ್ತ	उस तरफ	ಕಾದುಕಾದು	इन्तजार कर
ಘರ್ಜಿಸು	चिल्लाना	ನಂತರ	के बाद

I. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿ.

1. ಪಾಂಡವರು ಎಲ್ಲಿಂದ ತಪ್ಪಿಸಿಕೊಂಡರು?
2. ಬೆಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಯಾರು ವಾಸಿಸುತ್ತಿದ್ದರು?
3. ಒಂದು ದಿನ ಯಾರ ಸರದಿ ಬಂತು?
4. ಕುಂತಿ ಏಕೆ ಮರುಗಿದಳು?
5. ಯಾರು ಯಾರಿಗೆ ಯುದ್ಧವಾಯಿತು?

II. ಈ ಪದಗಳನ್ನು ನಿಮ್ಮ ಸ್ವಂತ ವಾಕ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಿ.

ರಾಕ್ಷಸನಿಗೋಸ್ಕರ, ಸುಂದರವಾದ, ಬಲಶಾಲಿಯಾದ, ತೇಗಿದನು, ಹಸಿವಿನಿಂದ, ಸಂತೋಷ, ಗೋಳಾಡು, ಎತ್ತರವಾದ, ಬಲಿ, ಸಮಾಧಾನ.

III. ಕನ್ನಡಕ್ಕೆ ಭಾಷಾಂತರಿಸಿ

सडक के दूसरे किनारे, पूस की तरफ दीवारों से धिरा हूआ, फूस का चौकोर मकान। इस अहाते में एक और बारह कोठरी का, लम्बाई में बना एक सुन्दर पक्का मकान है। यह -अनाज भण्डार। सारी कोठरियाँ तो अनाज से अब भर नहीं पाती। जो भरती है, भरती है, खाली में भूसा रखा जाता हैं।

इसी अहाते में दूसरी तरफ श्यामू रहते हैं। लगभग तीस हाथ ऊँचा फूस का चौकोर मकान। चारों ओर से खुला। उस में पत्थर के मोटे-मोटे खम्भे हैं। इसी में थी बाँधा जाता है। इस मकान से लगभग तीस चालीस गज हट क़र एक पुराना खपरेल का घर है, दो कमरों का, एक में हाथी की गद्दी आदि रहती है। दूसरा कमरा राजू का आवास है।

IV. निम्नांकित विषय पर दस वाक्य लिखिए।

`ನನ್ನ ಮೆಚ್ಚಿನ ಆಟ'

टिप्पणियाँ

I. 'ಓಸ್ಕರ का अर्थ `केलिए' है। इस को लगाकर नीचे लिखे ढँग से क्रिया रूप बनाये जाते हैं।

शब्द + सम्प्रदान की विभाक्ति प्रत्यय + ಓಸ್ಕರ

ನೋಡುವುದು + ಅಕ್ಕೆ + ಓಸ್ಕರ – ನೋಡುವುದಕ್ಕೋಸ್ಕರ देखने केलिए

उदाहरण : ನಳಿನಿ ನೋಡುವುದಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಹುಡುಗ ಬರ್ತಾನಂತೆ.

कहा जाता है कि नलिनी को देखने केलिए लडका आता है।

II. कन्नड में विशेषण में अन्य पुरुष सर्वनाम के रूप लगाकर संज्ञा बनाई जाती है जिसे, विशेषण संज्ञा कह सकते हैं। उस का अर्थ हिन्दी में - `वाला' प्रत्यय लगे शब्दों की तरह है।

उदाहरण : ಮೇಲಿನ + ಅವನು – ಮೇಲಿನವನು – ऊपरवाला

ಮೇಲಿನವನು ಕೆಳಕ್ಕೆ ಇಳಿಯಲಿ. – ऊपरवाला नीचे उतरे।

ಒಳ್ಳೆಯ + ಅವನು – ಒಳ್ಳೆಯವನು – अच्छा (वाला)

ಹುಡುಗ ಬಹಳ ಒಳ್ಳೆಯವನು. – लडका बहुत अच्छा (वाला) है।

III. विशेषण में `ತನ' लगाकर भाववाचक संज्ञा बनाई जाती हैं।

उदाहरण : ಒಳ್ಳೆಯ + ತನ – ಒಳ್ಳೆಯತನ – अच्छाई

ಹುಡುಗನ ಒಳ್ಳೆಯತನ ನೋಡಿ ಮೆಚ್ಚಿಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ.

लडके की अच्छाई देखकर पसन्द किया है।

ಜಾಣ + ತನ – ಜಾಣತನ – होशियारी।

ರಾಮನ ಜಾಣತನ ಮೆಚ್ಚಿಕೊಳ್ಳಬಹುದು.

राम की होशियारी पसन्द की जा सकती है।

IV. कन्नड में द्विरुक्ती का प्रयोग निम्न प्रकार होता हैं।

उदाहरण : ಕಾದು ಕಾದು ಸಾಕಾಯ್ತು. – इंतजार कर थक गया।

ಸಿಟಿ ಬಸ್ಸಿಗೆ ಕಾದು ಕಾದು ಸಾಕಾಯ್ತು.

सिटी बस केलिए इन्तजार कर थक गया।

ತಿಂದು ತಿಂದು ಸಾಕಾಯ್ತು. – खा खा कर थक गया।

ಗುಲಾಬ್ ಜಾಮೂನ್ ತಿಂದು ತಿಂದು ಸಾಕಾಯ್ತು.

गुलाब जामुन खा खाकर थक गया।

ಪಾಠ पाठ 22

ಮರೆತುಹೋದ ಪ್ರವೇಶ ಪತ್ರ — भूला हुआ प्रवेश पत्र

ರಾಮು	: ಏನೋ ಮಹೇಶ. ಪರೀಕ್ಷೆಗೆ ತಡವಾಗಿ ಏಕೆ ಬಂದೆ?	क्यों महेश, परीक्षा केलिए देर से क्यों आये?
ಮಹೇಶ	: ಶಾಲೆಗೆ ಬಂದು ಇಲ್ಲಿ ನೋಡಿದರೆ ಪ್ರವೇಶ ಪತ್ರಾನೇ ಇಲ್ಲ. ಅದನ್ನು ಮರೆತು ಬಂದಿದ್ದೆ. ತಕ್ಷಣ ವಾಪಸ್ ಮನೆಗೆ ಹೋಗಿ ಪ್ರವೇಶಪತ್ರ ಹುಡುಕಿ ಅದನ್ನ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ನಮ್ಮ ಅಪ್ಪನ ಸೈಕಲ್‌ನಲ್ಲಿ ಬಂದೆ. ಅದಕ್ಕೇ ಇಪ್ಪತ್ತು ನಿಮಿಷ ತಡ ಆಯ್ತು.	पाठशाला आकर देखा तो प्रवेश पत्र ही नहीं था। उसे भूलकर आया था। तुरन्त घर जाकर प्रवेश पत्र ढूँढकर उसे लेकर अपने पिताजी की सइकल पर आया। इसलिए बीस मिनिट का विलम्ब हुआ।
ಸತೀಶ	: ನೀನೂ ಒಳ್ಳೇ ಮರಗುಳಿ ಕಣೋ! ಮನೆಯಿಂದ ಹೊರಡುವಾಗಲೇ ನೋಡಿ ಕೊಳ್ಳೋದು ಬಿಟ್ಟು ಇಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದ ಮೇಲೆ ನೋಡಿಕೊಂಡ್ಯಾ?	भाई, तुम भी बडे भुलक्कड हो। घर से निकलते समय ही न देखकर क्या यहाँ आने के बाद देखा?
ಮಹೇಶ	: ಪುಸ್ತಕದಲ್ಲಿ ಇದೆ ಅಂತ ತಿಳಿದುಕೊಂಡು ಇಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದು ನೋಡಿದೆ. ಆಮೇಲೆ ತಿಳೀತು ಮನೆಯಲ್ಲೇ ಬಿಟ್ಟಿದ್ದೀನಿ ಅಂತ.	मैंने समझा था कि किताब में है। यहाँ आकर देखा। तब मालूम हुआ कि घर में ही छोड आया हूँ।
ಸತೀಶ	: ರಾತ್ರಿಯೆಲ್ಲ ಓದಿದೆ ಅನ್ನು.	(यह) कहो न कि (तुमने) सारी रात पढ़ा है।
ಮಹೇಶ	: ಹೌದು. ರಾತ್ರಿ ಎರಡು ಗಂಟೆಯವರೆಗೆ ಓದಿ ನಿದ್ರೆಗೆಟ್ಟಿದ್ದೆ. ಅದಕ್ಕೇ ಗಡಿಬಿಡಿಯಲ್ಲಿ ಮರೆತು ಬಂದಿದ್ದೆ.	हाँ। रात के दो बजे तक पढ कर नींद खराब कर दी। इसीलिए गडबड में भूल कर आ गया था।
ಸತೀಶ	: ಚೆನ್ನಾಗಿ ಬರೆದಿದ್ದೀಯಾ?	(उत्तर) ठीक से लिखा है न?
ಮಹೇಶ	: ಸುಮಾರಾಗಿ ಬರೆದೆ. ಈ ಓಡಾಟದಲ್ಲಿ ಓದಿದ್ದು ಎಲ್ಲ ಮರೆತೇ	वैसा ही लिखा है। इस भागदौड में जो पढा था सब भूल ही गया। इस

	ಹೋಯಿತು. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗೆ ಏನು ಉತ್ತರ?	प्रश्न का क्या उत्तर है।
ರಾಮು	: ಯಾವ ಪ್ರಶ್ನೆ? ಇದಾ .... ಕೆಳಗಿನ ಸರಳ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಸೇರಿಸಿ ಸಂಯುಕ್ತ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಮಾಡಿ – ಹೈಸ್ಕೂಲುಗಳಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡವನ್ನು ಕಲಿಯುತ್ತೇವೆ. ಕನ್ನಡವನ್ನು ಮಾತ್ರವಲ್ಲ ಇಂಗ್ಲೀಷನ್ನೂ ಕಲಿಯುತ್ತೇವೆ. ನಾವು ಇದರ ಜೊತೆಗೆ ಹಿಂದಿಯನ್ನೂ ಕಲಿಯುತ್ತೇವೆ.	कौनसा प्रशन? यही .... निम्न लिखित सरल वाक्यों को जोडकर संयुक्त वाक्य बनाइए -सिर्फ कन्नड हाई स्कूलों में कन्नड सीखते हैं। ही नहीं अंग्रेजी भी सीखते हैं। हम इन के साथ हिन्दी भी सीखते हैं।
ಸುರೇಶ	: ಈ ಮೂರು ಸರಳ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಸೇರಿಸಿ ಒಂದು ವಾಕ್ಯ ಮಾಡುವುದು ಹೇಗೆ ಅಂದ್ರೆ ಹೈಸ್ಕೂಲುಗಳಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಮತ್ತು ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಜೊತೆಗೆ ಹಿಂದಿಯನ್ನು ಕಲಿಯುತ್ತೇವೆ. ಇದನ್ನು 2-3 ವಿಧದಲ್ಲಿ ಮಾಡಬಹುದು – ಹೈಸ್ಕೂಲುಗಳಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ, ಇಂಗ್ಲೀಷು ಮತ್ತು ಹಿಂದಿಯನ್ನು ಕಲಿಯುತ್ತೇವೆ. ಹೀಗೆ ಬೇರೆ ಬೇರೆ ರೀತಿ–ಹೇಗಾದರೂ ಬರೆಯಬಹುದು.	इन तीन सरल वाक्यों को जोडकर एक वाक्य कैसे बनाना है याने हई स्कूलों में कन्नड और अंग्रेजी के साथ हिन्दी भी सीखते हैं। इन को दो-तीन तरीके से बना सकते हैं - हईस्कूलों में कन्नड, अंग्रेजी और हीन्दी सीखते हैं। इस प्रकार अलग अलग किसी तरह से लिख सकते हैं।
ಮಹೇಶ	: ಸರಿಯಾಗಿ ತಿಳಿಯದೆ ಬಿಟ್ಟು ಬಿಟ್ಟೆ ಕಣೋ.	भाई. ठीक तरह न समझ कर छोड दिया।
ಸತೀಶ	: ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗೆ ಉತ್ತರ ಬರೆದಾ?	(क्या) इस प्रश्न का उत्तर लिखा?
ಮಹೇಶ	: ಯಾವ ಪ್ರಶ್ನೆ?	कौनसा प्रश्न?
ಸತೀಶ	: ಬೆಂಗಳೂರಿನಿಂದ ಲಕ್ನೋಗೆ ರೈಲಿನಲ್ಲಿ ಹೋಗಬಹುದು ಅಥವಾ ಕಾರಿನಲ್ಲಿ ಹೋಗಬಹುದು ಅಥವಾ ಬೇಗ ತಲುಪ ಬೇಕಾದರೆ ವಿಮಾನದಲ್ಲೂ ಹೋಗಬಹುದು.	बेंगलोर से लखनऊ रेलसे जा सकते हैं अथवा कार से जा सकते हैं अथवा जल्दी पहुँचना हो तो हवाई जहाज से जा सकते हैं।
ಮಹೇಶ	: ಈ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಸರಳ ವಾಕ್ಯಗಳಾಗಿ ಬರೆಯಿರಿ ಅಂತ ಕೇಳಿದಾರೆ ಅಲ್ವಾ?	इन वाक्यों के सरल वाक्य बनाओ। यह पूछा गया है न?
ರಾಮು	: ನಾನು ಹೇಳ್ತೀನಿ–ಬೆಂಗಳೂರಿನಿಂದ ಲಕ್ನೋಗೆ ರೈಲಿನಲ್ಲಿ ಹೋಗಬಹುದು. ಬೆಂಗಳೂರಿನಿಂದ	मैं बताता हूँ-बेंगलोर से लखनऊ रैल से जा सकते हैं। बेंगलोर से

ಲಕ್ನೋಗೆ ಕಾರಿನಲ್ಲಿ ಹೋಗಬಹುದು. ಬೆಂಗಳೂರಿನಿಂದ ಲಕ್ನೋಗೆ ಬೇಗ ತಲುಪ ಬೇಕಾದರೆ ವಿಮಾನದಲ್ಲಿ ಹೋಗಬಹುದು.	लखनऊ कार से जा सकते हैं। बेंगलोर से लखनऊ जल्दी पहुँचना है तो हवाई जाहज से जा सकते हैं।
ಮಹೇಶ : ಈ ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂದರ್ಭ ಸೂಚಿಸಿ ಬರೆಯಿರಿ 'ಚದುರರ್ ನಿಜದಿಂ ಕುರಿತೋದದೆಯುಂ ಕಾವ್ಯ ಪ್ರಯೋಗ ಪರಿಣತ ಮತಿಗಳ್' ಕೊಟ್ಟಿದಾರಲ್ಲ ಏನು ಬರೆಯೋದು?'	सन्दर्भ के साथ इस प्रश्न का उत्तर दीजिए - वास्तव में बुद्धिमान बिना पढे काव्य प्रयोग में कुशल होते हैं। ऐसा दिया है। क्या लिखना है?
ರಾಮು : ಅದಕ್ಕೆ ಈ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಕವಿರಾಜ ಮಾರ್ಗ ದಿಂದ ಆಯ್ಕೆ ಮಾಡಲಾಗಿದ್ದು. ಈಗ ದೊರೆ ತಿರುವ ಕನ್ನಡ ಗ್ರಂಥಗಳಲ್ಲಿ ಅತ್ಯಂತ ಪ್ರಾಚೀನ ವಾದ 9 ನೇ ಶತಮಾನದಲ್ಲಿ ರಚಿತವಾಗಿರುವ ಈ ಗ್ರಂಥದ ಕರ್ತೃ ಕನ್ನಡ ನಾಡಿನ ಜನರನ್ನು ಕುರಿತು ಹೇಳುತ್ತಾ `ಕನ್ನಡ ನಾಡಿನ ಜನರು ಬುದ್ಧಿವಂತರಾಗಿದ್ದು ಓದದೆಯೂ ಕಾವ್ಯ ರಚಿಸಬಲ್ಲ ಪರಿಣತಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿದ್ದಾರೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದ್ದಾನೆ. ಅಂತ ಬರೆದರೆ ಸಾಕು.	इस केलिए, यह वाक्य कविराज मार्ग से चुना गया है। 9 वीं शताब्दी में लिखे गए कन्नड ग्रान्थों, में से अत्यन्त पुराना। इस ग्रंथ के लेखकने कन्नड प्रदेश के लोगों के बारे में इस तरह बताया है-बिना पढे वे काव्य रचने की कुशलता रखते हैं। इतना लिखना ही काफ़ी है।
ಮಹೇಶ : ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗೂ ನಾನು ಉತ್ತರ ಬರೆದಿಲ್ಲ. ಸಾಕಷ್ಟು ಸಮಯಾನೇ ಸಿಗಲಿಲ್ಲ. ಏನು ಮಾಡುವುದು?	इस प्रश्न का भी मैं ने उत्तर नहीं लिखा है। पर्याप्त समय ही नहीं मिला। क्या किया जाय?
ರಾಮು : ಪಾಸಾಗುತ್ತೆ ತಾನೇ?	पास तो होगे न?
ಮಹೇಶ : ಖಂಡಿತ ಪಾಸಾಗುತ್ತೆ. ಶೇಕಡಾ 50 ಕಿಂತಲೂ ಹೆಚ್ಚು ಅಂಕಗಳು ಬರುತ್ತೆ ಅನ್ನುವ ನಂಬಿಕೆ ನನಗಿದೆ.	जरूर पास हो जाऊँगा। 50 प्रतिशत से अधिक अंक मिलेंगे। मेरा विश्वास है।
ರಾಮು : ಹಾಗಾದ್ರೆ ಪರವಾಗಿಲ್ಲ ಬಿಡು.	ऐसा है तो कोई बात नहीं।
ಸತೀಶ : ನಾಳೆ ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಇದೆಯಲ್ವಾ? ಅದಕ್ಕೂ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಓದಬೇಕು. ಬನ್ನಿ ಮನೆಗೆ ಹೋಗೋಣ.	कल अंग्रेजी है न? उस केलिए भी खूब पढना है। आओ घर चलें।
ರಾಮು : ಬನ್ನಿ ಹೋಗೋಣ.	आओ चलें।

शब्दार्थ

ತಡವಾಗಿ	देर से	ಮರೆತು	भूल कर
ತಕ್ಷಣ	तुरन्त	ಹುಡುಕಿ	ढूँढकर
ತೆಗೆದುಕೊಂಡು	लेकर	ಇಪ್ಪತ್ತು	बीस
ಮರಗುಳಿ	भूलक्कड	ರಾತ್ರಿಯೆಲ್ಲ	सारी रात
ನಿದ್ದೆ ಕೆಟ್ಟಿದ್ದೆ	नींद खराब की	ಗಡಿಬಿಡಿ	गड़बड़
ಸುಮಾರಾಗಿ	वैसाही	ಓಡಾಟ	भाग - दौड
ಕೆಳಗಿನ	निम्न	ಮಾತ್ರವಲ್ಲ	सिर्फ नहीं
ಸೇರಿಸಿ	जोडकर	ಹೇಗಾದರೂ	किसी तरह
ತಲುಪ	पहुँच	ವಿಮಾನ	हवाई जहाज
ನಿಜಾನಾ	सचमुच	ಕುರಿತು	समझ कर
ಓದದೆಯುಂ	बिना पढे	ಪರಿಣತ	होशियार
ಆಯ್ಕೆ	चुनाव	ಕರ್ತೃ	कर्ता
ಸಾಕಷ್ಟು	पर्याप्त	ಸಿಗಲಿಲ್ಲ	नहीं मिला
ಖಂಡಿತ	जरूर	ಶೇಕಡ	प्रतिशत
ಅಂಕಗಳು	आंक (ब.व)	ನಂಬಿಕೆ	विश्वास
ಅದಕ್ಕೆ	उसके लिए		

अभ्यास

I. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿ.

1. ಪ್ರವೇಶ ಪತ್ರವನ್ನು ಮರೆತು ಬಂದವರು ಯಾರು?
2. ಪ್ರವೇಶ ಪತ್ರ ಮನೆಯಲ್ಲೇ ಇದೆ ಎಂದು ಯಾವಾಗ ತಿಳಿಯಿತು?
3. ಪ್ರವೇಶ ಪತ್ರವನ್ನು ಮರೆಯಲು ಕಾರಣವೇನು?
4. ಹೈಸ್ಕೂಲುಗಳಲ್ಲಿ ಎಷ್ಟು ಭಾಷೆಯನ್ನು ಕಲಿಯುತ್ತಾರೆ?
5. ಕವಿರಾಜಮಾರ್ಗ ಎಷ್ಟನೆಯ ಶತಮಾನದಲ್ಲಿ ರಚಿತವಾದ ಗ್ರಂಥ.

II. ಈ ಕೆಳಗೆ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಅಭ್ಯಾಸ ಮಾಡಿ.

1. 1.ರಾಮನು ಕಾಡಿಗೆ ಹೋದನು.

2. ಮಹೇಶನು ಓದುತ್ತಿದ್ದಾನೆ.

3. ಸೋಮಣ್ಣನು ಮನೆಗೆ ಬಂದನು.

4. ಸುಮ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದಾಳೆ.

5. ದೇವಿಕ ಕಾಲೇಜಿಗೆ ಹೋದಳು.

2. 1. ರಮೇಶನ ಕಾಲಿಗೆ ಏಟು ಬಿದ್ದಿದೆ. ಆದುದರಿಂದ ಅವನು ಓಡಲಾರ.

2. ಸೀತೆಗೆ ಲಾಟರಿ ಬಹುಮಾನ ಬಂತು ಆಗಲೂ ಅವಳಿಗೆ ತೃಪ್ತಿ ಆಗಲಿಲ್ಲ.

3. ರಮೇಶನ ಸ್ಕೂಟರ್ ಕೆಟ್ಟಿದೆ ಆದುದರಿಂದ ಅವನು ಬಸ್ಸಿನಲ್ಲಿ ಆಫೀಸಿಗೆ ಹೋದನು.

4. ಪ್ರತಿಭ ಪರೀಕ್ಷೆಯಲ್ಲಿ ಪಾಸಾಗಲಿಲ್ಲ ಏಕೆಂದರೆ ಅವಳು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಓದಿರಲಿಲ್ಲ.

5. ಸಾರಾಂಶ ಏನು ಅಂದರೆ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಗೆ ಪೂರ್ವದ ಹಳಗನ್ನಡ ಎಂಬ ಒಂದು ಹಂತ ಇತ್ತು ಎಂದು ಇಟ್ಟುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಆದರೆ ಅದರ ಕಾಲದ ಪರಿಮಿತಿಯನ್ನು ನಿರ್ಧರಿಸು-ವುದು ಕಷ್ಟವಾಗಿದೆ.

3. 1.ಈ ಪುಸ್ತಕದಲ್ಲಿ ಅಭ್ಯಾಸಗಳನ್ನೂ ಸೇರಿಸಬೇಕೆಂಬ ಉದ್ದೇಶ ಮೊದಲು ಇದ್ದಿತು.

2. ನೀನು ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಬರುವುದು ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲ ಎಂಬುದನ್ನು ಆಗಲೇ ಹೇಳಬೇಕಾಗಿತ್ತು.

3. ಹಳೆಯ ಸಾಲ ತೀರಿಸದ ಹೊರತು ಹೊಸ ಸಾಲ ಮಂಜೂರಾಗುವುದಿಲ್ಲ ಎಂದು ಬ್ಯಾಂಕ್ ಮ್ಯಾನೇಜರ್ ಹೇಳಿದರು.

4. ಹಗಲೂ ರಾತ್ರಿ ಶ್ರದ್ಧೆಯಿಂದ ಓದದೆ ಇದ್ದರೆ ಪಾಸಾಗುವುದು ಕಷ್ಟ ಎಂದು ಉಪಾಧ್ಯಾಯರು ಸೂಚಿಸಿದರು.

5. ಬಸ್ಸು ಸಿಗಲಿಲ್ಲ ಎಂದು ಕಾರಣ ಹೇಳಿಕೊಂಡು ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗದೆ ರಾಮು ಮನೆಯಲ್ಲೇ ಕುಳಿತ್ತಿದ್ದಾನೆ.

III. ಉದಾಹರಣೆಯಂತೆ ಸಾಮಾನ್ಯ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಸಂಯುಕ್ತ ವಾಕ್ಯವನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿ.

ಉದಾಹರಣೆ : ರಾಮನಿಗೆ ಆಟದಲ್ಲಿ ಮೂರನೆಯ ಬಹುಮಾನ ಬಂತು.

ರಾಮನಿಗೆ ಆಟದಲ್ಲಿ ಮೊದಲನೆಯ ಬಹುಮಾನ ಬರಲಿಲ್ಲ.

ರಾಮನಿಗೆ ಆಟದಲ್ಲಿ ಮೂರನೆಯ ಬಹುಮಾನ ಬಂತು, ಆದರೆ ಮೊದಲನೆಯ ಬಹುಮಾನ ಬರಲಿಲ್ಲ.

1. ಕೃಷ್ಣನು ಮರದಿಂದ ಬಿದ್ದನು.
ಕೃಷ್ಣನು ಅಳಲಿಲ್ಲ.

2. ನಾನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಓದಿದ್ದೆ.
ನನಗೆ ಪರೀಕ್ಷೆಯಲ್ಲಿ ರ್‍ಯಾಂಕ್ ಬರಲಿಲ್ಲ.

IV. ಉದಾಹರಣೆಯಂತೆ ಈ ಸಂಯುಕ್ತ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಸಾಮಾನ್ಯ ವಾಕ್ಯ ಮಾಡಿ.

ಉದಾಹರಣೆ: ರಮೇಶನ ಕಾಲಿಗೆ ಏಟುಬಿದ್ದಿದೆ ಆದುದರಿಂದ ಅವನು ಓಡಲಾರ.

1. ರಮೇಶನ ಕಾಲಿಗೆ ಏಟು ಬಿದ್ದಿದೆ.
2. ರಮೇಶ ಓಡಲಾರ.

1. ಸರಸ್ವತಿಯು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಓದಿದಳು ಆದುದರಿಂದ ಪರೀಕ್ಷೆಯಲ್ಲಿ ರ್‍ಯಾಂಕ್ ಪಡೆದಳು.
2. ಉಪಾಧ್ಯಾಯರಿಗೆ ಆರೋಗ್ಯ ಚೆನ್ನಾಗಿಲ್ಲ ಆದುದರಿಂದ ಶಾಲೆಗೆ ಬಂದಿಲ್ಲ.

V. ಕೆಳಗಿನ ವಾಕ್ಯವೃಂದವನ್ನು ಓದಿ, ಇದರಲ್ಲಿರುವ ಮಿಶ್ರವಾಕ್ಯ, ಸಂಯುಕ್ತ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಸಾಮಾನ್ಯ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿ.

ಗಂಧರ್ವ ಲೋಕದ ಅರಸನಾಗಿದ್ದ ಹಂಸ ಎಂಬ ಅರಸನು, ಚಂದ್ರನ ವಂಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗೌರಿ ಎಂಬ ಅಪ್ಸರೆಯನ್ನು ಮದುವೆಯಾಗಿ ಸಂತೋಷವಾಗಿ ಇದ್ದನು. ಕೆಲವು ಕಾಲ ಕಳೆದ ಮೇಲೆ, ಅವರಿಗೆ ಒಂದು ಹೆಣ್ಣು ಮಗು ಹುಟ್ಟಿ, ಅದಕ್ಕೆ ಮಹಾಶ್ವೇತೆ ಎಂಬ ಹೆಸರನ್ನು ಇಡಲಾಯಿತು. ಮಹಾಶ್ವೇತೆಯು ಚಂದ್ರನಂತೆ ದಿನೇದಿನೇ ಬೆಳೆಯುತ್ತಾ, ನಾಟ್ಯ, ಸಂಗೀತ ಮೊದಲಾದ ಕಲೆಗಳನ್ನು ಕಲಿತಳು. ರಾಜಕುಮಾರಿಗೆ ತರಳಿಕೆ ಎಂಬ ಸಖಿ ಇದ್ದು ಅವಳು ಮಹಾಶ್ವೇತೆಯೊಡನೆ ಅನ್ಯೋನ್ಯವಾಗಿ ಬಾಳಿದಳು. ಒಂದು ದಿನ ಗೌರಿ ಮತ್ತು ಮಹಾಶ್ವೇತೆಯರು, ಸರೋವರಕ್ಕೆ ಸ್ನಾನಕ್ಕೆ ಹೋದಾಗ ಮಹಾಶ್ವೇತೆಯು ಪುಂಡರೀಕನೆಂಬ ಋಷಿಪುತ್ರನನ್ನು ಕಂಡು, ಅವನ ಕಿವಿಯಲ್ಲಿದ್ದ ಹೂಗೊಂಚಲನ್ನು ಮೋಹಿಸಿದಳು.

ಓದಿ ಮತ್ತು ಅರ್ಥಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಿ

ಚಿಂತೆ
चिंता

ಅಧ್ಯಕ್ಷರು: ಮಹಾಜನಗಳೇ, ಈಗ ಡಾಕ್ಟರ್ ಜಗದಾತ್ಮಾನಂದಜೀ ಅವರು ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ.

ಡಾ. ಜಗದಾತ್ಮಾನಂದ: ಎಲ್ಲರಿಗೂ ನನ್ನ ಸಪ್ರೇಮ ನಮಸ್ಕಾರಗಳು. ಈಗ ನಾನು ಮಾತನಾಡುವ ವಿಷಯ `ಚಿಂತೆ.' ಇದು ನಿಮಗೆಲ್ಲರಿಗೂ ತಿಳಿದಿರುವ ವಿಷಯ. ಅಷ್ಟೇ ಅಲ್ಲ. ಎಷ್ಟೋ ವೇಳೆ ನೀವು ಚಿಂತೆಗೆ ಒಳಗಾಗಿದ್ದೀರಿ. ತಳಮಳಗೊಂಡಿದ್ದೀರಿ ಎಂಬುದು ನನ್ನ ನಂಬಿಕೆ. ಚಿತೆಯು ಸತ್ತ ಮನುಷ್ಯನನ್ನು ಸುಟ್ಟರೆ ಚಿಂತೆಯು ಜೀವಂತ ವ್ಯಕ್ತಿಯನ್ನು ಸುಡುತ್ತದೆ, ಎಂದು ಹಿರಿಯರು ಹೇಳಿರುವ ಮಾತು ಅಕ್ಷರಶಃ ಸತ್ಯ. ಚಿಂತೆ, ಆಕ್ರೋಶ, ಭಯ ಮತ್ತು ಉದ್ವೇಗಗಳು ನಮ್ಮ ರಕ್ತ ಸಂಚಾರ, ಜೀರ್ಣಾಂಗವ್ಯೂಹ ಹಾಗೂ ನರಮಂಡಲಗಳ ಮೇಲೆ ಪರಿಣಾಮವನ್ನು ಉಂಟು ಮಾಡುತ್ತವೆ. ಇದರ

ಜೊತೆಗೆ ನಮ್ಮ ಆರೋಗ್ಯವನ್ನು ಹದಗೆಡಿಸುತ್ತವೆ. ಕಠಿಣ ಪರಿಶ್ರಮದಿಂದ ಸತ್ತವರು ಕಡಿಮೆ ಆದರೆ ಚಿಂತೆ, ಆಕ್ರೋಶ, ಭಯ ಮತ್ತು ಉದ್ವೇಗಗಳಿಂದ ಅನೇಕರು ಸತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ವೈಜ್ಞಾನಿಕ ಯುಗದ ವೇಗ, ಅವಸರ ಗೊಂದಲಗಳ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಬದುಕುವ ನಾವು ರಾಜಕೀಯದ ರಾಗದ್ವೇಷಗಳ ಜಾಲದಲ್ಲಿ ಸಿಕ್ಕಿಕೊಂಡಿದ್ದೇವೆ. ಬದುಕಿಗಾಗಿ, ಧನಾರ್ಜನೆಗಾಗಿ ಕೊರಳಿರಿಯುವ ತೀವ್ರ ಸ್ಪರ್ಧೆಯ ಸುಳಿಯಲ್ಲಿ ಸುತ್ತುತ್ತಿದ್ದೇವೆ. ವಿಭಿನ್ನ ಜಾತಿ, ಮತ, ಪಥ, ಪಂಥ, ಪಕ್ಷ ಪಂಗಡಗಳೊಳಗಿನ ಗುಪ್ತ ವ್ಯಕ್ತ ವಿದ್ವೇಷ ಭಾವನೆಗಳ ಪ್ರವಾಹದಲ್ಲಿ ತೇಲುತ್ತಿದ್ದೇವೆ. ಮೌಲ್ಯಗಳ ಕುಸಿತ, ಸಂಕುಚಿತ ಸ್ವಾರ್ಥತೆ ಹಾಗೂ ನೈತಿಕ ಅದಃಪತನಗಳನ್ನು ಸರ್ವತ್ರ ಕಾಣುತ್ತಿದ್ದೇವೆ. ಇದರಿಂದ ಹೊರಬರಲು ನಮ್ಮ ಆಂತರಿಕ ಶಾಂತಿಯನ್ನು, ಸಮತೋಲನವನ್ನು, ಚಿತ್ತ ಸ್ವಾಸ್ಥ್ಯವನ್ನು ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳುವ ವಿಧಾನವನ್ನು ತಿಳಿಯಬೇಕು, ಚಿಂತೆಯನ್ನು ಬಿಡಬೇಕು.

नए शब्द

ಒಳಗಾಗಿದ್ದೀರಿ	लगे रहते हैं	ತಳಮಳಗೊಂಡಿದ್ದೀರಿ	चटपटा है
ಚಿತೆಯು	आग	ಸುಡುತ್ತದೆ	जलाता है
ಆಕ್ರೋಶ	आक्रोश	ಉದ್ವೇಗ	उद्वेग
ಜೀರ್ಣಾಂಗ ವ್ಯೂಹ	पाचन क्रिया	ನರಮಂಡಲ	नरमंडल
ಹದಗೆಡಿಸುತ್ತವೆ	नाश करते हैं	ಅವಸರ ಗೊಂದಲ	गडबडी
ಧನಾರ್ಜನೆಗಾಗಿ	धन कमाने केलिए	ತೇಲುತ್ತಿದ್ದೇವೆ	तैर रहे हैं
ಚಿಂತೆ	चिंत/चिता		

I. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿ.

1. ಚಿಂತೆಯು ಯಾರನ್ನು ಸುಡುತ್ತದೆ?
2. ಚಿಂತೆ, ಆಕ್ರೋಶ, ಭಯ ಮತ್ತು ಉದ್ವೇಗಗಳು ನಮ್ಮ ಶರೀರದ ಮೇಲೆ ಎಂತಹ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರುತ್ತವೆ?
3. ನಾವು ಯಾವ ಜಾಲದಲ್ಲಿ ಸಿಕ್ಕಿಕೊಂಡಿದ್ದೇವೆ?
4. ನಾವು ಎಂತಹ ಸ್ಪರ್ಧೆಯ ಸುಳಿಯಲ್ಲಿ ಸುತ್ತುತ್ತಿದ್ದೇವೆ?
5. ನಾವು ಎಂತಹ ಭಾವನೆಗಳ ಪ್ರವಾಹದಲ್ಲಿ ತೇಲುತ್ತಿದ್ದೇವೆ.

II. **ಈ ಪದಗಳನ್ನು ನಿಮ್ಮ ಸ್ವಂತ ವಾಕ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಿ.**

ಚಿಂತೆ, ತಳಮಳ, ಆಕ್ರೋಶ, ಭಯ, ಉದ್ವೇಗ,
ಅವಸರ, ರಕ್ತ ಸಂಚಾರ, ಜೀರ್ಣಾಂಗವ್ಯೂಹ, ನರಮಂಡಲ, ಗೊಂದಲ

III. **ಕನ್ನಡಕ್ಕೆ ಭಾಷಾಂತರಿಸಿ.**

स्वाधीनता के तुरन्त बाद सर्वप्रथम गाँव में पँचायतें बनाई गई। यह गाँव के सुधार केलिए काम करती हैं। चकबन्दी के जरिये गाँव के छोटे छोटे खेतों को मिलाकर, बडे बडे चेक बनाकर किसानों को बाँट दिये गये। पहले किसान बाजार में स्वयं जाकर अपना अनाज बेचते थे। दूसरी फसल केलिए अपना बीज बचाकर रखते थे जिस से कभी उन्हें बीज की कमी नही हो जाती थी। कभी फसल बेचने में कठिनाई होती। इन सब कठिनायियों को दूर करने केलिए गाँवों में समितियाँ बनाई गई हैं। गाँव के सभी किसान सादार होते हैं। ये समितियाँ गाँव की फसल बेचती हैं, अच्छे बीजों को रखती हैं, एवं जरूरत पडने पर खेती केलिए ऋुण भी देती है। इन की सहायता करने केलिए सरकार की ओर से कुछ अधिकारी गाँव में नियुक्त किये जाते हैं जिन्हें ग्रामसेवक कहते हैं।

IV. **निम्नांकित विषय पर दस वाक्य लिखिए।**

`ವಿಶ್ವಾಸ'

टिप्पणियाँ

इस पाठ में संयुक्त और मिश्र वाक्यों का परिचय दिया गया है।

I. हिन्दी की तरह कन्नड में भी दो या दो से अधिक समानाधिकरण उपवाक्यों को जोडकर संयुक्त वाक्य बनाये जाते हैं। वाक्यों को `ಮತ್ತು ; `ಸಹ' आदी समुच्चय बोधक शब्दों से जोडते हैं।

उदाहरण : ಸರಸ್ವತಿಯು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಓದಿದಳು ಮತ್ತು ರಮೇಶನೂ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಓದಿದನು ಆದುದರಿಂದ ಇಬ್ಬರೂ ಪರೀಕ್ಷೆಯಲ್ಲಿ ರ‍್ಯಾಂಕ್ ಪಡೆದರು.

सरस्वतीने खूब पढा और रमेश ने भी खूब पढा इसलिए दोनों ने परीक्षा में रैंक (स्थान) पाया।

II. हिन्दी की तरह कन्नड में भी मिश्रंवाक्यों में एक मुख्य उपवाक्य होता है और एक या एक से अधिक आश्रित उपवाक्य होते हैं।

उदाहरण : ರಜ ಬೇಕು ಎಂದು ಈಗ ಕೇಳಿದರೆ ಏನು ಮಾಡುವುದು? ನೀನು ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಬರುವುದಕ್ಕೆ ಆಗುವುದಿಲ್ಲ ಎಂಬುದನ್ನು ಆಗಲೇ ಹೇಳಬೇಕಾಗಿತ್ತು.

तभी बताना था कि तुम काम केलिए नहीं आते; अब क्या किया जाय? अब पूछे कि काम केलिए छुट्टी चाहिए।

कन्नड के मिश्र वाक्यों की संरचना हिन्दी की तरह होती है। उन के उदाहरण इस पाठ के अभ्यास में मिलते हैं। उन का संरचना भी वहाँ दी गई है।

ಪಾಠ पाठ 23

ಅಂಗಡಿಯಿಂದ ಖರೀದಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ — दुकान से खरीदा गया है

ರಂಜನ್	: ಶ್ರೀನಾಥ್ ಎಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇದೀಯ?	श्रीनाथ कहाँ जा रहे हो?
ಶ್ರೀನಾಥ್	: ಪುಸ್ತಕ ಪ್ರದರ್ಶನಕ್ಕೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇದೀವಿ. ಬರ್ತೀಯಾ?	(हम) पुस्तक प्रदर्शिनी केलिए जा रहे हैं। क्या तुम भी आ रहे हो?
ರಂಜನ್	: ಯಾರು ಯಾರು ಹೋಗ್ತಾ ಇದೀರಾ?	कौन कौन जा रहे हैं?
ಶ್ರೀನಾಥ್	: ನಾನು ಮತ್ತು ನಮ್ಮ ತಂದೆ ಹೋಗ್ತಾ ಇದೀವಿ. ನನ್ನ ತಂಗಿ ಸುಮ ಕೂಡ ಬರ್ತಾ ಇದಾಳೆ.	मैं और मेरे पिताजी जा रहे हैं। मेरी छोटी बहन सुमा भी आ रही है।
ರಂಜನ್	: ನಮ್ಮ ಅಣ್ಣ ಸಹ ಬರಬೇಕು ಅಂತ ಇದ್ದ. ಅವನು ಬರ್ತಾನೋ ಇಲ್ಲವೋ ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ.	मेरे बडे भाई कह रहे थे कि उन्हें भी आना है। वे आयेंगे या नहीं, मालूम नहीं।
ಶ್ರೀನಾಥ್	: ಹಾಗಾದ್ರೆ ಕೇಳಿಬಿಟ್ಟು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಾ.	ऐसा है तो पूछ कर बुला लाओ।
ಮಿಶ್ರ	: ಶ್ರೀನಾಥ್, ಸುಮ ಹೊರಡೋಣ್ವಾ?	श्रीनाथ, सुमा (अब) चलें?
ಶ್ರೀನಾಥ್	: ಹೊರಡೋಣ ಬನ್ನಿ ಅಪ್ಪ. ರಂಜನ್ ಕೂಡ ಬರ್ತಾನಂತೆ.	पिताजी, आइए चलें। रंजन कहता है कि वह भी आयेगा।
ಮಿಶ್ರ	: ಬರಲಿ. ಬಾ ರಂಜನ್.	आने दो। आओ रंजन।
ರಂಜನ್	: ಬಂದೇ ಅಂಕಲ್.	आया अंकल।
ಶ್ರೀನಾಥ್	: ಆ ಚೀಟಿ ಏನು ಸುಮ?	यह चिट्‌ट क्या है सुमा?
ಸುಮ	: ಕೆಲವು ಪುಸ್ತಕಗಳ ಹೆಸರನ್ನು ಗುರುತು ಹಾಕಿಕೊಂಡಿದೀನಿ. ಬಿ.ಎಂ. ಶ್ರೀಕಂಠಯ್ಯ, ಕಿತ್ತೂರುರಾಣಿ ಚೆನ್ನಮ್ಮ, ಟಿಪ್ಪುಸುಲ್ತಾನ್, ಸರ್ ಎಂ.ವಿಶ್ವೇಶ್ವರಯ್ಯ ಅವರ ಬಗ್ಗೆ ಪುಸ್ತಕ ಸಿಕ್ಕಿದರೆ ತರಬೇಕು.	कुछ पुस्तकों के नाम लिख लिया है। बि. एम. श्रिकंठय्या, कित्तूररानी चेन्नम्मा, टीपू सुल्तान सर.एम.विश्वेश्वरय्या - इनके विषय में पुस्तकें मिलेंगी तो लाना है।

ರಂಜನ್	: ವಿಶ್ವೇಶ್ವರಯ್ಯ ಯಾರು?	विश्वेश्वरय्या कौन हैं?
ಸುಮ	: ಅಷ್ಟೂ ಗೊತ್ತಿಲ್ವ? ಅವರು ನಮ್ಮ ಮೈಸೂರು ರಾಜ್ಯದ ದಿವಾನರಾಗಿದ್ದರು. ಮತ್ತು ನಮ್ಮ ಕರ್ನಾಟಕದ ಬಹು ದೊಡ್ಡ ಇಂಜಿನಿಯರ್ ಆಗಿದ್ದರು. ಅವರಿಂದ ಬಹಳ ಕೈಗಾರಿಕೆಗಳು ಸ್ಥಾಪಿಸಲ್ಪಟ್ಟವು. ಕನ್ನಂಬಾಡಿ ಆಣೆಕಟ್ಟು ವಿಶ್ವೇಶ್ವರಯ್ಯನವರಿಂದ ಕಟ್ಟಲ್ಪಟ್ಟಿತು.	वह भी नहीं जानते हो? वे हमारे मैसूर् राज्य के दिवान्‌जी थे। और कर्नाटिक् के बहुत बडे एंजिनियर थे। उनके द्वारा बहुत से उधोग स्थापित किये गये हैं। कन्नम्बाडी बाँध विश्वेश्वरय्या द्वारा बनवाया गया है।
ರಂಜನ್	: ಕನ್ನಂಬಾಡಿ ಆಣೆಕಟ್ಟು ಅಂದ್ರೆ ಕೆ.ಆರ್.ಎಸ್. ಅಲ್ವಾ?	कन्नम्बाडी बाँध यानी के.आर.एस्. है न?
ಸುಮ	: ಹೌದು. ಅದೇ ಕನ್ನಂಬಾಡಿ ಆಣೆಕಟ್ಟು – ಕೃಷ್ಣರಾಜಸಾಗರ, ಬೃಂದಾವನ ಗಾರ್ಡನ್ ಅಂತ ಬೇರೆ ಬೇರೆ ಹೆಸರುಗಳಿಂದ ಕರೆಯಲ್ಪಡುತ್ತದೆ.	हाँ। वही कन्नम्बाडी बाँध है - (इसे) कृष्णराज सागर, बृन्दावन गार्डन, अलग अलग नामों से पुकारा जाता है।
ಶ್ರೀನಾಥ್	: ನೋಡು! ಎಷ್ಟೊಂದು ಪುಸ್ತಕಗಳಿವೆ ಅಲ್ವಾ?	देखो! कितनी किताबें हैं न?
ಸುಮ	: ಆ ಬೋರ್ಡಿನಲ್ಲಿ ಏನು ಬರೆದಿದಾರೆ ಗೊತ್ತಾ?	क्या तुम जानते हो कि उस बोर्ड पर क्या लिखा है?
ರಂಜನ್	: ಎಲ್ಲಾ ಪುಸ್ತಕಗಳಿಗೂ ಶೇಕಡ ಇಪ್ಪತ್ತು ರಿಯಾಯಿತಿ ನೀಡಲಾಗುವುದು ಅಂತ ಬರೆದಿದೆ.	(इस पर) लिखा गया है कि सभी पुस्तकों केलिए बीस प्रतिशात छूट दी जाती है।
ಸುಮ	: ಅಂದರೆ ನೂರು ರೂಪಾಯಿಗಳ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಕೊಂಡುಕೊಂಡರೆ ಇಪ್ಪತ್ತು ರೂಪಾಯಿಗಳ ರಿಯಾಯಿತಿ ಕೊಡಲಾಗುತ್ತದೆ.	यानि सौ रुपयों की किताबें खरीदें तो बीस रुपयों की छूट दी जाती है।
ಶ್ರೀನಾಥ್	: ಹಾಗಾದ್ರೆ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ.	ऐसा है तो खरीदेंगे।
ಶರ್ಮ	: ಮೊದಲು ಪುಸ್ತಕ ನೋಡಿ ಆಯ್ಕೆ ಮಾಡಿ.	पहले पुस्तकें देखो फिर चुन लो।
ಸುಮ	: ಇಲ್ಲಿ ನೋಡು 'ಹಣವನ್ನು ಕೌಂಟರಿನಲ್ಲಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಿ ರಶೀತಿಯನ್ನು ಪಡೆಯ ತಕ್ಕದು' ಅಂತ ಬರೆದಿದಾರೆ.	यहाँ देखो। लिखा है कि खिडकी पर पैसा देकर रसीद जरूर लेना है।

ಶ್ರೀನಾಥ್	: ಹಾಗೆ ಬರೆದಿರೋದು ಯಾಕೆ ಗೊತ್ತಾ?	क्या तुम जानते हो ऐसा क्यों लिखा गया है?
ಸುಮ	: ಯಾಕೆ?	क्यों?
ಶ್ರೀನಾಥ್	: ಇದೇ ಪುಸ್ತಕವನ್ನ ಮತ್ತೊಂದು ಅಂಗಡಿಗೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋದಾಗ ಆ ಅಂಗಡಿಯವರು ಈ ಪುಸ್ತಕ ನಮ್ಮ ಅಂಗಡಿಯಿಂದಲೇ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ ಅಂತ ಹಣ ಕೇಳಿದರೆ ತಪ್ಪಾಗುತ್ತೆ ಅಲ್ವಾ?	यदी इसी पुस्तक को दूसरी दुकान पर ले जायें तो, वह दुकानदार `यह पुस्तक मेरी दुकान से खरीदी गई हैं?' ऐसा कह कर पैसा माँगे तो गलत होगा न?
ಸುಮ	: ನೀನು ಹೇಳೋದು ಸರಿ. ರಶೀದಿ ಇದ್ದರೆ ಈ ಪುಸ್ತಕ ಯಾವ ಅಂಗಡಿಯಿಂದ ಖರೀದಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ ಅನ್ನುವ ವಿಷಯ ಸುಲಭವಾಗಿ ತಿಳಿಯಲ್ಪಡುತ್ತದೆ.	तुम्हारा कहना ठीक है। रसीद रहे तो आसानीसे यह समझा जा सकता है कि यह पुस्तक किस दुकान से खरीदी गई है।
ರಂಜನ್	: `ಮಲೆಗಳಲ್ಲಿ ಮದುಮಗಳು' ಈ ಪುಸ್ತಕ ಯಾವುದು?	`मलेगळल्लि मदुमगळु' यह कौनसी पुस्तक है?
ಶರ್ಮ	: ಇದು ಕಾದಂಬರಿ. ಕುವೆಂಪು ಅವರಿಂದ ಬರೆಯಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ. ಇದನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ.	यह उपन्यास है। कुवेंपुजी द्वारा लिखा गया है। (चलो) इसे खरीदें।
ರಂಜನ್	: ಕುವೆಂಪು ಕಾದಂಬರಿಕಾರ್‌ರಾ?	क्या कुवेम्पु उपन्यासकार हैं?
ಶರ್ಮ	: ಕುವೆಂಪು ಮಹಾಕವಿ. ಅವರಿಂದ ಎರಡು ಕಾದಂಬರಿಗಳು ಬರೆಯಲ್ಪಟ್ಟಿವೆ. ಕಾವ್ಯಗಳು, ನಾಟಕಗಳು, ವಿಮರ್ಶೆ ಹೀಗೆ ಅನೇಕ ಕೃತಿಗಳು ಕುವೆಂಪು ಅವರಿಂದ ರಚಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿವೆ.	कुवेम्पु महा कवि हैं। उनके द्वारा दो उपन्यास लिखें गये हैं। काव्य, नाटक, आलोचना ऐसी अनेक कृतियाँ कुवेंपु- जी द्वारा लिखी गई हैं।
ಶ್ರೀನಾಥ್	: `ಹೋರಾಟದ ಬದುಕು' ಇದು ಜವರೇಗೌಡರಿಂದ ಬರೆಯಲ್ಪಟ್ಟಿರುವ ಪುಸ್ತಕಾನಾ?	`होराटद बदुकु' क्या यह जवरेगौडाजी से लिखी गई पुस्तक है?
ಶರ್ಮ	: ಹೌದು. ಜವರೇಗೌಡರ ಪ್ರಾಮಾಣಿಕ ಎನಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಆತ್ಮಚರಿತ್ರೆ.	हाँ। यह जवरेगौडाजी का प्रामाणिक माना जानेवाला आत्मकथा है।
ಸುಮ	: ಈ ಸಿರಿಗನ್ನಡ ಅರ್ಥಕೋಶ ಶಿವರಾಮ	यह `सिरिगन्नड अर्थ कोश' शिवराम

ಕಾರಂತರಿಂದ ಸಂಪಾದಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ ಅಲ್ವಾ?	कारन्तजी द्वारा सम्पादित किया गया है न?
ಶರ್ಮ : ಹೌದು, ಅದನ್ನೂ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳೋಣ.	हाँ। उसे भी खरीदें।
ರಂಜನ್ : ಈ `ಹಿಂದಿ-ಕನ್ನಡ ಅರ್ಥಕೋಶ' ಯಾರಿಂದ ಸಂಪಾದಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ?	यह `हिन्दी कन्नड अर्थ कोश' किस के द्वारा सम्पादित किया गया है?
ಸುಮ : ಅಲ್ಲೇ ಬರೆದಿದೆ ನೋಡು. ಇದು ಗುರುನಾಥ ಜೋಶಿ ಅವರಿಂದ ಸಂಪಾದಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ.	देखो, वहीं लिखा हुआ है। यह गुरुनाथ जोशिजी द्वारा सम्पादित किया गया है।
ಶ್ರೀನಾಥ್ : ಅಪ್ಪ, ಕಥೆ ಪುಸ್ತಕಗಳು ಎಲ್ಲಿವೆ?	पिताजी, कहानी की पुस्तकें कहाँ हैं?
ಶರ್ಮ : ಅಲ್ಲಿ `ಮಕ್ಕಳ ಸಾಹಿತ್ಯ' ಅಂತ ಬೋರ್ಡ್ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ. ಅಲ್ಲಿ ನೋಡೋಣ ಬನ್ನಿ.	वहाँ `मक्कळ साहित्य' (बाल - साहित्य) बोर्ड लगाया गया है। चलो, वहाँ देखें।
ಶ್ರೀನಾಥ್ : ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗೋಣ ಬನ್ನಿ.	आइए, वहीं चलें।
ರಂಜನ್ : ಆಗಲಿ ಹೋಗೋಣ.	ठीक चलें।

शब्दार्थ

ಖರೀದಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ	खरीदा गया है	ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ	मालूम नहीं
ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಾ	बुला लाओ	ಕೂಡ	भी
ಬರಲಿ	आने दो	ಗುರುತು	चिन्ह
ಹಾಕಿಕೊಂಡಿದೀನಿ	लगा है	ಸಿಕ್ಕಿದರೆ	मिले तो
ತರಬೇಕು	लाना है	ಕೈಗಾರಿಕೆಗಳು	उध्योग
ಸ್ಥಾಪಿಸಲ್ಪಟ್ಟವು	स्थापित हुए	ಅಣೆಕಟ್ಟು	बाँध
ಕಟ್ಟಲ್ಪಟ್ಟಿತು	बनवाया गया है	ಕರೆಯಲ್ಪಡುತ್ತದೆ	पुकारा जाता
ರಿಯಾಯಿತಿ	छूट	ನೀಡಲಾಗುವುದು	दी जाती
ಕೌಂಟರ್	खिड़की	ಪಾವತಿಮಾಡಿ	पैसा देकर
ಪಡೆಯತಕ್ಕದ್ದು	जरूर लेना	ಬರೆಯಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ	लिखा गया है
ಕಾದಂಬರಿಕಾರ	उपन्यासकार	ವಿಮರ್ಶೆ	आलोचना
ಸಂಪಾದಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ	सम्पादित है	ಕಥೆ	कहानी

अभ्यास

I. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿ.

1. ಪುಸ್ತಕ ಪ್ರದರ್ಶನಕ್ಕೆ ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದವರು ಯಾರು?
2. ಯಾರ ಬಗ್ಗೆ ಪುಸ್ತಕ ಸಿಕ್ಕಿದರೆ ತರಬೇಕು ಎಂದು ಸುಮ ಹೇಳಿದಳು?
3. ವಿಶ್ವೇಶ್ವರಯ್ಯನವರು ಯಾರು?
4. ಕೆ.ಆರ್.ಎಸ್.ಗೆ ಇರುವ ಬೇರೆ ಬೇರೆ ಹೆಸರುಗಳು ಯಾವುವು?
5. 'ಮಲೆಗಳಲ್ಲಿ ಮದುಮಗಳು' ಯಾರಿಂದ ಬರೆಯಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ?

II. ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಇರುವ ಸೂಕ್ತ ಪದವನ್ನು ಆರಿಸಿ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಪೂರ್ತಿಮಾಡಿ.

(ಕಟ್ಟಲ್ಪಟ್ಟಿತು, ರಶೀತಿಯನ್ನು, ಅವರಿಂದ, ಬರೆಯಲ್ಪಟ್ಟ, ರೂಪಾಯಿ)

1. ಇದು ಗುರುನಾಥ ಜೋಷಿ............ ಸಂಪಾದಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ.
2. ಹೋರಾಟದ ಬದುಕು ಜವರೇಗೌಡರಿಂದ .... ಪುಸ್ತಕಾನಾ?
3. ಹಣವನ್ನು ಕೌಂಟರ್‌ನಲ್ಲಿ ಪಾವತಿಮಾಡಿ .... ಪಡೆಯತಕ್ಕದ್ದು.
4. ಕನ್ನಂಬಾಡಿ ಆಣೆಕಟ್ಟು ವಿಶ್ವೇಶ್ವರಯ್ಯನವರಿಂದ ....
5. ನೂರು ರೂಪಾಯಿಗಳ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಕೊಂಡುಕೊಂಡರೆ ಇಪ್ಪತ್ತು ....ರಿಯಾಯಿತಿ ಕೊಡಲಾಗುತ್ತದೆ.

III. ಈ ಪದಗಳನ್ನು ವಾಕ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಿ.

ನೀಡಲಾಗುವುದು, ಕೊಡಲಾಗುವುದು, ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ, ನೀಡಲ್ಪಟ್ಟಿತು, ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟಿತು, ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟಿತು, ರಚಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ, ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ, ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ, ಕುಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ.

IV. ಉದಾಹರಣೆಯಂತೆ ವಾಕ್ಯರೂಪವನ್ನು ಪರಿವರ್ತಿಸಿ.

ಉದಾಹರಣೆ : ಎಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೂ ಉಚಿತ ಊಟ, ವಸತಿ ನೀಡಲಾಗುವುದು.

ಎಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೂ ಉಚಿತ ಊಟ, ವಸತಿ ನೀಡಲ್ಪಡುತ್ತದೆ.

1. ಅರ್ಹರಿಗೆ ನಿರುದ್ಯೋಗ ಭತ್ಯೆ ಕೊಡಲಾಗುವುದು.
2. ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಉಚಿತ ಪಠ್ಯಪುಸ್ತಕ ನೀಡಲಾಗುವುದು.
3. ವಸತಿ ಹೀನರಿಗೆ ವಸತಿ ಒದಗಿಸಲಾಗುವುದು.

4. ಗ್ರಾಮೀಣ ಯುವಕರಿಗೆ ಉಚಿತ ತರಬೇತಿ ಕೊಡಲಾಗುವುದು.

5. ಸರ್ಕಾರಿ ನೌಕರರಿಗೆ ತುಟ್ಟಿಭತ್ಯೆ ನೀಡಲಾಗುವುದು.

V. ಈ ಕೆಳಗೆ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ಪದಪುಂಜಗಳನ್ನು ವಾಕ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಿ.

ಮಂಜೂರು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ, ರಜೆ ಘೋಷಿಸಲಾಗಿದೆ, ನಿಷೇದಾಜ್ಞೆ ಜಾರಿಗೊಳಿಸಲಾಗಿದೆ, ತಿದ್ದುಪಡಿ ಮಾಡಲಾಗಿದೆ, ಪ್ರಾಣಿಗಳು ಕೊಲ್ಲಲ್ಪಟ್ಟಿವೆ, ಮನೆಗಳು ಕಟ್ಟಲ್ಪಟ್ಟಿವೆ, ಜಮೀನು ಮಾರಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ.

ಓದಿ ಮತ್ತು ಅರ್ಥ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಿ.

ದಿನಪತ್ರಿಕೆ
समाचार पत्र

ರಮೇಶ : ರಾಜು, ಪೇಪರ್ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಬಾ.

ರಾಜು : ಯಾಕಪ್ಪ?

ರಮೇಶ : ಓದೋಕೆ. ಇವತ್ತಿನ ದಿನಪತ್ರಿಕೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಬಾ.

ರಾಜು : ನಾನೇ ಓದ್ತೀನಿ ಕೇಳು.

ರಮೇಶ : ಓದು.

ರಾಜು : ನಗರದಲ್ಲಿ ನಿಷೇಧಾಜ್ಞೆ. ನಿನ್ನೆ ನಗರದಲ್ಲಿ ನಡೆದ ಗುಂಪು ಘರ್ಷಣೆಯ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಇಂದಿನಿಂದ ಮೂರು ದಿನಗಳ ಕಾಲ ನಗರದಲ್ಲಿ ನಿಷೇದಾಜ್ಞೆಯನ್ನು ಜಾರಿಗೊಳಿಸಲಾಗಿದೆ. ನಗರದಲ್ಲಿ ಹಿಂದಿ ಪುಸ್ತಕಗಳ ಭಾರಿ ಮಾರಾಟ. ನಗರದ ಟೌನ್‌ಹಾಲ್ ಮೈದಾನದಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿರುವ ಮಳಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಸಾವಿರಾರು ಹಿಂದಿ ಪುಸ್ತಕಗಳ ಪ್ರದರ್ಶನ ಮತ್ತು ಮಾರಾಟವನ್ನು ಏರ್ಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಎಲ್ಲಾ ಪುಸ್ತಕಗಳ ಮೇಲೆ ಶೇಕಡ ಹತ್ತು ರೂಪಾಯಿ ರಿಯಾಯಿತಿ ಕೊಡಲಾಗುವುದು. ಮುಖ್ಯ ಮಂತ್ರಿಗಳಿಂದ ನಗರದಲ್ಲಿ ಮಿನಿ ವಿಧಾನ ಸೌಧದ ಉದ್ಘಾಟನೆ. ರಾಜ್ಯದ ಮಾನ್ಯ ಮುಖ್ಯ ಮಂತ್ರಿ ಯವರಿಂದ ಮುಂದಿನ ಭಾನು-ವಾರ ಉದ್ಘಾಟನೆ ನೆರವೇರಿಸಲ್ಪಡುವುದು. ಈ ಸೌಧಕ್ಕೆ ತಾಲ್ಲೋಕು ಕಛೇರಿಗಳನ್ನು ಸ್ಥಳಾಂತರಿಸಲಾಗುವುದು.

ರಮೇಶ : ಏನೇನೋ ಓದ್ತಾ ಇದಾನೆ. ಕೊಡೋ ಇಲ್ಲಿ. ಆಟದ ಬಗ್ಗೆ ಓದಬೇಕು.

ರಾಜು : ತಗೋ, ನೀನೇ ಓದು.

नए शब्द

ಇವತ್ತಿನ	आज का	ಗುಂಪುಘರ್ಷಣೆ	झगडा
ಜಾರಿಗೊಳಿಸಲಾಗಿದೆ	जारी किया गया है	ಏರ್ಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ	आयोजित किया गया है।
ಕೊಡಲಾಗುವುದು	दिया जाता है	ಮಿನಿ	छोटा
ಸ್ಥಳಾಂತರ	स्थानान्तर	ದಿನಪತ್ರಿಕೆ	समाचार पत्र

I. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿ.

1. ಯಾವ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ನಿಷೇಧಾಜ್ಞೆ ವಿಧಿಸಲಾಗಿದೆ?
2. ನಿಷೇಧಾಜ್ಞೆಯ ಅವಧಿ ಎಷ್ಟು?
3. ಹಿಂದಿ ಪುಸ್ತಕಗಳ ಮಾರಾಟ ಎಲ್ಲಿ ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ?
4. ಪುಸ್ತಕಗಳ ಮೇಲೆ ಎಷ್ಟು ರಿಯಾಯಿತಿ ಕೊಡಲಾಗುವುದು?
5. ಮಿನಿ ವಿಧಾನಸೌಧದ ಉದ್ಘಾಟನೆಯು ಯಾರಿಂದ ನೆರವೇರಿಸಲ್ಪಡುವುದು?

II. ಉದಾಹರಣೆಯಂತೆ ವಾಕ್ಯದ ರೂಪಗಳನ್ನು ಬದಲಾಯಿಸಿ.

ಉದಾಹರಣೆ : ರಾಮನಿಂದ ಹಣ್ಣು ತಿನ್ನಲ್ಪಟ್ಟಿತು.

ರಾಮನು ಹಣ್ಣನ್ನು ತಿಂದನು.

1. ಕುವೆಂಪು ಅವರಿಂದ ರಾಮಾಯಣದರ್ಶನಂ ರಚಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿತು.
2. ಶಂಕರನಿಂದ ಮನೆ ಕಟ್ಟಲ್ಪಟ್ಟಿತು.
3. ವಿಶ್ವೇಶ್ವರಯ್ಯನವರಿಂದ ಕನ್ನಂಬಾಡಿ ಆಣೆಕಟ್ಟು ಕಟ್ಟಲ್ಪಟ್ಟಿತು.
4. ಸೀತೆಯಿಂದ ಅಡಿಗೆ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟಿತು.
5. ಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿಗಳಿಂದ ಹಕ್ಕುಪತ್ರ ನೀಡಲ್ಪಟ್ಟಿತು.

III. ಕನ್ನಡಕ್ಕೆ ಭಾಷಾಂತರಿಸಿ.

ग्रामीण युवकों में बेरोजगारी को दूर करने के उद्धेश्य से युवकों को सक्षम बनाने केलिए आवश्यक दक्षत और तकनीक से सुसज्जित किया जा रहा है। योजना के अन्तर्गत प्रतीवर्ष दो लाख ग्रामीण युवकों को विभिन्न शिल्पों में प्राशिक्षित किया जा रहा है। इस में संस्थाओं द्वारा प्रशिक्षण देने के अतिरिक्त स्थानीय औध्योगिक इकाइयों, कुशल हस्तशिल्पी, कारीगारों और कुशल कामगर के माध्यम से भी युवकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रत्येक युवक को प्रतिमाह सौ रुपये वजीफ़ा दिया जा

रहा है। उद्यन पूरा होने पर प्रत्येक युवक को 4,000 रुपये की सहायता दी जाती है जिस से वह अपना धंधा प्रारम्भ कर सके। अनुसूचित जाति के युवक को 5000 रुपये की सहायता दी जाती है। ग्रामींण एवं कमजोर वर्ग के युवकों को स्वरोजगार चलाने के लिए छठी पंचवार्षीय योजना के अन्तर्गत, प्रादेशिक ग्रामीण बैंकने 21 प्रदेशोंके 270 जिलों में सहायता की राशि प्रदान की है। इस दौरान 3,000 करोड रुपये की सहायता दी गई।

IV. निम्नांकित विषय पर दस वाक्य लिखिए

`ದಿನಪತ್ರಿಕೆ'

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में कर्तृ और कर्मवाच्य के वाक्यों का परिचय दिया गया है। नीचे लिखे वाक्यों पर ध्यान दें।

1. ನಾವು ಪುಸ್ತಕ ಮೇಳದಲ್ಲಿ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ತಂದೆವು.
   हम पुस्तक मेलों में पुस्तके लाये।
2. ಎಲ್ಲಾ ಪುಸ್ತಕಗಳಿಗೂ ಶೇಕಡ 20 ರಿಯಾಯಿತಿ ಕೊಡಲಾಗುವುದು.
   सभी पुस्तकों केलिए प्रतिशान 20 की छूट दी जाती है।
3. ಕನ್ನಂಬಾಡಿ ಅಣೆಕಟ್ಟು ವಿಶ್ವೇಶ್ವರಯ್ಯನವರಿಂದ ಕಟ್ಟಲ್ಪಟ್ಟಿತು.
   कन्नम्बाडी बाँध विश्वेश्वरय्याजीसे बनाया गया है।
4. ನಾಟಕಗಳು, ಕಾದಂಬರಿಗಳು, ವಿಮರ್ಶೆ – ಹೀಗೆ ಅನೇಕ ಕೃತಿಗಳು ಕುವೆಂಪು ಅವರಿಂದ ರಚಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿವೆ.

नाटक, उपन्यास, आलोचना - इस प्रकार कई रचनाएँ कुवेम्पुजी से रची गई हैं। पहला वाक्य कर्तृ वाच्य है। इस का गठन और प्रयोग हिन्दी की तरह होता है। यह उदाहरण से स्पष्ट है। 2,3,4 वाक्यो को मोटे तौर पर कर्मवाच्य कह सकते हैं। इस का प्रयोग भी हिन्दी की तरह ही होता है। इस में क्रिया के रूप निम्न ढँग से बनाये जाते हैं।

धातु + ಅಲ್ प्रत्यय + ಪಡು. क्रिया का भूतकाल का रूप ಪಟ್ಟ್ + पुरुष, वचन, लिंग के प्रत्यय.

उदाहरण: ರಚಿಸು + ಅಲ್ + ಪಟ್ಟ್ + ಇವೆ. – ರಚಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿವೆ. – रचाये गये हैं।
ಶಿವರಾಮ ಕಾರಂತರಿಂದ ಅನೇಕ ಕೃತಿಗಳು ರಚಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿವೆ.
शिवराम कारन्तजी से कई कृतियाँ रची गई हैं।

यह ध्यान देने की बात है कि कन्नड में भी हिन्दी की तरह कर्ता में `ಇಂದ' करण कारक की विभक्ति लगाई जाती है।

पुरुष; वचन और लिंग के लिए लगाए जानेवाले प्रत्यय कर्म के अनुसार बदलते हैं।

उदाहरण : ವಿಧಾನಸೌಧವು ಹನುಮಂತಯ್ಯನವರಿಂದ ಕಟ್ಟಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ.

विधानसौध हनुमन्तय्याजी से बनाया गया है।

यह ध्यान देने की बात है कि कन्नड की बोलचाल की भाषा में ऊपर के 2.3.4 वाक्यों का प्रयोग नहीं मिलता। इस का प्रयोग लिखित में है।

II. ಎಲ್ಲಾ ಪುಸ್ತಕಗಳಿಗೂ ಶೇಕಡ 20 ರಿಯಾಯಿತಿ ನೀಡಲಾಗುವುದು.

सभी पुस्तकों केलिए 20 प्रतिशात छूट दी जाती है।

इस वाक्य में कर्ता नहीं दिया जाता। इस से यह नहीं मालूम होता कि क्रिया का कर्ता क्या है। यह रूप भावे प्रयोग से मिलता-जुल्ता है। इस में क्रिया के रूप निम्न प्रकार से बनाये जाते हैं।

मूलरूप + ಅಲ್ + ಆಗು क्रिया के पुरुष लिंग, और वचन के अनुसार विभिन्न रूप.

ನೀಡು + ಅಲ್ + ಆಗುವುದು – ನೀಡಲಾಗುವುದು – दिया जाता हैं।

उदाहरण: ರಾಜಕುಮಾರ್ ಅವರಿಗೆ ಗೌರವ ಡಾಕ್ಟರೇಟ್ ನೀಡಲಾಗುವುದು.

राजकुमार को गौरव डाक्टरेट दिया जाएगा।

ऊपर के कर्मवाच्य जैसे और भावे प्रयोग जैसे वाक्यों का प्रयोग बोलचाल की भाषा में नहीं होता। उनका प्रयोग लिखित भाषा में किया जाता है, वह भी विशेषकर प्रशासन, समाचार पत्र, विज्ञापन की भाषा केलिए किया जाता है।

ಪಾಠ 24
पाठ 24

ಆಶು ಭಾಷಣ ಸ್ಪರ್ಧೆ
आशु भाषण प्रतियोगिता

ಉಪಾಧ್ಯಾಯ	: ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳೇ ಈಗ ನಡೆಯುವ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ `ಆಶು ಭಾಷಣ ಸ್ಪರ್ಧೆ' ಅಂತ. ಅಂದರೆ ಈ ಡಬ್ಬಿಯಲ್ಲಿ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳ, ವಿವಿಧ ವಿಷಯಗಳ ಹೆಸರನ್ನು ಬರೆದ ನೂರಾರು ಚೀಟಿಗಳು ಇವೆ. ಅದರಲ್ಲಿ ಕೈಗೆ ಸಿಕ್ಕಿದ ಒಂದನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಅಲ್ಲಿರುವ ವಿಷಯ ಕುರಿತು ಮಾತನಾಡ ಬೇಕು. ಈಗ ರೆಹಮಾನ್ ಸರದಿ.	विध्यार्थियों, अब शुरु होनेवाला कार्य क्रम है -`आशु भाषण प्रतियोगिता '। इस डब्बे में सैकडों चिटें हैं जिन पर व्यक्तियो और विषयों के नाम लिखे हुए हैं। इस में से जो कोई एक हाथ लगे उसे लेकर उस पर लिखे गए विषय पर भाषण देना है। अब रेहमान की बारी है।
ರೆಹಮಾನ್	: ನನಗೆ ಸಿಕ್ಕಿರುವ ವಿಷಯ `ಪಂಪ'. ಕನ್ನಡದ ಆದಿ ಕವಿ ಆದ ಪಂಪನ ವಿಷಯ ಏನು ಹೇಳಬಲ್ಲೆ ಅಂತ ನನಗೆ ಹೊಳೆಯುತ್ತಿಲ್ಲ. ಪಂಪನಿಂದ `ಆದಿಪುರಾಣ' ಮತ್ತು `ವಿಕ್ರಮಾರ್ಜುನ ವಿಜಯ' ಎಂಬ ಎರಡು ಕೃತಿಗಳು ರಚಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿವೆ. ಪಂಪನಿಗೆ `ಕವಿತಾಗುಣಾರ್ಣವ' ಎಂಬ ಬಿರುದು ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟಿತ್ತು. ಪಂಪ ಹುಟ್ಟಿನಿಂದ ಜೈನನಾದರೂ ವೈದಿಕ ಮತಾವಲಂಬಿಗಳಾಗಿದ್ದ ತನ್ನ ಪೂರ್ವಜರನ್ನು ಹೆಮ್ಮೆಯಿಂದಲೇ ನೆನೆದು ತನ್ನ ಪೂರ್ವಜರ ಸ್ಥಳ ವೆಂಗಿ ಮಂಡಲದ ವೆಂಗಿಪಳು ಎಂಬ ವಿಷಯವನ್ನು	मुझे `पम्प' विषय मिला है। कन्नड के आदि कवि पम्प के विषय में क्या कह सकता हूँ? सूझ नहीं रहा है। पम्पजी के द्वारा `आदि पुराण' और `विक्रमार्जुन विजय' नामक कृतियाँ लिखी गई हैं। पम्प को `कविता गुणार्णव' नामक उपाधि दी गई थी। पम्प जन्म से जैन होते हुए भी वैदिक मत को माननेवाले अपने पूर्व-जों का गर्व के साथ स्मरण करते हुए अपने पूर्वजों का निवास स्थान `वेंगिमंडल' के `वेंगिपळु' के बारे में ज़िक्र किया है। `विक्रमार्जुन विजय'

	ತಿಳಿಸಿದ್ದಾನೆ. ವಿಕ್ರಮಾರ್ಜುನ ವಿಜಯವು ಪಂಪ ಭಾರತ ಎಂಬ ಹೆಸರಿನಿಂದಲೂ ಕರೆಯಲ್ಪಡುತ್ತದೆ. ಇಷ್ಟು ಹೇಳಿ ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಮುಗಿಸುತ್ತೇನೆ.	को `पम्प भारत' के नामसे भी जाना जाता है। इतना बोलकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ।
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ :	ಈಗ ದೇವಿ ಪ್ರಸಾದ್ ಮಾತನಾಡಬೇಕು.	अब देवीप्रसाद को बोलना है।
ದೇವಿಪ್ರಸಾದ್ :	ನನಗೆ ಸಿಕ್ಕಿರುವ ವಿಷಯ `ಪ್ರಜ್ಞಾಹೀನತೆ'. ದುಃಖದ ಸುದ್ದಿ ಕೇಳಿದಾಗ ಅಥವಾ ಹಠಾತ್ತನೆ ಹೆದರಿ ಎಷ್ಟೋ ಜನ ಪ್ರಜ್ಞಾ ಹೀನರಾಗುತ್ತಾರೆ. ಆಗ ಅವರು ಬೆವರಿ ತಣ್ಣಗಾಗುತ್ತಾರೆ. ಮುಖದಲ್ಲಿ ಗಾಬರಿ ಕಾಣುತ್ತದೆ. ಸಾಕಷ್ಟು ಗಾಳಿ, ಬೆಳಕುಗಳಿಲ್ಲದ ಕೊಠಡಿ, ಹಸಿವು, ದಣಿವು, ತೀವ್ರನೋವು, ಮನಸ್ಸಿನ ಆಘಾತ ಇತ್ಯಾದಿ ಕಾರಣಗಳಿಂದಲೂ ಪ್ರಜ್ಞೆ ತಪ್ಪಿ ಪ್ರಜ್ಞಾ ಹೀನರಾಗಬಹುದು. ಮಿದುಳಿನ ಕೆಲಸ ಸರಿಯಾಗಿ ನಡೆಯಬೇಕಾದರೆ ಅಲ್ಲಿ ರಕ್ತ ಪರಿಚಲನೆ ಸರಿಯಾಗಿ ಆಗಬೇಕು. ಮಿದುಳಿಗೆ ಅಗತ್ಯವಿರುವಷ್ಟು ರಕ್ತ ಸರಬರಾಜು ಆಗದಿದ್ದರೆ ಪ್ರಜ್ಞೆ ಹೋಗುತ್ತದೆ. ಪ್ರಜ್ಞೆ ಕಳೆದುಕೊಂಡವರನ್ನು ಮಲಗಿಸಿ ಅವರ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ಸಡಿಲಿಸಿ ಕಾಲುಗಳನ್ನು ಮೇಲಕ್ಕೆತ್ತಿ ತಲೆ ಸ್ವಲ್ಪ ಕೆಳಮಟ್ಟದಲ್ಲಿರುವಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಲ್ಪಟ್ಟರೆ ಇದರಿಂದ ಮಿದುಳಿಗೆ ರಕ್ತ ಹರಿದು ಪ್ರಜ್ಞೆ ಬರುತ್ತದೆ. ಇಷ್ಟು ಹೇಳಿ ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಮುಗಿಸುತ್ತೇನೆ.	मेरा विषय है `प्रज्ञाहीनता'।दुःख का समाचार सुन कर अथवा हठात डर कर कई लोग प्रज्ञाहीन हो जाते हैं। तब वे अधिक पसीने से ठंड पड जाते हैं। चहरे पर धबराहट छा जाती है। कमरे में पर्याप्त प्रकाश और हवा न होने के कारण और भूख, थकावट, तीव् पीडा, मानसिक आधात आदि कारणों से भी प्रज्ञाहीन हो जाते हैं। दिमाग का काम ठीक से चलने, केलिए रक्त-संचार ठीक होना चाहिए। दिमाग को जितना रक्त आवश्यक जाना चाहिए उतना रक न मिले तो प्रज्ञा चला जाता है। प्रज्ञा खोनेवालों को लिटा कर उन के कपडों को ढीला कर पैरों को ऊपर उठा कर सिर को नीचे क़ी ओर, करके देख- भाल करने से दिमाग में रक्त पहुँचता है और प्रज्ञा वापस आती है। इतना कह कर अपनी बात को यहीं समाप्त करता हूँ।

ಉಪಾಧ್ಯಾಯ : ಈಗ ಸರಸ್ವತಿಯ ಸರದಿ.

ಸರಸ್ವತಿ : ನಾನು ಈಗ ನಟಸಾರ್ವಭೌಮ ರಾಜ–ಕುಮಾರ್ ಕುರಿತು ಮಾತನಾಡಬೇಕು ಅಂತ ಚೀಟಿ ಸಿಕ್ಕಿದೆ. ರಾಜಕುಮಾರ್ 1931 ರಲ್ಲಿ ಜನಿಸಿದರು. ಕನ್ನಡ ಚಲನಚಿತ್ರರಂಗದ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ನಟರಾದ ರಾಜಕುಮಾರ್ ಅವರು ಕೊಳ್ಳೇಗಾಲ ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ಸಿಂಗಾನಲ್ಲೂರು ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಜನಿಸಿದರು. ಇವರ ತಂದೆ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ರಂಗಭೂಮಿ ನಟ. ಸಿಂಗಾನಲ್ಲೂರು ಪುಟ್ಟಸ್ವಾಮಯ್ಯ ಮತ್ತು ತಾಯಿ ಲಕ್ಷ್ಮಮ್ಮ ಇವರಿಗೆ ಮುತ್ತುರಾಜ ಎಂದು ನಾಮ–ಕರಣ ಮಾಡಿದರು. ತಂದೆಯವರಿಂದ ಹಾಡುಗಾರಿಕೆ, ಅಭಿನಯ ತರಭೇತಿ ಪಡೆದ ರಾಜಕುಮಾರ್ ಗುಬ್ಬಿ ವೀರಣ್ಣನವರ ನಾಟಕ ಕಂಪೆನಿಗೆ ಸೇರಿ ಅನೇಕ ಪಾತ್ರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದರು. ಅನಂತರ ಚಲನಚಿತ್ರರಂಗ ಪ್ರವೇಶಿಸಿ ಬೆಳೆದು ಉತ್ತಮ ನಟರಾದರು. ಕನ್ನಡ ಚಿತ್ರ ರಂಗಕ್ಕೆ ತಮ್ಮನ್ನು ಅರ್ಪಿಸಿಕೊಂಡಿರುವ ರಾಜಕುಮಾರ್ ಕನ್ನಡ ಚಿತ್ರ ರಸಿಕರ ಮನದಾಳದ ಆರಾಧ್ಯ ನಟರಾದರು. ರಣಧೀರ ಕಂಠೀರವ, ಕಿತ್ತೂರು ಚೆನ್ನಮ್ಮ, ಇಮ್ಮಡಿ ಪುಲಿಕೇಶಿ, ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣ ದೇವರಾಯ, ಮಯೂರ ಹೀಗೆ ಐತಿಹಾಸಿಕ ಚಿತ್ರ–ಗಳಿಂದ ಹಿಡಿದು ಸಾಮಾಜಿಕ, ಧಾರ್ಮಿಕ ಚಿತ್ರಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಪಾತ್ರವಹಿಸಿ ಉತ್ತಮ

अब सरस्वती की बारी है।

अब मुझे नटसार्वभौम राजकुमार के बारे में बोलना है ऐसा चिट मिली है। राजकुमार का जन्म 1931 में हुआ। कन्नड चलनचित्र के प्रसिध्द अभिनेता राजकुमार कोळ्ळेगाल तालुका के सिंगानल्लूर ग्राम मैं पैदा हुए। इन के पिताजी प्रसिद्ध रंगभूमी अभिनेता थे। सिंगानल्लूर पुट्ट-स्वामय्या और माता लक्ष्मम्मा ने इनका नाम मुत्तुराज रखा। पिताजी से संगीत और अभिनय का प्रशिक्षण पाकर राजकुमार गुब्बी वीरण्णा की नाटक मंडली में शामिल हो गए और कई चारित्रों का अभिनय किया। उस के बाद चलनचित्र जगत में प्रवेश करके अन्नती करते हुए श्रेष्ट अभिनेता बन गए। राजकुमार ने स्वयं को कन्नड चलनचित्र को समर्पण कर दिया और कन्नड चलनचित्र रसिकों के हृदय के आराध्य अभिनेता बन गये। `रणधीर कंठीरव' कित्तूरु चेन्नम्मा', `ईम्मडी पुलिकेशी', `श्रीकृष्णदेवराय', `मयूर' जैसे ऐतिहासिक चित्रों से शुरू करके सामाजिक, धार्मिक चित्रों में भी अभिनय करके

	ನಟರೆನಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ. ಇವರ ಮಕ್ಕಳಾದ ಶಿವ ರಾಜಕುಮಾರ್, ರಾಘವೇಂದ್ರ ರಾಜಕುಮಾರ್ ಸಹ ಕನ್ನಡ ಚಿತ್ರಗಳಲ್ಲಿ ನಟಿಸುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಇಷ್ಟು ಹೇಳಿ ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಮುಗಿಸುತ್ತೇನೆ.	श्रेष्ट अभिनेता का नाम कमाया। इन के पुत्र शिवराज कुमार, राघवेन्द्र राजकुमार भी कन्नड चित्रों में अभिनय कर रहे हैं। इतना कह कर अपनी बात समाप्त करती हूँ।
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ :	ಈಗ ಅರ್ಜುನ್ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ.	अब अर्जुन बोलेंगे।
ಅರ್ಜುನ್ :	ನನಗೆ ಸಿಕ್ಕಿರುವ ವಿಷಯ `ಭಾರತೀಯ ಭಾಷಾ ಸಂಸ್ಥಾನ' ಇದೊಂದು ವಿದ್ಯಾಸಂಸ್ಥೆ. ಮೈಸೂರಿನ ಮಾನಸಗಂಗೋತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಇದು 1969 ರಲ್ಲಿ ಸ್ಥಾಪಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ. ಇಲ್ಲಿ ಅನೇಕ ಭಾಷಾ ತಜ್ಞರು ಸೇರಿ ಭಾರತೀಯ ಭಾಷೆಗಳ ಬೋಧನೆ ಮತ್ತು ಆ ಭಾಷೆಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಸಂಶೋಧನೆ ಮತ್ತು ಪುಸ್ತಕ ರಚನೆ ಇತ್ಯಾದಿ ಕೆಲಸವನ್ನು ಮಾಡುತ್ತಾರೆ. ಇದರ ಜೊತೆಗೆ ಭಾಷಾ ಕಲಿಕೆಗೆ ಅನುಕೂಲ–ವಾಗುವ ಧ್ವನಿ ಸುರುಳಿಗಳನ್ನು, ಚಲನ ಚಿತ್ರಗಳನ್ನೂ ತಯಾರಿಸುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಪ್ರಕಟಿಸುವ ಕೆಲಸ ಮಾಡುತ್ತಾರೆ. ನಿಮಗೆ ಯಾರಿಗಾದರೂ ಬೇರೆ ಭಾಷೆಯನ್ನು ಕಲಿಯುವ ಆಸಕ್ತಿ ಇದ್ದರೆ ಅವರನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಬಹುದು. ಇಷ್ಟು ಹೇಳಿ ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಮುಗಿಸುತ್ತೇನೆ.	मुझे को जो विषय मिला है वह है - `भारतीय भाषा संस्थान'। यह एक शैक्षणिक संस्थान है। मैसूर के मानसगंगोत्री में 1969 में इस की स्थापना हुई। यहाँपर बहुत से भाषा शास्त्री भारतीय भाषाओं के बोधन और उन भाषाओ के विषय में शोध और इन विषयों पर पुस्तकें लिखना आदि कार्य करते हैं। इस के साथ भाषा सीखने केलिए उप-युक्त श्रवण सामग्री और दृश्य सामाग्री। (आडियो वीडियो कैसेट) तैयार करते हैं। पुस्तकों का प्रकाशान भी करते हैं। आप में से किसी को अन्य भाषा सीखने की रुची है तो संस्थान के लोगों से सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं। इतना कह कर मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ।
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ :	ಈಗ ಪಾರ್ವತಿಯ ಸರದಿ.	अब पार्वती की बारी है।

ಪಾರ್ವತಿ	: ನನಗೆ ಸಿಕ್ಕಿರುವ ಚೀಟಿಯಲ್ಲಿರುವ ವಿಷಯ `ಜಲಪಾತ' ಬೆಟ್ಟ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ದೊಡ್ಡ ದೊಡ್ಡ ಬಂಡೆಯ ಮೇಲಿನಿಂದ ಎತ್ತರ ವಾದ ಸ್ಥಳಗಳಿಂದ ಬೀಳುವ ನೀರಿಗೆ ಜಲಪಾತ ಎಂದು ಕರೆಯುತ್ತಾರೆ. ಜಲಪಾತಗಳು ಪ್ರಕೃತಿಯಿಂದಲೇ ನಿರ್ಮಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿರುವ ಸುಂದರ ಜಲಧಾರೆಗಳು. ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿರುವ ಜೋಗ್ ಜಲಪಾತ ಪ್ರಸಿದ್ಧವಾದುದು. ವಿಶ್ವದ ಅತ್ಯಂತ ಎತ್ತರದ ಜಲಪಾತ ಅಮೇರಿಕಾದ ವೆನಿಜ್ಯೂಲಾದಲ್ಲಿದೆ. 1935 ರಲ್ಲಿ ಅಮೆರಿಕಾದ ವಿಮಾನ ಚಾಲಕ ಜಿನ್ನಿ ಏಂಜಲ್ ಈ ಜಲಪಾತವನ್ನು ಮೊದಲು ಪತ್ತೆ ಹಚ್ಚಲ್ಪಟ್ಟ ಕಾರಣ ಏಂಜಲ್ ಜಲಪಾತ ಎಂದೇ ಕರೆಯುತ್ತಾರೆ. ಇದು 3,300 ಅಡಿಗಳ ಎತ್ತರದಿಂದ ಧುಮುಕುತ್ತದೆ. ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿರುವ ಗೇರುಸೊಪ್ಪೆ ಜಲಪಾತ ಏಷಿಯಾದ ಅತಿ ಎತ್ತರದ ಜಲಪಾತ. ನ್ಯೂಯಾರ್ಕಿನ ಹತ್ತಿರ ಇರುವ ನಯಾಗರಾ ಜಲಪಾತ ಹಲವಾರು ದೃಷ್ಟಿಗಳಿಂದ ಪ್ರಸಿದ್ಧವಾಗಿದೆ. ಜಲಪಾತಗಳಿಂದ ಬೀಳುವ ನೀರಿನಿಂದ ವಿದ್ಯುಚ್ಛಕ್ತಿ ಉತ್ಪಾದಿಸಲ್ಪಡುತ್ತದೆ. ಇಷ್ಟು ಹೇಳಿ ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಮುಗಿಸುತ್ತೇನೆ.	मुझे जो चिट मिली है उस में (मेरा) विषय है `जल प्रपात'। पहाडी प्रदेश में बडे बडे चट्टानों के ऊपर से गिरनेवाले जल को जल प्रपात कहते हैं। जल प्रपात प्रकृति द्वारा बनाई गई सुन्दर जल-धाराएँ हैं। कर्नाटक का जोग जल प्रपात प्रसिध्ध है। विश्व के सब से ऊँचा जल प्रपात अमेरिका के वेनेजुएला में है। 1935 में अमेरिका के विमान चालक जिन्नि एंजल ने इसजल प्रपात का पता पहले लगाया था। उसी कारण इस को `एंजल' जल प्रपात नाम से कहते हैं। यह 3,300 फुट ऑंचाई से नीचे गिरता है। कर्नाटक का गेरुसोप्पे जल प्रपात एशिया में सब से ऊँचा जल प्रपात है।न्यूयार्क के पास नयागरा जल प्रपात कई दृष्टियों से प्रसिद्ध है। जल प्रपातों से गिरने वाले जल से बिजली का उत्पादन किया जाता है। यह कह कर अपनी बात पूरी करती हूँ।
ಉಪಾಧ್ಯಾಯ:	ಇಲ್ಲಿಗೆ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಮುಗಿಯುತ್ತೆ. ಬಹುಮಾನ ವಿಜೇತರ ಹೆಸರನ್ನು ಪ್ರಕಟಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ. ವಂದನೆಗಳು.	यह कार्यक्रम यहाँ समाप्त होता है। पारितोषिक पानेवालों के नाम प्रकाशित किये जायेंगे। नमस्कार।

शब्दार्थ

ಚೀಟಿ	चिट
ಡಬ್ಬಿಯಲ್ಲಿ	डब्बे में
ಕೈಗೆಸಿಕ್ಕಿದ	हाथ लगे
ಹೊಳೆಯುತ್ತಿಲ್ಲ	नहीं सूझता
ಹೆಮ್ಮೆಯಿಂದ	गर्व के साथ
ಸುದ್ದಿ	समाचार
ಹೆದರಿ	डर (धबरा) कर
ತಣ್ಣಗಾಗುತ್ತಾರೆ	ठंडा हो जाते
ಹಸಿವು	भूख
ಆಘಾತ	आधात, चोट
ಮಿದುಳು	दिमाग
ಕಳೆದುಕೊಂಡವರನ್ನು	खोनेवालों को
ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು	कपडों को
ಮೇಲಕ್ಕೆತ್ತಿ	ऊपर उठा कर
ನಟ	अभिनेता
ಪಾತ್ರ	अभिनय
ಅರ್ಪಣ	समर्पण कर
ವಿದ್ಯೆ	शिक्षा
ಕಲಿಕೆ	शिक्षा
ಬೆಟ್ಟ	पहाड
ನಿರ್ಮಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ	बनाई गई
ಧುಮುಕುತ್ತದೆ	गिरता है
ಬಹುಮಾನ	पारितोषिक

ನಡೆಯುವ	चलनेवाला
ನೂರಾರು	सैकडों
ಸರದಿ	बारी
ಹುಟ್ಟಿನಿಂದ	जन्म से
ನೆನೆದು	स्मरण कर
ಹಠಾತ್ತನೆ	हठात्
ಬೆವರಿ	पसीने से
ಕೊಠಡಿ	कमरा
ದಣಿವು	थकावट
ಇತ್ಯಾದಿ	आदी
ರಕ್ತಪರಿಚಲನೆ	रक्त संचार
ಮಲಗಿಸಿ	लिटा कर
ಸಡಿಲಿಸಿ	डीला कर
ಕುರಿತು	बारे में
ತರಬೇತಿ	प्रशिक्षण
ಅನಂತರ	उस के बाद
ಆರಾಧ್ಯ	आराध्य
ಸಂಸ್ಥೆ	संस्थान
ಜಲಪಾತ	जल प्रपात
ಬಂಡೆ	चट्टान
ಪತ್ತೆ	पता
ವಿಜೇತರು	विजेता

अभ्यास

I. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿ.

1. ಅಂದು ಎಂತಹ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ನಡೆಯಿತು?
2. ಪಂಪ ಯಾರು?
3. ರಾಜಕುಮಾರ ನಟಿಸಿರುವ 2 ಚಿತ್ರಗಳ ಹೆಸರು ಬರೆಯಿರಿ?
4. ಜನರು ಏಕೆ ಪ್ರಜ್ಞಾಹೀನರಾಗುತ್ತಾರೆ?
5. ಭಾರತೀಯ ಭಾಷಾ ಸಂಸ್ಥಾನ ಎಲ್ಲಿದೆ?

II. ಉದಾಹರಣೆಯಂತೆ ವಾಕ್ಯಗಳ ರೂಪಗಳನ್ನು ಬದಲಾಯಿಸಿ.

ಉದಾಹರಣೆ : ರವಿಯು ಶಾಲೆಗೆ ಹೋದನು.

ರವಿಯು ಸಾಯಂಕಾಲ ಮನೆಗೆ ಬಂದನು.

ರವಿಯು ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಿ ಸಾಯಂಕಾಲ ಮನೆಗೆ ಬಂದನು.

1. ಸರಸ್ವತಿಯು ಅಡಿಗೆ ಮಾಡಿದಳು.
   ಸರಸ್ವತಿಯು ಊಟ ಮಾಡಿದಳು.
2. ಶಂಕರನು ಪಾಠ ಓದಿದನು.
   ಶಂಕರನು ಮಲಗಿದನು.
3. ದೇವಿಕ ಆಟ ಆಡಿದಳು.
   ದೇವಿಕ ಕಾಫಿ ಕುಡಿದಳು.
4. ನೆಂಟರು ಮನೆಗೆ ಬಂದರು.
   ನೆಂಟರು ಊಟ ಮಾಡಿದರು.
5. ಮಕ್ಕಳು ಶಾಲೆಗೆ ಬಂದರು.
   ಮಕ್ಕಳು ಪಾಠ ಕಲಿತರು.

III. ಈ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಉದಾಹರಣೆಯಂತೆ ಭೂತಕಾಲ ರೂಪಗಳಿಗೆ ಪರಿವರ್ತಿಸಿ.

ಉದಾಹರಣೆ: ಮಹೇಶ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗ್ತಾನೆ.

ಮಹೇಶ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಿದ್ದ.

1. ರವಿ ನಮ್ಮ ಮನೆಗೆ ಬರ್ತಾನೆ.
2. ಶಾರದ ರೂಮಿನಲ್ಲೇ ಇರ್ತಾಳೆ.
3. ಶಂಕರ ಮನೆಯಲ್ಲೇ ಇರ್ತಾನೆ.
4. ಕೋಮಲ ಮನೆಗೆ ಹೋಗ್ತಾಳೆ.
5. ಕಮಲ ಪಾರ್ಕಿನಲ್ಲಿ ಇರ್ತಾಳೆ.

IV. ಈ ಪದಗಳನ್ನು ನಿಮ್ಮ ವಾಕ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಿ.

ನೀಡಲಾಗುವುದು, ನಿರ್ಮಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ. ನೆರವೇರಿಸಲ್ಪಡುವುದು, ವಿಧಿಸಲಾಗಿದೆ.

V. ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ಪದದ ಸರಿಯಾದ ರೂಪವನ್ನು ಬಳಸಿ ವಾಕ್ಯ ಪೂರ್ಣಮಾಡಿ.

1. ನಾನು ನಾಳೆ ನಿಮ್ಮ ಮನೆಗೆ .... (ಬರು)
2. ರಮೇಶ ನಿನ್ನೆ ಸಿನಿಮಾಕ್ಕೆ .... (ಹೋಗು)
3. ಪಂಕಜ ನಡೆದುಕೊಂಡು .... ಇದ್ದಾಳೆ. (ಬರು)
4. ಲಲಿತ ಕಾದಂಬರಿ ಓದುತ್ತಾ .... (ಇರು)
5. ರಾಜು ಮತ್ತು ರವಿ ಮನೆಗೆ .... (ಹೋಗು)

ಓದಿ ಮತ್ತು ಅರ್ಥ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಿ.

ಒಮ್ಮತ
एकता

ಬ್ರಿಟಿಷರು ಭಾರತೀಯರ ಅಳಿದುಳಿದ ಐಕಮತ್ಯವನ್ನು ಮುರಿಯಲು ಅತ್ಯಂತ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಜಾಲವನ್ನು ಹಬ್ಬಿಸಿದರೆಂಬುದು ಇಂದಿನ ಭಾರತೀಯ ವಿದ್ಯಾವಂತರಿಗೂ ಮುಖಂಡರಿಗೂ ತಿಳಿದಿರಬಹುದು. ತಾರಾಚಂದರು `ಭಾರತೀಯ ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯದ ಇತಿಹಾಸ' ಎಂಬ ಗ್ರಂಥದಲ್ಲಿ ವುಡ್ ಮಹಾಶಯನು ಅಂದಿನ ವೈಸ್‌ರಾಯ್‌ಗೆ ಬರೆದ ಪತ್ರದ ಸಾರಾಂಶವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾರೆ. ವುಡ್ ಹೀಗೆಂದಿದ್ದಾನೆ– `ಭಾರತೀಯರಲ್ಲಿರುವ ಒಮ್ಮತವನ್ನು ತಡೆಯಲು ಸಾಧ್ಯವಾದುದನ್ನೆಲ್ಲ ಮಾಡು.

ನಾವು ಅಲ್ಲಿ ನಮ್ಮ ಆಡಳಿತವನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಂಡದ್ದೇ ಒಂದು ಗುಂಪಿನ ಮೇಲೆ ಇನ್ನೊಂದನ್ನು ಎತ್ತಿಕಟ್ಟಿ. ಏನೇ ಆಗಲಿ, ಇದನ್ನು ಸರ್ವಥಾ ಮುಂದುವರಿಸಿಕೊಂಡು ಹೋಗಬೇಕು.

ಬ್ರಿಟಿಷರು ಭಾರತ ಬಿಟ್ಟು ತೊಲಗಿದರೂ, ಗುಲಾಮಗಿರಿಯ ಪ್ರತೀಕವಾದ ಪರಸ್ಪರ ದ್ವೇಷಾಸೂಯೆಯನ್ನು ನಮ್ಮ ದೇಶದಲ್ಲಿ ಉಳಿಸಿ, ಬೆಳೆಸಿಕೊಳ್ಳಲು ನಿಷ್ಠೆಯಿಂದ ಪ್ರಯತ್ನಿಸುತ್ತ ಇರುವಂತೆ ಕಾಣುತ್ತದೆ. ಈ ದ್ವೇಷ ಅಸೂಯೆಯನ್ನು ಕಿತ್ತೆಸೆಯದೆ ನಾವು ಒಳ್ಳೆಯ ಪ್ರಜೆಗಳಾಗಿ ಬದುಕಲಾರೆವು ಎಂಬ ಭಾವನೆಯನ್ನು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಲ್ಲಿ ಉಂಟು ಮಾಡಲು ನಮ್ಮ ಶಿಕ್ಷಣ ಪದ್ಧತಿ ಸಮರ್ಥವಾಗಿಲ್ಲ ಎಂಬುದು ವಿಪರ್ಯಾಸ. ನಾವು ಮೊದಲು ದ್ವೇಷ ಅಸೂಯೆಗಳನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಭಾರತೀಯರಾದ ನಾವೆಲ್ಲ ಒಂದು ಎಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ಅರಿಯಬೇಕು. ನಮ್ಮ ಮಕ್ಕಳಿಗೂ ತಿಳಿಸಬೇಕು.

नए शब्द

ಅಳಿದುಳಿದ	बचा	ಐಕಮತ್ಯವನ್ನು	एकता को
ಮುರಿಯಲು	तोडने केलिए	ಒಮ್ಮತ	एकता
ತಡೆಯಲು	रोकने केलिए	ಗುಂಪು	समूह
ಕಿತ್ತೆಸೆಯದೆ	नाश किये बिना	ವಿಪರ್ಯಾಸ	विपर्यास

I. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸಿ.

1. ಭಾರತೀಯರ ಐಕಮತ್ಯವನ್ನು ಮುರಿಯಲು ಬ್ರಿಟಿಷರು ಏನು ಮಾಡಿದರು?
2. ತಾರಾಚಂದರು ಬರೆದ ಕೃತಿ ಯಾವುದು?
3. ವುಡ್ ಮಹಾಶಯನು ವೈಸ್‌ರಾಯ್‌ಗೆ ಏನೆಂದು ಪತ್ರ ಬರೆದನು?
4. ಗುಲಾಮಗಿರಿಯ ಪ್ರತೀಕ ಯಾವುದು?
5. ನಮ್ಮ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಏನು ತಿಳಿಸಬೇಕು?

II. ಈ ಪದಗಳನ್ನು ನಿಮ್ಮ ವಾಕ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಿ.

ಸೂಕ್ಷ್ಮಜಾಲ, ಒಮ್ಮತ, ಆಡಳಿತ, ಗುಲಾಮಗಿರಿ, ದ್ವೇಷ, ಅಸೂಯ, ನಿಷ್ಠೆ.

III. ಕನ್ನಡಕ್ಕೆ ಭಾಷಾಂತರಿಸಿ.

भारत सरकारने 1950 में एक भारतीय सांस्कृतिक सम्पर्क परिषद की स्थापना की है। इस परिषद का प्रमुख उद्धेश्य भारत तथा अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक सम्पर्क और पारस्पारिक सदभावना बढाना और उसे सुदृढ करना है। परिषदने भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर अंग्रेजी और विदेशी भाषाओं में पुस्तकों और पत्रिकाओं का प्रकाशन कर के महान कार्य किया है। इस के साथ ही साथ परिषद् सांस्कृतिक वस्तुओं का आदान-प्रदान भी करती है। हाल ही मैं परिषद्ने विदेशों में भारतीय विधाओं के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना तथा विदेशी विश्वविध्यालयों में पीठों की स्थापना भी की है। परिषद अन्तर्राष्ट्रीय शांती तथा सद्भावना केलिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार प्रदान करती है। ये पुरस्कार सरकारने 1964 में आरम्भ किया था।

भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रसार केलिए अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत युनेस्को के साथ भारतीय राष्ट्रीय सहयोग आयोग के माध्यम से अरविन्द सोसाइटी, पाँडिचेरी में `औरोविल' योजना कार्यान्वित की जा रही है। इस का उद्धेश्य विभिन्न सांस्कृतियों के मूल्यों और आदर्शो को निकट लाना है। इस से ऐसे प्राचीन तथा आधुनिक भारत के बौद्धिक जीवन का सर्वतोमुखी विकास प्रतिबिम्बित होता है, जिसे अपनी परम्परा से प्रेम है, परन्तु जो सदैव नयी बातें सीखने केलिए उत्सुक रहता है।

IV. ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ ದಿನಾಚರಣೆ ಕುರಿತು 10 ವಾಕ್ಯ ಬರೆಯಿರಿ.

ಸರೋಜ : ಪರವಾಗಿಲ್ಲ. ಚೆನ್ನಾಗಿ ಮಾತಾಡ್ತಾನೆ.	अच्छा। अच्छी तरह बात करता है।
ಸರಸ್ವತಿ : ಅವನು ಯಾವಾಗ್ಲೂ ಹಾಗೇನೆ. ಮಾತಾಡೋಕೆ ಶುರು ಮಾಡಿದ್ರೆ, ನಿಲ್ಲಿಸೋದೆ ಕಷ್ಟ. ನಿಮ್ಮ ಮಕ್ಕಳು ಊರಿಗೆ ಹೋಗಿದಾರಾ?	वह हमेशा ऐसा ही है। बोलना शुरू करता है तो रोकना मुशकिल हो जाता है। क्या तुम्हारे बच्चे गाँव गये हैं?
ಸರೋಜ : ಇಬ್ಬರು ಊರಿಗೆ ಹೋಗಿದಾರೆ. ಇನ್ನಿಬ್ಬರು ಅಲ್ಲೇ ಬರ್ತಾ ಇದಾರೆ. ನೋಡಿ ಐಸ್‌ಕ್ರೀಂ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಬರ್ತಾ ಇದಾರೆ.	दो गाँव गये हैं। और दो वहाँ आ रहे हैं। देखो, आइसक्रीम लेकर आ रहे हैं।
ಪ್ರತಾಪ್ : ನಮಸ್ಕಾರ ಅಂಕಲ್.	नमस्कार अंकल।
ಪಾಂಡೆ : ನಮಸ್ಕಾರ. ಇದೇನು? ಪ್ರತಾಪ್ ಬ್ಯಾಂಡೇಜ್ ಕಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ?	नमस्कार। यह क्या? प्रतापने बैंडेज बाँध लिया है?
ಶರ್ಮಾ : ಸುಮ್ಮನೆ ಇರಲಾರದೆ ಕ್ರಿಕೆಟ್ ಆಡೋಕೆ ಹೋಗಿದ್ದ. ಏಟು ಬಿದ್ದಿದೆ.	चुपचाप न बैठकर क्रिकेट खेलने गया था। चोट लग गई है।
ಪಾಂಡೆ : ಹುಷಾರಾಗಿ ಆಡ್ಬೇಕಾಗಿತ್ತು.	सावधानीसे खेलना था।
ಪ್ರತಾಪ್ : ಹುಷಾರಾಗೇ ಆಡ್ತಾ ಇದ್ದೆ. ಶಂಕರ್ ಸರಿಯಾಗಿ ಬಾಲ್ ಎಸೆಯದೆ ತಲೆಗೇ ಹೊಡೆದುಬಿಟ್ಟ. ಇವನು ಬಹಳ ಕೆಟ್ಟವನು ಅಂಕಲ್.	सावधानीसे ही खेलता था। शंकरने गेन्द ठीक तरह नहीं फेंककर सिर पर गेन्द मार दी। अंकल. यह बहुत खराब है।
ಶಂಕರ್ : ನೀನೇ ಕೆಟ್ಟವನು. ನಾನು ಒಳ್ಳೆಯವನು.	तुम्हीं खराब हो। मैं अच्छा हूँ।
ಪಾಂಡೆ : ಏನು ಜಗಳಾನೇ ಪ್ರಾರಂಭ ಮಾಡಿಬಿಟ್ರಿ. ಹೋಗಲಿ ಬಿಡಿ. ಇಬ್ಬರೂ ಒಳ್ಳೆಯವರೆ.	क्या झगडा शुरू कर दिया? जाने दो। दोनों ही अच्छे हैं।
ಸರೋಜ : ಇವನಿಗಿಂತ ಅವನು ಹೆಚ್ಚು, ಅವನಿಗಿಂತ ಇವನು ಹೆಚ್ಚು. ಸರಿಯಾಗಿ ಒಂದು ನಿಮಿಷ ಇರೋದೇ ಇಲ್ಲ.	इस से वह बहुत अच्छा है। उससे यह बहुत अच्छा है। एक मिनिट भी अच्छी तरह न रहते।
ಸರಸ್ವತಿ : ಇಬ್ಬರೂ ಒಂದೇ ರೀತಿ ಇದಾರೆ. ಯಾರು ದೊಡ್ಡವರು?	दोनों एक समान हैं। कौन बडा है?
ಸರೋಜ : ಇವನಿಗಿಂತ ಅವನು ದೊಡ್ಡವನು.	इस से वह बड़ा है?

3. निम्न लिखित अक्षर वृन्द के अंतिम भाग के 'ಳ' अक्षर में 'ು' उपचिन्ह लगाकर शब्द बनाइए।

ಊಳ

ಉಳ

ಆಳ

ಅಳ

4. 'ಲ' अक्षर आनेवाले एक शब्द बनाइए।

5. 'ಳ'अक्षर आनेवाले दो शब्द बनाइए।

6. 'ಳು'शब्द आनेवाले एक शब्द बनाइए।

7. 'ಅ' तथा 'ಆ' अक्षर शुरु में आनेवाले एक एक शब्द बनाइए।

8. हिन्दि लिपि में दिए गए शब्दों को कन्नड लिपि में लिखिए।
आल, उळु

9. उपयुक्त अक्षर चुनकर शब्द पूरे कीजिए।
ಉ - (ಲು, ಳು)
ಆ - (ಲ, ಉ)
ಆ - (ಳು, ಊ)

10. पठित छः अक्षरों को दस दस बार लिखिए और उन के उच्चारण कीजिए।